

PUBLISHED BY AUTHORITY

*₃*≢o3] Nr. 31

नई विल्लो, शनिवार जनवरी 19 1985 (पौष 29, 1906) NE V DELHI, SATURDAY, JANUARY 19, 1985 (PAUSA 29, 1906)

हम भाग में भिश्व प्रष्ठ संख्या वो जानी है जिसने कि यह अनग संस्थान के क्या में रखा जा सके (Soparate paging is given to this Part in order that it way be filed as a separate compilation)

#### भाग ।।।...खण्य 1

## [PART III—SECTION 1]

व न्यायाल में, नियम्बर और पहाने बापरीक्षर, संब लोग सेवा अप्योग, रेन विभाग और भारत सरकार के संजग्न और अधीन कार्याजयों द्वारा जारी की गई अधिसुबनाएं Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Public Service Commission, the Indian Government Ruilways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

निई विरुल:-110011, दिनांक 15 नवम्बर 1984

त्त० ए--19014/9/84-प्रशासन-[--राष्ट्रपत्ति भारतीय आयुध फारखाना सेवा को अधिकारी कु० शोमा रामानन्द को संघ लोह सेवा आयोग के कार्यालय में 12 नवस्बर, 1984 पूर्वाह्म से आगामा आदेशों तक अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 17 नवम्बर, 1984

भं ० ए ० – 1 20 25/ 1/84(I)/प्रशासन-I — फेन्द्रोय सुचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड 'ख' का नियुक्ति के लिए सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी पर क्षा, 1983 ने आधार पर गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा संब लोह सेवा आयोग के संबर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें ० स० स्टे०का ग्रेड ख) के रूप में मनौनीत किए जाने के परिणामस्वरूप देखें उनका का० ज्ञा० सं० 7/1/84-सि० से०-2 दिनांक 11 अन्तुवरं, 1984 राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्टे० से० संबर्ग में समय-समय परतदर्थ आधार पर स्यानायन रूप से कार्यरत वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के श्री आर० पी० डंग

(रैंक 48) को संघ लोक सेवा आयोग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग में ग्रेड ख में 11 अक्तूबर, 1984 में आगामो आदेशों तक अस्थाई रुप से नियुक्ति करते हैं । इनकी नियुक्ति विल्ली उच्च न्यायालय, विल्ला में लिम्बत सिविल रिट याचिका सं० 284/1975 हाकिम सिंह बनाम भारत संघ के निर्णय के अध्याधान है।

सं o ए o — 1 20 25/1/84(II) -- प्रशासन- --- केन्द्र∶य सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड 'ख' को नियुक्ति के लिए सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा, 1983 के आधार पर गृह मंत्रालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सुष्टायक (कें ल स० स्टैं । से० का ग्रेड 'ख') के रूप में मनोन त किए जाने के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति कृषि ग्रीर सहकारिता विभाग के के० स० स्टे० से० के संवर्ग के स्थाई ग्रेंड 'ग' स्टेनोग्राफर श्री बलराज कुमार (रैंक 60) को संघैलोक सेवा आयोग के कें ल स० स्टें से ले मंवर्ग में ग्रेड 'ख' में 31 अक्तूबर, 1984 से आगामी आदेशों तक अस्थाई छप ने नियुक्त करते हैं । इनको नियुक्ति दिल्ली उच्च त्यासालय, दिल्ला में लम्बत सिवल रिट याचिका सं० 284/1975 हाकिम सिंह बनाम भारत संघ के निर्णय के आधे,न हैं।

#### दिनांक 26 नवस्यर 1984

सं० पी० 1693-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० लि० से० के स्थाई लो० डि० कर्ल्क, केन्द्रोय सचिवालय राजभाषा सेवा के नियमित तकनीकी सहायक (हिन्दी) तथा सम्प्रति स्थानान्तरण पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारों के रूप में कार्यरत श्री वीरेन्द्र याज्ञिक द्वारा प्रवत्त त्यागप व एतद्द्वारा 26 नवम्बर, 1984 के अपराह्म से स्वीकार किया जाता है ताकि वे श्रीरिएन्टल बैंक आफ कामर्स, रीजनल कार्यालय, बम्बई में राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्य-भार सम्भाल सकें।

#### दिनांक 11 दिसम्बर, 1984

सं० ए०-32014/1/84-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा अयोग में के० स० से० संवर्ग के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति हारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारों के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापक रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :---

 क्रम सं०	नाम	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
	सर्वश्री	
1.	एस० एल० कुमार	28-8-1984 से 11-10-84 तक
2	फिलिय जान	28-8-84 से 11-10-84 संक
3	ए० एस० जाट	28-8-84 से 11-10-84 सक
<b>4</b> .	सी० एल० भाट	28-8-84 से 11-10-84 सक
5	के० एल० सूद	21-8-84 से 5-10-84 तक
6	कुमारी भारती नरसिम्हा	17-8-84 से 31-8-84 सक

एम० पी० जैन, अंबर सचिव (प्रशासन), संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

## महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

सं० घो० दो०-1999/84-स्थापना-राष्ट्रपति, श्री एस० के० सक्सेना मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारों के के० रि० पु० बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-महानिरीक्षण के पद पर सहर्पनियुक्त करते हैं।

2 श्री सम्सेना ने महानिदेशालय के० रि० पु० बल में उप-महानिरीक्षक/उपनिदेशक सहायक बटालियनों के पद का कार्यभार दिनांक 18 विसम्बर, 1984 अपराह्म से संभाला।

#### दिनांक 26 दिसम्बर 1984

मं० घ्रो० दो०-252/69-स्थापना-ध्री बाई० सी० शर्मा, सेकिन्ड इन कमांड का देहांत दिनांक 2 विसम्बर, 1984 को हो गया है। उन्हें दिनांक 3 विसम्बर, 1984 पूर्वाह्न से पुलिस की गणना से हटा दिया गया है।

#### दिनांक 27 दिसम्बर 1984

सं० श्रो० वो० 1291/76-स्थापना—- राष्ट्रपति श्री पी० के० रोहिता, पुलिस उप-अयोक्षक, 19 वाहिनो, के० रि० पु० बल से स्वेच्छा पूर्वक सेवा-निवस होने की मंजूरी के० रि० पु० बल के रूल 43(डो०) के अन्तर्गत दिनांक 7 नवस्वर, 1984 (पूर्वाह्म) से मंजूरी देते हैं।

सं० म्रो० दो०-1900/84-स्थापना--राष्ट्रपति ने श्री सिबेन्द्र कुमार, पुलिस उप-अधोक्षक, आई० एस० ए०, के० रि० पु० बल को केन्द्रोय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 (i) के अनुसार एक माह के नोटिस को समाप्ति पर दिनांक 4 दिसम्बर, 1984 (अपराक्ष) से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० घो० दो०~1973/84-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर डी० वोरा को 10 दिसम्बर, 1984 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनसे जो पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर सहर्ष सदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

> एम० अशोक राज, सहायक निदेशक (स्थापना)

#### महानिवेशालय

#### केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरका बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 विसम्बर 1984

सं $\sigma$  ई०-32015/(4)/161/84-क्रामिक-I--प्रति-नियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री के० आर० स्पीक मे 13 सितम्बर, 1984 के पूर्वान्ह से सहायक कमांडेंट, के० भी०

मु० त्र० यूतिङ, टा० आई ० एक०, नैना के पद का कार्य⊸ भार संभाल लिया।

सं० ई०-32015/(4)/62/84-कार्मिक-I-राष्ट्रपति, श्रो पी० एस० नायर, सहायक कमांबेंट (तदर्थ) के० ग्री० सु० बल यूनिट डो० आई० ग्रो० एम०, बोनो मलाई को, 4 सितम्बर, 1984 के अपराह्म से निराक्षक (कार्यपालक) के मूल रैंक पर प्रत्याविति करते हैं।

सं० ई० 32015(4)/152/84-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री बी० एम० तिवारी को प्रोक्षति पर, 8 नवस्वर, 1984 के पूर्वान्ह से 24 मार्च, 1985 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो भी पहले ही, पूर्णतया तदर्थ व अस्थाई आधार पर, के० भी० सु० बि० प्रयम रिजर्व बटालियन, बरवाह का सहायक कमांबेंट नियुक्त करते हैं।

सं० ६०-16013(2)/14/82-कार्मिक-I--राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री यू० के० बंसल, भा० पु० से० (उत्तर प्रदेश 74) ने 30 नवम्बर, 1984 के अपरान्ध् से कमांडेंट के० श्रौ० सु० बल यूनिट, खो० एस० पी०, दुर्गापुर के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

## विनांक 28 दिसम्बर 1984

सं० ई०-32015(2)/24/84-कार्मिक-I-- राष्ट्रपति, श्री पी० के० आर० नायरकी 12 दिसम्बर, 1984 के पूर्वाम्ह से 26 मार्च, 1985 तक की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां किए जाने तक, जो पहले हो, पूर्णतया तदर्थ अस्थाई आधार पर के० श्री० सु० व० यूनिट बो० एस० एल० बोकारो कमाउँट के रूप में नियुक्त करते हैं।

अपठनीय महानिदेशक के० औ० सू० ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय: निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नहिंदिल्ली-110002, विनोक 18 दिसम्बर 1984

सं० प्रणासन—I/का० आ० सं०—311—निवेशक लेखा परोक्षा, केन्द्रांय राजस्य, नई दिल्ली अनुभाग अधिकारी श्रां बजमूषण कौल सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप 'बो' राजपत्रित) के रूप में 30 मई, 1984 पूर्वान्ह से 650-30—740-35-880-ई० बो०-40-1040 रु० के वेतनमान में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

अपठमीय उप-निदेशक, ले० प्र० (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा)—I बिहार रांची—2, दिनांक 18 दिसम्बर 1984 सं० प्र० प्रो०-2465—महालेखाकार (लेखा)—I, बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थाई श्रनुभाग अधिकारी श्री शैलेन्द्र मोहन चन्दा को दिनांक 12 नवस्वर, 1984 पूर्वात्व से अगले आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकार। के पद पर 840-40-1000-ई० बो०-40-1200 के वेतन-मान में सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं० प्र० प्रो०-2460—महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायो अनुभाग अधिकारा श्रां कानाई लाल कता को दिनांक 26 नवस्वर, 1984 के पूर्वान्ह से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा-अधिकारो के पद पर 840-40-1000-ई० बो०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहुषं प्रवोन्नत करते हैं।

सं० प्र० प्रो०-2454--महालेखाकार (लेखा)-I, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायो अनुभाग अधिकारी श्री तारा दास मुखर्जी को दिनांक 26 नवम्बर, 1984 के पूर्वान्ह से अगला आदेश तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 8.40-40-1000-ई० बो०-40-1200 र० के वेतममान में सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

आर० भाष्यम्, वरिय उप-महालेखाकार (प्र०) बिहार

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरोक्षा), गुजरात अङ्गदाबाद-380001,दिनांक 18 विसम्बर 1984

सं० स्था० (ए०) जी० श्री० 3 (39) /2197— महालेखाकार (लेखापरोक्षा) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकारो (लेखापराक्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखा महालेखाकार, गुजरात अहमदाबाद/ परोक्षा अधिकारों के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई ताराख से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

		<del></del>
1	श्रो बो० एम० गणाता	16-10-84 अपराण से राजकोट
2	श्रो एस० के० वर्मा	17-10-84 पूर्वान्ह से अहमदाबाद
3	श्रो सो० विजय कुमारन	29-10-84 पूर्वाण से अहमवाबाद

उपरोक्त नियुक्ति अस्थाई है श्रीर 1984 की विशेष सिविल आवेदन-पत्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की शर्त पर की जाती है।

## दिनांक 27 दिसम्बर 1984

सं० (ए०) जा० भी० /3 (39)/2276—महालेखाकार (लेखापर क्षा), गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकार। (लेखापर क्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/सजकोट में स्थानापक्ष सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई ताराख से अगले आदेश मिलने तक नियक्त किया जाता है:—

1. श्री वा० ए० आर० मेनन---12-3-84 पूर्वाह्म से अहमदाबाद

उपरोक्त नियुक्ति अस्याई है भीर 1984 की विशेष सिविल आवेदन-पन्न सं० 388 से माननाय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष का गर्त पर का जाता है।

> ह० अपटनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात

महालेखाकार लेखापरोक्षा का कार्यालय, केरल तिद्वनन्तपुरम, दिनांक 27 विसम्बर 1984

सं० स्थापना रोकड़/1/10-3/84-85/133--महालेखाकार (लेखापरीक्षा) केरल, तिरुवनन्तपुरम के लेखाअधिकार: श्री के० आर० वालन और सहायक लेखाअधिकारों श्री के० गोपोनाथन नायर अधिवर्षिता के कारण 30 नवम्बर, 1984 अपराह्न से सेवा निवृत हो गए हैं।

बी० लक्ष्मीनारायणन, महालेखाकार कार्यालय महालेखाकार-लेखा मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

सं० प्रभासन-एक/पी० एफ०/जी० जी० ,हा०/266-शा जा० जा० दांडेकर (01/132) कार्यालय महालेखाकार (लेखा तथा हकदारों) के स्थाई लेखा अधिकारा को अधि-वर्षिता आयृ हो जाने पर दिनांक 31 मार्च, 1985 को अपराह्न से शासकाय सेवा से निवृत्त हो जाएंगे।

ह० अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्रशासन)

कार्यालय, निवेशक लेखापराक्षा रक्षा सेवाएं नई दिल्ला-110001, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

सं० 4487/ए०-प्रशासन/130/82-84--वार्धनय निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्रा वा० राजगोपालन, लेखा परीक्षा अधिकारः, रक्षा सेवाएं, दिनांक 31 अक्तूबर, 1984 (अपराह्म) को सेवा निवृत्त हुए।

सं० 4488/ए०-प्रशासन/130/82-84-वार्धन्य नियृत्ति आयु प्राप्त करने पर सर्व श्रा के० लक्ष्मानारायण तथा एम० एन० मुखर्जी सहायक लेखा पराक्षा, अधिकारः, दिनांक 31 जुलाई, 1984 तथा 31 अगस्त, 1984, क्रमानुसार को सेवा निवृत्त

सं० 4489/ए० प्रशासन/130/82-84—निदेशक, लेखा पराक्षा, रक्षा सेवाएं, श्रो आर० सा० गुन्ता, सहायक लेखा पराक्षा अधिकारी, को संयुक्त निदेशक, लेखा पराक्षा, रक्षा सेवाएं, देहरादून, के कार्यालय में, दिनांक 27 सितम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा पराक्षा अधिकारा के रूप में, अगले आवेश पर्यंत, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० 4490/ए०-प्रणासन/130/82-84-निदेणक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (आडिट) को उनके सामने श्रीकृत तिथि से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में 650-30-740-35-880-ई० बा०-40-1040 ६० के वेतनमान में सहर्ष निमुक्त करते हैं:--

ऋमः सं∘	नाम .	प्रवनाम	कार्यालय जहां नियुक्ति को गई है	नियुक्ति को तिथि
1	2	3	4	5
<del></del>	सर्वश्री			
(1)	हरो मंकर	अनुभाग अधिकारो (आफ्रिट)	संयुक्त निवेणक, लेखा परोक्षा, रक्षा सेवाएं, देहरादून ।	3-8-1984
(2)	गोपाल सिन्हा	–य <b>थो</b> वरिं–	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, पटना ।	1-8-1984
(3)	जे० एस० विष्ट 1	यथोपरि	उपनिदेशक लेखापरोक्षा, रक्षा सेवाएं, जम्मू ।	31-8-1984
(4)	चन्द्र शेखर	मथोपरि	–यथोपरि–	31-8-1984
(5)	राम सिंह (II)	-यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, मध्य कमान, मेरठ ।	25-8-1984

1	2	3	4	6
(6)	इ.० आर० यादव	–यथोपरि	उपनिदेशक, लेखा पर <sup>्</sup> क्षा, रक्षा सेवाएं, इलाहाबाद ।	4-9-198
(7)	एस० पा० नायर	यथोपरि- <b>-</b>	संयुक्त निदेशक, लेखा परःक्षा, रक्षा सेवाएं, पूर्णे ।	15-10-1984
(8)	गजेन्द्र सिह -	यथोपरि	संयुक्त निदेशक, लेखा परोक्षा, (आयुध फैक्टरियां), जबलपुर ।	15-10-1984

भृगवान करण तायल, संयुक्त निदेशक लेखा परीका, रक्षा सेवाएं,

#### रक्षा मंत्रालय

## आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

डो० जा० ग्री० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-69, दिनांक 15 विसम्बर 1984

सं० 29/84/ए०/ई०-1(एन० जी०)---महानिवेशक, आर्डनेंस फैक्टिरियां, श्री निलनी कांता चक्रवर्ती सहायक स्टाफ अधिकारा (तवर्ष) को स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारों के पद पर वर्तमान रिक्तता में विश्ठता पर बिना प्रभावा, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984 से आगामी आदेश होने तक पदोन्नत करते हैं।

उपरोक्त पदोन्नित में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल का गई याचिका के परिणामस्वरूप पालन किया जाएगा।

श्री वक्रवर्ती विनांक 6 दिसम्बर, 1984 से वो वर्षी पर्यंत परोवाक्षाधान रहेंगे।

> आर० कै० चेल्लम सबस्य/कार्मिक कुले महानिदेशक आर्डनैन्स फैक्टरियां

#### वाणिज्य मंत्रालय

#### वस्त्र विभाग

हथकरथा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

सं० ए० 12025/(III)/3/83-प्रशास० III— राष्ट्रपति, श्री गोर्डन शीरन को 12 दिसम्बर 1984 के ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिये राष्ट्रीय हथकरण डिजाइन केन्द्र ग्रीर राष्ट्रीय हथकरण संग्रहालय (बुनकर सेवा केन्द्र) दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> विवेक कुमार प्रग्निहोत्ती अपर विकास ग्रायुक्त (हथकरमा)

## उद्योग मंद्रालय

#### श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1984

सं० 12(510)/84-प्रशासन (राज०) खण्ड-3-पूनिडो के अधीन बंगला देश मैं मेकेनिकल इंजीनियर के
रूप में चयन हो जाने के परिणामस्बरूप श्री टी० आर०
सहगल ने दिनाक 2 जून 1984 (अपराह्र) से विकास
आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली में उपनिदेशक
(यांतिकी) पद का कार्यकार रोड़ दिया।

एस० के० पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

सं० प्र-6/247 (281)/60—निदेशक निरीक्षण कलकत्ता के कार्यालय में (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धाभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड—III) स्थाई सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभियांत्रिकी) और स्थानापन्न निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभियांत्रिकी) श्री ए० चक्रवृती वार्षक्य ध्रायु प्राप्त कर लेने पर विनांक 31 श्रक्त्वर 1984 के धपराह से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

## (पूर्ति विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

सं० ए०-1/1(1157)/निरीक्षण—निदेशक, मद्रास के कार्याक्षय में स्थाई प्रधीक्षक भौर स्थानापत सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एम० डी० कुलशेखरम निर्वत्तमान आयु प्राप्त कर लेने पर 31-10-84 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> राजबीर सिह उप निवेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 दिसम्बर 1984

सं० प्र-5/247/617/70—िनदेशक, निरीक्षण बम्बई के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण ग्रंधिकारी (ग्रमियांत्रिकी) श्री ग्रार० एफ० केवलरामनी वार्धक्य ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30—11—1984 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

## इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

सं० 8531 बी/ए-1981 2/पुस्तकाध्यक्ष/ए० श्रार० सी०/
19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के पुस्तकाध्यक्ष श्री ए०
श्रार० चक्रवर्ती को यादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता में
2 वर्ष के लियन पर मुख्य पुस्तकाध्यक्ष के पद का कार्यभार
ग्रहण करने हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवा से
31 जुलाई 1984 के श्रपराह से मुक्त किया गया।

श्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, विनांक 29 विसम्बर 1984

सं० ए० 19012(204)/84—स्था० ए० खण्ड 1— विभागीय परोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री श्रार० श्रार० षावक, स्थाई वरिष्ट तकनीकी सहायक (खनन) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 29 सिसम्बर 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश तक इस विभाग में वर्ग "खं" में सहायक खनन श्रमियन्ता के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति प्रदान की गई है।

> जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन प्रधिकारी कृते महानिदेशक भारतीय खान ब्यूरो

#### भाकाशवाणी महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1984

सं० 17(7)/84-एस० श्रार०--महानिदेशक श्राकाशवाणी, नई दिल्ली निम्नलिखित प्रथर इंजीनियरी सहायकों को उनके सहायक श्राभयन्ता की पदोन्नति पर (१० 650-30-740-35-810-ई० बी०-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में) उनके नामों के सामने वी गई तिथियों से तदर्थ श्राधार पर श्रगले श्रादेण तक नियुक्त करते हैं:--

<i>.</i>			
ऋम	संख्या नाम	तैनाती केन्द्र	कार्यभार संभालने की ता <b>रीख</b>
1	2	3	4
1.	श्री सी० ई० बी०	· दूरदर्शन रांची	30-7-84
9	टोपनो श्री एस० एल०	्रश्राकाणवाणी शिमला	(पूर्वाह्म) 24~9—84
4.	आ एसर एसर कंदारा	ું જાણવારા બાળા વિભાગા	४४ <del>-५-</del> ४५ (पूर्वा <b>ह्य</b> )
3.	श्रीमती स्वर्ण लत	ा उ० म० प्रे०, किंग्वजे,	29-9-84
	सहगल	दिल्ली	(पूर्वाह्म)
4.	श्री राकेश कुमार	दूरदर्शन विल्ली	29-9-84
		_	(पुर्वाह्म)
5.	श्री समरपाल सि	ह उ० ग० प्रे, खामपुर	29-9-84
	ــ ـــ د.م.	दिल्ली	(पूर्वाह्म)
6.	श्राज० एल०्सा	गर दूरदर्शन लखनऊ	29-9-84 (अपराह्म)
7	श्री भगत राम	उ० म० प्रे०, खामपुर	, ,,,,
,.	41 444 814	दिल्ली <sup>।</sup>	(पूर्वाह्न)
8.	श्री एस० ए० मह	ाजन एल० पी० टी०	1-10-84
	• • •	टी० वी० जलगांव	(पूर्वा <b>क्ष</b> )
9.1	श्री सदानन्द बसा	क श्राकाशवाणी गोहाटी	29-10-84
			(पूनाह्म)
10.	श्री एस० रंगारा	रानुजम भ्राकाशवाणी, इम्फा	<b>स 1 2−1 1∸8</b> 4
			(पूर्वाह्न)
11.	श्रीसी० के० बी	रा एल०पी०टी० दूरदर्शन	
	र्शकर	जालना	(पूर्वाह्न) <sup>,</sup>
12.	श्री ग्रार० बी० र	रेर भाकाणवाणी, नागपुर	
			(पूर्वाह्म)
13.	श्री ग्रार० एस०	बाली दूरदर्शन, श्रीनगर	9-10-84
			(पूर्वाह्न)
14.	श्रीसक्तीनाथस	रिमा भ्राकाशवाणी, गोहार्ट	
			(पूर्वाह्म)
15.	श्री डी० एम० क	ादू श्राकाशवाणी,	
	`n n	15-10-84	(पूर्वाह्न)
16.		र श्राकाशवाणी, कोहीमा	
	साहा	_	(पूर्वाह्न)

1	2	3	4
17.	श्री वी० एस० नागर	एल० पी॰ टी०, टी०	29-10-84
		वो॰, झांसी	(पूर्वाह्न)
18.	श्री राबिन चन्द्रदास	भ्राकाशवाणी, डिबरूगढ़	
			(पूर्वाह्म)
19.	श्री भावेश च० बासु	मुख्य ध्रभियन्ता (पूर्वी	
		क्षेत्र) श्राकाशवाणी,	(पूर्वाह्न)

कलकत्ता ।

जै० डी० भाटिया उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक

## (सिविल निर्माण स्कंध)

## नई दिल्ली, दिनांक 26 विसम्बर 1984

सं० ए०-19012/16/84-सी० डब्ल्यू०-1/---महानिदेशक, आकाणवाणी नई दिल्ली निम्निखित अनुभागीय
अधिकारी (सिवल) को पदोन्नती पर, स्थानापन्न
अभाता में, रूपये 650-30-740-35-810 -द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के
वेतनमान में उनके समक्ष दो गई तिथि से सिविल निर्माण
स्कंध, आकाणवाणी में सहायक इंजीनियर (सिविल), अधीक्षक
अभियन्ता (सिविल) के अभियन्ता सहायक के रूप में
नियुक्त करते हैं:--

जिस तिथि
1910 1011
से नियुक्त किये गमे

(पूर्वाह्न) श्रीए० विजय कुमार वही---मद्रास 20--9:84 (पुर्वाह्म)

क्षी वी० एन० विष्णु सहायक अभियन्ता (सिविल), गोहाटी

10-7-84 (पूर्वाह्न)

2. उनकी नियुक्ति पहले से ही जारी किये गये आवेश ह्या ए०-32014/1/84-सी॰ डब्ल्यू॰-1, दिनांक 4-7-84 र संख्या ए-32014/1/83-सी॰ डब्ल्यू॰-1, दिनांक 2-12-83 में निहित नियमों श्रीर शर्ती द्वारा नियंत्रित ही।

एस० के० मोहिन्द्रा, मुख्य अभियन्ता के अभियन्ता अधिकारी कृते महानिदेश क

## सूचना श्रीर प्रशारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

अम्बई--400026, दिनांक 18 दिसम्बर 1984 े

सं० 12/64-ई-1--श्री निणिय बनर्जी के निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणाम स्वरूप उन्होंने फिल्म प्रभाग, के पूर्वी प्रादेशिक निर्माण केन्द्र, कलकत्ता के उप मुख्य निर्माता के पद का कार्यभार दिनांक 30 नवम्बर, 1984 के अपराह्म से छोड़ दिया।

#### दिनांक 21 दिसम्बर 1984

सं० ए० 20012/14/75-ई-1-श्रीमती एस० पी० ताउतकर स्थाई सहायक अनुरक्षण अभियन्ता, फिल्म प्रभाग, बम्बई को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880]-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 650- के मासिक वेतन पर 28 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न अनुरक्षण अभियन्ता के पद पर तदर्थ आधार पर निसुक्त किया गया है।

षी० आर० केसवानी, सहायक प्रशासकीय अधिकारी कृते प्रशासन निदेशक

## विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1984

सं० ए०-12026/3/84-स्था०-विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशक, वितरण सहायक श्री ए० एन० अधिकारी को इस निदेशालय के मुख्यालय में 17 दिसम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से श्री ए० माधवास्वामी, सहायक वितरण अधिकारी जो अवकाश पर हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर स्थाना-पन्न रूप से सहायक वितरण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> जी० पी० भट्टी, ंउप निदेशक (प्रशा०) कृते विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

सं० ए० 19012/7/84-भण्डार-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुशील कुमार मल्होत्रा को सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, करनाल में 14 अगस्त, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> आर॰ सी॰ गुलाटी, ्उप सहायक निदेशक (भण्डार)

## भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, विनोक 26 दिसम्बर, 1984

सं० एस/138/स्था०II/5777—श्री अरूण कुमार दलाक्षेय मोकाशी सहायक कार्मिक अधिकारी पद का पद भार 3-12-1984 पूर्वाह्म को स्वैच्छिक सेवानिवृक्ति लेने पर छोड़ दिया।

> के० वेंकटक्टणन, उपस्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रीर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

सं० औठ पी० एस०/-प्रशा०-41/3/83-33799--परमाणु ऊर्जा िक्साग, अय और भड़ार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई सहायक लेखापाल श्री श्रीपाद गंगाधर पंचभाई को इसी निदेशालय में तारीख 12-11-1984 (पूर्वाह्म) से 15-12-84 (अपराह्म) तक रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960-के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी, श्री डी० के० राय के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त अविध के लिये छुट्टी प्रदान की गई है।

सं० डी० पी० एस०/41/9/83-अभासन-33826—परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भन्डार निदेशालय के निदेशक ने श्री पी० सी शर्मा, स्थाइ भण्डारी को इसी निदेशालय में तारीख 10-10-1984 (पूर्वाह्म) से 28-2-1985 (अपराह्म) तक या आगामी आवेश जारी होने तक पहले समाप्त होने वाली अविध के लिये रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापक्ष रूप से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1984

सं ्ए ० 32013/1/82-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की उपनिदेशक नियंत्रक उड़ान योग्यता के ग्रेड में की गई तर्द्ध पदोन्नति प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिये या पदों के नियमित आधार पर भरेजाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्तों पर जारी रखने की स्वीकृति दी है:—

1. श्री एम० एस० ईब्र.हीम 16-10-84 से 15-4-85 तक

श्री के० प्रभाकर राव 11-11-84 से 10-5-85 तक

#### 3. श्री कैलास नारायण

7-11-84 से 6-5-85 स

वि० भौमिक, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1984

सं० ए० 32013/4/83-ई० I—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के अनुसन्धान ग्रीर विकास निदेशालय के श्री वाई० पो० बाबा की दिनांक 18-12-1984 से ग्रीर अन्य आदेश होने तक उपनिदेशक अनुसन्धान एर विकास के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

वी० जयचन्द्रन, सहायक निदेशक (प्रशासन)

निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क नई दिस्ली, दिनांक दिसम्बर 1984

सं 15/84—श्री टा० वा० सेशादि ने, जो पहले मंत्रालय में ग्रुप "ग" के आणुलिपित के रूप में तैनात थे, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के पत्न फा० सं 51/117/84—प्रणा० 1 क के अन्तर्गत जारा दिनांक 1—12—84 के कार्यालय आदेश सं 1984 का 216 के संदर्भ में केन्द्राय उत्पादन मुल्क टैरिफ पर तकनं का अध्ययन मुप के लिये) वरिष्ठ निजा सहायक (650—1040 के वेतनपान में) के पद पर नियुक्ति के लिये चयन हो जाने पर दिनांक 1—12—84 के पूर्वाह्म में निराक्षण महानिदेणालय सीमा मुल्क तथा केन्द्राय उत्पादन मुल्क, नई दिल्ला, में उक्त पद का कार्यभार संभान लिया।

ए० सो० सल्डाना, निराक्षण महानिदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रोय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

सं 27/ईई/आर (13)/70-ई० सी०-2--जन-साधारण को जानकारा के लिये यह अधिसुचित किया जाता है कि श्रो ए० राजगोगाल कार्यपालक इंजानियर (विद्युन) जो कि अधाक्षक इंजोनियर, मद्रास केन्द्राय विद्युत परिमण्डल, केन्द्राय लोक निर्माण विभाग, मद्रास में निर्माण सर्वेकक (विद्युत) के नाते कार्यरत ये का दिनांक 12 अगस्त, 1984 (12-8-1984) को देहान्त हो गया है।

> लक्ष्मण दास, प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्प्नी कार्य विभाग)

कस्पनी विधि बोर्ड

मम्पर्नियों के रजिस्ट्रार का कार्बालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै॰ इण्डिया

द्रेडिंग (होल्डिंग्स) लिमिटिड के विषय में

शिलांग तारीख 26 दिसम्बर 1984

सं० डी० पी०/तह०/आर/560(3)/1257—कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं० इंडिया ट्रेडिंग (हील्डिस) निमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया गया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स मार्बेल फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

> -ग्वालियर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

सं० 1113/पी० एस०/सी० पी/4458—कम्पनी
अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के
अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै०
भावंल फायनेन्स प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काद
दिया गया है भीर उन्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स दि देवास सीनियर े सर्वितेज शहरेट लिपिटेड के विषय में। ं कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स दिव्या इण्डस्ट्रीज -प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

सं० 1563 पी॰ एस॰/सी॰ पी॰/4461: कम्पनी अधिन्यम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मैं॰ दिन्या इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी, अधिनियम, 1956 ग्रीर मैसर्स पाम मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 26 दिसम्बर 1984

सं 1729 पि० एस/सी० पि०/4462 कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मै० पाम मशीनरी प्राइवेट लिमिटेड का नाम जाज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विचटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स सर० जे० पी० श्रीवास्तव एण्ड सन्स (भोपाल) प्राइवेट लिमिटेड के विषय 🖖।

ानि र. दिनांका १६ दि म्ब

अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में दिनांक 1-6-1984 से तीन माह की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान को गई थी देखिए इस कार्यालय की अधिसुचना दिनांक 27-7-1984 कमांक एफ० 48-एडी (एटी)/1984 को भी उसी क्षमता में सहायक पंजोकार के प्रद प्रायकर अपोलीय अधिकरण, बम्बई न्यायफीठ, बम्बई में दिनांक 1-9-1984 से 25-10-1984 तक।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, और वह श्री एन० वी० नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिना जायेगा और न दूसरी उच्चतर श्रेणा में प्रोन्नत किये जाने को पानता ही प्रदान करेगा

> टी॰ डी॰ सुग्ला, अध्यक्ष

्<sub>या</sub>प्रकृष्**, बाह्र**े.टी<u>.प</u>ुन् .पुस् .,------

## ः ज्ञासकात्रः विभिनियम् । 1961 (1961 का 43) की भारतः 269-तः (1) के स्थितः सूचना

भारत सरकार

## , कार्मालय , सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2 वस्वई

्बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/4548/83-84--श्रतः, मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का काइम-है कि स्थावर संपरित, विवसका स्थित, वाचार मृज्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० कुकान नं० 1 जो वि विले पार्ले विकान प्रिमायसेस को-भ्राप० सोसायटी लि० प्लाट नं० 509 भ्राजाद रोड: विले पार्ले (पूर्व) बम्बई – 5 में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीर्धानयम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सकारित के उचित बाजार मृस्य से कुम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकार करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित वार्वार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पास गया प्रति-क न निम्नीनित्त उद्देश्य से उक्त जंतरण सिचित में वास्त्विक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मनारण से हुई जीनजी बाब की बावत अक्त मुधिनियम के ल्यीन कर दोने के मन्तर्क में स्वायित्य में कमी कर्त या उससे बचने में सुविधा के क्तिए; आर/धा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भून या बन्य कारिस्वों की, बिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के भधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हमिदा हाजी हसन।

(बन्तरक)

(2) श्रीमती मधुदेवी देशबन्धु हिजर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा तकोंचे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है,

#### --.. .मर्**त्र्यी**

"दुकान नं 1 जो दि जिले पालें बिकान प्रिमायसेस को ०-भापरेटिव सोसायटी लि० प्लाट नं ० 509 भ्राजाद रोड विले पालें (पूर्व) बम्बई-55 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/4548/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाक 2-4-1984 को र्राजस्टुई किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक ; 7-12-1984

## **एक्ट्र बाह्**े टीं एम्. एक्ट ====

## बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) वे न्योग बुवन

#### BILLY SERVE

क्रियांस्थ, सहायक भायका भायका (निद्रीक्षण) यर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई-2/37ईई/4552/83-84-- भतः मुझे

सक्ष्मण दास

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इस्में इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सभीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूक्त 25,000/- रु. से स्थावर है

भीर जिसकी सं शाप नं 7 कमलकुन्ज सुभाप रोड सोनारी रोड विलेपार्ले (पू०) बम्बई-400 057 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्णरूप से वर्णित हैं) भौर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनोक 3-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गया कल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की नावत, उक्क विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्ट्र/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , चिन्हें भारतीय आयकर अधिनयभ , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयभ , या भन-कर अधिनयभ , या भन-कर अधिनयभ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को सिए।

सतः अस्त, उक्त अभिनित्यम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, 'में , उक्त अभिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1), को अभीन, कीनमनलिखित व्यक्तियों , अभीत् ध--- (1) मेसर्स एस० जे० कन्स्दुक्शन ।

(मन्तरक)

(2) भी भवधनारायण भीराम पाण्डे ।

(मन्तरिती)

(3) मन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह तुषना कारों करके पूर्वीयत संस्थित के अर्थन के किस् कार्यवाह्यां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सुवना के उपवपन में प्रकाशन की तारी हैं।
  45 दिन की वनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ध सुवना की तामील से 30 दिन की ववित, को भी वित्त की वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाडाः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितवकुथ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिविदत में किए जा सकांगे।

्र सम्बद्धीक रणः -- इसमें प्रयुक्त करूवें और पदों का, वो उक्त विधि: नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं। वर्ष होगा, को उस कथाय में दिया गया है।

## नप्तुची

"बाप नं० 7 जो कमलकुंज सोनारी रोड विलेपार्लें (पू०): बम्बई 400 057 में स्थित हैं।"

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/4552/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-4-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) द्यजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहरः

मुक्त बाहु दी एन एस :-----

बाब्कर विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के विभन्न सुभना

#### मारत प्रकार

कार्यांचय , सञ्चायक वार्यक द्व वास्वत (निर्दोक्तण) भर्जन रेज-2 वस्वर्ध

बम्बई, विनांक 3 दिसम्बर 1984 निदेश सं० भई-2/37ईई/4576/83-84--भ्रतः मुझे सक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु., से विधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 3 दूसरी मजिल "मिन अपार्टमेंट" नन्धा पाटकर रोड किलेपालें (पू०) बम्बई—57 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं विनांक 7-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बित्कल निम्नितिबित उद्बोद्य से उच्छ अंतरण जिल्हित में बाइतिकक क्य से कृषित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबता। उक्त विधित्यम् के अधीन कर दोने के अंतरक के बादित्व में कर्जी करने वा उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; बरि√वा
- (थ) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तिमें को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जैतरिती ब्वारा प्रकृट नृष्टी किया ग्या था या किया जाना आहिए था, क्रियाने में सुविधा के निष्ट;

जतः जन, उत्तर जिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी, उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात्:— (1) मेसर्स मिन् कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(गन्तरक)

(2) श्री राधे मोहन भूत तथा श्री मन मोहन भूत।

(भ्रसरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में सूजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पिक्तुयों में से किसी स्पिक्त बुवाड़ा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य स्थावत व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रगुक्त कुन्धी नाँड पर्यो का, को अक्त व्यक्तिमध्य के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्याम में विवा गुना है।

#### अनुसूची

"पर्लैट नं० 3 जो दूसरी मंजिल 'मिन् मपार्टमेंट" भग्वा पाटकर रोङ विले-पार्ले (पू०) बम्बई 400057 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/4576/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणं दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 3-12-1984

प्ररूप आही. दी. एन. एस.----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) कें मुधीन सुम्ता

#### बारव बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बस्बई बस्बई, विनाक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-2/37ईई/4605/83-84---श्रतः मुझे सक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (चिसे इसमें प्रकृत परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्वावह संपरित विश्वका अचित वाबार मून्य 25,000/- का से अभिक हैं

भौर जिसकी सं इन्डस्ट्रियल यूनिट नं 96 रत्नज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेंट में जो इलि लेन इलि विले पार्ने (पश्चिम) बम्बई—56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-4-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वापमान प्रतिफस के बिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य कृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफस से, एसे द्रश्यमान प्रतिफस का पन्त्य प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरम् के बिए तय वाया नवा प्रतिफल, निम्निसिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिवित वास्तिक कर्य के बिए स्व

- (क) जन्तरण से हुन्दी जिसी बाय की बाबत उक्त बीध-नियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, वा धक-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; जार/या

करा जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिश्रित व्यक्तियाँ, अर्थात् ।.-- (1) सुनील ट्रेडिंग कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रेस पार्टस् एण्ड कम्पोनेटस् क्बाइड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यिः गुरु करता हुं।

**उत्पत् सम्परित के अर्जन के संबंध** में कोर्ड भी कार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- क्यूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्माक्षीकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसूची

"इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० १६ एट रत्नज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेंट इलिनेन इर्ला विलेपार्ले (पश्चिम) अम्ब $\xi$ -56 में स्थित है ।"

स्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/4605/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बस्बर्द

षिनांक : 10-12-1984

माहर :

## प्रकृप कार्ड ्टी पुन ्यस्य विकास विकास

मायकार जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक गायकर जायक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज-2 वस्बई बस्बई<del>,</del> दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/4619/83-84-- अतः मुझे लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व को जभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० 80 जो उसरी मंजिल रत्न ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट इल लेन जिले पालें बम्बई—56 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 13-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरुण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-विका क्य के शिवत नहीं किया मुंबा है के—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी धन या कल जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविधा के लिए।

कतः वय, उक्त विधितियमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विभित्तियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्री बौलतराम लिलाराम महतानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रविन्दरकौर गुरदयाल सिंग । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

इक्त संस्पतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामी स से 30 दिन की बब्धि, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास जिस का सकेंगे।

स्पब्दिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया-गया है।

न्त्यं

"यूनिट सं० 80 जो तीसरी मंजिल रत्न ज्योत इण्डस्ट्रियल इस्टेट इर्ला लेन विले पार्ले बम्बई-56 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/4619/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईबारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक : 10-12-1984

मोहर 🖫

प्रस्प वार्ष् । द्रीत एकत एकत-----

कामकर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्शक्ति) मर्जन रेंज-2, जम्बई बम्बई, दिनांक 3 विसम्बर 1984 निदेश सं० मई-2/37ईई/4620/83-854—मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आवकर विभिन्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शोव नं० 8 शिरीन सोहराब पैलेस निरमन रोड प्लाट नं० 225 विलेपार्ले (पू०) बम्बई-40057 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए बन्सरित की गई है और मृभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके दूरवमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल के क्याह प्रतिवात से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्दरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ जिसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाजित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे किए;

भतः अव, उक्त आंधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास [[1]] के अधीन,, निम्नोलिसित स्पनित्यों अर्थात् अर्थात् (1) सवानी फैमिली ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रशोक कुमार कन्हैयालाल शर्मा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्चन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्पे :---

- (क) इन्ह सूचना के राज्यम में मुकाबब की शारीब है 45 विन की बन्धि या एरजन्मनी व्यक्तियों पूर सूचना की सामीस से 30 दिन की सन्धि, जो भी जन्मि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूनेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकर्य।

स्यव्यक्षित्रणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का को अवत् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में प्रविधा गया है।

#### जन्तुची

शाप नं ० 8 शिरीन सोहराब पैलेस प्लाट नं ० 225 नरिमन रोड विलेपालें (पू०) बम्बई 400 057 में स्थित है।"

प्रनुसूची जैसा कि कि से प्रेड-2/37 हैई/4620/83-84 घोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुंक्त (निरीक्षण) मजैन रेंज-2, बम्बई

पिनांक । 3-12-1984 मोह्रर । प्रक्ष बाइ. टी. एन. एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-2. बम्बई अम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं० प्रर्ड-2/37ईई/4621/83-84--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपर्यं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं 5 शिरीन सोसराब पैलेस, प्लाट नं 225, नरिमन रोड, विलेपालें (पू०), बम्बई-400 057 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की बारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 13-4-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान जितिकल को निए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिद्देशस करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको ब्रियमान प्रतिकल से, एसे ब्रियमान प्रतिकल का पन्त्रह जित्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकह रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मीधीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणंजनाथं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा नै सिए;

नतः नग, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की प्रधारा (1) के अधीन, जिम्मीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
3—416GI84

(1) सवानी फैमिली ट्रस्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र जी० कनाकिया

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकीं।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

#### वनस्पी

शाप नं० 5, जो शिरीन सोसराब पैलेस, प्लाट नं० 225, नरिमन रोड, बिलेपार्ले (पू०), बम्बई 400 057 में स्थित है।"

श्रमुस्नी जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/4621/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनांन : 3-12-1984

प्ररूप नाहै, टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रर्ध-2/37र्द|4624/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000. रा. में अधिक हैं

भीर जिसकी संव भाप नंव 5, तलमाला, नवल पैलेस, विल पार्ले (पू०), बम्बई 57 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारतामा ग्रायकर प्रधिनियम. 1961 को धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, दिनांक 13-4-1984.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, पिम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसिन में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- ग्क) अन्तरण ते हुई किती जान की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व- में अपनी करने वा उससे वधने में सुविधा अधिना, और/सी
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में निवध के किए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निपिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स नेमचन्द फस्मूरचन्द खिल्डर्स। (अन्तरक)
- (2) श्री तथा श्रीमती वर्लीयाथूर सबजान श्रमीरजाना (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूजीवत सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कें वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्सची

ग्रनुसूबो जैसा कि क० मं० ग्रई-2/37ईई/4624/83-84 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारा, वस्वई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रिफर्स्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी . सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई .

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय। यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रर्ड $-2/37^{$2}/4645/83-84$ —ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 202 दूसरी मंजिल नन्ददीप तहण भारत की०-ग्राप० हाउ० सोसा० रोड विलेपार्ले (पू०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-4-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वायद, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; बॉर्ट्या
- (क) ऐसी किसी 'नाय या किसी धन जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा से सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौं, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) मेसर्स ग्रासपी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमिति ए पोटर फर्नान्डिस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

#### अनुसूची

"फ्लैट नं० 202, जो नन्ददात, दूसरी मिजल, तरुन भारत को०-प्राप० हाउसिंग मोसायटी रोड, चकालाववीलेज, विले पार्ले (पू०), बम्बई 40 057 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई $\sim 2/37$ ईई/4645/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह(यक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 10-12-1984

## प्रकप आई.टी.एन.एस------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्द बम्बर्द, विनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं॰ प्रर्द-2/37र्द्द/4660/83-84--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आगक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भास 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अतः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) श्री मणिलाल द्वेषचंद चहिन्।

(अन्सरक)

(2) श्री गोविंद करसन सोनी।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्रौ० नं० 304, युसफ सराय कर्माशयल कम्पलेस्स, नई दिल्लो, तावादो 235 बर्गफीट ।

> लक्ष्मन दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई,

दिनांक : 10-12-1984

## प्रस्पाः नार्षे ुटी ुप्तः एस 🖟 🗝 🕬 🎺

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कायसिय, सहायक जायकर आय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रई-2/3ईई/4671/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 चौथी मंजिल "जोशी वाडी" बिल्डिंग एम० जी० /हनुमान रोड जंक्शन बिलेपार्ले पू०) बम्बई-57 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की देपधारा (1) को अधीन,धीनस्मलि कित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— (1) श्री राजमल पूनमचन्द शाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्रीमती शकुंतला मुकुंवलाल गाह तथा

2. श्री मुकुन्दलाल नारायणदास णाह ।

(भन्तरिती )

को यह सूचना जारी करकं पूर्वित्रत संपरिस के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुएं।

## उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याध में दिया गया है।

#### **मन्**स्ची

"फ्लैंट नं० 2 जो चौथी मंजिल "जो णियाडी" बिलिंडग हनुमा. रोड-एम० जी० रोड जंक्शन जिलेपार्ले (तू०) बम्बई 400 057 में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि कर मंश्र अई-2/37ईई/4671/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-4-1984 को रजिस्ट डं किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, •1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/4720/83-**8**4---श्रतः मुझे;

लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है). की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक है

श्रीय जिसकी सं० यूनिट सं० 62-63 दूसरी मंजिल रस्नज्योत इंड० इस्टेट इर्ला गांवठाण बिलेपार्से (प०) बम्बई-400 056 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नामत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उबले अपने में नृविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी नाव या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाव-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका की जिस्हा

श्रतः श्रवः, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के ननुसरण को, मी, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) मेसर्स प्रगति कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एच० डी० नरीमन एच्ड सन्स । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### नगसची

"यूनिट सं० 62-63 जो दूसरी मंजिल "रतन ज्योत इंड-स्ट्रियल इस्टेट" विहिंडग सी० टी० एस० नं० 744 (पार्ट) इर्ला गांवठाण विलेपार्ले (प०) वम्बई-400056 में स्थित है।"

प्रनुसूची जैसा कि क० स० प्रई-2/37ईई/4720/83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप बाईं. टी. एम. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (i) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन जि-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं॰ श्रर्ड-2/37ईई/5175/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

कामकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्ये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/506, मनीय पार्क, राजमाला जिजाबाई रोड पम्प हाउम अन्धेरी (पू०) बम्बई-400069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूत्री में और पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-4-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं इश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिवया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्मियक रूप से क्षिण तहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (क) एसे किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया आगा वाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के किए;

क्तः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में वनीय विजय इंग्टेरब्राइजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री जेतनलाल आई० भगत तथा 2. श्रीमती दालवती सी० भगत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उसते जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृज्यी

"प्लैट नं० डी/506 जो मनीण पार्क राजमाता जिजाबाई रोड पम्प हाउस श्रन्धेरी (पू०) बम्बई-400069 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/5175/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनोंक 3-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्रकप आई.टी.एन.एस.------

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मता

#### भारत बरकार

कार्यासय, सहायक जागकार गायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजिन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11606/83-84--ग्रतः मुझे. लक्ष्मण दास

बादकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्प्रांश, जिसका उचित साजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० बी/6 जो हिन्द सौराष्ट्र इण्डस्ट्रीयल इस्टेट श्रंधेरी कुर्ला रोड श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबत श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधियिनम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2-4-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि संचाप्वोंक्त संपरित का उचित वाजार कृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ये हुइ कियो बाय की यावत, उत्तर अधिनियम के स्थीन कर दोनें के बन्तरक के याजित्व में कमी करने का उससे बचने में ग्रीनिधा ा किए; और/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हूं भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 . (1922 का 1!) या उन्तर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना पाहिए था, जिपान में सविधा खें विद्या;

(1) नोबल मेटल वर्क्स ।

(भ्रत्यक)

(2) मेसर्स ग्रश्विन प्लास्टिक कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के निस् कार्यनाहियां कारता हूं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेति स्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरीं के पास सिक्ति में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को सक्त जिथानियम, के अभ्याय 20 के में दरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### निस्की

"यूनिट मं० बी-6 जो हिंद मौराष्ट्र इंडस्ट्रीयल इस्टेट ग्रंधरी कुनी रोड ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-2/37ईई/11606/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन स<del>्व</del>ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्वर्जन रेजि-2 वम्बई बम्बर्ध, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश मं  $= x_1 = 2/3.7$  इंडि  $= 11604/8.3 = 84 - x_2 = 3$  मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या हैं), की धारा 269-स के अधीम सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. में अधिक हैं

और जिसकी सं फर्नैट नं 3, 5शीं मंजिल, बि नं 12, ''अल-ध्रराफत<sup>''</sup> श्रोणियरा विलेज मित्तलनगर वेहरामबाग के पीर्छ जोगेश्वरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का /उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिफित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उकत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दापित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (स्व) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ध के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टिक व्यक्तियाँ, अर्थात् :--4- 416G1184

(ा) थी। जिक्साइहीस व्यापी ।

(अस्तर ह)

(2) थी मर्डद मजनफरशाह काडी ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां शृष्ट करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनुस्**ची

"फ्नैट नं० 3 जो पांचवी मंजित बिल्डिंग नं० 12 "ग्रल्— श्रराफन" एस० नं० 41 (पार्ट) मिल्लातनगर स्रोशिवरा विलोज वेहराम वाग के पीछे जोगेण्वरी (प०) वम्बईस्400 058 में स्थित है।"

श्रतुमुची जैसा कि कि के० सं० श्रई-2/37ईई/11604/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई ब्रारादिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायकत (निरोक्षण) ग्रजन रेज-2 बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

## प्ररूष आहें .. दी . एव .. एस्..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई वस्बई वस्बई दिनांक 12 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11610/83-84—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी पं० फ्नैट न० 2 तलमाला बि० नं० 3 प्लाट नं० 14 भवानी नगर मरोलमरोशी रोड, ग्रन्धेरी (पू०) वम्बई-400 059 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रौर पूर्ग रूप से विभिन्न है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान क्रोतफ न के लिए अन्तरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उजित बाजार कृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का रन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्रिक्टिंगी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम किया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निश्च में वास्तियंक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से **हुई किसी ओय की बाबत उक्त** शिंभिनियम के जभीन कर देने के जन्मरक वं धायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (न) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) मैं दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) 1 श्री ग्रन्थोनी जोसेक फर्नान्डिस तथा
  2 श्रीमती ग्लोरिया कारमो फर्नान्डिस
  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिकि अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त म्बन्सियों में से किसी स्थित प्रधार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को एगरीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्शित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिक रण: — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### # न्**म् च**े

फ्लैंट नं० 2 जो तलमाला बि० नं० 3 प्लाट नं० 14, भवानीनगर मरोल मरोशी रोड श्रन्धेरी (पू०) बम्बई— 400059 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-2/37ईई/11610/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-12-1984

मोहर 🛭

## क्य<u>.</u> नार्ह<sub>ं</sub> टी. एन. एस. ----

बायकरु बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-म् (1) के बाधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984 निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/11611/83-84- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

कश्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षत प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ु फ्लैट नं ु 11 तीसरी मंजिल बिं ु नं ु 4, नं ु 5, भवानी नगर, मरोलमरोशी रोड श्रुन्धेरी (पू) बम्बई, 400 059 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्व इस से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त किसिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में मृतिभा को लिए; बाँट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धर्ण ए जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) डे प्रधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात्ंः— (1) मैं ० दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल सूर्यकान्त देशमुख ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त हाती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाउं तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्व्यटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त श्रीभिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

#### -

''फ्लैंट नं० 11, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 12, भवानी नगर, मणेल मणेणी रोड, ग्रन्धेरी (पू०) बम्बई, 400 059 में स्थित है।''

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/11611/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास राक्षम प्राधिकारो सह्यक अध्यक्त अध्यक्त (निरोक्षण) प्रजुन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 12-12-1984

## प्रस्प नाइ", टी, एन्, एस्,------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नधीन स्वना

#### धारत सरकार

#### कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (मिर्काण)

श्रामेन रेंज-2, तम्बई व्यव्यर्ड दिनांक 12 तिसम्बर 1984 ैनिर्देश सं० श्रार्ड-2/37ईई/11612/83-84--श्रातः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्व 25,000/- रह. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्शंट नं० 11 तीसरी मंजिल बी० न० 3, प्लाट नं० 16 भवानी नगर मरोल मरोणी रोड श्रंधरी (पू०) वम्बई—400 059 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत हैं), श्रौय जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रॉजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देष्य से उक्त कृतरण निम्नितिखत जेंद्रह

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत उक्क विधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वाबिरण में कमी करने सा उससे बजने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० प्रभाकंर. ।

(ग्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों है?, धी. डक्स अधिनियम के अध्याय 20 के ने परिन् भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो रिक्ष कर्षाण में दिया गया है।

#### **ग्रनु**सूची

"फ्लैंट नं० 11, तीमरी मजिल, बिल्डिंग नं० 3, प्ला भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड अंबेरी (पू०) बम्बई 400 059 में स्थित हैं।"

ग्रनुसूची जैसा कि कि कि ग्रई-2/37ईई/11612/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण्) ग्राजन रोजन 2, बस्बई

दिनांक : 12-12-1984

## प्रकृप कार्क, टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । गरा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### ब्राह्म संद्रकात

कार्यालय, सहायक जायकर गायकत (निर्देशण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० हाई-2/: 7ईई/11613/82-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का झारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लंट नं ० 5, पहली मंजिल, बि० नं ० 5, प्लाट नं ० 13, भवानी नगर, मराल मरे शि रोड, श्रधेरी (पू०), बम्बर्ड- 400 059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन नियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्थमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके सर्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्इह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफन निम्नलिसित उद्योग से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं क्रुड़ किसी आय की बाबत उपत अधि-नियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए अटि/बा
- (ब) एसी किसी शाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

ज्ञासः कथा, उक्त जिमिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, प्रक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीत, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) मैं० दीपक बिल्डमं प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चितरंजन प्रसाद श्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति दुशारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगा।

स्पथाकिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथी का, जो जबल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

#### वनसूची

"फ्लैंट नं० 5, पहली मंजिल जो वि० नं० 5, प्लाट नं० 13, भवानी नगर मरोल मरोणी रोड अंथेरी (पू०) वस्वई-400 059 में स्थित है "

श्रानुसूची जैसा कि कि० स० श्राई-2/37ईई/11613/83-84 श्री जो सक्षम प्राधिक(2-4-1984) को राजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-12-1984

भोहर 🖫

प्ररूप आहें, डी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रर्ध-2/37ईई/11616/87-84--%तः मुझे $^\circ$  सक्ष्मण दाम

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- कि. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट न० 14 तीमरी संजिल वि० नं० 6, प्लाट नं० 13, भवानी नगर, मरोत मरोशी गोड प्रधेरो (पू०), वस्वई—400 059 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2~4~1984

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्नि में आस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी साय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के जिस और/या
- (क) एंसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिषाने में मूरिया के लिए;

अतः अतः, उक्ते अधिनियमं की धारा 269-गं के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—— (1) मे० दीपक बिल्डर्स प्रा० लि० ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० पी० राधाकुण्णन् ।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

"फ्लैंट नं० 14, जूं। तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 13, बि० नं० 6, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई—  $400\,059$  में स्थित है ।"

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रर्ह-2/37ईई/11616/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राविकारी सहायक आयंकर आयुष्टत (निरोक्षण) अर्जन रैंज-2 बस्ट्रई

दिनांक : 12-12-1984

प्रकृष नाइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकार बायक्स (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-2 बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्रर्ड-2/37ईर्द्/11618/83 - 84—ग्रतः मृझे. लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 102, जो पहिली मंजिल, बि० नं ० ए, प्लाट नं ० 18, भवानीनगर, मरोल-मरोणी रोड, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 274-1984,

कों पूर्वोक्ष्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवकं रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुइ किसी अस की बानत, उक्त विभिनित्म के अभीन कर दोने के बंतरक के दासिल्य में कमी करने या उससे अनने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतर्दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त वाँधनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीय, निम्निजिबित व्यक्तियों, सर्थात् ।— (।) से० शिषक विष्टमं प्राट लिमिटेड ।

(ग्रन्नरक)

(2) श्रीमती ग्रार० रेवशी ग्रीर 2. श्री ए० राजगोपालन्

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पहित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिल्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से विया गुवा है।

#### भ्रन्मुची

"फ्लैंट नं० 102, जो पहिली मंजिल, बि० नं० v, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई  $400\,059$  में स्थित है ।"

श्रनुसूची जैसा कि कि कि श्रर्ड-2/37ईई/11618/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-4-1984. को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन <sup>डे</sup>ंग-2, वस्त्रई

दिनांक : 12-12-1984

मोहर ∴

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

\_\_\_\_\_

# आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सृष्यना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रैज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11646/83-84--ग्रन सुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उत्तत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार दाय 25,000/- रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं पलैट नं 7.03, 7वीं भीजल, बिं नं 11 श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्वई 400 058 में स्थित है (और इसमें उपाबंद अनुमुची में और पूर्णरूप से बणित है) और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीक्षियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गृद्द हैं और मूओं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क्) अन्तरण से हुई िकासी बाब की बाबत, उपस कि अमित्रक के अभीत कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थीत् क्र---- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री शेख ग्रारिक श्रहमद मोह० सिदिक । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचन। के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रा, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गुया है।

#### **मन्**स्**यी**

फ्लेट नं० 703, जो मानवा मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, एस० नं० 41 (पार्ट,)ओशिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, स्रोमेण्वरी (पश्चिम), वस्त्रई 400 058 में स्थित है।

अनुसूचे जैसा की कि० सं० अर्ड-2/37/ईई/11646/83-84 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 3-4-1984 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज−2 बम्बई

दिनोंक : 7-12-1984

मोहद्र :

प्रकृत क्यार्ड . टी . एन जस . ------

आयफर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/11650/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसक सं० यूनिट सं० 17 जो ग्राउण्ड क्लोग्नर, मधुबन इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केण्य रोड, ग्रंधेरी (पूर्व) बम्बई— 93 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 5-4-1984

को पूर्नोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टीक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में गविधा के लिए।

शत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :── 5—416 GI 84 (1) श्री वालाक्कृष्ण आर० गुप्ता और श्री सिनाराम आर० गुप्ता

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स परफैक्ट कान्टेनर्स ।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (७) ५स भूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी **स सं**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितबद्ध किसी अन्य क्योंक दवारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसी भारति माँ । ७ए जा सकी गा।

रपारनीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ध होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

#### ग्रन्<del>यूची</del>

"यूनिट मं० 17, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर मधुबन इंडस्ट्रियल इस्टेट महाकाली केव्ज रोड श्रन्धेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है ।

भ्रतुसूची जैसा कि फ० सं० शई-2/37/ईई/11650/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दारा दिनाँक 5/4/1984 को रजिस्जर्ट किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 यम्बई

दिनांक : 7-12-1984.

प्रकृप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

an a se se se sentente de la seconda de la s

जायकार जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेंज-2 वस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश म० ग्रई-2/37ईई/11760/83-84---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अभिरिक्षों द्वार किट नहीं किया एया ए या कि का प्रयाजनार्थ अभिरिक्षों द्वार किट नहीं किया एया ए या कि का प्रयाजनार्थ के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स सेहकाय बिल्डर्स

(अन्तरक)

श्री राममूर्थी राजाराम माहोर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

न्यव्हीकरणः इसमें प्रयक्त शब्दों ऑर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा को एम अध्याय में दिया गया है।

#### जन्म की

"दुकान नं० 5 जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर विल्डिंग "सरोज ग्रपार्टमेंट" सी० टी० एस० नं० 13/37/2 विलेज मुलगांव महाकाली केव्ज रोड ग्रधेरी (पूर्व) बम्बई-99 में स्थित हैं श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/11670/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-4- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार °

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2 बम्बई वम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर् 1984

निचेश सं० ग्रई-2/37ईई/11652/83-84--श्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० 704, 7वीं मंजिल जि० नं० 11 श्रल-ग्रराफत, ग्रोणिवरा विलेज बेहरामवाग के पीछे जोगेण्वरी (प) बम्बई 400 0458 में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है दिनांक 6-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के रूथ्यमान प्रतिकाल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्ग्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरिरितियाँ) के बीच एंसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ<sup>त</sup> किसी जाय की वाबस, उक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (अ) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जपात जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण **कों, मीं, उक्त अधि**नियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

(1) श्री जियाउदीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बशीर महिताब सरूयद ।

(भ्रन्तरिती)

को थष्ठ सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः। के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्ची

"फ्लैट नं० 704 7वीं मंजिल जो बिल्डिंग नं० 11 "ग्रल— अराफत" एस० नं० 41 (पार्ट) स्रो शिवरा विलेज बेहराम बाग के पीछे जांगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई 400 058 में स्थित **है** 1″

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/11652/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-4-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रकृषः आह्<sup>र</sup> , टी . एन् , एस् , -------

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984 निदेण स० ग्रई-2/37ईई/11663/83-84-ग्रत:- मुसें, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं युनिट नं 142, जो 1ली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल काम्पेलक्स, महल इंडस्ट्रीज, इस्टेट, महाकाली केट्ज रोड़, अंघेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 6-4-1984

की पृष्टिंक्स संपरित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान मिसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाध्यिक हम से जिथा गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी अप की बाबत, उक्त किसी प्राप्त की बाबत, उक्त किसी प्राप्त की के अन्तरक की वासिक में के की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अबिमन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स दामजी शामजी एन्ड सन्स । 5

(मन्तरक)

(2) श्रीमती शांताबाई चन्द्रसेन, श्रौर श्रीमती एक्मी मुकेश कारीया।

(भ्रन्त(रती)

(3) ग्रन्तरितीयों । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रिक्षी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नं 142, जो ाली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल काम्पलैक्स, प्लाट नं 29 महल इस्टेट महाकाली केम्ज रोड़ श्रंधरी (पूर्व) म्वर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर्ण अई-2/37ईई/11663/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनौंक 6/4/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

अक्ष आह". टी. एन्. एस् . -----

माथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11667/83-84—-ग्रत: मुझे, सक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मून्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल बि० नं० 11 "श्रल दराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोष्टिया बीलेज, बेहराम बाग के पीछ जोगण्वरी (पू०) बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मृज्य से कम के इश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उधित बाजार मृज्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियर के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा अपी लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए,

बराक्ष कव, उस्क अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरफ मीं, भीं, उपल अधिनियम की शास 269-घ की उपरास (1) के अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातु :—— (1) श्री झियाद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम मोहिउद्दीन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संगत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिल में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उच्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **भे**ष्मु**सी**

फ्लैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल बिल्डिंग नं० 11, ''ग्रल ग्रराकत'', एस० नं० 40 (पार्ट) ग्रोशिवरा बोलेज बेहराम बाग के पाछे, जोगेण्वरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/1166783-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 2-4-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनोंक : 12-12-1984

मोहर .

# प्ररूप बाह्र टी. एन, एस, -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

भम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

ानेर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/116777/83~84—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 302, तीसरी मंजिल बि० नं० 11, "श्रल श्रराफत" श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (१०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 7-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितफल, निम्मिलिखत उच्चांच्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलारण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी अन्तरने मा उससे बचने में सुजिभा के लिए; और√शा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा है जिस्हु;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री झियाद्वीन बुखारी।

(मलरक)

(2) श्री उमर मोहम्मद कपाडिया ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया ही।

## भन्स्ची

पलैट न० 302, जो 3री मंजिल, ब्रिल्डिंग नं० 11, "ग्रल ग्रराफत" एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिबरा बीलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/11677/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

पक्र्य बार्ड, टी. एन. एस.------

**बायकर मधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन संचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकार शाय्क (निरीक्षण) श्राजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० श्रर्ह $\sim 2/3.7$ हर्ह/1.167.8/8.3-8.4—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के शधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संयक्ति जिसका उपित प्राचार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, छठी मंजिल, बि० नं० 11, टाईप "ए" श्रीणिवरा वीलेज, हमारा घर को० श्राप० सोसा० (लि०), जोगेण्वरी (प०), वम्बई—59 में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, खंक श्रिधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 7—4—1984 क्ये पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, नक्के स्थ्यमान प्रतिफल से, छसे ख्र्यमान प्रतिफल का प्रक्षित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक छय से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः जात, सकत अधिनियम, की धारा 269-ग औ जनसरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, निरुक्षण प्रस्तु र वितयों, अर्थात् :— (1) श्री झियाद्दीन मुखारी।

(अन्तरक्)

(2) श्री सैयः शहिद श्रली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किस शिजन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वष्प किसी अन्य व्यक्ति व्वादा अधीष्ट्रतासूद्धी हैं।

#### नग्रुची

"फ्लैंट नं० 602, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 11 टाईप "ए", ध्रोणिवरा वीलेज, हमारा घर को० ध्राप० सोझा० (लि०), जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है। ध्रनुसूची जैसा कि कम मं० ध्रई-2/37ईई/1167₺/83-84 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निवेश सं अर्ह-2/37ईई/11680/83-84--अनः मुझे; लक्ष्मण दासः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे परभात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंटनं० तलमाला विनीता-बी चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-4-1984

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एनेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हु—

- (1) मेशसं णाणि प्रापर्टीजा एण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री अत्राहम क्लेमन्ट लोको । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक, अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) अन्तरक, अन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए। बद्ध किसी लच्य त्यस्ति द्वाचा, अधोहस्ताकारी के पाट लिकित में किए या सरोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

"पर्लंट नं० 5, जोतलमाला, विनीता—बी चकाला, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-4000 में स्थित हैं"।

अनुसूची जैसा कि कम स $\circ$  अई-2/37ईई/11680/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 7-4-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-12-1984

प्ररूप जाई दी, एन एस

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 भ(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकाइ

कार्याला, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई ,बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश गं० अई-2/37ईई/11686/83-84:-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, सातवीं मंजिल, बि० नं० 12, "अल अराफत" श्रोणियरा वीलेज, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त यें वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दिखल मो कसी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ात: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन: निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:— 6—416 GI|84 (1) श्री शियाजव्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल हमीव सुलेमान शेखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्री

"फ्लैंट नं० 710, जो सातवीं मंजिल, बिस्डिंग नं० 12, "अल अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा बीक्षेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई—400058 में स्थित हैं।"

अनुसूची जेसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11686/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
 7-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 7-12-1984

मोहर 🖁

# भ्रक्त बार्ड, दी. एन. एस . -----

श्रीपुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

#### मारत सहकाह

## कार्यस्य, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं ० अई-2/37ईई/11734/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण द्यास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, तीसरी मंजिल, बि०नं० 1, प्लाट नं० 6, भवानीनगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 9-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार सूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रुधिनियम के बधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कामी कारने या उससे सबने में सुनिधा के सिए; ब्रीट्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने पे स्विधा के जिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० दीपक बिल्डसं प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) 1. श्री विनोद वामन वैद्य तथा 2. श्रीमती वर्षा विनोद वैद्य ।

(अन्तरिको)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किये जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अम्सनी

"फ्लैट नं० 12, जो तीसरी मिजिल, बिल्डिंग नं 1, ज्लाट नं०  $\theta$ , भवानीनगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित हैं"।

अनुपूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/11734/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्थाई

विनांक: 12-12-1984

मोष्ठर :

# इसप् बार्ड. टी. एन. एस्. ------

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 🖚 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वनः

#### भारत चरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 विसम्बर 1984

निदेश :io अई--2/37ईई/11750/83-84--अतः मुझ लक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / - रः. से **अधिक हैं** 

ग्रीर जिसकी सं० जमीन धारित सिटी सर्वे नं० 480 तथा 480 1 से 8 तक, लेली गल्ली ऋास लेन, श्रंधेरी (पू०), बम्बई 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1984

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, ऐसे प्रयमान प्रतिफख का पंद्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (संतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कर्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नीर/या
- (क्ट) एेची किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में ; 💤 , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) रुरे अर्थन, निम्नकिषिता व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

(1) श्री बाब् लक्ष्मण नाईक।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विकास कन्सटक्शनस ।

(अन्तरिती)

को बहु वृत्तिमा बाहुरी कहके प्वानित सम्परित के नवीन के जिए कार्यवाद्यियां शुरू करता है।

## उन्त बम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्द में कोई भी बाक्षेद:→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दीरीयें है 45 दिन की नवीं या तत्त्वस्थानी स्वीवसर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनम् बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत न्युनित्यों में से किसी स्थक्ति बुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की ठारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रेष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहर्सीकारी के पाइ लिंखित मो किए जासके गं।

स्पंथ्यकिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम कं अध्याय 20-क में परिभार्चित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन, सी० एस० नं० 480 तथा 480/1 से 8 तक, गुंदवली बीलेज, जो तेली गल्ली कास लेन, अधिरी (पू०) बम्बई 58 में स्थित है "

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-2/37ईई/11750/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-12-1984

मोष्टर:

# प्रस्य बाइ ै टीं , प्रयु प्रस्तु हुन्।

# बायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बाबीन सूचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 विसम्बर, 1984

निदेश सं० अई--2/37ईई/11769/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, पहुली मंजिल, बि० नं० 4, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पू०), बम्बई -400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ज्ञानरम के लिए तय पाना गवा प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में नास्तविक दूप से कृषित नहीं किया गया है :—

- (क) वस्तुल से हुई किसी वाय की बाब्स, उच्छ विश्वित्यम के व्यक्षित कर दोने के अन्तुरक के स्थित्व में कमी कर्षों या उससे बचने में सुविधा के निए; वरि/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनजार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती दूनाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा वा सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को कथीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, कर्मात र— (1) श्रीमती पी० ए० मल्लापूर ।

(अंतरक)

(2) श्री संजय पी० आडकर।

(अन्तरिती)

(3) मे० दीपक बिल्डर्स प्रा० लि०। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अ**न्स्ची

"फ्लैंट नं० 6, जो पहली मंजिल, बि० नं० 4, प्लाट नं० 7, भवानी मगर, मरोल, मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पू०), बम्बई में स्थित है ।"

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/377ईई/11769/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्**बई** 

दिनांक : 12-12-1984

मोहर ः

प्र**रूप**ः, **बार्ड्**ः, द्री., ध्न<sub>ः</sub> एस<u>ः, ------</u>-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई •

धम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निवेश सं o अर्ड-2/37ईई/11771/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'** कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका निचन नाफार मन्स 25,000/- एत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलैट नंव 304, तीसरी मंजिल, बिवनंव 12-ए, "अल अराफत", मिल्लत नगर, श्रोशिवरा वीलेज, जोगेषवरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, तारीख 9-4-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान ातिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्त यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार न्त्य, उसके धर्यमान प्रतिफले सं, एमि दश्यमान प्रतिफल का ान्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और **मंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण** के लिए तय पाया गया प्रतिकम् निम्ननिर्वित उद्वरेष से उक्त मंतरण निवित् में शस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि√या
- (**▼**) **एसी किसी आय या किसी धन या अन्य** आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः। वषः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण ों, में, उक्ट अधिनियम की धारा 269-स की उपसार्ग (1) के अभीन, िम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री शियाउददीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुनीर खान .!

(अन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख को 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अर्थ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के युजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्टिन में किए का सर्वोगे ।

रमध्टीक रण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया 🛊 🔻

## मन्स्पी

"'फ्लैंट नं० 304, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 12-ए, "अल अराथत", मिल्लत नगर, एस० नं० 31 (पार्ट) श्रोशिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेवररी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि काम सं० अई-2/37ईई/11771/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बढ़ारा दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 12-12-1984

मोहर 🕸

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन स्वना

भारत सरकारू

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश रा० अई-2/37ईई/117720/83-84—अतः मुझे लक्ष्मण दास

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, बि० नं० 11-ए, "अल अराफत", ग्रीशियरा वीलेज, जोगेश्वरी (प), मिल्लत नगर, बम्बई--58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्स, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल का पंचन प्रतिफल का पंचन प्रतिफल के पंचन प्रतिफल के विच्न प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्रं) जन्तरण से हुई किसी आम की वाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितः:— (1) श्री ,नियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्सारी सिराज अहमद मो० अमीन। .(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्य क्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः—— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता? विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### नग्तुची

"पलैट नं० 103, जो पहली मीजिल, बिल्डिंग नं० 11-ए, "अल अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), मिल्लात नगर, श्रोशिवरा बीलेज, जोगेश्वरी (प), ब्रम्बई मैं स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2 37ईई 11772 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

# प्ररूप काई. टी. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नार 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11784/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर राम्पिस जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, बिं० नं० 11, "अल अराफत", बेहराम बाग के पीछे, श्रीशिवरा जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 12-4-1984

को पूर्वाक्स अम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसक कि अ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय व्यायकर अधिनियम, 1922 (1972 की 11) या उक्त अधिनियम, एए धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उदत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, गिम्निविकत व्यक्तियों, जबति :---- (1) श्री शियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री सईद मुमनाज अली :।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

"फ्लैंट नं० 502, 5वीं मंजिल, जो बिल्डिंग नं० 11, "अल अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, श्रोणिवरा जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11784 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ध** 

विनांक : 7-12-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11785/83-84--अतः मुझें लक्ष्मण दाख

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, छठी मंजिल, बि० नं० ए-11, "अल अराफत" ग्रीणिवरा वीलेज, बहुराम बाग के पीछें, जोगेंग्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वरेय से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रा शियाउद्दोन बुखारी ।

(अन्सरक)

(2) श्रो अलिमियां इस्माईल कासू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भोर

#### अनुसूची

"फ्लेंट नं० 604, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-11, "अल अराफत" एस० नं० 41 (पार्ट), मोशिवरा वीलेज, बेंहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11785/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण ) अर्जन रेंज-2, सम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

जाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के जधीन सूचना

#### भारत तरकार

श्रापितय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निदेश मं० अई-2/37ईई/11786/83-84--अतः मृझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क 'हे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्भक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,900/- स्त. में अधिक है

श्रीर जिसका सं० पलेट नं० 202, बि० नं० 11, दूसरी मंजिल, "अल अशफत" श्रीणिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जीगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से घणित हैं) श्रीर जिसका वारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्रों है, तारीख 2-4-1984

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने की बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) से भीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिक कम निम्मितिकों उद्देश्य से उक्त जंतरण निवित में बास्तविक कम से संभित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कामी कारते या उससे बचने में सुविधा के पिए; और/या
- (॥) एंसी किसी भाग या किसी भूग या अस्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 7-416GI 84

(1) श्रः शियाउद्दोन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रा भोहम्मद साबार खान ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में विकास जा सकीये।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिय। पया हैं।

#### **ान्स्ची**

"प्लैट नं० 202, दूसरों मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, "अल अराफन", एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशियरा वीलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेयारों (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसा कि कि के सं अई-2/37ई1/1786/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी प सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

# प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० अई-2/37ईई/11787/83-84--अतः मुझे, अग्रु दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 503, 5वीं मंजिल, बि० नं० 11, "अल अराफत", श्रीशिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पाछे, ओशिवरा, जोगेश्वर (प०), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पत्द्रह् प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्स अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-इन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया चाना आहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

(1) श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुलकादर मोहिद्दीन मुल्ला । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ खुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेगी।

स्मच्दिकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

"पत्नैट नं० 503, 5शीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, जो "अल अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रीणवरा वीलेंज, बेंहराम बाग के पीछे, श्रीणवरा, जोगेण्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11787/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 7-12-1984

प्रकप आहें .टी . एन . एस . : -----

# नायकर निर्मियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

### सार्व ब्रुकार

## कार्यास्य, सञ्चयक भाषकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11791/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्तैट नं० 201, दूसरी मंजिल, बि० नं० 11, "अल अराफा", श्रीशिवरा तीलेज, बेहरामनाग के पिछे, जोगेश्वरी (पिश्विम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के एर्थालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 12-4-1984

को पूर्विकतः सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन् निम्निलिखा उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में बास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया हैं ====

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादित्व में कनी कड़ने वा उन्हें देवने में सृदिधा के सिए; कोड़/गा
- (न) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 22 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ... योजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो शियाउद्देश बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री इब्राहिम मेहमूद बारदे।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है।
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
  अविध ताथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुनाल,
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकालन की सारीब है 45 दिन के भीतर उन्ह स्थावर सम्परित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सक्षेत्र ।

स्युष्विकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों का, को उक्छ किश्विमम, के सम्माय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### वर्स्यो

"पलैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, "अल अराफत", एस० नं० 11 (पार्ट), श्रोशिवरा वं≀लेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरो (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। 

【♣

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/11791/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, वम्बई द्वारा दिनांक 12-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🤃

प्ररूप आहे. टी. एन्. एख्.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भ (1) के अभीन स्वना

#### TITE SECTION

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंग-2, अम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० अई-2/37ईई/11797/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं पूर्निट नं की/102, जो, 1नी मंजिल, हिंद सौराष्ट्र इन्डस्ट्रियल इस्टेंट, ग्रंधेरी कुर्ला रोड ग्रंधेरी (पूर्व), वस्बई—59 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्रो है, तारीख 12-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाकार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व केंकमी करने या उसने वजने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा जन्य अस्टित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया नाना पाहिए था, कियाने में वाविधा के लिए;

भृतकः स्व, उक्त अधिनियम् कौ पाच 269-त के प्रनृत्रस्थ भं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यस्तियों अधार्त :---

- (1) कुमारा रत्नो नारायणदास खेभलानी।
  - (अन्तरक)
- (2) मंसर्स पुशी इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिसी ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को यह स् \_ ॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिस्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राष्यक के प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

यूनिट नं बी/102, जो, 1ली मंजिल, हिंद गौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, झंधेरी कुर्ला रोड, झंबेरी (पूर्व), बम्बई— 59 में स्थित हैं।

अनुसूर्वा जैसा कि कम मं० अई-2/37ईई/11797/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारो, वस्बई द्वारा दिनांक 12-4-1984 की रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 10-2-1984

### प्ररूप आर्ह्.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सृचना

त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11804/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव युनिट नंव 8, जो आदर्श इंडस्ट्रियल इस्टेट नकाला रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-4-1984

क कायालय में राजस्ट्रा है, ताराख 13-4-1984 को पूर्वोक्त संगाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित उजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, मुध्यत्:—— (1) स्टोअश्फिल लेबो<sup>३</sup>टरोज ।

(अन्तरक)

(2) पापूलर प्लास्टिक इंडस्ट्रीज ।

(अन्तर्रितः)

(3) अन्तरकः ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

युनिट नं० 8, जो आदर्ण इंडस्ट्रियल इस्टेट, चकाला रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11804/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक, 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

## प्रकृष काइ .टी. एन. एस. -----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्(1) के व्योग स्वमा

#### भारत सरकार

## कार्यां स्य , सहायक बायकार बाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० अई-2/37ईई/11805/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो मुद्रारक मंजिल, संको पार्क, मरोल बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 कः धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारः, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-4-1984

को पूर्वकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुव्दं किसी नाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए: अरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कह अधिनियम, या धन-कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुनिधा के लिए;

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथाति :--

- (1) श्री नितिन कुमार गुणवंतलाल गहा । (अन्तरक)
- (2) मुल्ला फक्क्ट्द्दान के० घीवाला। (अन्तरिता)
- (3) मुल्ला फकरुद्द्दा कादरभाई घीबाला। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की सर्वधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की दामीन से 30 दिन की सर्वधि, जो भी सर्वधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा स्थोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थरवीकरण :--- इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में द्विका गया हैं।

#### मम सची

ं दुकान नं० 6, जो मुवारक मंजिल, सैफी पार्क, मरोल, बम्बई--59 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11805/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 7-12-1984

माहर 🗓

## प्रध्य बाह्रं, टी. एम. एत. -----

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांकः 10 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई--2/37ईई/11813/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 18, जो, मिन्नी इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लि०, व्हिलेज मुलॉगांव, तालुका ग्रंधेरी, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 13-4-1984

को पूर्वोक्स संपरित् को उचित बाबार मृस्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मृस्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्ति विक स्प से किथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्सरण से हुन्द किसी आय की आवत, उक्त जिल्हा की अन्सरक के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सूनिभा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, ७वतः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ह— (1) मेसर्स केमिकल्स एन्ड एरोमेटिक्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स शश्मिन इंटरप्रायजेस

(अन्तरिता)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सुम्मति हैं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यव्याहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांडि भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास जिख्ति में किए का मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

## वन्त्वी

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 18, जो, मिस्ती इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स प्रिमायसेम को० = आप० सोसायटी लि०, व्हिलेज, मुलगांव, तालुका अंधेरी में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम गं० अई-2/37ईई/11813/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

प्रकृष आहें, टी. एस. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहारक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11818/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक है

ंश्रीर जिसको सं० यूनिट नं० 44 श्रीर 45, जो "एफ" बिल्डिंग, 2रो मंजिल, नंद धाम इंडस्ट्रियल, इस्टेट, मरोल मरोशी रोड, आँफ कुर्ला श्रंधेरो रोड, श्रंधेरा (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 13-4-1984

को पूर्वेक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान अतिफल का बन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्ट्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए

जतः अब उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

- 1. श्रामता मिनाक्षा जे० शहा ग्रीर श्री जयन्त एम० शहा (अन्तरक)
- 2. श्री मतं नर्सःमा उस्भान मुर्ती । (अन्तरिता)

को वह सूचना बारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सन्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पक्कीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के, अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनस्य

यूनिट नं ० 44 और 45, जो "एफ" बिल्डिंग, 2 री मंजिल, नंद धाम इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल मरोशी रोड, ऑफ कुर्ला अंधेरी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैपाकि करु संर अई-2/37ईई/11818/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनांक 13-4-1 9 84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

मोहरू 🛢

प्रकप आहूर टी. एन. एस्.-----

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत

#### भारत सरकाड

269-घ (1) के **मधीन स्थना** 

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० आई-2/37ईई/11824/83-84---अतः मुझे सक्ष्मण दास

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संब्र्धनैंट नंव 703, 7 वीं मंजिल, बिल्डिंग नंव 3, ''अत -मार्गें श्रोशिवरा वोलेंज, बेहराम बाग के पोछे, जगेश्वरो (पश्चिम), बम्बई-400 058 ें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 13-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्षांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दर्वमान प्रतिफल से, ऐसे दर्वमान प्रतिफल के बस्युह् प्रतिवात से कथिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम की नधीन कर दोने की जन्तरक को दायित्ज में कभी करने या उससे अधने में सुविधा को लिए, वरि/या
- (का) एसी किसी बाय का जिल्ही भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए:

जत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कर्न नियनिवित व्यक्तियों, अर्थात् म— 8—416G1|84

1. को ज़िया उद्दोन बुखारी, ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गाहताज सैफी, झादेह ।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जर्पन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

तक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीत्र प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी औं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उच्छ जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### . जन्**स्**ची

"फ्लैट नं० 703, जो सातवीं मंजिल, विस्थिग नंम 3, "ग्रस-मारवा", एस नं० 51 (पार्ट), भोशियरा, बोलेज, बहराम बाग के पोछे, जोगेण्यरो (पण्चिम), अम्बई-400 058 में स्थित है।"

श्रनुमूची जैसा कि कम ग० श्रार्ड-2/37ईई/11824/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 13-4-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 7-12-1985

प्रकल् बाइ"ं टी. एन. एच.,------

हामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, वस्वई .

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई 2/37ईई/11826/83-84--- अतः मुझे. लक्ष्मण दास

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 704, 7 वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 3-ए, ''श्रल-मारवा'', स्रोशिवरा, वालेज, बेहराम बाग के पोर्छ, जोगेश्वरा (७०), बम्बई-४०० ०५८ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण मध में बणित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर भ्राधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दों है **यिनां**क 13-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफंश के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति की उचित बाजार मुन्य उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **पाया** गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देक्य सं उक्त संतरण सिचित में वास्तविक रूप से किंचित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुए किसी आम की मानत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क कासित्य में कमी करने या उससंबचने में सुविधा कंलिए: और/या
- (सा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अवस्तियां क' जिन्ह' भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्सरिती दवारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

कतः वक, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसचित व्यक्तियों, अर्थात 🛶

ा. श्री सियाउद्दोन बुखारी

(भ्रन्सरक)

2. श्रा फारेह सैंफि झार्दह।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्सियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस समाना को राजपध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्केंगे।

स्बद्धीकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होने जो उस कथ्याय में दिया न्या है।

# अनूसूची

प्लैट नं० 704, जो सामवीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3-ए, एस० नं० 41 (पार्ट), "ग्रल-मारवा", श्रोशिवरा वोलेज. बेहराम बाग के पोछे, जोगेण्यरा (२०), बम्बई-400 058 में

ग्रन्भूचो जैस∂कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/11826/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों बस्बई हारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टई वियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार। सहायक प्रायकर प्रायक्त (निराक्षण) ग्रर्जन गेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रस्त काद्द<sup>ा</sup>, ट**िएन्, एस** . ------

# नान्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (१) के नेपीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश मं० ग्रई-2/37ईई/11827/83-84---श्रतः मुझे; लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 301, तोसरो मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, श्रोशिवरा, बोलेज, बेहराम बाग के पीछे,

जोगेण्वरोः, (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वाः में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 13-4-1984

को पूर्वों कर संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को ख्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; बौर/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण माँ, भाँ, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ण की उपधार्य (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों अर्थात् ।— श्र) झियाउद्दोन बुखारों।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो मोहम्मद इलियाम परवेश ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

"फ्लैंट नं० 301, जो तोसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, एस० नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा बोलेज, बेहराम बाग के पोछे जोगेश्वरो (पश्चिम), बम्बई-400058में स्थित है।"

अनुसूचो जैसा कि ऋ० मं० अर्थ-2/37ईई/11827/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-2, वस्सई

दिनांक: 7-12-1984

महिर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकद्ध विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत दरकार

# कार्यां भ्रम, सहायक आयक र नायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/11843/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 702, सातवीं मंजिल, बि० नं० 12, "अल-अराफत", श्रोशिवरा, वालेज, बेहराम बाग के पछि, जोगेश्वरो (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 15-4-1984

को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य दसक दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया विकल, निम्नीसिवित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण जिल्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण सं क्ष्म किसी जाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (व) एसी किसी जाय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा चे बिद्दा

जतः अस, उक्त जिभिनियमं की धारा 269-गं के जनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिधित व्यक्तियों, जर्धात् र—

1. श्री क्षिया उद्दोन गुखारी

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रज्ञाक इब्राहीम शेख ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए, कार्यवाहियां शुरू कर्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्प :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों कर अविध नों से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए वा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया है।

## अनुसूची

"फ्लैंट नं० 702, जो 7 वीं मंजिल, बिस्डिंग नं० 12, "अल-अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जेगेस्वरा, (पश्चिमो), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11843/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारे। बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप आर्च. दी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के सधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/11850/83-84—अतः सुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602, छठा मंजिल, बिल्डिंग नं० 12 "अल-अराफत" श्रीशिवरा, व.लेज, बहराम बाग के पंछे, जोगेण्वरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 15-4-1984

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एंसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चित्रय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं सूद्र किसी आय की बावत उक्त आधिकियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूविधा के लियं; सीर/य।
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन जम्म जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया सया जा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात :— 1. श्रां झियादोन, बुखारो

(अन्तरक)

2. श्रा अन्दुल हमीद इस्माईल, शेंख।

(भ्रन्तरिती)

को यह यभना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप ून्य

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 602, जो छठी मंजिल, बिल्डिंग नं० 12, "अल-अराफत", एस० नं० 41(पार्ट), ग्रोशिवरा, वीलेज, बहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

अनुसूचां जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/11850/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-198 4 को जिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष**म प्रा**धिकारी सहायक आयक आर्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहु 🛚

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

**अग्रकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेण सं० अई-2/37ईई/11853/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका मं० आरक्षित प्लैट नं० 201, दूसरा मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-1, विधादायिना को-आप० हाउसिंग मोसायटा चकाला, अन्धेरो, (पू०), बम्बई-69 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 16-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (भ) अन्तरण सं हुइं किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. छिपाने में सुविभा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के बधीन, निम्नतिविक्त व्यक्तियों, वर्धातः :--- 1. मैसर्स इन्डिको कन्स्ट्रबंशन कम्पनी ।

(अन्तर्क)

2. श्री बालकृष्ण हरगोविन्द आचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कंरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण :----इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

"आरक्षित फ्लैंट नं० 201, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-1, जो बधादायिनो को-आप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०) बम्बई-400 069 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि० में० अई-2/37ईई/11853/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-12-1984

मोहर 🛭

## प्रकप बाइं टी एन् एस . ------

जायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के जभीन सुचना

#### शारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वस्बई, विनांक 4 दिसम्बर 1984 निदेण स० अई-2/37ईई/11854/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्बत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

आर जिसका सं० भाग नं० 3, तलमाला स्नेहधारा बिल्डिंग, जावन विकास केन्द्र रोड, अन्धेरा (पू०), बस्बई-400 069 में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनयम 1961 का धारा 269 पृथ्व के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टा है दिनांक 16-4-1984

को कृशेंक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान धितफत के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त बन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुर्ह किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) या उन्तर अधिनियम, या पन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- 1. मैसर्स एस० ए० कान्द्रेक्टर एंड कम्पना। (अन्तरक)
- श्रामता बानू गञ्जार सान्चावाला।
   (अन्तरिता)
- अन्तरक ।
   (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी कारके पृत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंबाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं हैं, बही जध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अमस ची

गाप नं० 3, जो तलमाला, स्तेहधारा बिल्डिंग जोवन विकास केन्द्र, रोड, अन्धेरी (प०), वम्बई-400069 में स्थित है ।

अनुसूचा जैसाकि क० स० अई-2/37ईई/11854/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा वस्बई ब्रारा दिनांक 16-4-84 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दारा सक्षम प्राधिकारक सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

fदनां $\pi$  : 4-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भाग 269-ष (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अर्ध-2/37र्डर्श/11855/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दिसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं७ 210, दूसरा मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-3बा, विद्यादायिना को-आप० हाउसिंग सोसायटो, चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बर्ड-400 069 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कुख के अधान बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है दिनांक 16-4-1984

को पूर्वों क्स सम्परित के उष्टित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपरित का उष्टित बाजार मृत्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का अवह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (खतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रति-फल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अन्सरण लिखित में वास्तविक कप सं अधित नहीं किया गया हैं:--

- (भर) अन्तरण संहुद्ध किसी अध्य की बावक, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कमी करने या उससे अधने में मुनियाः औ लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ ध्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सावभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स इन्डिको कन्स्ट्रक्शन कम्पनो

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुरिन्दरपाल कादबन्स,

् (अन्तरितो)

की यह सुचना जारी करके पूर्वांभित्त सुरूपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थाक्त क्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिबित में किए जा सकों थे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो तक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ इतेगा जो उस अध्याय में दिवा क्या है।

#### अनुसूची

"फ्लैंट नं० 210, दूसरों मंजिल, बिल्डिंग, नं० ए-3 बी, जो विद्यादायिनों को-आप० हाउसिंग सोक्षायटों चकाला अन्धेरी (पू०) बस्वई-400 069 में स्थित है।"

अनुसूचा जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11855/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारोख : 3-12-1984

प्रकृत होतु 😅 टी... एव ..-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1,) के अधीन सुचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/11856/83-84 ——अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 405, चौथी मंजिल, बिर्णिडग नं० ए-3बी, विद्यादायिनी, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-4-1984

को पृथों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रुष्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की नहें हैं और मृत्यें वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रुपमान प्रतिफल से ए से द्रुपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रम, जिम्मितियंत उद्देष्य से उच्च कन्तरण सिक्ति में वास्त-

- (क) कथारण में हुए किसी जान की बावत उपत अभि-नियम में न्यीन कर दोने के बच्चहुक के दायित्व में कभी करने ना सन्दर्भ वचने में सुविका के जिने; सार या/
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिय, की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वा प्रकट नहीं किया गर्या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

1. मैसर्स इन्डिको कस्ट्रकशन कम्पतो

(अन्तरक)

2. श्री वैलरियन एन्थोनी, डिसोजा

(अन्तरिती)

का यह जुणना पार्टी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्षन थीं किए कायवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थलकिरणः —-इसमें प्रयुक्त कक्यों और पर्यों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याद में दिया भग हैं।

#### वनुसूची

पलैट नं ० 405, चौथो मंजिल, बिल्डिंग नं ० ए-3 बी, जो विद्यादायिनो को-आप० हाउसिंग सोक्षायटो चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है।"

अनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11856/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बर्स**

दिनांक: 3-12-1984

## प्रक्ष बार् टी. ए५. १६ %----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई०-2/37ईई/11857/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' मह्म गया ही, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 407, चौथी मंजिल, बि० नं० ए-1, विद्यादायिनी को-आपरेटिव हि। उसिंग सीसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-40 069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति। कि रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुर्भ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँग्र/या
- (च) एंसी किसी जाय वा किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उपत जिमिनियम, की भारा 269-ग के जन्सरण को, मैं, उपत अधिनियम की भारा-269-च की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— 1. मैसर्स इन्डिको कन्स्ट्रकणन, कम्पनी

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री आई० पी० छात्रा तथा
  - (2) श्री एस० एस० पटेल

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अस्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) हुन सुनुना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए वा सकों में।

स्थारहीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित दूरी, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विसा वया हैं.!

# अनुस्ची

"फ्लैट नं० 407, जीयो मंजिल, बिल्डिंग नं० ए-1, जो बिद्यादायिनों, को-आप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०), सम्बद्द-400 069 में स्थित है।"

अनुसूर्व। जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11857/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड, किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-12-1984 मोहर: प्रकृष बाह्य हो । एम । एस । कार्यन्त

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, बहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

· बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

दिनेश सं० अई-2/37ईई/11862/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, पहिली मंजिल, राजेन्द्र को-आप० हाउसिंग सोसायटा चकाला, अन्धेरा (पू०), बम्बई-99 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण रूप से बॉणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथ के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्दा है दिनांक 11-4-1984

को पूर्वों कर संपरित के उचित बाषार मूल्य से कम के खर्यमान करित के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सस्तरण वेहुई किसी अन की बास्त, उक्ख बधिनियम के बभीन कर दोने के बस्तरक औ दाजित्य में कमी करने वा उससे क्षये के सुविधा के दिए; बहु/या
- (श) ऐसी किसी आगु या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के 'उयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा का का किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा की विद्या

अतः अतः उत्त जीभीनवन की भारा 269-न की जन्मरूप में, में, उत्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन. निम्निसिक्त व्यक्तियों, जर्मात् ह मैसर्स भ्रोमेक्स बिल्डर्स, एण्ड कन्स्ट्रकटर्स।

(अन्तरक)

2. श्री एस० जी० शेखर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को सूचन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क), इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की पारी के 45 दिन की नविभ मा तत्त्वम्यों का मत्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्ष म, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीटर प्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति व्वारा वभाहस्ताक्ष्री के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैदों का, जो उक्त बर्धिन्यम, के ब्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष क्षेपा जो उस अध्याय में विका प्रवाहीं।

## अनुसूची

"फ्लैट नं० 102, जो पहिलो मंजिल, राजेंन्द्र को-आप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरो (पू०), बम्बई-400 099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/11862/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक : 10-12-1984

प्रकार बाहें, टी. एवं. एस.------

कायुक्ट क्रींप्रनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-प (1) के बधीन सूचना

#### धाउत करकाह

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्त) प्रजीन रेज-2 बस्बई

बम्बई दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई-2/37ईई/11871/83-84---ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्कें पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित वाबार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, बी-ब्लाक, नंद ज्योति इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुर्ला ग्रंधेरी रोड, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 16-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वोध्य से उक्त अन्तर्ण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की यावत , उपत किथ-नियम के ज्यीन कर दोने के अन्तर्क के बादिस्थ में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के बिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भग या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः, जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण जो, जी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीरा, रिक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— 1. श्री बरणजीत सिंह जी० श्ररीरा,

(भन्तरक)

2. श्री कुष्णचन्द धिगरा,

(भ्रन्तरिती)

को नह सुबना भारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन के जिस कार्यवाहियां करता हो।

अक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप 🖫

- (क) इस मुखना के राज्यक में प्रकाशन की लारीच वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकींगें।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषर गया है।

#### धनु सूची ।

यूनिट नं ० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, बी-ब्लाक, नंद ज्योति इंडस्ट्रियल इस्टेट, कुली ग्रंधेरी रोड, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/11871/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-12-1984 मोहर: प्ररूप आर्घ .टी .एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/11872/83-84——अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पलैट नं० 103, पहिली मंजिल, राजेन्द्र को, स्नापरेटिय हाउनिंग सोसायटो चकाला, अन्धेरी (पू०) बम्बई-400 069 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है विनांक 16-2-1984 अंक्र्य पूर्वेक्स सम्पत्ति के जिपल माजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण किला माना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण किला माना गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अतः अव, उक्त क धानयम का धारा 269-ए क अनुसरण में, में, उक्त अधिनकाम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित का किता की कार्यान्य क्रिक्ट का

1. मैसर्सं भीमेक्स, बिल्बर्स एण्ड कारस्ट्रक्टर्स । (अन्तरक)

2. श्री एन० एन० पिचूमणी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

#### **ग्रनु**सूची

''क्लैंट नं० 103, पहिलो मंजिल, जो राजेन्द्र को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटो, चकाला, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है ।''

स्रतुसूची जैसा कि क० सं० स्नई-2/37ईई/11872/8 3-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 3-12-1984 मोहर : प्ररूप बार्ड, टी. एस. एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 विसम्बर, 1984

निदेश सं० म्राई-2/37ईई/11874/83-84——म्रतः मुझे लक्ष्मण दास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. स आधक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, पहिलो मंजिल, राजेन्द्र की-आप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री दिनांक 16-4-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतियात उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1), के अधीन, निम्निसिबित क्येंक्तिमों, अवित् के---

- मैसर्भ श्रोमेक्स बिलार्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सन्ताम्मा, करणाकरन,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें. 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वि्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या

#### वतसर्थ

"फ्लैट नं० 104, जो पहिली मंजिल, राजेन्द्र को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, भ्रन्धेरी (पू०), बम्बई-69 में स्थित है।"

भ्रानुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई-2/37ईई/11874/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 3-12-1984 मोहर: **३क्प बार्च**्टी . पुन**्पस**्ट -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत चडुकाड

# कार्याक्रय, सहायक बायकार जायुक्त (निर्धाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 9 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11875/83-84—अतः मुझे;

लक्ष्मण दास जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जिल्ला बाजार मृह्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 201; दूसरी मंजिल, राजेन्द्र को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई 869 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 कि धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 16-4-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तरण निवित्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बाय की शायत, उच्च अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अपनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्षात् :--

- मैसर्स भोमेक्स बिल्डर्स एण्ड कान्स्ट्रक्टर्स । (भन्तरक)
- 2. श्री एम० एम० चेरीयन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विदिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास जिलास में किए आ सकोंगे।

स्थध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदिका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

## **ग्रन्**स्ची

"फ्लैट नं० 201, दूसरी मंजिल, जो राजेन्द्र को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अंधेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/11875/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-2, बस्बई

दिनांक 3-12-1984

मोष्ठर:

प्रकल बाह्र . टी . एन एस . ......

भायकर अधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## 1. मैसर्स इन्डिको कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

् 2. श्री हरिप आर० देसाई ।

(अन्तरितो)

#### FIRST SECTION

## कार्यातयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11879/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर शिंधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 412, चौथो मंजिल, बिल्डिंग नं० ए.1, विद्यादायिनी को-आप० हाउसिंग सोसायटो, चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 16-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तितित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रक्रिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के सिए सम पामा गया प्रति-कम, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिबक्क कम से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावस, उक्स बिधिमियम की बभीन कार दोने के अन्तरंक की बाविरय में कभी करने या उसने वसते में सुनिवर के सिए; नौर/वा
- (स) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियानों से सुविधा के लिए:

खतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पृतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री बाबोए:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांस्ता थें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्पंद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंची

"एलैंट नं० 412, चौथी मंजिल, जो बिल्डिंग नं० ए-1, विद्यादायिनी को-आप० हाउसिंग सोसायटी चकाला, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 069 में स्थित है।"

अनुसूर्या जैसाकि कैंग्रं० सं० अई-2/37ईई/11879/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-12-1984

<del>in new manager</del>, rają ir grą

عد الحج فيهاد وهياية المستعدد الرابع

प्रस्प कार्ड. टी. एन. एस..-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11886/83-84—अतः मुझे। लक्ष्मण दास्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया हैं), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयाण करने कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

प्रीर जिसका सं० पलैट नं० 103, पहिला मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, "अल-मदाना" श्रीणिवीरा, वीलेज, बेहराम बाग के पाछे, जोगे प्रवरा (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (और इसमे उनाबद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है दिनांक 17-4-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके परयमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथितं नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोनें के अन्तरक के दायिएय में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 10---416GI]84

1. श्री जियाउद्दोन बुखारा ।

(अन्तरक)

2. थां सालमन खलाल मुल्ला ।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्यि , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबबुध किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## वनसूची

प्लैंट नं० 102, जो पहिला मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, ''अल-मदोना'' एस ० नं० 41 (पार्ट), मोशिवरा बोलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेंश्वरो, (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।''

अनुसूचो जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11886/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 17-4-1984

मोहर: प

प्रकार, नावी, दी, एन. एस. -----

नासकर जोधानियमा, 1961 (1961 का 43) कही भारा 269-च (1) की अधीन सुचना

#### भारत सरका

कार्यालय, सहायक कायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11888/83-84---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं ० पसैट नं ० 604, 6 ठो मंजिल, बिल्डिंग नं ० 6, "अल-सदीना", श्रोशिवरा, बोलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (पिष्चम), बम्बई-400 058-में स्थित है (शौर इससे उपाबद अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से बिणित है) शौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अश्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 17-4-1984

को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिफल जिम्मिलिशित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पामा गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त श्रिपितियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, निन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान संस्थिध के सिए;

कतः अब उधत अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, अं, अक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— 1. श्रो झियाउद्दान बुखारी।

(अन्तरकः)

2. श्री कुरैशी, अब्दुल गफ्फार ए० एस०

(अन्तरिती)

का पहुँ सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हो

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

## वन्स्ची

"फ्लेट नं० 604, जो छठा भोजिल, बिस्डिंग नं० 6, "अल-मदोना", एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेण्वरो, (पण्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11888/83-84 श्रीर जो सअम प्राधिनारो बम्बई द्वारादिनांक 17-4-1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 7-12-1984 मोहर: प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-=----

मायकर मिनियम, 196। (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर जायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11915/83-84—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा भदा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार यून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० युभिट नं० 12, जो मारवाज इंडस्ट्रो, हाउस मारवा इस्टेट, साका विहार, रोड, पवई, बम्बई-72 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण स्थास विजित हैं) श्रीर जिसका करारवामा आयकर अधिनियम 1961को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्योलय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 19-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके दृश्यमान प्रतिक सं, एसे दृश्यमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही औए अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निशिचा उद्देश्य अ उक्त अम्तरण विश्वित से बाक्त, विश्व कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संधूर्ण किसी आय की वाब्त, उक्छ अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उसके वचने में सुनिधा को लिए: और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना बाहिए जा कियाने में विधान के निष्टा

अतः अवः, अकः निभिनियम की भारा 269-ण के वृत्दुरण् मों, मीं, उत्तत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र- 1. श्री सुशील के० मारवा।

(अन्तरक)

- 2. युनिवर्सल लगेज मैन्युफक्चरिंग, कंपनो प्राइ वेट लिमिटेड (अन्तरितो)
- 3. अन्तरक श्रीर अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बावत् सम्पृतितः के अर्थन की वस्त्रान्य मी कादि भी आक्षाप अ-

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्योक्तमों पर स्वान की तामील से 30 विन की नविध. जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थितमाँ में से किसी स्थित हुआराः
- (ण) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाख़ सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्तीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## भनुसूची

युनिट नं ० 12, जो मारवाज इंडस्ट्री हाउस, मारवा इस्टेंट, साकी विहार रोड, पबई बम्बई-72 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11915/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बस्कर्ड

दिनांक 7-12-1984 मोहर:

# भक्त बाह्<sup>1</sup>. टी . एन् . यह . -------

# नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

## भारत बरक्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं अई-2/37ईई/11920/83-84--अतः मुझे, नक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'डक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269 क को कभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **ह**ै कि स्थावर संपरित जिसका खिन्त बाजार मूल्य 25,000∕-रत. से अर्थिक हैं

· भौर जिसको सं० दुकान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फलोर बिल्डिंग "सरोज अपार्टमेंट सी० टी० एस० नं० 13/37/2, विलेज 'मुलगांव, महाकाली केब्ज रोड़, ग्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 21-4-1984

क्षेत्र पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् भाजार मूल्य से कम के स्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विक्थास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक ही गौर अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देशय से उक्त अंतरण लिसित में वास्त-क्रिकरूप संकथित महीं किया गया है 🦫

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों काबी कारने यह समसे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के मिए;

वतः अव, उक्तं विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण मं, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभाराः (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों वर्धातु 🦫 🗕

(1) मैसर्स सहकार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रो मदन लाल सोहनलाल जी सिंधवा । (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह स्वाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्याप, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्पी

"दुक्तान नं० 2, जो, ग्राउन्ड फलोर, बिल्डिंग सरोज अपार्टमेंट", सो टी एस० नं० 13/37/2, विलेज सुलगांव, महाकालो केन्ज रोड, ग्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं०अई-2/37ईई/11920/83/84 और जो सक्षा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 21/4/1984 को एकीस्टर्ड किया गया ।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 बम्बई।

्वनॉक:

## प्ररूप भार्द . टी . एव . एस . - - - ----

भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के स्भीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर, 1984

निर्देश सं अई-2/37ईई/11922/83-84--अतः मझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25.,000/- एत. भे अभिक **ह**ै

श्रीर जिञ्ज सं० फ्लैंट नं० 302, तीसरो मंजिल, दि० नं० 4, "अल अराफन" एस०नं० 41 (पार्ट), स्रोणिवरा वीलेज, बेहराम वाग के पाछे, जोगेश्वरा (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है तारोख 21-4-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संस्पत्ति का उसित काजार मूल्य, उसके उरयमान प्रतिफल सं, एसे उरयमान प्रतिफल के गंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तः अन्तरण सिवितः में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण सं हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में अधिका के लिए; और/या
- (स) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का जिन्ह भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना काहिए था, फिलाने में स्**विधा** के लिए;

न्तु: अब जलन अधिनियम की धारा 269-ग के **बन्सरण** में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) अधीन . निम्नलिसित व्यक्तियाँ , अर्थात् ६--

(1) श्रा क्षिया उदबीन बखारां।

(अन्तरक)

(2) श्रामतो झुबैदा बेवा अब्दुल रक्षाक मन्यो। (अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करुके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां कारता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकारण :---इसमी प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

फलैट नं० 302, जी, तासरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, "अल मार्जा", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं अई-2/37ईई/11922/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारत, बम्बई द्वारा विनांक 21-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-198 ..

प्रक्ष आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11923/83-84-अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∡69 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ∠5,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० पलैट नं० 303, तासरा मंजिल, ब्लाक नं० 4, "अल अराफत", ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरों (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका धारा-नामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के ग्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 21-4-1984

जो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; आर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य झास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर झिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः वयः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग वौ जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के के वभीमा, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थात् ध—ः (1) श्रो शियाउद्देशन बुखारी ।

(अन्सरक)

(2) श्री फिक अब्दुल सत्तार हाजाते । (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोक्षरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, वे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूखी

फ्लैंट नं० 303, जो, तीसरी मंजिल, ब्लाक नं० 4, "अन मारवा", एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), जम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई-2/37ईई/11923/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार।, यम्बई द्वारा दिनांक 21-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11926/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

हिंशीर जिसकी संव पर्नेट नंव 104, पहली मंजिल, बिवनंव 4 "अल मार्वा" ग्रोणियरा बालेग, बेहराम दाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्वई-400058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 21-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति आदिसयों, अधीन :—-

(1) श्रा शियाउद्दान बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री शीएब अहमद नझमुब्दीन कार्जा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिश्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दबाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 104, पहली मंजिल, जो बिल्डिंग नं० 4, "अल मारवा", एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा व लेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरा (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/11926/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दसि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्रकप साइ ० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सूचना

#### धारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/11927/83-84--श्रतः मुझे, लक्ष्मण क्षास

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने के कारण हैं कि स्थावर कम्पत्ति जिसका उचित बाजार कृष्य 25.000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403 चौथा मंजिल बि० नं० 11 "श्रल श्रराफत" श्रोशिवरा बोलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वढों (प), बम्बई—400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप में बांणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में राजस्ट्री है तारोख 19-4-1984

को पूर्वोंक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान बितपन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरमान प्रतिफल से एमें दूरमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय अधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था वा किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

सतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्रो शियाउद्दोन बुखारा ।

(थ्रन्तरक)

(2) श्री खन्जर मोहम्मद भ्रन्वर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासे लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसू ची

फ्लैट नं० 403, चौथो यंजिल, जो बिल्डिंग नं० 115 "ग्राल श्रराफत" एस० नं० 41 (पार्ट) श्रीशिवरा बोलेज, मित्तलनगर बेहरामक्षाग के पोछे, जोगेष्वरा (प), बम्बई-400058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37ईई/11927/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा विनाक-19-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - -

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मृच्ना

## भारत सरकार्

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई--2/37ईई/11928/83-84--श्रतः मृत्ते, लक्ष्मण दास.

बायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 143 जो 1ली मंजिल दामजी शामजी इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं० 28 महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केव्न रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध धनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है तारीख 19-4-1984

को प्वितित संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वाम करों का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल में ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के मीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिवक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबता, उक्त बिधिनिस्स के अभीन कर दोने के बन्तरक के इस्मिन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) कें के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 11---416GI|84

(1) गेमर्स दामजी शामजी एन्ड सन्स ।

(भन्तरक)

(2) सिमरान कुलेमर द्रस्ट।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभो<sup>ः</sup> में सम्पति है )

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविध , को भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस मृजना के राजपण में प्रकाशन की नारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास
  निक्षित में किए जा सकेंग।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नं० 143, जो, 1ली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स प्लाट नं० 28 महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केंग्ज रोड़ श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/ 11192/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

# प्ररूप वार्ड.ट. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का,43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेण मं० ग्रई-2/37ईई/11942/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, 5वीं मंजिल बि० नं० 9; ग्नोशिवरा वीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रन्मूची में और जो पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 19-4-1984

को पूर्वेक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से दिश्य किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विकाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो शिया उत्दोन बुखारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इर्पाद ग्रलारक्षा ग्रली सैयद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 504, जो 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 6, सर्वें नं० (पार्ट), 41 भ्रोशिवरा बीलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्र $\xi-2/37$   $\xi \xi/11942/83-84$  श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 19-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

## मुक्य बाह् .टी .एन . एत . -----

यायकर प्रवितिवयः, 1961 (1961 का 43) की घारः 269-य(1) के ध्रमीन भूचना

#### भाउत सरकार

कार्यासय, स्क्रमक जायकर जायकर (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/11944/83-84--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपरित, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लैंट नं 4, पहलो मंजिल, बि न 2, प्लाट नं 12, भवानो नगर, मरोल मरोणी रोड, ग्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिमका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षन प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारीख 19-4-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के मिए; और/या
- (व) होती फिसी जाय या किसी धन या अन्य आरिश्यां स्वां, विन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, धा धन-कर विधिनियम, धा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना वाहिए था, कियाने में श्रिका के लिए;

कर कर, उकत अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रोझारिस्रो डिसोजा तथा श्रीमती एलिजाबेथ डिसोजा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती नाहा सुभाष परलीकर।

(ब्रन्तरितं)

(3) मेसर्स दीपक बिल्डर्स प्रा० लि० । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारी का की क्या कि की क्या तिस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्र क्या करा करा विस्ता होती हो, के भीतर पृत्र क्या करा करा करा करा करा करा करा करा है।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अभिक्त इवारा अधाहरताक्षरी से पास सिसित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 4, पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 12, भवानी नगर, मरोल मरोणी गेंड, ब्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

ग्रानुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई-2/37ईई/11944/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-12-1984

माहर :

# য়ন্তৰ ৰাষ্ট্ৰ ভীত মুগত **পুৰ**্ত সংস্কল

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-न (1) के नुभीत सूचना

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निर्द्रीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11947/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास्

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने ज कारण है कि स्थानर संपरित, विसका उचित बाबाह मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव पलैंट नंव 14, तांसरी मंजिल, बिव नंव 4, प्लाट नंव 12, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई-400059 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त समुपत्ति का उपित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे व्ययमान प्रतिफाल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के निए एस पाया गया प्रति-फाल निम्निविद्य उद्वरेष से उक्त अन्तरण सिक्त में वास्तिव्य रूप से कारियन नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तपुण संसूपं किसी जान की वान्त, उनतः अभिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा को सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया वाना आहिए था, किया में सुनिधा के लिए;

वतः अब स्वतः विभिनियम की थाए 269-ग के वनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, वर्षात् ध— (1) नै० दीपक जिल्डमी प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्रोमर्ता स्वर्ण कौर।

(अन्तरिती)

का यह बुक्ता कारी करके पृत्रों का सम्मत्ति को शर्मन के निष् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिस की अविधि या तत्त्रज्यन्थी व्यक्तियों पूर् सूचना की तानीस से 30 दिन की मुंबिए, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्थनित प्रवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

#### यत्तर ची

फ्लैंट नं० 14, जो तासरा मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 12, भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/11947/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनाक 20-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12-12-1984

प्र**रूप आर्थ**्टी . एन . एस<sub>्य --</sub>-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11958/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, बिल्डिंग नं० 2, लक्ष्मी इस्टेंट को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बर्मा नगर, श्रोल्ड नागरदास रोइ, श्रंधेरं (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 21-4-1984

कारा के कायालय में राजस्ट्रा है ताराख 21-4-1984 को पूर्विक्त सम्पर्तित के उचित बाजार भूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सिधी को जिन्ही भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्मिसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रा आर० अनन्तकृष्णन ।

(अन्तरक)

(2) श्रो हसमुख राजमल संधवी।

(अन्तरितं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## नन्स्ची

फ्लैंट नं० 4, जो बिल्डिंग नं० 2, लक्ष्मीं इस्टेंट, को०-आप० हार्जिंग सोसायटी लि०, वर्मा नगर, घोल्ड नागरदास घंधेरी (पू), बम्बई  $\sim400069$  में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/11958/83-84, दिनांक 21-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज~2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

## प्रकप नार्ड, टी., एत., एस., ------

## जायकर अर्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के नभीन सुमना

#### प्रारत कुरकात

## कार्यालय, सहायक भायकार भागुक्त (निर्द्रोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/11983/83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं इंडस्ट्रियल गाला नं 31, जो, सर्वोदय इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकालो केव्ज रोड़, श्रंधेरों (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्च: में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्लेंआयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, ताराख 21 अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वेष्य से उक्त मन्तरण लिशित में वास्तिबंक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने था उससे अवने में सृथिभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आब वा किसी धन वा बन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार :--

- (1) महाराष्ट्र प्लास्टिक प्रोसेखिंग इंडस्ट्रीज । (अन्तरक)
- (2) के० अशोक राय।

(अन्तरिता)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की जनिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अनिंध, जो भी जनिय नाद में सनाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्स भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी कें पास सिचित में किए जा सकोंगे ।

स्यव्यक्तिरण क्ष्म-इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उच्छ जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ श्रीया जो उस अध्याय में विका पंता हैं हैं

## वगुसूची

इंडस्ट्रियल गाला नं० 31, जो, सर्वोदय इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केंव्ज रोड़, ग्रंधेर्रा (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है। अनुसूचों जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37 ईई/11983/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीखा: 10-12-1984

## प्रकप कार्यः दी. एन. एत.-----

नाथकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-स (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/3755/12053/83-84:---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाश् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलेट नं 702, 7वीं मंजिल, बिं नं 11, सं नं 41 के सामने, ग्रीमिरावालेज, बेहराम क्षांग के पीछे, जोगेश्वरा (प॰), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) (ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 26-4-1984

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उचत अंतरण लिखित में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उक्त अभि-भेमसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/या
- (क) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्रिती वृंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् "—— (1) श्रा शियाद्दान बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रा शेख अब्दुल रेहमान उल्लाबक्ष ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंटारा अक्षेहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीयें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है !

## अनुसूची

पर्लैट नं० 702, जो 7वीं मंजि ं, बिल्डिंग नं० 11, सव० नं० 41 के सामने, भ्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पाछे, जोगेश्वरो (प०), बम्बई 400058 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क० मं० अई-2/337ईई/12053/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारा, सहायक आयकर आयुक्त, (निराक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

नारीख : 7-12-1984

अ**रूप बाइ'. टी. एन. एस.** ------

(1) श्री णियादीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री फारोद जुम्मा गेखा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12050/83-84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,090/- रु. से अधिक हैं।

ष्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, बि० नं० 11-ए, "अल-अराफत", स० नं० 41 (पार्ट), मिल्लात नगर, श्रीशिवरा विलेज, जोगेश्वरो (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 26-4-1984

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार स्मय से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार सल्य, उसके स्वयमन प्रतिफल से एने स्थ्यमन प्रतिफल का पत्तक प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निमित्त के सास्तिक रूप से स्विथत नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) श्रेसी शिक्की आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिक्की भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिरित्ती द्वार प्रकट नहीं किया प्रयो था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भशः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बंधीन, निम्नकिकित व्यक्तियों. जवति ह—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

"फ्लैट नं० 603, जो बिल्डिंग नं० 11-ए, "अल-अराफत", एस० नं० 41(पार्ट), भ्रोशिवरा विलेख, मिल्लात नगर, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्बई-400058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12050/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण तास सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 7-12-1984.

# प्र**रूप बार्ड** . थॉ., एन , एस्<u>.=----</u>

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सुपना

#### धारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्दाक्तिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/12051/83-84:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 303, तासरा मंजिल, बि० नं० 5, "अल-मदीना", एस० नं० 41(पार्ट), श्रोशोवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरा (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा, 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 26-4-1984

को पृशेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण मिचित में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के सधीत, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12--416G1|84 (1) श्री शियादोन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्रो अन्दुल अहद अन्सारी।

(अन्तरिती)

को यह सृषमा जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकारी।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्धों और श्वाँ का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अन्स्ची

"फ्लैट नं० 303, जो तासरा मंजिल, बिल्डिंग नं ० 5, "अल-मदीना", एस० नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरा (प०), बस्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि न अई-2/37 ईई/12051/83-84 और जो सक्षम प्राधिकार, वस्वई द्वारा दिनांक 26-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

**रिनांक** ः 7-12-1984

प्रस्प बाई. टी. एन. एक. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

सं० अई० 2/37ईई/12052 7-4-84 अतः मुझे, लक्ष्मणदास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० फ्लैट नं० 101, बि० नं० 12-ए०, "अल-अराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोणिवरा विलेज, फिल्लात नगर, जोगेष्वरा (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 के, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित्त काष्मार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उदत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबरा, बन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के असरक के दायिस्थ में कमी करने या उसमें बचने में मृधिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-य की उपधारा (1) के बाधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) अहियाह न बुखारी।

(अस्तरक)

(2) श्री अहमद जम्मा गेखा।

(अन्तरितः)

को यह सुभना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गमा है।

## अनुसूची

"फ्लैंट नं० 101, जो बिल्डिंग नं० 12-ए, "अल-अराफ्त" एस० नं० 41 (पार्ट), श्रोशिषटा विलेज, मिल्लात नगर, जोगेण्यरी (पश्चिम),-बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूचः जैसा कि क० सं० अई-2/37 ईई/12052/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 26-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वश्बई

दिनांक : 7-12-1984

हमोर∵

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस.------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीम स्वका

#### शारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/12082/83-84:—यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 502, 5वीं मंजिल, अल-मार्वा, विल्डिंग नं० 4, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), वम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है,ताराख 27-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के इष्यमाम प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलंख के अनुसार अंतरित की गई है और के यह विषवास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया ही:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें शास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा के निए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों सभीत् ध--- (1) श्री जियाहीन बुखारी ।

(अस्तरक)

(2) श्रो मोहम्मद इन्बाल अहमद मियां एलास्कर । (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 120-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसंख्

"पलैट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, "अल-मार्वा", बिल्डिंग नं० 4,1 एस० नं० 41(पार्ट) श्रोशियरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बस्बई-400058 में स्थित है।"

अनुसूर्धा जैसा कि कि के सं अई-2/37 ईई/12082/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्रारा दिनांक 27-4-1984 को रिजस्टई किया गया है।

नक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहरः

# प्रकर नार्: टी. एन. एस. नननम्बनननम

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुभा

#### शाउव श्रुकाड

कार्यां नय, सहायक नायकर भागूनत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ईई/12094/83-84:—-भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्तर अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 106, जो, 1को मंजिल, ब्लाक "बो", हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरो कुर्ला रोड, श्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रृनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारोख 27-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप संक्रियत नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियुग के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूतिया के निए;

शतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री गोधिय के दर्यनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स एनबो कार्पोरेशन।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

क्षे यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त गञ्जीत के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे. शस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त मृख्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वतसची

"युनिट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, ब्लाक "बी", हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी कुर्ला रोड़, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि कि सं श्रई-2/37 ईई/12094/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 27-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🖫

## प्ररूप आई..टी.पुन.एस./------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के नधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंनरेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश मं० श्रई-2/37 ईई/12095/83-84:—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 101. चीयो मंजिल, बि० नं० 6 स्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पंछि, जोगेश्वरो (पश्चिम) बम्बई—400058 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 व, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-4-

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्रचाने में सृविकः के लिए; जरि/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्थ के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- . (1) श्रो जियाहीन बुखारी।

(भरतरक)

(2) श्री शमशद इबाहीम तुरोंकर ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थम के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसूची

"फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, 6वीं बिल्डिंग नं० 6, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।"

श्रनुसूचा जैसा कि क० सं० श्रई-2/37 ईई/12095 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 27-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांकः: 7-12-1984

मोक्षर:

## प्रकम मार्डे. टी. एनः, एस.,-----

# जामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

#### मारत सरका

कार्यालय, सहायक आयकर गामृक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर, 1984

निर्वेश सं० श्रई-2/37 ईई/12152/83-84:--यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 3, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, मिनप दर्शन, महार, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई—59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 13-4-1984

पं पूर्विक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के रहयमान प्रात्मक के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिक्त से, एोसे रहयमान प्रतिक्त का पंक्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निचित्त में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणासे हुइ किसी आय की पायत, उक्त अधि-अधिनियमः के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; औद/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मुविधा के लिए।

नतः अन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिश्वित स्थितत्यों, अर्थात :—

- (1) डा॰ जमप्रकाश खुगालदास सावलानी । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री मदनलाल लादूराम बगारीया । (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोर्ड भी अक्षर :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अथाहस्ताक्षरा ए अप निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उन्नेस अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय माँ दिया गया हैं।

## वन्स्यी

"प्लैंट नं० 3, जो, 4थीं मंजिल, बिल्डिंग डं० 2, मिनिष धर्मन, प्लाट एस० नं० 27, एस० नं० 4 श्रौर एस० नं० 29, एच० नं० 1, 7 श्रौर 5 (श्रंग) श्राफ सहार, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई—59 में स्थिस है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37 ईई/12152/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास; सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई** 

दिनांक: 10-12-1984

मोबर 🔞

## प्रक्ष बार्च, दी. एन . एस. ------

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० घ्रई-2/37 ईई/12153/83-84:--यतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं ० पलैट नं ० 403, चौथा मंजिल, वि० नं ० 12, "ग्रल-ग्रराफत" बेहराम बाग के पाछे, श्रीणिवरा विलेज, जोगेश्वरा (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनाम ग्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन, ज्ञम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारोख

को पृथेक्ति सम्परित के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्यों से उक्त मन्तरण लिखित में अम्तरिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की सावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नितिसित व्यक्तिसों, प्रथति :--- (1) श्री जियाहोन बुखारी।

(भन्तरक)

(2) आरंशिया गफाका

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज सकीं ।

स्पष्टीकारण: — इसमों प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिया गया हु<sup>8</sup>।

## मयुसुची

"फ्लैट नं० 403, जो चौथी मंजिल, बिस्डिंग नं० 12, "ग्रल-ग्रराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे श्रोमिवरा विलेज, जोगेम्बरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सर ग्राई-2/37/12153/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बस्बई

नारोख : 7—12—1984

प्रकप आई. टी. एत. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर, 1984 🖰

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/12166/83-84:--ग्रन: म्झे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 604, छठी मंजिल, "श्रल-मदीना", बि० नं० 5, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीनेत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 30-4-1984

को पूर्वितित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्र्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में अञ्चल के लिए।

अतः प्रवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार क्षाप्र (1) श्री जियाहोन बुखारी।

(भन्तरक)

(2) श्री हाजी नियाज मोहम्मद श्रन्सारी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

"फ्लैट नं० 604, जो छठी मंजिल, "ग्रल-मदीना", बिल्डिंग नं० 5 एम० नं० 41 पार्ट, ग्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2/37 ईई/12166/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर त्रायुक्त, (निरोक्षण), ग्रर्जन रोज-2, बस्बई

तारीख: 7-12-1984.

# प्रकप बाई.दी.एव.एस.-----

माधवार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत तरकार

## भायन्तिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्ज न रेज-2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 12 दिसम्बर, 1984

निर्देण सं० ग्रई-2/37 ईई/12167/83-84'--ग्रतः मुझे, नक्ष्मण दास,

मायकर अि। नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 4, पहिलो मंजिल, बि० नं० 5, प्लाट नं० 15, भवानोनगर, मरोल मरोणी रोड, श्रन्धेरी (पू०), वस्बई—400059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 के कीधारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30—4—1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत अधिनयम के अधीन कर दोने के अभ्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान, चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---13---416GI/84 (1) मै० दोपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(सन्तर्क)

(2) श्रीमती णमीम याकृब राही, तथा श्री याकव राही।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितनकथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए आ सकींगे।

स्पध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वनसूची

"फ्लैंट नं० 4, पहिली मंजिल, जो विल्डिंग नं० 5, प्लाट ं० 15, भवापी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बम्बई— 400059 में स्थित है।"

यनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईं5/12167/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 30-4-1984 को र्जिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रोंज~2, बस्बई ।

नारीख : 12-12-1984.

प्रकृष काइ". टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/12168/83-84 श्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त मधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 25 (100/- एउं से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14 तीसरी मंजिल वि० नं० 2, प्लीट नं० 15, भवानी नगर, मरोल मरोक्षी रोड़, अन्धेरी (पू०) बम्बई — 400059 में स्थित है श्रीर इससे उपबाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसकी कारानामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 26% क ख के श्रधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30 श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्षेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है ए---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उपल आधि-श्वियम के अधीन कर दोने के कल्लरक के दायित्व में रुखी करने या प्रयसे अधने में सुविधा के लिए; और /वा
- (क) परंगी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की. जिन्हें अप्तीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अन्तिरित क्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को भए:

अतः अतः, जनत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीलित व्यक्तिकों, अधीत —

- (1) मैसर्स दोपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो शिषकली हुनीफाली शेख (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में. विया गया है।

## अनुसूची

"फ्लैट नं० 14 जो तीसरी मंझील, बिल्डींग नं० 3 प्लाट नं० 15, भवानीनकर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पु०) बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं संब श्राई-2/37/ईई/12168/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30 अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

दिनांक :- 12-12-1984

महिर 🕄

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्वीत सुचना भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (मिर्धिक्रण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 विसम्बर 1984

निदेण सं० म्राई-2/37-ईई/12170/83-84---म्रतः

मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी नं प्रनैट नं 1, तलयाला, बि नं 4, प्लाट नं 13, भवाना नगर, मरोज मरोणी रोष्ट्र, श्रन्धेरी (पा) वस्वर्ध-400059 में स्थित है ( श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961, की धारा 269 क, ख केश्रधीन दिनांक वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 30 श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह भिरवास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत उक्त जिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) एंसी किसी नाव या किसी भन या भन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए:

क्तः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं ० दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जॉन बाध्तीष्ट सीम्बेरा।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ::--

- (क) इस स्भान के उजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित-भव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स् भी

पलैट न० 1, जो तलमाला, बिल्डिंग न० 4, प्लाट नं० 13, भवापी नगर, मरोल मरोशा रोड़, श्रन्धेर (पूर्व) ~400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/12170/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्वई द्वारा दिनांक 30-4-1984 की र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 17-12-1984

माहर:

## प्ररूप बार्ड . दी , रून . एस .-----

# (1) मैं० दीपक बिल्डसं प्रा० लिमिटेड ।

(अडुतरक)

(2) श्रो रावर्ट एस० माटिस ।

(अड्डतरिती)

# भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० आई--2/37 ईई/12171/83-84:---अत. मुसे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंज फ्लैट नंज 16, चोथी मंजिल, बिज नंज 1, फ्लाट नंज 14, भवानोनगर, मरोल मरोणां रोड़, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई—400059 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कर रिनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित संअम प्राधिकारी के कायिलिय में रिजरही है, तारीख 30-4-

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसं द्रियमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतर्कों) और अंतर्रितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अनुसारण संहुई किसी बाय की बाजसा, उथस अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्सारक के दासित्व में कमी करने या उत्तरे क्यूने में सुविभा के सिए; बॉड/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत् :--- कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी मन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरण: इसमें प्रयुक्त शम्यों और पर्यों का, को उक्त जिल्ला कि कि कि में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### बन्त्ची

पत्नैट नं ० 16, जो चीर्था मंजिल, बिल्डिंग नं ० 1, प्लाट नं ० 14, भवानो नगर, मरोल मरोगी रोड, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई- 400059 में स्थित हैं ।

अनुमूचा जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37 ईई/12171/ 83-84 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 30 अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दार सक्षम प्राधिकार्य सहायक आयकार आयुक्त (निर्माक्षण अर्जन रोज-2, बक्व

तारीख: 12-12-1984.

श्रक्ष आहे.टी. एन. एस. ------

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की; भारा <sup>9</sup>269-षु (1) के नुभीन सुभान

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० अई-2/37 ईई/12176/83-84-**-य**तः मुझे, लक्ष्**ण**ण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से बिधिक हैं

ओर जिसको सं ० फ्लीट नं ० 9, दूसरे, मंजिल, बि ० नं ० 4, प्लाट नं ० 6, जो भवानी नगर, मरोल मरोगि, रोइ, अन्धेर्र पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित हैं (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूर्व) में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 30 अप्रैल,

का प्रवीवन सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) अभ्वरण हे हुई कि बी आय की नायछ, उन्ह अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधान, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ४(1) मे० दीपक बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरका)

(2) श्री सुरेश वी० कोटेनकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करूता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अधिथ, धो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, दहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिवा न्या है।

## वन्स्यी

"पनैट नं० 9, दूसरो मंजित, जो बिल्डिंग नं० 4, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशो रोड़, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई- 400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/12176/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा 30-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्षर आयुक्त, निरोक्षण), अर्जन रेंग-2, बम्बई ।

तार्खाः 12-12-1984

मोहर

प्रकप् मार्षं . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

## धाउद सउकाड

## कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा र रेज-- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/12177/83-84:---यत: मुझे, लक्ष्मण ददास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, दूसरी मंजिल, बि॰ नं० 2, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोली रोड़, अन्बेरी (पूर्व), बम्बई— 400 059 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुंसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), और जिसका क्यारनामा आयकर अधि नियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजर्स्ट्री है, तारीख 30 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतौरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रस, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है देवन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीवरण में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; औद/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिया का जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानाः चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शक्ष, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मे० दांपक बिल्डसं प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद रियाज सिद्दीकी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्परित के अर्थन के हिन्स कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विकासों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (स) इस अप्ता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिश्त मो हितबहाथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्स्ची

"फ्लैंट नं० में, जो दूसरी मंजिल, बिस्डिंग नं० 8, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरीज मरीणी रोड़, अन्धेरी पूर्व०), बम्बई— 400 059 में स्थित हैं।

अनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/12177/83 -84 और जो सअम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम श्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बस्बई ।

तारीख: 12—12—1984

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस्.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्री भारा 269-म (1) के सुधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० र्ऋक-2/37ईई/12178/83-84---अनः मुझे, लक्ष्मण दाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, दूसरी मंजिल वि० 2, फ्लाट नं० 6, भवानीं नगर, मारोलमारोशीं रोड, ग्रन्धेरीं (पू०) बम्बई-59 में स्थित है (और इससे लगाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्ष्म प्रधिनातीं के सम्पत्ति में उपस्ति है दिस्ति 30 प्रपेक्ट 198 (

कारीं के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 30 प्रप्रैल 1984 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी अन्ते या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा से स्थिए;

नतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में ० दोगक त्रिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री बेज् एच० तान्येले।

(अन्तरिकी)

ंकां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध के कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

"फ्लैट नं० 8, दूसरी मजील, जो बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 6, भवानीनगर, मरोल मरीणी रोड, ग्रन्धेरी (पू), बम्बई 400 059 में स्थित ह।"

अनुमू ची जैसा कि कर सं अई-2/37ई ई/12178/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बुई ।

नारी**ख** : 12-12-1984.

प्ररूप आइ. . टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष(1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/12179/83-84---यतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मं० पलैट नं० 11, तीमरी मंजिल, वि० नं० 3, लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशि रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित हैं (और इसमें उपाबक्ष अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, नारीख 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के धश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से ऐसे धश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की दावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियोंन अर्थात् :--- (1) मे० दीपन जिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्थरका)

2. श्री चार्लस्कु, कुटिन्हो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके चूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळहीकरण -----इसम प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीनाभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बन्ज्जी

पत्रैट तं० 11, जो नोसरो मंजित, बिल्डिंग नं० 3, प्लाट नं० 6, भवानी तगर, मरोल मरोगी, रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है। "

अंतुम्ची जैसाकि कि से आई-2/37ईई/12179/83-84 और जो संभम अधिसारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वई

दिनांक : 12-12-1984

प्रस्प बाह्र : डी. एन. एत. ----

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीद सूच्या

## नार्ध दरकार्ड

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांना 7 दिसम्बर 1984

निर्वोश सं० अई-2/37ईई/12180/83-84—यतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाधार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, तीसरी मंजिल, बि॰ नं० 2, "अल-स्फा" ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिस सा सरारनामा आयकार अधिनियम 1961 की धारा 269 सख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारीख 30-4-1984

का प्रांवत संपत्ति के उभित बाकार मृत्य से कम के अयगाम प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुख्ये वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उभित बाबार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर का अन्तर का अन्तर से मिथक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दासिस्य में कमी करने या उससे अखने में सिविधा को लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया साना चाहिए था ज्याने में सुविधा के लिए;

जित् जब उनत विधिनियम की भारा 269-ग के जनसरम में, में, उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अपीन जिम्निलिसिस व्यक्तियों अर्थात :→ 14-416GI/34 (1) भी वियानदोन, बुखारी।

(अन्सर्क)

(2) श्री वसी गफूर खान सरगुरो ।

(मन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मकृ कुम्मिक्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ;----

- (क) इस त्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीव के 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वना की ताबील से 30 विन की अविध, को भी वविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित् द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकावन की तारीब सं 45 विन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के वास मिनिक वें किस् वा स्केंचे।

स्वाक्षेत्र प्रमुख्य वर्षी और पर्यो का, वां अवस विभिन्निक, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उस अध्यास में विका व्याही

## अनुसूची

पलैट नं 304, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 2, ''बज-सफा'', एस॰ नं 41 (पार्ट), ओशिवरा बोलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्वित है।

जनुसूची जैहा ति क० सं० अई-2/37ईई/12180/83-84 जीर जी सजम प्राधितारी धम्बई द्वारा दिनांच 30-4-1984 की एजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांग: 7-12-1984

प्रकाष काहाँ । टी. एन् - एकं - -------

त्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कायालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बस्वर्र

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/12181/83-84---यतः मुझे लक्ष्मगदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा यया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रलैट नं 9, दूसरी मंजिल, बिं नं 5, प्लाट नं 6, भवानी नेगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसशा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारील 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूक्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की यह है जोर मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का निश्वासिक लक्ष्य है उचेत कन्तरण निष्कित में बास्तविक क्ष्य से अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत. उकत कियानियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ग) एंगी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों कर्ने लिक्ट भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, 2022 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

सतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण या, भी, उत्रत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में वोपक बिल्डर्स ब्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरस्)

(2) श्री नॉर्बर्ट परेरा ।

(अन्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुां।

डक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविकासी पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर प्राधित परिचल, में में जिल्ही त्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिशाधित है, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया है।

#### नन्स्यो

फ्लैंट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 5, प्लाट नं०6,भवानी नगर,मरोल रोड,अंधेरो, (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/12181/83-84 और जो सन्नम प्राधिकोरी बम्बई द्वारा दिनांस 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास समम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख़ : 12-12-1984

मांहर:

प्ररूप नार्द्य दी, एत, एस.----

ब्युथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुणना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अर्थ-2/37र्थर/12182/83-84---यतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से ऑफ्क है

और जिसकें सं पर्णंट सं 503, पांचवीं प्रजिल, विविद्या नं 2, ''अल-सफा'', मिल्लतनगर, ओशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पोछे, जोगेष्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) और जिसका बारारनामा आयदार अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रें। है तारीख 30-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्त्रहें प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के गीस ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेक्यों से उक्त अन्तरण किल्लिस में वास्तिकक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/बा
- (क) एसे किसी अप या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा को लिए?

अतः अव, जन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार :-- (1) श्री शियाउदीन बुखारी ।

(अन्धरका)

(2) श्रीमती भुवेदा मुसा वगदादी।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्य स्म्यूचि के अर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वा के राजप्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरणंवंशी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी को पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्प्रकीक रण: ---- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

#### ममुख्यी

पलैट नं० 503, जो पांचवीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, "अज-सका", एस० नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा विलेज, मिल्जजनगर बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी, (पश्चिम), सम्बर्द-400 058 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/12182/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बंस्बई द्वारा विनांक 30-4-1984 को रजिस्टढं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 7-12-1984 मोहर : प्रकार बाह्रो, टो. एष्. एष्. व्याप्यास्थ्यक

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में नेपीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्याचयः, सञ्चयक बायकर नायुक्त (निरीक्रण)

श्रजीत रेंज-2, वस्बर्ध

बम्बई, विनांक 12 विसम्बर 1984

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/12183/83-84--यतः, मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 4, पहिली मंजिल, बि० नं० 4, प्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उपित बाजार मूक्य से कम के
वृष्णमान प्रतिकृष के निर्धारित की गई है और मुझे यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य
उत्तके बृष्णमान प्रतिकृत से, ऐसे वृष्णमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिकृत
से प्रधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों)
के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पायां गया प्रतिकृत, विकासितियाँ
तहेच्य से प्रका प्रस्तरण निकास में बास्तिव के क्य से कृषित महीं
किया पत्रा है !--

- (क) अन्तरण ते हुद्दं किसी बाव की बावस , क्रबंध अधिनियम के अधील कर दोने के जन्तरफ के दाधित्य में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के क्रिय; और/या
- (क) एस जिल्ली आब या किसी धन या अस्य आस्तियों की, चिन्तुं भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत निविचम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए; और/या

जतः जब, उक्त विभिनियम की पारा 269-ग के जनुबरण में, में, उक्त विभिनियम की पारा 269-क की उपभारा (1) के बुभीन, निस्तिवित व्यक्ति हैं, अर्थात क्--- (1) में ० धीपक बिल्डसे प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० एम० सिरियाक ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितियों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (व) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीह पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

## सन्स्थी

पलैट नं∘ 4, जो पहिली मंजिल, बिल्डिंग} नं∘ 4, प्लाट नं∘ 14, भवानी नगर, मरोल मरोगी रोड़ भन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई 2-/37ईई/12183/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायंकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-12-1984

प्ररूप बार्ष .टो . युन् . एस . -----

भायकर सिंधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-भ (1) के सभीन सुभना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक नायकर आगुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, विनांक 12 विसम्बर 1984

निदेश सं० भई-2/37ईई/12184/83-84—यतः, मुझे, लक्ष्मण धास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारों को बहु विष्णाम करने का कारण हैं कि स्थावर मध्यित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 13 एवं 14, बिल्डिंग नं० 3, तीसरी मंजिल, प्लाट नं० 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रन्थेरी (पू०), बस्बई-400 059 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तगरोख 30-4-1984

को पूर्विक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजाउ गुल्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल से एसे दश्यमान प्रतिक्षल का गंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सृतिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अषः उन्नेत संधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, भी, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिखित स्यक्तियों अर्थात् ३—

- (1) मे० दीपक बिल्डर्स प्राण् लिमिटेड, । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री वी० एस० श्रीनिवासम् । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# बक्द सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी शासंप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्परित में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति वृष्टारा, अभोहस्ताक्षेणी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त संख्यों और पढ़ों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ज़प्पूर्य

प्लैंट नं 13; एवं 14, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं 3, प्लाट नं 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37ईई/12184/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बई द्वारा दिमांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जैंग रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-12-1984

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस.-----

नागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 3 विसम्बर 1984

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका जिसके बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, तलमाला बिल्डिंग नं० 3, फ्लाट नं० 14, भवानी नगर, मरोल मरोभी रोड, ग्रन्धेरी (पू०), बम्बई-400 059 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई है दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार सूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्कृष्ट्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निरुद्धितिक उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में शहरीकक हम से कथित नहीं किया गया है:---

- (१८६) अन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत, उपल जिथिनियन के जभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करते वा उससे पचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, बक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निम्मिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि— 1 मैसर्स वीपक बिहर्ष्य प्रा० लिमिटेड ।

(भन्तरकः)

2 श्री डिसोजा, भ्रलैक्स फान्सीस ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्ररके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

### जनत सम्पत्ति में अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायार संपित्त में हितसक्ष किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup> वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### वनस्या

"पलैट नं 1, जो तलमाला, बिल्डिंग नं 3, प्लाट नं 14, भवानी नगर, मरोल मरोशी, रोड, श्रन्धेरी (पूर्व), बस्बई-400 059 में स्थित है।"

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्राई-2/37ईई/12185/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 3-12-1984 मोहर: प्ररूप नाई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० श्रर्ष-2/37ईई/12188/83-84—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 301, बिल्डिंग नं० 11-ए, "ग्रल-श्रराफत", एस० नं० 41 (पार्ट), ग्रोशिवरा, जीलेंज, मिल्लात नगर, जोगेंग्वरी, (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावत श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसकरारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन तम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अशः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री क्षियाउद्दीन बुखारी ।

(धन्तरक)

2. श्री मुहम्मद ह्यात इकाशीम शेख

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्यच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन् सूची

"फ्लैट नं० 301, जो बिल्डिंग नं० 11-ए", "झल-भराफत" एस० नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा वीलेज, मिल्लातनगर, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-400 058 में स्थित है।"

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-2/37ईई/12188/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्ट है किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-2, बम्बई

दिनाक : 7-12-1984

मोहर ः

# प्रकृत वादी ही एन एस . - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

# कार्याजय, तहायक भायकर वायुक्त (विरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

बस्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० माई-2/37ईई/12189/83-84--मत: मुझे सक्सण वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 8 जो प्राजन्ड पलोग्नर बिल्डिंग "सरोज अपार्टमेन्ट" सी॰ टी॰ एस० नं० 13/37/2 व्हिलेज मुलगांव महाकाली केञ्ज रोड अंधेरी (पू०) बम्बई-99 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क्या के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्टी है दिनोक 30-4-1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित आजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रश् (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तम पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती हैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण संष्ट्राई किसी नाय की वायत, उक्त अधिनिसम के अधीन कर दोने के जन्तरक के अधिरव में कमी करने या उससे वचने में सुविध्य के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी कहा कि जिसे का अस्त आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए आ क्रियाने में सुविधा के निए;

अतः इत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, संशीत क्षान्त 1. मैसर्स सहकार बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

2. श्री वलशीत सिंह इकबाल सिंह गुलाटी ग्रीर श्री जगजीत सिंह इकबाल सिंह गुलाटी ।

(ग्रन्तरिती)

3. प्रस्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वीयत सम्यास के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सज्यन्थ में कोई भी आक्षीत् 🕾 🖚

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हो 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर राष्ट्र की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अब, बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मीत में हिनाबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के शक्ष निक्ति में किए जा सकीं ।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों जा, जो उबसे अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-के में परि-भाषित हैं, वहीं नर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

"बुकान नं० 8 जो ग्राउन्ड फ्लोर बिल्डिंग "सरोज प्रपार्टमेन्ट" सी० टी० एस० नं० 13/37/2 व्हिलेज मुलगांव महाकाली केट्ज रोड श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-99 में स्थित है।"

भनुसूची जैसा कि कि से शाई-2/37ईई/12189/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोंक: 7-12-1984

प्ररूप आर्च , दी , एन ु एचलू वनव्यक्तम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/12190/83-84—श्रत: मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 10 जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर बिल्डिंग (सरोज श्रपार्टमेन्ट, सी! टी० एस० नं० 13/37/2, व्हिलेण मुलगांव, महाकाली केव्ज रोड, श्रंधेरी पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्कृह प्रतिदात से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुड़ किसी जाय की गाबत, अक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; और सा/
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीम, निम्निविश्वित ध्यिक्तयों, अर्थात् ः— 5—416ाG/84 मैसर्स सङ्कार विल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

श्री जसबन्त सिंह सरदार सिंह गुलाटी श्रोर
 श्री बिलिंसिह सरदार सिंह गुलाटी ।

(ग्रन्तरिती)

3 अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

AND THE PROPERTY OF THE PARTY O

को वह सूचना जा<u>री कड़के पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के</u> निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपर्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पात लिखित में किए जा सकांगे।

स्थळ किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

#### बन्सुची

"दुकान नं 10 , प्राउन्ड फ्लोग्नर, बिल्डिंग "सरोज प्रपार्टमेन्ट", सी टी एस नं 13/37/2; व्हिलेज मुलगांब, महाकाली केव्ज, रोड, ग्रंघेरी (पूर्व), बम्बई-99 में स्थित है।" श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/12190/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोइर:

प्ररूप आहाँ.टौ.एन.एस. -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/1194/83-84—म्ब्रतः मुझे नक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 16 ज्वेल महल तलमाला जे० पी० रोड, वर्सीया श्रन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400 067 में स्थित हैं (श्रौर इससे जपाबस श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1984

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्धरितियों) के और ऐसे भन्तरच के सिए स्य पाया गया प्रतिफल, भिक्किलिक्षित तर्देश्य से उच्च प्रस्तरण सिकित में वास्त-

- (क) ग्रम्तरण से हुई जिली धाव की वायत जनतः ग्राध-विवय के ग्रेमीन कर दन के ग्रम्तरक के वाविष्य में कर्म-करने या जन से बचने में सुविद्या के लिए। भौर्यस्थः
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य झास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था. लियाने में सविधा के निष्ण;

अतः अतः अतः अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कशीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, वर्धाल :--- श्रीमती ग्रन्जु ऄ० भावनाची।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र वर्मा ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वारक्त सम्पत्ति के कर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्तियों में से विक्सी व्यक्तिय ह्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में गरिमाणित ह<sup>र्ट</sup>, वही अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

#### नगुल्ली

"शाप नं 16 जो तलमाला ज्येल महल प्लाट नं 1 एस० नं 82, सि० एस० नं 1281, जे पी० रोड, बर्सोबा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 067 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-2/37ईई/11594/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1984 को रजिस्टई किमा गमा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकय ग्रायुक्त (निरीक्षण)

दिनांक: 10-12-1984

प्रकृष **वाह**ै. टी. एन. एस. - - - - -

भावनार भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज्≛2∦ बम्बई

बम्बई; दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/11597/83-84—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 196। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), भी धार 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4. तलमाला मनीष गार्डन, को-श्रापरेटिव हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड, बार बंगालो वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इस से उपाबज्ज अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बावार मूल्य से कम के व्ययमान श्रीतफास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके बश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिक्त उद्वेदियों से उक्त अन्तरण विविक्त में बाम्नविक इस में कांश्रत नहीं किया गया है:—

- '(क) जन्तरण से हुईं किसी केश की बावत, अन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वानित्व में कमी अरने या उससे ब्यंने में स्विधा के सिए; करिं/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त 'अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा-या-किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

अतः। जब, उमतः जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण भी, भी, उमतः अभिक्रिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) अभिमार जिल्लाकिकित व्यक्तिस्तार्ग, अभित् :--- 1. श्रीमती दुर्गा एल० दीपचन्दानी।

(ग्रन्तरक)

 डा० ग्राणुतोप वामोदर राव, तथा श्रीमती ग्रहणा मुरेण सौतेकल।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्च भी काक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपक मा प्रकाशन की नारांस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितजबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाष्ट्र निक्ति मी किए जा सक्तेंगे।

त्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

"फ्लैंट नं० 4, जो तलमाला, मनीष गार्डन, को-ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, जे० पी० रोड, चार बंगलो, श्रन्धेरी (पश्चिम), बस्बई-400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-2/37ईई/11597/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2 बम्बर्ध

दिनांक: 10-12-1984

श्र**क्य बाइ**्ड टी. एन<sub>ः</sub> एस.------

नावकर निभृतिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वु (1) के नुभीम सुभूना

#### पाइत् चहन्त्रप्र

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/11620/83-84--अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1006, दसवीं मंजिल, एवरेस्ट, जें० पी० रोड, वर्सीवा, अन्धेरी पिण्नम) बम्बई-61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को प्वांबत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विस्तास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल को पन्तरह प्रतिकतं से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की वाबत, उन्हें अधिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में स्विधा के जिए; जीर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः शन, उक्त अधिनियमः भी भारा 269-ग के अनुसरण बौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि क्र--- (1) श्री सामलकत्य प्रेमकन्द।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री हमीद आाई ० बागले तथा 2 श्रोमती हमीदा एच० वागले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी काउने पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्वन के निए कार्यमाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकावन की तारीब से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि को भी
  अवधि बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपूत्र में प्रकाशन की राष्ट्रीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितनूह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संधोहस्ताक्षरी के पास स्वित में किए वा सकोंगे।

स्यक्ष्मीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की खक्त विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

### बर्जूची

"पलैट नं० 1006, जो दसवीं ध्रुमंझील, एवरैस्ट जयप्रकाश रोड, वर्सेवा अन्धेरी (पश्चिम) बम्बई-400061 मैं स्थित है।

अनुसूचों जैसा िन क० सं० आई-2/37 ईई//11620 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2 अप्रैल 1984 को रिजस्टड सिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज -2 बम्बई

**पिनांक : 10--1-2--1984** 

मोहर 🛭

# प्रस्थ बाह् . ट्री . एन . एस : ------

आवकर अभिनियम, 1961 <sup>(</sup>1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 बम्बई

मम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37 ईई/11621/83-84 अतः मझे लक्ष्मण दास,

अग्रयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 छठी मंझील, "एवरैस्ट बिल्डिंग, जयप्रकाश नारायण योड़, वसौँया, अन्धेरी (प०) बम्बई-400061 मैं स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची मैं और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कि धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजिस्की है दिनांक 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें -भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अदिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

झत: अब, जनत अभिनियम की भाग 269-ग्य के अनुसरण मों. मीं, जनत अधिनियम की धाग 269-ग्र की उपभाग (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थातु:-- (1) श्रो विकणनाल टी० जैन ।

(भन्तरक)

(2) श्रो फिरोज अमीर णाह तथा। श्रीमती नसीम पी० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### नम्सूची

पलैंट नं० 601 जो छठी मंझील, "एवरैंस्ट बिल्डिंग जयप्रकाण नारायण नीड, बसौँया, अन्धेरी (पश्चिम बम्बई-400061 मैं स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-/37 ईई/11621/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 बस्बई

दिनांभ : 10-12-1984

मांहर 🛭

प्रस्प बाहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2 नम्बई नम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

'निदेश सं॰ **भा**ई-2/37 ईई/11632/83-84--भतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिल्लाम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के निधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से निधक हैं

और जिस्की: सं० पलैट नं० 305 तिसरी मंझील, सी प्रीत, वसींवा सी० प्रीत प्रोमा को० आप० सोझायटी नि० जे० पं।० रोड़ सात बंगली वसींवा अन्धेरी (प) बम्बई—400061 में स्थित है (और जिसता इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसना करारनामा आयकर अधिनयम 1961 कि धारा 269 क ख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांत 23 अप्रैल

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभो यह निश्यात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अंसरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उच्च स्य अक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई फिक्सी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, क्रियान में सुविधा के निह;

अतः नभ, उन्त जिभिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त जिभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के नभीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, अवर्त् क्र-- (1) श्री सुरेश कुमार जैन

(बन्तरम्)

(2) डां० सरद दिगंबर झिन्दे।

(अन्सरिती)

(3) भ्नतरक

(बह म्यनित जिसके अधिभोग में सम्पति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रूपव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाकित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

### अनुसूची

"प्लैट नं० 305 जो तोसरो मंझील सी-ग्रीन वसीं सी० ग्रीन प्रीमायसंस को आपरेटिव सोसायटी लिसीटेफ प्लाट नं० 26, जे० पी० रोड सेवन वंगलोज वसींया, अनीरी (पश्चिम), अम्बई-400061 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० आई-2/37 ईई/11632 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

> (लक्ष्मण दास **बक्षम** प्राधिकारी बहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) ं गर्जम रेंज 2 बस्बर्ष

दिनांसा : 19-12-1984

प्रकथ बाहें.टी.एप.एब.-----

नायकार निर्धानियुक्त, 1961 (1961 का 43) व्यक्ती

# थारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बारत् सुरकारु

बम्बई, दिनांस 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई-2/37ईई/11649/83-84---अतः मुझे लक्ष्मणं दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दसमें दसमें दसमें दसमें दसमें दसमें प्रविच्या उपने अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुक्तान नं० 4. जो मिटा अपार्टमेंटम बिल्डिंग सर्वे नं० 142 मी० टी० एस० नं० 1311, वसौँवा सात बंगलोज के बाजू मैं, अंधेरी (पिचिष्म) बम्बई-58 मैं स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मैं और पूर्ण क्य में विणित है), और जिसका करारनामा आयकार अधिवियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 5 अप्रैल 1984

को पूर्वो नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिक्रम के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्के यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो नत संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एक ध्रयमान प्रतिफल का पंजह प्रदेशकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उब्स्त् मिनियम के अधीन कर योगे के अस्तरक के बाबिरण में कभी करने या उससे अचने में गृविवा के बिए; वरि/वा
- (था) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, अन्हा भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए;

बतः कतः, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग क अन्सरण कों, कों, अक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) कों अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मैसर्स मिरा बिल्डर्स

(अन्तरका)

(2) श्री मनश्माच रामनंदन शेट ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास निचित्त में किए का सकैंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त करते और पर्वोक्ता, को सकता किएनियम, के कथ्याभ 20-का में परिभाषित ही, वहीं क्षे होगा को उस अध्याम में दिया वसा है।

# अनुसूची

"दुनान नं० 4, जो "किया अपार्टमेंटस विस्डिंग, सबै नं० 142 सी० टो० एस०, नं० 1311, धरोंचा सात बंगलीज के बाजू मैं, अंधेरी (पश्चिम) अम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/11649/ 83-84 और जो सक्षम श्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5 अप्रैल 1984 को रजिस्ट्रो सिया गया है।

> लक्ष्मण दास तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2 बस्काई

दिनांक 16-12-1984 मोहर :

### प्रकल जार्द . की . दुन् . स्थः, -------

भागभाष अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

आर्यासन, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० कई-2/37ईई/11662/83-84--अलः मुझे, सक्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-43, रूपदर्शन-बी, सप्ततरंग को०-अप० हाउ० सोसा० 297-ए और सो० जुडु नेना, अन्धेरी (पिश्चम) सम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-सारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 6-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एस दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफाल, निकालिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- बैंक) बन्तरक से हुई किसी भाग की शावतः, उक्त बिभिनियम के जभीन कर दोने कें जन्तरक कें चामित्य में कमी करने या उससे मधने में सुविधा के सिए; चौर/या
- (कं) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में स्विधा के निए;

सतः, सव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के सत्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन क्योक्तियों, अधीन क्रि---

- (1) भी लश्मीचन्द दामणी सीनी । (अन्तरका)
- (2) 1. श्रा ओमप्रकाश नीमसेन चुन, तथा
  2. श्री सुनीलकुमार ओमप्रकाश चुम ।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्तः संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचल संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### नन्सूची

"पसीट नं 6 43, जो कपदशंन बी, सम्ततरंग को 9 आप० हाउसिंग सोसाबटी, 207-ए और मी, जुह लेन, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई 400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11662/83-84 और जिसे सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-4-1984 को रजिस्टर्फ किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी **ब**हायक **भावकर** आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 10-12-1984

प्रका बाहे. टी. इक. एस् -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँका 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/11672/83-84-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित् बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 21, तलमाला, विशालनगर को० आप० हाउसिंग सोसायटी, सास बंगलो, अंधेरी (प), अभ्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांस 7-4-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिपत्त से, ऐसे द्र्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिक्कित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है

- (%) जंतरण से हर्द किसी बाय की बायल, उक्ल जीधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अंतरिनी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अधीत् ः---16--416GI/84 (1) श्रीमती फ्लोरी डिसीजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हानन हुसैन हबीब समाईजी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ३---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाया;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए वा सकेंगे।

न्यस्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

### प्रमुख्यां

"फ्लैंट नं० 21, जो तलमाला, विशालनगर को० आप० हार्जीसग सोसायटी, सात बंगलो, अन्धेरी (पिष्पम) बम्बई⊶ 400 058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11672/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी भहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, **बन्बई**

दिनांचा : 10-12-1984

मोहर ः

# प्रकृप आइं.टी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यानम, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-2/37ईई/11673/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास्, ।

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

और जिस्की सं० फ्लैट नं० 4-ई, एवरशाईन-2 को० आप० हा० सोस यटो , जे० पी० रोड, वर्सीवा, वस्वई-400 058 म स्थित है (और इसने उपावड अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विपित है), और जिसका करारनामा आयवार अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सार्यास्य में रजिस्हों है, दिनांक 7-4-1984,

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृदयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्वारेय से उक्त अन्तरण सिश्वत में वास्तविक इप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, अवस जैविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बीविन्य में कभी करने या उत्तसी बचने में अनुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियी गया धा या किया जीना चीहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) 1. श्री पंगेश णामराच वाडके तथा 2. श्री गिरीश णामराव वडके।

(अन्तरम)

(2) श्रीमती कुष्ण। मोतीराम वजीरानी

(अन्तरितो)

(3) अम्बरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मळोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

"फ्लैट नं० 4-ई, जो एवरग्राईन-2 को०-आप० हाउसिंग सोसायटो, जे० पी० रोड, वसींवा, बम्बई-100 058 में स्थित है।"

अनुक्र्लं। जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/11673/83-84 और जो. सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7--4--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवःर बायुक्त (निरक्षिण), अर्जन रोज-2, बम्बई

दिनांक : 10-i2-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### नाउत् स्रकात

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई. बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश स० अई-2/37ईई/11700/83~84-अत: लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिप्ति बाजार मृत्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी संव पलैंट नंव टी-31, तीसरी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, ओशिवरा विलेज , अंधेरी वसीवा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,1961 की धारा 269 क्षा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दो है, दिशांक 7-4-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अम्बरण से हुई किसी आयु की बाबत, खबस अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाष्ट्रिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🌇

(1) मैसर्स संजीय विरुद्ध प्रा० लिमिटेड । (अतन्रक्ष)

(2) मेसर्स टीना स्टील्स ।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हित-ब्रुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्पव्योकरण:--इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

"फ्लैंट नं० टी-31, जो तीसरी मंजिल, संजीब टावर्स, बेहराम बाग, ओशिवरा विलेज, अंधेरी-वर्सीवा, बम्बई में स्थित है ⊦"

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11700/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्लई द्वारा विनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांफ : 4-12-1984

मोष्टर 🕄

प्रस्य माई.टी.एन.एस------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज−2, बम्ब**ई** 

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984 निषेण सं० [अई-2/37ईई/11702/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 2'5,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लैंट नं० टीं—1, 44, चौथी मंजिल, संजीव टावर्स बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रधेरी वर्सोधा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 7-4-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्निविद्य व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टोल्स।

(अन्तरितो)

को बहु तृष्या <u>बादी करके पृत्रों का सम्पृतित के वर्षन के विष्</u> कार्यवाष्ट्रिया शुरु करता हुं।

जनस सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितनद्रभू किसी भ्रष्य व्यक्ति ब्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकीये।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदो का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनसूची

"पर्लैट नं टो-1, 44 जो चौथी मंजिल, संजोव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोणियरा विलेज, श्रंधेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित हैं।"

अनुसूचों जैसा कि कि० मं० अई-2/37ईई/11702/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 4-12-1984

मोहर 🗄

# प्रस्प बार् े दी एन एस

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### SING SAME

# कार्यां तय, सहायक बायकर बायकत (निर्काश)

अर्जन रेज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-2/37ईई/11703/83-84-अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 306, एवरेस्ट बिल्डिंग, गंगा भवन, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बस्बई-400 061 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 के धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिहत में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा कें लिएह शरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिया के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनिजिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती बिन्दु वी० माधन

(अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ कोटिन्हो।

(अन्तरिती)

का यह सृष्ना जारी करके प्रवीक्त संप्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासोद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
  45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
  स्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्चा

"फ्लैंट नं० 306, जो एवरेस्ट बिल्डिंग, गंगा भवन, वर्सोवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), वम्बई-400061 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37ईई/11703/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🦿

# **एकप् भाष्ट्री, एव. एव**्यास--------

आगंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्भीन सुम्बा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984 ० अर्ड-2/37ईई/11705/83-84--अत: म

निदेश स० अई-2/37ईई/11705/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० पलैट नं० टी-1, 34 तोसरो मंजिल, संजीव टावर्स, श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग, श्रेधेरो वसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रित्तिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गथा है:——

- (क्र.) बन्तर्थ से हुई किसी बाय की बावत, उनक अधिनिक्य के अधीन कर देने के सक्तरक को बाविस्त में कनी करने या उससे बजने में सुनिधा के किए; श्रीद्व/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बारिसमीं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, अधीत ः—

(1) मेसर्स संजीन बिल्डर्म प्रा० लिमिटेड ।

, (अन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्विक्त सम्परित के बुर्वन के रिन्ए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीश से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रस्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पर्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

"क्लैंट नं टो-1, 34, जो तोसरी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोणिवरा विलेज, ग्रंधेरो वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि फ़िल्मं० अई-2/37ईई/11705/ 83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-12-19834

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984र सं० अर्ड-2/3.7ईडी/11706/83-84-अत्

निदेश सं० अई-2/37ईई/11706/83-84-अतः मुझें, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० टा-1,41, जौथीमिजिल, संजोव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोकिवरा विलेज, श्रंधेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास र्करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रोचफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए देव पाया भया प्रशिक्त, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में मास्तिवर्ध क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वायतः, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; सीर/वा
- (N) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) मेसर्स संजीव बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) ममर्स टाना स्टील्स ।

(अन्तरिता)

को यह स्चना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां गुरू करता हूं।

**उक्त सम्परित** के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्षांक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 चिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकत कि कितारों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सुनता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्धी

ृ फ्लैंट नं ० टी-1,41 जो चौथो मंजिल, संजोव टावर्स, बेहराम बाग, स्रोणिवरा विलेज अन्धेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित हैं।''

अनुसूचो जैंसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11706/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, सम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 4-12-1984

प्रकप आई. टी. एन. एस. ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश मं० अर्ड-2/37ईई/11707/83-84--अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जियं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा गया हो, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुरुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० णाप नं० 44, तलमाला, मनाय णापिंग सेंटर, मनीय नगर, चार बंगलो, जे० पो० रोड, श्रंधेरी (पिन्सिम), बम्बई—400 0458 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्य से विण्य हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 7—4—1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल गी, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाय की बायत, उसस जिथिनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्व में कभी करने या उससे बचने में भ्विभा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िश्वा गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविष्य के रिकार ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रें। हंसराज सोहनलाल गुलाटी।।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रो ज्योतोस्त्रका हरिचन्द बस्सी, तथा 2. श्रो रेणु जे० वास्सा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्पे :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के ग्रज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित यो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स मधिनियम के अध्याय 20-के भें परिशाधित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

"शाप नं० 44, जो तलमाला, मनाष शापिंग सेंटर को० आप० इमायसेस हाउमिंग सोसायटी लि०, (नियो०), मनीष-नगर, चार बंगला, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित है।"

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11707/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

# प्रस्प आहें <u>ज</u> दी<sub>य</sub> प्रस्<sub>य</sub> प्रस्<sub>य स्थाप</sub>

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुजना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक गायकर मायुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-2/37ईई/11709/83-84--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पलट नं० टो--1, 33, तासरी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोणिवरा विलेज, ग्रंधेरा वसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रोर पूर्णरूप में बिणत है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वोधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान शितफान के लिए बन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूल्य उपके दरममान प्रतिफान से ऐसे खनमान प्रतिफान का निद्रह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निन्निचित उव्वोध्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-बिक रूप से क्षित नहीं किया भया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किली नाम की समय डल्क विधिन नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे समने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भृष्-कार अजिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्रा प्रकट नहीं किया गया था हा किया हारा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सत. नव, अन्त विधिनियम की भारा 269-म वै वन्तरम वै, तै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अभीत निम्निष्णिकत व्यक्तियों, नर्षात् — 17—416GI-84 (1) मेसर्स संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील्स ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यमाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रुथ किसी अन्य अपनित स्वारा, अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिस्मावित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्य

"फ्लैंट नं ० टी-1, 33 जो तीसरी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, घोशिवरा विलेज, ग्रंधेरी -वर्सोवा, बम्बई में स्थित है।"

अनुसूचो जैंसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/11709/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनांक: 4-12-1984

मोहर 🗈

## प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना आयंकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर औयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई--2/37ईई/11710 83--84---अवः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं0 फ्लैंट नं० टी-1, 42 बौधा मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, ओणिवरा निलेज, अधेरी-वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे जंपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उयत अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधन के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिन, निम्निनिक्ति व्यक्तियों, अधिनी :—— (1( मेसर्स संजाव बिल्डर्स प्रा० लि०।

अन्तरक)

(2) मैंसर्स ट.ना स्ट.ल्स ।

अन्तरितः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इस स्वाम के राजपत्र में त्रकाक्षन की तारींच वे 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकने।

स्पक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुधी

"फ्लैंट नं० टो-1/42, जो चौथी संजिल, सर्जाव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रंधेरी—वसीवा, बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैंसा कि कि नं अई-2/37ईई/11710/83-84 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984. को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मुण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजें–2, बम्बई

दिनांक : 4-12-1984

# प्ररूप बाह् दी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984 निदेण सं० अई-2/37ईई/11711/83-84-अतः मुसे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसका स० फ्लैट नं० टीं-1, 32 जो तासरी मंजिल, संजाब टावर्स, बेहराम बाग, श्रोशिवरा बिलेज, श्रंधेरी वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (श्रोर इसमे उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्टा है, दिनांक 7-4-1984,

को पूर्वों क्य सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म संज व बिल्डमें प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मसर्भटोना स्टल्स ।

(अन्तरितः)

कां यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों की, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गयो है।

### मन्स्ची

"फ्लैट टो-132 जो तासरा मंजिल, संजाब टावर्स, बेहराम बाग, ग्रोणिवरा विलेज, अन्धेरा वर्मोवा, बम्बई में स्थित है।" अनुसूचो जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/11711/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निर क्षण), अर्जन रेंज--2, यम्बई

दिनांक : 4-12-1984

# **बरून बार्**च टीच पुन्<u>च पुर्व</u>्यास्त्रा

# जायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के वर्णीन क्वा

#### HISG GERNS

# कार्यासयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-2/37 ईई/11729/83-84-अतः मुझे, लक्ष्मण दास्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चन् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए~20, छठी मंजिल, कनवल, कनवल को-आंप० हैं।०सो० लिमीटेंड, चार बंगलो, वसींवा, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क,ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्रं। है, तारींख 9 अप्रैल 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तविक स्प से किश्वित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-भिष्य के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सम, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :— (1) श्री गोविन्दर सिंग सेठा ।

(अत्तरक)

- (2) 1. श्री जय डी० अडवानी, तथा
  - 2. श्रामती कमल डो० अडवाी।

(अन्तरितो)

(4) अन्तरिती। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

भा यह सूचना बारी करको पूर्वा बंस सम्बत्ति को वर्जन को जिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

### वन्तः सम्मारतः को वर्षन को बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकनें।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

### बन्तुर्जी

"प्लैट नं०, ए-20, जो छठी मंजिल, कनवल, कनवल को-आप० हौसिंग सोसाईटा लिमाटेड, चार बंगलो, वर्सोबा, अम्बई में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37 ईई/11729/83-83 भौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई०-2/3**7** ईई०/11733/83-84--श्रतः

मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रुट. से अधिक है

श्रीर जिसक सं० फ्लैट नं० 5-बी तलमाला, बिल्डिंग 'बी'' जय महावीर श्रापार्ट0 को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि० जे० पी० रोड श्रधेरी (पिण्चम) बम्बई—58 सें स्थित हैं (श्रीर इससे ऊपाबद श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 7 श्रील 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधि-नियम के अधीन कार दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/पा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किसा जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा में अपराः

भूतः वय, उस्त अधिनियम, की धारा 269-न से अनुतरफ में, में,, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १(1) श्री एस० शंकरन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक सनम गोरखपुरी ग्रागरे वाले।

(ग्रन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए। यिवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रन्यूची

पबैट नं० 5-बी, जो नलमाला, बिल्डिंग 'बी', जय महाबीर प्रापार्टमैंटस फो-आप० हीसिंग सोताईटी लिमिटेड, जे० पी० रोड अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में स्थित हैं।

अनुसूचो जैसा कि कि 0 सं0 अई-2/37ईई/11733/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल**छ**मन वासं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **यम्ब**

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

# कार्यालय, सहायक कायकार काय्कत् (जिरीक्क)

श्रर्जन <sup>ने</sup>ज-2; बम्बई बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निवेश सं० म्राई०-2/37 ईई०/11745/83-84--- म्रातः मझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर: जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 पहली मंजिल, 'ई' बिल्डिंग, सकेरिया श्राधाड़ी नगर, यारी रोड, बसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 9 श्रप्रैल, 1984

को प्रविश्वत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके रवयमान प्रतिफल से एसे रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण को लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उच्त अन्तरण लिमित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई मिली आप की वाक्त उन्न वर्षिन नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दासित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा की नियो, कौर/या
- (क) एसी किसी माय या किसी भन या मन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ मन्तिरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में तिए;

अतः अवः, अवतः अधिनियमं कौ धारा 269-ग कै अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) कै व्यथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं । जर्करिया आधाडी जिल्डर्स ।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री जुल्फिकार अली यासीनली भेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के तर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी बाधांव हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट न० 3, जो पहली मिजल 'ई' बिल्डिंग झकेरियां श्राघाडी नगर, यारी रोड वसीवा बम्बई-400061 में स्थित
 है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई०-2/37 ईई०/11745/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-12-1984

# प्रकप **बाइं.टी.एव्.एव**्.चननव्यवनव्यव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 क्रानं कर्ण २००८ कियोग सम्बर्

निर्देश मं० श्राई०-2/37 ईई०/11749/83-84--- प्रतः मुझे लक्ष्मण दास

हायबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पत्नैट नं० ए-21 छठी मंजिल, कनवल को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि० चार बंगलो वर्मोपा बम्बई से स्गित हैं (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण किय में वर्णित हैं) र्जिस्ट्री हुश्रा जिसका करारनामा आयकर श्रीध-नियम, 1961 की बारा 269 कल के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयमें रजिस्ट्री हैं तारीख 9 श्रप्रैल 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपका श्रीधिकाम के अधीन कर दोने के सन्तरक को दायित्व में अभी करने या उत्तर वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित स्विक्तियों, जुर्थात् ह— (1) श्री ग्ररविन्द सिंह सेठी ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीकुमार लॉलत **बी**० ग्रडवा**नी** तथा
  - 2. श्रीमती चन्द्री एस० कमलानी ।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास निस्ति को किए जा सकेगे।

स्पथ्लीकर्णः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मनुत्त्वी

फ्लैट नं० ए-21, जो छठी मंजिल, कनवल को० थ्राप-रेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, चार बंगलो, वर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/11749/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाँक 9 श्रप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ता**री**खा : 10-12-1984

मोहर 🛚

प्रस्प आई.टी.एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यातय, सहायक जायक ह आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई०--2/37 ईई०/11758/83-84--श्रतः मझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, चौथी मंजिल, 'बी' बिल्डिंग, एन-एन० सी० को श्रापराटेव हाऊसिंग मोसाइटी लिमिटेंड, 25, जे० प० रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधेनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 9 श्रील, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार अन्त्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुइ किसी जान की नावत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में शृतिधा के लिए; और/मा
- (ल) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तिर अधिनियम, या अन्तिर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में समिका को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीत. निम्तिविक स्पिकतार्थों, व्यक्तिहास

(1) श्री सुदरराजन वें भटराम.।

(भ्रन्तरक)

(2) कैप्टन योगिन्दर पाल कपूर।

(अन्तरि ी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य स्थिवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथाकि एण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### गत संची

फ्लैट नं० 24, जो चौथी मंजिल, 'बी' बिल्डिंग सन-एन सी को० ग्रापरेटिय हाऊसि सोसाइटीं 25 जे० पी० रोड ग्रन्धेरी (पिष्चम) बम्बई-400061 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/11758 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9 ग्रप्रैल, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, सम्बई

नारीख: 10-12-1984

मोहर 🖯

प्ररूप भाषी, टी. एन. एस. 🚁 - - 🎫--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्मना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर 1984

निदेश सं आई०-2/37 ईई०/11792/83-84-- म्रतः

मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैटन० 103, पहली मंजिल, 'डी/ विल्डिंग, मृन्दर पार्क, वीरा देसाई रोड के सामने जो श्रन्धेरी (पश्चिम) वम्बई—400058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 26 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्द्री हैं तारीख 12 श्रप्रैल, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया सिंग्फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित ने बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आफ्नियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने उँ स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, जक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ढिंत ६——

(1) मै० सुन्दर कन्स्ट्रक्णन्स कम्प्रनी ।

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती ज्यूलियन लोबो न्या

2. श्री जार्ज लोबो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिश् कार्यशाहियां करता हुं।

उसर सम्पर्णि के अर्जन के संबंध में को हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धों व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यित्तयों में से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (क) इस सुचना के राजपत्र में पकाशन की नारीक्ष है 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

न्यध्वीकरण --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्सूची

पलैट नं ० 103, जो पहली मंजिल, 'डी' बिस्डिंग, सुन्दर पार्क, वीरा देसाई रोड के सामने अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई--40005 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम मं० श्राई०-2/37 ईई०/11792/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 श्रप्रैल 1984 सें रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीय: 10-12-1984

मोहर 🖫

# प्ररूप **नार्ड**, टी. एन*े* एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई०-2/37 ईई०/11795/83-84---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पण्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 5 000/ रु. से अधिक ही

श्रीर जिसके सं० पलट नं० 13-ए, गौतम अपार्टमेंट तीसरी मंजिल, वसींवा गौतम को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, जे० पं० रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुत्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टा है नार ख 12 अप्रैल, 1984

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफाल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण हो कि यथाप्वेंकित सम्परित का उचित बाजार साम , लगके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से प्रथिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिर्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक रूप से किया गया ही:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अर्थित्यम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—— (1) श्रां प्रवोण चन्द्र मणिलाल मोदी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पितारानी एस० कपूर।

(अन्तरितो)

(3) अन्तरिती ।

(बह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्पष्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

फ्लैट नं० 3-ए, गौतम अपार्टमेंट तोसरी मंजिल, वर्सोना, गौतम को आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लि०, जे० पी० रोड, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ईई०/11795/ 83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा विनांक 12 अप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### धारत चरकात

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्दोश मं० अई०-2/37 ईई०/11802/83-84-अत: मुझ, लक्ष्मण दास,

कायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त किंपिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269 के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाखार मूच्य और जिसका मं० पलेंट नं० ए-19, छठा मंजिल, कनवल को आपरेटिव हाऊसिंग सांसाइटा लिमिटेड, जार बंगलो, वसींवा, बस्वई में स्थिन है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कख के अधान बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारोख 9 अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्प्यमान अतिफल के लिए अंतरित को नई है और मृश्वे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) से अत्व एसे अन्तरण के लिए तथ पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी नाय का बाबत, उनते अधिनयम के अधीन कर पाने के बन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसं फिना आय या किसा भन या अन्य आरित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के बिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित स्योक्तयों, अर्थान् :— (1) श्राबलकार सिंह सेठा ।

(अन्तरक)

 (2) कुमारो लिलत छ।० अडवानो तथा
 श्री डो० जे० अडवाना (एष० यू० एफ०)।

(अन्तर्रितं∶)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोत्तत सम्पत्ति के अजन की ए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उबस सम्पत्ति को अर्जन का मंत्रेण में वार्ज भी आक्षंप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारींब से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों भर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कर्न्यां भार पदा का, जा उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिका गमा है।

### अनुसूची

पलंट नं ० ए-19, जो छठं: मंजिल, कनवल कनवल को ० आपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड, चार बंगला, वर्मोबा, वस्बई-400058 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्द०-2/37ईई०/11802/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों के कार्यातय वस्वई में रजिस्ट्रा द्वारा विनाक 9 अप्रैल, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायतःर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 10~12<del>-</del>1984

## प्ररूप भार दी, एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेम सं० आई०-2/37ईई०/11803/83-84—अतः मुने, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसका सं० पलेट तं० 104, पहला मंजिल, गोले बिल्डिंग, गोले प्रांमिसेस को-आपरेटिंग हाऊसिंग सोसाइटा लिमिटेड, जे० पा० रोड, सात बंगला,वर्सीया, अन्धेरा (पिण्नम), बम्बई-61 में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जितका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 को धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तारीख 13 अप्रैल 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिरियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए सा छिपाने में स्िता और निर्मा

अतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रानवीनचन्द्र हराराम सोमैक्या (सोमैक्या बदर्स के पार्टनर)।

(अन्तर्क)

- (2) 1 श्रो एडमण्ड जार्ज राष्ट्रिज तथा
  - श्रीमती करोलोन जैना राष्ट्रिग्ज । (अन्तरिता)
- (3) अन्तरक ।
  (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
  को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए
  कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण सं 45 दिन की भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सक्षेत्रे।

स्थास्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वग्त्यी

पलेट नं० 104, जो पहली मंजिल, शोल बिल्डिंग, शोले प्रामिसेस को-आपरेटिंब सोपाइटी निमिटेड, जे० पी० रोड, सात बंगला, वर्गीवा, अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुमूचें। जैसा कि कम सं० आई-2/37 ईई0/11803/83-8.4 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 13 अप्रैल, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-12-1984

प्रकल् भाषाँ, टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निवेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/11701/83-84--श्रतः मझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० टी-1, 43, चौथी मंजिल, संजीव टावर्स, बेहराम बाग, ग्रोशिवरा विलेज, ग्रधेरी वसीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसते उत्तबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 260 कख के श्रिधीन यम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है ताराख 7 श्रीण 1984

कां पृथां कर संपत्ति के उचित बाजार मृष्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रों कर संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसन्ते इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिमात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित गई किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुन्द किती बाय की वादत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या वस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त , अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए; व

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— . (1) मैं० सं**जी**य बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टील्स्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

फ्लैट नं० टी-1, 43, जो चौथी मंजिल ज जीव टावर्स, बेहराम बाग, श्रीशिवरा विलेज श्रन्धेरी वर्सीवा, बम्बई में स्थित है ।

प्रतुसूची जैसा कि क्रम सं० प्रई०-2/37 ईई०/11701/ 83-84 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7 श्रप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

नारीख: 4-12-1984

# प्रकल कार्डा, टी. हुन, एक , न ड - ड्ल्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचनर

#### भारत सरकार

कार्यां नय, अहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०-2/37 ईई०/6805/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर निर्मातयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुचित राजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, छोटा लाल विला, प्लाट 'जी', श्रमृत नगर, बाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तार्राख 1 अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्श का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अम्हारं, से हुई किसी आय की बाबत उक्त लिभिनियम के अभीन कर धोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्/या
- (श्व) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था खिमाने में मृविधा के किए।

जात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बें. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भीत, निम्नसिवित व्यक्तिश्यों, वर्षात :--- (1) मैसर्स शेठ इन्टरप्राइसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जान बाप्टीस्ट वाझ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सपति के अर्थत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# धनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्षित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ कोगा को उस अध्याय में दिया एया ही।

#### अनुसूची

पर्नैट नं० 302, जो छोटा लाल बिला, तीपरी मंजिल, प्लाट, 'जी', भ्रमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक ऋम सं० स्राई०-2/37 ईई०/6805/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1 स्रप्रैल 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ा,० प्रमाद सक्षम प्राधिका रे सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बर्ष

तारीख : 7-12-1984

मोहरः

अरूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई०-7/37 ईई०/6872/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 7, जो दूसरी मंजिल, पूजा अपार्टमेंट्स, प्लाट नं 17, सर्वे नं 100(पार्ट) श्रीर 112(पार्ट), एला बी एस मार्ग, विक्रोली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक।री के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 2 श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि बित से विश्व से वन्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित क्लक्तियों। अधितः :---

- (1) पार्टनर श्राफ भैसर्स पालिणोर प्लास्टिकस । (श्रन्तरक)
  - (2) मै० केमिकल इण्डस्ट्रीज एण्ड फार्मास्यूटिकल्म लेबोरेट**रीज** लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्यष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# **ब**न्सू:धी

यूनिट नं० 7, जो दूसरी मंजिल पूजा श्रपार्टमेंट्स प्लाट नं० 17, 'सर्वे नं०' 100' (पिटि), श्रीर '' 112 '(पार्ट), एल०' बी० एम० मार्ग, विक्रोली '(पश्चिम)' बेम्बई -79 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/6872/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2 श्रप्रैल 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमा**द** मक्षम प्राधिका**री** महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रजेंन रेंज-2, बम्बई

तारींख : 7-12-1984

प्रकथ बाह्र त दी. एत. एत .----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, श्रष्टायक आयकार आयुक्त (निद्रीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6800/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० म.०/211, जो, 2री मंजिल, घाटकोपर इंडस्ट्रियल एस्टेट, एल० बा० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1984

को पूर्वेक्ज संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिष्ट्ल के लिए बन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूख्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- . (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की;बाबत, उत्ता बिधिनियम के बुधीन कर दोने कें अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर∕या
- .(क) एनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए भा, किमाने में सुविधा के निए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ा श्रामतः निना एम० पंजवानः

(अन्तरक)

2. मेसर्स मुबिना पेंट्स एण्ड प्यारिटक्स कंपनी (अन्यरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन को अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवडभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकतीकरणः ----इसमें प्रयूकत शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

के तर्वन (त.व.चिका) है। कि त्या कर्मा कर कर है। बाबा भन्न प्राथकन, किशाबाबन है है है। क्या कर है। स्विक्ति में बास्तीवन रूप य बर्धिन नहीं है।

### धनुसूषी

गाला नं० सी/211, जो, 2% मंजिल, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एल० बी० एस० गार्ग, वभवर्ध-68 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि कि सं अई-3/37—ईई/6800/83—84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—4—1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसार्द सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वम्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एसं. ------

### आमकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

### बाउव व्यक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, वस्बई वस्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० अई--3/37--ईई/6929/83--84---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसने इसके पश्चात् 'टक्षत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं पर्लैट तं 201, जो, 2री मंजिल, "सो" विंग, बिल्डिंग तं 2, लांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटलीपर (पूर्व), वम्बर्ड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विंगत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन वम्बर्द स्थित सुजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारांख 2-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि स्थापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एने दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एने अंतरण के जिए तय पामा गया प्रतिकृत के सिम्मिनियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाब की वावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (श) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

1. भेपसं निलम डेबलोपमे

(अन्तर्क)

2. थे। पी० जाए० परमेण्यस्त

(अन्तरित्ंः)

को नह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्पतित के वर्धन के सिंह कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास निवित मों किए जा सकीन।

स्थळाकरण: इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लैंट नं० 201, जो, 2रा मंजिल नं० 2, णांति पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), वस्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैंमा कि फ्र० सं० अई-3/37-ईई/6929/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज-3, अस्त्रई

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6959/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 105, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 16, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

कां प्रतिकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करते, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति से वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उबत गणिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः∞ मै० दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्सरकः)

2. श्री कुलसूम एस० काझो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (फ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ग्रनुसूची

पलेट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० 16, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कि मं० अई-3/37–ईई/6959/83–84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2–4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, धम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोहर 🖰

प्ररूप बाई.टी. एन. एस. ------

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6890/83-84--अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 3, जो, 5वीं मंजिल, बिर्लिंडग नं 3-ए, दामोदर पार्क, एल० बां० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 2-4-1984

की पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान के एने दश्यमान प्रतिफान के श्रेस दश्यमान प्रतिफान के श्रेस दश्यमान प्रतिफान के श्रेस इंतरका से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-काम, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक इस स किथत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की याबक, उक्क अधिनियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के के सिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया बाना बाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

ातः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्क मों, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्भातः :--- 1. वि० एन० भ्रहा

(अन्तरक)

2. मेसर्स पारूल इंटरप्राईज

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त संपृत्ति के सूर्णम् के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्मच्यीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिक्राणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्वा

फ्लैट नं० 3, जो, 5वां मंजिल, बिल्डिंग नं० 3-ए, दामोदर पार्क, एल० बां० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ अई+3/37-55/6890/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक रो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जा रेंज⊶3, बस्बई

दिनांक: 7-12-1984

महिर 🖫

### प्ररूप आह्रं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज-3, बम्बई ज बम्बई, विनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37-5ई/6835/83--84-अनः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, जो, 1बा मंजिल, बिहिंदग नं० 3, क्यांडिया नगर, सं० एस० टा० रोड, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप में बॉणा है), श्रार जिल्हा करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तारोख 2−4~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दुहिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त आधानयम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रोमता सितारा बेगम।

(अन्तरिवर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के मध्याय 20 के गें परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूषी

फ्लैट नं० 102, जो 1वा मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, कपाडिया नगर, संा० एस० टा० रोड़, कुर्ला (प०), बम्बर्ड-70 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अई-3/37—ईई/6835/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज---3, बस्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुक्रना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6868/83-84--अत: मुझे,

ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह थिएबास करने को कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसका सं० दुकान नं० 7, जो स्वास्तिक चैंब सं' प्राउंड फ्लोर, पाइप रोड़, कुर्ला (प०), वम्बई—70 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, जि के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 2-4-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्न्रह

प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तिरितांं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उजह अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी अन या जन्य कास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

1. मेसर्स एम० बिल्डर्स

(अन्तरक

2. श्र. अजिदा-बा-अब्दुल विशास

(अन्तरिसः)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील हे 30 दिन की शविध, जो भी गर्याध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजध्य मों प्रकाशन की तारिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मन्ति मों हिन्बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति.द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जिसकेता

स्पर्धाकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पतों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### समृत्यी

दुकान नं० 7, जो, स्वास्तिक चेंवर्स, ग्राउंड पलोर, पाइप रोड़, कुर्ला (पश्चिम), वस्बई-70 में स्थित है /। अनुसूचः जैंसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6868 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप भाइ". टी. एन्. एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अर्ड-3/37—ईर्ड/6801/83-84--अनः सुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502-ए, जो, लालबहादुर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, दीशा वाडी, आगरा रोड़, घाटकोपर, बस्वई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपा-बढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तार ख 1-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उच्च बन्तरण सिचित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अस्तरण से क्षुष्टं किसी आय की सावत, उचल अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे युषने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या किसी आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने के सृब्धि के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रामता नर्मदाबेनं वा० भानूशाली

(अन्तरक)

2 श्रा भूपतराय लालचंद गोडा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंशी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उच्चेत स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### वन्सूची

पलट नं० 502-ए, जो, लालबहादुर को-अा० हाउसिंग सोसायटा लि०, दोशा वाडी, आगरा रोड़, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूचों जैंसा कि कि० सं० अई-3/37–ईई/6801/–83–84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनोंक 1–4–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रयाद सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

## रक्ष बार्च, डॉ. व्स. वह.

अग्रायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेण सं० अई-3/37-ईई/6825/83-84-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके विश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- श्र के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उपित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव प्लैंट नंव 38, जो, मत्य लक्ष्मी कोव-आपव हार्लिंग मोसायटी लिगिटेड, ग्लास फैक्टरी के सामने चेंबूर, श्रम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1934

को पूर्योक्त सम्पत्ति को उचित याजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से मिथक है और बन्तरक (मंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निज्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ज्या से क्षित नहीं किया वृंदा है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की शावत उक्त बाँध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के किए; बाँड/या
- (क) एसी किसी बाव था किसी भन या बन्य बाहिस्तर्थे को, जिन्हें भारतीय सायकर संभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्त सिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना थाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्ः—

ा श्रामता एम० एच० रहेजा।

(अन्तरक)

श्रामतः वाना ए० (वयदः)।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारों करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो। स्वयंत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोडी भी आक्रोप?---

- (क) इस अपूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति वाद में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अल्य व्यक्ति स्वारा अधाहरताक्षरी डें पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनसंचीं

्फ्लैट नं० 38, जो ग्लास फैंक्टरी के सामने, सेंकड लेन, चेंबूर, मत्य लक्ष्मी को-आप० हा० सोसायटी लि०, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क० सं० अई-3/37-56/6875/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

### प्रकृष् वार्दः दी ु एन , युत् .--=----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरका

कार्यालय, महायक नायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेण सं० अई-3/37-ईई/7114/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-तः. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० पलेट नं० 203, जो, राजीव निवास प्लाट नं० 62, लक्ष्मा कालाना, चेंबूर, वम्बई—74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 2-4-1984 को पबेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान शितफल के दिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमनान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया स्था प्रतिक कस निम्नतिबित उद्वरेश से उक्त अन्तरण निकत में वास्तिवक स्थ के किया नहीं किया महा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिक्ट;

जतः वयः उक्त विधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरक कों, मीं, उक्त अधिनिधम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्रा मुरेश कुमार बा० जामपाल ग्रीर अत्य।

(अन्तरक)

 श्रोमता निर्मल गुलराज छात्रिया श्रीर अन्य।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ये किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का ओ अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बतसर्थी

पर्लंट नं० 203, जो, राजीव निवास, प्लाट नं० 62, लक्ष्मा कालोनो, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/7114/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक/2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम नाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ज**−3, तस्वई

दिनांक: 10-12-1984

प्रकृप **वार्ड**े दी ् एत . एस त् -=--=<del>=====</del>

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुबना

#### भारत तरकार

### कार्यांशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6994/83-84-अतः मुझें, ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापन संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० आर०/7~ जो, 2री मंजिल, जय श्री धन को-आपरेटिय हाउधि। ायटी लिमिटेड, नांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, ताराख 2-4-1984

को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बॉर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिभा के सिए;

क्सः कम, उक्त किंपिनयम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीत, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात ए-- 1. श्री रमेण कुमार एच० खांडेड।

(अन्तरक)

 श्री लिलत कुमार के० मेहता भौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के शिष्टु कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अक्त सम्बरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों कि सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो कि अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर देश किता में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहर पर्यो का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित. हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनस्यों

जय श्रो धन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, जो, 2री मजिल, ब्लाक नं० आर०/7-11, नांगूर नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/6994/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

मोहर :

2 C- 416 GI/87

### प्रकार कार्ड . दी. एन . एवं .-----

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत् सरकाङ्ग

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/6887/83-84-अतः मुर्झे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 35 000/- रा. से अधिक हैं

७५,०००/- रु. से अधिक हैं। भीर जिसकी सं० फ्लैट आन 3री मंजिल, ग्लास फैक्टरी के सामने, सत्य लक्ष्मी को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, पैस्त्म सागर, 2री लेन, घेंबूर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तारीख 2-4-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरूग के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयभ के अधीन घर दोने के अन्तरक के दायिए। में कामी कारने या उससे स्थन में मुविधा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी अर्थ या किसी अन या बच्च आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट मही किया जवा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, पें, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निप्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती राजसङ्मी राजामणि।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मिना एचं० रहेजा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृतित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:----

- (क) इस त्यमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृष्णा की हामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को धी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त कव्यों बौर पर्यों का, वी जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ हीना जी उस अध्याय में विया प्रवाह है.

### अनुसूची

फ्लैट आन 3री मंजिल, ग्लास फैक्टरी के सामने, पेस्तम सागर, सत्य लक्ष्मी को०-आप० हाउसिंग सोसायटो लि० 2री लेन, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई3/37-ईई/6887/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

### कार्य आहे<sub>ळ</sub> की <sub>र</sub> पूर्व <sub>र</sub> पूर्व <sub>स्थानसम्बद्ध</sub>

### भागकप्र मधिनिनम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मधीन सुपना

#### STREET, STREET,

कार्यालय, सहायक भायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37–ईई/74334–/83–84–- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसका सं० दुकान नं० 35, जो, ज्ञानेण्वरी बिल्डिंग, पेरू बाग, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, साइध्य 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के क्रमधान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है बार मून्ये यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य उसके क्रममान प्रतिकास से, एसे क्षममान प्रतिकास का बन्तरित का बन्तरिका का बन्तरित का विश्वास का प्रतिकास का बन्तरित का विश्वास का प्रतिकास का विश्वास का वाचारित का प्रतिकास का वाचारित का वाचारित का वाचारित का प्रतिकास का वाचारित का वाचार का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की माबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के किए; खोड/बा
- (क) एसी किसी जाब या किसी अन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर सिंभित्रम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती वृदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए:

क्ष: बाब, अक्ष अधिनियम की धारा 269-ए की अनुहरक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1: श्रो पी० पो० केशवन श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2: श्री सोहनसिंग मगनसिंग साधना ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

क्रा यह सूचना जारी करके पूजा कर संपृत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्राचिक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी जन्म स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सक्तेंगे।

भ्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नूर्य होगा, जो उस अध्याप में दिया गया हैं।

### नन्स् ची

दुकान नं० 35, जो, जानेश्वरी विल्डिंग, पेरूबाग, आरे रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/74334-1 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो संहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनाक: 10-12-1984

### **एक्ष् बार्य**क्त स्ट्रीत पुष्<sub>र स्थापनाया</sub>

## बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सुधना

#### बारल जुरुकार

कार्यांचय, सहायक बालकर बान्क (निर्वाकण) यम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37/ईई/7096/83--84--अतः मुझें, ए० प्रसाद,

बागकर विधिनक्त, 1961 (1961 का 43) (विस्त इसके इतके परवात 'उक्त विधिनक्त कहा ग्वा हैं), की वाच 269-व के वधीन वक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का काएन हैं कि स्थानर संपरित विश्वका उभित वाचार सून्य 25,000/- रु. से विधिक हैं।

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, "पूजा" माहूल रोड, केंबर, बम्बई-71 में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, दिनांक 2-4-1984

कारे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाचार मूल्य, उसके क्रयमान श्रीतफल से, एसे क्रयमान श्रीतफल का मृन्द्र श्रीतकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिशितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीत-क क निम्नीमियत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिविस में वास्तु-विक क्यू वे वार्ष्य श्री किवा क्या स्टील-

- हैको समाहण में हुए फिसी बाद मही बावड उपन मुखिल तियम में सुपीय कह रोवे के अल्डरक में वाचित्य में स्वार्ध कहते वा कहते कहते में पूर्तिया में बियो; सहित्या
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरणे कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं का उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मेसर्स नहार असोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रा कं/तिकुमार एण्ड सुभाषचन्द्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इस्त सुस्पतिस् व्यक्तिवर्ग के सम्बन्ध् में कोई की बाधोद् व---

- (क) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 वित्र की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 वित्र की जबीध, को भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवाहा ;
- (ब) इस सूचना के राज्यम में प्रकायन की तारीय हैं 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में द्विन-मक्ष किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास निश्वित में किए का सक्तेंगे।

स्याकीकरण :---इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का जो उक्त का शीनधन, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्दा हैं।

### अमु सू ची

पर्लंट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, "पूजा", माहूल रोड, घैम्बर, बम्बई--71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-3/37ईई/7096/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

प्रक्ष्य आहें दी , एन, एस । -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/7098/83-84—अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रलैट नं क् सं / 10, जो, तीसरी मंजिल, यिजय विहार को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायर्टा लिमिटेड, सायन द्राम्बे रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नवा गवा प्रतिफल निम्नतिश्वित उज्ज्वेष्य से उक्त अन्तरण श्रिवित में बास्तिब्क स्थ से किंग्त मृही किया गवा है:----

- (क) बन्धरम सं धूर्च कियाँ बाय की वाबत उक्त वाँच-रिम्बन से क्यीन कर बने से बन्दरक के समित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रोद/बा
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी धन वा बस्य वास्तियाँ को, दिनहाँ बारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का '11) या उच्छ विधिनियम या धन कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- वार्ष विन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पत्रा वा वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के रिवा;

कतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण को, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को क्षीन, निस्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रोमती इंदिरा जगन्नाथन् ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० विश्वनाथन् ।

(अन्सरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्योक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्सूची

फ्लैंट मं॰ 4सी/10, जो तीसरो मंजिल, विजय विहार को— आपरेटिव हार्जीसग सोसायटो लिमिटेड, सायन ट्राम्बे रोड, चेंबूर सम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7098/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10~12-1984

मोहर 🗓

प्रसप भार्च : दी. एन. एस. -----

आयकाद्ध अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रौक्षण), अर्जन रेंज~3, धम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/6818/83~84--अत:, मुझे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० डो-14, जो बिल्डिंग, नं० 8, तीसरी मंजिल, बसंत पार्क, आर० सो० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अश्रोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रीत का उचित बाजार मूस्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से एसे के गान प्रतिफल का पुन्स प्रतिखत से अधिक है और अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किएत महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं नाय की कावत्, उक्त मिलियम के अधीन कर दोने के जम्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में मुसिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण् भी, मी, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, अधीत् हे— (1) श्रां बूलचन्द आसनदास माणिक ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद एल० माणिक ।

(अन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जकत स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

### **भ**नुसूची

पलैंट नं० डो-4, जो, बिल्डिंग नं० 8, 3री मंजिल, बसंत पार्क, आर० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि से अई-3/37-ईई/6818/83-84 थीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सन्नाम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण्), अर्जन रोज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप बाह<sup>्</sup>ा टी<u>ः</u> एत<u>ः</u> दुस्<sub>य गण्यानसम्बद्ध</sub>

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सहकाह

### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7099/83-84--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

हिंग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, जो आशियाना की० आप० हाउसिंग सोमायटा लिमिटेड, छेडडा नगर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधान बम्दई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्टा है, दिनांक 2-4-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिक की लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरम से हुई किसी आय कर्त बांबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्मारक को एरिएन्य में कमी कारने या उससे जनने में सविधा के लिए; औद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की गुरुजिमार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: श्व, उत्तर विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक् को, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू— (1) श्रामता पदमा विश्वनाथन् ।

(अन्तरक)

(2) श्रा सुन्नमण्यम श्रीनिवासन् ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पतिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकति।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

### वन्स्यी

फ्लैंट नं० 34, जो आणियाना को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, छेडडा नगर, चेंबूर, बम्बई-89 में हिस्थत है।

अनुसूचो जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/7099/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, *बम्ब*ई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🖫 🖫

### प्ररूप आई..टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37**ई**ई/7058/83-84---अतःमुर्झे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजाए मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, जो दूसरी मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को घारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित ह—

(1) श्रारमेश हरीराम गर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्रो लक्ष्मी नारायण दुर्गादास गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहुयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै, 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिच्च बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी चैं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जनुसूची**

फ्लैट नं॰ 206, जो दूसरी मंजिल, "पूजा" बिल्डिंग, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित हैं।

अनुसूचो जैसा कि क्र० सं० अई--3/37-ईई/7058/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 10-12-1984

मोहरा;

प्ररूप आहे .टी. एन . एस .,------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 धम्बई

बन्बई दिनोक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अ**ई-3/37-ईई/7107/83-84--अ**तः मुझे

० प्रसाच

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

25,0007-रन से आधिक हैं

बाँर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9-ए, शंकर जिलास को-आपरेटिव
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 13 वां रास्ता, चेंबूर, बम्बई-71
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से
विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, ससके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और
अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत
में वास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायिएक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती शीला गोपालकृष्णन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरलाबाई सी० देशपांडें।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### बन्स्ची

पर्लंट नं० 9-ए, जो शंकर विलास को-आपरेटिव सोसायटी;
13 वां रस्ता, चेंबूर, बम्बई-400 071 में स्थित है।
अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7107/
83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बिम्बई द्वारा दिनाक
2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियाँ अर्थात् ध—— 21—416 GI84

विनांक: 10-12-1984

मोक्ररःः

वस्य वाद् .टी.एन.एस. ----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के न्धीन सूचना

#### नारत चतुन्दर

कार्याल्य, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बद्धः विनीक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7283/83-84--अतः मुझे, ए• प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं शाप नं 4 जो प्राउण्ड फ्लोबर प्लाट नं 1, सर्वे नं 84, एच नं 1 से 5, एस नं 85, एच नं 1 से 4, भौर 6 विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 भी धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्यू से कम की अवशान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाड़ कृष्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे अवमान प्रतिकाल का चन्त्र प्रतिकात से जिथक है जीर अन्तरक (अन्तरकों) जीर कन्तरित रिती (जन्तरित को के बीच एते वन्तरक के लिए सब बाबा जवा प्रतिकाल निम्नतिवित उद्विषय से उन्तर बन्तरण मिन्ति वे बासरिक कर से कथित महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से इन्हें किसी बाब की बाबत उचत अभिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने वा बबचे बचने ने सुनिया के दिवस, अदि/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर व्याधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविशो के जिल्हे;

नतः अव, अक्त गीभनियम की भारा 269-ए के अनुसदण भें, में, अक्त गीभनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, जिम्लिसिस्स व्यक्तियों, सभातः—-- . (1) मेसर्स भोस्वाल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आम्ब्रें तारा हरीशचन्त्र ।

(अन्तरिती)

को वह क्षमा बाही कारके प्यतित स्थारत से मर्थन के सिए कार्यगाहिक करता हो ?

### उक्त कमरित के बर्चन में कम्पन में मोदे ही मार्चप्रशन

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में बकान्य होती हो, में जीवर प्रविच व्यक्तियों में वे कियी स्थानित स्थाराह
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तार्श्व से 45 दिन के शींतर उक्त स्थावर कम्परित में हितवहुध किसी वृष्य क्यायत इवास म्याहस्ताक्षरी के पाक् सिवित में निष्यु ता सकींगे !

स्वकाकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्छ वाधनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषिक हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है ॥

### वन्त्वीं

शाप नं 4, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, म्लाट नं ं 1, सर्वे नं 0 84 एच ० नं 1 से 5; एस ० नं ० 85, एच ० नं ० 1 से 4 घीर 6; विलेज मालवणी मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37ईई/7283/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनीक 2-4-1984 की रिजस्टर्ज किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

महेक्ट 🤞

### THE RIGHT AND STATE OF A PROPERTY.

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की े भाउर 269-च (1) में नचीन सूचना

#### बाइव दश्यात्रे

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

बम्बई; दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निवेश सं० अई-3/37-ईई/7285/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-इ के सभीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 2, जो ग्राउण्ड पसीअर, प्लाट नंव 1, सर्वे नंव 84, एचव नंव 1 से 5, एसव नंव 85, एचव नंव 1 से 4 ग्रीर 6, विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से, एसे द्रायमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्क) कन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधितियम के अधीन कार दोने के बन्तरक से वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा कंसिए; सींग्र/व।
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायक र विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था किया में सुविधा के लिए।

(1) मेसर्स घोस्वाल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आंश्रेतारा ह्रारीश्चनद्र।

(अन्तरिती)

को यह पूचन। बारी कारमें पूचाँक्त सम्पृत्ति में वर्षन के विष्णु कार्यवाहियां करता हुं:

जनत जन्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी

स्पव्यक्षित्वः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भूवा ही।

### वन्त्र्यी

दुकान मं० 2, जो ग्राजण्ड प्लोअर, प्लाट नं० 1, एस० नं० 84 विलेज मालवणी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/367/7285/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–३, बम्बई

भिते: भेंब, उन्नेत अधिनियम की भारा 269-ग की बनुसरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में स्पीन, निस्तिविक स्पित्यों क स्पीत का

दिनांक: 10-12-1984

प्रसूप आर्थे . टी . एन . एस . -----

(1) मेसर्स ग्रोस्वाल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आंब्रे तारा हरीम्चम्द्र ।

(अन्तरिती)

भावकुर विधिनियम, 1961 (1961) का 43) की की कोरा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

### कार्याक्षय्, सहायक जायकर वायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निवेश सं० अई-3/37/ईई/7282/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

वार्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के मिनियम समें प्राधिकारों को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विभिक्त है

भौर जिसकी सं णाप नं 3, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लाट नं 1 सर्बे नं 84, एच० नं 1 से 5, एस० नं 85, एच० नं 1 से 4 ग्रीर 6, विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय है रिजस्टी है, दिनांक 2-4-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमाण प्रतिकल के लिये अंतरित की गई है औं प्र मुझे यह विश्वास अझरने का कारण हैं कि यथा

पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत महीं पाया गया है हि—

- (क) जनारण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त कहैंपनियम के अभीन कह देने के अन्यद्रक हैं। बादित्क में कमी कहने या उससे बजने में स्ट्रिया के सिक्ष; बीह/बा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भाउतीय आयकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधुन्कर अधिनियम, या अधुन्कर अधिनियम, या अधुन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिर्देशी व्यादा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिन्मों में सुविधा के सिए;

बतः वव, उत्तर वीधनियम की धारा 269-ग के वनुसर्ग कें, में, उत्तर विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, टिनम्मीसिवार व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- की यह स्थान बारी करके प्रशेषत सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीय ही 45 विन की जविश्व मा तत्स्वम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की जविश्व, जो भी जविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बढ़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिकाक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रिकेरणः—इसमें प्रमुक्त खब्दों और व्यॉक्त, को अवक् अधिनिवक, को अध्याय 20-क में प्रिशाविक हैं, वहीं क्यें होगा को उस अध्याय में विवा भवा हैं।

### अनुसूची

शाप नं 3, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लाट नं 1, सर्वे नं 84, एच०नं 1 से 5, एस०नं 85,एच०नं 1 से 4 ग्रीर 6, विसेंज मालवणी, मालाङ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37/ईई/7282/83-भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

### मुख्य बार्ष हो . एन . एस वनना नामाना

भावकर वृधिनियवः, 1961 (1961 का 43) की वात 269-म (1) के वृधीन स्वा

#### THE TENT

कार्यासय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; बम्बई

्बम्बई, धिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/6986/83-84-- अतः मुक्ते, ए० प्रसाव

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के के जिथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो दूसरी मंजील, अमर अपार्डमेंट, मनजूभाई रोड़, सी० श्रो० डी० गेट के बाजू में मालाड (पूर्व) अध्यई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन में सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है दिनौक 2-4-1984

को पूर्विक्स सम्परित के उपित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान इतिक्स के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपित बाबार बूक्य, उसके क्रयमान प्रतिक्त से, एसे क्रयमान प्रतिक्त का बुद्ध प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ((अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरक के लिए त्य पाया गया प्रति-क्य निम्निक्षित उद्योग्य से उन्त बन्दरण सिचित में बास्तिक्क क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्धरण तं हुई फिबी बाब की बाबत, उपत बांधनियन के बंधीन कर दोने के जन्दरक के बारियरक में कमी करने वा बख्ते नवने में कृतिका के किए; शर्/का
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दिश बुवारा प्रकट नहीं किया थया था या किया जाना लाहिए था, कियाने में सुद्विता की विद्या

जतः जब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुबारण कों, भी, अक्त अभिनियम, की भारा 269-म की स्पनारा (1) के अभीय, निस्तितिकत व्यक्तियों. अभीत >--- (1) श्री कृष्णकुरुप एस० उन्नीथन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजूला चंद्रलाल शहा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति । श्रे अर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं ।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीस हन्न

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वाम की तामील से 30 दिन की क्वीं के भी तर पूर्वों करः
  व्यक्तियों में संभाष्त होती हो, के भी तर पूर्वों करः
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील " के 45 बिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हिंद्रावद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी की पास निवित में किए या बकेंगे।

स्वक्रिकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बर्ध और पृथां का, भी अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गृक्ष हैं।

### धनसूची

फ्लैंट नं० 9, जो दूसरी मंजील, अमर अपार्टमेन्ट, मनचूभाई रोड़, सी० भ्रो० डी० गेट के बाजू में, मालाड़ (पूर्व) बम्बई--64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कम० सं० अई-3/ईई/6986/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई ब्रारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

**दिनांक : 6-12-1984** 

मोहर ः

### REM MINICAL STREET, THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PROPERTY A

## बावकरं विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विभाग सुचना

#### RIES STATE

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन प्रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/7322 83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' अहा गया है'), की भाषा 269-व के अभीन सभूम प्राभिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, निसका उचित् नावार मृस्य 25,000/- रु. से अभिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 501, जो तीसरी मंजिल, निर्मानाधिन इमारत-पिटर अपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 497 श्रीर 499 आफ, वालनाय, डिमान्टे लेन, मार्वे रोड़, दालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थिजत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 2-4-1984

को पूर्वो कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यामाय इतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि संभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्त, उसके क्यमान प्रतिफास से, एसे क्यमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफास निम्नानितित उद्योग से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तुरूप वं हुई कियों बाव की बाव्य क्या क्या अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

(1) यु० के० बिल्डसं ।

(अन्तरक)

(2) भी सामराव एम० बावणकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वही वर्ष कोगा, जो उस अध्याय में दिवा प्रया है।

### नन्स्यी

पलैट नं० 501; जो पांचवी मंत्रील, निर्माणाधिन इसारत-पिटर अपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 497 और 499 आफ बालनाय, डिमान्टे लेन, मार्वे रोड़, मालार्ड (पश्चिम) बम्बब-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाभि क्रम सं० अई-3/37/ईई/7322/83-84 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3, बम्बई)

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🗓

### **महरू जार्न**्टी एक एक <sub>अन्यसम्बद्धनामध्यः</sub>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाषा 269-व (1) की अधीन सूचना

#### भारत सरुकार

### कार्यांसय, सहायक शायकर शायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्वई

बम्बई दिनांक 6 विसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7323/83-84--अतः मुझे; ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो चोथी मजील, 'पिटर अपार्टमेंट, धालनाय, मालाक (पिष्चम); बम्बई-64 है स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कस का क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का अवित बाजार भूक्य, उसके श्रूष्यमान प्रतिफल से, एसे क्र्यमान प्रतिफल का पेइह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिकी (अन्तरिकों) को भीच एसे अन्तर्य के विश् तब नाया गूना प्रतिक्ष कर निम्मिलिक उद्देश्य से उदस अन्तर्य कि लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा बल्य बास्तिकी को, जिन्हें भारतीय आय-कर किसिनयम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, धा यम-कर जीधियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोगनार्थ कर्यारती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा वा या किया वाना आहिए था, कियाने में क्विभा के शिष्ठी

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अक्सरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन [मस्निनिक्त व्यक्तियाँ अर्थात् ⊈— (1) मेससं यू० के० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री ढेल्फ्रेन रोझी लोबो।

(अन्तरिती)

हाँ बहु स्थान वार्री करके पूर्वोक्त सम्मृतिस् के वृत्तन् के किस् कार्यवाहिष्ठं करता हुं।

### वनव कुम्परित के मुर्जन में सुभ्यम्प की माँध् भी बार्स्स्थान

- (क) इत सूचना के हाजभव ने प्रकाशन की तार्तिच ने 45 दिन की अन्तिया या तत्त्वस्वन्थी व्यक्तियाँ शूर्य सूचना की तामीस से 30 दिन की वन्तिया जो भी वन्तिया में बमाप्त होती हो, के भीतद्व पृक्षित व्यक्तिया में ने किसी व्यक्तिय पृक्षित होता में
- (व) हव सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीच है. 45 दिन के भीतर जनत स्थानर कम्पीत्त में हित्बहुच किती बन्य व्यक्ति इवारा नभोहस्ताअ्दी के शक्ष सिन्दित में किए वा ककेंगे।

स्वाधिकरणः--इतमे प्रवृत्ततः शब्दां जीर पद्यो जा, कां शब्दा स्विधितयम, से बध्याय 20-क में प्रिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्यान में दिना गवा है।

#### अनुसूची

पर्लैट नं॰ 4017 जो चौथी मंजील; पिटर अपार्टमेंट; सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 497 झौर 499; बालनाय; मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसािक ऋ० सं० अई-3/37ईई/7323/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक ॄै2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 6-12-1984

नोहर 🖫

प्रकृष बाह् . टी. एन . एख . ननगणननननननन

बायकर अभिनियम, 196ा (1961 का 43) की भारत 269-यू (1) के सभीन सूचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

दिदेश सं अाई-3/37-ईई/7400/83-84--अतः मुझे, ए ० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके मध्यात् 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दुः से अधिक हैं

भीर जिसकी संव पलैट नंव एम/7, जो तीसरी मंजील, बिल्डिंग हरीद्वार-1, प्लाट नंव 18-19-20 बालनाय गांव आफ मार्चे रोड़ मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिश्वत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्वरण लिखित में बास्त्रिक क्या से कविन नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिक में कभी करने या उससे बचनी में सुविधा के निए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती च्वारा प्रकट नहीं किया व्या जा वा किया जाना का किए था, किया के स्थित के सिए।

नतः श्व, उक्त मीधिनयम की धारा 269-मु के बनुसरक् में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) के बधीन, स्कितितित व्यक्तियों, ज्यारि क्ष्म (1) श्रीमती पुष्पा घेहीमल जेथानी।

(अन्सरक)

(2) श्री बह्ली प्रसाद लुहारुका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हूं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, आहे और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्तस्थरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं आत, जो शब्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### श्रनुसूची

प्लाट नं॰ एम<sup>1</sup>7, जो तीसरी मंजील बिस्डिंग हरीब्रार-1, ब्लाट नं॰ 18-19-20ए गांव वालनाय, आफ मार्वे रोड़, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं७ अई-3/37-ईई/7400/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3: बस्बर्ध

दिनांक 1 6-12-1984 मोद्द्र ध प्ररूपें बाहें. टी, एन ु एस ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### - भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई; दिनांक 6 विसम्बर 1984

निदेश सं० अर्ड: 3/37-ईई/7318/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भएरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्व 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 206, जो दूसरी मंजिल, श्रादर्श श्रपार्टमेंट, श्राईस फैक्टरी के सामने, श्रादर्श सोसायटी रोड, मालाड (प) बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए जन्तिरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिखित वे वास्त्रविक रूप से कथिश नहीं किया गया है क्रिक्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

ाः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के छधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, जर्थात क्रि. 22—419 GI/84

- (1) मेसर्स इवेंटर इंडस्ट्रियल श्रीर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एस० पी० सालोट श्रीर श्रन्य । (श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्तु सम्पत्ति के मुर्चन के सुम्बन्ध में की हैं भी बाक्षेष पु---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्परक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्तुनी

फ्लैट नं० 206, जो दूसरी मंजिल, भ्रादर्ण श्रपार्टमेंट, श्राफ श्राइस फैक्टरी, श्रादर्ण सोलायटी रोड, मालाष्ठ (पश्चिम), बम्बई— 64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37–ईई/7318/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

🤏 प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

क्षायफरे मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांचय, सष्टायक आयकर भाग्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/7324/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए-53 जो 5वीं मंजिल नालन्दा-2 मित चौकी के बाजू में मार्बे रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वेक्स मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया हगा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे वास्यविक रूप से कांवर महानिक का वास्यविक स्पार्थ की स्थारण की लिए तथ पाया

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबल, उक्त पिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने हों स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :---- (1) श्रीमतो ग्रभरानी गुलाटी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णिवाजी काणिनाथ टिपनीस ।

(ग्रन्तरिती)

भा यह सूचना बारी करके पृशाँकत सम्पत्ति के वर्षात्र के तिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तिमों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए आ सकोंगे।

स्पर्वकरण अन्न-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नेवा है।

### मन्**त्री**

फ्लैट नं ए ए - 53 जो 5 शों में जिल नालन्दा - 2, मिल बौकी के बाजू में मार्वे रोड मालाड (पिष्यम), बम्बई - 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7324/83-84 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप भार्द. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3: बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई—3/37ईई/7365/83—84—भानः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० गाला नं० 4 जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, विनय हैवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, देखकर वाडी, चिच बन्दर रोड, मालाड (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर, इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्दी है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः--- (1) मेसर्स विनय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रंजली प्रोडक्टस ।

(भ्रन्तरिती)

त्रे यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिट्स के अर्जन के लिए तर्पवाहिया गुरू करता हु।

उम्स सम्परित के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा नकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूची

गाला नं ० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोग्रर विनय रवी इंडिस्ट्रियल इस्टेट, देख्यार वाडी, चिंच बन्दर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

श्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37ईई/7365/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज−3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप जाइ". टी. एव. एस. -----

भायकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीत सुमता

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37–ईई/7347/83–84–-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फैल्ट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, प्रजित पार्क-बी सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वास्य से उच्त अन्तरण निचित व वास्तिक इप से क्रिया कम्प से क्रिया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर्/भा
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत: जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिवित स्थितियों, अधीत् ड── (1) देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी रत्ना नारायण राव ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अबुधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्में का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नपत्त्रपी

पलैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल भ्रांजित पार्क-बी सोमबार बाजार रोड, मालाड (पण्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-37-ईई/7347/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टड किया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

### , नावकर निधीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के न्धीन सूचना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/7014/83-84--श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 44, जो प्लाट सी ० टी ० एस० नं 0 348 एफ ० पी ० नं ० 5ए; लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पीदार रोड, मालाल (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है, श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का मृल्य प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बौट्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में इसिया के सिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् ्— (1) श्रो रामचन्द्र पो० गहा।

(भ्रन्तरक)

(2) मिनाक्षी किरीट भुटा ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव
  सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो तस् अध्याय में दिया गथा हैं।

#### वतसर्वी

दुकान नं० 44, जो प्लाट मी० टी० एस० नं० 348 एफ० पी० नं० 5-ए; लक्ष्मीनारायण गापिंग सेंटर पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-3/37–ईई/7014/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्क्षई द्वारा दिनांक 2-4–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप आर्थ: टी. एन. एस. -----

जायकर सिंधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सर्काड

### कार्यास्य, सहायक मायकर बायुक्त (निहिक्षण)

म्पर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/7378/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौय जिसकी सं० फ्लैट नं० एम-3. जो, पहली मंजिल, विल्डिंग हरीबार-1, विलेज वालनाय, प्लाट नं० 18-19-20ए, ग्राफ मार्चे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनौंस 2-4-1984,

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल को प्रेस दूरयमान प्रतिफल को प्रेस दूरयमान प्रतिफल को प्रेस दूरयमान प्रतिफल को प्रस् प्रतिमात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नतिस्ति उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया इं

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उसस बचने में सृत्रिका के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अथित् :--

- (1) श्रीमती निर्मला मोहन हिरानन्दानी श्रीर श्रन्म (श्रन्बरक)
- (2) श्री जान फर्नीडीस ।

(अर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

### उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूर्चा

्रलैंट ने० एम-3, जो पहली मंजिल, बिल्डिंग हरीद्वार-1 विलेज वालनाय, प्लाट ने० 18~19-20ए, श्राफ मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि अ० सं० ग्राई-3/37ईई/7378/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई क्वारादिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 6-12-1984

मांहर 🖫

प्रस्प आर्थः टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

ूबस्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रई—3/37—ईई/7363/83—84—श्रतः मुझे-; ए प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 2 जो. ग्राउण्ड फ्लोग्नर, हरीद्वार 1, प्लाट नं० 18, 19, 20-ए, विलेज वालनाय, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं)/ग्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984.

को व्योक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान मितकल के सिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंकत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शम्तिक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से <u>श्रीभित्यम के अ</u>धीन कर दोने के अन्तरक औं श्रीवत्य में कभी करने या उत्तर देशा के स्विधा खें सिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-का अधिनियम, या अव-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मेसर्स एकरशाई. बिल्डबं प्राइकेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- (2) श्री हरीप श्रम्बालान प्रजापती । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं

**एक्स सम्मति के अर्जन को सम्बन्ध में जोड़** भी बाक्षप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकारत की तारीज के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुभ किसी बन्य स्थावर ब्वारा, 'वभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकीं है।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

#### ननुसूची

मुकान नं ० 2, जो, ग्राउण्ड फ्लोभ्रर, हरीद्वार-1 प्लाट नं • 18, 19, 20-ए, विलेज बालनाब श्राफ मार्ने रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि त्रं भं शई-3/37-ईई/7363/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांस 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज्-3, कम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोष्ठरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/7298/83-84—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, सुभलक्ष्मी मापिंग सेंटर, क्वारी रोड, मालाड (प), बम्बई—64 में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा क. ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 2-4-1984,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय यागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण मं. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) स्थान बिरुडर्स ग्रौर एच० एस० रोहेला। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नथू पिता खामजी श्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्स्याक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनसूची

दुकान नं० 7 जो सुभलक्ष्मी णाप्मि सेंद्र क्रवारी रोड मालाड (पूर्व), बम्बई--64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कर्ण मं० अई-3/37— ईई/7298/83— 84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज→3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप बार्षः, टी. एन. एस. -------

(1) मेगमं ग्रीस्थाल बिल्डमं ।

(ग्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना (2) श्री लालमणिसिंग भगवती सिंग ।

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वस्वर्ह, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेण सं० श्रर्ध-3/37-हर्दि/7286/83-84--श्रतः सुमे , ए० प्रसाद,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुकान गंव 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, प्लाट गंव 1, सर्वे गंव 84, एचव गंव 1 से 5, एसव गंव 85, एचव गंव 1 से 4 श्रीर 6, विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं ।श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निजितित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि बित् में वास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के सिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

दुकान नं० 7 जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, प्लाट नं० 1. सर्वे नं० 84, एच० नं० 1 से 5, ए्म० नं० 85, एच० नं० 1 से 4 और 6, विलेज मालवणी मालाड (पिश्मच) बम्बई में स्थित है। श्रुनुसूची जैया कि ऋ० मं० ग्राई—3/37—ईई/7286/83—84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4—1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1989

मोहर :

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधी न . जिस्सीसित व्यक्तियों , अधीत क्लिस्स

23-416 GI/84

प्रक्ष बाइं ती एन एस

**शाय कर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा 269-ध** (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्भालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/7299/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ल्य 25,000/- रा. म विश्वाह है

ग्रौर जिसकी सं० स्टाल नं० 3, जो शुभलक्ष्मी शापिंग सेंटर क्वारी रोड मालाड (पू०) वस्वई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रमुची में ग्रौर पूर्णक्ष्य से निणत है/ग्रौर जिसका करारनाम ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन वस्वई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से एमें श्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रीश्वात से द्विथक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बंतरिती: (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित नद्देश्य में उच्च अन्तरण निम्नित में वास्तिक स्थे से किथन नहीं किया गया है :---

- ाप्त अनगरण म तृह्य जिल्लामी साथ की बायत , जाकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचन मा सुविधा के लिए; और/णा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनियन व्यक्तियों, अधीन ---

(1) स्पान विल्डमं त्रीः प्रान्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रविनाण बी० पारेन्द्र ।

(अन्तिश्तीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हंु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, दो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्खी

स्टाल नं० 3, जो, गुभलक्ष्मी गाणिंग सेंटर, क्वारी रोड, मालाड (पू०), वम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुयूची जैसा कि कि स० श्रई-3/37-ईई/7299/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-3. बम्बर्ड

ादनाक : 10-12-1984

परूप भाइ, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-3 वम्बई दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-3 37-ईई/7095 83-84--अत:

निदेश सं० अई-3 37-ईई/7095 83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक है

श्रश्नीर जिसकी सं० सी० टी० एस० न० 336, जो पूजर क्लास इंडस्ट्रियल इस्टेट एरिया सोनल हैवी इंडस्ट्रियल इस्टेट रामचन्द्र एक्सटेंगन लेन मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है) श्रीर ∤जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई सिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनोक 2-4-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तारत को गड़ हूं और मूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसरा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात :--

- (1) मसर्स साहैनाथ प्लास्टिक इंडस्ट्रिज । (अन्तरक)
- (2) श्री एच० सी० गहा (एच० यू० एफ०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्भ में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- प्रममें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है :

#### HARLES

सी० टी० एस० नं० 336 जो सोनल हैवी इंडस्ट्रियल इस्टेट-रामचन्द्र एक्सटेंणन लेन मालाइ (प) बम्बई-64 में स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37अईई/7095/83-84 ब्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनोक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें–3 बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

### प्रस्प, माई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवा

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अम्बई

धम्बर्ध, दिनांक 10 दिसम्बर् 1984 निदेश सं० अर्ध-3 37-र्ध्ध/7369/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० ए 63, जो 6वी मंजिल बिल्डिंग "नार्लंदा—1" प्लाट नं० 32 श्रीर 33 आफ मार्वे रोड मालाड (प) बम्बई—64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वा कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-इशिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीर, निम्तिलियन का कित्या, अधीर्यः— (1) श्री अमर्राजन ताप्पिया श्रौर श्री इंदरजित मिंग ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम एम० चोपड़ा :

(अन्तरिती)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वीक्त सपहित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी , 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निर्मालत में किए जा सकरों।

स्पध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### वन्स्ची

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई--3/37-ईई/7369/83-84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा क्रिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3 बम्बई

दिनांक : 10:12-1984

# प्रकृष् बार्च ,डी ,द्र्य , एच , ------

नाय्फर निधिनयम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के निधीन स्वा

### नारत चरुकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेज-3 अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3 37/ईई/7327/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' सहा गया है'), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका जैचित वाजार भून्म 25,000/- एउ से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1/7 जो दूसरी मंजिल बिल्डिंग हरीद्वार—1 आफ मार्चे रोड मालाड (प) बम्बई—64 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बाँउ मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रध्न प्रतिशत से बिभ्न है बाँउ बन्तरक (बंतरकारें) और बंतरिती (बन्तरितियांं) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-का निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिश्वित में बास्त-फिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- · (क्ष्य) अन्तर्भ सं शुद्ध विक्षी आध करी वासत्त, उनक श्रीभिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उन्तर वचने में सुविधा के जिए; और/वा
  - (क) एंसी किसी अध या किसी भन वा बन्य बास्तियां करं, विन्ही भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या जन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया काया कियानी में सुविधा के सिय;

(1) मेसर्स ए४० बी० इन्वेस्ट्र्मेंटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री धरमचन्द जीवनचन्द दलाल ।

(अन्तरिती)

स्त्रे वह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के शर्यन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

लगत मरणिता के बर्जन के कावन्य में कोई भी वासीय :--

- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति स्वाप्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगर जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नग्स्की

जा दूसरी मंजिल बिल्डिंग हरीद्वार-1 20ए आफ मार्वे रोड मालाड (प)- बम्बई-

अनुसूची जैंगा कि क० सं० अई-3 37-ईई/7327/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी <sup>प</sup>ड़ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

कतः अस, जक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, जनसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं अभीन, निस्नतिखित व्यक्तियों अधीत ∵----

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🛪

प्रक्रम आई . टी . एस . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) কী । भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-3,37-ईई,7373,83-84--अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है:

ग्रीर जिसकी सं पलेट नं 403, जो 4 थी मंजिल, बीविंग अटलांटा प्रलाट नं 38 आफ मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के क्लिंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचन में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) मसर्स आर जी० जिल्डमें प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री एम० एम० श्रमानकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

्रता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध विकास अन्य करिन द्वारा अध्यक्षिताक्षरों के पास विकास के विकास के किए जा सकती।

स्पस्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हुं।

#### a a well

फ्लोट नं० 403, जो अथी नंजिल विशेषिण श्रटलांटा प्लाट नं० 38, वालनाथ विलेज, मार्वे रोड बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3,37-ईई,7373,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर

# प्रकष आहाँ . दी . हन् . एक . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3 37-ईई,7297 83~84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीक्षकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5-ए जो पुष्पचन्द्र अपार्टमेंटस िलाट नं० 1 एस० वि० रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूणंरूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्त- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन और दोने के अन्तरण की बाधिन्स में असी पान पानस्थ अकाने में स्थित से हिस्स बौद्ध/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, किन्हुं भारतीय काय-उन्य अधिनियम, 1922 (1922 का 14) श जिल्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विका के किए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— (1) श्रीमती निषम चौत्रा ।

(খেদনম্কা)

(2) श्री ईश्वाधाई एग० पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सुकना कारी करके पृशींभत अम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो !

# उपरा सम्मिरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- असमें अमृब्स अन्यों कार पदां का. आ स्थान अभिनियम के अभ्याय 20-क में प्रितायत ही, बही अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में दिया गया ही।

#### नग्त्यी

पलेट नं० 5-ए जो पृष्पचन्द्र अपार्टमटस एस० वि० रोड, प्लाट नं० 1 मालाड (पिष्चम) बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-3 37-ईई/7297/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए• प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्राय्क्ष, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) अं अधीर स्भान।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्ट्रायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7291/83-84---अतः मुझेः ए० प्रसाद

कायकर आँथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी-2 जो ग्राउण्ड फ्लोअर एवरग्रीन अपार्टनेंट में विलेज वालनाथ मार्वे रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबवज अनुसूची में श्रीर पूणंक्प में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आग्रवर अधिक्यम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन अबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण संहुइ फिसी आप की बायस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान्य चाहिए था, कियाने में अधिका के लिए;

अतः जब, जुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिबित व्यक्तियों, अधीत क्ष्रीन

- (1) श्री शंकर आर० मोइली ग्रीर अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुषमा दियान । - (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथितत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिम्बित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है: गमा हो।

#### अमृसुची

पलेट नं जी-2, ग्राउण्ड पलोअर एवरग्रीन अपार्टमेंट ई विलेज वालनाय मार्वे रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3-37-ईई, 7291,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4- 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनोंक : 10-12-1984

माहुर :

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-व (1) के अभीन स्**य**ना

#### नारत सरका

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निहासिण) अर्जन रेंज-3, वस्त्रई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई--3/37अईई/7354--ए/83-84---अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 36, जो, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट नं०, 19.41, एस० नं० 85/5, 91/1 मौजें मालपानी, डि० बोरिवल मालाड (प), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप विणत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984.

करे प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; बरि√या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) मेसर्स हेमल इण्टरप्राइजेस । (मन्तरक)
- (2) एम० पी० प्रदिप ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यावाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उपक्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया ही।

#### नगृत्त्वी

पर्लंट नं० 36, जो, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट नं० 19, 41, ए स० नं० 85/5, 91/1 मौजे मालवनी, बोरिवली डिस्ट्रिक्ट, मालाङ (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-37-ईई 7354-ए 83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए॰ प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

दिनांक : 6-12-1984

मोहर :

प्रकृष बाह्र . टी. एन. एस.-----

नायकर नीधीनग्रम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### HIZO BEWY

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० प्रई-3/37ईई/7080/83-84—प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसको सं० दुकान नं० 154 जो श्रार० सी० मार्ग मोपडपट्टी, श्रानिक चेंबूर बम्बई-74 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबग्र श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वणित हैं) श्रीर जिसका काररनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूकों मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त सं, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिस में अस्तियक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तपुत्र के हुइ जिल्ली बाद की बावत, सबस प्रतिविधम के प्रवित कर देने के प्रस्तरक के वाजिए के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः कव, एवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० बी॰ गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्रो ग्रार० पो० जयनारायण ग्रग्नवाल । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जाड़ी कर्कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी . व्ये पास सिक्ति में किए जा सकर्ष।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्र्यी

दुकान नं० 154 जो आर० सो० मार्ग, नं० झोपडपट्टी, श्रनिक चेंबूर; बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7080/83-84 ऋौरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984को रिजस्टर्ड फिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर 👙 🧠

# मक्त सार्'े हों हुन्। हुन्। हुन्।

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देण सं० श्रई—3/37ईई/7279/83—84——श्रतः सुझै । प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम। प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजिल बाजार मृत्य 25,000/- रुपये हे अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 303, जो वैकुं ठ को - श्रापरेटिक हाउसिस सोसायटी लिमिटेड, सिंधी सोसायटी, चेंबूर बम्बई - 7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिज्टू है तारी ७ 2-4-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकत से, एसे ध्रयमान प्रतिकत का पन्यह प्रतिकात से विधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिकत, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त बन्तरण निवित्त में गस्तिकत रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी ळरने था उससे बचने में स्पिभा के लिए औड/बा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के तिए।
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1)

को अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियाँ, अथित् १---

(1) श्रीमती हेमाबाई बी० रामनानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाली लालचन्द भतीजा श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यशाहियां गुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुओ

पसंट नं 303 जो बैकुंट को श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड सिंधी सीसायटी चेंबूर बम्बई में स्थित हैं श्रनसूची जैसा कि अम सं श्रई— 3/37ईई/7279/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायकर आक्षमर आयुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेंज-3, बम्बई

विमांक :: 7-12-1984

मोहर :

प्रकल कार्यः, दी, एम, एस, कार्यन

नायकर नीभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) कें सभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० मई-3/37ईई/7104/83-84---मतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- एउ. से अधिक है

मोर जिसकी सं इन्डिस्ट्रियल माला नं 22 जो बिल्डिंग मं 3, ग्राउन्ड फ्लीर सायन चेंबूर रोड एस० नं 267 एच० नं 1 (पार्ट) श्रीर एस० नं 287 एच० नं 1 बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में मोर पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ब्रुच्द प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; बीर्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिए;

कतः कव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के वनुसरण वी, वी, उक्त मिश्रिनियम की भारा 269-ण की उपभादा (1) वी अभीतः निकासिका व्यक्तियों, वर्षात ६---

- (1) मेसर्स तुलसोदास वि० पटेल प्रा० लि० (ग्रम्सरक)
- (2) श्री एम० वाई० सामंत । · (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपरित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी जन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भ्रम्भूची ।

इंडस्ट्रियल माला नं० 22 जो बिहिंडग नं० 3 ग्राउन्ड फ्लोर सामन चेंबूर रोड एस० 267 एच० नं० 1 (पार्ट) एस० नं० 287 एच० नं० 1 (पार्ट) बम्बई-22 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/7104/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984 मोहर ब प्ररूप आहें, टी. एन , एसं.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० ब्रई--3/37ईई/6925/83-84---श्रतः सुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट नं बी-1, जो ग्राउन्ड फ्लोर, रामेश्वर फ्लाट श्राफ लैन्ड सी उटी उपस्य नं 366 (पार्ट) सर्वे नं 1/ए चेंबूर बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य मेविणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 2-4-1984

- \*का पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदेश्य से उदत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :--
  - (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कथ्मी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
  - (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

जतः ज्ञान, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो सुरेन्द्र रावचंद गहा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रो एसम वेंकटेश्वरन्

(म्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा., जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

फ्लट नं० बो≔ाः जो ग्राउन्ड फ्लोरः, रामेक्वरः, प्लाटः ग्राफ लैन्ड सी०टी०एस० नं० 366 (पार्ट) सर्वे नं० 1/ए, चेंबूर वस्वई में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/ 6925/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; बम्बई

विनांक : 10-12-1984

मोहर:

# प्ररूप सार्<u>द</u>े.दी.एन.एस.,-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रई-3-37/ईई/6926/83-84--श्रत मुझे∎ ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० बी-3; जो ग्राउन्छ पलोर्! बिल्डिंग "रामेश्वर" प्लाट नं० अन्ड श्रंट चेंबूर सी० टी० एस० नं० 366 (पार्ट) लैंन्ड सर्वे नं० 1/ए चेंबूर बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में गास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है हि—

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी आय की थावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा वायित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्सियों को जिन्हों भारतीय आयन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के शिए;

जतः जव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त जीभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को सभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती निनाबेन एम० ठक्कर।

(म्रन्सरक)

(2) श्री विजय वासवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं बी-3 जो ग्राउन्ड फ्लोर "रामेग्वर" सिटी सर्वे नं 366 (पी) सिना निवास को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० स्वास्तिक पार्क चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है।

श्रणुसूची जैसा कि ऋम सं० ग्राई-3/37ईई/6926/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

एम प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक 10-12-1974 मोहर प्ररूप आहें, टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज~3, वस्वर्द

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/6888/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लेट नं० 15 जो ग्राउन्ड प्लाट नं० 28 सत्य लक्ष्मी को० श्रोपरेटिय हाउमिंग मोसायटी चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है (और इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप सेवणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- हा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमली भगवम पी० ठाक्रुर।

ै (ग्रन्तरक)

(2) श्री हरोराम जे० रहेजा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यक्तियां,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

फ्लेट नं० 15 जो प्लाट नं० 29 सत्यलक्ष्मी को-स्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटो चेंबूर बम्बई-89 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/6888/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2--4--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 10-12-1994

माहर:

# प्रकम बाद . टी. एन. एस. ------

भायकर नियम, ५961 (1961 का 43) की भारा 269- प (1) से सभीत सुम्ना

### भारत चुडुकार

भार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरक्षिण) भूजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्स, दिनांक 6 दिसम्बर् 1 निर्देश सं० ग्राई-3/37ईई/6996/83-84-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 202 जो मालाड सालीनी को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लिबर्टी गार्डन रोड, नं० 2, मालाड (प) बम्बई-64 सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क ख के कृधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति को उचित बाजार मुख्य से कम को इत्यमान ब्रोतफल की लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरित्यों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अति-क्श निम्नसिक्त उद्दोक से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत सकत विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औं निकः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जयश्री ग्रानिल खांडवाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललिताबेन चुनीलाल वालांबिया ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस भूषना के राष्पन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वनिष, वो भी जनविष् नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- व्यक्त स्थावर संपत्ति में दित- व्यक्त स्थावर संपत्ति में दित- व्यक्ति स्थावर संपत्ति के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त घट्यों जीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 202 जो मालाड सालोनी को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लिबर्ली गार्डन रोड, नं० 2; मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/6996/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼3 बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🗵

# प्रक्षा भाइं 🖟 ही 🧟 पुरा 🧸 पुरा 🚉 🗠 🖘 🗷 🗷 🗷

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के नभीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर मायुक्त (नि**र्दाक्षण**)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई फ़्रीटिसंस क्रिक्स 10

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेण सं० म्रई-3/37ईई/7348/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तथ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी में पलेट नं 303, जो उरी मंजिल, श्रांजित पार्क "बी" सोमवार बझार रोड, मालांड (प), बस्त्रई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायक्य प्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-4-1984 को पूर्वेचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इर्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एर्यमान प्रतिकाल से, एसे इर्यमान प्रतिकाल का एंक्ट प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिताँ (अंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतका, निम्मिलिवित उद्योख से उचत बन्तरण कि वित्त में बालावक रूप से किथत नहीं विज्ञा गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी भाग करें बाबत, उनसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करते या उन्नसे अपने में सुविभा के लिए; और/बा
- (क) एती किसी नाय या किसी धन या नव्य नास्तियों की जिन्हीं भारतीय जाय-कर जीभी नगम . 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभी नगम . या धन-कर निर्मातियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अन्तरण मों, मीं, अत्रत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के तथीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---25--416GI[84 (1) देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटे।

(मन्तरक)

(2) द्यी प्रविनाश रामचन्द्र घाटे ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना नारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन् के हिन्द कार्यवाहियां क<u>रता हो</u>।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओद ्---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की सारीक से 45 विभ की अविध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वनित ब्वारा:
- (क) इस तुमना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास विश्वत में किए या सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पदा है।

### अनुसुषी

पलेट 303 जो 3री मंजिल; श्रजित पार्क—की सोमवार बझार रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई—64 ं स्थित है।

श्रनुसूजी जैसा कि ऋम सं० श्रई-3/37ईई/7348<sub>|</sub> 83-84 श्रौर जो सक्षम पाधिकारो बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> एम प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 वस्बई

दनांक : 6-12-1984

**ंमोहर** 🖫 🔻

eran -

# प्रकप अर्घ टी एन एस

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रर्ड-3/37ईई/7307/83-84--ग्रतः गृसे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुकान नंव 6 जो ग्राउन्ड फ्लोर प्लाट नंव 1 एसव नंव 84, एचव नंव 1 से 5 मालवणो विलेज मालाड नंव (प) बस्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रमुस्ची, में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार ब्रुव्य, उसके द्रश्यमान प्रतिक्त से, एसे द्रश्यमान प्रतिक्त का चन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किती बाव की बावत, अक्त बिधिनयन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के लिए; ब्रीडि/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अजः, अक्त और नियम, कौ भारा 269-ण कै जनुसरण में, में पबल अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अक्षेत्र, निम्तिविधत व्यक्तियों, जनीत् क्र--- (1) मेसर्स भोन्याल बिल्डर्स ।

(प्रस्पर्क)

(2) श्रीमतः वर्डे अभ्या प्ररविद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या ततस्थन्त्री व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, जो भी अविधि मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि उपिक्त व्यक्तिया में से फिली क्यों क्यों क्या द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाल लिक्ति में किए वा सकने।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगसची

दुकान नं० 6 जो ग्राउन्ड फ्लोर, ब प्लाट नं० 1१ बेग्नरिंग एच० नं० 84, एच० नं० 1 से 5 विलेज मालवाणी मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

प्रनुमुची जैसा कि कम सं० शई—3/37ईई/7307/ 83-84 और जो सक्षम प्रांबिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सञम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) धर्जनः रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ड्ः टी. एन. एस.------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-म (1) के मुधीन स्चना

#### भारत करकार

श्रायां सहायकः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, ब्रम्बई ब्रम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/7308/83~84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर ब्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोर एम० नं० 84 एव० नं० 1 से 5, विलेज मालवणी मालाड (प) वस्वई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269क खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 2-4 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई हैं और मुम्हे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निनिवित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में बास्तिक रूप से किंग्त महीं किंवा गया हैं:—

- (क) बन्तहरू **ते हुई किती** शाम की बाबता, जनत विधिनियम के वधीन कह देने के बन्दरक के शाक्तिया में कमी करने वा उससे व्यवन में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी थन का अस्य आस्तियां को, किन्हें भारतीय जाय कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपप्रता (1) के मुधीन, निम्नीलीक्त स्यक्तियों अधीत :--- (1) सेमर्स श्रीस्वाल बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रंशे टीम हरोशचन्द्र ।

(ग्रन्तरितः)

ऋंग्रह स्थान बारी करके प्वॉक्त संस्थील के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समान्त हाती हो, के भीतर प्वांक्त स्थितयों मों से किसी स्थित इतिहा,
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उनत स्थादर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निरिवत में किए जा सकत्ये।

स्पस्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त बब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा

### नन्तुर्जी

दूकान नं० 1.जो ग्राउन्ड फ्लोर प्लाट पं० 1 एस० नं० 84, एच० नं० 1 से 5 विलेज मालवणी मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-3/37ईई/7308/8484-84 और जो सक्षम पाधिकारों बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की रजिस्टई किया गया है।

एम० घसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) श्रर्जन रेंज∸3 बस्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहरः

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.,------

नावकर सरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेज-3, अम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० म्रई-3/37ई/7027/83-84-मृतः मुझे, ए० प्रसाद

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० बी/102 जो 1ली मीजिल बिल्डिंग ला-चंपेल प्लाट नं० 51 वालनाय विलेज श्राफ मार्बे-रोड, मालाड (प), बम्बई-64 श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारों के कार्यालय में राजस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेदस्य से उक्त अन्तरण निम्निलिचत उद्वेदस्य से उक्त अन्तरण निम्निलिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निधिनियस के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व, में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) श्रेवी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बास्तियों को विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा खे किए:

जतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अभित् ि— (1) श्री प्रेमचंद एच० छाविया ।

(अन्तरक)

(2) श्री शेखर ग्रय्यर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविस्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्धी जौर पर्वो का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20 क में परिशादित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

#### अनुसूच

पसेट नं० बी/102 जो 1ली मंजिल बिल्डिंग ला-चंपेल प्लाट ं० 51 वालनाय विलेज श्राफ मार्वेरोाड मालाड (पश्चिम) वम्बई-64 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/7027/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 3-4-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम⊴प्राधिकारो ्स**हाय**क *भाय*कर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर ।

# इक्त बार्ड, दी, हर, हर, ---

# बावकर मीर्पनियम - 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के निपान सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/7392/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लेट सं० सी/13 जो गोकुल प्लाट सं० 47 भ्राफ मार्बे-रोड मालाड (प) अम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के धधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4~1984

्कां प्रांचित संपत्ति को उपित बाबार भूस्य से कम् के क्यामान् प्रतिफल को निए मंतरित की गई है जार मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से मुध्यम है बौर मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्का, निस्त्रितिक्त उप्योक्त के क्या बन्तरूच निविद्य में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) ज्ञान्य ने हार्च किसी जान की नास्त्र, उत्तर ज्ञानितिन्तु से ज्ञान कर वाने के कन्यहरू के स्थित्य जो क्यी करने ना सबसे दशने में सुविश्या के जिस्ह जोर/या
- (ण) प्रेमी किसी बाग ना किसी पन ना मून्यः नास्तिक्षाँ की जिन्दु भारतीय नाय-कर निर्मित्वस , 1922 (1922 का 11) ना उक्त निर्मित्यस , या धन-कर निर्मित्यस , या धन-कर निर्मित्यस , 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ नन्ति दिती बुवास प्रकट नहीं किया गया था ना किसा जाना जाहिए था , कियाने में सुनिधा हो निर्मा हो निर्मा

नतः मन, उनत जीधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उनत मिथिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्तिक व्यक्तियों, अधार्त :--- (1) मेसर्स एवरशाईन बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुवना चारों करनी पूर्वीक्त सम्मत्ति से मर्चन से सिद् कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

# उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकालन की तारीचा के 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म इंडाईन
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 बिन् के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबबुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरि के पांच किचित में किए वा सकेंगे।

स्थळके करण: ---इसमें प्रयुक्त कर्जा नीर पर्यों का, वा वसक विधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा भी उस सभ्याय में विश्वस भूता है।

#### **भग्तुची**

फ्लेट नं॰ सी/13 जो 4थी मंजिल गोकुल प्लाट नं॰ 47 श्राफ मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचां जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7392/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 6 \_\_ \_\_\_ मोहर :

# अरूप वार्दं.टी.एग.एस.------

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर काय्क्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

∙ निदेश सं० श्रई—3/37ईई/7340/83—84—–श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 2/12 केदारमल रोड रेघेन्यू विलेज आफ मालाड तालूका बोरिवली मालाड (पूर्व) बम्बई में में स्थित है (और उससे उपाबद्ध श्रनुमुक्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क ख़ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ती है तारीख 2-4~1984

को पूर्वोक्स संपरित के उमित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उमित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तिरणों, अर्थात :--- (1) भी मुरजीत तिह और भ्रन्य।

(शलरक)

(2) भारत श्रोवरसोज वैक लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

2/12 इनडिवाडेड शेग्नर इन वॅकन्ट लेन्ड किदारमल रोड रेप्रेन्यू विलेज ग्राफ मालाड तालेका बोरिवर्ला माल (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची: जैमा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/7340/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है.।

> ए० त्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर स्रायुक्त (तिरोक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 6-12-1984

मोहर :

प्ररूप नाएं, टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश मं० म्रई-3/37ईई/7382/83-84--म्रतः, मुझे, -ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं किमरा नं 332 मालाड नटराज मार्केट जो 3री मंजिल एमक वि शेष्ठ मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसपे प्रगाबद्ध श्रनमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारान्मा श्रायकर श्रीधितयम 1961 की धारा 269क ए, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, जिन्निलिखित उत्देश्य में उद्धा अन्तरण दिलिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) अभ्यारण से हुइ किसी आय की अवस्त, उक्स अभिनियत्र के अभीत कर दोने के अन्तरक के दासिस्व कों कभी करने या उससे अधने में स्विधा को लिए; आहु/आ
- (व) ऐसी किसी भाग या भग या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या जनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वर किया सातर वाहिए ना, कियाने के अभिना के सिए;

अतः अवः, जकः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपभारा (1) के अधीन, निस्नीलिखित व्यक्तियों, कर्णात् हु—— (1) श्रो हराण डां मल्होत्रा श्रौर श्रन्य।

(भ्रत्तरक)

(2) श्रांमती वसंसबेन ग्राय रहोगा।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्कार भारी करक प्राप्त सम्पत्ति के वर्षन यो सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रमुख्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथान 20-क में पीरशासत है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में शिया क्या है।

### अनुसूची

इंडस्ट्रियल बिसनेस प्रिमेसिस रूम सं० 332 जो मालाड नटराज मार्कीट 3री मंजिल एस० वि० रोड़ मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 ी स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई-3/37ईई/7382/ 83-84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की र्राजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्य ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

धिनांतः : 6-12-1984

मोहरः

# वस्य बाहुँ, द्रौ, युन्, एवं .------

# गायकर विभिनियम्, 1961 (1961 मह 43) महीं भारा 269-व (1) के ब्योन स्वता

### STATE PARTY

कार्यासय, तहायक नायकर नाय्क्त (निर्देशक)

श्चर्णन रेज-3, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं० शर्द-1/37ईई/7379/83-84--- स्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सदाम प्राधिकारी न्हें, यह विद्वास करते का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,050/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं क्लेट नं 702 जो "सी" विंग लाग चपेल को आपरेटिव हाउस्मि गोसायटी एवरपाईन नगर के बाजू में मार्वे रोड मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ज के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के द्वयमान वितिष्ठल के लिए बंसरित की गई है बोर मृक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके द्वयमान प्रतिष्ठल से, ऐसे द्वयमान प्रतिष्ठल का पन्तुह प्रतिश्वत से बिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम बाग गया प्रतिष्ठक, विभ्नतिष्ठित उद्वर्षण से स्वत्त अन्तरण के लिए सम

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अजीन कर दोने के बन्दरक के वर्तीवाद में कती करने ना सबसे नचने के वृधिका के किए; बहि/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया आना आहिये जा, कियाने में सिधवा के जिल्हा

नतः जन, जनत जीवनियम की धारा 269-ग में अनुसरण को, मी, उनत जीवनियम की घारा 269-म की उन्तार (1) को स्थीत, नियमित्रिकत व्यक्तियों, जवति :--- (1) श्रो जगदोश एस० डिगवानी।

(मन्तरक)

(2) डा० हराश सां० धिर ।

(भ्रन्सिरती)

को यह स्वता जारी काउने पूर्वोक्त सम्पर्टित् से अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी वविध बाद में सुपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है।

# STATE OF

पलेट नं० 702 जो "सो" बिंग ला-बपेल को० प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड एवरशाईन नगर के बाजू में आफ मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० स्नई-3/37ईई/7379/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस. ल - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के सभीन सुक्ता

### बारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० **प्रई-3/37ईई/7374/83-84--प्रतः**, मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य १८,०००/- ए. में शिधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 203 जो 2री मंजिल की विंग मार्ने रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को प्वांवत सम्पित्त के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथ पामा गया प्रतिफल्ज, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कु-

- (क) अन्तरण से हुई किसी काव की बाबता, उक्त शीधीनयम के अगीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अधिपारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों सथाति है—
26-416GI84

(1) मेसर्स मार० जे० बिल्डसं प्रा० लि०

(म्रन्तरक)

(2) श्री बी० फर्ताडी ।

(मर्सारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थितियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मध्यित में हित-वव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अजोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंने।

स्थव्यक्तिरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

फ्लैंट नं० 203 जो 2री मंजिल बी विंग झलैंटा प्लाट नं० 38 मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अई-3/37-ईई/7374/83-84 और जो सक्तम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधितारी सक्ष्यक आयक्तर आयुक्त (निरीधाण) श्रिजेन रेंज 3, बम्बई

विनाक: 6-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

क्षांधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक लायकर बायकत (मिरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, बस्त्रई
बस्त्रई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/7316/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर 'अधिनियम', 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 260-क के अभीन सराम पाधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

श्रौर ज़िसकी १० पलैंट नं० एफ/4 जो अरी मंजिल श्रीराम भवन मालवणों म्युनिशियल कालोनों के सामने मार्चे रोड मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीर्घानयम 1961 की घारा 269क ख के श्रवीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारोख 2-4-1984

की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीठिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह रिक्कार करने का कारण है कि प्रथाणुर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, समले उपायणा प्रीविप्त से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के प्रमाह प्रीतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय एया गरा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कारण में कारणीयक कम से अधिक तही किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किनायण ने ग्रंथी कर दोने के अन्तरक कें दाधितव में कमी करने या उससे बचने में सुविभाग के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-स्ता अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

शतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें. भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्रीराम बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलावाई जी० पांडूरंगी।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों से से फिसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **ंअनुसुची**

फ्लैंट नं० एफ/4 जो 3रो मंजिल, श्रीराम भवन मालवणी म्युनिसिनल कालोनी के सामने मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/7316/ 83-84 श्रीर जो लक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्रकृप, आहूर, दी, एन्. एसं. -----

आयक र अधिनिष्य , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुमना

#### भारत धरकार -

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश स० श्रई--3/37ईई/7303/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 4 जो आउन्ड फ्लोर वृदायन आफ एस० वि० रोड मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुरा्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रीधिनियम 1961 को घारा 269 है, खे के श्रीयान बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है तारोख 2-4-1984

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के रुपमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफे यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रुपमान प्रतिफल सं, एसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक छूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-निष्य के अधीन भर दोने के अन्तरक के दायित्व में की करन या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अगय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्षिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग क अनुसरक में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की इनधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मेसर्स पारेख ब्रास ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार जे० णाहा।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मित को कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृकंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- वद्ध किसी अन्य स्थाक्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकी ।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

प्लैट नं० 4 जो ग्राउन्ड फ्लोर यृन्दावन ऑफ एस० वि० रोष्ठ मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है। श्रृत्यूची जैसा कि कम सं० प्रश्-3/37ईई/7303/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🤚

प्ररूप. बाइ. दी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीत सुमना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निऱ्यीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्बंई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं० श्रई-3/37ईई/7326/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसादः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उथस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो ग्राजन्छ पलोर, संतोष नगर को० श्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, नरिसंग लेन, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिति जल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथुपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त वॉभिनियम के अधीन केंद्र दोने के अभ्वरक के वॉभिल्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिम के जिए;

करः करः अवस् अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कनीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीय :----

(1) श्री हरेश । टंकमदास ग्रहवानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गंगाधर बी० सोम, श्रीर श्री गंगाधर बी० सोम ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्मना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्नकां। ध्यावतवां वर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकायन की तारोत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट- यद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पाल लिकित में किए जा सकोगे।

स्मण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दा का, जो उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

### बन्यूपी

बुकान नं० 4, जो संतोष नगर, को० श्रापरेटिय हाउँसिंग सोसायटी नर्रासग लेन, मालाङ, (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/7326/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 6-12-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एसं.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

ग्रई-3,37ईई/7345/83-84--ग्रतः, मुझे, निर्देश सं० ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302 जो 3री मंजिल ग्रजित पार्क-बी सोमवार बझार रोड मालाड (प०) बम्बई-63 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ऋधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

2-4-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों क., जिहाँ भारतीय शायकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

(1) देश मखबिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० एम० मिर्झा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

फ्लैट नं० 302, जो 3री मंजिल, ग्रजित पार्क-बी, सोमवार बझार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/7345/ 83-84 और जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुनता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (विरोक्षण)

प्रजीत रेंज-3, बम्बई · बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० भ्राई-3/37ईई/7346/83-84--भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट सी० टी० एस० नं० 569, 569/1, 569/2 भाफ एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम-1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य स कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मूने, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के शीच एमे अन्तरण के लिए द्वर्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण निविद्य में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए,

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स पारेख ब्रास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिव्यलता एम० शाहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपक भी प्रकाशन को तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
  व्यक्तियों में से किमी व्यक्तियत द्वारा;
- (ख) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिकारण है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूखी

प्लाट सी० टी० एस० नं० 569, 569/1, 569/2 श्राफ एस० वि॰, रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/7346/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम श्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज - 3, बम्बई

विनांक: 6-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अन्युक्त (निर्क्षिण)

भ्राजीत रेंज-3, बम्बई वस्बई, दिनकि 6 दिसम्बर 1984 निदेश सं० भ्राई-3/37ईई/7343/83-84--भ्रातः, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फ्रींट नं० 1 जो 1ली मंजिल लिमूर्ति भ्राटेंमंट कुरार मालाड (पुर्वे). वम्बई में स्थित हैं (भ्रींर इसते उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) भ्रींर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ब के त्राप्तेन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल ने एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त . अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तर के दायित्व मीं कभी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिकी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) विलास विलायक लोटलीकर भौर भन्य । (भन्तरक)
- (2) श्रीपाद वि॰ लोटलीकर । (**प्रन्त**रिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यअहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

पलैंट नं ा, जो 1ली मंजिल, त्निमूर्ति भ्रपार्टमेंट्स, कुरार सी टी ० एस० नं 385, कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है।

प्रनुस्ची जैसा कि क्रम सं० म्रई-3/37ईई/7343/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयमस्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर:

प्रारूप आर्घ .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**म (1) के अभीन स्**चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक साथकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 75.000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० पलैट नं० बी 103, जो, 1ली मंजिल, श्रीराम टावर्स टेन्क लेन, ग्रोर्लेम चर्च के बाजू में , मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ष्मायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-4-1984

प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार गृत्य उपके रूथमान प्रतिफाल में, एंके रूथमान प्रतिफाल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/सा
- ंश) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयाँ कारे, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात:— (1) श्रीराम कल्सट्रक्शनस प्रा० नि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो चार्लिस राष्ट्रिग्ज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्यवंशी व्यक्तियाँ पर स्कान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबहुष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सक्ति।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रमृक्त शब्दों और पतों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

### वन्स्थी

फ्लैंट नं० बी-103, जो. 1ती मंजिल, ''श्रीराम टायर्स'' टेन्क लेन, ग्रोर्लेन चर्च के बाजू में, मार्ने रोड, मात्राड (पश्चिम), बम्बई-6.1 में स्थित है।

भ्रानुस्ची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/7338 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बाबई द्वारा दिनांक 2-1-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायत आयशर अयुक्त (किरीजण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर:

प्रकार नाहुँ हो हो पूर्व र **एवं** हा म व का म क

बायकर विभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

#### आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निवेश . सं० अई-3/37ईई/7011/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का काएण हैं कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, उचा बिल्डिंग, प्लाट नं० 1, विलेज मालवणी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारवामा आमकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीच 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार भूल्य से कम के स्वयाप प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मुक्य, असके स्वयमान प्रतिक स से, एसे स्वयमान प्रतिक का पेवह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के जिए तम पाया ज्वा पृतिकस्, निम्निसित्य द्वादोवय से स्वय जन्तरम जिल्ला से किए तम पाया वा प्रतिकस्त है किया गया है :---

- (क) जंतरण से दूर किसी नाथ की वायरा, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अधारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/वा
- (क) एसी किसी अस्य या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिराती देवाच प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, खिलाने में होनेशा के बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण की, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स भ्रोस्वाल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) डा॰ कुलकर्णी प्रकाश वालकनाथ । (अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कीई भी नाओंप 🚈

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नगीं मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति को भी अमीं साथ में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रपी

वुकान नं 9, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, ब्लाट नं 1, सर्वें नं 84, एव नं 1 से 5 सर्वे नं 85, एच नं 14 भीर 8, विलेंज मालवणी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7011/ 83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 6-12-1984

मोहर 🗄

# अस्य आहें हैं हो है हम पूर्व है

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) जी बचीन कुलना

### नाइव चडका

कायीलय, सहायक भाषकार जामूक्त (निरीक्तन)

अर्जम रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 विसम्बर 1984

निदेश स० अई-3/37ईई/7355/83-84-अतः मुझे; ए० प्रसाद

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसमे

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 11, जो, ग्राउन्ड पंलीर, मनाली बिल्डिंग नंव 1, प्लाट नंव 48, 49 ग्रीर 50, बालनाम बिलेज, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलात है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है तारीख 2-4-1984

को प्रॉक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान बतिषक्ष के निए जन्तरिती की गर्द हैं जीर मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार जुम्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल; से एते द्रश्यमान प्रतिफल का नम्मह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच् एसे अंतरण के लिए तय पाया जबा प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोष्य से उच्त अंतरण लिखित के बास्तिवक कम से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) जीवरण से होई 'किंची बाय की बाबव, उनव अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बादित्य में अभी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; जीव/बा
- ्रिक्षि । प्रहेसी विश्व कार्या किसी भर्ग वा किस आरितवीं की किसी आरितवीं कार्यकर की पीनयम , 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम , या धन-कर निधिनयम , या धन-कर निधिनयम , 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सृविधा विश्व विश्व

बत: अब, उक्त विधिनियम की भाग 269-न के, बनुतरण बो, बो, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) को अभीन. निम्निसिसिट व्यक्तियों, जभात :— (1) मेसर्स मनाली कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री युसुफ मोहम्मद निवास ।

(अन्तरिती)

ं को यह सूचना चारी कश्कें पृत्रोंक्त 'कव्यक्ति में वर्षन कें िसए - कार्यवाहियां शुरू कश्ता हुई ।

उनत सम्पत्ति के कर्पन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वमा की तामीन से 30 विन की अविभ, जो भी व्यक्ति नाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबच्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

दुशान नं 0 11, जो, प्राउन्ड पेलोर, मनाली निल्डिंग नं 0 1, प्लाट नं 0 48, 49 थीर 50, वालनाय विलेश, मालाड 0 (प), - बम्बई-64 में स्थित है 0

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7355/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर :

प्रकम् आहे । टीक्स्यन्तः एस् उत्तरन्तनस्य

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, विनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6981/83-84-अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक है

25,0007 - ले. स नायक ह

श्रीर जिसको सं दुकान नं 9, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, "धीरज
बिल्डिग", सो टो एस नं 347, मालाड (पूर्व), बम्बई – 64
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप
से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 2-4-1984
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास
करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल कर
पल्दह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उचत अन्तरण सि

- (क) बन्सएण से हुइं किसी बाव की बावत, उसक अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी: करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; बीए/याः
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के निए;

कतः हवं, उन्ते विभीनयमं की भारा 269-ग के वन्सरण को, मी, उन्ते विभिन्नमं की भारा 269-श की क्रभारः (1) को वजीन, निकालिक्षितं कवित्तमी, वभीत् ५--- (1) मेससं राहूल ट्रेडिंग कार्पोरेशन ।

(अन्तरकः)

(2) श्रो राधेम्याम भिमसारीया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के वर्जन के शिक्ष्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की व्यविध , जो और व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिकित में किए जा स्कांगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, जो, ग्राउन्ड क्लोर, "धीरज बिल्डिन", सी॰ टो॰ एस० नं० 347, मालाड (पूर्व), बम्बई--64 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/6981/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षन प्राधिकारो सहायक आयकर अध्युक्त, (निराक्षण) अर्जन रेज-**३ व**म्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर :

# इतेन नाहु दी पुन् पुन्न कार्यान व्यवस्थान

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सूचना

#### HIST SEPTE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० अई-3/37ईई/7356/83-84-अत: मुझे ए० प्रसाद

नायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं दुकान नं 2, जो, मालाड श्रंबिका को काप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गोविन्द नगर, मालाड, (पूर्व), बस्बई-97 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूषी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यलय में रजिस्ट्रों है, सारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिसत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचित उच्चेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरूज से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-निष्ण के बधीन कर बोने के बन्तर्क के दासिस्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। बार/वा
- (क) एंसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविभा के लिए;

बतः बदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीना क्षितिकित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री बालमुकंद सरजूप्रसाद तिवारी।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० के० दूबे ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं 1.

उक्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 2--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हो। 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्थान की दामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाहा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पाचीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### • **प्र**नुस्ची

दुकान नं० 2, जो मालाड ग्रंबिका को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, गोविन्द नगर, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूर्या जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7356/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→3, **बम्बई** 

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 1

# प्रकृष जार्बा दी, एन्। एस्,,,,,,,,,,,,,,,,,

शायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मुभीन सूचना

#### भारत चडकाड

कार्यान्य, सहायक नायक ए नायक (निर्धाम) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 विसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/7332/83-84-अतः मुझे,

बाबकहर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसर्वे इसके परकात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार नुस्य 25,000/- रा. से मुधिक है

भौर जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० 3-डी, जो पूष्पा चंद्रा, एस० वि० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी ्रेके कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्य सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाबाद्व मुन्य, जसके व्ययमान प्रतिकत से, एसे व्ययमान प्रतिकत का पच्चा प्रतिवत्त से स्थिक है और संतर्क (संतरकाँ) नीर संतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरुण के लिए तय पाया गया प्रति-कस भिम्मसिवित उनुबरिय से उक्त बंतरण सिवित में बास्तविक क्य वो कथिल नहीं किया गया है :--

- (क) बंबुह्म से हुन्दं किसी मान् की नान्तु, उनक अभिनियम् के स्थीन् कुद्र दोने के संबद्धक के दाबित्व में कमी कुरुने या उसने बचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्ही भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा भागाकिया पाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

**अस**् श्रव, उक्त मधिनियम कर्त्र धारा 269-ग की मनुसर्ख **ब**ै, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन । निम्मसिक्ति व्यक्तिव<u>ी</u>, जर्मात् 🕾 🖚

(1) मेसस धवल दुस्ट श्रीर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वतीवेन बी० पटेंस ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुै।)

उनक सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बांक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- '(बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विम के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुतिवर्ध होगा, जो उस्स वर्ण्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्रिमायसेस नं० 3-डी, जो पुष्पा चंद्रा, एस० वि० रोड, मालाड (पश्चिम), अम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/7332/

83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🕽

# इंक्ट बाहुँ हो हुन्। हुन्। हुन्।

नायकर विभिनियथ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से नुभीन सुम्बा

### भारत् प्रकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) 🗵

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7335/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निविद्यान' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन संभग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो 4थो मंजिल, मान सरोवर जंक्शन आफ एस० वि० रोड, गोविन्द नगर चिचोली मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारोख 2-4-1984

का पूर्वोक्त सम्मत्ति के उत्तित बाबार मूल्य से कम के ध्यमान मृतिफ क के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाबार मृत्य, उत्तके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का प्रतिकल का प्रतिफल का प्रतिकल का प्रतिक

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उच्या विभिन्नियम के अधीन कर देने के जन्मरक की वामित्व में कमी कुरते या उत्तते वचने में ब्रुविधा की जिल्हा कर्डि/वा
- (क) प्रेसी किसी नाव मा किसी नन या नन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नाय-कर निधनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वा, क्रियाने में सुविधा की विद्य;

बत्तक जब, संबद विभागियम की भारा 269-न के बन्सरण की, की उक्त विभागियम की भारा 269-न की उपभाषा ﴿﴿ إِلَّا عَالَمُ عَالَمُ اللَّهُ اللَّهُ عَالَمُ اللَّهُ اللّهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللَّ (1) श्री अशोक कुमार अग्रवाल।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती विमला श्रीमप्रकाश जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्

चक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सं केशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

#### क्यकर्ज

फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, मान सरोवर जंक्शन आफ एस० वि० रोड, गे।विन्द नगर, चिचीर्ला, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7335/-83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरं∶क्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

.दिनांक : 6-12--1984

मोहर :

श्रद्धप नार्व<sub>ा</sub> ट1्र. पुन<sub>ः</sub> पुत<sub>ः</sub>म-----

- जायकर जिभिनियम<sub>ां</sub> 1961 (1961 का 43) की भा<u>डा</u> 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत प्रकार

कार्यालयः, सहायक अायकर आयुक्त (निर्रोक्सण) अर्जन रेंज-3, वस्वई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7339/83-84--अत: मुर्झे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 26, जो, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट नं० 19.41 एस० नं० 85/5 91/1 मौर्जे मालवती डिस्ट्रिक्ट बोरिवला, वस्त्रई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है) श्रीर जिसका कराए। नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, खें के अधोन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वीक्त संस्पित्त के उचित काजार मूल्य से कंम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मुशापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक क्य से के बित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किली नाव की वावता, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्फ की दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बीड/बा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य नास्तिवाँ की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मेसर्स हैमल इंटरप्रायजेंस ।

(अन्तरक)

(2) श्री परोमल गुहा ।

(अन्तरिती)

की यह शूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करसा हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की कामील से 30 दिन की अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के हाजपत्र में प्रकारन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्थ किसी बन्ध स्थिति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20 का में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ को मा जो उस क्ष्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

पलैट नं० 26, जो, हेमल अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 19.41, एस० नं० 85/5, 91/1 मौजे मालवनी, डिस्ट्रिक्ट बोरिक्लो, मालाड, अम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं० अई-43/37ईई/7339/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मुक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 6-12-1984

मोहर:

# प्रकथ जाद् टि.एन.एच.------

ब्रायकर ब्रिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~2, बम्ब**र्ड** 

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7350/83-84--अतः मुझें,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक **हैं** 

मीर जिसकी सं० पीस और पार्सेल ऑफ लैन्ड सी०टी०एस० नं० 515-ए 128 म्युनिसियल असेसमेंट, नं० पी-3925-52, तुरेल पखाडी हाऊस, मालाड, धम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिश्वत में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वागित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- **ॅ(क्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों** को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भून-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रीवश्याके सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसितित व्यक्तियाँ, अर्थातः ---

(1) मेससे एम० एस० बदसे।

(अग्तरिती)

(2) श्री आर० डो० मिस्त्री।

(अन्तरितो)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी 🕏 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया पया **5** [1]

# अम्सूची

पीस और पार्सेल ऑफ लैम्ड सी०टी०एस०नं० 515-ए 128 म्युनिसिपल असेसमेंट नं० पी-3925-52, त्रेल पखाडी हाउस, मालाड बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-3/37-ईई/7350/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम ं प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख : 6-12-1984

मोहर।

### प्रकृत बार्ड . हो . एवं . एवं . ----------------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-व (1) के अधीन ब्याना

#### नारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश ्सं ० अई-3/37-ईई/7359/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-रः सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलज नं० 17, जो, 2री मंजिल, प्लॉट
सी०टी०एस० नं० 569, 569/1, 569/2, "वन्वावन"
बिल्डिंग, एस०वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित
है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत
है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
को धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्तों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के किसा और/का
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उभत अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28—41 6GI/84

- (1) मेस्सं पारेख वदर्स।
- (अन्तरक)
- (2) श्री जितेंद्र आर॰ पारेख।

(अन्तरिती)

कर मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद गें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पत्नैट नं० 17, जो, 2रो मंजिल, प्लॉट सों॰टी॰एस॰ नं॰ 569, 569/1, 569/2, वृंदावन बिल्डिंग, एस॰वि॰ रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० अई-3/37-ईई/7359/83-84 भौर जो सक्तम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बस्बई

**तारीख**: 6-12-1984

मोहर .

प्रक्ष बाइ .टी.एन.एस. ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 विसम्बर 1984

निवेण सं० अई-3/37-ईई/7391/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तके पश्चात् 'उथस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं फ्लैट नं 406, जो, 4 मी मंजिल, प्लांट नं ए, मालांड सुनीता कोआंपरेटिव्ह सोसाईटी, एस०वि० रोड, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिंगत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, डिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जीधनियम की बारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित् व्यक्तित्यों, जर्थात् ः— (1) श्री राजेंद्रप्रसाद अगरवाल।

(अन्तरक)

(2) श्री उमाशंकर मुरारका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्स्**ची

पर्जंट नं ए, मालाड सुनीता को-आपरेटिव्ह सोसाईटी, पर्लंट नं 406, 4थी मंजिल, एस०वि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूचा जैसाको क०सं० अई-3/37-ईई/7391/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984, को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 6-12-1984

मोहर 🤃

### प्रकल आहाँ. टी. एव. एवं⊴ -------

वायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

थम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-3/37/7304/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बिल्डिंग नृंदावन, आंफ एस०वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं जीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि संशापनॉक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थममान प्रतिफल से ऐसे स्थममान प्रतिफल का बन्धह प्रतिस्ति से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे बन्तरण के निए तब पावा नया प्रति-फल विश्वामितियां उद्योग्य से स्थल बंतरण किचित में बाक्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अप्तरण में हुई किसी जाव की बावत प्रवस्त की किन् नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और प्रा
- (क) होती विक्ती तान या जिली धन ना जन्म नातिवृत्तीं की, विक्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता वृधिनियम, ना धन-खर निधीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गुना भा ता किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुहिन्धा के लिक्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) मेसर्स पारेख बांस।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश जी० पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना <u>वारी</u> करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु<sup>न</sup> ।

### उनतः संपरितः के बर्जन के संबंध की कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश की वदिंश या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति इताय अधोहस्ताक्षरी की पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय भें दिया नवा है।

### ममुसूची

पर्लंट नं० 3, जो, ग्राउंड प्लोअर, बृंदावन, ऑफ एस०वि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई/3/37-ईई/7304/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनोक 2-4-1984 को रजिस्टढं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 6--12--1984

मोहर:

### मुक्त बार् क दीव प्रस्त पुरुष ----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थाना

#### तार्च संस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7389/83-84--अतः मुझें, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधौन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार ब्रह्म 25,000/- रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, प्लॉट नं० 16/ए, 2री मंजिल, क्लिंज वालनाय, जें०बो० कांलनी, भ्रोलेंम, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजांस्ट्री है, तारोख 2 अप्रैब 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण कि खित में वास्तिक एप से कथित महीं कि क्या गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त जीवनियंश के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- अर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुनियम के सिए;

अतः अव, उपत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुतिविक व्यक्तियों, स्थादि ह— (1) मेसर्स गलेन्डले इंजरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्रो खोड फर्नान्डोस ग्रीर श्रोमतो, जे० फर्नान्डोस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की बाराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नगुसुची

पलैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, प्लट नं० 16/ए, व्हिलेंज बालनाय, जेंबों० कालीनो, भ्रोलेंम, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि०सं० अई-3/37/7389/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 6-12-1984

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस्.------

सायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुमृता

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6957/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाणार मृल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 002, जो, ग्राउड फ्लोग्नर, बिल्डिंग नं० 5, कपाडिया नगर, सी०एस०टी० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 2 श्रप्रैल 1984।

को पूर्वोचन सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोचन संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, धक्त अधिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तस्ते वसने में सुविधा के लिए; अरि/ए॰
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, किया ने सृतिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४-- (1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहमद ग्रामन नूर मोहमद धियान। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परिक्ष के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत अधिनियम के अध्याम 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### वमुसूची

प्लैट नं० 002, जो, ग्राउंड फलोअर, बिल्डिंग नं० 5, कपाडिया नगर, सी०एस०टी० रोड, कुर्ला(प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० ऋई-3/37-ईई/6957/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🕆

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6958/83-84--म्रतः मुझे। ए० प्रसाव

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, कपाडिया नगर, सी०टी०एस० रोड, कुर्ला (पिष्टिम), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 ग्राप्टेल 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है जीर मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिशियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (४) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ निर्मिश्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, गी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधि, निम्निस्तिक व्यक्तियों, अधितः— (1) दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बद्दीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 302, जो, 3 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 8, कपाडिया नगर, सी०एस०टी० रोड, कुर्ला (पश्चिम), बम्बई-70 में स्थित है।

भ्रनुसूत्री जैसाकी क॰सं॰ भ्रई-3/37-ईई/6958/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्श किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🕾

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के मधीन सुचना

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्रोम इंटरप्रायजेस।

(1) मेसर्स स्विध्यान कन्द्रोल गिम्नर्स ।

(मन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/6922/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल युनिट सं० 20, जो, ग्राउंड फलोग्रर, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, विकोली (पिण्चम), वम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्षश्चनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 ग्राप्रैल

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से व.म के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य, से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की कावस, उक्त बिधिनयम से अधीन कर धने के बन्तरक से बायरण में कभी करने या उससे बक्ते में सुविधा से जिए; बहु/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कि विकास के कि की कि की कि की कि की कि की कि की कि कि की कि
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---हममे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### धनुसूची

इंडस्ट्रियल युनिट सं० 2, ग्राउंड फ्लोग्नर, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, विकोली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ॰सं० श्रई-3/37—ईई/6922/83—84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब $\mathbf{z}_{4}$ ई हारा विनाक 2-4—1984 को रजीस्त्रफं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बतः बन् उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बन्तरभ भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चिस व्यक्तियों, अर्थात् हि—

सारीख : 7-12-1984

भोहर 🖫

प्ररूप बाई . टॉ. एन. एस. '----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6920/83-84--- ग्रतः सुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० युनिट्स नं० 5, 6 श्रौर 1/2 यूनिट नं० 7, जो, श्रीयासिस इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-श्राप० हाउसिंग सोनाईटी लि०, वाकोला, साताक्र्ज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल ता पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों). और अन्तरिती (अन्तरिं त्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषच्यों से उक्त अन्तरण निमित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के जिल्ह; आहे/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रिधा के सिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधारत :---

- (1) श्री मध्दुल हुसैन दाउदअली मुल्लीक । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रशित जयंत कुमार मेहता। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के क्लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्च लिसित में किए जा सके थे।

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वर्स्ची

युनिटस् नंबसं 5 श्रीर 6, श्रीर 1/2 यूनिट नं० 7, जो, श्रीयासिस इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस कोग्राप० हार्जीसग सोसाईटी लि०, वाकोला, सांताक्ज (पूर्व), बन्बई में स्थित है।

अनुसूवी जैसाकी कर्लं प्रह्म-3/37-ईई/6920/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव<sub>.</sub> सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर:

प्रकृत कार्युः टी. एम्. एस्.-----------------

बायकप्र मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मधीन स्थान

#### HISO SEEDS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

· निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/7029/83-84-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, 2 री मंजिल, सी— विंग, बिल्डिंग नं० 2, णांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 श्रप्रैल 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अभ्वरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाप्वाँक्त संपत्ति का उत्तित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निभ्वाँसिक्त उद्दोश्य से उन्त बन्तरण जिल्हित में बास्तुविक रूप से कियत महाँ किया गया है है—

- (का) श्रान्त ने हुई किसी नाय की बावज, उपक् शीपनियम के बभीन कर दोने के बन्दरक के बायित्व में कभी कहने वा उपसे श्रुपने में सुविधा के बिए; बीट्र/स
- (व) ऐसी किसी जाप या किसी वृद्ध या अन्य जास्तियों को, विनहें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जीवनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के निए:

(1) मेसर्स निलम डेव्हलोपर्स ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जमंत वि० खोंमबोडिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणं: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया **है**।

#### जनसङ्गी

फ्लैट नं० 202, जो, 2 री मंजिल, "सी" विंग, बिल्डिंग नं० 2, शांती पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क०सं० श्रार्ह-3/37-ईई/7029/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर ध

प्ररूप बाई , टी. एन , एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7037/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका ेचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 11वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3 ई, दामोदर पार्क, एल०बो०एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है (और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 का घारा 269 क,ख के अधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वे क्स सम्पत्ति के उपित वाजार मृस्य से कम के क्रयंवाय प्रतिफल के लिए अर्कारत की गई है और मृद्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चन्त अन्तरण निमित में शस्तिकि लग से किथल नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्त्र में कमी करते था उससे बचने में दुविधा के लिए; जीर/या
- (ड) ऐसी चिन्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक्ष अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या पतकर अधिनियम या पतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए;

अतः भग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री देसराज अस्रोल।

(अन्तरक)

(2) श्रो एस०वि० खाडिलकर ग्रौर अन्य।

(अन्तरितं()

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिपाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

#### पनसर्ची

प्लैट नं० 1, जो, 11वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 3 ई, दामोदर पार्क, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी फल्सं० अर्ध-3/37-ईर्छ/7037/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज–3, वस्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 😗

प्रकप आहुँ हा . एत् . एस . -----

# भागकर मधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

#### बारतं हरकार

### कार्यास्य, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/7060/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर किश्विसम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके पश्चात उक्त मिश्विमम कहा गया हैं) की भारा 269-च के क्शीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित्र बाजार मृख्य 25,000/-रंग. से मध्यक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट न० 18, जो, 3 रो मंजिल, गगन विहार, प्लॉटम् नं० 13 ग्रीर 20, रिफल रेंज, घाटकोपर (पिश्चम), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च रेय से उच्च अन्तर्ण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरुष् वे हुई किसी बाय की पाय्तु, उनत निपित्यम् के नभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्य मों कती करने या उससे युवने मों सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अस: अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग की बनुसरक मों, मों, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती गांताबेन नानजी देढिया।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालजी पेरज सानशाला ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृथाँक्त सपात्त क अर्थन के सिह कार्यवाहियां कारता हुते ।

अबत् सम्पत्ति को क्ष्यंन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्ष्रि के पास लिकित में किए वा नकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विवा स्वा है।

### **प्रनुसूची**

फ्लेट नं० 18, जो, 3 री मंजिल, गगन बिहार, प्लाटस् नं० 13 श्रीर 20, रिफल रेंज, घाटकोपर (पिचमा), अम्बई— 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्लं अई-3/37-ईई/7060/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7—12—1984

मोहर:

### प्रकृषं बार्षः स्रीत्र्यनः एव त्रान्यवरण्यास्य

# मायक्तु मिरिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मुप्ति सुचना

#### शारक वहकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7091/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्परित, जिसका उन्तित नाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग स्टंन्डींग एट प्लाट नं० 189 भॉफ टी॰पी॰एस॰ 3, घाटकीपर, बम्बई-86 में -स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोरे पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को ब्वॉस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्शित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए सम पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखन उद्योद्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में दास्तिक क्यं से क्षित मृहीं किया नवा है

- (क) बन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण बों, बों, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) बों बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ≝— (1) श्री एम०एस० नारंग।

(अन्तरक)

(2) श्री कातालाल वि० ठक्कर ग्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्सध्वस्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितर दूवारा;
- (स) इस सूर्चना के राथपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकेंगे।

स्पष्टोक रण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में किया ग्या है।

## वन्त्यी

बिल्डिंग स्टॅन्डींग ॲट प्लॉट नं० 189 ऑफ टी॰पी॰एस॰ 3, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं।

अनुसूचः जैसाकी फ॰सं॰ अई-3/37—ईई/7091/83- 84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4- 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर:

प्रकर-भार्द्रिः दर्गिः एगः, एसः, ००० ००००

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-म (1) के वधीन स्वता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सक्षायक वायकर वायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7046/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गाणार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-3, जो, 2री मंजिल, सी० टी०एस० नं० 860 से 919, सांताक्रूज, बम्बई-55 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ब्रयमान प्रतिफल से एसे ब्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश से उक्त कन्तरण सिवित भे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से शुर्ष किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के तिद्य और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विभा के निष्ए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थत् :---- (1) मेमर्स गोल्ड कॉइन बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रामती मार्टीन्हा फर्नान्डोस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके वृत्रॉक्त संपत्ति के वर्जन के विष् ाहियां करता हुं।

क्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी मन्य व्यक्ति व्वारा मंभोहस्ताकारी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरण — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### नपूर्वा

प्लैट नं० सी-3, जो गोल्ड कवाईन अपार्टमेंट 2सरी मंजिल सी०टी०एस०नं० 860 से 919, व्हिलेज कोलें कल्याण वाकोला, सांतात्रूज (पूर्व), वम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसािक कि॰ सं॰ अई-3/37-ईई/7046/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर ६

प्ररूप नाह<sup>1</sup>\_ट<u>ी..एन..एस.</u> -------

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

#### नारत सरकार

### कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

नेदेण सं० अई--3/37--ईई/7207/83-84---अतः मुझे, मसाद

र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्धास करने का है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 00/- रु. से अधिक है'

जिसकी सं० पलैट नं० 5/ए, जो, मूनसुरत दर्शन, नौरोजि लेन, घाटकोपर (पूर्व), अम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण क्ष्प से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजोस्ट्री है, तारीख 2 अप्रेल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित का पार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पहें हैं और मूझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिश्ति उद्योवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दावित्य में कमी कड़ने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; आड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तिक. को जिन्हें भारतीय जायकार जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिभिनयम, या भन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्योचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया। या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्रोमती एस०एस० पारेख।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांताबेन के० पारेख।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपक्ष--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की खरीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनसङ्गी

फ्लैंट नं० 5/ए, जो, मूनसूरत दर्शन, नीरोजी लेन, घाट-कोपर (पूर्व), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकी कश्सं० अई-3/37-ईई/7207/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्वई

तारीख: 10-12-1984

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन., एस.,----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### प्रारव चंडकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निडाक्सण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/6876/83-84---म्रतः म्झे,

ए० प्रसाद

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1,10,11 और 12, जो, लिल नियास, देरामर लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीहरूी है, तारीख 2 श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितकल के निए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करते का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निलिखत उद्वेश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिबन्ध रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतपुरण से हुइ किसी जाय की वाबत्, जंबस्य अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहर/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नत्त्र, नथ, उनत विधानियम की भारा 269-ग की नमुसरण मी, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिन्नित व्यक्तियों, सर्थात ६(1) श्री लक्ष्मीचंद एच० कारानी।

(श्रन्तरक)

===

(2) श्रीमती चंचलवेन लालजी शहा।

(अन्तरिती)

(3) स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करुता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्द्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण ह—हसमें प्रयुक्त कब्बों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

### मनुसूची

फ्लैट नं० 10,11 श्रीर 12, जो, लिल निवास, देरासर लेन, तिलक रोड घाटकोपर (पूर्व), विम्बई-77 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-3/37-ईई/6876/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∸3, बम्ब**ई**

दिनांक : 7-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० प्रई-3/37-ईई/7198/83-84-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं पलैट नं 1, जो, ग्राउंड प्लोग्नर, श्री कृष्ण ज्योत बिल्डिंग, प्लॉट नं 105, गरोडिया नगर, घाट-कोपर, पूर्व, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क. अ के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 श्रप्रैल 1984

को प्रॉक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावतः, उपस अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूर्विका की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भतः वयं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण कें, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (१) कें वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लक्ष्मी सुन्नमण्यन् ।

(भन्तरक)

(2) श्री एन० भेर भोर सारीया और सन्य । (मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिपू कार्यवाहियां शुरू करता है।

सकत सम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत द पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पव्यक्तिष्ट्रण:--इसमें प्रयुक्त सब्यों भीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के,अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही.

फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोग्नर, श्री कृष्ण ज्योत बिल्डिंग, प्लॉट नं० 105, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाबि क० सं० श्रई-3/37- ईई/7198/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर:

प्रकृष भाषा हो । पुन ः एस . ५००-५००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्तिक) भर्जन रेंज-3, बम्बई

. बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/7189/83-84--- अत: मुझे, ० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर ज़िसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो, छोटालाल विला, पहली मंजिल, प्लॉट जी, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं। श्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 श्रप्रैल 1984।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से, उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चास्य था खिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण हैं, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-श की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नलि**ष्टित व्यक्तियों, अर्थात् ह—**30—416GI/84

(1) मेसर्स गेठ इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मा केशवन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरीं कर्फ पूर्वियस संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप ह—-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### अनुस्की

फ्लैंट नं० 101, जो, पहली मंजिल, छोटालाल विला, प्लॉट जी, ग्रमृत नगर, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०सं० ग्रई-3/37-ईई/7189/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज+3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🗯 🦈

प्ररूप आई.टी.एन.एस., ------

### भायकर मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, ब∓बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/7190/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, 3सरी मंजिल, प्लॉट जी, श्रमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 2 अप्रैल 1984।

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे अग्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण सं हुई किसी आय की वाबस, सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ अन्तरिती क्वारा अकट नहीं किया बया या किया बाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

बदः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसंस्क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्षान (1) मेसर्स शेठ इंटरप्रायजेस ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री जॉन डिमेलो ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

### व्ही शहू शहूबना चारों कहते वृत्तीयत् बुल्प्टिस् के वर्षन् के जिए कार्यवाद्वियां कहता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो धी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वर्ध्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नमस्त्री

प्लैट नं 303, जो, तीसरी मंजिल, छोटालाल विला, प्लॉट जी, ग्रमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-3/37-ईई/7190/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🛢

### प्रकल् भाष**्**ं टर्डि, एन् ः <u>एस्-----</u>

बायकष्ट विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 269-म् (1) के विधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निर्देशिक) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० म्रई-3/37**६ई**/7195/83-84---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रह. स आभक हैं
और जिसकी सं फ्लैंट नं 201, जो, दूसरी मंजिल, छोटालाश विला, अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2-4-1984
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्ण के लिए त्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण जिल्हित में
पास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है

- (क) जनसरण से हुइं किसी बाव की बाबत, जनस अधिनियम के बधीन केंद्र बोने के जनसरक को बाह्यित्व में कभी करवे वा उससे बुबने में सुविधा की जिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भून या मन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयु-कर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अस्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुन्धा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कों अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्ड— (1) मेसर्स शेठ इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिला नान्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवीं का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में विया गया हैं।

### श्रनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, बूसरी मंजिल, छोटालाल विला, ध्रमृत नगर, एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

प्रमुसूची जैसाकि ऋ०सं० ग्राई-3/37—ईई/7195/83—84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4—1984 को रिजस्टिं किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 7-12-1984

मोहर 🖰

**য়ক্ষ কার**িত তীত তুক্ত তুক্ত = ৪ চন্দ্র

भायकर वर्षभूतियम्, 1961 (1961 का 43) कर्ष भाय 269-मृ (1) के भूभीन सूचना

#### बादव ब्रह्मकुट

कार्यालय, सहायक आयकत् आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7197/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किंपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 103, जो, प्रभा, पहली मंजिल, 84, गरोडिया नगर, घाटकीपर (पूर्व), बम्बई—77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2 अप्रेल 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफ के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पुन्द प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नसिखित उक्षेत्रय से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया स्था है क्या वास्तरित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया से उक्त अन्तरण सिखत में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया स्था है क्या कर्तरण

- (क) वृत्यहुव हो हुई किसी नाय की बाबतु, उक्त वृधिनियम् के बधीनुकटु देने के अन्तुरक के वृद्धित्व में कमी कर्तने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के विष्;

बतक नवं, उन्त निभीनयम की धारा 269-ग के वन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च क्की उपधाय (1) के सभीन, निम्नलिकित स्यन्तियों, बर्धात प्र— (1) श्री पी०एन० श्रीधरन्।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एल० सुब्रह्ममणयन्।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के अर्थन के हैलए। कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

पलैट नं० 103, जो, प्रभा, पहली मंजिल, 84, गरी-डिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), अम्बई-77 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-3/37-ईई/7197/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 2-4-1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🖫

### प्रस्त वार्षः हो । द्वा एकः

वायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

#### भारत दरकार

### कार्यातव, सहायक भायकर नायुक्त (निट्रीक्सण) अर्जन रेंज--3, बस्बई

बम्बई विनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7183/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,009/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 1, जो, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल०बी०एस० मार्ग, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त बीधीनमम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बामिरण में क्यों करने ना उत्तसे वचने में सुविधा के सिए: बॉर/या
- (क) एरेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए;

सतः अव, उक्त सींधीनयम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त सींधीनयम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० सुयोग इंटरप्राईज।

(अन्तरक)

(2) सुरेश टी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कार्यो करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के कियः कार्यवाहियां शुरू करता हुं ाः

उक्त सम्पृत्ति को वर्जन को संबंध में काई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उनके अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

#### अनुस्ची

यूनिट नं० 1, जो, सुयोग •इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एल०बी० एस० मार्ग, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/7183/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहर 🕾

प्रकथ नाइ<sub>स्ट</sub>ेटी्., एन<u>ः</u> एस<sub>्करननसम्बन्धन</sub>

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश मं अई-3/37-ईई/7199/83-84-अतः मुझें, ए॰ प्रसाद,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लैट नं० 203, जो, दूसरी मंजिल, बी-विंग, हितेश अपार्टमेंटस्, असरफे व्हिलेज, घाटकोपर (पिष्चम), बम्बई-86 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोष्य से अक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन; निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेमुर्स कृती इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीदासन मातीलाखत ।

(भ्रन्तरिती)

के **यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प**ृति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उपत सम्परित के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर् स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगए जो उस अध्याय में दियः गवा है।

पलैट नं० 203, जो, दूसरी मंजिल, बी-विंग, हितेश अपार्टमेंटस्, असल्फें व्हिलेज, होम गार्ड पँव्हेलियन के बाजू में, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी फ॰सं॰ अई-3/37/7199/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984+० को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 7-12-1984

मोहर 🎨

त्रक्ष वाह<sup>\*</sup>.टी.एम्.एस<sub>.,-----</sub>

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के ब्राधीन स्माना

#### धारत् सरकार

### कायशिय, सहायक भायकार भायकत (निडिक्शिक) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37—ईई/7278/83—84—अतः, मुझे' ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षभ प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारंग हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 202, जो, छोटालाल विला, दूसरी मंजिल, प्लैंट "जी", अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई— 86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)। श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे दक्ते में सुविधा के सिए: और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों। अर्थात् ६—-

(1) मेससं शेठ इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रामर्ता स्ऐला कॅस्टेलिनो ग्रौर अन्य।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना जारी करके प्रांक्त सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हन्न-

- (क) इस स्पान के राजध्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित क्षे, बही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, दूरिो मंजिल, छोटालाल विला, अमृत नगर, घाट कोपर, वम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकी ऋ०स० अई-3/37-ईई/7278/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 7-12-1984

मोहुरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायंकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यासम, सहायक भाषकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/7230/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अचीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- रु. स बायक ह मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 131, आशा सदन को-आंप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धार 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी हैं कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उभित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से औंभक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्धा के लिए;

जतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रामतो दिवबाई गंगाराम साटटा। (अन्तरक)
- (2) श्री सुदर्शन कुमार आर० बाघू। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्धन के निष्ट कार्यवाहिया शरू करता हुं।

### उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्र**नु**नुची**

फ्लैट नं० 6, जो, दूसरी मंजिल, प्लॉट नं० 131, आशा सदन को-ऑपरेटिव्ह हार्जीसंग सोसाईटी लिमिटेंड, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क०सं० अई-3/37-ईई/7230/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्स प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बुम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-===

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/7228/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-4, जो, स्वामी लिलाशहा को०-ग्रो० हाउसिंग मोसायटी लि०, गार्डन लेन, घाटकोगर, बम्बई-86, एल० बी० एस० मार्ग, में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है, और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्मान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्म्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवाक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्त

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत उक्त सिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए: बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के कुलए;

अतः कव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 31—416GI|84 (1) श्री चन्द्र आर० खती ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरवनसिंह भगवानसिंह।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्लद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निश्चित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त किन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागीयत हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गुरु हैं।

### मन्स्यी

फ्लैट नं० बी-4, जो, स्वामी लिलाशहः को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37 ईई/7228/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बैम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायरक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर :

### प्रकद कहां, टी. धन्- एव.-----

बांबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/7236/83-84--ग्रतः मुझे. ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवदण करने का कारण हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं एलैंट नं 9 जो सिवा को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, धाटकोपर, वस्वई-86 में स्थित है ग्रौर इसमे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ग्रौर जिसका' करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वीकेत संपत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में वास्तरिति किक स्थ से किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अनसरण से मुर्ड किसी जाय की शायस, उपल्य प्रीधितियम के अभीन कर की के अन्तरक के बारियस्थ में कभी करने या उपके दचने में गरिवधा के सिद्ध; स्वीर/या
- (६) एंसी किसी प्राप्त या जिल्ली भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर लिथिनियम, दा प्रनक्तर लिथिनियम, दा प्रनक्तर लिथिनियम, दा प्रनक्तर लिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के निष्

सतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अमृसरभ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— (1) श्री बी॰ सी॰ मोरे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० राघवन् ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता गरी करक पूर्वीका सन्यान अर्न के लिये कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वासेष ह-

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः यद्व किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्रित में किए जा सकेंगे।

स्प्रकोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदा का, सा उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो, ाली मंजिल, सिबा को०-भ्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, भ्रमृत नगर, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/7236/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोहरु 🖫

### प्रस्य बार्ड .टी .एन .एस .----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिस+बर 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रठ. सै अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, 3री मंजिल प्लॉट जी, छोटालाल विला, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत

है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एच्चे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी नाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंबिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया याता चाहिए था, लियाने में भूविशा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ंैके के अधीन. निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स शेठ इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिलिप वसंत शिंदे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिलू कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपर में प्रकाशन की जारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संत्रीधी व्यक्तियों पर सूचना की जासील से 30 दिए की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (ल) इन यूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर अस्पत्ति में हित्यहे किसी अन्य व्यक्ति हारा, अक्षेत्रस्थाक्षरी के पाम लिखित में किये जा सर्वेत ।

हराष्ट्रीकरण ---इसमें प्रयुक्त कर्म कीर पत्ने का, जा उच्छा श्रीध-नियम के अध्याप १००५ में तुर्मणाधित है, वही प्रयं होगा, जो उने अध्याप में दिया गया है।

#### मनस ची

फ्लैट नं० 301, जो, 3री मेंजिल. छोटालाल विला, प्लाट जी, ग्रमृत नगर, घाटको र ब्रम्बई -86 में स्थित है। ग्रमुसी जैसा कि कम सं० ग्रई -3/3 रईई /7234/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-3, वस्वई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर 🛭

### त्रसम्ब सा**र्द**्ध द्वी<sub>य</sub> द्वन <sub>र</sub> प्रसू<sub>य</sub> व त - ---व

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की वधीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० भ्रई-3/37ईई|7229/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301; जो, 2रा मंजिल, प्लाट सा० टो० एस० नं० 2072 से 2075, सांतांकुज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वींणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269क, खे के श्रयोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त सीर्धानियम को जधीन कर दुने के अन्तरक के दीयत्थ में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए अहि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

स्थाः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण को, नै, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की अपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) मेसर्स बी० एच० कनस्टुक्शन कंपनी ।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री लारेन्स वाल्टर मेनेझिस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पृतित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील भे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी अधिपत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की नारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जा उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में पीर्भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनु सूची

पत्तर न० 301, जो, प्लाट बिश्रारिंग सी० टी० एस० नं० 2072 से 2075, सेंट चालिज कान्वहट स्कूल के बाजू में, वाजोला सांतांकुज पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि शम सं० श्रई-3/37ईई/7229/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3 बम्बई

दिनाक : 7-12-1984

मांहर 🖫

प्ररूप नाहै दी एन एस -----

(1) डा० एच० बी० होसकर।

(2) डा० हरीय पी० कटिरा ।

(भ्रन्तरक)

(अन्तरिती)

### नायक्ष र निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-धु (1) के स्थीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदंश सं० म्रई-3/37ईई/7219/83-84--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग "स्मिता" प्लाट नंव 72 टीव पीव एसव नंव 3, ग्राउव बोव मेहता रोड घाटकोपर (पूर्व) बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबंध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं (ग्रीर इसमें उपाबंध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं (ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क खंके ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-4-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं ग्रीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उनित्त बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं ग्रीर अंतरक (ग्रंतरकों) और ग्रंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित् उद्वेष्य से उसत जन्तरण निवित् में शास्तिक रूप से कियत नहीं किया प्या हैं "

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का धानत, उक्त निवस से भूषीन कह दोने के बन्तरफ के वासित्य में कनी कहने या अससे मुख्ने में बुल्या के सिए; और/या
- (थ) एसी किसी माग या किसी धन था अन्य अस्तियों कार्त, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनिश्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनिश्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धनोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा में सिष्

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी अरक्षे पूनां कत संगरित के वर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मारित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी स्वधि शब में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति हुनारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्श में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं है पास निवित्त में किए का सकींगे।

स्थाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो अवह मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विशा गया हैं।

### मम्स्ची

फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, विश्डिंग स्मिता, प्लाट नं० 72, टी० ी० एस० नं० 3, ग्रार० बी० रोड मेहता घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/7219/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1989 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सह्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर:

### 

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1)। के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7224/83-84--अत: ,मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- स. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, प्राउन्ड फ्लोर, निलकंठ कुटीर, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका कर।रनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरिक्टों) और अंतरिती (अन्तरितिट्टों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेखिल में बास्तिविक रूप से किंथत नहीं किया एवा है:—

- (क) अन्तरण **ये हुई किसी आय को धायत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मी कसी करने या जसमें बचने मी मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हेमंत वसंनजी छेडडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रार० बी० सुद्रहमण्यन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीयत सम्प्रील के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी काक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारोस हैं
  45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी से
  पाम लिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वन्द्रीकरुण :---इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जा जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं∘ 3, जो, ग्राउन्ड प्लोर, निलकंठ कुटीर को• ग्राप० हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड मरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बन्बई–77 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/7224/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायकर श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर :

प्ररूप बाह्र . टी. व्न . एस . ---------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

### कार्याचय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई-- 3/37हैं है/7203/83--84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सर्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4-बी, दामोदर पार्क, एव० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बर्ड-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपावछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में श्रेरिजस्ट्री है, सारीख 2-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) व तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम की अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

(1) पाउन इंटरप्राईज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रोझी डिभोजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

्दुकान नं० 7, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4-बी, दामोदर पार्क. एल० बी० एस० मार्ग, बाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम स० ग्रई-3/37ईई/7203/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक :: 7-12-1984

भोहर:

प्ररूप जाहरू टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/7233/83-84--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अञ्चात 'इयन अधिनियम' तद्धा गया है), की धारा 269 आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्ठौर जिसकी सं० पिसेस भीर पार्सेल श्राफ लेल्ड श्रॅट विलेज तिरंदाज, पवर्ड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-नामा स्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्त्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- धिक) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; और√या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र⊶

- (1) श्रीमती दूर्गादेवी शर्मा चेरीटेबल ट्रस्ट । (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म अगेगेला एसोसिएटस । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवर्गहमां कारता हो।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी सून्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया ही.!

### नगृत्वी

पिसेस श्रौर पार्सेल श्राफ लैन्डस श्रौर विलेज तिरंदाज ग्रौर पोवाली श्रोल्ड सर्वे नं० 34 (पार्ट) ग्रौर 46 (पार्ट) 42 (पार्ट) श्रौर न्यू सर्वे नं० 10 (पार्ट), 9 (पार्ट), ग्रौर 7 (पार्ट) 34 (पार्ट), 35 (पार्ट), ग्रौर 33 (पार्ट) पवर्ष। श्रमुस्ती जैसा कि क्रम सं० ग्राई-3/37ईई/7233/

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-3/37ईई/7233/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

मोहर् 🛭

प्ररूप नाइ ुटी, एन ुएस ुधन्य-भाग

शायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन संख्ता

#### प्रापुतः प्रदेशार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

बम्बहै, दिनांक 7 विसम्बर, 1984

निवेश सं० अर्ह-3/37ईई/7204/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और शिकी संस्या धुकान नं० 8, गो ग्राउंम पलोट, बी विग, बिफिडिंग नं० 4, दामोदर पाकं, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूणं रूप से विणत हैं) धारा 269क; खके अधोत बम्बई स्थित सज्जम प्राधिहारी के कार्यालय में रिजस्कों हैं, तारीख 2-4-1984

को पूर्वेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखितः उद्येष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कपित नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण ये शुरू किसी नाय की वावत, उपत विभिन्न के वभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य वे कनी करने या अससे वचने में सुविधा के सिए; वीर/श
- ग) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: शक्, उक्त अधिनियम की भारा 269-1 के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिकित स्वितिकों के सर्वाद् हुन्स 32—416GI[84 (1) पारुल इंटरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोसी डिसोजा।

(अन्सरिती)

को सङ्घ सूचना वारी करके पृत्रोंक्त सम्मृतित् के वर्धन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोद:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी न्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का महींगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रमृत्यी

दुक्शान नं० 8, जो, ग्राऊंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 4, दामोदर पार्क, एल० की० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बहैं –86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/7204/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

THE MERCHAN

विनांक : 7-12-1984

मोहर :

### प्रकम बाह्रें हो , एम . एस् .-----

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की नभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निवेश मं० **अई**-3/37ईई/7212/83~84<del>-</del>अतः मुझे ० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिस सं० फ्लैटनं० 4, जो, 8वीं मंजिल, विग—ई, बिल्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बीं० एस० मार्ग घाटकोपर (प), बम्बई—86 में स्थित हैं (और इंससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आवकर अधिनियम 1961 को घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्की है, तारीख 2-4-1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिप्तात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (कां) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ल्डर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वित: वन, तक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण कें. मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीरा, निम्तिशिक्ष व्यक्तियों, अर्थात हु----

(1) पाकल इंटरप्राईजेन ।

(असरक)

(2) श्री एमं० एमं० परेरा ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पव्हीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगुजुची

पत्नैट नं० 4, औ, 8वीं मंजिल, **विग-ई**, बिस्डिंग नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बा० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प) बम्बई--86 में स्थित है ।

अनुसूर्या जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7202/ 83-84 और जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रंजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई

षिनांक: 7-12-1984

मोहर :

प्रस्य नार्षः, दी., एनः, एकं.,------

नायकर जाभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7237/83-84-अतः मुझे ए० प्रसास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 315, जो हिल व्हयू इंडस्ट्रियल इंस्टेट, बिहिंडन "ईँ, विलेज घाटकोपर टर्फ, एल० बी० एस० मार्ग, बम्बई—86 में स्थित है (और इससे उपाषद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा अधकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार देने के अन्तरक के वायिएत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीष, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

(1) मेसर्स देवना केमिकल वर्कधं ।

(मन्तरम)

(2) श्रीमती जसवंती आर० दुषल।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कर्व्यों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यी

गाला नं० 315, जो, हिल व्हयू इंडस्ट्रियल इस्टेट, बिल्डिंग है, बिलेज घाटकोपर टर्फ, आफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), अम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7237/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्ट के किया मधा है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिजारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज-3, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

भोहर :

### प्रकप नार्वा दी एन , एस . -----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 189-व(1) क उत्तर सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 6-12-1984

25,000/- रतपए से **अभिक है** 

निवेश सं० अर्द-3/3 7 ६६/7127/83-84---अतः मुक्ते

ए० प्रसाद, बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पांचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विदेशास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

और जिस्तकी सं० फ्लैंट नं० 14, जो, 4थी मंजिल, अक्षय अपार्टमेंटस, गवाणपाड़ा, मुलुंड, (पूर्व) वम्बई—81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची से और पूर्ण रूप से विणित

है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पाया ग्या पतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गीध-विवस औ सभीन कर दोने के अंतर्द्रक के दानित्य में अभी करने वा उससे व्यने में स्विधा के सिए; बीड्र/वा
- (क) छ्रेसी किसी भाग या किसी भन या अस्य अस्तियों का, जिन्ही भारतीय बावक द विधिन्त्य, 1922 (1922 का 11) या उन्तर कार्यीन्यम्, या भन-कर विधिन्त्यम्, या भन-कर विधिन्त्यम्, 1957 (1957 का 27) के असेवनार्थ स्थारिती इंकरा प्रकट वहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियान में सुनिधा के किय;

बतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बभीन, निम्मलिखित स्थितियों, जर्थात ध— (1) मेसर्स अक्षय बिरुडर्स.।

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० रामचंद्रन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, वो उस वध्याय में दिवा गया है।

#### लग्स्य

पलैट नं० 14 जो 4थी मंजिल , अक्षय अपार्टमेंटस, गवाणपाडा मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है। अनुचनी जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/7127 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दि<del>नांक</del> : 6-12-1984

मोहर 🗯

प्रकथ कार्ड.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत करकार

# कार्यालयः, सहायक भायकर मागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निर्वेण सं० अई-3/37 **ईई**/7169/83-84:-अतः मुझे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैंट नं० 18, जो, 5थीं मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट, गवाणपाडा, मुलूंड (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अत्रान, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, ताराख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया सभा प्रतिफल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण जिलिक के बास्तिवक रूप हे किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुई किवी नान की गानतः, उक्त शिथिनियन के अधीत कर दोने के अंतरक के शिथित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, बिन्हों भारतीय अग्यकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रसोजनार्थ बंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

गतः अन, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) औं अधीम, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् म—

(1) मैंसर्स अक्षय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण एस० नार्वेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# जन्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्तुन्त

प्लैट नं० 18, जो 5वीं मंजिल, अक्षय अपार्टमेंट, गवाणपाडा, मंलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7169/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 6-12-1984.

प्रकृष भारी, टी : एन : एस :------

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

### कार्वासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/6827/83-84:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, जो, 2री मंजिल, ऋषभ दर्शन, प्लाट एस० नं० 74, सी ०टीं० एस० नं० 564, आफ 90 फिट वाईड डो॰ पी० रोड़, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अभिनियम के बभीन कर बने के बन्दरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अग्य-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था, कियाने में सविभा औ किए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- (1) मैं० अजय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें श्रीनिवासन्।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानित ब्यानित इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास तिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

#### नन्त्र्या

प्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, ऋषभ दर्शन, प्लाट एस० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564, आफ 90 फिट वाईड, डी० पो० रोड़, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/6827/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 6-12-1984.

माहर 🛭

# प्रकृष नाइं . दी . एन् . एच . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सञ्चायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984 निर्देश मं $\circ$  अई-3/37 ईई/8 $^{\#}_{}$  82/83-84:—अतः गुझे, ए $\circ$  प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फलट नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, मिठागर रोड़, फ्लाट नं० 96 (पी) सो० टो० एस० नं० 1070 मुलूंड (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे सहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के चिह; और/बा
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्त्रियोन में स्विश्व के सिए;

बत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन निम्बलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स वस्तु विकास मंडल ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजित वि० कुलकर्णी ग्रौर, श्री जय वि० कुलकर्णी ।

(अन्तरिती)

न्त्रं यह बुचना नारी करके पृत्रांचत कम्परित के वर्षम के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ध सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस ब्यान के रायपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जगिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अगिथ, वां भी अगिथ गढ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गवा है।

# श्रमुसूची

ं फ्लैट नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, प्लाट नं० 96 (पी) सो०टी• एस० नं० 1070 मिठागररोड़, मुलूंड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि के सं अई-3/37 ईई/6882/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3. बस्बर्ध

दिनांक : 6-12-1984.

मोहर 🔅

प्ररूप भार् .टी. एम. एस. -----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, बहायक भावकर वायक्त (विरीक्क)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बर्ड, दिनांक 6 दिसम्दर, 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/7153/83-84--अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- राज्ये से अभिक हैं

ग्रा: जिसको संबद्दकान नंब 17, 18, 21 ग्रीर 22, जो, बिल्डिंग नं० 1, भ्याम नगर, भांडूप (पूर्व), अम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रीर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, ताराख 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एोसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्सरितिवॉ<sup>-</sup>) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाव की वाबत, उपस अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी करने वा उससे अपने में स्विधा के जिए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब उक्त कथिनियम की धारा 269-ग में अनुसर्क बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🛋 अधीन, निम्मलिणित व्यक्तियों, वर्षात् 🖫

(1) मेसर्रो स्टार विरुडर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रां अनून एससें झवेरी ।

रितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुंदू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वामा को राजपत्र में प्रकाशन की तहरीय से 45 दिन की अथिप या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच सों 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर स**ण्यत्ति मे** हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पासकी।

स्पव्यक्तिहरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा आने उस अध्याय में विया गया हैं!

# ज़प्स च

वुकान नं 18, 17, 21 श्रीर 22, जो बिल्डिंग नं बी-1, श्याम नगर, सर्वे नं० 275 (पार्ट), सी० टी० एस० एस० नं० 657बी, भांडूप (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अन्भूची जैसा कि कम मं० अई-3/37ईई/7253/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 2⊸4–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है। ं

> ए० प्रसाद मुक्षम प्राधिकारी सहयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० अई-3/37ईई/7150/83-84अ-अतः मुझें ए० प्रसाद

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल इस्टेट युनिट नं० 216, जो, 2री मंजिल, रामगोपाल इस्न्डस्ट्रियल इस्टेट, जवाहर टाकांज के सामने, मृलुइ (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसेशा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 259क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रां है, तारोख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिविक्त उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिचित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- पुत्र) जनसरण से हुई क्रियी जाय की वाजसान उपय जिल्लाम के अभीन कर दोने के ज्यारक के वाजित्य में कानी करने का उपसे वचने में सुविधा ने लिए;
- एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए:

कतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 33-416GI84

- (1) मेसर्म श्रो अनंत काटन ट्रेडिंग कंपनी । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स झनजी भवानजा एन्ड कंपनी । (अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

जमत संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ध**नुसूची

इंडस्ट्रियल युनिट नं० 216, जो, 2री मंजिल, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट , जवाहर टाकीज के हसामने, मुलुष्ट (पिश्वम) बम्बई-80 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/7150 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मांहर :

**इस्त आंद**िटी <sub>य</sub> पून<sub>ार</sub> एस<u>ः</u> = = =

नायकर जाभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7175/83-84-अतः मुझें ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिस की सं० इंडस्ट्रियल माला नं० 229, जो, 2री मंजिल, रामकीपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० ,आर० पी० रोड़, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्को है, तारीख 2-4-1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का श्रीकत बाबाह मृल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (संतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर धने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तके स्थाने में सुविधा के किए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ अन्यद्विती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अव., उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थांत 🖫 — (1) संत प्रकाश सिंह बोहरा ।

(अन्तरक)

(2) बी व टो शोटी।

(अन्तरिती)

को यह भूभना बारी करके पृत्रांक्त कृत्युत्ति के अर्थन के कियु कार्यवाहियों करता हुई (1)

बक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें
  45 विश्व की जबिश ना तत्त्वस्थानी स्थ्रितकों पर
  स्वता की तामील से 30 विन की जबिश, को भी
  जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित
  व्यक्तियों में से किसी स्थित हुनाराह
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दितंबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी की पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पक्षाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

#### नगराची

इंडस्ट्रियल माला नं० 229, जो, 2री मंजिल, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० आर० पा० रोड़, मुलूंड (पिष्चम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7175/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🖫

# प्ररूप बार्ड. टी. एन . एस . ----====

# बायकर वृधिनिय्व ; 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के स्थीम सुवना

#### 

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7075/83-84--अतः मझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू, 25,000/-रू. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं दुकान नं बा-2, जो, "शांता" विल्डिंग मुलूंड हिल व्हय को० श्रोपरेटिव हाउसिंग सोसयटी लिमटेड, डा० आर० प्रसाद रोड़, मुलूंड (प), दम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसेका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 2-4-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया मृता प्रतिफल निम्नितिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण मिचित में शस्त्रिक क्य से कथित नहीं किया गया है:-~

- (कां) क्लारण चं हुए फिली जान की वानता, उनता लिभनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण के बादित्य में कनी करने वा उससे न्यने में स्विभा के लिए; बीए/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, गा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुनारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, से, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीर, निस्तिशिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् ;——

- (1) श्री हिम्मतलाल गुलाबचन्द गांधी । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती स्मिता किरीट दोषी ग्रौर किरोट चंद्रकांत दोशो । (अन्तरिती)

ों अहं सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए। र्यवाहियां सुरू करता हुं ।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (क) इस ब्रूचल के राज्यन में प्रकाशन की वारीख के 45 बिन के भीतर धक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनबुध हिक्सी बन्ध व्यक्ति इतारा नभाहस्ताकरी के पाद सिमित में किए या सकेंगे।

स्विधित्यः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों ज़रि पर्यों का, को सक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

दुकान नं० बी०-2, जी, "शांनी" बिल्डिंग, मुलुंड हिल टह्य की० श्रीपरेटिय हाउसिंग मीसायटा लिमटिंड, डा० आर० पा० रीड़, मुलूंड (पिण्यस), बम्बई में स्थित है। अनुसूचा जैसा कि क्रम सं० अई०/37ईई/7075/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, दम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सदाम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक (निर्राक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🖫

प्रकृष वाह्य हो , एन , एस , , -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7041/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा से विधिक है

ष्मौर जिसको सं० पलैट नं० बो-28, जो, हर्ष अपार्टभेंट, 4थो मंजिल, वयानो नगर, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, मुलूंड में श्मौर पूर्ण रूप से बणित है (श्मौर जिसेका करारनामा अगयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा हे, तारीख 2-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किशत नहीं किया गया है ;——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में स्विधा के क्रिए;

ं अतः वय उच्या विधिनयम की धारा 269-ग की अनुसरण कों, जों, अकत विधियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हिन्स (1) जयश्रो नारगयण केजार नाईक ।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतालाल गाडा ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### वनचंदी

फ्लैंट नं० बो-28, जो, 4थों मंजिल हुषे अपोर्टमेंट, पवानी नगर, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड़, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है

अनुसूचा जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7041/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह(यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक : 6-12-1984

मोहर 🕍

# प्रक्ष बाह्यं डी. एन. एस. ----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) को बभीन, सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकर (निरीक्षण) अर्जन रेज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1989 ^

निदेश म० ग्रई-3/37ईई/6932/83-84--ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

मायकर आंधांनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्रपिथकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-क. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लैट नं 1, जो 1, श्रिभलापा अपार्टमेंट प्रलाट बेर्झारग सी० टी० एस० नं 1466, श्राफ जे 0 एन० रोड़, मुलूंड (प) बम्बई-80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है ) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निम्नलि सित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण निम्नलि निम्नल

- (क) अन्तरण संहुर्व किसी बाय की बायत, उपत अभिनिष्य के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बुचने में सुधिभा के लिए; सरि/वा
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए⊯

शत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन. निम्निसिसित व्यक्तियमों. अभीन क्रम्म (1) मेसर्स मंत्री डेवेलपमेंट कार्पीरेणन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिला शिवराम ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पास के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिकाल में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं।

#### समसर्वे

फ्लैंट नं० 1, जो, 1,श्रिभिलाधा अपार्टमेंट, प्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एम० नं० 1466, प्राफ जे० एन० रोड़, मुलूंडज (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थिन है।

श्रनुभूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/6932/84-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को राजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद
. सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज~3, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

# इस्य नार्डें, टी., एम्., एस.,~ - क अन्तर

# नामकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर. 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई। 6826/83-84-- श्रनः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्ब 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल, ऋषभ भिष्म, फ्लाट नं० एस० 74, सी० टी० एस० नं० 584, डी० पी० रोड़, बम्बई-81 मुलूंड (पूर्व) में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित नाभार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वावत, उक्त स्थितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त जिभिनयमं की भारा 269 ग के अन्सरण काँ, काँ, उक्त अभिनियमं की भारा 269 म की उपभारा (1) को अभीन, निस्तिखत व्यक्तियों, अभात् उ— (1) मेसर्स ग्रजय बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रणांत जी० पाटील ।

(ग्रन्तिरती)

**ां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स** सम्पृत्ति को अर्जन को जिए अर्थवाहिया गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

श्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अभूस्ची

फ्लैंट नं० 9, जो 2री मंत्रिल, ऋषम प्राणिप, प्लाट एस० नं० 74, सी० टी० एस० न० 584, डी० पी० रोड़, बम्बई-81 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/6826ि 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड, किया गया है।

ए० प्रसाद राक्षम प्राधिकारी सहायक प्रत्यकर धासुक्त (निरीक्षण) श्रुकंत रेज-3, तम्बई

दिनांक : 7-12-1984

माहर 🖫

श्रुष्ट्रण गाइ , टी. एन् १६.-----

आयकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

्रकार्यालय, सङ्ख्या सायकार जाम्**नत (निरीक्न)** 

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दनांकः 7 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० श्रई-3/37ईई/6881---ग्रतः मुझे

कायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों जो, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित भाषार मृल्य 25,000/- रा. सं यभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, प्लाट एस० नं० 96 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 1070 (पार्ट) मिटानगर रोड़ मुलूंड (पूर्व) बम्बई 81 में स्थित है। (श्रौर इसने उपावड भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के किए तय पाम गया प्रतिक का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से अधित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी वाय की बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कें लए; और/धा
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों कहे, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अधीत धु---

(1) मेसर्स वस्तू विकास मंडल ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री शरद के० प्रभु।

(भ्रन्तरिती)

कार्य यह सूचना भारी कारके पृथोंकत, संपरित की वर्षन् को विद्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ए---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकपुष:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट न० 14 जो 3री मंजिल प्लाट एस० नं० 96 (पार्ट) सी०टी०एस० नं० 1070 (पार्ट) मठानगर रोड़ मुलुंड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई $-3_1 37$ ई $\xi_1 6881_1$ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

इसप बाह . टी. एन. एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक बायकार आयुक्त (निराधिशण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984 निदेण सं० ग्रई-4/37ईई/7178/83-84---ग्रतः मुसे ए० प्रमाव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- कि. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० युनिट न० 102, जो, 1नी मंजिल, राम गोपाल इंडास्ट्रेयल इस्टेट, डा० श्रार० पी० रोड़, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थिन हैं (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है। (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को श्रारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण विश्वित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी लाय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एंसी फिसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसर में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा कि अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, वर्षोहः—

(1) मेसर्स श्री साई इंडस्ट्रीज ।

(भ्रन्तरक)

(2) मारु फेमिली दुस्ट ।

(ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिसपू कार्यवाहियां करता हूं।

उमर सम्परित के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्त

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ठ स्वना की तायील से 30 दिन की अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (ख) इस सूचना क राजपण मो प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विकास हो किए का सकती।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्रत् अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नेन संची

युनिट नं० 102, जो, ाली मंजिल, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, डा० श्रार० पी० रोड़, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई -80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/7178/83-84 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1989 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकरं श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बई

विनाच । 7-12-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अर्ध-3/37ईई/6930/83-84-अतः मुझे ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्क अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव युनिट नंव 15, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, अशोक इंडस्ट्रियल इस्टंट, एनव बीव मार्ग, मुलूंड, बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) कि ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कथर्यालय में रजिस्ट्रों है, तारिख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सद्ध प्रतिकृत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्सविक रूप में कृथित नहीं जिया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के .िलए; बीड़/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने के स्विथा के लिए:

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अथाति —— ——406GI[84 (1) मेसर्स नोबल इंडस्ट्रीज ।

(अन्तरक)

(2) श्रः गोबिन्द सिंह टिटोलिया ।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करकें पृथींक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

समत सम्मितित के अर्थन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति हवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निकिस में किए जा सकते।

ह्वाक्टीकरण: ५समें प्रयंत्रस दृष्यों और पद्मां ता, जा उक्स अधिनियम के अध्यास 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा सुमा है।

# ं अनु**सूची**

युनिट नं० 15, जो, ग्रियान्ड फ्लोर, अधोक इंडस्ट्रियल इस्टेट, एख० बा० मार्ग, मुलूंड, बस्वई-80 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि कम सं० भई-3/37ईई/6930/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड कियाँ गया है।

> (ए० प्रसाद • सक्षम प्राधिकारः सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रमण आहें.टी एस एस ------ (1) केपार

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, वम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निर्देश मं० अई--3/37ईई/7141/83--84- -अतः मुझे ए० प्रमाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रा. से गिधिक है

श्रीर जिसको मं० माला नं० 42, जो नव नंदन इंडस्ट्रियल इस्टेट, रेली श्रोल्फ कंपाउंड के लामने, मृलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूर्च) में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 कः धारा 269क, ख के अधे न अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के बार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 2-4-1984

को पूर्वोगत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के निए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण ही कि यशापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजारे मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रश्रु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नितिसित उद्देश्य से उकत अंतरण जिल्हित ब वास्तियक रूप से किंगत नहीं किया नया है :—

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्विया में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसं किसी बाय या किसी धव वा बन्व बारिसकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त बाहिसियम, या धवं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा खें किए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत जिम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) केणसभाई नथभाई णहा ।

(अन्तरक)

(2) रविन्द्र अमरेन्द्रनाथ देव।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्मृति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र' भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रगृक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्र्या

माला नं० 42, जो, नव नन्दन इंडस्ट्रियल इस्टेट, रेर्ल। ख्रोल्फ कंपाउंड के सामने, मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/7141/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः सन्नायक आयकर आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन सेज—3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रक्ष भार्द, टी. एन्. एक्., - - - - --

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

# कार्यालय, शहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश मं० अई-3/37ईई/7215/83-84--अम: मुझे ए० प्रभाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ग. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकः सं० फ्लैट नं० ए∌, जो, अर∃हंत कपा,जंक्शन आफ पा० पा० रोड़ ग्रीर जावजा रोड़, मृत्रेड (प), बम्बई में स्थित है (श्रींप इन्से उपाबद्धअनुमूच, मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिलका कराएनामा आयकर अधिनियम 1961 क. धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारः के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, ताराख 2-4-1984 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इक्गमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रप्त प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्धेष्यों से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अल्लाक स हाई किसी बाय की बाबस, उसर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; अंदि∕या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा को निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) 🛋 अभीत् निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् 🗈

ورياعها فتعار فتهافها فيناه والمناه والمناهدة والمناف والمناف فتناه والمناف (1) आणापूरा बिल्डर्म ।

(अन्तरक)

(2) श्र7 दिनेश एल० ठक्कार ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिगित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमं प्रयावत शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया राया हो।

फ्लैट नं २ २4, जो, अराहत कपा, जंक्णन आफर घि० पीठ रोड़, और जीठ जाठ रोड़, मृतुष्ठ (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-3/37ईई/7125/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारः, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-१ सम्बर्ध

दिनांक : 6-12-1984

# त्रस्य बाह्र टी.एन.एस.,------

# नाथकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/6880/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर समित जिसका उमित बाबार मृस्य 25,000/- रू. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव यूनिट नंव 117, जो, रामगोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, 1ल. मंजिल, जवाहर टाकिज के सामने, मुलूंड (प), यम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप के विज्ञ है) श्रीर जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के का ङ्कालय में रजिस्ट्र. है, तारख 2-4-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शिक्षक के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रोतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उसत अन्तरण निचिक्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ह्ये अधीर नियसीतियत स्वितायों अर्थात:— (1) औं नरेन्द्र आर० ठनकर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जयपक इंडस्ट्रोज ।

(अन्तरिबी)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की सिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधः जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण: — इसमं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यूनिट वेजरिंग नं० 117, जो, रामगोपाल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 1 ली मंजिल, जवाहर टाकीज के सामने, मुर्लूड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-3/37ईई/6880/83-84 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 की रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्रस्प आर्दः टी. एन. एस. - - - ==

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### धाउँ सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेण सं० अई-3/37ईई/6919/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जो, 3री मंजिल, ऋषभ आशिश प्लाट एस० नं० 74, सी० टी० एस० नं० 564, मुलूंड (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारोख 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सह्रष्टं किसी आय की बाबच, जबस अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरितो इत्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत (1) अजय बिल्डमं ।

(अन्तरक)

(2) श्री बो॰ एच॰ खरात ।

(अन्तरिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 10, जो, 3री मंजिल, ऋषभ आशिश, प्लाट नं० एस० 74, सी०टी० एस० नं० 564, मुलूंड (पश्चिम), अम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/6919/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई दिया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

The transfer of the second

प्रकृष वार्षः वी. एन. एव.

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीभारा 269-च (1) चे अधीय स्पना

#### भारत सहस्राह

काथित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7064/83-84—अतः मुझें ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 21, जो संगीता, महा विपनेश्वरा को० श्रोपरेटिव हासिंग सोसायटा लिमिटेड, डा० आर० पी० रोड़, मुलैंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर डममें उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है ) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269क, ख के अधान मबई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारोख 2-4-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अन्तरिस की प्रतिभल के लिए गर्ख मुभ्हे यह विष्वास करने कि मथापूर्वाक्षित संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में नास्तविक रूप से काथित न्हीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी माय की मायस, उक्त निषमियम के अभीन कर दोने के सस्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के मिए; सरि/वा
- (ग) एसी किसी नार्य वा किसी भून या जन्य नास्तियों कहे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया अमा था या किया जाना याहिए था जिल्या से स्विधा के सिए;

अतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की अधीय क्रिक्टिविका व्यक्तियों, अभागत है— (1) श्रामतो एन० ए० बापट ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० रामन् ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वांक्स संपत्ति के वर्चन के जिल्ला कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हि-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध साद में समाप्त होती हो, के भीषर पृत्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो जस अध्यास में दिसा गया। हैं।

#### वन्त्रवी

महा विष्नेण्वरा को० ग्रोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 21, संगिता , डा० आर० पी० रोड़, मुल्ंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई $/7064/\sim$  83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेंज-3, बम्बई

अम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश मं० श्राई-3/37ईई/6810/83-84—श्रत: मुझे ए० प्रमाद

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उन्नस अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

23,000/- र. स जावका है और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो मधुरा रेश नगर को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बाबा प्रदम सिंह कास रोड, मुलूंड (प०), बम्बई-80 में। स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की श्रारा 269 कख के श्रजीन बम्बई स्थित सक्सम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-4-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षालय में रिजस्ट्री है दिनांक वे दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार उक्के ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान श्रीतफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक

है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच हो अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोक्य से उक्त अम्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी शाय की वाबत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के बाग्रित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निकासिकार व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. थी भवानजी वैलजी लोदया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीषभाई भिलाभाई जेथवा

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिस गया है।

### ननुस्को

फ्लैट नं० 3. जो मथुरेश नगर को-स्त्रापरेटिक हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बाबा प्रदम सिंह ऋस रोड, मुलुंड (पश्चिम) बम्बर्ड-80 में स्मिथ न है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० भ्राई-3/37ईई/6810/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रकप भाइ. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० ग्राई-3/37ईई/7159/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसं इरासे इसके पंच्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का बारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित गजार मृख्य 25,000/- रू. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 214, जो पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (पार्ट), सी० टी० एस० नं० 288, ग्राग्रा रोड, भाडूप (पश्चिम), बम्बई-78 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कस्ब के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वावन सपिता के उचित वाजार सून्य स कस के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार सूच्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पत्न गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्योग से उसके अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) करतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जो भने- कर अधिनियम, जो भने- कर अधिनियम, जो भने- कर अधिनियम, जो भने- कर अधिनियम, गिंग पांचित पांचित कर अधिनियम, गिंग स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचितिक व्यक्तियों. अर्थात :--- ा. श्री पी० एन कोठारी।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स थरभाषेडस् ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकाने।

स्वकटीकरण:—हसमें प्रयुक्त श्रुक्तें और पर्यो का, भो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

यूनिट नं० 214, जो पी० एन० कोठारी इस्टेट, सब नं० 200 (पार्ट), सी० टी० एम० नं० 288, प्राप्ता रोड, भांडुप, बस्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37ईई/7159/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बष्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

धिनांक: 6-12-1984

प्ररूप आर्दे टी एम एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० ग्रई/37ईई/7166/83-84--ग्रतः मुझे; ए॰ प्रशादः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 57 पहली मंजिल भांडूप विशाल इंडस्ट्रियल प्रिमाइसेस को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, व्हिलेज रोड, भांडूप (१०) बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-4-1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 35—41601184 1 कुमारी बीना एम० गांधी

(भन्तरक)

 शब्बी गुलामअली बगासारावाला और ` जाहर गुलामअली बगासारावाला ।

(श्रन्तरितीः)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ हुई करता हों।}

जनतः सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी कें
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### क्षां संस्थि

यूनिट नं० 57 जो पहली मंजिल भांडुप विशास इंडस्ट्रियल प्रिमाइसेस को-आप० सोक्षायटीं लिमिटेड, व्हिलेज रोड, भांडुप (५०)० धम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं आई-3/37ईई/7166/83-84 और जो क्षम प्राधिकारी बम्बहै द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6~12-1984

हिर 🛭

प्ररूप मार्दः दी ृएन .एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक ६ विसम्बर 1984

निदेश सं० आई०-3/37ईई/742/83-84---अतः मुसे ए० प्रसाद

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कार्ण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट तं० बी/201 जो 2 री मंजिल सौरभ अपार्टमेन्ट नहार व्हिलेज मुलूंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (घौर इससे उपाबड अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिजत है) धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकात के बन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनारण से हुई किसी आय की नानत, उस्त निध-नियम के नभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; - और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन करें अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम जारा 269-ग को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्हेलिसित व्यक्तियों, मुंधितः— 1. एसः एनः बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. पी० बालकृष्णत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्तत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो खक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्तुकी

फ्लैट नं० बी/201, जो 2 री मंजिल, सौरभ अपार्टमेन्ट नहार व्हिलेज , मुलूंड, (प०), बम्बई-80 में स्थित है। और जो भक्षम प्राधिजकारी अम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रचाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त ((नरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

विनोक: 6-12-1984

माहर :

प्रस्स भाइं, टी. एन., एस., -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सुजना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई-3/ 37ईई/7131/83-84—-श्रतः मुसे ए० प्रसाद

अग्रिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10. जो होम० श्राशीष बिल्डिंग 3री मांजल करतूरवा रोड. मुलूंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) (श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधी. बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मूफे यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि चित्र के स्वराधन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तहर वें हुई किसी बाव की बाबत, उक्त बृद्धिवन्य के अधीय कर बेने के बन्तरक के श्रीवत्य में कमी करने वा उससे बचने में सुन्धि। के सिए; भौड़/बा
- (ब) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए (१)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधींन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह=-- 1. श्रीमती रंजनलक्ष्मी एल० शेथिया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नलिन एम० शहा ।

(ग्रनिरती)

को यह सूचना <u>जारी करकें</u> पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् ह---

- (क) इस सूचना के उपज्यम में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रशृह ।

अनुसूची

फ्लैट नं 10. जो हेम श्रााशष बिल्डिंग, कस्तूरबा रोड. मुलूंड (पिचम) बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-3/37ईई/7131/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

विनांक 6-12-1984 मोहर: प्रकप् भाष् , दी, पुंच्य एक्य ====

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-म (1) के जभीन सुमना

#### भारत सरकाङ

# कार्यक्षयं, तहायक नायकड नायुक्त (रिनर्शक्षक)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 10 विसम्बर 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/6892/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मृत्य 25,000 र र से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 जो 4 थी मंजिल बी-विंग, बिल्डिंग, नं० 4 दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुचनी में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 1 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है बिनांक 2-4-1084

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कमा के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बनाइन वे हुन् किसी बाब की बावस्त, उपस् अभितिकृत के ब्योन कड़ वोने के नम्बद्धक के दायित्व में कसी कड़ने वा उससे वसने में वृष्टिया के निष्ठ; और/वा
- (क) एसी किसी नाव वा किसी थन या अन्य जारितयाँ को जिन्हें भारतीय नाय-कर निभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा ने लिए।

नतः अव, उनत निमिनियम की भारा 269-ग के अनुसदुभ में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिशित ज्योनितयों हैं। अभीन हि—

1. श्री जें बी बोमाडिया।

· (अन्तरक)

2. पारुल इंटरप्राइसेज।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त स्म्मित के अर्जन के निष्ट् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप हु--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्युक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (क) इस सूचना के सूजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पृति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्ष्यकरण :--- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पूर्वों का, को जक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा ग्या है।

#### जग्सू जी

प्लट नं ं 4, जो 4थीं मांजल, बी-विंग, बिल्डिंग नं 4, वामोदर पार्क, एल ्रंबी० एस० मार्ग घाटकोपर, (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं भ्राई-3/37ईई/6892/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांफ 10-12-1984 मोहर: प्ररूप जाह्रौ, टी .पुन .पुस \_=---±==

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, बस्बई
 बम्बई, दिनांक 7 दिसम्मेंर 1989

निदेश सं० **ग्रई**-3/37ईई/6808/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पिस श्रोर पार्सेल ग्राफ लैन्ड एट व्हिलेज कांजूर एस० नं० 689 प्लाट नं० 11, कांजूर को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड कांजूर मार्ग बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे पाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर जो पूण रूप से विणित हैं) ग्रीय जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 पूख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;
  - अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती सिंधु रघुनाथ रानाडे।

(ग्रत्तरक)

2. मैसस राज राजेश्वरी इंटरप्राइज।

(अंग्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्स्ची

े पिस श्रोर पार्मेल, श्राफ लैन्ड। एट्रं कांजूर व्हिलेज, एस० नं० 689 प्लांट नं० 11, श्राफ कांजूर को श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमटेड, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० आई 3/37ईई/6808/83-84 श्रौय जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई धारा विनांक 1-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 सम्बद्ध

विनांक : 7-12-1984 मोहर : प्र<del>क्</del>ष<sub>ा</sub> आह<u>ै.</u> ट<u>ी.</u> एन. एस्, - - - - -

1. सतीश भ्रार० रानडे ।

(ग्रन्सरक)

2. लक्ष्मीचन्द देवजी शहा और अन्य

(सन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 अम्बर्द अम्बर्द, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37ईई/6809/83-84—प्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रीय जिसकी सं ापसे श्रार पार्सल व्हिलेज, कांजूर कांजूर, को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में राजस्ट्री है विनांक 1-4-1984

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार अल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण सिविच से बास्तविक अप् से किया नहीं किया गया है क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अभिनियत्र के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सुभना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

#### मन्त्र प

पिस श्रार पार्सेल लेन्ड कांज्र व्हिलेज, एस० नं० 690, प्लाट नं० 65, श्राफ कांज्रर, को-श्राप० हार्जीसग सोउायटी, लिमिटेड, कांज्र मार्ग, ब

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं० ग्राई-3/37ईई/6809/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिनांक 1-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकरें श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : 7-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आईं, टी. एन., एस.,------

जामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन स्चना

#### TIME TANGED.

# कार्यात्तय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई०-3/37ईई/6845/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर "साई-श्रपार्टमेन्ट" एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्वई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से मुभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्नीतीयत सब्देशिय से उक्त अंतरण सिवित में शास्त्रिक कम दे कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरम से हुइ किसी नाय की वायत, उथल वीधीनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; जौर/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर व्यक्षिनियम, वा धनकर व्यक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रंबोकनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पाना चाहिए था, जिल्लाने को त्विभा के दिस्हा

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा ∑69-ग के अनुसूरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिस्स 1. महेश विल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री माल्लना पोस्साना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के जिए कार्यशाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्ः--

- (क)) इस त्यमा के राज्यम में प्रकाशन की ताड़ील थे.
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पृथ्वों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा जो उस अध्याय में दिशा गवा है।

# प्रमृत्यो

फ्लैट नं० 1, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, "साई ग्रपार्टमेन्ट", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

म्रानुसूची जैसा कि फ॰ सं॰ फ्राई-3/37ईई/6846/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 7-12-1984

# प्रकृष् बाह्", टो ् एन् , द्वर ्≒न्तरररण

# नायकाः निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वमा

#### भारत स्टकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई-3/37-ईई/7184/83-84—- अतः मुझे ए० प्रसाव

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको स० फ्लैट न० 402 जो 4 थी मंजिल साई प्रपार्टमेन्ट एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प०). धम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूना विश्व सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बूल्य, इसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती [(जन्दिरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया स्था प्रतिकत, निम्नितिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तरिक कप से कथित नहीं किया ग्या है क्ष्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनयम के सभीन कर दोने के अन्तरक औ ... बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बांद्र/या
- (ज) एसी किसी भाग या किसी भूत या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय कारकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियस, या भन्कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

बतः वधः, उन्त निधिनयम की धारा 269-थ के नमृहरण में, भें, उक्त निधिनयम की धारा 269-च की उपभारा (1) चे नधीनः निध्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह—् ा. महेश बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हर्षिता विनोद कुमार भट्ट।

(भन्तरिती)

क्रों यह सूचना बारों करके पृश्वें क्त् संपृत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्दु संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वासेष ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पृवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास्
- (क) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त संब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस बुध्याय में दिया गया।

#### Title of

पलैट मं० 402 जो, 4 थी मंजिल साई अपार्टमेन्ट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/7184/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया, गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3; बम्बर्ष

ंविनांक 10-12-1984 मोहर ध प्रकष नाह .टी .एग . यस .,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक सामकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० आई-3/37-ईई/7053/83-84—-ध्रतः मुझे ए० प्रसाव

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पिसेस धार पार्सेल्स ध्राफ लैन्ड्स अट पवर्ष छिहलेज सर्वे नं० 1 (ध्रांग) एस० नं० 3 ध्रीर 4 पवर्ष बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से ने विणत है) श्रीर जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) जसरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

. 1. श्री चन्द्रभान भुरमल शर्मा

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स धल्फा एसोसिएट्स, ।

(प्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यक्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अपितर में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पिसेस आर पार्सेल्स श्राफ लैन्ड ग्रट व्हिलेज तिरंदाज सर्वे नं । (ग्रंग) सर्वे न । 3 ग्रीर 4 सी । टी । एस । न । (18, 25, 26 (ग्रंग) 28, 29, 30 ग्रीर 31 (ग्रंग)। पबई ग्रादी शंकराचार्य रोड, पबई, जम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्राई-3/37ईई/7053/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-3 वस्बई

दिनांक 7-12-1984 मोहर: प्र**रूपः शर्दः, ठी**ं एतः एसः - - - - -

1. श्री चन्द्रशान श्री० सर्मा ।

(ग्रलरक)

2. ऋसेंडो एसोशिएट्स ।

(ग्रन्तरिती)

ंकायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीय स्थान

#### भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई-3/37-ईई/7057/83-84---- प्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० पिसेस आर पार्सेन्स भ्राफ लैन्ड एट व्हिलेज पबई श्रोल्ड सर्वे नं० 34, 35 (अंग) पबई बम्बई में स्थित है (भार इससे उपाब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को प्रेंकित संस्पति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान बित्क को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, असके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्राया ग्रया प्रति-कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ज़तारण से हुई किसी जान की नानत, उनत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक, क दायिरन भी कभी करने या उससे बचने भी गृविधा क निए, बाँद/जा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या बन्य जास्तियों कते, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्थिभ के रिवह:

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, जिस्सिनियत स्पक्तियों, अधीत्:— को यह सूचना जारी करके पूबाक्त सम्पात क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वान क राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध जिसी बन्य म्यन्ति द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए जा सकेंगे:

स्मब्दिकिरण :--इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया≮ गया है।

#### नन्स्पी

पिसेस ग्रीर पार्सेल्स ग्राफ लैन्ड एट व्हिलेज पबई बेग्नरिंग ग्रोल्ड सर्वे नं० 34 (ग्रंश) 35 (ग्रंश) न्यू सर्वे नं० 11 ग्रीर 12 (ग्रंश), पबई बम्बईमें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्राई-3/37-ईई/7054/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3. बम्बर्ड

विनांक 7-12-1984 मोहर : प्रकृप शहरे. टी. एवं. एवं.-----

# बायकाड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुबना

माराज सार्धार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० भाई० -3/37-ईई/7055/83-84——अत: मुझे ए० प्रसाद

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं पिमेस श्रार पार्सेल्स श्राफ लैन्ड एट पवर्ड, विहलेज, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका कर।रनामा। श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एती किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों का शिनहीं भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया या वा विध्या जाना चाहिए था, जिमाने जे सुविधा के निए;

बतः त्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, वो, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की विष्धारा (1) वे वधीन, निम्मितियस केटिक्तमिं अवित् वस्स 1. श्री हरीशचन्द्र सी० शर्मा

(अन्तरक)

2. मैसर्स क्लासिक एसोशिएट्स।

(भ्रंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण :---इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्वो का, जो उन्हें अधिनियम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होंगः जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

पिसेस एन्ड पार्सेल आफ लैन्ड एट पवई, बेमरिंग ग्रोल्ड सर्वे नं० 45 (ग्रंग) 44(ग्रंग) 39 (ग्रंग) 37 (ग्रंग), 38 (ग्रंग), ग्रौर न्यू सर्वे नं० 11 (ग्रंग) जिला ग्रौर सब जिला आफ बास्बे सिटी पवई बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से धाई-3/37-ईई/7055/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 2-4-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-३, बस्कई

बिनांफ: 7-12-1984

मोहरः

प्रारुप नाहै, टी, एन, एस,------

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्र प्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 दिसम्बर 1984

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 401 जो एस० बि० रोड़ लिलया, नगर बिल्डिंग नं० 1 गोरेगांव (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है विनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित च्यूचेय्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे वचने में सुविधा के निष्; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भाउतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, छिपाने में सुविधा से बिए;

बतः बनः, उन्त निधिनयम की भारा 269-गं के बन्तरण जें, में, उन्त निधिनयम की भारा 269-ण की उपभारा (1) कें अभीत, निस्तितिखा व्यक्तियों, अभित् ु---- 1. श्री एस० जी० जेसवानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० एस० कतारिया

(अन्तरिती)

को यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# ननुसूची

फ्लैंट नं० 401 जो बिल्डिंग नं० 1 एस० बी० रोड्; लिलया नगर गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई में स्थित है।

श्रनुषची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37-ईई/7602/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

विनांक: 7-12-1984

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-च (1) को स्थीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेण सं० ग्राई-3/37-ईई/7598/83-84--- ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

शासकार थिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पृति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सिंवस इंडस्ट्रियल गाला नं० 28 जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० जी० रोड गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 में स्थित है) ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है (श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तीवक इप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की बानस उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के इस्टिंग के कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्-/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हुं भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा भाहिए था, जियाने में सुनिभा के लिए;

बतः अव, उकत विभिन्यमं की भारा 269-गं को वनुसर्गं को अं, उक्त विभिन्यमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. गुंदेचा बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. प्रेसिशन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज।

(श्रम्तरिती)

न्त्रों बहु स्थाना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्पृतित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खंचे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (५) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

#### क्याची

गाला नं० 28, जो ग्राउन्ड फ्लोग्नर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० कि रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्राई-3/37-ईई/7598/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को एजिस्टर्ड किया गर्या है।

> ा० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-3, बम्बई

विनांक **। 7**∉12-1984 मोहरः वारुष् वार्ड <u>. टी . एन . एस . --- व्य</u>न्त्रव्यक्त

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० श्राई-3/37-ईई/7616/83-84----श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं गाला नं 108 जो सी- बिल्डिंग 1 ली मंजिल श्रेयस इंडस्ट्रियल इस्टेट भ्राफ वैस्टर्न एक्सप्रेस हायबे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची भें भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है दिनोक 1-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण में हुइ किसी अधिकी बाबल, उक्क अभिनियम के अधीन कर बाने के अन्दिस्क के बायित्थामां कमी करने या उससे बचनों में सुविधा के निद; बाँद/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें धारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया चाना नाहिए या कियाने में सुरव्या थें सिय;

जतः सव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभाराः (1) फे अफीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिति ः—— 1. श्री राजन कपूर। '

(ग्रन्तरक)

2. श्री नरेश भ्रोहरी भौर भ्रन्य।

(श्रन्तरिती)

म्बे बहु सूज्या जा<u>री कर</u>चे प्वस्तित सम्मतित में अर्थन में जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वयाकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### धर संची

गाला नं० 108 जो, सी बिल्डिंग 1 ली मंजिल श्रेयस इंडस्ट्रियल इस्टेंट, श्राफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-3/37-ईई/7616/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ाम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनोक 7-12-1984 मोहर:

# प्ररूप नाइं. टी. एन. एस. -==-==

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई-3/37-ईई/7617/83-84---श्रतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-स जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का क्षारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी में यूनिट ने 208, जो 2 री मंजिल गुरु गोविन्द सिंग इंडस्ट्रियल इस्टेट वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांच (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण एप से विणित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 2-4-1984

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूं अे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार श्रुप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वीने के बंतरक के दायिश्य में अभी करने या उससे गचने में सुविधा की जिल; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हूं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ॥— 1. श्री गोविन्ध के० वयनाती ।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स एम० जे० इंटरप्राइजेस।

(ग्रन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह,स्ताक्षरी के पास लिखित में दिये का सकर्ण।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया मृगा है।

#### नवस्यीं

यूनिट नं॰ 208 जो 2 री मंजिल गुरु गोविन्द सिंह इंडस्ट्रियल इस्टेट वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं० आई-3/37-ईई/7617/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, **अस्यई** 

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप बाह्", टी. एनः, एस.,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### पाउत सड्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>रंकिण)</u> अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई-3/37ईई/7618/83-84—श्रत: मुझे ए० प्रसाद

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० गाला नं० 47 जो 1 ली मंजिल किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० जी० रोड गोरेगांव (प), बग्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के के कार्यालय में राजेस्ट्री है दिसांक 2-4-1984

को पूर्वाक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषियों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क- बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. गूंबेचा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम १ वि० देसाई, ग्रीर अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्यांग असंहरताधारी के पाम निश्चित में किए जा सकों गे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **जन्**स्**यी**

गाला, नं० 47. जो 1 सी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांश, (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/7618/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा दिनांक 2-4-1984 को र्राजस्टर्फ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 7-12-1984

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस ------

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, धम्बई

बम्बहै, दिनांस 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7105/83-84---अन: मुझे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अभिक है

और जिस्की सं० फ्लैंट नं० 9, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, शिवपुरी, कालीनी, घेंबुर, नाला, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है जिसका करारनामा आधकार अधिनियम, 1961 की धारि 269 क्या के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रनिवाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नानिस्तित उददेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं न्किया गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविशा के लिए: आरि∕या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के** प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🖚 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

37-416GI|84

1. श्री शियराम खेम चन्द कुक्तरेजा।

(अन्तरम)

2. श्री बेहारी लालताराचन्द बजाज !

(अन्सरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स्ट 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदध लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पलैट नं० 9, जो 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, शिवपूरी कालोनी, चेंबूर नाम बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/7105/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांका: 10-12-1984

## प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/7086/83-84 -- अतः मुझे, ए० प्रकाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और फिंसकी सं० फ्लैंट नं० 602, जो "वैकुण्ठ" 357, लिटल मलवार हिल, सिंबी सोसायटी; चेंबूर, बस्वई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अित्यम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रें है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के. अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

1. श्री ओमप्रकाश तोलाराम।

(अन्तरक)

2. कुमारी आर० डीनयल :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं ० 602, जो "बैकुण्ठं" 357, लिटल मलबार हिल, सिंघी सोसायटी, चेंबूर बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7086/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्इ किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्ररूप आर्च, टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-अ। (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अ(ई-3/37ईई/7613/83-84--अतः मुझे) ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिञ्चाय कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

औ जिसकी सं० सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 43, जो , ग्ली मंजिल, बिरण इंडस्ट्रियल इस्टेट , एम० जं० रोड, गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसमें ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और लिसला का नामा अविदार अधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गयः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी श्राय की गाबत, उकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए। में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण र्क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. मैंससं गुंदेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरह)

2. जोराराम वि० देवासी ।

(अन्त**रि**ने/)

का बहु भ्षाना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियो शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

#### **मन्**स्ची

सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 43, जो 1ली मंजिल, जिएण इंडस्ट्रियल इस्टेटे, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प्रिचम) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूर्य। जैसा जि क० सं० आई-3/37ईई/7613/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपूरा 269-म (1) के अधीन सचना

1 गुदेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री बी० आर० पटेल

(अन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम ई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

ं निदेश म०अई-3/37ईई/7620/83-84~—अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अमित इंडस्ट्रियल गाला नं 0 48, जो 2री मंजिल, क्रियण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड,

गोरेगांव, (प०), वम्बई-62 में स्थित है (और इससे ज्याबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीत्मिल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है "

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किशी पन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से किए;

अशः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाप (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पर्ध्वीकरणः -- दसमें प्रयुक्त शब्दां और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसुधी

सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 48, जो 2री मंजिल, किरण इस्टेंड, एम० जो० रे।ड, गोरेगांत्र, (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूत्रो जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37ईई/7620/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को ् रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्ष्म प्राधिकारी 'सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रकृप बाहाँ, टी. एन. एस. - - ४ स्टन्स

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भाई-3/37ईई/7619/83-84—-प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सिविस इंडिस्ट्रयल गाला नं 32 जो 2 री मंजिल किरण इंडिस्ट्रयल इस्टेट एम० जी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधितियम, 1961 की धारा 269 कृष्य के श्राधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीत्मल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण निस्ति में कास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) बन्तहण ते हुइ किसी बाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः जव, उन्द्र जिथिनियम की भारा 269-य के अनुसरण मी, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अव्यक्ति ए— 1. गुंदेचा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. आशा इंडस्ट्रीज।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरण: — इस में प्रयुक्त शब्दों और पकों का, जो उकत अधिनिक्षम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 32, जो 2 री मंजिल किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनसूत्री जैसा कि ऋ० सं० ऋई-3/37ईई/7619/83-84-ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोहर 🖫

प्रकथ बाह्". टी. एन. एस. -----

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आक्रकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई। दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेश सं० भाई-3/37ईई/6977/83-84----भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/12 जो 1ली मंजिल, नालंदा बिल्डिंग नं० 2 बालनाय व्हिलेज, मार्बे रोड, मालांड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिश्वका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक, 2-4-1984

क्यों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्वंक्ति संपन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमितियम के अभीन कुए दोने के अन्तरक के शियत्य में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ कां\_ जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे किए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षा के अध्या मैसर्स क्विन्स पार्क ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो राजकुमार सी० तोलानी।

. (धन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध यें कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अवध किसी व्यक्ति व्वारा, त्रधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा मकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## **प्रनुसू**ची

फ्लैट नं० ए-12,जो 1र्ला मंजिल, नालंदा, बिल्डिंग नं० 2 बालनाय व्हिलेज, प्लॉट नं० 32, ग्रीर 33, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37ईई/6977/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984.

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-3, बस्बई
.
बस्बई दिनांक 7 दिसस्बर 1984

निदेश मं० यई-4/37ईई/6978/83-84-- ग्रन: मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26 - स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित आजार मृत्य 25.000 के से अधिक है

श्रीर जिसका सं० फ्लैट न० बी-61, जो 6वी मंजिल नालंदा बिल्डिंग नं० 1 प्लॉट नं० 32 श्रीर 33 बालनाय व्हिलेज मार्चे रोड मालाड (५०) बम्बई -64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 कल्ल के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में राजस्टी है दिनांक 2-4-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एक दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण नं हुई किसी आय की यावत, उत्क अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस सचने में स्विध। के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंडिंग्ली द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया गंवाया के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, राक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् ः— ा मैसर्स क्विन्स पार्क ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री केवलकृष्ण गुप्ता और ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिएका में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

फ्लैटनं० बी 61, जो 6 वीं मंजिल नालंदा बिल्डिंगनं० 1 ब्लाट नं० 32 श्रीर 33 बालनाय व्हिलेज मार्वे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/6978/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः, सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

प्रस्थ साइं.टी.एम्.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/6978/83-84 प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुप से अधिक हैं

25,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-14, जो 1 ली मंजिल,
नालंदा बिल्डिंग नं0 2 बालनाथ किहलेज, गार्झे रोड मालाड
(प), अम्बई 64 में स्थिति हैं। (और इससे उपाब द्व अनुसूची में
श्रीर जो पूर्णक्य से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर
श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984
को पूर्वोक्त संपत्ति के विणत बाजार मूस्य से कम के क्यमान
प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने
का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य,
उसके क्रयमान प्रतिफन से, एसे क्यमान प्रतिफन का पम्बइ
प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफन, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी साम की बायक, अक्ष्य अधिनियस की अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिक में कसी करने या उससे बचने में मुजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था खिपाने में रिविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. जर्थात ः— 1. मैमर्स क्विन्स पार्क ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० ए० शेणाय ग्रीर ग्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्सूची

फ्लैट नं बी-14, जो 1 ली मंजिल, नालंबा बिल्डिंग नं 2, फ्लाट नं 32 ग्रीर 33, बलनाय विलेज, मार्वेरोड, मालाड (पिक्सिम) बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/6978ए/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रोजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 7-12-1984

प्रश्य बार्धः सी. स्व. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८९-४ (1) के अधीन मुननः

#### भारत सर्करर

कार्यासम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6989/83-84--अन: मझे, ए० प्रसाद

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के बद्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उजित वाजार भस्य 25,000/- ७० से वाधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/101, जो रविराज अपार्टमेन्ट सी टी० एम० नं० 816, कास रोड, नं० 3, मामलतदार वाडी, मालाइ (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इस्मे उपा-बद्ध अनुसूर्च। में ग्रौः पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने क्का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिकी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पान निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में बास्तिक क्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिह्व में कमी करने या जस<sup>्य</sup> बच्च । सुविधा के लिख्**ः** बौर/या
- (च) ऐसी किसी आर्येया किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रश्चिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तं श्रिप्तियम, या धनः कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या भा किया आता चाहिए या, क्रियाते में स्बिक्ता के लिए :

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात्:--

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 1. रिव बिडल्सं ।

(अन्दरक्र)

2. गोविन्दजा राव जा भेडा ग्रौर जितेन्द्र गोविन्द जी गहा/ भेडा ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना वारी करको पुनाँक्तः सम्परित को नर्जन के सिप् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोड़ों भी जाओप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर् भूचनाकी तामील से 30 दिन की अमिप, मों भी **बवीध बाद में समाप्त होती हो, के भी**यर प्रवेशिया न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित∗ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी व पास लिक्टिमें किए का सकरेंगे।

क्रक्टीकरण:---इसमें प्रयक्त क्रक्टों और पढ़ों का, को उन्हर अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही कर्भ होगा को उस्स अभ्याय के दिस चना है।

## नन्स्ची

फ्लैट नं० ए/101, रिवराज अपार्टमेन्ट, सी० टी० एस० नं० 816, क्राप्त रोड, नं० 3, मामलतदार वाडो, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अन्सूची जैसाकि ऋ० सं०अई-3/37ईई/6989/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🐠

38-416GI|84

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

नक्ष्म्प्र न्युभिन्तिसम्, 1961 (1961 का 43) की गाउँ 269-थ (1) के नभीन सुबता

#### बारत सुरक्ता

कार्यान्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6990/83-84---अतः मुझे; ए० प्रसाद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/-रा. में लिभिक है

को पूर्वित सम्पति के उचित नाजार मृह्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थापृत्वित सम्पत्ति का उचित याजार मृह्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्मितिबिक सद्देषम से इसत अन्तरण जिल्डित में अप्तिक कर के किए तय पाया गया प्रति-

- (क) कर्यहरू के हुन कियी बाब की बाबत उनत अधि-नियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससी कच्छे मी सुविधा के जिला वीड/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म अपितारी की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयांच्याओं जन्तिरिक्षी स्वारा प्रकट नहीं किया गया चा सा किया जाना चाहिए था, किएाने में सुविधा के लिए;

जतः सव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथोंस्:— रिय बिडल्सं ।

(अन्तरक)

2. श्रः सत्य शामजः सवा।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके प्यापित सम्मिति के सर्चन के निर कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यितत्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि , को भी तर पूर्वेक्स अविकासों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी से पास लिसित में किस् जा सकारी।

शास्त्रीकरण --- स्मर्थ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिश भया है।

#### बन्स्की

फ्लैंट नं 0.0/202, जो रिवराज अपार्टमेन्ट, सो 0.00 एस नं 0.816, कास रोड, नं 0.3, मामलतदावाडा, मालाड (पश्चिम), बम्बई-0.6 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं • अई-37ईई/6990/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयेक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

प्रकृप बाह' टी. एन . एख . ---

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई-3/3.7ईई/7607/83-84--म्रतः मुझे,

ए० प्रहाद अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाबार कृष्य 25,000/- रुठ से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 13, जो 3रा मंजिल, बिल्डिंग नं० ई-3, जलिवि, की-आप० हाउसिंग सोउायटा लिमिटेड, बाँगू, नगर, एम० जा० रोड, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है दिनांक 2-4-1984

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान श्रीतफल से, एसे द्रियमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्या से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बेन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त बेर्डिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरिक के दिखित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; 'बार्चर/के
- ब) एसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रवितियम बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नथा धा का किया बार्ग की किया विकास की किया कि किया की किया की किया किया की किया की किया की किया की किया किया की किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री टी ए० पो० कृष्णमाचारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती स्नेहलता पी० लखोटिया।

(अन्तिरतः)

को यह सूचना जोरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविधन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रिकाशन की तारीहा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हिलबहुध किसी अन्य व्यक्ति (वारा अधोहस्ताक्षर) के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गंगा है।

## बहरा ची

पलैट न 13, जो, 3 रो मंजिल, बिल्डिंग नं० ई-3, जलनिधि को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, वांगूर नगर, एम जा० रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं आई-3/37ईई/7607/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

बरवक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं०,आई-3/37ईई/7593/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बादार मृत्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं गाला नं 31, जो 1 ली मंजिल, जय भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, दिनडोगी, विहलेज, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिक्रियम 1961 के धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में एजिस्टी है दिनांक 2-4-1984

को पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं तम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, जियाने में सूनिका के सिए;

नतः भव, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरक में, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुनिसिस व्यक्तियों, जुर्थात् ६—- 1. श्री भगवान स्वरूप अग्रवाल ग्रीर अन्य

(अन्तरक)

2. मैसर्स रानू विनटवेअर।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्फन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्याधितयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अकोंगे।

स्पटिकरण :---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा नया ही।

#### वग्युची

माला नं 31, जो 1 ला मंजिल, जय भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, दिनडोगो व्हिलेज, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि ऋ० स० आई-3/37ईई/7593/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-12-1984

मोहर 🛭

प्रकृष आहें., टी., एन., एस., ------

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक इ आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 विसम्बर 1984 निवेश सं० अई-3/37-ईई/7606/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,0007 - रा. स का पक हु
और जिसकी सं० पलैट नं० 12, जो, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग
नं० एल-4, लक्ष्मी रामन को-आप० हाउसि सोसायटी लिए,
बांगूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई -90 में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से बिलित
है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 न, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राप्धकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्नेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में केनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (न) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में मैं. उक्त विधिनियम की धारा 2019-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिबत व्यक्तियों, वधात् :--- (1) श्री एन० पी० पुजारी।

(अन्तरम्)

(2) श्रीमती विमला देवी एस० दुगड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ" भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी करां 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- . (क) इस सूचना के ग्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### वन्स्य

प्लैट नं० 12, जो, दूसरी मंजिल, बिस्डिंग नं० एल-4 लक्ष्मी रामना को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बांगूर नगर, एम० जो० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/7606/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किना गना है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी: सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

मोहर 🛭

## प्रकार वार्षे . दी . एत् . एक् , प्रकार

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### शाह्य बहुकार

कार्यात्य, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, विनांक 7 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7013/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात् 'उन्त निर्मियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रा. से सिक हैं

और जिसकी सं पलैट नं बी-72, जो, 7 वीं मंजिल, बिल्डिंग नं 2, प्लाटनं 32 और 33, वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है),/और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सर्वेत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कुमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना पाहिए था। कियाने में सुनिधा के लिए;

मतः मदः, उसत् विभिनियम कौ भारा 269-ए कै सन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मेक्स क्विन्स पार्क।

(अन्तरक)

(2) श्री निराज गुप्ता और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## सनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध मा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध माँ समाप्त होती हो, जे भीतर प्रवित्व स्थायन्त में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ट्राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हिट्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय १०-७ मा प्राप्तिपत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगए गया है।

#### मन्स्ची

पलट नं बी-72, जो, 7बीं मंजिल, और एक बन्द गैरेज, नाल दा बिल्डिंग, नं 2, प्लाटन नं 32 और 33, वालनाय विलेज, पार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से० अई-3/4/37-ईई/7013/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 2-4-1984 को रिजिस्टर्ड किया गैया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज -3, बम्बई

विनांक : 7-12-1984

प्रकृप आहे .टी. एवं .एस .----- (1) रखि विल्

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (69-क (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37/ईई/6991/8**3**-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं:

और जिल्लको सं० पनैट नं० ए/201, जो, रिवराज अपार्टमेंटस, सी० टी० ए..० नं० 816, कास रोड नं० 3, मामलतदार वाडी मालाड़ (प), वस्बई-64 में स्थिन हैं (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से विभाग हैं), और जिसका क्यारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन वस्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में यिनस्ट्री: हैं, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस्तः बिधिनयम के जभीन कर देने के बन्तरक के दासिश्व में कभी करने या उसम इचने में मृष्टिश। के निए; और/या
- (थ) एसी किसी आय वा किसी थन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थिक व्यक्तियों, स्थान्छ

(1) विष बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री गागजा पासू देखिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

च अस संपत्ति को अर्जन को संबंध में काहे भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख री 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्भी

प्लैट नं० ए/201 जो, रिवराज अपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 816, श्वास रोड नं० 3, मामलतवार घाडी, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैक्षा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6991/83-84 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-3, बम्बई ।

दिनांक : 7-12-1984

मोहर 🕹

अक्न बाइं. टी. दन. एव.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकात

## कार्याल्य, सञ्चायक माय्कर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/7843/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परकात् 'छक्त अधिनियम' कहा प्रमा हैं), की पारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गाला नं० 45, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एंम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में बणिन हैं), और जिसका करारनामा अध्वक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांव 2-4-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह इतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देषमों से उच्द अन्तरण निसित् वो वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (तर) मन्दरण से हुई किया बाव की बावस, स्वयं अधिनियम के अधीन कर दोने के बनारक के बायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के लिए। बीड/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अच्य वास्तिकों को जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनते विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ वन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया विधान में व्याचा के हिस्स;

मतः जया, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियय की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निष्निसित्तत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गुदेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रेजी मैथ्यू जेकब, और अन्य।

(अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्तींक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सन्:--

- (क) इत् स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विनृक्षी वर्गीय या तत्वस्थानी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां?
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष् भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त खक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवं गया है।

#### वनसंची

गाला नं० 45, जो, ग्राउण्ड पलोअर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई--62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करुं सं० अई-3/37-ईई/7853/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद क्षमा प्राधिकारी सहायक आयकर आयम्त (निरीक्षण) अर्जंग रेंज-3, बम्बर्ड

विनांक : 10-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भाषधार मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

आर्थे कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-3, बम्बई

वस्षई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० अई-3/37-ईई/7844/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं माला नं 46, जो, पहली मंजिल, लिएण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्टी है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए कन्तिरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की धावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए:

सतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक चें, में: अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निमित्रिक व्यक्तियों, अर्थात् :----39—416GI|84 (1) मेसर्न गृंदेना विल्डर्स ।

(अन्दर ४)

(2) भिमर्जा भाई मी० पटेल

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहश्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

माला नं० 46, जो, पहली मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोइ, गोरेगांव (प), वस्वई-62 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ई-3/37-ईई/7844/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

## प्रस्य नार्षं .टी.एन.एस. \*\*\*\*\*

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन स्थाना

#### भाउल् खरकार

कार्यालय, महायक <mark>आयकार आयक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निर्वेश अई-2/37ईई/7843/83-84--अतः म्झे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपतित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल माला नं० 49, जो, दूसरी मंजिल किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प). बम्बई—62 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्धास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे. अंतरण के लिए तथ पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में विस्नविक हुए में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, जनन शीधिन्यत्र को सधीन कर दोने को जन्तरक को गाजिल्ब में काली करने का सस्मी बचने में स्थित। को लिए; बार/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या जिस्सा जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, एकन अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिख स्थितियों, अर्थीत्:— (1) ग्देचा बिल्डर्स ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती कंसूबाई एल० पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्स सपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सास लिखिन में किए जा सकोंने।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

माला नं ० 49 जो दूसरी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट एम जी । रोड, गोरेगांत्र (प), बम्बई – 62 में स्थित है । ग्रनुसूची जैसा कि का सं ध्रई – 3/37-ईई/7843/83 – 84 ग्रीर जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🐠

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भागकर व्योभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

काथितिया, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रंज-3, वस्बई

बम्बर्षः, दिनांक 10 दिसम्बर् 1984 निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/7854/83-84---प्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 50 जो, दूसरी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राधकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1984 का पूर्वित सम्परित से उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके खश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🖫 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) धरे प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया आना चाहिए था, छिपान में स्विधा के रिएए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ३—- (1) गुंदेचा बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मकाभाई एम० पटेल और श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के बर्जन को निए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति महिला के स्वार्थ में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त पाय्वां और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में विका गया है।

## अमृस्ची

माला नं० 50, जो, दूनरी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/7854/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4→ 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

प्रकथ नाहाँ, टी. एत. एवं.------

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7855/83-84--प्रतः सुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीय जिसकी सं० यूनिट सं० 18-ए, जो, विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम ाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्शोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनारित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्ष य से उक्त अन्तरण कि बित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी आयं की बाधतः, उनतं अभिनियमं के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिरज में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सीरिकः के सिए;

कतः कव, उक्त अधिरियम, की भारा 269-म के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितारों अर्थात् :---

- (1) प्रेस पार्टभ एण्ड कम्पानेंट कम्बाइण्ड । (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स क्रिएणन श्ररोमेटिक्स । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षप ⊱ 🕐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के गब् जिस्त में किए वा सक्तेंगे।

## **मन्स्**भी

यूनिट मं० 18-ए, जो, विरवानी इंडस्ट्रियल इन्टेट, वेस्टनं एक्सप्रेस हायवे, गोरेगांव (पू०), बम्बई-63 में स्थित है धनुसूची जैसा के ऋ० स० प्रई-3/37-ईई/7855/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बम्बई

विनांक : 10-12-1984

प्ररूप बाह .टी.एन एस . -----

कायकार अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### शारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बग्बई

बम्बई, दिलांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश मं० श्रई-3/37श्रईई/7852/83-84--श्रतः मुझे ए० प्रमाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधि ं गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राायकार। का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और मिजकी मं० गाला नं ० 5 7, जो दूसेरी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इसमे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री में है, दिनांक 2-4-1984.

को पूर्वोक्त संपरित के उण्यित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में कास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के मिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) मेसर्स गुंदेचा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) चेलाभाई एम० पटेल श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के कर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रांबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिस में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

## जन्सूची

गाला नं० 57, जो, दूमरी मंजिल, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी० गोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है। अनुसूर्च। जैसा कि ऋ० स० ऋई-3/37-ईई/7852/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-३, बम्बई

दिनांक : 10-12-19'84

त्ररूप बार्च, टी. एप. एत.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 210, जो, मालाड शापिंग सेंटर एस० वि० रोड, मालाड बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुस्ची में श्रीर पूर्णक्ष्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण जिन्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी आय की शायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने भें मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1002 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीरः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) श्रीमती एस० एम० अग्रवाल ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० एच० दोशी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4/5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### बन्स्की

दुकान नं ० 210, जो, मालाड शापिंग सेंटर, एस० वि० रोड मालाड, बस्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37ईई/7293/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-12-1984

## प्रकप नाइ", दौं, एन, एक्,-----

. बायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० अई-3/37-ई5/7115/83-84-- अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्साम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4044, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 119, फालके निकेतन, को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूचा में श्रीर पूर्णक्य से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन अम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-4-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई सिक्सी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में त्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में उन्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री एस० एस० सालवी ।

(अन्तरक)

(2) श्रां सुहास एस० शेकनकर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को ए भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त पब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुस्ची

पलेट नं ० 4044, बिल्डिंग नं ० 119, जो, फालके निकेतन को०-आपरेटिव हाउसिंग मोसायटा लिमिटेड, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/7115/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक : 10-12-1984

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (रिरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई यम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/6828/83-84; –अतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दि टेरेस फ्लेट, प्लाट नं० 19, जो, णांती कुंज, लक्ष्मी कालोनी, आर० सां० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में श्रीर पूर्ण क्प से विणत है)/ श्रीर जिसवा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रों है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य में उनत अन्तरण निस्ति के बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तर्ध अधाने में वृत्तिभा के लिए; और/या
- (श्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अशोजनार्थ जन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) श्राः शांताकुंज को० आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटा (अन्सरक)
- (2) श्राः मुरीदर सिंग पाल । (अस्तरिता)

को यह सुचना आरी करके पूर्विक्स सम्पत्सि के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिठ वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यान लिल्लों में किए का सकती

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वहा है।

#### वन्त्वी

दिटेरेस फ्लेट, प्लाट न० 19, जो, भाती कुंज, लक्ष्मा कालोनी, आप० मा० मार्ग, चेंब्र अम्बई--74 में स्थित है ।

अनुसूता जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6828/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्र**साद** सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आंयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

दिनांक : 12-12-1984

माहर 🖫

प्रस्प बाह्रे.टी.एन.एस. -----

आयभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज -3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश मं० अई--3/37-ईई/7295/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनका सं० पतेट तं० 35, जो, दूसरा मंजिल हेमल अनार्टमेंट, प्लाट सा० एस० तं० 19, 41, तं० 85/5, 96/1, विलेज मालवर्णा, मालाड (पश्चिम), धम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) श्रीर जिलका करारतामा अन्यकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 फ, ख के अजान बम्बई स्थित संसम प्राधिकारा के फार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उन्त अन्तरण लिखित में गम्तविक हम में कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी या किसी धन या बन्य बास्तियाँ, का जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन: निम्निनिषद स्पष्टितयों, अर्थात् क्ष्म 40—416GI|84 (1) मैं प्रर्थ हेमल इण्डरश्रीयजैस ।

(अन्तरक)

(2) भी उल्हास अनन्त सङ्ख्युद्धे ।

(अन्तर्भारतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थान स्थान से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थान स्थान
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 ु दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किये जा सकरेंगे।

स्थब्दी करण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्ची

' फ्लेट नं० 35, जो, दूतरा मंजित, हैमन अरार्टमेंट, प्लाट साठ एस० नं० 19, 41, नं० 85/5, 96/1, बिलेज मालवणो, मालाङ (प), बम्बई में स्थित है।

अनुभूचा जैसा कि कि के सं अर्ध-3/37-ईई/7295/83-84 और जो असम प्रक्षिकार, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनां र 10-12-1984

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

एस.---- (1) श्री आर० अमरनाथ आदम ।

(अन्तरक)

(2) श्रापा० श्रो० चौपाना ।

(अन्तरितः)

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7217/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० पलेट नं० 15, जो, तिसरा मंजिल, सुन्दरम् बिल्डिंग, इस्टेट आफ जय मंगल—को०—आप हाउसिंग सोशायटा लि०, घाटकोपि, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण का से विणा है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 2-4-1984,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रति अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्ग था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः क्षत्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को स्थीन, निम्नसिक्कि स्यक्तियों, वृक्षति :---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थांत्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्हारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ——इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, व है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बगस्यों

फ्लेट नं 15, जो, तीसरी मंजिल, सुन्दरम् बिस्डिंग, इस्टेट आफ जय मंगल को०-आप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, घाटकोपर, बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूचा जसा कि कै० सं० अई-3/37-ईई/7217/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-12-1984

परूप बाह्र . टी . एम् . एस . -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निवेश सं० अई-3/37/ईई/6883/83-84---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिक बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसका सं० पलेट नं 3, जो प्लाट नं 93, अनुभव बिल्डिंग, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (भौर इमके उनाबद्ध अनुसूचा में श्रोर पूर्णस्य से त्रिणत है) श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, दिनांक 2-4-1984,

की पृष्टित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल की एसे दश्यमान प्रतिफल की पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबल, उक्त अभिनियम, सै अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधाः के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के वनुकर्य में, में उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा (1) क अधीन । विभन्निसित व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) श्रो जयराम दावप्पा शेट्टी ।

(अन्सरक)

(2) श्रो रिव एस० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पृशेवस सम्पत्ति के सर्वन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपरा संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विम् की वर्षीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्चना की तामील से 30 विन् की क्षांधि, को भी वर्षीं बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुथ किसी जन्म व्यक्ति दुनारा ज्याहस्ताकाड़ी से नास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिश्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नवा है।

## प्रमृज्जी

पलेट नं० 3, जो प्लाट नं० 93, अनुभव बिल्डिंग, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूचः जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/6883/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🖫

प्रकप आहें.टी. एन, एस. ------

भागकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीत स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 विसम्बर 1984

निदेश सं० अर्ड-3/37-ईई/7227/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं ब्लाम मं 29-सं, प्रांता निकेशन, घाटकोगर, बन्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 का ख के अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्हा है, दिनांक 2-4-1984,

की प्रतिचेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्ताकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में धास्त्रीविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) श्रेसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

नतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के विमुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिमित व्यक्तियों, विधित ६---

(1) एस० भगवान सिंग ।

(अन्तरक)

(2) श्रों कें ० पी० महा।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्टाकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिआधित हैं, वहीं अर्थ क्षेगा, जो उस अध्याय में दिसा गया है।

श्रनुसूची

ब्लाक न० 29-सी, जो, शांतः निकेतन, घाटकोपर, सम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-3/37-ईई/7227/83-: 84 श्रीर जो सज्जम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड विध्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, बस्बई

दिनांक : 10~12-1984

## प्रकृष बाइ . टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

#### भारत सुरकार

किर्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/7210/83-84--अतः मुझे, - ए० प्रसाद,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मृस्य 25,090.'- रा. से अधिक है

भीर जिसका मं० पलैट नं० 124, जो 12वीं मंजिल, प्लाट नं० 343, आकाण दर्शन की-आप० हाउसिंग सीसायटा लि०, वाकी वा मस्जिद, सांताकुज (पूर्व), बम्बई—55 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वो स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ♣, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री झामनदास ई० वाधवा ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती लता गुल फाबियानी ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उका सपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दशहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सर्वेंगे।

स्पष्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### -

पलट नं ० 124, जो 12वीं मंजिल, प्लाट नं ० 343, आकाश दर्शन, को-आप० हाउसिंग सोसायटों लि०, वाकोला मस्जिद, सांताकृज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फै० सं० अई-3/37-ईई/7210/83-84 और जो मक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां कः 10~12-1984

मोइर 🖫

प्रकप काई.टी.एव.एस.------

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक <mark>कासकार कामुक्त (निरक्षिण)</mark>

अर्जन रेज-3, बम्धई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं० अई-3/37-ईई/6817/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

ग्रीर जिसको सं० पलैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, लारेंस अनार्टमेंटस, सी० एस० टी० रोड, कालिना, बस्बई-98 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जितका करारनामा आधकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 के, ख के अधान बस्बई स्थित सक्षम-प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्सा है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—~

- (क) अंतरण से हुई किसी अप्य की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने पा उसस सचने में सुविधा के लिए; आंद्र/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)' या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म तृतिका के तिए;

कता अब उक्त जीभीनयम का भाग 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) मेसर्भ रियाझ कन्स्ट्रनशन्स

(अम्तरक)

(2) श्रीः लक्ष्मण डी० गोनेकर ।

(अन्तरिती) ,

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि; को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकर्ष।

स्पच्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिस्मितिष्ठ है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

पत्तैट नं ० 301, जो तोसरी मंजिल, लारेंस अगर्टमेंटस, सा० एस० टा॰ रोड, कालिना, बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/6817/83-84 प्रौर जो सजन प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 11-12-1984

प्रकल् काई. टी. एन. एस. ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984 निदेश सं० धई-3/37-ईई/7036/83-84--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार) 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के मृणीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक है

घौर जिसकी सं अपलैट नं 14, जो तीमर मंजिल चन्द्र विहार प्लाट नं 196-वीं, कस्तूरबा रोड, मुलूंड (प) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प से विज्ञात है) घौर जिसका करारनामा अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक रों के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984,

कां पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिश्चत से अध्िक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तद्रम् से हुई किसी बाव की वास्त, उपह विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वॉर/वा
- (बा) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुत्रिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निस्निसिसित अधिनतयों, अधीत :- - (1) श्रीपी० एस० गणपर्या।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबेन वि० ठमकर ।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन की अविधि या तत्म अवन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बहा किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अक्षाहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस गया है।

## वनुसूर्वी

पर्पेट नं ० 14, जो, तीसरी मंजिल, चन्त्र विहार, प्लाः 196-बी, कस्तूरबा रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित हैं।

मनुसूर्य। जैसा कि कि से अई-3/37-ईई/7036/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकार।, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरोञ्जण) ग्राजैन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 12-12-1984

मोहर 🖫

क्षायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश त ग्रई-3/37-ईई/7171/83-84---प्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ 5 मं अधिक हैं

ग्रीर जिसके सं० फ्लैट नं० 6-बी, जो ग्रनुभव ग्रपाटमेंट 5वीं मंजिल कोंगण नगर भांडूप बम्बई-78 में स्थत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम् 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रवीन धन्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारंख 2-4-1984

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्गान्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) करूरण संहुई किसी' आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारिस्य में कमी करने या स्थासे क्चने में सृविधा की ए. की स्टा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, देनहीं भारतीय आय-कन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरेती द्राना पक्ट सहीं किया स्था था या किया जाना आहिए था खिपाने से स्विधा के लिए;

कतः अध उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, स्वत्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित स्थिनितयों अधीत :--- (1) सदो विश्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) पीं० थिममप्पा गोवडः ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में- दिया गया है।

#### बनुसूची

फ्लैंट न० 6-बी, जो, ग्रनुभव ग्रपार्टमेंट, 5वीं मंजिल, कोंकण नगर भांडूप बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुपूचो जैसा ि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/7171/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-3 बम्बर्ड

विनांक : मोहण प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर कॉथोनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (३) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बग्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश स॰ ऋई-3/37-ईई/7079/83-84--- प्रतः मुझे ए॰ प्रसाद,

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है 'कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 14 जो, ग्राउण्ड फ्लोअर यूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेंट ग्रार० पी० रोड, मुलूंड (प) बम्बई—80 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दर्यभान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निकालिखित उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण से हुई किसी काय. की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यामियक में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/था
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर ब्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्राधिनियम, या धनकर ब्राधिनियम, या धनकर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स कास्ट मास्टर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेश्वर्स रोलेक्स इंडिन्ट्रिज ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंसों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) धरा सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की मबिध या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की मबिध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (थ) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्मित मों दिननप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है अही अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया गया है!

## वन्स्ची

यूनिट सं० 14, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, यूनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रार०पी० रोड, मुलूंड रिक्चम बम्बई-80 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० स० मई-3/37-ईई/7079/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रभाव सञ्जम प्राधिकारः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण), स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 6-12-1984

प्रारुप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निवेश सं० श्रई-3/37/ईई/6966/83-84--श्रतः मुझे। ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 15 जो 4थी मंजिल ग्रम्बे मैया भणार्टमेंट डा० श्रार० पी० रोड. मुलूंड (प) बम्बई—80 एल० बी० एस० मार्ग के बाज में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विणत हैं). श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 2-4-1984 को पूर्वोंक्स संपित्त के उजित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके रियमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल त, निम्नलिखित उष्ट्रिय से उक्त अन्तरण निस्त में नास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई फिप्ती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उकतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विशनजी कोरजी ठक्कर ।

(प्रन्तरक)

2) श्री श्रौर श्रोमती पो० वि० शेठीया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यस्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सभा है।

#### गरसूची

फ्लैंट नं 15 जो 4थीं मंजिल. श्रम्बे मैया श्रपार्टसेंट डा० श्रार०पी० रोड, मुलूड (प) एल० बी० एस० मार्ग के बाजू में बम्बई-80 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-3/37ग्रईई/6966/83-84 ग्रीर जो सेक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 सम्बर्ध

दिनांक : 11-12-1984

्र**क्य बार्ड**्र की. पुत्र पु**र्व**्चननन्त्र

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० अई-3/37-ईई/7167/83-84--- अतः मुझे लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटन० 3 जो पहली मंजिल विमल दर्शन राम रतन तिवेदी रोड मुलूंड (प) बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है)/ श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

को प्वेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अंतरण जिखित में नास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) बन्तरभ से हुए किसी आधंकी बाबत, उक्त संधितियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते बंबने में सृविधा का भए: और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नही किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हंसा सूर्यकांत शेठ श्रीर श्री सूर्यकांत के० शेठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो जीवराज तेजशी विरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्मारित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप क्रे-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़े सूचना की तामील से 30 बिन की अविध , जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगी

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा भया हैं।

## वन्स्यी

फ्लैंट २० 3 जो पहली मंजिल विमल दर्शन राम रतन विवेदो रोड मुलूंड (पश्चिम) वस्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/7167/83-84 और जो सक्षम प्राप्धकारो बस्बई ढारा दनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

विनांक : 10-12-1984

## प्रकार मार्ड. टी. एन. एश.--

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रार्गन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 10 दिसम्बर 984 निदेश सं० म्रई-3/37-ईई/6843/83-84--म्रातः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्यात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा (५९-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से वैधिक है

श्रीर जिसका मं ० यू नट मं ० 31 जो रेग्नर विगयां उण्ड पलोश्नर के ० के ० युष्ता इंडस्ट्रियल इस्टेट ग्रा० श्रीर० पो० रोड मुलूड (प) वस्वई-8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रीसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं)/श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीकियम 1961 को धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रीकितरा के कार्यालय में रजिस्ट्रो है दिनांक 2-4-

कर पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्त कि रूप से किथत नहीं किया गया है;—

- (46) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उचल अधिनियर के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा. (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों. कथीत्:—

(1) मेसर्स डी० किटने एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स प्रविण इंडस्ट्रिज ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारवें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एम भूबेना के राजपत्र में प्रकाशन की ए। राख से 45 दिन की वर्षाय ता तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्षेत्र।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यमसधी

यूनिट सं० 31 जो रेझर विग ग्रांउण्ड प्रलोझर के० के० गुप्ता इंडस्ट्रियल इस्टेट डा० ग्रार० पी० रोड मुलूंड (प) सम्बई— 80 में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० भई--3/37-ईई/6843/83--84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 वस्बई

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूपं बाह् .टी.एनं.एसं. ------

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धिक्य)

म्प्रजीन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० **ग्रई**-3/37-**ईई**/6903/83-84--**ग्र**तः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधिन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रा से बिधक है

भीर जिसको सं० फ्लैट नं० 8 जो तीसरी मंजिल मणि प्रपार्ट-मेंट टी० पी० एस० 3 घाटकोपर (पूर्व) बस्यवर्र-77 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है)/भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्राधीन बस्वर्ष स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1984

का पूर्णिकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दारिस्व में क्षमी करने क उपससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था के विष्। की किया जोना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

(1) मेसर्स के० के० पटेल एण्ड सन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हिरेन सत्येंद्र ठक्कर श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करको पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तप्ररीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त केटों और पदीं की, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। नक्ष ही।

# वनुसूची

पलैटन ० 8 जो तीसरी मंजिल मणि ग्रयार्टमेंट सर्वे नं ० 233 प्लाटनं ० 220 सी० टी० एस० नं ० 5779 टी० पी० एस० नं ० 3 घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-3/37-ईई/6903/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा**थ** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **भायुक्त** (निरीक्षण) श्रजैन रेंज–3 **ब**म्ब**र्ध** 

चिनांक : 12-12-1984

# प्रकल भाषीत दी , प्रमात प्रकार स 🗷 🤊

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुपना

#### भारत सरकाड

कार्यासब, सहायक भागकर मागुक्त (निरक्षिण)

र्गन रेंज-3, बम्बई

म्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० **अई**-3/37-ईई/6904/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्स प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो तीसरी मंजिल मणि श्रपार्टमेंट टी० पी० एस०-3 घाटको र (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 2-4-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नलिश्चित उद्देश्य से उच्त अन्तरण में सिवित वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दर्भ से शुर्क शिक्की भाग की बायत क्रका अभिनियम के अभीत कर दोने के जन्तरक की शियस में कमी करने वा उससे अभने में सुविधा को निद; बीड/वा
- (य) ऐसी किसी नाय या किसी थन ना नत्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, वा भन-कर निधिनियम, वा भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, स्थिन में. स्विधा के सिए;

बतः संब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्ति :--- (1) मेसर्स के० के० पटेल एण्ड सन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो सत्येंद्र विठ्ठलभाई ठक्कर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्परित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (व) इब् ब्या के राज्यप्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 विन के भीतर उकत स्थानर सम्मरित में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद स्थितित में विश्व का सकीयों।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त फन्यों और पर्यों का, जो उन्हा अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ै, वहीं अर्थ होगा वो उस क्ष्याय में दिवा वाही.

#### ---

फ्लैट नं० 7 जो तीसरो मंजिल मूर्णि भपार्टमेंट, सर्वे नं० 233, प्लाट नं० 220, सी० टी० एस० नं० 5779, टी० पो— एस० नं० 3, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई—77 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-3/37-ईई/6904/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12-12-1984

# प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुवना

### भारतः सहकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० सी० श्रार० 62/43307/84-85---श्रतः मुझे झार० भारद्वाज

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाद 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 75,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 95-5, टी० एस० नं० 1584-3, है तथा जो कदि विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबर्ड प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिन्तित में बास्तिवक कप से कांचित महीं किया गया है है

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाब की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की वायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् (——  श्री एमेल्डा फरिवास, बै० श्री नारबर्ट जोसफं, फिलिप वास, नम्बर 43, वेलगटन स्ट्रीट, रामयण टाऊन, बंगसूर-25।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० संजीवा, स्टूडेंट्स लेन, नियर ग्रालवेस रोड, कब्रि, बंगलूर~2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्द्रवी

(दस्तावेज सं० 230/84, ता० 17-5-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० श्रार० एस० 95-5, टी० एस० नं० 1584-3, जो कद्रि विलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है।

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 11-12-1984

मोहर 🖁

# प्रसम्प **आह**े. ट<u>ौ.</u> एस., एस<u>.</u> ======

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीकाण)

भर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० सी० ग्रार० नं० 62/43527/84-85---ग्रतः

मुझे, म्रार० भारद्वाज

बायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० 789/1 वेस्ट्रन पोरणन है तथा जो एव० ए० एल० 22 स्टेंज, इन्दरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में शास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (अ) अन्तरण संहुर्व किसी आग की बाबत, स्वस्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधारत् :--- (1) मैंसर्स कृष्ण कुमारी नरैन,
 नं० 329, पैलेस मारचर्डस,
 बेंगलूर -80।

(श्रन्तरक)

(2) श्री स्टीफन श्रोसवाल कारनेलहो बाई श्री ए० विजय कुमार, बेंगलूर ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्या व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिस ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति ब्रह्म विस्ता सं किए जा सकता ।

स्यव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया नवा हैं।

#### बस संची

(दस्तावेज सं० 946/84, ता० 29-6-84)। सम्पत्ति जिसकी सं० 789/1 (789) (वेस्टर्न पोरशन) है जो एच० ए० एल  $I_I$  स्टेअ, इन्दरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-12-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनिय∓, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० सी० ग्रार० नं० 62/43341/84—85<del>-- प्र</del>तः

धार० भारक्षाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,00 ः/-रः. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 769 है तथा जो कोडिहल्ल विलेज, वर्सूर हुबली, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण में राजस्ट्री—करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वांक्ल सप्तित का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण अं लिए त्य पाया गया प्रति-क्ष्म निम्नलिकत उद्दृष्य से उनत अन्तरण सिक्षित् में बास्त्-विक कम् वे किथ्त नहीं किया ग्या है क्रिक्स कम् वे किथ्त नहीं किया ग्या है क्रिक्स कम् वे किथ्त नहीं किया ग्या है क्रिक्स कम् वे किथ्त नहीं किया ग्या है क्रिक्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-कितक के अधीन कर दन के बन्तरक के शांकल में कनी करने ना समसे बुक्ते में सुविधा के किए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उथत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुबर्ग में. में., उकत विधिनियम की भारा 260-ग की वर्षभारा (१)-के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-42—416GI/84  श्री ती० मृति रेड्डी, कोडिंड्डिनो विलेन, वर्त्र हैनेगी, वेंगनूर दक्षिण तालुक।

(मन्तरक)

(2) मैपर्ज एस० बी० इनवेस्टनेंट्स प्राह्नेट निमिटेड, नं० 4, बैड स्ट्रीट, लोग सई टाऊन, बेंगनुर—25।

(श्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यांबाह्या शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स
  व्यक्तियां में संस्थित व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवास में किए था सकारी।

ह्मच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अन्सूची

(बस्तावेज सं० 1599/84, ता० जून, 84। सम्मति जित्तकी तं० खाता तं० 769, है तथा जो कोड-हस्ति विलेज, बर्जूर होबजो बेंगजूर दक्षिण ताजुक में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 7-12-1984

म्रोहर 🧢

प्रकृष बाहुं. टी. एन. एस. -----

आयकर.अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, केंगलूर

केंगलूर, दिन क 10 दिसम्बर 1984 निदेश गं० सी० ग्रार० गं० 62/43518/84-85-ग्रतः

मुझे, प्रार० भारकाज

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 599 है तथा जो एच० ए० एल०—II, स्टेज इन्दिरा नगर, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत, रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21 जून, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते पह विष्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल में एमें दृश्यमान प्रतिफाल के विष्कु प्रतिष्ठात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, निम्निकित उद्देश्य में उक्ष अन्तरण जिल्लित में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबते, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और∕या
- (वा) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट अही किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों, नर्भात्:— (1) श्री एन० ब्रेंकोबा राव माने, नं० 1, रोस लेन, रिचनण्ड टाऊन, बेंगलूर∽25।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० कावेरी गणपति, ग्ररकांड विलेज, श्रीरपी० श्रो० (वैवा), सिद्धापुर, कोडगु।

(ब्रन्तरिती)

को यह भ्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तिया में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्। किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाक तिक्षित में किय जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें अध्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया नवा हैं।

# वनुसूची

(दस्तावेज सं० 832/84, ता० 21-6-84)। खाली जगह जिसकी सं० 599 है तथा जो एच० ए• एल० 2, स्टेज, इन्दरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 10-12-1984

प्ररूप नाइ'टी. एन्. एस.-----

नापकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन द्वारा

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देग सं० स ० आर० नं० 62/43526/84-85—-याः, मुक्को, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25 000/-रा संअधिक हैं

भौर जित्रक सं० 789 (पूर्व भाग) है तथा जो एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलूर में स्थित है (ग्रार इससे उ उनाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप संबंधित है), रजिल्ल करण आधानयम, 1908 (1908 का 16) के अवलन, तरास 29 जून, 1984

का प्रवाक्त सपत्ति को उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, किवाजीनगर में धारा 269 ए बी के अतगत सक्षम प्राधिकारों के पास रिजस्ट्रोकृत किया गया है, मृक्ष यह विकास करन का कारण है कि रक्षाप्रवाक्त सम्मात्त का उचित बाजार मृल्य उसक स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलि। इत उद्वेष्य सं उक्त अन्तरलि। इत में वास्तविक रूप सं किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अयान कर दन के अन्तरक के दायिक्ष में केमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
- (च) एसी किसी नाय था किसी थन या नन्य जास्तियों का, जिन्ह भारतीय नायकर नी भीनयम, 1922 (1922 का 11) या जवत नी भीनयम, या धनकर वाभीनयम, या धनकर वाभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्यारा प्रकट नहीं किया गया था था किया भाना शाहिए था किया नी नृष्यिभ के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रक मे, में, उक्त आधिनियम का धारा 269-ग का उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखिल व्यक्तियो, अधीत :---  मैंतर्त इंग्ण कुमार नरैन, नम्बर 329, पेलंब अन्बर्स, (जूर-80।

(अन्तरक)

(2) श्रं∵जान बापटिस्ट कारनेलियो, ब.ई : श्र∵ए० विजया कुमार, बेंगजूर ।

(अन्तरितो)

को यह संखना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अजन कं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाझेंच :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्मवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को बी व्यक्ति बाद में समाप्त हाती हो, के नीतर पूर्वों का व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ची 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किमी नन्य स्थावत द्वारा, वशाहस्ताकरी की पास सिंखित में किए जा सकते।

र्थस्यके प्रयोग प्राप्त कस्त्री और पड़ी का. जा नक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा वर्ष हागा वा उस वश्याय सा । वाबा गुवा हैं।

### अनुसूचो

(दस्तिवेज सं० 945/84-85, ता० 29 जून 1984)। सम्मत्ति जित्रक सं० 789 (पूर्व) भाग है तथा जी एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायंग आयंकर अयुक्त (िरक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

**सार्च : 10-12-1984** 

# प्ररूप आई. टी.एन.एस.------

मार्यकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुकता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सं१० आर० नं० 62/43368/84-85---यतः, मुझे, आर० भारबाज,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-इ क अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिउक सं० 3 है तथा जो बिन्ना मंगला I, स्टेज इन्दिरान्त्रगर, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिन्द्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जून, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, किवाजीनगर में धारा 269 ए बी के अंटर्गत सक्षम प्राधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्दिष्य से उक्त अन्त-लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायल्य वे कमी करन या उसके बजन से सूब्या के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में प्रविभा ने विष्

वतः वन, उनत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), के विभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्राट:० के० रामन,
नं० 3, 1 पलोर,
विन्तामंगला एक्सटेंणन,
I स्टेज,
इन्विरानगर,
बेंगलूर-38।

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० लक्ष्मी नारायणन,
नं० 360, I स्टेज,
इंडिरानगर,
केंगलुर-38।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 679/84-85, ता० 6 जून, 1984)। सम्मति जिनक सं० 3 है, जो जिन्नामंगला I स्टेज, इन्दिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

सार<sup>भ</sup>ख: 10-12-1984

मोहर 🔮

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

सायकर सिंधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

षंगलर, दिनांक, 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सः० आर० नं० 62/43408/84-85--यतः, मुझे, अर० भारदाज,

आयंकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जि.क सं 110 है तथा जो ब्लाइ-II, कोरामंगला एक्तटेंशन, बेंगलूर में स्थित हैं (और उसते उनाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिद्ध करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न,तर ख 26 जन, 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के लिखत वाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर दक्षिण में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीख ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, खक्त आधानयम क अधान कर वान के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधानसम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिथा के सिए;

कत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्र जै० माधवा शर्मा, नं० 36, V मेन रोड, V ब्लाक, ज्यानगर, बेंगलूर-11।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री डेविड बरन विट्टानबेकर,
2. मिसेस लोरना विट्टानबेकार,
केयर आफ :
कैंग्टन जे० मक्केनजें,
वाइट विग्स फार्स्स,
बनासवाडि पा० ग्री०
बेंगलूर-43।

(अन्तरितंं∶)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितवकुथ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखिल माँ किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनृस्धी

(दस्तावेज सं० 1972/84-85, ता० 26 जून, 1984)। खाल जाह है जित्तका सं० 110, जो ब्लाक II, कोरामंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसुर

तारीखा : 11-12-1984

मोहर 🏅

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत बरकाट

कार्यालय, सहायक कामकार कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सं० आर० नं० 62/44994/84-85- यतः, मुझे, आर० भारद्वाज,

नाम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व क अधीन सक्षम प्रोधिकारी का हि विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 45.000/- रु से अधिक है

जो लक्ष्म पुरा विलेज, पेरियायतना तालुक, मैसूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरद्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तार ख 7 अर्थन, 1984

को पर्वापत मपीन क जीवत बाजार मन्य में कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रिकर्ता के कार्यालय, मंसूर में धारा 269 ए. बी. के अंतगर सक्षम अधिकारों के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नति खत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण चे हुई कियी नाम की नामत, उपक विधिनियस के वधीन कर बोन के अन्तरक खै बाजित्य में कनी करन ना उसके नुष्यों में सुविधा क एसए, बॉर/ना
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी थन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हों भारतीय जाय-कोर जीर्थनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कोर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में जुद्धिश को सिंध;

आतः रूपः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वै, मैं, अकन अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) दि इण्डान रेमन कारगोरेशन लिमिटेड, जूनागढ़, बेरावल रोड,
 बेरावल, गुजातत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्लामा शिवाकुमार,
नं० 400,
17, मेन, IV 'टो' ब्लाक,
जयानगर,
बेंगलुर।

(अन्तरितं∴)

को यह संकन कारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को भीतर उक्त रथावर मणील मां हित्बदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित मां किए या सकाये।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में विया गवा है।

#### समस ची

(बस्तावेज सं० 4191/84-85, ता० ७ अप्रैंल, 1984) । सम्मति है जो जञ्जापुरा जितेज, पेरिप्रापटना तालुक, मैंसूर में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीअण) अर्जन रेंज, बगलूर

तारीख: 14-12-1984

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-भ (1) के मुभीन सुम्ता

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिशांक 14 दिसम्बर 1984

ि निदेग सं० सः० अःर० नं० 62/ 44214/84−85 <del>- अ</del>तः

मुझे, आर० भारद्वाज
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25.000/-रु से अधिक है

और िस र सं० 31/1 है उत्था जो गोविन्दाप्पा रोड, वसान हुडो, बेंगलूर -4 में स्थि है (और इसते उपावड अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विभा है) दिन्द्र तरा अधि दन, 1908 (1908 जा 16) के आए, नार ख 23 अप्रेज, 1984

प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगुडि में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत स्क्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत िकया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ट, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अड, उट्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उदन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

- (1) 1. श्रांजाः० राम राव 'पुरिमा', 1475, इंड्लम्सिपुरम, मैस्र-4।
  - श्री जा० वासुदेवा राव,
     नं० 9, प्लाट नं० 295,
     फिय: बाँ, 5 रोड,
     चेंबूर, बम्बई -71।

(अन्तरका)

(2) श्री जी । गुरुदत्त,सम्बर 21/31,गोधिनद्या रोड,बेंगसुर-4।

(अन्:चिती)

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सि कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के त्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सा बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरी के पाद लिखित में किए जा सकरो।

्रम्बद्धीकर्णः इमर्णे पगकत् शब्दों और पदों का जो अन्त्रः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बुधे हागा वो उस बभ्याय में दिया गया है।

### वनस्वी

(दर पित्रा सं० 673/84, ता० 23 अप्रैं सम्पत्ति जिसक सं० 31/1 है पथा जो गोविन्दाप्पा रोड, वसअप्रुडी, बेन्गलूर 4 में स्थित है।

> आर० भ**रद्वाज** सक्षम प्राधि **ारो** सहायक ग्रायकर ग्रंप्युक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज **बें**गल्**र**

तारीख: 14-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, बेंगचूर

बेंगलूर, दि:ांक 14 विसम्बर 1984

निवेश सं० सो० आर० नं० 62/43195/84-85--अतः मझे, आर० भारद्वाज

बाटकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जसकी सं० 850 (213) है स्था जो ओ० टी० मी० रोड गास्तोट, बेंगलूर में स्थित है (और इसमे स्थाबद अनुम्बी में और पूर्ण रूप से बर्णि है), रिस्ट्राइरण अधिक्तिम, 1908 (1908 का 16) ने अर्थक्तारिख 30 अर्थन, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधिनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अध्नरण से हर्ड किसी आय की बाकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या छन्छ आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्न अभिनियम की धारा 260-घ के अनमरण कों. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्निलिबित स्पृष्टित्यों, अधीत :---- (1) श्र**ंएस**० रजाक, नं. 35, वे स∶ रोड, वेंगजूर ।

(अन्धरका)

(2) श्री ई० वी० सुन्धास्था,
 नं० 38, 29 कास,
 ठनास,, अमाजार,
 वेंगजुर-11।

(अरारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी, से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से प्रकाशन की तारीस से प्रकाशन की तारीस से प्रकाशन की तारीस से प्रकाशन की पास किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विचा गया है।

### श्रनसूची

(दस्तानेतासं० 165/84, ता० 30 अनैल. 1984)। स्ताति सिकासं० 850 (213) है उस जो त्याश्मी बिल्डिंग, ओ० टा० मो० रोड, न्यारानेट, बेंगसूर में स्थित है।

> आर० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज, बेंजनूर

सारी**ख** : 14-12-1984

प्रकप वार्षः, टी. एतः एसः,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जः रेंज, बेंग्लूप

बेंगलूर दिर्शन 11 मई 1984

निदेश सं० सी० **अ र**०नं० 62/43252/84-85---अतः मुझे, आर० भारहाज

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अपने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000 र-रा. से अधिक हैं

और सिको सं० 334 है लगा जो कोरामंगला बेंगलूर में स्थित है (और इसा उप बढ़ अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विशित है), पिस्ट्राइरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अअन, सार खा 11 मई, 1984

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत िकया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहं प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तर कें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण से इष्ट्रंकिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उत्तस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय का किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्तिविद्या व्यक्तियों, अधीत्:——
43—416 GI/85

(1) श्री शाहद अ मार,
 नं. 87, इन्फैन्द्रा रोड,
 बेंगजूर।

(भन्तर ह)

(2) श्री मोटर बरवें प्त, नं० 31, पनावरप्तं नेस्ट, शिरते राजा रोड, बांब्रा, धम्बई-50।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर पंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्का।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्चनुसुची

(रणादेत पं० 862/84, ता० 11 मई, 1984) सरति सिंग सं० 334 है तथा जो कोयामंगला, बेंगजूर में स्थित है।

> आर० भारक्राज सन्नम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर प्रापुक्त (निर:क्षण) अर्जन रेंज, केंगजूर

सार**िख** : 11−5−1984

प्रकप बाइ टा. एन. एस-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिशांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० नं० 62/43220/84-85-अतः मुझे, आर० भारदाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

और िसको सं० 76 है सथा जो बड़ गेबेंद्र जिलेन उड़िप सालुक में स्थित हैं (और इस्ते) उगाबद अनुसूचा मैं और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं), रिस्ट्रकाण अधितारा 1908 का (1908 का 16) के अधार, तारंख 7 मई, 1984

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बातार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय उड़्रीप में धारा 269 ए. बी. के अंटर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्री-कृत िका गया है मुक्ते यह पिश्वास करने का कारण ही कि यह पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से बधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्युविश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं िकया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक को वाधिन्त्र में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को जधीन, निम्नलिवित स्वित्यों, जधीन, ——

- (1) भा अज्ञाहम् ाएत्स्म,
  - श्रासीय स्वास्ट चार गडा, मं० 76, कुछ गडेट्टे, बड गबेडु ध्वेंज, पोस्ट उडिए ।

(अन्तरतः)

(2) श्री राजेश कुमाः स<sup>ा</sup>ःसः बाई गितबटं सीफन्सः, नं० 76, कु*िकट्टे*, बडागबेडु विलेजः, पोस्ट उडिपि ।

(अन्यतिराते)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्का के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

(दस्तावेत प्रं० 144/84, ता० 7 मई, 1984)। सत्र सम्पति जिल्हां सं० 76 हैं तथा जो बड़ गेबेडू विलेग, उड़िपि त.सुक, में स्थित हूं।

> आरं० भारद्वाज संभम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर प्रापुत्त (गिराजण) अर्जन रेंज, बेंनजर

तारीख: 10-12-1984

भोहर:

प्रकथ भार्च . टी . एन . एस . -----

जायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं० आर० नं० 62/43297/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज बायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का इंगरण हैं कि स्थावर मस्पिल, विसका उचित बाबार मूल्य

25 , ೧೧೧ ∕ - रत . से अधिक **ह**ै

श्रीर ितक स० 1/18 है तथा जो अनसूर गोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विगा है), रिजाइ (तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान टार खा गई, 1984

प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-क्रिं के कार्यालय शिवाजिनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतगत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया ग्या है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (46) अन्तरभ ते हुई फिली बाब की बाबत, अन्तर अधिनियस के नधीन कर दाने के बन्तरक के वाजित्व में कानी करने या उद्यक्ष ब्यने में सुविधा के लिए, और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकत अधिनियम, शा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्रतः क्षतः, उच्नतः अधिनियमः की धारा २६०-गं के अनसरण अर्डे, में, उद्युक्त अधिनियमः की भारा २६०-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) 1 श्रामित सिर्वा नारायण पै,
 2 श्रामत मेर रामा बाई पै,
 न० एम 63,
 शापिग सेन्टर,
 ग्रेटर कैलाश-2,
 नई दिल्ल:-48।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री ए० एन० सुख्याराजु,
2 श्रा ए० एन० जगद श,
3 श्रा ए० एन० रमेश,
नं० 226, 7 स्नास,

रंग स्वामी टेम्पल स्ट्रंट,

र्बेगलूर-53।

(अन्तरितः)

की यह स्चना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियां प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविंध, वा भी जबिंध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात में हिस्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा जधाहरताक्षरीं के पाड़ निश्चित में किए वा संकंगे।

साक्षांकरण:---इसमी प्रयक्त कर्यों और पदों का, को उज्जे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित-ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

### अनुमूची

(दस्तावेज सं० 541/84, ता० मई, 1984)। सम्मत्ति जिउक सं० 1/18 है तथा जो अलसूर रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) क्षजैन रेंज, बेंगजूर

तार ख: 10-12-1984

मोहर 🖫

### प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# श्रायाकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाडु

# कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बुंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं० आर० नं० 62/43309/84-85--अतः, मुझे, आर० भारद्वाज,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 644—2, टैं॰ एस० नं० बार्ड 18—2, है तथा जो सेन्ट्रल इ.स.बा, बाजार दिलेज, मंगलूर सिटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के वार्यालय, मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध.न, तार ख 25 मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्राभानयम क अभीन कर दन के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: झब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) । धाप्रवान चन्द वनामालि दास,
  - 2 श्रः अराविन्दा कुगार वनामालिदास,
  - अ हरिश्वन्द्रा जयन्त, लाल, पुराना कैन्ट रोड, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स नसे मा,
जासमैत अपार्टमेंट्स-बें:,
प्लाट नं० 406,
डाक्तयार्ड रोड,
मरगोवन, बम्बई-10।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वृजन के निष्

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमाँ प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया नुवारहै।

## **अन्स्**षी

(दस्तावेज सं० 271/84-85, ता० 25 मई, 1984) सम्मति जित्रका सं० आर० एस० 644-2, टं॰ एस० नं० 18-2 है तथा जो सेन्द्रल वार्ड, काबा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षणं) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारेख: 11-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप वार्षं .टी . एन . एस 🚊 ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

# नायलिय, सहायक जायकार जायुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दितांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं१० आर० नं० 62/43675/84-85-अतः मझे, आर० भारदाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25.000/- रा. सै अधिक हैं

भीर जितक सं० 69 है तथा जो बिन्नामंगला 1 स्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रानर्ता अधिवार्त के नार्यालय, गित्राज नगर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न, तार ख 30 जुलाई, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुकं यह 'दिक्स क क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान अतिफल सं एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकम्) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्दृष्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उप्तक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्ट्य/वा
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्दारा ४कः नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, । छपाने में सुविधा के लिए।

करा: कथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीव :---

(1) श्र: ए० विजयः कुमार,
 197,
 इन्दिरा मगर,
 २ स्टेज'
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैं० राधा मोहन, नं० 15, 10 एवम्यू, मरिंगटन रोड, महास-30।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति इयारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थक्ति द्वारा वशेहस्ताक्षरी के शाव लिखत में किए जा सकेंग।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, ची उक्त स्विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

### भनुसूची

(बस्तावेज सं० 1272/84, सा० 30 जुलाई, 1984)। सम्पत्ति जिसक सं० 69 है, जो बिन्नामंगला, 1 स्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिक रो सहायक आयकर आयृक्त (निर्गःक्षण) अजन रैंज, बेंगसुर

तारीखा: 10-12-1984

मोहर 🛭

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सं० आर० नं० 62/43370/84-85-अत: मुझे, आर० भारद्वाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौरिजिसक संद 1 (11) है तथा जो 2 कास, मांता विरेया लेन, बेंगलूर में स्थित है (भ्रौर इभेसे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणा है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, गांध नगर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तार ख 5 जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

भतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के अन्सरन भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नधीत्:—

- 1. श्राह्म अस्त अस्त प्रकास,
   2. श्रास्त अस्त मनोज,
   3. श्रोस अस्त व्याव दणह,
  - 3. अग्रेस्;०पा० दणह, नं० 102/1, सर्वेयरस्ट्रेट, 2. ऋाउ, ब्यायनगुडा, बेंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री सोहन लाल,
  - 2. श्रां अशोक कुमार,
  - अ.मत: नारा देव:,
    नं० 15, राजाक्षा लेन,
    गानिवार पेट,
    बेंगलुर।

(अन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-4 बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी की पास विस्तित मों किए जा सकींगे। गया है।

स्पंछ्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसुची

(दस्नावेज सं० 932/84, ना० 5 जून, 1984)। सम्पत्ति जिसक सं० 1 (11) है, जो 2 क्रास शांताविरैय्या लेन, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भाषाज सक्षम प्राधि ारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 11-12-1984

मोहर 🖫

ंप्ररूप आर्द्रा. टी. एन. एस. --------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जा रेंग, बंगलूर

बंगन्र, दि तंस 11 दिसम्बर 1984

िर्देश मं २ सी० आर० नं० 62/43262/84—85— यतः, मुझे आर० भःराान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और सिंग सं । 104, 105 है स्या जो वार्ड न । 5, मार्गाटियाज , कोडगुमे स्थित है (ऑट इसा उपाबद्ध अन्यवा में आर पूर्ण रूप पे विशित है), रिस्कृत्करण अधिरियम, 1908 ( 1908 का 16) के अधिरियम अधिरियम मई, 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उभित काकार मन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मर हरा में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गट सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विशास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किनी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ख) एंसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण कें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निवित स्यक्तियों, संधित :—- (1) श्राएफ ए० हसाज्जा, रानागट, मडीगरा टाउन, कोडगु।

(अन्तरका)

(2) 1. श्रिंटी० के० युपूफ हाजी,
2. श्रिंश का तात्व का
चेरिया हाऊस,
पर ख:, मंदे,
पांडिवरा स्टेट।

(अन्.:रिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्विक्त सम्परितः के अअन कं सिए कार्यवाहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील में 30 दिन का अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किय जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिव यहा हैं।

# अनुसूची

(दणारित सं० 348/84-85 ता० 31 महि, 1984)। सं ति है सिना सर्वे सं० 104 आर 105, जो बार्ड-नं० 5, मङ्गिरिटाऊ;, कोडगु में स्थित है।

> अग्र० भारद्वाज सत्रम प्राधित री सहायक आयहर आयुक्त (दिर क्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 11-12-1984

शोहर ∷

प्रकृष बाई. टी. एत. एस.------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ। 269-व (1) क अधान स्वृत्त

#### भारत सरकार

कार्यासन्, सहायक नार्यकर नायुक्त (निर्देशका) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 \_

निदेश सं० 843/84-85--यतः, मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर किंधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारा का, वह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000. रा. सं बिधक है

और िसका सं 3787/47 + 48 ए/2 है तथा जो गदग में स्थि: है (और इस उ ज्याबद अनुसूच: में आर पूर्ण रूप से विणत है), रिक्ट्रिक जा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तार ख 22 मई, 1984

को पूर्णकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिणस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गवग में धारा 269 ए. भी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बावता, अक्ट्र अधिनियम के अधीन कर दाने के जन्तरक के बावित्व में कानी करने या बहुचे नुषने में बृधिधा कानगर, सार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कों प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा को सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्निप्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रा गव कि डोंडडल्ज मा सबस्या मित्र, गन्म ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मनाशप्पा दवले की बेटी श्रामता हाब्बा।
  - 2, श्रावसन्त मनातव्या दवले।
  - श्री दिलाप बाबूराव दवले एतियास जेन्स कृष्ण (सामा मंदिर के सामते, कुमंदा राड, गदगा

(अन्तरिती)

को यह मचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप १---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासीन से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यां करों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगें।

स्याध्याकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**स्ची

(क्षणाचित्रपं० 449, सा० 22 मई है, 1984)। खुता जगह गरंग में सी०एसा नं० 3787 में है। इसका क्षेत्र 36-2/9 स्केयर यार्ड है अऔर 427.2/9 स्केयर सार्ड है।

> आर० भा**रहाज** सन्नम प्र**धि**ारी सहायन प्रयासार आप्**क्त (िरक्षण)** अर्जन रेंज, **बं**ग्लूर

तारी**ख**: 7-12-1984

मोहर 🔏

### प्ररूप बाह् .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 <sup>(</sup>1961 का 43) की । धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलृर

बंगलूर, दिनौंक 6 दिसम्बर 1984

नोटिस नं० 84.4/84-85---यतः, मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं । 112/26 है तथा जो बीजापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय वीजाप्र में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुक्ते यह दिश्वार करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिघत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हथा पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंग उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत।, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--44-416 GI/84

- (1) 1. श्रामोद्रामणा भीमणा बीरादार।
  - 2 श्रीभी**म**नगौडा,
  - श्री शंकरागीडा वीरादार, सभी निवासी केस्ट्टी तालुक, सिंदगीती

(अन्सरका)

(2) श्री लक्ष्मां चन्द हीरजी गङ्खा एलियाम शा, इंडी रोड, मार्केट वार्ड, बोजापुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त आंशनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

#### अनस्पी

(दस्तावेज सं० 1271, ता० 24 सितम्बर, 1984)। खुला जगह का क्षेत्र 391 स्के० फोट और बंगला का क्षेत्र 749 स्के० फोट, इनका जगह वाइंनं० III, बोजापुर सिटी में है।

> आरे० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यत आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

नारेखाः: 6–12–1984

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, ब्रेंगलूर

वेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश मं० 845/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 1018 है तथा जो ओन्गोल बेलगाम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीस रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मई, 1984

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के , क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बेलगाम में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत मक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पृथोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिक्ति सं, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) 1. श्री साथित्री बाई रामचन्द्र इक्कोटे,
  - 2. श्री गोपाल रामचन्द्र इक्कोटे,
  - 3. श्री मनोहर रामचन्द्र इसबोटे,
  - श्री धर रामचन्द्र इक्तवंदि, घरसं० 249, उप्पार गाली, खास बाग, बेलगांव ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री महावीर धरमजी अनगोलकर,
  - 2. श्रीमती मालती महाबीर अनगीलकर,
  - श्री गुणधर अनगोलकर,
     निवासी, हिन्द वाड़ी घर मं० 36,
     बेलगांव।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्टीकरणः ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 720, ता० 22 मई, 1984)। खुली जगह अनगील एक्सटेंशन, बेलगांव में हैं । इसका क्षेत्रफल  $112'6'' \times 80'$  और सर्वे नं० 61/2/2 है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारी**ख** : 7-12-1984

# ्ष्रकप् भार्य ुटी तुर्गतुर्गत् । ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कायजिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 846/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उचित बाबार भूम्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 90 है तथा जो बसवनगुडी बहावणे सिमोगा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मई, 1984

को प्वार्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिमांगा में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मुझे रह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी जिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त, व्यिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः अन्त अन्त जीभीनयन की भारा 269-न की जनुबुरण भौ, मौ, उक्त जीभीनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, जर्भात् ≝— (1) श्री एस० एच० कृष्णाप्पा पुत्र श्राहुचप्यीपा, निवासी चन्नपा ले आउट बट्टावणे, सिमीगा सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्रां आर० बी० चन्द्रणेखररप्पा, पुत्र श्री बसप्पा, मेडिकल आफिसर, हेस्थ डिपार्टमेंट, सवलंग ग्राम, तालुक होनाल्ली, जिला सिमोगा।

(अन्तरितो)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांध्रं भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषा कर व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त व्यारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंगे।

स्वाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जां उस अध्याय में दिया स्वाह ।

### अनुसूर्चा

(सस्तावेज सं० 474, ता० 26 मई, 1984)।
यह सम्पत्ति वसवनगुडी बहावणे सिमोगा सिटी में
साइट नं० 90 है। इसका पूर्ण क्षेत्र 2400 स्के० फीट है।
इसमें दो घर हैं। एक बंगला का क्षेत्र 57 87 स्के० मोटर्स
और मंगलूर कर्बाला का छोर का क्षेत्र 18 40 स्के० मीटर्स
है।

आर० भारताज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

नारीख : 7—12—1984

प्ररूप आहें. टी. एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगजुर

बेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 847/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका सं० 8450/बी है तथा जो उनकल हुबली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूचा में ग्रीर पूर्णक्य में बिणत है), रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख 23 मई, 1984

फां पृथों क्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, ह्वली में धारा 269- ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है, मूझे यह दिख्वास करने का कारण है कि यह पृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिप्तल से , एसे दृश्यमान प्रतिप्तल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अंन्य आस्तियों की खिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने से सांवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री महाबलेण्वर रामकृष्णा जोन्नू, कीर्णाकर रोड़, हुबला।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्रामिलकार्जुन दानप्पा मान्धी,
  - 2 श्री प्रकाश मल्लिकार्जुन मान्वी,
  - 3 श्रारित मिल्लिकार्जुन मान्ता, नलोजान रोड, हंबला ।

(अन्तरितंः)

को यह सूचना आ<mark>री करके पृशांक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए</mark>. कार्यशाहियों करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित मों किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में उरिभाषित ही, वहीं कर्भ द्वांगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

अनुसूची:

(दस्तावेज मं० 582, ता० 23 मई, 1984)। खुर्ला जगह उनकल हुबर्ला में है श्रीर यह सम्पत्ति हुबला धारवाड़ कारपोरेणन में है। इसका सर्वे नं० 3450/बी है। श्रीर इसका क्षेत्र 1163 89 यार्च है।

> आर० भा**रद्वा**ज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बें**गलूर

नारोख : 7—12—1984

मांद्रर :

# प्रकृष बार्च टी. एन , एसं , ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ /1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 848/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर जौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 228/3, 153/1, 154/पाओर 153/2 है तथा जो दतालयपेषटा ग्राँग विसागनीमट गाँव, जागर, हुबली चिकसगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबंड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख 29 मई, 1984

को पृशांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए र्राजस्ट्रीकर्ता के कार्याानयः, चिक्रमगलूर में धारा 269 ए. जी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारों के पास रिजस्ट्री-कृत किया रथा है, मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोज्ज्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंगरक (अंगरकों) और अंगरिती (अंगरितिगों) के बीच अंगरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बागविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व के कबी करने या उससे क्यने में सुविधा के निए: बार/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन वा अस्व आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ददारा प्रकट नहीं किया गर्मा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिसा के लिए

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री सी०ए० इफाज खान पुत लेट श्री सा० **खाजर खान,** काफा प्लाटर, एम० जा० रोड, चिनकमगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीसी० सम्नोउल्ला खान पृत श्री सी० ए० लताफ खान, काफा प्लॉटर, एम० जो० रोड, चिक्कमगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 552, दिनांक 29 मई, 1984)। काफो जमोन दत्तवयपेस्ट ग्रौर बीसगनीसट ग्राम, जगरे तालुक में नोच लिखा हुआ सर्वे नं० में है।

सर्वे नं ०	एकर्स (क्षेत्र)	
228/3	10.00	
153/1	11,38	
154/ <b>प</b> ँ०	10.00	
1 5 3 <b>/</b> 2 च्राइंग यार्ड	0.06	
153/2 कनमाने	0.05	
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~		

अरि० **भारताज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण** ) अर्जन र**े**ज, बंगल्र

ता**रीख**: 7-12--1984

# प्रकल कार्य के दी है प्रस्ता सुबा, ------------

# बावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### भारत सहकार

# कार्यासय, बहायक जाम्कर जायुक्त (जिडीक्ट्य) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निवेश सं० 849/84-85---अतः मुझे, आरं भारद्वाज नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 797/857/206 (4242) है तथा जो गांधोनगर सिमोगा में स्थित हैं. (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखा अप्रैल, 1984

को पूर्वेक संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अन्सार अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरिण के लिए दश्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबल, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के आए; और/या
- (क) एंगी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने के सुविधा से लिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के जनुसरण बाँ, माँ, उक्त अभिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिचित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री बीर जयराम एलियास डोर्ज टीर वरियप्पा, व्यापारो गार्डेन एरिवा, णिमोगा ।

(अन्तरक)

(2) श्रा जीव कुरियन एलियास उम्मन जार्ज, व्यापारो, गांधी नगर, एक्सटेंशन, शिमोगा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धप किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को स्कित अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# **प्रनुसूची**

(दस्तावेज सं० 184/84, तारीख अप्रैल, 1984)। सम्पत्ति जिसकी सं० 797/857/206 (4242) है, तथा जो गांधो नगर, 4 डिबीजन, शिमागो में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग्लूर

तारीख : 11-12-198**4** 

मोहर 🦻

प्रकृप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरादाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 825/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव फ्लैट है तथा जो हिदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूण हिष्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडण्यौली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अर्पेल, 1984

बहु पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान कित्र के लिए रिअस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिमांगा में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के पाम रिअस्ट्रीकृत किया ग्या है, मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्द सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य।, उसके दृष्यमान प्रतिफल से,, एसे दृष्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वास्तविक रूप से कथित हुई। गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्ड िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आद्भित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म्य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिटिक व्यक्तियों, प्रथति :-- (1) मेसर्म मातृ इंजीनिरिंग एन्ड बिल्डर्स प्रा० लि० 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फरणाना बक्की. पति डा० मोहम्मद अब्दुल बक्की, 22-1-692, नूरखां बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं० 401, बी० ब्लाक मानृश्री अपार्टमेंटस, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 895 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 284/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रीपकडपल्ली । एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 10-12-1984

# प्रकप बाही. टी. एवं. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश संज आर० ये० मी० नं० 826/84-85-अत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौ र जिसकी सं० 22 पैसे भेर इन हाउस है तथा जो बसीरकाग, हैदराबाद में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अन्सूर्च में द्रौर पूर्ण रूप से विभित्त है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीक्कडपफी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान ब्रांतफाल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और इन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में भाग्निक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत शक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक सं द्रायिक्त में कभी कारने या उसमें उभने में मुजिश। के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकंट नहीं किया गया धा या किया जाता चाहिए था, कियान में सुविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लणधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री जे० के० रातन, 77, राजमहल विलास एक्सटेंशन, सदाशिवनगर, बंगलीर ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्राग्रेसिय कन्सट्रक्शन प्रा० लि०, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्या किसी मन्य स्थित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पार्ट्य निवित में किए आ सकोंगे।

स्वक्कि रण '---इसमें प्रयुक्त क्षक्यों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

#### अन्स्ची

22 पंसे गंयर इन डब्ल स्टोरी विलिंडग भीर अपरटेनेन्ट लान्ड नं० 3-4-812, बसीरबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 336/84, रजिस्ट्री अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोह्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुद्ध (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

# प्रकृपं. बाइं टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 827/84-85--अत: मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अग्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के जीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) असरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दियान में कमी करने या उससे दवने में सृविधा . के लिए, और/या
- (म) एमी किसी बाय या किसी धन ए बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन कर अधिनियम, यो धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिधा के लिए:

अतः अवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) को क्रमीन जिम्मीलिकत स्वित्तसों, अधित :—— (1) श्री पी० सुदर्शन मूर्ता, 2-1-1137 5 बी, न्यू नल्लाकूटंटा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० पुष्पा, पति बी० सुधाकर रेड्डी, पालकोंडा पालकोंडा तालुक, श्रीकाकूलम जिला ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाच लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

घर नं० 1-2-606/80/100, यलआइसी, कालोनी स्रोपोजिट इंदिरा पार्क, लोअर टेंक बंड रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 930 चौ० फुट प्लंथ एरिया स्रौर 168 चौ० गज, भूमि रजिस्ट्रीकृत नं० 289/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्रोधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

# प्ररूप आई ० टी० एन० एस०--

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत बर्काड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 828/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है तया जो चायन रोड हैन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्हीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वाक्ति समपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के द्रियमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भरनतीय जायकार अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए:

कतः अब. उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-गं कौ अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) श्रीमती कमर जाहां बेगम, पिता मुलतान हूशनि 5-9-1616, चापल रोड़, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पैरामाउन्ट एजेंगीज प्रा० लि०, बाई श्री एम० मुदातूलाह, 1-10-76, फेयर फील्ड, बेगमपेट, इंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु—।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से दिन्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

घर संपति, चापल रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 255-99 चौ० गर्ज, भूमि 2830 चौ० फुट, प्लंथ एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०, 2283, 2297 श्रीर 2351/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्राायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ये० मी० नं० 829/84—85——श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

थीर जिसकी मं० घर है तथा जो हैडरगुडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्दरण संहुद फिसी नाथ की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर की के जन्दरक को दाजित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा को लिये; बार/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया पता वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती के॰ सीता,
 6~3-887/2, सीमाजीगुडा,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रफ्त हूसन,1-9-818. ग्रडीकमेट,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो कारके पृथिनित सम्परित के अर्जर के लिए कोर्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जः उक्सं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अन्स्ची

धर नं० 3-6-188/1, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीणें 278 चौ० गज भूमि और 300 चौ० फुट प्लंथ एरिया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2339/84, रिजस्ट्रीकृती स्रधिकारी हैदराबाद ।

एन० जगत मोहन सेक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिमांक : 10-12-1984

मोहादु 🖫

# प्रकम सार्वे ही . एन् . एष ु------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बाधीन स्वतः

#### श्वारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रिंज, देदराबाद

हैदराबाद दिनांकं 10 दिसम्बर, 1984

निदेश में० ग्रार० यें० सी० नं० 830/84-85--प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 5,000/~ रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसेकी सं० घर है तथा जो लोबर टेंक अन्ड, हैदरायाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूर्च) में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16( के ग्रधीन तारिख ग्रप्रैल, 1984

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-निक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में साधि। के निए; बाँग्/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

वतः वस, उक्त मधिनियम, की नारा 269-न के वनसरण वो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) इं जनीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- (1) श्री राजेश संधिय, 136/33, पी जः० रोड, सिकंदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी बाई पति बाबूलाल, 81, सुझहमन्य बेट्टी स्ट्रीट, कुशलूर, तमिलनाडु।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त उध्यस्ति के अजन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्ध स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सक्तेंगें।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त बीधीनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### वंगसूची

घर यस आइ सी० कालती, भीमनगर, लोबर टैक, बन्ड रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1257 चौ० फुट, रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 356/84, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारो, चिक्फडपाली।

> म्म० जगन मोहन नक्षम प्रःधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

्रहेदराबाद, दिनांक 10 ।दसम्बर, 1989

निदेश सं० ग्रारं० ये० सी० न० 831/84-85—ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उच्चित बाजार मुल्य 25,700/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० घर है तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीय पूर्ण रूप से विणित है), रिजिब्दकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, हेदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908श्रा 16) के श्रधिन श्रपैल 1984

को पूर्वीवात सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एस स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एस अंतरण के रिएए तय पाया गया प्रति कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में बास्तिवक हुए से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने की अतरक के दायित्य में कमी करने या उसमें असर के स्पृत्रका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के बिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ग्रशोक कुमार मूनाट ग्रौर ग्रन्य साग्र ग्रार्टसेंट, 3रा मजला, निर्यर दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कस्तूरी वाई, ग्रीर ग्रन्य 21-1-311, रीकबगंज, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🆫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्व। भया हैं।

### अनुसूची

घर नं० 21-1-878 से 883, देवडी मामा जमीला हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 213/84 राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकय ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 832/84-85--श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ही मायतनगर, हैदरावाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हा से विणित है (राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली में रस्जिट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16( के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमां प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा प्रभावन अधिनियम, धा प्रभावन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया **या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा** के लिए;

बतः बंब, उनत बिधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती बि० सविता रेड्डी,3-6--223, हीमायतनगर,हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स युनायटेड कन्सट्रक्शन को०, 3-6-150, हीमायतनगर. हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरें।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्स्ची**

खुलो जमीत विस्तीर्ण 409 चौ० गज. 3-6-223, हीमायतनगर, हैदरावाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 288/84, श्रौर 297/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विकडपल्ली ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो जे० एन० रोड, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं (रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1984

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी कारने या उससे बचने मों मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में गृतिभा के लिए:

(1) मेसर्स बिना बिल्डर्न,
 4--1-826, व्हिकटोरिया चेंबर्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स हैदराबाद ग्रीर सिकंदराबाद इलैनट्रिक ट्रेडर्स एमोभिएशन, 4-1-314, टुप बाजार, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त गम्पस्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### अनुसुची

टेनामेंट नं० 113, प्रथम तल व्हिकटोरिया चेंबर्स जे० एन० रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1365 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2189/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्षित व्यक्तियों, अर्थात:—

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 19 दिसम्बर 1984

निदेण सं० श्राप्त ये० मी०न० 834/84-85 —अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रंगारेड्डी जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अश्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्त एक से हुई किसी बाग की बाबत, नक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए: बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, गां धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान का सविधा के लिए;

अत. जब., उन्तर और नेयण, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियभ की भारा 269-ग की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिफित व्यक्तियों, अधीर क्र-- (1) श्री स्नाजसराज नंदू स्रोय स्नन्य , 1-8-702/89/1, नर्रलाक्ट्रा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सत्य साहू को–आपरेटिव हा० मो० लि० बाई श्रो दान० लक्ष्मीनगर 6–3--84/1, स्नमीरपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्यस्ति)

को यह सूचना जारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां श्रूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सतस्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में कि दी व्यक्ति ब्राग;
- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहा- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए का सकर्ग।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिविधम, वे अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्त्यी

भूमि विस्तीर्ण 9 एकर 39 गूटे, हैदराबाद विलेज, राजेन्द्रनगर, रंगारेड्डी जिला, प्रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2414/84, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी रगारेड्डी जिला ।

सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

प्रकृत लाइ. टी. एव. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 835/84-85--ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारों को, यह विद्यास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नरसापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नरसापुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्याँक्त संपत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकास से एसे द्रायमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नां सचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तरिक रूप से कांचित प्रदृष्टिक्या नवा है है—

- (क) प्रत्यरण च हुई किसी बाव की गावत, उक्क वीपीनवय के वर्षीय कार दोने के बन्तरक के शावित्य में कभी कारने या उससे वसने में सुनिया के सिए; बारू/या
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य जान्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया याना चाहिए था, छिपाने में समिधा के सिए;

अतः अव, उप्ता अधिभियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, अधारि ६----46---416 GI/84 (1) श्रीमती एम० सुचीता, पती एम०एल०एन० रेड्डी टाइप 5, प्लाट नं० 3 वियचहल. रामचंद्रापुरम, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रासी सिथेटिक्स एन्ड कॅमिकल्स् 6-3-1089/जी/10 फस्ट फ्लोर, प्लाट बि० गोलमाहोहन एवेन्यू राजभवन रोड, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कतीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो जन्ति अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्वसर्वे

भूमि विस्तीर्ण 14-39 एकर नरसापुर, मेडक-जिला, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1213 कश्रीर 1214/84 राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नरसापुर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🖫

प्रकृप आहाँ, टी. एन्. एस्. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### **भारत सुरका**र

## कार्यासय, सहायक बायकर जायकत (विद्रीकन) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 836/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० घर है तथा जो हैवरगुड़ा हैदराबाद, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीपन श्रील, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- र्षक) बन्तरफ ते हुइ किसी जान की बाबत उक्क निधीनदम के जधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रीयस्थ में कमी करने या उससे अभने में बुनिधा के लिए; ब्रीर/गा
- (स) ऐसी किमी आय गा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भएतीय लाग-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, या कन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण का, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिबित अधिकत्यों, अर्थातः :----

(1) मेसर्स काकतीया कन्सट्रक्शन प्रा० लि०, डायरेक्टर, श्री जी० ग्रंजष्या, 4-5-943, बडीचवडी, हैदराबाद

(भन्तरक)

(2) मेसर्स फरवर्ड सर्जीकल को० पार्टनर, श्रो एच० के० मदन, ग्रादर्शनगर, हैदराबाद ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 फिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य कि किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अवोहस्ताक्षरी के वार्त सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का न की क्या विश्व की क्या 20 की की परि-भावित हीं, वहीं कर्य होगा, जो इसे अव्यक्ति में दिया गया है।

### प्रमुस्पी

धर सम्पत्ति नं० 5-4-435/9 श्रीर 9ए, हैदरगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 1358 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विले नं० 2345/84, रजिस्ट्रीकृत प्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाय

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ(1) के संभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज. हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी०्नं० 837/84-85--भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायक ए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुंसे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जो निक्कामाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय निक्कामाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूके यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसिचत उच्चवंच से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया पया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्त, उक्त अधिशियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य अस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्रीमती पी० बालम्मा पति श्री पी० मालप्पाः कोमारगल्ली, निक्कामाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स भ्रनंदनगर कन्सट्रक्कन
 8-2-624/ए, रोड नं० 100 बंजारा हील्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारो करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (४) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राधन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ध्रनुसूची

भूमि विस्तीर्ण नं० 9-38 एकड़, हैदराबाद रोड़, निजामाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1503 ग्रीर 1504/ 84, राजेस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी निजामाबाद ।

> एम० जगत मोह्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीजक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के वन्सरण में, में उक्त विभिन्यमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, वर्षीत् हु—

दिनांक : 10-12-1984

मोहय :

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आर 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 838/84-85/--म्रास: मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो ह्यातनगर रंगारेड्डी जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय हैदराबाद ईस्ट में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख श्रेपेल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अतिरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध--- (1) श्री वि यादगिरी राव भौय श्रन्य 2-1-322, नल्लाकूटा हैदराबाव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० क्रुष्णा रेड्डी 2-1-302 नस्लाकूटा, हैदराबाद।

(मन्तरिस )

का यह सुचनाः जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जन्सूची

भूमि विस्तीर्ण 14-06 एकर हयातनगर, तालूक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विशेख नं 3201/84 रजिस्ट्रीकत ग्रिधिकार हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- हैदराबाव

दिनांक : 10-12-1984

## प्रक्षः नार्षः, दी. एम्. एकः, -----

## बाथकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 839/84-85-- म्रासः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो हैदरगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रोल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- '(क) मन्तरण से हुई किसी बाव की वावस, उक्स वीधीनयर' के वधीन कीर दोने के जन्तरक के बाँगस्य में कमी करने या उससे वचने में बृदिधा के लिए; बॉर/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन वा अभ्य आस्तियों को जिल्हें आएतीय आयके द विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाःवा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

(1) श्रो पी० त्यागटी,
 पिता ि० बापच्या,
 3-6-291)1, हैदरगुडा,
 हैदराबाद।

(भन्तरक)

(2) श्री इत्यर सिंह पिता श्री एच० सिंह,6-3-629 धैरसाबाद,हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकांगे।

स्थळिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **ग**र्म् ची

घर नं ० 3-6-291/1 हैदरगूडा, हैपराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2032/84 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-हैदराबाद

कताः अव, उस्त वीवनियम की धारा 269-म के अन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनोक : 10-12-1984

प्रकृष कार् . टी . एम् . एस . -------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराब

हैपरावाद, दिनांक 10 विसम्बर, 1984

निवेश स० घार० ये० सी० न० 840/84-85—प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० घर है तथा भो है दरगूडा, है बराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, है बराबाद सें रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1984

को पूर्णेक्स संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान कितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ध से उन्त अन्तरण सिचित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है हू-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा को पिनए; बीर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आया वाहिए था, जियाने में सुविधा भी जिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) बैं बधीन, निम्नसिवित अधिकतथों, बुर्धात् ध— (1) श्री पी० नाप या पित विख्या चौधरी, 3-6-191/1, हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती हारदीप कौर. पति श्री एच० सिंह, 21-3-291, पेटलाबुर्ज, हैदराबाद।

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत तम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अपूर्वा

घर नं० 3-6-29/1, हैवरगूडा, हैवराबाद का भाग, विस्तीर्ण 601 चौ० गज भूमि भ्रौ। प्लीथ एरिया 1500 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2031/84 रिजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी, हैदराबाद ।

एम० जणन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

विनाक: 10-12-1984

मोहन:

प्रक्य मार् .टी.एन .एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 841/84-85--अतः

ानदश सण आर्थ येथ साथ नय है मुझे, एमक जगन मोहन,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० वुकान है तथा जो पूतलबावली, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) भाग्यनगर कंस्ट्रणन प्रा० लि०, पुतलीबावली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ऊमर फाएक बाला गराफ अली हालकी गाप नं० 53, 5-1-908, पुतलीयावरी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गक्षा है।

नगुसुची

दुकाम नं॰ 53, 5-1-908, पुतलीबावली; हैवराबाद विस्तीर्ण 232 चौ॰ फुट, रिजस्ट्रीइत विलेख नं॰ 2346 84 रिजस्क्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज—हैदराबाद

अतः अवः,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण वो, यो, उक्त विधिनियस की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे वधीन, निम्निविद्य व्यक्तियों, प्रवर्षत् :--

दिनांक : 5-12-1984

प्रक्रम लाहु टी. एन एस . -----

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर नाय्क्स (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

मिदेश सं० आर० ये० सी० नं० 842/84-85--अतः मुक्को, एम० जगन मीहन,

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य २३,०००/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० घर है तथा जो गोशामहल, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथा

पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृष्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं पामा गमा है :---

- (क) नन्तरण सं हुइ' किसी नान की नावत, उक्त वर्डिभनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी कर्तने या उसके बचने में अदिशा के स्टिश; बीट/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा धाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के निय;

नसः वव, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) दे अभीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

(1) श्री रामिकशन मोर भीर अन्य पटेल माकेटें, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० शंकरच्या ग्रीर ग्रन्य, 5-3-203 204, हिन्दी नगर, गोशामहल , हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री के 45 दिश की व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यक्तियों भी भी अविश्व को साम में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकी।

### वगुसूची

घर संपति नं० 15-2-744 से 746 उस्मान गंज, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2066/84 रजिस्ट्रीकत अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 843/84-85-अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो रेउक मेतला चेरुक, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोदाडा में रजिस्ट्रीकरत्तों अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के फ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों ,को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री वहीं जीन्ता वेंकटारेड्डी ग्रीर अन्य, रेउरु विलेज, कोदाडा तालूक, नलकींड जिला ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुर्या सीमेंट प्रा० लि०, 1-1-475/2, गांधीनगर; हैस्राबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पुदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

भूमि रेउर मेतला चेरउ कोबाडा, राजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1150, 1151, 3340, 3339, 3462, और 3463/ 84 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोबाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकार १ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोंक : 10-12-1984

#### प्रस्तव काद्वे टी.एन एस.----

## भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निशीकण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदर-बाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 844 84-85--अतः मझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है सथा जो कादाड तालूक कोदाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोदाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन (तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए•प्रस्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्तृ प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (अस्तरकों) पीर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीत ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक अप से फिबन नहीं किया गए है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 10000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया रुखा था या किया जाना चाहिए था, व्यापने में सविधा के लिए;

जतः जवः, उक्त मधिनियमं की धारा 269-ग के जन्मरण मा, मी, उक्त मधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिक्त व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री जो० सीतारामध्या भीर अन्य, कोदाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णु मीमेंट लि०,1~10-1/15, अशोकनगर,हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा,
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

### श्रनुसू वी

भूमि किस्तीर्ण 758 एकड रेखक रामपुरम ग्रीर दोंडापुडू विलेजेस, कोदाडा तालूक, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कोवाडा, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1165, 1191, 1193, 1226, 1204, 1203, 1225, 1234, 1249, 1246, 1245, 1240, 1239, 1238, 1237, 1236, 2401, 2411, 2366 2369, 2380, 2384, 2391, 2397, 2398, 2337, 2338, 2339, 2329, 2305, 2341, 2344, 2345, □2356, 2357, 2358, 1550, 1547, 2459, 1511, 1450, 1412, 1413, 1420, 1421, 1428, 1442, 1444, 1411, 1388, 1389, 1394, 1395, 1253, 1252, 1299, 1294, 1290, 1307, 1313, 1310, 1314, 1315, 84 |

एम० जग मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप खाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### नारत बरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 297/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पंगीडी गडम, बैस्ट गोदाबरी जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधकारों के कार्यालय भीमडोला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रिप्रेल, 1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिफल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गद्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्यरण से हुइ किसी जान की नामत, धक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तर्क की शायरण में कमी करने या उत्तरी क्षण में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 2169-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार्य 269-च की उपभार्य (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯— (1) श्री के० वेंकट राव श्रीर श्रन्य, पेनूगोंडा तनूकू तालूक, जिला वेस्ट गोवावरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भूपति राजू नरिसम्हा राजू, पाइडवा डूमलूरु पोस्ट, तालूक पोडूर, जिला वैस्ट गोदावरी ।

.(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि बा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नष्ध किसी जन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृजुषी

भूमि पंगीडीगूडम विलेज, तालूक भीमाबरम, जिला वैस्ट गोदावरी विस्तीर्ण 20 एकर रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 981<sub>1</sub> 84, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी भीमडोल ।

> एम० जग**द मोहन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 5-12-1989

मोहर 🛭

## **इस्त् आर्'्स्, युग्, पुण्**, अस्तातानानाना

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कांबालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, हैदरबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1884

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 29के,84-85--श्रतः एम० जगन मोहन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तन्कू जिला वेस्ट गोदावरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तन्कू में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रीन, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिका उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अभारत्व ते हुव किसी जान की बाबत, उनक जीवनिक्त से अभीन कर दोने के जनारक के सामित्व में कनी कड़ने या उन्हों अलगे में सुन्धि। से निक: अड़ि/मा
- (क) एसी किसी जाव या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए या, जिपाने में सुविधा के तिए।

नतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मधीन :— (1) श्री पी॰ सत्यनारायण ग्रीर ग्रन्य, 11थ वार्ड तनुक्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० वेंकट सुब्बा राव ठथ वार्ड,तनुकु।

(अन्तरिती)

को वह स्थान पादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिन्ध कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के तम्बन्ध में कोई भी आश्रोद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वर्षध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए या तकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। ग्या हैं।

#### मन्द्रची

भूमि विस्तीर्ण नं० 2-70 एकड, तनूकू, जिला गोवावरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1663/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी तनूकू।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांफ : 5-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप मार्च .टी , एन . एस . ------

नायकार निर्मितयसः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यानयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रांर० ये० सी० नं० 299/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि है तथा जो वाल्टी घार्ड, वैझाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वैझाग में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी बाय की बाबत ; उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी कर्ने या उत्तरे वर्षने में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य शास्तियों की जिन्हों आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा से किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृके अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिस्ति स्यक्तिसों, अधीत् ः—

- (1) श्री धार॰ प्रकास राव केरपा, काकीनाडा, जिला इस्ट गोदावरी । (धन्सरक)
- (2) श्रीमती पी० लक्ष्मीनारायणम्मा श्रीर ग्रन्थ, माधवधारा, विशाखापटनम । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1251 चौ० गज बाल्डीयर वार्ड विशाखा-पटनम, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4394/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी वैद्याग ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-12-1984

मोहर 🛭

## प्रकृप जाई :, टी. एन , एस:. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा. 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1989

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 300/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/~ रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाल्टीयर वार्ड वैझाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वैझाग में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख ग्रग्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया. गया प्रतिफल, निमालिखित उच्चारेय से उक्त अन्तरण निखित में भारतिक एसे किया गया है:—

- (क) नलरण चे हुई किसी नाय की वावत, उनत निर्मानय को सभीन कर दोने के अन्तरक के प्रावित्व में कभी करने वा उत्तरों नचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (ख) एसी किसी नाय वा किसी धन या जन्य नास्तियों नी, जिन्ही भारतीय नाय-कड निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धग-कर निधिनयम, वा धग-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति देती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियान में सुनिधा से जिन्ही

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) श्री धार० प्रकाश राव केरपा, काकीनाडा, जिला इस्ट गोवश्वरी। (धन्तरक)
- (2) श्री एस० लक्ष्मी, पति श्री श्रीहारी, 57-6-7/1, कंचारापालम, वैक्षाग।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अस्तिप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पछितिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सनसंची

भूमि विस्तीर्ण 1040 चौ० गँज वाल्टीयर वार्ड वैज्ञाग रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4833/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी वैज्ञाग ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

चिनांक : 5-12-1984

## प्रक्य भाष्ट्रे हो, एम्, एस्,-----

## नायकर मधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचना

#### बारत ब्रह्माड

## न्यार्थास्य, सहायक अध्यक्तर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैयराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अ१२० ए० सी० 310/84-85--- प्रतः मुझे, एम० जगन्द मोहन

नायकर अधिनिनम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इक्कें इसकें परणात उसत अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार अस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीय जिसकी सं० घर है तथा जो काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्य से हुई किसी बाब की बाब्त, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एजेरी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्यारा एकट नहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

कतः कव, उक्त अभिनियम की भाषा 269-ग के बनुबरण् मों, मों, उवत अधिनियम की भाषा 269-घ की उपभाषा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) ए॰ नारायणमूर्ति भौर श्रन्य पीटापुरम इस्ट गोदावरी जिला । (श्रन्तरक)
- (2) श्री टी० गोपालकृष्णा धरमा वरम, पिटापुरम तालूक, जिला इस्ट गोदावरी।

(अन्तरिती)

को वह तुमना बादी करके पूनोंक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सन्त्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इशाय;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### **धनु सूची**

सम्पति नं० काकीनाडा विस्तीर्ण . 614 ची० गज धौर भूमि 2554 चौ० गज प्लंथ एरिया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3264/ 84, राजस्ट्राकर्ती श्रिधकारो काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज, हैदरावाद

जदिनांक: 5-12-1984

## प्ररूप बाईं. टी. एव. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 5 विसम्बर 1984

निवेश सं० ग्रार० ये० सो० नं० 302/84-85--- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो काकीनाड़ा में (भ्रौर इससे उपाबढ़ अनुचको में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय काकीनाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूच्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में धास्तिया रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनतरण से हुई किसी आव की बाबत, तक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः प्रथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डॉ॰ पी॰ जगनाधराय, काकीनाडा, जिला इस्ट गोदावरी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री येरा मुरली मोहन ग्राडीटर, केअर श्राफ एम० एस० ब्रह्म एन्ड को०, सी० एन० साह, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिश्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते -अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदया गया है ।।

#### जनसर्ची

भूमि विस्तीर्ण 686 चौ० गज, काकीनाडा बार्ड नं० 2, जरजिस्ट्रोक्कस विलेख नं० 3460/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 5-12-1984

महिर 🖫

प्ररूप आर्ड्: टी. एतं. एस. लन्ड------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सःरकार

कार्यालय, स**हायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, क्वेदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 303/84-85:--यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो राममुंद्री, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रदुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, राजमुंद्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पावा पया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक कप से मिणत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं शूर्य किली आग की वायत उक्त अधि-िम्धन के अधीन कर वंत्रे के अन्तरक के वानित्व में अभी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; जरि/बा
- (थ) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य कारिसकों को, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत जीवनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नमा था वा किया जाना चाहिए भा छिपान में स्विधा के रिवा;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निज्नितियम व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री एम • कृष्णामूर्ति, केयरग्राफ कृष्णा कृसीबल वर्कस, मंगलवारपुपेटा, राजमुंदी।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसमं रत्ना सेरामीक्स एन्ड रेफरीजीरेटर्स, बाई श्री रामकृष्णा, 47-1-400, दानवाइपेटा, राजसुंदी।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उत्रत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

ह्मच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्सूची

भूमि विस्तीर्ण 80 सेंटस, राजमुंबी रूरल एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2690/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजमुंबी।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रोंज, हैदराबाद ।

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप नार्ड .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

्मिर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 304/84-84:—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी मं० घर है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (शौर इससे उपावद श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्धरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बार्बत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी∙ प्रभाकर राब, डी० नं० 15-7-1, वेंकटरत्नापुरम, काकीनाड़ा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बालनत्नपू भास्कर राममूर्ति, डी० नं० 11-2-14, शेषासाई विधी, रामरावपेटा, काकीनाडा।

(अन्तरितो)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उबतः सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, कथोहस्ताक्षरी के पास सिविश्त में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्दों जरि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

भूमि, विस्तीर्ण 20 एकड़, पंगीडीगूडम, भीमडोला तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 981/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 5-12-1984.

महर:

प्ररूपः आहें, टी. एनः एस्., - - - -

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की अध्य 269-व (1) के नभीन सुवना

#### भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रीज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

सं० म्रार० ए० सी० नं० 305/84-85:---म्रतः सुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो सीतम्माधारा वेंझाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वैझाग, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भन्नेल, 1984

्रका पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुन्दे किसी बाय की कावत, उक्स वीध्यितम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कनी करने या उक्के कथा में स्वीवधा की सिक्: बहि/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के सिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम धी भारा 269-व के बन्तरक भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती एम० सूर्यकुमारी,
  31-33ए-15,
  डाबागार्डनस्,
  वैझाग।
  (2) सी० ग्रन्नामलीमुदालीयार ग्राँर ग्रन्य,
  50-1-23,
  ग्रापोजिट ग्राई० ग्रो० एल०, सीताम्माधरा,
  वैझाग।
  (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स पल्लीवि कन्स्ट्रक्शनस, प्रा० लि०, बाई श्री यू० राजू, 43, किरलामपूड़ी ले श्राउट, विशाखापटनम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकार्यन की तारी से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों मा से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को रास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दी और पद्यों का, जो जिस्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिशाषित है, बही अर्थ क्रांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 2540 चौ० गज, सीतम्साधारा वैभाग, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4956 से 4959/84 राजिस्ट्रीकृती ग्रिधि-कारी, वैभाग ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 5--12--1984

## प्रकृतादै.टी.एन.एस.------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

#### भारत संस्कार

## कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984.

सं० आर० ए० सी० नं० 306/84-85:---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रार्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

क्रीर जिसकी से वर है जो लायरपेट श्रोंगोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रोंगोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय श्रोंगोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अश्रेल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपायत बाजार क्रिय, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के श्रीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में कास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुलिशा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में स्विधा के निए;

अत. अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) के अधीन, निम्निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भी बी० चंचूलू, पिता भी सुन्वया, अमीरपेट, हैदरानाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चेन्नारेड्डी इंदीरा पिता, श्री भास्कर राव, डी० नं० 58-6-18 (1)नेहरु विधी, संतापेटा, श्रोंगोल ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् निश्चित में किये वा सकेंगी।

स्वकातिकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो स्वक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

धर संपत्ति डी० नं० 8/220 लायरपेट ग्रोंगोल (न्यू एक्सटेंग्रन्द्र विस्तीर्ण 389 ची० गज० भूमि ग्रीर 864 ची० फुट प्लीय एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1143/84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आंकदगोल ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीच : 5-12-1984.

मोद्दर:

प्रकृप आहें टी. एन्. एक. -----

## भागकर विभिन्नियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यक्ति सुपना

#### बारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक, 5 दिसम्बर 1984 सं० आर० ए० सी० नं० 307 84-85: —यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है जो इन्नालागड्डा नरसारावपेट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसारावपेट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नरसारावपेट अप्रल 1984

को पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकत को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपरित का तिजल बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष किस निम्नितित उद्देश्य से स्वत जन्दरण सिचित में बास्तिक रूप से क्रियस नहीं किया गया है:---

- (क) नत्तरण तं हुई किसी नाय की वायत, अवस् अधिनिवृत के अधीन कर दोने के अन्तरक क वासित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुधिध। वे शिष्; श्रीद्र/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर कभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वनकर वृभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना भाहिए था, कियाने में वृश्यभा के विवाह

कतः नग, उक्त निर्मितयम, की भारा 269-ग के नमुक्तरण मं, मं, उक्त निर्मितयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, जिल्लानिकत व्यक्तियों. सभात क्र--- (1) श्री के० हृतूमंतराव जानलगड्डा नरसारावपेट तालुक ज़िला गुंदूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० शिवरामचंद्रशेखर राव मैनेजिंग पार्टनर श्री वेंकटेमुबरा जीनिंग मिल जोनलगडुत, नरसारावपेट तालुक जिला गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वक के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष् :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वक्वितरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनसूचा

भूमि विस्तीणं 1-40 एकड् जोनलगट्टा रिजर्स्ट्रीकृत विलेख नं 1826/84 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी नरसारावपेट ।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण), अजन रेंज हैदराबाद ।

तारीख : 5-12-1984

भोहर 😗

## शक्य बाई. डी., एन., ६व., ५----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्थान

#### नारत बहुकार

कार्यांचय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 10 दिसम्बर 1984

सं० आरं० ए० सी० 308/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

काथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापर संपरित, जिसका उचित साबार मूक्स 25,000/-रा. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है जो थि आग्रहारम गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिमियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान अधिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह शितणत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निमिलित उद्देश्य से उक्ट अन्तरण सिविव में वास्त्रिक स्थ से किस्ति नहीं किया गया हैं:——

- (क) कराइक हे हुई किसी बान की बाब्द, उक्त विधिनित्रम् के स्थीन कर दोने के बन्तरक के स्ववित्व में कनी करने या उससे वयने में सुनिधा के सिए; बीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपने अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया नवा था किया काना थाड़िक् था, क्यांचे में सुविधा के लिए;

कतः अब उन्त विभिन्निय की भाष 269-त के वनुकरण मों, मीं, उक्त अधिनियस की भारा 269-त की उपधारा (1) के वभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अभित् ६—- (1) श्री एम० एलीयासम्मा पति अन्नतस्या श्रीनिवासाराव तोटा गृदुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री व्ही० सीतारामय्या श्रीर अन्य शिवरामनगर आर० आग्रहारम गुंदूर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके प्याँक्त सम्मित्त के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांचे भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वनिष मा तत्सन्वन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की ताजीन से 30 दिन की जनिष, जो भी जनिष मार्य में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ मां में सिक्तमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्बंति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः --- इतमें प्रवृत्य बन्धे और वर्षे का, हो उपक् अधिनिवम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विषा गया है।

#### THE RESERVE

भूमि विस्तीर्ण 915 ची० गज आर० आग्रहारम गुंदूर राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4321/84 राजिस्ट्रीकृती अधिकारी गुटुर ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख: 10--12--1984

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. -----

बाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 सं० आर० ए० मी० 309/84-85--थतः मृझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-इन को अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव घर है जो ब्रोडीपेट गुंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंदूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रीक्त संपरित का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिफल का पन्छ प्रतिफल के बाजार अंतरित के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिक्तित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिक्तित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभि-)'नयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कमी करने या उसमें अभने में सृत्विधा के जिए; अदि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धृत या जन्य शास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अतिरिती दुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्तनिवित व्यक्तियों, जर्मात् ह—

 श्री व्ही व्सक्यावलम्मा, ब्रोडीपेट, गृंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एसर्जनार्धी मूर्ति, पिता श्री लक्ष्मनमूर्ति, ब्रोडीपेट, गुटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकावन की तारीव है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी स्पनित्यों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवित स्पनित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षेद्धस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंगिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

घर संपत्ति, ब्रोडीपेट, गुंटूर विस्तीर्ण 96 चौ० गज०, भूमि ग्रौर 1200 चौ० वर्गफूट, प्लींथ एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4388/ 84 रजिस्ट्रीकृती अधिकारी गुंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 10-12-1984

## प्रकृत बार्ड. डी. एकं. एड.-----

## गायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षी भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

#### भारत् सङ्काह

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश मं० आर० ए० सी० 310/84-85—अत:, मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी अपे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापए से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि है तथा जो तक्कलापाडू, जिला गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचें) में जो पूर्ण रूप से वर्णित है (रर्जिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में रिजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया गया प्रतिफल, जिम्निचितित उपविदेश से उक्त अन्तरण विस्तित में बास्तिक क्या में काथित नहीं किया गया है हिन

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उकत विधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक खे सवित्य में कमी करने या उम्रत वचने में दृष्यिका के सिए; बॉर/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आककर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, फिल्पाने में नविभा के सिहः

- 1. (1) श्रामती लक्ष्माकांतत्मा पति सत्यानारायणा,
  - (2) पंचमता अप्पाराच नक्कल्लापाङ्क गृंदूर जिला ।

(अन्तरक)

2. श्रा के० वेंकटेस्वरंलू, केअर आफ दि० ए० पो० एस० आर० टो० सा०, एस० सा०, इम्प्लाइज की-आपरेटिव हाउसिंग मोसायटो बिल्डिंग, गूंटूर । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास जिल्लित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### **मन्स्ची**

खुलो जमीन विस्तीर्ण 4 एकड्, तक्कीलापाडू, गंटूर, रिजस्ट्रोक्कन विलेख नं० 3284/84 रिजस्ट्रोकर्ना अधिकारी गंटूरे ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारा सहायक आथकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः जब, अन्त निधिनियम की धारा 269-म की अनुसरक में., में , उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निध्नसिचित व्यक्तियों, अर्थातः :----

दिनांक : 10-12-1984

## प्रकृत वाह'. टी. इत. एव. ----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन स्थाना.

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सं:० 311/84-85—अतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'इकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिया है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो दोइडावरापाडू, जिला प्रकाशम में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ते विणत है) रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रोंगोल में रजिस्ट्र कररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए बंबरित की गई ही और मृक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापृत्रों के तंपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उच्त बन्तरण सिश्चित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- [क] बन्दरण से हुए किसी आय की बाब्त, उक्त बिधिनिय्म के अधीन कर होने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—
49—416 GI/85

 श्रा बो० वेंकटेस्वरलू पिता श्रा रामलू, गड्डावरपाडू, जिला प्रकाशम ।

(अन्तरः)

2. श्री बी० पून्ता रेड्डें, मार्स्ता काटत र्जिनग की० मैनेजिंग पार्टनर दड्डावरे.पाडू, जिला प्रकाशम । (अन्तरितः)

को यह स्थना थारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को जिस् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

## उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में पकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूबना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत करिताओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनक अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं व्यक्ति होगा को उस अध्याय में दिका गमा ही।

#### अनुसूची -

्वि विष्डावरपाडू जिला प्रकाशम, रजिस्ट्रेक्टत विलेख त्रं 1215/84 श्रीर 1234, 1299, 1230/84 रजिल्ट्रें-कर्ता अ.धेकारी, श्रींगीज।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्रकृप. बाह्र टी. एन. एस. 👓 🕫

शायकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के सधीन सुचा

#### भारत गरकार

**कार्यलय, सहायक** आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० 312/84-85--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र क्रिकारी को, यह किस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं० भूमि है तथा जो यङ्गूडलापाडू, जिला प्रकाशम में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्रोगोल, में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को प्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे शन्तरण दो लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं पाया गया है:——

- (क) बंतरण सं रूर्व किसी बाग की वाबन, तक्स विधिनियम के अधीन कर दोने के लक्काक के दायित्व में कानी कारने या उसके किसे में निवास के लिए; बोर/या

कतः विष उपत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, कें, अवत अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रो जो० शेषागिरि राव पिता नरिसम्हन सांतापेटा, श्रोंगोल।

(अन्तरक)

 सुधा काटन जीनिंग मोल, यंडूगूंडलापाडू, मैनेजिंग पार्टनर श्री एम० रमेश बाबू, सांतापेट, श्रोंगोल ।

(अन्तरिती)

कां मह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

भूमि येडगूंडलापाडू, जिला प्रकाशम, विस्तीर्णं 56 एकड़ रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 1179/84 रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी ग्रोंगोल ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप आहें दी. एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बं 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० 845/83-85—अतः, मुझे, एमम जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धर है जो उस्मानपूरा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :—  श्रीमता सूभा देवी श्रीर को० बाई श्रामता सुभादेवी घर नं० 21-7-343, शेकर कोठा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रो एम० ए० रसोद श्रौर अन्य घर नं० 22-1-514, सुलतान पूरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काअर्थ 🪁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, तही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अम्स्ची

घर नं० 16-7-436, ऊम्मानपूरा, हैदराबाद, विस्तोर्ण 1671, जी० गज, कुल क्षेत्रफल, श्रीर 3764 ची० फुट, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 2385/84, रजिस्ट्रोक्टर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप बाह'. टी. एन. एस.----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

- हार्योत्रय, सहारह आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनां र 10 दिसम्बर 1984

तिदेश सं० आर० ए० सं१० 846/84-85---आतः, मझे, एम० जंगन मोहन

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रा से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० घर है तथा मेहदापट्टाम, हैन्सबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड धनुसूचामें ग्रीर जो पूर्ण का से विपित है) रिजिस्ट्राकर्ता ग्राधिनार के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्राकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काब की बाबत उक्त कींध-निध्य के अधान कर दान के अन्तरक के दावतन या कुढ़ करने या उपसे उधने या निधिक के लिए, कीप/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो अवा आधिनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के श्यांजनार्थ अन्तरियम, व्याप्तियम, क्षेत्र श्री किया भाषा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को जिए;

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीर, क्षांत्रिक अधिनश्रोत अधीत :—  श्री स्नार० एस० गोपालन घर नं० 12-2-458/7 मेहदीपट्टनम, हैदराबाद।

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

(ग्रन्तरक)

2. श्रोमती जकीया सूलताना और मोहम्मद इब्राहोम खान 10-4-32 हुमायूं नगर, हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .-

- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद ने समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थक्ष्यीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होरा, जो उस अध्याप में दिया गया ही।

#### अमृस्धी

धर भ्रम्बा थियेटर नेहर्दापट्टनम हैदराबाद विस्तोर्ण 435.5 चौ० गज रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2430/84 र्राजस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन जक्षम प्राम्नधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

तिदेश सं० आर० ए० सं२० नं०८४७/८४-८५—म्बतः, मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रठ. से अधिक है

श्रीर जिसका सं घर है तथा जो आफिसनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वधास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितासों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध से उक्त अन्तरण सिंबित में अस्तिक स्प से कांचित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण **से हुए किसी बाय की बाबत**, स्वस्त अपिशीनसम्बद्धी कभीन कर दोने के अन्तरक के बाधिएवं में कभी करने का उससे अवसे में मृजिया के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य अस्तिया का, विन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के निए;

अत. अब, अब्द अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नलिखिल स्थितवारों स्थिति :---  श्रीमती फातीमा पति अली हासन वाई नाइज सी० पी० ए० श्री महती हासन घर नं० 20-3-627 मूसा बीक्ली, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

 फतीमा वली उल्लाभीर दो अन्य पिता बलो उल्ला घर नं० 12-2-837/3 भ्रांसफनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कां यह स्वना जारी करके प्रोक्त संस्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षाप :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशभ की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उनत स्थाबर सम्पत्ति में हितम कुष् किसी जन्म स्थाबत इसारा अभोहस्ताक्षरी के पाष लिश्वत में किस जा सकर्गे।

स्वस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर, जो उस अध्याम में दिया प्रमा हैं।

## मनुसूची

घर असिफनगर, विस्तीर्ण 813 वौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 836/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारो, खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिसांक : 10-12-1984

मोहर 🖫

## प्रकृष मार्चं.टी.एन.एम. -----

## आयकार अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्राए० ए० मो०नं० 848/84-85—श्रातः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ∠69 च के अधीन सक्षम प्राधिकाची को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य √5,000/- का सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है, जो कहा एन कालोनी, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इसने उपायब स्मृत्या में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है) रजिस्ट्राकर्रा श्रीधकारों के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित को लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के सिए; ब्रॉर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धन था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

 डा० म्रासगर हसन, 10-2-317/20, विजयनगर कालोनो, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

 डा० णब्बोर झहमद झब्दुल्ला भाई, 10-2-317/20/1, विजयनगर कालोनो, हैदराबाद ।

(म्रन्तरितो)

को यह सूचमा जारी करके पृथीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध मां कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजगण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील रा 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ज्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्हा शिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### अनुस्ची

को मंजिल की इमारत, विस्तोर्ण 194 चौ० गज, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 941/84, रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी, खैरताबाद नं० 10-2-317/20, विजय नगर कालोनी, हैधराबाद।

> एमं० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के के अभीम, निम्नलिकिए अविभक्तवों, अर्थात् ह—

दिनांक: 10-12-1984

प्रकृप, बार्ड , टी. एव. एस. - - - ::--.

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### ् भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 849/84-85:— श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मूल्य 25.,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं घर है तथा जो श्रसिफनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की वाबत, उनस शिथितम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिथित्व में कमी करने या उससे समने भें गृषिभा के सिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या शिवा जाना गरितम् था, छिपाने में मुनिया के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग को अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-प की उपभाग (1) अधीन, निम्निणित व्यक्तियों, अर्थात्ः— शेख मीलार पिता शेक अब्दुल्ला
12-1-331/98, दत्ताद्रेय नगर,
असिफनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 श्री गुन्नेर्रासह ग्रौर अन्य 12-1-331/98, धत्ताक्षेयनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिक्तयों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिस हैं, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया। गया है।

#### वन्स्ची

दो मंजिल की इमारत कम्पाउन्ड वाल के साथ, दक्षात्रेयनगर, ग्रसिफनगर, हैदराबाद, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1007/84, र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी,खैरताबाद।

> एम०. जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्ररूप आह. दी, इन. एस.-----

बायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

हदराबाद, दिनाक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० नं० 850/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य 25,00%/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी संव प्लाट है जो एवं मांव गार्डम, हैदराबाद में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूच: में और पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीमर्ना अधिकारों के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 4/84

की पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर विश्वास में रिति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) ज्ञारण वे हुई किसी नाय की वाचता, उक्त जिल्लाम के ज्ञीन फर बोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के भिए: कार्रना
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिये था, छिपान में धृदिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अधीन,

 श्री एम०ए० कबोर पिता एम०ए० नझोर श्रीर अन्य 10-1-851/1, ए० सी० गार्डस्, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 डा० श्रोमतो हालीम सुलताना, पति डा० मोहम्मद घौसुद्दोन, 5-3-1020, निझामशाही, हैदराबाद।

(अन्सरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी आक्षेप :

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध, किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास्त्र लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त काक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### वन्स्ची

खुली जमीन, ए० सी० गार्डस्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 261, चौ० गज, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं० 878/84, रजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी, खैरताबाद ।

> एम० जगन मोइन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणीं) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

प्ररूप भाषी, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० नं० 296/84-85--- अतः मुझै, एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कन्नरु, विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रिजस्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृस्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति को उचित बाजार मृस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त जन्तरण कि बिए में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा और किए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के किए;

नतः अन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 50---416 GI/85

 श्रो वाई० मल्लोकार्जुन, राव ग्रौर अन्य ऊपुरु ।

(अन्तरक)

2. श्री टो॰ प्रसाद राव पिता सीतारामय्या, श्रीमतो टो॰ सूजाता बाई एजेंट श्री बो॰ बसवय्या, विजयवाडा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हि—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संगत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सकैंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसूची

भूमि विस्तीण 5495 चा० गज, भूमि कन्तूरु, विजयवाडा, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 2153/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो विजयवाडा।

एम० **जगन मोहन** स**क्षम प्राधिकारो** सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जैन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्रक्ष बाह्र, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सो० नं० 313/84-85---अतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० घर है तथा जो भोगलराजपूरम, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित को गई है और मुभे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मृन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्य से उकत अंतरण लिखित में बास्टिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ने हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. टिम्निलिखित व्यक्तियों, अधात :--- ् 1. श्री के० पापच्या, पिता श्रीनिबसा राव, याभूतगर, विजयवाद्या-2

(अन्तरक)

सरदार कुलदाप सिंह कंधारी,
 कंधारी हाउस, लब्बिपेट, विजयवाडा-10

(अन्तर्रास्तोः)

का बहु सूचना आरी करके. पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सरमित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### . नगराची

भूमि श्रौर घर डो॰ नं० 32-9-1, मोगलराज पूरम, विजय वाडा, रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 2318/84, रिजस्ट्राकृती अधिकारी, विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

## प्रकल् बार्स्ट हो । एथ्रा एम् रान्टगुननन्त्र

## नायकार विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुधना

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 314/84-85—अतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिन्हों सं० भूभि है। या जो शिवायुरम, विनूकोंडान तालुक में स्थित है (स्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय विन्कांडा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से तुर्द किसी आग की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क औ दायित्य में कभी कर्रने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री एन० गोपाल कृष्णस्या, पांदूरंगापेट, तैनाली ।

(अस्तरक)

2. श्रो व्ही० सुधाकर रे**ड्डी श्रीर अन्य**गूमनमपा**डू**, येपूर तालुक, जिला गूंटूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्राष्ट्रिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पह्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपित इवाय अधोहस्ताक्षरी के पाइ जिबित में किए जा स्केंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## धन्स्या

भूमि शिवपूरम विलज, विनुकोंडा तालुक, गूंटूर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 912, 913 श्रीर 914/84 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारो, विमुकोंडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

क्षतः अव. अवसं अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुतरणं में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

विनांक - 10-12-1984 मोहर: प्ररूप बार्ड्, टी. एन. एस. : ------

# श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

् हैबराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 315/84-85—अत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गए। हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है, जो जिला गुंदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूंदूर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4/84

को पूर्वाक्त सम्परित को उचित बाजार मूलम से कम के दूरमान प्रतिकत को सिए अन्तरित की गृद् है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिकत से एसे दूरमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसिद्धत उद्देश्य से उक्त क्लरण सिवित में बान्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तर वचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी थन था बन्य अप्रीस्तायों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए!

बतः वकः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, बर्धात् उक्त 1. श्रो बो॰ गूरवस्या भीर अन्य वैनीगूडला, गूंटूर जिला।

(अन्तरक)

 श्री ऑा० लक्ष्मीनारायणा दि गूंटूरको-आपरेटिव हाऊस कन्स्ट्रक्शन सोसायटी लि०, श्रीनियासा नगर गूंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्बों और पद्यों का, वा अवस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

भूमि विस्तोर्ण 1 एकर 13 सेंट्स, 4 एकर 90 सेंट्स, वेनोगंडूला, पेडकाकानो खौर रेड्डो पालम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4128, 3874, 4131, 3184, 4353, 3482, 3483 खौर 3781/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, गूंट्र ।

एम० जगन मोहन स**क्षम प्राधिका**री स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनोक ; 10-12-1984

प्रकप बाई.टी.एन.एस. -----

**आयक**र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 316/84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात (उक्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ऋसा विलेज, गूटूर जिला, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गूंटूर में र्राजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधोन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इक्समान प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है जिर मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके अपयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्ति उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक रूप से की भूत मही किया गया है :---

- (क) नन्तरण से इन्हें किसी थान की बावस्, उत्तर जिभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक 🛸 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में समिका के लिए; और/या
- (च) एरेसी किसी अग्य या किसी धन या अन्यः आस्तियां को जिल्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधनियम, या धन-कर मीपनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के विष्य 🕮

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 🖷 वर्षीन, निम्नस्तिचित न्यस्तियाँ, वर्षात् 🖫---

 श्रो जी० चोना राजावसी पति रामारा जी०पी॰ए० डी० सूर्यनारायणा , विद्यानगर, गुंटुर ।

(अन्तरक)

 श्री टी० कृष्णा मूर्ती, पिता वैंकटरामय्य, कृपा विलेज, रविकंपाडू शिवारु, तेनाली तालुक, जिला कुष्णा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु त 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, भी भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीका स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकि√ में किए जा स्केंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, असे उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

भूमि बिस्तीर्णे 6 एकर, 40 सेंट्स, क्रुपाबिलेज, जिला गृंट्र, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3339, 9067, श्रौर 9066/84, राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गृंदूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, हैयराबाद

दिनांक: 10-12-1984

मोहरः

प्रक्ष नार्<u>षः थीः, एवः, एखः,----</u>-

नायकर निभिन्नियम् , 1961 (1961 का 43) की भाष्ट्रा 269-च (1) के अभीन न्यना

#### HILL COME

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 विसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 317/84-85—अतःमुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरं जिसकी सं० भूमि है जो गूंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे क्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।:---

- (क) नन्तहण वे हुई किसी नाव की नावत उनक अभिनियम के नधीन कर दोने के नन्तहरू के समित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ब) एसी किसी नाय वा किसी घर वा अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर शिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत शिंधिनयम, या धन-कर शिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनीर्थ मृत्यूरिती ब्वारा प्रकट नृहीं किया ज्वा धा वा किना धाना पाहिन् था, जिनाने वें वृत्यिधा औं किस;

मुक्त स्व, उनल निर्मित्वन की पाछ 269-म से क्युक्ररण भ', में उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से स्थीन, निम्नलिबिस स्यक्तिमी अभारत् स्——  श्रोमती ए० भारती पति बसवापून्तय्या, श्रीर पुत स्रोल्ड गृंदूर, गृंदूर ।

(मन्तरक)

2. श्री जी० राधाकृष्णा मूर्ती, दूद परपंजा स्ट्रीट, गूंटूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर**चे पूर्वोक्त** सम्परित के अर्चन के **ट्रिय** कार्यकाष्ट्रियों शुरू करता हुएं।

उनक सम्परित के धर्मन के सम्मन्ध में कोई भी माध्येप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- . (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से • 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, को उसक अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1-85, एकर, जिला परिषद, एरिया,गूंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3661, 3662 फ्रोर 3663/84, रजिस्ट्रोकर्ता क्रिधकारी गूंदूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रीधकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेज, हैदराबाद

दिनांक 1 10-12-1984 मो**हर** : प्रकप वादौ.टी.एन्, एस<sub>ः,</sub> -----

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन सूचना

### बार्ट्स बरकार

# कार्यक्रव, सङ्घ्यक जायुकर जायुक्त (निरीक्रक)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निवेश सं० आर० ए० मो०नं० 318/84-85--- अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो नागरामपालम, गूंट्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गूंट्र में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4/84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का संक्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिथित में बास्तिक का से का का स्था है ।

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कभी करने वा उक्त अचने में सुविधा के सिए; अहुर/या
- (क) एति किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभीनयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या जन-कर जीभीनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती अमीना विबी, पति शेख मोहम्मद जोन साहेब, नागरमवालेम, गृदुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहम्मद पिता मोहम्मद इक्नाहीस, नागरपालम गुंदूर।

. (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕮 —-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति हवारा
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकों ने।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पत्तों का, जो सबक्ष विधिनियम, के वश्याय 20-क में प्रिशाबित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस संश्याद में दिवा गया हैं।

#### -

भूमि और घर नागरमातनम पूंटूर राजिल्ह्रोक्कन विलेख नं० 3338/84 राजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी गूंटूर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सतः अब, उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित्ः—

दिनांकः: 10-12-1984

महिर 😘

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 319/84-85---आतः मुझे, एम० जगन मोहनः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० घर है, जो जवाहर ग्राँटोनगर, विजवयाडा में में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के वार्यालय विजयवाडा में राजेस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनांक 4/84

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्त अभिनियम के जभीन कर देगें के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, छिपाने में मृजिधा के सिए;

 श्रीमनी पीं० चारुमती देवी, पित सेट चंद्रय्या, मैसर्च कनका दुर्गा आटी वर्कस,
 विजयवाडा।

(अन्तरमा)

2. श्री पी० सुरेन्द्र जवाहर, आटो नगर, विजयवाडा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनसर्ची

घर सम्पत्ति जवाहर आटो नगर, विजयवाडा विस्तीर्ण 1000 चौ० गज, भूमि और 2000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3408 आर 3424/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकार्रा विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

कतः अवन् उकतः अधिनियमं की धारा 269-गंके अनुसरण कों, में, उकत अधिनियमं की धारा 269-घंकी उपधारा (१) को अधीन, निस्तिकित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक: 10-12-1984

# प्ररूप नार्षः टी. एन्. एस्.----

# आयकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांभ 10 दिलम्बर 1984

निदेण मं० धार० ए० सो० नं० 320/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिनकी में भूमि है जो कृष्णा जिला में स्थित है (श्रीर इसने उपावड श्रीस्वा में श्रीर पूर्ण म्ल से विणान है) रिजस्ट्रो-कर्ता श्रीधकार के कार्यालय गन्तावरम में रिजस्ट्राकरण श्रीधिकार के कार्यालय गन्तावरम में रिजस्ट्राकरण श्रीधिकार के उचित बाजार मूल्य से कंग के रुश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित मों वास्तिवक हम से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृजिधा के लिए वरि/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., खिपाने में सुविधा के लिए;

बत वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को बन्सरण में, बै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, विमनलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 51.--416 GI/84

श्रो वाई सत्यनारायणा श्रौर श्रन्य
 वेंपोड् गन्नावरम तालुक, जिला कृष्णा।

(भ्रन्सरक)

2. आ जे विल्लाहरणा प्रताद और निव्यसनिद्वप्रसाद विल्डोनाडु गन्नावसम तानुक कुल्णाजिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं #5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा स्कोंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पूर्वों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

भूमि वेल्डोपाडू श्रीप कंद्रोका विलेज, विस्तीर्ण 10 एकड 89 मेंटम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1154, 1156, 11111, 1108, 1135 श्रीर 1109/84 रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी गन्नावरम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

### प्र<del>क्ष</del>प् कार्दः टी. एन्. एव<sub>ं-</sub>-----

ज्ञायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत् तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश पं० आर० ए० मी० नं० 321/84-85—स्प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कीष्णा जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय गन्नावरम में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधानयम 1908 (1908 का 16 के श्रीधान) दिनांक 4/84

को पृथिकत सम्पत्ति के उभिन्न अधार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) के अधीन, विधनलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री वि० यमानुँ स श्रौर श्रन्य प्रजासकी नगर विजयवाडा।

(भ्रन्तरक)

 श्री पी० म्पूरगेयर राजू प्रेसीडेंट मन्नापूल गस पूल मीनिस्ट्रिज हैड क्वार्टर्स श्रमलापूरम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्थन के लिए** लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारील से 45 विन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी ध्यामित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजार में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

भूमि विस्तर्ण 1 एकर, 61.5 सेंट्स, गन्तावरम, कृष्णा जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1128/84, राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गन्नावरम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांका 10-12-1984 मोहर: प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### थारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ए० मी० नं० 322/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है जो जो मोगलराजपुरम विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है (राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में राजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए पा, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री ए० वेंकट सुन्नामन्यम, मोगलराजपूरम, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्रो पू० सीकारामा राव रामग्डम, करीननगर जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपीत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्वे हो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

### **मन्स्ची**

घर सम्पत्ति नं ० 32-20-24, मोगलराजपूरम, इंटेरीयर विजयवाडा, र्राजस्ट्रोक्कत विलेख नं ० 2531/84, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जंगन मोहन यक्षम प्राधि तारी सहायक श्रायकर श्र:पुक्त (निरीधण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

### प्रकथ नाइ . टी. एन . एस . -----

# बाब्कर ब्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

#### शारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० न० 323/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो हन्मानपेट, विजयवाडा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुखा में स्रौर जी पूर्ण रूप से विणित है) रिजिन्द्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीन दिनांक 4/84

को पूर्वों कर सम्परित को उचित बाबार मूल्य से कम के इप्रमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल का एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-। रती (अन्तरितया) क बाच एम अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तं हुवं किसी बाय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा क लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साविधा के लिए;

नतः वा उक्त निमित्तम कौ धारा 269-ग के ननुसरण में, में उक्त निमित्तम की धारा 269ग की उपधारा (1) के निम्नितिवात व्यक्तियों, निम्नितिवात व्यक्तियों, निम्नितिवात  श्री बी० प्रभाकर राव, हनुमान पेट, विजयवाडा।

(अन्तरक)

 श्री बालजीराम ग्रौर श्रन्य हनूमानपेट, विजयवाडा ।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

# यन्त्वी

र्धर सम्पति हनुमान पेट, विजयवाडाः राजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1981 ग्रीर 1982/84, राजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिक री सहायक प्रायक**र** ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, हैवराबाद

**दि**ांन क : 10-12-1984

मोहर: 、

प्रकल **नाद**ै. टी. **एस्. एच**्य = -- +

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थन।

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर अनेयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैपराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रा२० ए० सो० नं० 324/84·85—-प्रनः मझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

योग जिनकी सं घर है जथा जो न्युझ तिड, में स्थित है (ग्रीर इसमें उनाबड़ श्रृतुसूची में श्रीर जो पूर्ण व्यासे विणित है) राजिन्द्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय न्यूझिवड में रिजिस्ट्रीकरण श्रीश्रित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन दिनाक 4/84 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संगित्त का उजित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रदिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक क्य में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बल्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर मिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या ध्नुकार निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंग्रेस प्रकट नहीं किया गया था दे। किया नेग्रेस प्रक्रिय का, कियाने में सुविधा के निए;

 श्री एत० कल्लया पिता चेंत्रध्या, सूरगलवारी थोटा, खम्मम ।

(अन्तरक)

 श्री एम० मल्(कोंडय्या पिमा कक्षमया वटीगूडीयाडू न्यूझविड तालुक, कृष्णा जिला।

(अन्तिरती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिथु कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- .(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्य स्थानलयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति देगाए, अभाहस्ताक्षरी के पाछ निक्ति में किए जा सकते।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्दर्भ

भूमि विथ टाइल हाऊस, न्यूझविड विलेज, विस्तीर्ण 19-06 एक भूमि और 2613 चौ० फुट प्लींय एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 925/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी न्यूझविड ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

कत: कथ. उथत विधिनियम की भारा 269-न के वनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

विनांक: 10-12-1984

मोहर 🕃

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ज्ञायकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 325/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीय जिसकी सं घर है तथा जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 4/84 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नसिधित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्क्स अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात्: $\overline{}$ 

- श्री व्ही राधाक्वःगा राव पिता (लेट) वेंकट सुख्वया शेषाद्री शास्त्री स्ट्रीट, गब्हरनरपेट जिवयवाडाः। (ग्रन्तरक)
- श्री एम० शंकर पिता मल्लय्या 4-3-843, गवलीगूडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों, पर स्वना की तामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ये पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

#### न्त्रभी

इमारत,शेषाब्री स्ट्रीट, जिजयबाडा, जिस्तीर्ण 330 चौ० गज भूमि ब्रीर 1060 चौ० फुठ प्लीय एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2425/84 राजस्ट्रीकर्ता ब्रिधिकारी विजयबाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 10-12-1984

# प्रकृष कार्ड . टी . एन . एत . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० मी० नं० 326/84-85—श्रातः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रहें से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो केसरी विलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कंचीकचेरला, में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक 4/84

का प्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूबों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकास से, एसे स्थमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरन के सिए तब पावा गवा प्रतिक कत निम्नितियों त उद्देश्य में उसत प्रतिमाण निमित्र में बास्मिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या बन्य अंक्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्लास प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना बाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—  श्री के० श्रीहारी दाम पिता नरसीम्हम, गंडेपल्ली पोस्ट, कंचीकचरेला, तालुक, जिला कुष्णा ।

(श्रन्तरक)

 श्री व्ही० वेंकटेण्यर राव मैनेजिंग एजेन्ट, मैसर्स राव काटन ट्रेडिंग को० (एच० ग्री०), मोगूलूर, कंचीकंचेरला तालुक, कु:णा जिला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथानिस सम्पत्ति के वर्षन के निर्ण कार्यवाहियां करता हुं।

# वनक सम्मृतित के वर्षन के सम्मृत्य में कोई भी बाखेंप:--

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शांध में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भात र उक्त स्थाधर सम्परित में हितबहुध किसी नम्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

रवृत्विकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रश्ने क्षेत्र, को अध्यक्ष विभिन्नियन, के अध्यास 20-क में प्रिजाबित हैं, वहीं मर्थ होगा को उस अध्यास में दिसा गया हैं।

#### अनुमुची

खुली जमीन, बिस्तीर्ण 9 एकर और 01 सेंट्स, केसर विलेज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 542/84, रिज ट्रीकर्ता अधिकारी, वंचीकचेरला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिमांक : 10-12-1984

प्रकृष आहे. टी. एन. एसु.,------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-म् (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 327/84-85—श्रात: मुझे एम० ज्ञान मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो न्यूनना विलेज में स्थित (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्या से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीशकारी। के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजिस्ट्री-करण ग्रीशिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक 4/84

करें पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोवत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाब की बाबत, उच्च विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में अविधा के लिए; बार/मा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्त्याँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अथोजनार्थ करतरिती द्वारा प्रकट मही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह --- मोख मस्तान पिता कासीम भाहेब,
 मैहर्स मस्तान एंड को०
 जियमबाडा-1

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स हिस्दुतान को ट्स, नद्स, न्यूना, विजयवाडा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचमा कारी करके पृष्ठीकत सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त पिस्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीखं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन, विथ गो-डाऊन न्यून्ना, विलेज , विजयवाडा न्यसिवड, रोड, विस्तीर्ण, 2144 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3417/84 राजेस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयक श्रीयुक्त (निर्मक्षण) श्रजन रोज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 328/84-85—-प्रत

मुझे एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहें से अधिक हैं

ह्यौर जिसकी मं० खुली जमीन है जो वेडलापूरूली, विलेज, में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रतुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वेणित है (रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तेनाली में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5/84

का पूर्वा क्रिंश सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 52—416 GI/84

 श्री के० ऊमा महेण्वय राव पिता साम्बिशवराव, साम्बिशवपेट, गूंटूर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० रामाराव पिता बसवय्या, श्री लक्ष्मी निवासा श्राइल्स, एंड फेट्स, प्रा० लि० 12-3-4, येरावारी स्ट्रीट, मोरीसपेट, नेनाली। (श्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्टों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है :

#### असम्ब

खुली जमीन, येड्लानेज्ती, विलेज, विस्तीर्ण 4-52 1/2 एकर, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2111 ग्रीर 2116/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तेनाली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 10-,12-1984

मोहरः

### प्रकृप बार्च, टी. एन. एत.

अध्यक्तर लिचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 329/84-85—म्रातः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ♀ 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है जो केसर विलेज. में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कथांक वेरला, में रोजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 4/84

हो प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंसरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक अप से किथा नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त अधि-ेरगम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः गबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरणः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती तेला कोसम्मा पति नागो रेड्डी मंडेपल्ली, पोस्ट कांचकंचेरला तालुक, कृष्णा जिला।

(भ्रन्तरक)

श्री के० चेन्नया पिता वियय्या,
 श्री विजया काटन एंड जीनिंग मील्स,
 चेवीटीक्न पोस्ट कंचाकचेरला तालुक,
 जिला कृष्णा।

(भन्तरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके पूर्वान्तः सम्बन्धि के वर्धन के जिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

बक्त सम्पारत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

#### वन्त्रची

खुली जमीन विस्तर्ण 2.32 एकर नैशनल हाय वे रोड केसेर विलेज; रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कंजीकनेरला ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

## प्रकल नार्यं स्ट दर्ते । एम् स्ट एव . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) में नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 330/84-85—मतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के बभीद सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं भाग है तथा जो खम्मम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु सूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय खम्मम में रिजस्ट्रीकरण आधिकारी के कार्यालय खम्मम में रिजस्ट्रीकरण आधिकारम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4,84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकाल से, एसे दरयमान प्रतिकाल का पंग्र प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्विदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त वीधीनवस्के नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/सः
- (व) ऐसी किसी जाव मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय आमकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अभिनियम, या भनकर विचिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

बतः वयं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरणं में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-यं की उपधारा (1) के बभीन, निम्निसिवतं व्यक्तियों, वर्षानं थ्— श्री के० मलीकार्जुन राव पिता सीतम्या
 1-16-18/1 खम्मम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० मधुसूदन राव पिता रामकृष्ण स्टेशन रोड खम्मम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्य सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

जनत सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाधित हु<sup>3</sup>, बहुी अर्ध होगा जो उस्स अध्याद में किया गमा है।

#### बर सची

खुली जमीन विस्सीर्ण 750 चौ० गज स्टेशन रोड, खम्मम रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 863/84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खम्मम।

एम० जगन मोहन सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैवराबाद

विनांक: 10-12-1984

मोहरः

अरूप बार्ड. टी. एन. एस.------

. नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संशीप सुमना

#### भारत चडकाउ

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

िदेश सं० भ्राप्त ए० संग्० नं० 331/84-85---भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं घर है जो खम्मम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय खम्मम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4/84

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है "—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अवध विधिनियम के वधीन कर देने के वंतरक के दायित में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायक र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्रीमती ऊवाराज् कुमुमा कुमारी पति सत्यनारायण राज् हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

2 मोहम्द बलूम ग्रह्मद खान पिता यासीन खान, घर नं० 3-2-39 रायपुरा स्ट्रीट खम्मम । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त भावित में में फिसी व्यक्ति ह्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब्रुभे
  किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाख
  लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यंख्यीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, दे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया युया है।

#### मग्रुची

घर नं० 11-4-75 नेहरूनगर कालोवी विस्तर्ण 413.33 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1207/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी खम्मम ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियमः भी भारा 269-ग के अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों अधीत् :--

दिनोंक 10-12-1984 मोहर ः प्रकर्ष वार्षः दी. एन. एवः - - - - -वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-न (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कांगोंनय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज; हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 ं

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 333/84-85—- प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीराजमकी सं० घर है तथा जो विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है (रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकाम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4/84 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, इसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की वावत, उत्तर वृधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कभी करने या उससे यचने में तृतिभा के सिन्ह; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

अतः अभ , उसतः अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उसतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को चधीन , निम्मिनियस व्यक्तिस्यों , अर्थातं ्—  श्री व्हि पूरनचन्द्राराव पिता वेंकटरत्नम चौधरी सीतारामपूरम विजयवाङ्गा।

(मन्तरक)

2. श्रीमती के० ललीता पति के० व्ही० एस० गुप्ता बी० नं० 33-9-15 सूर्यरावपेट विजयवाड़ा। (ग्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त** सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति हो किए जा सकोंगे।

- शब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या श्याहै।

### अनुसूची

वो मंजिल की इमारत सत्यनारायणपूरम', विजयवाड़ा विस्तीर्ण 216 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3332/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

दिमांक: 10-12-1984

मोहर : :

प्रकल बाह्र, टी. एन. एस. : ----

**शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269 के (1) के **अभी**न सूचना

#### भारत सर्काड

# कार्यास्य, सहायक जायकर भागुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 334/84-85—प्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

25,000/- क. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं घर है जो विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 4/84 को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम क दृश्यमान श्रितिकल के लिए अन्तरित को गईं हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्नसिवित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससं बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री व्ही० माधवराव पिता पूंडरीकाक्षूडू रामनगर विजयवाड़ा।

(म्रन्सरक)

,1. श्रीमती कोगंटी मानी पति सायधी डी० नं० 24-1-67 रामनगर विजयवाड़ा। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

# उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

419 चौ० गज घर नं० 24-1-67 रामनगर विजय-वाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2172/84 रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🕄

प्रका बार्ड, टी, एन, एस,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
· भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी०नं० 335/84-85/---भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है जो पाटामाटा विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृज्य से कम के ज्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य से कम के ज्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का जीवत बाजार मृज्य से कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृज्य प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उच गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विचय से उक्त अन्तरण के लिए उच गया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्विचय से उक्त अन्तरण के लिए इस्

- (%) अंतरण से हुए किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वै सिष्ट;

 श्रीमती बी॰ रामयम्मा बाई एजेंट मोटा मत्यानारायण पिता नागभूशनम, विजयवाङ्ग ।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती पी० सत्यवती पति सत्यानरायण । सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की मुबधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स स्वत्यों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

न्यध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगृत्या

घर ग्रीर खुली जमीन विस्तीर्ण 1306 चौ० गज, रिंग रोड पाटामाटा, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीझत विलेख नं० 1954/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीम, निम्नलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् है—

दिनांक 10-12-1984:

मोहर 🖫

## प्रकल बार्याः, दी , एक , दुष 🖯 🛎 🗈 - 🚌

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचनर

#### बारुत बहुकार

# कार्याभव, बहायक वायकर वाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 336/84-85—अतः; मुक्ते, एम० जगन मोहन

बायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उसत अधिनयम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ते अधिक हैं जो गंदर में स्थित है (गौर बचसे

ग्रांर जिसकी संव घर है, जो गूंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता आधकारों के कार्यालय गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 4/84

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृष्य से कम के दिश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित का पितिक के प्रतिकत से विश्वास से उक्त अन्तरण कि खित

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अभ्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिल्हों भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिनियम, या भनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थितने में स्विभा के लिख;

 श्री माखनचन्द पिता मानिकचन्द, ग्रार० ग्रग्रहारम, गूंट्र।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती व्ही॰ गायती, पत्नी पति वेंकट गिश्वर राव चौट्रा, गूंट्र (श्री॰ नं॰ 20-4-14),

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचला कारी करके पूर्वोक्त संगत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वता;
- . (च) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे.

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँड पर्वों का, श्री उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित । ही, बहु किथे क्रोगा को उस अध्याय में दियां ग्या है।

### अनुसूची

खुल जमीन, विस्तीर्ण 294, चौ० गज ग्रीर घर 2500 चौ० फुट, भ्रार० श्राग्रहारमण गूटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3494/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, गूटुर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकय श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**च की उपधारा (1**) को **″भीन, निम्नसिविक व्यक्तिश्मों, वर्षक ध—** 

विमांक: 10-12-1984

मोहरः

प्ररूप आध्रा. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्थमा

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबव, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 337/84-85:---भतः मुझे, एम० जगन मोहनः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसर्के पक्ष्वात् 'अक्तः अभिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बाल्टीयर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 4/84

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उत्तित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है औरके यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आर्थ या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही शास्तीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा ने सिए:
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मैं, मैं, अक्ल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों वर्षात् ः-3 -- 416 GI/84

- श्रीमती सी० एच० विजयालक्ष्मी, पति चन्द्रशेखर राव, डी० नं० 22-40-10, विच रोड, वैझागा।
  - 2. श्रीमती जेलेखाबाई तूरावाई पति तूरा भाई, डी० नं० 10/1/35/1, ट्रावेलर्स बंगली रोड, नियर संपत विनायक टेम्पल, विशाखापट्टनम, । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्यार 120-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

खुली जमीन विस्तीर्ण 710 चौ० गज, वास्टीयर वार्ड, रजिस्द्रीकृत विलेख नं० 5113/84, रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी वैझाग ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

अक्ष भाइं. टी. एन. एस.-----

**भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-ध (1) के अधीन मुखना

### भारत सरकार

# कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रॅंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 337/84-85—म्रातः, मृत्रो, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- का में अधिक है

श्रीर जिंसकी सं० भूमि है तथा जो बाल्टीयर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विशाखापसन्म में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उद्युष्टिय से उक्त अन्तरण लिक्ति में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा किट नहीं किया प्रयाधा या किया जाना चाहिए ता, छिपान में सुनिका वै सिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मी, लक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) फ्री अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती सी० एच० विजयालक्ष्मी पति चन्द्रशेखर राव डी० नं० 22-40-10, विच रोड, वैझाग । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जुलखा बाई तूराभाई, पति तूरा भाई, डी० नं० 10-1-35/1, ट्रावेलर्स बंगला रोड, नियर संपत विनायक टेम्पेल, विशाखापट्टनम,। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल मों किए जा सकोगी।

स्थव्यक्तिरंगः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# भन्त्यी

खुली जमीन विस्तीर्ण 610 भी० गज, 4 वास्टीयर वार्ड, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5113/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी वास्टीयर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

दिनांक : 10-12-1984

प्रक्ष बार्ड स्टी. एन ् पूस्य त न न ननन

ज़ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 339/84-85—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस को अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टाइल्स फैक्टरी है, जो काकीनाडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का लियत बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गसा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संसुद्ध किसी जाय की वाबत-, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य उपास्तानां को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ अनुद्धिरती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्टैनभा को लिए;

अतः अव्या अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, िर्ित् सं—— श्री वेंकटलक्ष्मी पदमावती टाइल्स, बाई पार्टनर,
 श्री के० नारायण मूर्ती, जंगमपेटा,
 पेढापूरम जिला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० वेंकटराव ,श्री ग्रप्पलराजू टाइल्स फैक्टरी, रामाराव जगमपेटा, पेदापूरम तालुक, . जिला इस्ट गोदावरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

अवल सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख ल 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस प्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वष्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रथावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्रिया गया है।

#### बन स ची

टाइल्स फैक्टरी, श्रौर भूमि, काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2733/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी काकीनाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 10-12-1984

मोहर 🛭

प्रकल भाष्ट्रं, टी. एल. एस्. -----

भायकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) की सभीन स्वना

### भारत शहरूहर

भार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 340/84-85—भ्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, .1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- इ. सं विधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि स्रोर शैड,है तथा जो स्नामलापूरम, में स्थित है (स्रोर इससे उपाधद्ध प्रनुसूची में प्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4/84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम भरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वित-क्त निस्तिवित उद्देष्य से उसत अन्तरण कि चित्र में वास्तविक स्प सं किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत सकत विधान नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए: बार/या
- (च) एंगी किसी लाव वा किसी धन वा अस्य कार्रितवाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० पारथासारधाराव गारापाटीवारी विधी ग्रमलापूरम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वाई० सुब्बारायडू राईस मिल, नियर कोकापल्ली श्रमलापूरम, जिला इस्ट गीदावरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना धारी करके प्रशेषका सम्पत्ति के अधन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के ग्राचित्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपास में हिट-वृद्ध किसी कम्य व्यक्ति वृद्धार अभोहस्ताक्षरी के नाउ निश्चित में किए जा सकती।

स्पष्टिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा के उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वनुषुषी

भुमि श्रौर शेंड ग्रामलापूरम, विस्तीर्ण 28 गूंठे, भूमि ग्रौर 4000 चौ० फुट प्लीय एरिया रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3526/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी काकीनाडा ।

> एम० जगन मोहन संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

विनांक: 10-12-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 341/84-84---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है ्यूतथा जो जागीर माचावरम विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कियान गया है :----

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीद/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए:

नतः ज्न, उक्त अभिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ⊫ (1) श्रीमती कै० लक्ष्मीबाई श्रौर श्रन्य माचावरम विजयवाडा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० राघवय्या श्रौर मन्य डी० नं० 31-10-11ए, जागीर माचावरम, विजयवाडा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

धर सम्पति, जागीरमाचावरम विजयवाडा, विस्तीर्ण 259 चौ० गज भूमि श्रौर 1000 श्रौर 800 चौ० फुट 84, रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

# प्रकृत बाह्र : त्यो . एन . एस . ------

कायकर विश्वतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वमा

#### महत दरकान

कार्यातय, सहायक भागकर शायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 342/84-85--यतः मझे, एम० जगन० मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संभ्यत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कावाली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कावाली में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रभैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक कम से कियान नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कुट दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के सिद; और/वा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कृत अभिनियम, या भन-कृत अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में हुर्जुवा के निय;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी० नरसिम्हाराव, कावाली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्गाधरम्मा पिता ग्रायलय्या , डी॰ नं॰ 9-1-14, पेद्वापावानी रोड़, 9थ वार्ड बिट-11, कावाली ।

(भन्तरिती)

को मह स्थान चारी करके पूर्वों कत सम्मृतित के वर्षन के किय कार्यसिष्टियां शुरू कारता हुं।

### बन्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों भ अस सिद्धित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों आर पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भमिषत हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्तुर्यू

भूनि भौर शेड कावाली विट – 11, पेद्दाप्पावानी रोड, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 435/84, 436/84 रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी कावाली ।

> एम० जगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद्य

वितास : 10-12-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 343/84-85— भ्रतः, मुझेः एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो रामचंद्राराव स्ट्रीट, विजयवाडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कुर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कैरने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रेकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उभतः अधिनियम की भारा 269-ग्व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्रीमती डी० सूर्यकुमारी,पित सूर्यनारायण राजू,गूनदला, विजयवाडा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बी० लिलतमहेक्वर राव, डी० नं० 25/97, 29/661, सर्वारावपेटा रामचंद्राराव रोड़, विजयवाडा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचेना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुख्ची

घर सम्पित रामचंद्राराव रोड, विजयवाडा, विस्तीर्ण 338 चौ॰ गज, और भूमि 1000 और 400 फीट प्लींच एरिया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3397/84 रिजस्ट्रीकर्ती ब्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर संयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

सोहर:

# मुख्य आ**र**्य ट**्रि**ः पुन<sub>ः</sub> पुनः . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

#### भारत सडकाइ

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्क्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 344/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जगन भोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो श्रोंगोल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नेलौर में रिजस्ट्री-करण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रील, 1984

की पूर्वोक्स सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पश्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) कौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की वाबत, उन्ते अभि-अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौदु/या
- (स) एसी किसी काय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए।

कतः शव, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) दे बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्थात् र— श्रीमती के० जयम्मा,
 पति जेकब बलाऊपेट, श्रींगोल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मीप्रसाद, पिता श्री वीरास्वानी वलाउपेट, नेलौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पता हैं।

# वन्त्र

घर सम्पति वलाउपेट, नेलौर, विस्तीर्ण 368 चौ० गज, भूमि ग्रौर 576 चौ० फुट प्लीथ एरिया , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1264/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रोंगोर्ल ।

> एन० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 10-12-1984

मोहर .

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस. -----

मामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 345/84-85---यत: मुझे, एम० जगन मोहन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है तथा जो मुनदला, विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजयवाडा में विजयवाडा में र्वापत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्दर्षों से उक्त अन्तर्ण सिस्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वॉपिस्थ में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के लिए; जॉर/बा
- (क) एमे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

54-416 G1/85

(1) श्री पट्टाभीरामा, ललितनगरम, विभाखापटनम ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुं० जी० सूप्रिया, पिता श्री सत्यानारायणा, प्रजाशक्ति नगर, विजयवाडा ।

(ध्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### HI WA

घर सम्पति , रिगरोड़, पाटामाटा विजयवाडा, विस्तीर्ण 495 चौ० गज भूमि ग्रौर 823 चौ० फुट प्लीथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2442/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 10-12-1984

प्रकृत शाह. टी. एन. एव.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासम् , सहायक मायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन ंरेंज, हैवराबाद हैवराबाद, विनांक 10 विसम्बर •1984

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 346/84-85--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है तथा जो विद्यानगर गूटूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गूटूर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भ्रभैल, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते ग्रह विक्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-क्त क्रिकिसिन उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त . अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कामी करने या उच्छे बचने में सुविधा के सिए; अदि/या
- (क) एंसी किसी बार वा किसी धन वा अन्य आस्तिवों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए;

कतः वन, उकत अधिनियम की धनरा 269-ग के अनुसरण में. पें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० मीताराम्मा, पति सीनारामय्या, विद्यानगर, गंटूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीयच वानी पति नारायण राव, डी० नं० 4-5-32/10, विद्यानगर, गंटूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तस्पत्ति के कर्णन के सम्मन्ध्र में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूचना की दामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकारन की ठाउँकि है 45 दिन के बीहर उक्त स्थावर स्थापर में हिटवहूब् फिसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों भेरि पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य शोगा जो उस अध्याय में दिया क्या हुई की

#### अनुसूची

धर सम्पति विद्यानगर, गंटूर, विस्तीर्ण 456, चौ० गज, भूमि श्रौर 1529 चौ० फुट प्लींथ एरिया , रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4489/84 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गंटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

# प्रकर बार्ष . दर्रे . पुत्र . एस . . . . . . . .

नाय्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर् 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 347,84-85--श्रतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० भूमि है तथा जो नेरऊ पोस्ट श्राफिस जमूलापालम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौय पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नरसारावपेट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; जोर/या
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निस्;

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सीयच जयश्री पति जंगंतवाशू डा० नरसारावपेट ।

(प्रन्तरक)

(2) एस० स्वप्ना पिता क्रुष्णा राव माईनर गार्शीयन म्रहील्याकुमारीः जमूलापालम चेरऊ पोस्ट नरसारावपेट तालूक जिला गंटूर ।

(मन्तरिती)

कर यह सूचना बांडी करके पूर्वोक्त संवरित के वर्षन के बिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 4.5 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिध, आर्क भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभारिपत हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकर 3 सेंटस जमूलापालूक चेरऊपोस्ट रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 1883/84, 1884/89 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी नरसारावपेट ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकय ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10-12-1984

महिर:

प्ररूप आर्थः ्टी<u>.</u>एन<u>.</u>एस.\_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज्; हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० प्रार० ए० सि० न० 348/84-85--प्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/ - ए. से जा बंक के श्रीमापूरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चीलकं लुरीपेटा में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिशित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अतः, उत्रत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्रत विधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री पी० प्रमानन्दन पिता सत्यानन्दम श्रीम्मापूरम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० कीशोरकुमार पिता बूचेश्वर रावी, थीम्मापूरम नरसारावपेट तालुक जिला गूंटूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अनुसूची

भूमि थीम्मापूरम रजिस्ट्रिकृत विलेखनं 1386, 1387, 1394 श्रीर 1395/84 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी चीलाकलूरी-पेटा ।

> एम० जगन मोक्षन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-12-1984

प्र**स्य नाह**ै, टी., एक्., एक्<sub>.,</sub>= = - -- -- -

नायकर निधानियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 349/84-85--म्रातः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो थीम्मपूरम चीलकलुरीपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चिलकलूरीपेट में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनंत्रम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4/84

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उस्त जन्तरण कि चित्र में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरन से हूइ किसी नाव की बावता, उनतः अधिनियम के अधीन कर दोने के बल्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: अपि/वा
- (ब) एसी किसी भाष या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के विष्;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री पी० नरसय्या थीम्मपूरम चीलकलूरीपेट तालुक जिला गृंटूर ।

(भ्रन्तरक)

2. प्रियदर्शनी जीनांग मील्स लि॰ थीम्मापूरम चीलकलूरीपेटा तालुक जिला गृष्ट्रर ।

की यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की मनीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मनीभ बाद में समाप्त होती हो, भे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नम्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 5 एकर 5 सेंट्स थीम्मापूरम विलेज नियर चिलकलूरीपेट जिला गूंट्र रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1128/84 रजिस्ट्रीकता प्रधिकार चिलकलूरीपेट।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

বিনাদ্ধ : 10-12-1984

भोहर 🚁

## प्रस्य वाहे, टी. एन. एस.,-----

नायंकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्याजय, तहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

आर०ये०सी०न० 350/84-85---यतः मुझे एम०जगन मोहन,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको स० भूमि है, जो बाडोपेट, राजमूड्रो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है, जो रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, राजमूड्रो में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान 1984/85,

को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निमालिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरूप ने हुई किसी नाथ की धावत, उपत निधित्यम के अधीन कर दोने के सन्तरक के वायित्य में कभी करने या उन्नसंस्थन में सुविधा के बिए; नोट्र/सा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत: अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्री बि॰ राजकूमार ग्रीर अन्य, राजमुङ्गाः

(अन्तरक)

(2) दि राजमूडा होलसेल क्लाथ मार्केट, अमेटी, बाइ प्रेसाडेंट श्रा व्हा विरराध उलू, राजमूड्रा, (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी क्रारके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबद्ध किसी मन्य म्यन्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उन्स्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्द्रच

भूमि बिस्तीण 4573 चौ० गज०, ओडीपेट, राजमूड्री, रजिस्ट्री-कृत बिलेख नं० 2913/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमूड्री ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 10-12-1984

# प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

- हैदराबाद, विनांक 10 दिसम्बर 1984

आर०ये०सी०नं० 351/84-85 प्रम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं वर है, जो तन्कू स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्णस्य मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्कू, में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अप्रैल 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्धा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
  - (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्रो पो० जयराम देना बदू और अन्य तन्कू

(अन्तरक)

(2) श्री यस० सीम्झालचम, डा० नं० 32/1113/1, मेन रोड, तन्क्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं नंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कर करें।

घर संपति, डो॰नं॰ 32/113/1, रेनुका विस्तीर्ण 264 चौ॰ गज, भूमि श्रीर 720 चौ॰ फुट, प्लाट यरोया, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं॰ 1388, 1387, 1386 श्रीर 1385/84, रजिस्ट्रो-कर्ता अधिकारी तनृकू

एम० जगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हिन्स

तारीखा: 10-12-1984

मोहर 🕄

# प्रकृष काई. टी. एन्. पुक्\_्यात्रव्याप्या

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांलय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनक, 10 दिसम्बर 1984

आर०ये०सी०नं०352/84-85--यतः मुझे एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

सीर जिसकी सं० भूमि है, जो साब्बावरम तासुक वैद्याग जोला स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूत से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साब्बावरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1984/84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकत्त को लिए जन्तिरत की गृद्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे-अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-कत, निम्नुजिचित उद्वेदय से उक्त अन्तरण किच्छित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है के

- (क) वन्तरण से हुई किसी वाय की बावत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौट्/वा
- (ध) ऐसी किसी जाय या किसी धेन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० अप्पाला नायडू झौर अत्य, तलारं वनीपालम, साब्धावरम तालुक, वैज्ञाग जीला, (अन्तरक)
- (2) श्री एम० गनपती राजू०
  श्री रही० यन०, को-आपरेटिन द्वाउस बिल्डिंग
  सोसाइटी नि०, विशाखापत्तनम,
  (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्त सम्पृतित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवासित ध्यक्तियाँ में से किसी स्वितित स्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्डीकरणः इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष द्वीगा जो उस अध्याय में दिवा जवा है।

## मन्त्रची

भूमि विस्तोण 5-30 एकर, तालारीवनीपालम, साब्बा बरम तालूक, जिला विशाखापत्तनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1505, 1606, 1607, 1553 भूभीर 1552/84, रजिस्ट्रो कर्ता अधिकारी साब्बावरम

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सा**रीख**: 10-12-1984

मोहर 🛭

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहाजक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

आर०ये०सो०नं०353/84/85—-यतः मुझे, एस० जगन मोहन ,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका मं० घर है, जो राजमूड्रो, स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमुङ्ग, में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 4/84,

को पूर्धांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---55---416 G1/84

- (1) अं भो०३२० सस्यतारायणा भौर अन्य. घर नं र 46-10-14, दनवाडपेटा, राजमूड्री, (अन्तरक)
- (2) डा० के० रामिलिगेस्वर राव पति सत्यनारायणाम्ति, जयाङ्गण्णापरम, राजमूङ्ग, ग्रीर 46—10—14, दनवाइपेटा, राजमूङ्ग

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नमृस्पी

घर स्पेमित विस्तीर्ण 415 बौ॰ गज॰ भूमि ग्रीर 1350 बौ॰ फुट ग्राउन्ड फ्लोर 320 बौ॰ फुट प्रथम तल 300 बौ॰ फुट ए॰ सी॰ सीट प्राट प्रेआ रजिस्ट्राकृत विलेख नं॰ 3102 3100 3101 3099, 3103, 3104, ग्रीर 3105/ 84, रजिस्ट्र कर्ना अधिकार, राजमुष्ट,

> एम० जगन में।हन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदर•बात

दिनांक : 10-12-1984

मोडर ः

# प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. - - --

**बायकर विधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की **धारा** 260-घ (1) के बारीन मुख्या

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश र्सं० ए० पी० नं० 5733——ग्रन: मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वाम करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है ग्रौर जो बस्ती गेख, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णीत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती के वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त वीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विध्य के सिए; बॉर/या
- (स्) एंस दिन्सी अहा कि मिंदिन के दन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनाहर अधिनियम, या धनाहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तिरती द्वारा प्रकट नहा एक प्रयोजनार्थ जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री महिन्दर सिंह पुत्र श्री गुज्जर सिंह स्वयं भौर प्रदानी भाफ : श्री ग्रजन सिंह, श्री करतार सिंह, श्री ग्रजीत सिंह, श्री सुच्चा सिंह पुत श्री गुज्जर सिंह, वस्ती गेख, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह, वासी टरना श्रो सुरिन्द्र सिंह, पुत श्री उजागर सिंह, श्री इन्द्र मोहन सिंह, पुत्र श्री चम्बेल सिंह, 48-बी, माडल हाऊस, जालन्धर, श्री सुखमोहन सिंह श्री गुर मोहन सिंह पुत श्री चम्बेल सिंह, 4-सी, माडल हाऊस,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किन्न कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचितः की तामी ल से 30 दिन की अविधि, जो भी अव। बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनस अधिनियम, के अधीन अध्याय 20 - क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन् सूची ,

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 178 दिनांक ग्रप्रैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर

तारीख: 14-12-1984

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर् 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5734—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावत सम्भान, जिल्ला तिवस सामर मल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी म० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो लिंदरां में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में श्राप्रैल, 1984

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए जन्सिरत की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार अल्य, उसके शृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तयं पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्टिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक क्ष्म. म कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त , अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी अाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री सरदारा सिंह, कपूरथला रोड, जालन्धर, बारा श्रटार्नी श्री गाम लाल भारद्वाज मार्फत श्री सतपाल पण्डित एण्ड को०, मिलाप चौक, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री महिन्दर सिंह, वासी गांव काहलवा, नहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बन्परित में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नाराय स 45 दिन की जनकि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर मूचना की तामील में 30 दिन की जनिय, जा भी जनकि बार्च में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थायत द्यारा, त्रधोहम्साक्षरी झे पास सिसित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्रची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 327 दिनांक ग्रप्रैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

सतः अब उसत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिवित स्पितसर्थों अर्थात् ॥——

तारीख: 14-12-1984

# प्ररूप बाह्र'.टी. एन. एस . \*\*\*\*\*\*\*\*\*

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5735—ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैंसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लिदरां, वाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वीक्रत संपत्ति के उण्पित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंत)रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-इस, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विभा के सिए; बार/का
- (ब) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य असंस्तर्ध को जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बत: शक, उपल अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरफ में, में, उक्त अधिणियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री मैंहंगा सिंह, कपूरथला रोड, जालन्धर, द्वारा श्रटानी श्री गाम कुमार भारद्वाज मार्फत पण्डित मतपाल एण्ड को०, मिलाप चौक, जालन्धर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री माहिन्दर सिंह पुत श्री मंगल सिंह, बासीं काहलवां, सहसील करतारपुर, जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजा क्ला सम्परित के अर्जन के जिस् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पिक्तमों में से कि भी व्यक्तित ह्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर प्रत्यक्ति में हिसबबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त घट्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में धरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वगतको

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 328, दिनांक अप्रैल, 1984 को रजिस्ट्री कर्ना प्रधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीच : 14-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—घ (1) के ग्रधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० टी० ग्रार० नं० 146/84-85 एस० एल० 146/84-85 एस० एल० 1/8 एस० एक० प्राई० ए० सी०/एक्बी० ग्रार०-1/8कलकत्ता—ग्रतः मुझे एस० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिका है

ग्रौर जिसकी सं० 3 है तथा जो सरोजनी नायडू सरनी, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए०, काकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11 ग्रप्रंस, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आब को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै॰ एजिथ एलिजाबेथ एराटन स्रौर दूसरे।

(ग्रन्तरक)

(2) एपिजे कैमिकल्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त म्हाजर संपीतः में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वस संची

3 सोजनी नायडू सारणी, (रोडन स्ट्रीट), कलकत्ता । 26 कणे जमीन साथ मकान । 3

एस० के० वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज–1, कलकत्ता

कतः नव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख : 7-12-1984

मोहर 🛭

प्रकार आहे. टी. एवं. **एस**. \*\*\*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

# भारत सरकाह

# कार्याजय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्राज)

श्रर्जन रेंज−1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर् 1984

निदेश सं० टी॰ ग्रार० 148/84-85 एस० एल० / भ्राई० ए० सी०/एक्बी० ग्रार०-1/कलकत्ता--प्रतः, मुझे, एप० के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाक् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 38, 222 ए है तथा जो राम कमलसेन लेन, पूर्व चितरंजन कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 ग्रप्रैंन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उव्योद्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1़) मं' अधीर , रिम्निलिखित स्पक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्री सुजीत कुमार सेन तथा 32 ग्रन्य।

`(ग्रन्तरक)

(2) श्री सन्ताष कुमार सर्राफ तथा 9 श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी करके पूर्वीक्स संपक्ति के वर्षन के तिथ् कार्यकाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के एजएन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिः द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्थळीकरण:—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन्ही, गया हाँ।

# म्रनु सूची

सम्पत्ति जो 34 रामकमल सेन लेन, कलकत्ता में स्थित 3 कट्ठा 6 छिटाक 33 वर्ग फीट जमीन 222 ए, चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता में स्थित 4 कट्ठा 22 छिटाक 22 वर्ग फीट जमीन जो रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेंस के दफ्तर में डीड नं  $\sqrt{1}$ , 4843 ता॰ 30-4-1984 के श्रनुसार निबंधित हुन्ना ।

एस० के० वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदबई रोड कलकत्ता-16 स्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारी**ख** : 12-12-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकला, दिनांक 25 दिसम्बर 1984

निदेश सं० मी० ए० 140/84-85/एस० 960/ म्राई० ए० सी० /एक्बी० भ्रार-1/कलकत्ता—भ्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्कूहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 3 है तथा जो श्रापार उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावश्च श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, सी० ए० श्राई० ए० सी० श्रर्जन रेंज-2 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रश्निकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गुके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० पारेख प्रापर्टीज।

(भ्रम्तर्क)

(2) श्री गेख युमुफ स्राविद प्रली सन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबादियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

श्राफिस स्पेस 2000 वर्ग फीट श्रायत का यूनिट नं० जी-1 तथा कार पाकिंग सीस जो इन श्रापार उड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित हैं । सम्पत्ति सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−2, के दफ्तर में सीरियल नं० सी०ए० 140 के श्रनुसार 29 श्रर्पेल, 1984 तारीख में निवंधित हुशा ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कन्नकसा

नारी**ख**ं 25—12—1984 मोहरः भाउप आहें ही सम एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अर्थन रूपण

#### भारत सरकार

कार्रांच्य, सहायक अध्यक्त अध्यक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 15 दियम्बरं 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उल्ल श्रीधितयम' कहा त्या हुने, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - 72. ये अधिक है

ग्रौर जिमकी मं० 229 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सी० ए० ग्राई० ए० सी० एक्वी० आल्ड-में, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीए 22 ग्रप्रैल, 1984

1908 (1908 का 16) के अधान ताराज 22 अप्रल, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नाम में कम के दरमन न प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मुफे यह विश्वास करने का कारण हाँ कि प्रधादबीन्ति राजीत का उचित बाजल मूल्य, ससके दर्यमान प्रतिफल में, एरें दरमान प्रतिफल के पल्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरण (अंतर्यों) और जीत एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बह्तिविक रूप से कीशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कर्मा करने या स्यसे अचरे में मुजिया के लिए: और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या जन्य अपिनायों को, जिन्हों भारतीय आयकार क्षितिसम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधितिसम, या का कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वार प्रकट नहीं विस्ता गया था या किसा जाना वाहिए था। हिमाने में मुदिस्त के सिए।

कत: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिकत व्यक्तियों, अर्थार :--- (1) मै॰ प्रभा एसोतिएट्य बाइबंट लिभिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) ड० जी० के० सराफ तथा अन्थ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जार। करके पूर्वीक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शृक्ष अपना हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक लें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टक्रिकरण :—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहि अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

म्राफिस स्पेस 3803 वर्ग फीट का दूसरा तल्ला व्लाक 2 ही तथा 3 कार पार्किंग स्पेस 229 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, के दप्तर में सिरियल नं∘ सी० ए० 129 के म्रनुसार 22 अप्रैल, 1984 तारीख में स्थित हुम्रा ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख: 15-12-1984

मोहर 💈

# प्रस्य बार्ड . ट<u>ी एन . युष</u>्ध . रूपारव-करवंत्रास्त्र

# भावकर म्पिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) भी म्पीन स्प्त-

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए० 155/84-85/सिरीयल नं० 962/ भ्राई० ए० सी०/एक्टी० भ्रार०-1/कलकत्ता-भ्रतः मुझै, शंकर के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जसकी सं० 25-ए है तथा जो कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में सौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सी० ए० स्नाई० ए० सी० एक्वी० झार०-1, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण झिंचित्रम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 28 स्रील, 1984

को पृत्रों तरा संपरित के अचित बाजार मृत्य से कम के अयमाभ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाब भी बाबस, उपछ अधिनियम के बधीन कर वेने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा चे किए; कोर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्निक्ति व्यक्तियों वर्षात १--- (1) श्री भारदान इम्प्रूवमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता जैन, मिनिता जैन, बिमला देवी जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील गे 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

माफिस स्पेस सं० 302, तीसरी मंजिल 25-ए, कमांक स्ट्रीट, कलकत्ता ।

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रैंज-1, के निकट सिरियल नं० सी० ए० 155 दिनांक 28 ग्रप्रैल, 1984 के ग्रनुसार निवन्द्व हुन्ना ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज--1, कलकत्ता

तारीख: 7-12-1984

# प्रकृष बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए० 159/84-85/सोरियल नं० 963/ आई० ए० सी०/एक्वी० आर०-1/कलकत्ता--अतः मुझे एस० के० बनर्जी

बायकर विधिनियम, 1961 , 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ का में अधिक है

शौर जिसकी सं० 75-सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (शौर इससे उधिबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है जस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी०ए० आई०ए० सी० एक्वी० आर०-1 कलकत्ता में रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधन तारीख 30 अप्रैल 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्ष्मतरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (था) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिविद स्यक्तिरां, अर्थात् क्र— (1) यूनिटी पेंट्स ग्रीर केमिकल्स को०।

(अन्तरक)

(2) कास रोड होलंडिंग प्रा० लि०

(अन्तरिता)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### प्रसाची

आफिस रूम सं० 2 चौथा फ्लोर। 75-सी पार्कस्ट्रोट कलकत्ता ।

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 के निकट रिजस्ट्रेशन नं० सो० ए० 159 दिनांक 30 अप्रैल 1984। को निबद्ध हुआ।

> एस० के० बनर्जी • सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकक्ता

तरिका: 14-12-1984

मोहर 🥫

अस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1, कलकन्।

कलकत्ता, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निवेंग सं० सी० ए० 76/84-85/सिरीयल नं० 964/ आई० ए० सी०/एक्वी० आर०-1/कलक्ता- अतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 8 है तथा जो आंचार्य जगदीश चन्त्र बोस, रोड, कलकता में स्थित है (प्रौर उससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्नोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सो० ए० आई० ए० सो० अर्जन रेंज-1, जलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण कि बिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) है अधीन, निम्नसिश्चित अवस्तियों, अर्थात :.—

(1) मै० डिलाइट प्राप्तटींज प्राद्वेट लिमिटेड ।

(अन्तरकः)

(2) मै० केशोराम इन्डस्ट्राज एण्ड काटन मिल्म लिमिटेड ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब वृध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधीहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया है।

# अनुसूची

8 नं० आचार्य जगदाण चन्द्र बोस रोड, में स्थित है। सम्पत्ति का 7974 वर्ग फीट आयत का यूनिट जिसका निर्माण कार्य चल रहा है जो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, के दफ्तर में सिर्रायल न० सी०ए० 76 के अनुसार 6 अप्रैल, 1984 ताराख में नियंधित हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्ष्म प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज⊸1, कलकत्ता

नारीख : 7-12-1984

प्रक्ष आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च(1) के अधीन स्चमां

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, स्धियाना

लुधियाना, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० चण्डागढ़/1/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० सा० श्री० नं० 91 है तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः वब उक्त मिथिनयम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री हरजिन्द्र सिंह पुत्र श्री करनैन सिंह द्वारा उसकी जनरल एटार्नी: श्री करनैन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी मकान न० 3254, सेक्टर 15—डी, चण्डीगढा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती मोहिन्दर कौर भहल पत्नी
श्री मुखमिनद्र सिंह भहल
मास्टर सुबील एस० भहल माईनर पुत्र
श्री मुखमिन्द्र सिंह भहल और माईनर प्रित्त सिंह भहल प्रौर
श्री सुखमिनद्र सिंह भहल प्रौर
श्री सुखमिनद्र सिंह भहल प्रौर
श्री प्रभु दयाल सिंह भहल प्रौर
श्री गुरप्रीत सिंह भहल पुत
श्री सुखभिनद्र सिंह महल हारा
उनकी जनरल एटार्नी श्रोमती मोहिन्द्र कौर भहल
पत्नो श्री सुखमिन्द्र सिंह महल,
निवासो मकान नं० 89,
सेक्टर-11 ए, चण्डीगढ़
हारा श्री नवप्रीत सिंह भहल पुत्र
श्रो सुखमिनद्र सिंह महल पुत्र

(अन्तरितो) 🕽

को यह सूचना बाडी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के फिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारी के सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितय दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण र- इसमें प्रयूक्त सब्यों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

# नगुसूची

एस० मी० घो० नं० 91, सेक्टर 35 सी, चण्डीगढ़, (अर्थात् वह जायवाव है जो कि रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी, चण्डीगढ़ें के के विलेख सं० 1 माह अप्रैल, 1984 के तहत वर्ज है।

> जोगिनद्र सिंह्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक : 10-12-1984

# वक्त नाह्ं,दी.एन.एस...-----

नायकः र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के संभीन सूचना

#### नारत तरकार

# कार्यासन, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियाना, दिनाक 10 विसम्बर 1984

निवेश स० **भण्डीग**ढ़/2/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रौरजिसकी सं० प्लाट नं० 1147 है तथा जो सक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामतः, जभतः अधिनुसम के नभीन कर दोने के बन्तरक के -ामित्व में कमी काउने मा उससे स्थान में सुविधा है किए; बॉर्-वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जावा वाहिए था, छिपाने में सुविधा है बिएश्व

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कुलसीप चन्द्र भाटिया पुत श्री बी० एन० भाटिया, निवासी 22-बी, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदम सिंह पुत श्री पूरन सिंह, नियासी मकान नं० 569, सेक्टर 36 जी, चण्डीगढ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पूरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षम्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हैं, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

## वन्स्ची

ण्लाट नं० 1147, सैक्टर नं० 36-सी, चण्डीगढ़ (अर्थीत् जायवाद भी कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के बिलेख नं० 2 माह अप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

विमांक : 10-12-1984

प्ररूप बाहै . टी. एन . एस . -----

भायकर भिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० चण्डीगढ़/3/84-85/-अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रूठ. से अधिक है

प्रौर जिसको सं० जमीन का आधा भाग मकान नं० 19 है तथा जोइण्डस्ट्रोयल एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में प्रौर पूर्ण रूप से निणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार। के कार्यालय, चण्डीगढ़ मेरिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्ष्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे कि पन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्य (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण भें, भें, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्धात् ह— (1) श्रीगौरी शंकर पुत्र श्राचुन्नालाल, श्रामता वेदवती पुत्री श्रीचुन्नीलाल, दोनों निवासीका 40-41, अनाज मण्डी,शिमला।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश चन्द्र पुत्र श्री रघुवीर सिंह, श्री विजय कुमार निवासी 178 रंगीन मार्किट चण्डीगढ़।

अन्तरिती)

- (3) 1 मैंसर्स रमेश चन्द हरनारायण।
  - 2 मैसर्स प्रेम स्टोर।
  - 3 मैसर्स रामा बाक्स फैक्टरी।
  - 4 मैसर्स रवृबीर चावल मिल्स सम्पूर्ण निवासो 19, इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डागढ़।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **हैं**45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  श्रुवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक. सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

1/2 हिस्सा प्लाट नं० 19 मकान सहित इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़ अर्थात् वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय नं० 7 माह अप्रैल, 1984 के के तहत वर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सिंधयाना

तारीख: 12-12-1984

# प्रक्य<u>ः</u> वार्दः, डी<u>.</u> एत<u>ः</u> एत<u>ः ----</u>--

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

# भारत ब्रकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 6 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० चण्डोगढ़/8/84--85---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

शायकर विधिनियर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियर' कहा गया हु"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण द' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं मिकान नं 1657, सेक्टर 33 डो है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उन्त अंतरण निम्नतिचित व्
  - (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; बॉर/या
  - (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या , किया जाना चाहिए था छियाने में सविधा के लिए,

(1) श्रो उत्तम सिंह तथा श्रामती अमर कौर निवासी 1627, सेक्टर 7-सी, चण्डोगढ़। श्राबलराज विह निवासी 332, सेक्टर 93, चण्डागढ़ तथा श्री बलहार सिंह ग्रेवाल, निवासी 79 सेक्टर 16, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जगरूप सिंह ढिलों, निवासी: 44, मेक्टर-28 ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के विक् कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 पिन की अविधि या तत्सबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# वन्तुवी

सकान नं 1657 सेक्टर 33 डी, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ के विलेख सं 45 माह अप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है )।

> जोगिन्ब सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

जत: अर्थ. उक्त ऑपिनियन की भारा 269-म के अन्सरण ें, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, ाम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 6-12-1984

# प्ररूप बाइं.टी. इन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ्(निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लिंघयाना, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० चण्डीगढ़/12/84-85--अतः मुर्झे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० 45 है तथा जो मोटर मार्केट तथा कर्माशियल कम्पलेक्स, मनी माजरा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डींगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अधैल, 1984

को पूर्वोक्त संबत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया फल निक्निलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिक्ति में बास्तिवक्ष कप से कांधत किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधाके लिए;

जताः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपध्यरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री साता राम पुत
 श्री नारायण दास,
 निवासी मकान नं० 15/230,
 बलदेव नगर,
 अम्बाला गहर (हरियाणा)।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान सिंह चावला पुतं श्री हार जी सिंह चावला, निवामी स्वर्ण बिन्धु बिल्डिंग, नजदीक रेलवे स्टेशन, शिमला (हि० प्र०)।

(अम्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वधाकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त विध-नियम के बध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, यो उस बध्याय में दिया गया है।

#### समस्यो

एस० सी० एफ० न० 45, जो कि मोटर मार्केट तथा कर्माशयल कम्पलेक्स, मनी माजरा में स्थित है ( (अर्थात वह जायबाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कण्डीगढ़ के विलेख सं० 61 माह अप्रैल, 1984 के तहत वर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक**रें कु**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीच : 5-12-1984

मोहर ≟

# प्रकल काइ'. टी. एन. एस.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मुधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश स० खरडं/3/84-85-अतः मुझे, जोबिन्द्र सिंह जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-**च के सधीन सक्तम प्राधि**कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी स० प्रवाद नंश्व सी-8 है तथा जो प्रोह-1

ग्रीर जिसकी स० प्लाट नं० सी-8 है तथा जो पोह-1, मोहाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नाराख अप्रैल, 1984

फो प्वेक्ति संपरित के उचित बाबार मृत्य में कम के बह्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्कार करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिहात से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकाल उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिमिल में बास्तिक रूप से क्यायत रहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्स अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; बार/या
- (ए) रसी किसी बाब्या किसी अब्या ब्रुब्ध बारिस में को, बिक्स भारतीय आय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट मर्जी किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

भृतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-भू के अनुसरभ मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अधीत :—— 57—416 G1/84 (1) श्राः बार्य एस्य मिलिक पुत्र श्राः सुरूष सिद्ध् मिलिक, निवासा सकान नय बार-105, सुखोधाम उनक्लेव, नुष्टी दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रां हर भजन सिंह पुत
 श्राः जग सिंह,
 निवासः 141 सेक्टर 28-ए,
 चण्डीगढ़ ।

(अन्तरित⊤)

को बहु सूचना बारी करके प्याप्तित संपरित के वर्षन के सिए अर्थवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पति क अजन के भवा या काई भी सार्धा ---

- (क) इस सूचना के राजपत मा प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति द्वारगः
- (क्ष) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधाहस्ताक्षरों के पास निक्षित में किए का सकेंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, ब्लॉ जर अध्याय में हिया गया है।

# नन्स्यी

प्लाट नं० 8-सी, पोक-1, मोहाली (अर्थात् बहुआयदाद जो कि एजिट्राकर्ता अधिकारा, खरड के बिलेश सं० 185 माह अप्रैल, 1984 के लहत दर्ज हैं )।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आपुक्त (निरःक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

नारीख : 12-12-1984

प्ररूप नाइ. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सु**प**ना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० खरड़/6/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- स्त. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 393 सी है तथा जो फेस-3 मोहाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, गारीख ग्राप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-रियम के अधीर अर दीने के अन्तरक के दायित्व भी कभी करने या असने अचने में सुविधा के हिल्हाः और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, शि १७५७ का १८०० के अधिनियम, १९५७ का १८०० के अधिनियम, १९५७ का १८०० के अधिनियम, १९५७ का १८०० के अधिनियम अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री तखपत राय पुत्र श्री हजारी जाल, निवासी मकान नंव 3 फेस बी/1, एसव एवं एसव नगर, मोहाली, तहसील खरड।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह पुत श्री मोहन सिंह, निवासी गांव शेख पुरा, तहसील नवां शहर, जिला जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की संगीन से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्पष्टिकरण ह--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मना हैं।

# वम्सची

मकान नं० 393 सीं० फेस-3 बी/1, एस० ए० एस० नगर, मोहाली (श्रथीन् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खरड़ के विलेख सं० 259 माह अप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 12-12-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## मारव सरकार

सार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुाधयाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पटियाला/1/84-85—म्ब्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिह.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान नं 118 है तथा जो भरपूर गार्डेन पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मंबणित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय भरपूर गार्डेन पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्विकत संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम को रूथमान मितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुइ किसी काय की बाबत, अन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के जिल्ला मे कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अधीत :--- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत श्री कुल्वन्त राज, निवासी 118, भरपूर गाडन, पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री क्रुंप्ण कुमार चोपड़ा पुत्र श्री हुकम चन्द चोपड़ा, मकान नम्बर 118, भरपूर गार्डेन, पीछे श्रायुर्वेदिक कालेज, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को गर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अशोध या सरमन्दन्धी व्यक्तियों पर मूपना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन क़े भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नुसुची

मकान नं० 118. भरपूर गार्डेन. पटियाला ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, पटियाला के विलेख सं० 53 माह ग्रप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 12-12-1984

माहर :

# प्रकृष बार्ष . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, लुधियाना

लुधियानाः दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० डेरा बस्मी/1/84-85—प्रतः भुक्षे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं जमीन 11 बीया 6 बिसवा है तथा जो गांव माधोपुर, डेरा बससी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रांथ पूण म्ल से विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रुप्रैन, 1984

का प्रोफित सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित सों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा ग्या प्रतिक कल निम्यानिश्चित उद्योग से उसत अन्तरण जिस्ति में शास्तिविक क्ष्य से अभित नहीं किया ग्या है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क विभि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी जिसी आध या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिणान में सुविधा के लिए;

कतः सब, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण हैं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीतः । निम्निनिक्षिण व्यक्तित्यों, अधीतः :—

(1) श्री जरनैल सिंह बराड़ पुत्र सरदार करतार सिंह बराड़, निवासी 320, ग्रीन लाइन्स, लन्दन एन० 4, द्वारा मोहन लाल विनदाल, डेरा बस्सी।

(श्रन्तरक)

मैसर्ज वावा रंगी राम प्राईवेट लिमिटेट निवासी 27 सेक्टर 5, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन को तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्यूध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अपोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

हपाक्षीकरणः--इसमां प्रयुक्त शब्द और पर्दों का, जो उक्तं रे अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। मसा हैं।

#### रम संग

जमीत 11 बीचा 6 बिण्या गांव माधोपुर, तहसील डेरा बस्सी (श्रयीत वह जायदाद जो कि रजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख मं० 372, माह श्रप्रैल, 1984 के तहत् दर्ज है) ।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज लुधियाना

तारीख : 12-12-1984

मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन. एस .-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सञ्चायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० पांवटा सहिब/1/84-85--श्रतः मुझे जागिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन 10 बीचा 16 बिग्वा है तथा जो गांव सूरज पुर तहसील पांवटा साहिब में स्थित है (श्रांर इससे उपाबड अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारों के कार्यालय पांवटा साहिब में रिजर करण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण रिजिस में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुर्द्र किसी बाग की बागत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्त<u>र</u>क के बायित्व में कमी करने या उससे भवने में सुनिधा को सिए; कोर्ट्रया
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया स्या या या किया जाना चाहिए ना जिया स्विधा के निए।

बतः वस, उत्कर अधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण मो, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) श्री करमा पुत श्री तोती निवासी गांव सूरज पुर तहसील पांवटा साहिब जिला सिरमीर (हि० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज पांवटा साहिब सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड गांव सूरंज पुर (नाहन पांवटा साहिब रोड) तहसील पांवटा साहिब जिला सिरमीर (हि० प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित कं वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षंप ट-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अमिध या तृत्सम्बन्धी स्पक्तिमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर स्पन्तियों में से किसी क्यांवत द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड किसिक में किस का शकान ।

स्पष्टिकिरण :— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जमीन 10 बोधा 16 बिश्वा भाव सूरजपुर तहसील पांवटा साहिब जिला सिरमौर (हि॰ प्र॰) (अर्थात् वह जायदाद जो कि राजेस्ट्रीकर्ता ग्रुंग्रिधिकारी पांवटा साहिब के विलेख सं॰ 120 माह अप्रैल 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षक्त प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुम्लियाना

तारीख : 12-12-1984

# प्रकृष बाहै. टी. एन. एस. ----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मृजना

# भारत सहकार

कार्यालय. सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1981

निदेण स० लुधियाना/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान न० की 23, 666/3 ए है तथा जो टेक्टाइल कालोनो, लूधियना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुभूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ना अधिकारा के कार्यालय, लूधियना में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोक अप्रैल, 1984

प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित गाजार मन्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण संहुदं किसी बाग की बाब्द, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अप्रकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

भतः अंग उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो सुरिन्द्र मोह्न भारहाज पुत्र श्रो गुरू प्रकाम, निवासंः के 3/4, टेक्सटाइन जालोनो, लुधियाना श्रीर अब श्रो 23, 658/5 इन्डस्ट्रीयल एरियाः लुक्षियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स फकोर चन्द्र राधे किणन, निवासी 5027, क्ली मण्डी, सदर बाजार, दिल्ली और अब मकान ने० 23 666/3 ए, टेक्सटाइल कालोनी, लुधियाना ।

(अन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करास हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्पे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश् में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

# मन्त्रची

मकान नं वी 23, 666/3 ए, टेक्सटाइल कालोनी, नृष्टियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं 105 माह अप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** : 11-12-1984:

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक । । दिसम्बर 1984

निदेण सं० लिधियाना  $4A/81-85--अ<math>\pi$ ः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० मकान नं० बी-22, 666/3 ए है तथा जो टेक्स्टाइल कालोनी, लृधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता शिधिकारा के कार्यालय, लृधियाना में रिजस्ट्रे.करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रासुरिन्द्र मोहन भारद्वाज पुत्र श्रा गुर प्रकाण, नियामी के 3/1, देक्सटाइन कालीना, लुधियाना अब बीठ 23, 658/5, इण्डस्ट्रोयन एरिया, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैं पर्ज फकोर चन्द राधे किणन निवासः 5027, कई मण्डो, सदर बाजार, दिल्लो ग्रीर अब मकान नें० बी०-22 666/3 ए०, टेनसटाईल कालोनो, लुधियाना ।

(अन्तरितो)

को नह त्याना आही करके पृथानित सम्पत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी इसे 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितन्त्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए आ सकेंगे।

स्पटीकरण: इसमें प्रश्वत कब्दों और नदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्स्की

मकान नं० बी ०2 666/3 ए०, टेक्सटाईल कालोनी, लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्राकर्ना अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 70 माह अप्रैल, 1984 के तहन दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्ष्ण) अर्जन रेंज, लुधियाना

**州**[天] 11-12-1984

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्थना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर बाय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

ल्भियना, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ल्धियाना/29/84-85---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिह्न,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ि जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 ∕~रत. से अधिक **ह**ैं

श्रीर जिसकी सं हिस्सा फैक्टरों बिल्डिंग नं० बाहै तथा जो 23 इण्डरद्रीयल एरिया, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्राकर्ता अधिकारो के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, नारीख अप्रैलं, 1984

करे पूर्वनित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को धरयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ए'से द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही अन्तरक और (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप का बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (५४) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर **अभिनियम, 1957 (1957** का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में ्रिया को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) 🖐 अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाण 🔑

(1) मैसर्स नेजनल इलेक्ट्रोनिक्स, 341, उण्डस्ट्रीयल एरिया, ऐ० ल्धियाना द्वारा श्रा जोगिन्द्र सिन्धु पाल गुप्ता, गिवास: 979/11, गलः नं० 7, दीय नगर, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रकाश इण्डस्ट्रायल कारपोरेशन, के 3/4, टेक्सटाईल कालीनः, ल्धियाना ऋौर अब मकान न० वा 23 658/5, इण्डस्ट्रीयल एरिया, ए० ल्घियाना ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, ब्रो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकों में।

अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **ही वही अर्थ** होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# ं अनुसूची .

हिस्सा फैक्टर: विविद्या पंज वर 23, 658/5, इण्डस्ट्रायन एरिया, लुधियाना (अर्थान् बह जायदाद जो कि रजिस्टुःकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख मं० 473 माह अप्रैल, 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर अध्युवत (निर∂क्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** : 11—12—1981

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, महायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निदेश सं लुधियाता/132/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर विश्वी सं किर्मा फैक्टरी विव्डिग नं बी 23, 658/ 5 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया, ऐ क् लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उन्नबढ़ अमुसूची में ग्रीर पूर्ण हम से व्यापत हैं), रिजस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

्र-1908 (1908 का 16) के अधान, तारी ह अप्रैल, 1984 को एके तन पर्वाचन की गीयन नाजार मृत्य स कम को दश्यमान प्रतिफल है तिए अक्टोर्स्त की गई हैं और मज यह विश्वास करने का आपण है कि ग्रथाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशादु से आंथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरिंतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या श्रीतफल, निम्निंगित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक प्रिक्त से क्रीथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सूनिधा के लिए. और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्हाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, रकत अधिनियम, की धाय 269-ग के अनुसरण भी, भी, जलत अधिनियम की धाय 269-घ की उपधाय (1) के अधीय निमानिकासिन व्यक्तियों, कर्यात :---58-416GI\$! (1) मैंपर्ज नेशनल इलेक्ट्रोनिका, 3'1, इण्डस्ट्रःयल एरिया, ऐ० लुब्सियार द्वारा श्रा. जोर्नाद्व सिंह पाल गुरता, निवासः 979/11, गर्ले न्० 7, दाय नगर, लुध्याना ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्भ प्रकाण इण्डस्ट्रंयल कारपोरेश्वन, के 3/4, टेक्डटाईल कालोनो, लुवियाना स्रोर अन्न त्रीर २३, 658/5, इण्डस्ट्रंयल एरिया, लुधियाना।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कारंबिहामें करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जयिश या तत्संबंधी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्मीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिरिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्ची

हिस्सा फैक्टरो विलिंडम नं० की 23, 658/5, डण्डस्ट्रीयन एरिया लुक्कियाना (अथित् वह जायदाद जो कि रिनिस्ट्रीजर्ना अविकास लुक्कियाना के विलेख सं० 2966 माद जन्, 1984 के तहत दर्भ है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-12-1984

प्रचय आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, लोधजाना

लिथाना । इनांत । । इसम्बर 1984

निदेश सं ० ल्थिय सा/20/84/85···या: मुधे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसके इसके परवात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के 3 कि सथ ए लाय हार जी पर ए एक पर का भारण है कि स्थावर सम्बन्ध जिमका विवेश बाजार मृत्य 25,000 के कि स्थावर सम्बन्ध के उन्हों पर

स्रौर जिसकी सं का सकता तं वी 27/ । त तथा जो असम नगर लुधियाना मे जिस्त है विशेष इससे उताबक अनुसूची में प्रोप पूर्ण का में बेणिया है ), रिक्षिति विशेष पर्णो के पर्णोलय जिथियाना में रिजस्ट्रीकिएण अधिविषम, 1908 (1908 का 16) के स्थित तार्राख ४ प्रेल. 1981

का पूर्वेश्वत सम्पति के अचित बागर गण्य मं क्रम के रम्यभान प्रतिफाल के लिए अर्जानत बाँ नहीं है है अर्थ श्रम या विक्यास करने का वार्ग है जिस्सार की नहीं है अर्थ श्रम या विक्यास करने का वार्ग है जिस्सार अर्थ की निर्माण के प्रति के स्थान शिल्प के प्रति के प्रति के स्थान शिल्प के प्रति के स्थान के स्थान के प्रति के स्थान के स्थान के प्रति के स्थान के स्थान

- (क) अन्तरण संहाई किसं आय की सबत, उत्तर अधिनयम के अधीन का दान के अन्तर के दाक्षित मा कमी करने या तसल अवने स्विक के लिए; वीर/या
- '(ख) एसी किसी आय या जिस्सी धन या अन्थ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या किस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भर्ग किया मा गूजिया के निए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरल में, में उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति  श्रीमनी मुरजीत कौर विश्ववा सरदार बच्चन सिंह, निवासी मकान नं 510, माडल टाऊन. लुधियाना।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी रारदार श्रभीतर शिह श्रीमती कृतको। कौर पुत्री श्रीमुट बरत निह तिवासी गांव वगतकाना, तहसील जुजियाना श्रीर अत य, श्रात्म तगर, जुजियाना।

(अटारिती)

को यह सूचका जारी करके पर्योकत संपोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मचना के राजपन में प्रकाशन की तारील स-45 दिन की अविधि भा तालकिशी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, दो भी अविधि अदि में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकत सामिता में सिंगी व्यक्ति तहारा;
- (छ) इस सचना के स्थापत में प्रवासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वार अधार्यन्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकति।

न्यास्टीकरण इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया

## अन्स्ची

मकान नं० की 27-1, ग्रात्म नगर, लुधियाना (ग्रथित् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 335 माह ग्रुप्रैरा, 1984 के तहत दर्ज है।)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लोधयाना

तारीख : 11-12-1984

प्ररूप आई .टी .एन .एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### वारत बरकाइ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्बियानः, दिनाक 12 दिसम्बर 1982

निदेश सं० लुबियाना/47/84-85—ग्रतः मुझे, जीगिन्द्र सिंह लायनर श्रीधनियम्, 1061 (1061 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य् और जिल्हा मं० हिस्पा दुकान नं० बी 9, 1740/1 है तथा जी नामुन अजार, जुजियाना में न्थित है (और इससे उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण का में प्राणित है), एजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, जुजियाना में एजिस्ट्रीकरण यधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख अप्रैल, 1984

का प्रांक्त संपत्ति के उचित बादार म्लय से कम के स्थमात है शिएफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास कर है का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य सके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया शांतफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिवक एए से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एस किसी आय या किसी भन या अन्य लास्तियों करों, जिल्हों भारतीय शासकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1977 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलारों में स्रिता के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वरिष्द्र कुमार पुत श्री किशोरी **लाल,** निवासी जैन **बोह**ल्ला, रायकोट, तहसील **जयरो,** जिला **बुद्यि**याना

(अन्तरक)

(2) श्री लोक राज पुतः
 श्री हरो राम,
 निवार्मा बी 10/527,
 इकवाल गंज,
 लूधियाना ।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स चानन राम हरीराम.
लुधियाना दुकात नं० बी 9-1740/1,
साबुन बाजार. लुधियाना ।
(यह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में
सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी कारक पूर्विक्त सम्पन्ति के अपन के लिए का यही शुरू करता हो।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के गर्बण में वार्ज भी प्रक्रा 🐤

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है हैं 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में तिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहें उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिशाधित हुँ वहीं अर्थ होंगा यो उस अध्याप में दिया गया है।

# स्रनुसू वी

हिस्सा दुकान <sup>1</sup>नं० व 4 साबुन बाजार, लुधियाना (ग्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्तां प्रधिकारी, के विलेख सं० 781 माह अप्रैल, 1981 के तहत दर्ज है )।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-12-1984

# क्रम्प आर्डः टी. एस. **एस**. -----

आयक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीर भूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्रजीन रेज तर्शयाना

स्थ्यानाः । वनांकः 12 त्सिम्बरः 1984

निदेश स० लुधियाना/49/84-85--- स्रतः भुझे, जीगन्द्र सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पञ्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गा है), को धारा 269 स के अधीर सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर संशक्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य १६ १०० (१८०) विश्व के एक हैं।

कोर जिसको संव हिराम जुणान नंव बी १२१७ में है एक जो राष्ट्र में भारत ल्वियान में ११४म है (और इससे प्राक्ट अनुसूती सं भीर एमें जा से बिलान है) जिस्हो मार्च अधारी के बार्यानज जुलियाक से जिस्हो एक एकिविया 1998 (1908 में 16) के अभीव जानिय गाँग 1981

- (क) अन्तरण ते हाइ। कि ती पात को पातत कि करित के कि तिन्यण के क्षीन भाग बात के तमार के दिल्ला के किए; और या/
- (स) एसी किसी खाब या किसी धन वर अन्य नारिसायी करा, (जन्ती भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (१९८५ १९५) में अन्य सीमिनियम, 1957 (१९५७ ने १७) के प्रयोक्तार्थ भन्ती है इक्या अजह नहीं किसी स्था था किया जाना चाहिए था, छिपाने मी स्विधा के लिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 26%-ए के अन रण है, मैं, उक्त अधिनियम को पारा 26%-ए की उपध्रा (1) है अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री वरिन्द्र कुमार जैन पुत श्री किशोरी लान जैन, निवासी जैन मोहल्ला रायकोट. तह्सील जगरी, जिला लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

 श्री तन वहादुर राल, श्री तन वहादुर राल, निवासी बी-10/ 527, इकत्राल गंग, मृद्यिका।

(अन्तिरिती)

(3) मैंगुई चानल राम क्रिरीसम, हुकान में ब्री-9-1740/1 माञ्च याजार नुधियाना।

> (बह व्यक्तिः, जिनके अधिनीग भ जन्मतः है)

का यह सूचना जारी करकं प्यांक्त संगत्ति के शर्जन क िनए कार्यवाहियां शरू करता हो।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के सबध में बाइं भी आक्षण .--

- (क) इस भूचना के राज्यात में प्रकाशन का तारोध में 45 विन की अविध या त सम्बन्धी व्यक्तियों घर चूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रूजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उचन स्थाबार संपोद्ध में हिनबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जान्सकरें।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20 के में परिशाधित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस् क्ष्याय में लिया गया है।

# बनस ची

हिस्ता महान नं वी-9-1740/1 साबुन वाजार नुजिया (प्रार्शित् वह जायदाद जो कि राजिए)। हार्गि प्रक्षिकारी नुजियाना के जिलेब सं 827 माह अप्रेन 1984 के तहत दर्ज है )।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-12-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कायां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंन -लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० लुजियाना/ 56/ 84-85--- ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

मामकर यिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें प्राप्त 'रूका अधिकियम' हाहा गया हो, का धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का मारण हो कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मून्य 25,(101/-रा. से अधिक है

ग्रीर जितकी सं० मकान नं० 152 है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया ए लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण का न विणात है) रिजन्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यात्वर, लुधियाना में रिजन्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ग्रप्रैंस, 1984

- (क) अन्तरण से दुई क्लें आत की नामत ग्रम्त ग्राचिन नियम के ग्रामीन का दन के अन्तरक के अधित्व में काले करते या श्रम मचन में सुविधा के लिए। मोप्या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नेही किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिलान में सुविधा के लिए:

अतः अत्र, उन्त त्रिधिकमम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के त्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स श्रोसवाल स्पीनिंग श्रौर विविग मिल्स प्राइवेट लिम्टिंड लुधियाना द्वारा: श्री धर्म पाल श्रोसवाल पुत श्री लक्ष्मण दास श्रोसवाल, वेयर मैन श्रौर डायरेक्टर मै० श्रोसवाल स्पीनिंग वीविंग मिल्स प्राईवेट लिमिटेंड, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अणोक कुमार पुत श्री जित्र बतामल , निवासी 1177, तिलक नगर, लुधियाना,

(ग्रन्तरिती

का वह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन को तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद माँ सभाप्त होती। हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियां में किमी, व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

्स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

1/2 हिस्सा फैक्टरी का मकान नं० 152 मकान टैक्सटाइल नं० बी 23-53 अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख स० 919 माह अप्रैल 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-12-1984

The second control of the second control of

अरूप बाइ'.टी.एन.एस.---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961** का 42) औ यारा 260-भ (1) व अभीन सचना

#### भारत सरकार

भारतिस्य । सहायक आग्रवार अञ्चल (निरीक्षण) अर्थात्र में अ. लुक्तिसान। लक्षित्राना , विनास । 2 विवास्त्य (1981)

निदेश सं अपुधियाना/83-म् ४ ८५--४४--प्रभा सुने, जोसिन्द सिंह, ।

ग्रौर जिक्छी संग्रहे हिस्सा फैक्टी विक्रिय नग । 52 में एप नां इण्डस्ट्रीयन एरिया ऐन ल्लिक्स में (स्वर्ष ) (बोन पोर एक्स अनुसूची में भौर पूर्व एक्सिक्स के कार्यान के कार्यान से एक्सिक्स में के कार्यान में किस्सान से एक्सिक्स पा अधिकार । 1903 (1908 का 16) के अबीर नार्यन्य भरी 1984

को प्रविद्या सम्मतित के उचित काजार शृतक असे के देश मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापनित सम्मतित की असे के का असे मृस्या, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशंत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए त्य पाया गया प्रतिपाल, निम्नोलिसित उद्देश्य से अक्त अन्तर्ण बिसित में वास्तिवक इप से किथान नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आग को ग्रवत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तर के दायिक में कमी कारने या उत्तरी अजन में मुलबा के निष्; और/या
- (स) एको जिस्सी अन्य पर कि.सी कर या अन्य पत वर्षा को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ११) के क्यानस्था अन्य रही देखारा अन्यत बहुत किन्य प्रदेश भारत विकास कार्य स्थार पुष्ट स्थिति में स्वीविधा के निष्टु;

अत: शब, उबत अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण माँ, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) मैं पर्व श्रीक्षात्र एक्किंग ाड विविध भिरुस विक्रिकेट सूज्य का द्वाप उपका चेयर मन श्रार द्वार सेट श्री अने क्षार प्रोपका मुज भी संस्था दाम श्रीपनान ।

(ग्रनरक)

(2) शतानी कृष्ण वंको कर्नी शोजिस दिला मन निक्ली 1170 तिला नगर लेखिला !

(प्रन्तरिती)

का यह गूनना जानों करक उवाहत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया। करता हो।

उन्तत संगति के अनेन के संजय में कांडे भी बाक्षण :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तित्यों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समान हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस म्याना के राजपात मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति मी हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन मी किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम ते अध्याय 20-क में परिभाषित ह्<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

# बन्सची

हिन्यः फैन्टरा बिन्डिंग नं० 152 इण्डस्ट्रीयल एरिया, एँ० वृधियाना एम्०मी, ०न० वी-23-53 (श्रयात् वह जायदाद जो कि र्जिट्धिक्ती प्रायकारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 1220 माह मई 1984 के तहन वर्ज है।

> ं जो गन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी यहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) क्रजन रेंज, लुधियाना

तारीय : 12-12-1984

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस.----

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 दिनम्बर 1984 निदेण सं० लुधियाना, 58-ए० 84-85--प्रतः युजे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राक्षिकार का यह एक एक प्राप्त करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रौरिक्सिकी सं० हिस्सा विल्डिंग नं० 152 हे तथा जो इण्डस्ट्रीयन एरिया लुधियाना में विशत है (घोर ध्यो उताबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण से विशत है) रिक्ट्रियती ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में र्राजस्ट्रावरण ग्रांगियम 1908 (1908 को 16) के धर्यान नारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा वायण है कि स्थाप गंतन सम्पास का लावन वाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल म. एस क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत सं अधिक ही और अन्तरक (प्रतिश्वा) और अंतरियों (अन्तरितियों) के बीच एमं अंतरण के लिए नेय पाया प्रात्मक , विम्निलिखित अन्तरस से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिविक रूप से अधिस नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण सं हुई कियी क्या को सतत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दीयिक मं कसी करने या उससे दचने में सुविधा के जिल्हा सर/का
- (N) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर खींचिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दर प्रोणिनयम प्राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27. के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंदारा प्रजट मही किया स्था था या किया जाना चाहिए था छिणाने से स्वाधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) अ बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधीत :---

(1) मैसर्स स्रोसवाल स्पीनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड लुधियाना द्वारा श्रो धर्म पाल श्रोसवाल पुव श्री लक्ष्मण दास श्रोगवाल चेयर मैन श्रीर डायरेक्टर सैगर्म श्रोसवाल स्पीनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिगिटेड लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अणोक कुमार पुत्र णिवादिसा मल निवासी 1170 तिलक नगर लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिनां शृष्ट करता हो।

सब्द अम्मिट्टि यो प्रजन के सध्याध मा कोई भी आओर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से तर दिया की अनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर जनता की तभीन में 30 दिन की महिए, को भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से तुरु दिवार की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास दिशिक्त में दिवा का सम्में ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

हिस्सा विविद्या नं० 152 इण्डस्ट्रीयल एरिया हाऊम टैक्स नं० दी: 23-53 लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी: लुधियाना के विलेख सं० नं० 947 माह अप्रैल. के तहत दर्ज है )।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी साँग्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल्धियाना

तारीख: 12-12-1984

प्रकृष बाह ,टो. एन. एस . -----

बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, आयकर भवन विधियाला लुधियाना, विनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० लुधि०/22/84-85--अत मझे, जोगिन्द्र निह, शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस धसमे सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिल्लाम करने का बारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसको सं० निहिंडम नं० 152 है तथा जो इंडस्हिंगन एरिया ए० लुधियाना में थित है (स्रौर इसके उपायद अनुमृत्ती में सोय पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिन्ड कर्ता पियातार के लार्यालय, लुधियाना में, रिजिस्ड्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधान, दिनाक अप्रैल, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य. असके पश्यमन प्रतिफल से, एसे दश्यमन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की अवस्त, अवस्त अधिनयम के अधीन कार दोने के अस्तर्य, के दायित्व में कमी अन्तर्य मा उससे बचन मा स्वीत्रधा के लिए; अतेर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन था लाख अधीरायों को चिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, १९९६ (1922 का 11) दा उनत अधिनियम, १९९६ के सद अधिनियम, 1957 (1957 का अधीर के सिया बना जालिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-ए की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्रशीत् ६—— (1) महारा श्रांसवाल का तिंग प्रौर वाति । मिरक विभिटेड लुख्याता द्वारा श्रां वर्ष का शास्त्रा । पुत्र श्रा लक्ष्मत टाल श्रोद्वाल । -लुब्याता डाप्रेक्टर श्रीर चेयर्मैन मेसर्ज श्रोसवाल रातिका श्रार वाविंग मिरुज इंडस्टियल एरिया ए० लुब्यियता ।

(अन्तरक)

(2) श्र. भिना दिना मल पुत्र श्र. टाँग्न दास निवास. --- 1170 शिक्त नगर पृथियाना । (अन्तरितः)

का यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त अस्पित के अर्जन के जिल्ला अस्पति करके पूर्वाक्त

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की नंदिय या तत्सम्बन्धी के वितयों पर एचता की लामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी करिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रतिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहरुशक्षरों के शक्त लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थ्रहोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिक गया है।

# वन्स्थी

1/4 दिण्या पैक्ट्रा विविद्या तं । 152 इंडिस्ट्रियल एरिया ए. मृत्रियार (प्रशिन्य) नापास्त को कि एकिस्ट्रोक्स अधिकारो ल्हिसायर के प्रिलेख संख्या तं । 347 महा अप्रैल 1984 के तहत दर्श है)।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर आयुक्क (निर**िक्षण**) अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 12-12-1984

मोहर 🖫

# प्ररूप जाई टी.एन.एस-==----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग्रायकर भवन लुघियाना लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निवेश सं० लुधि०/26/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 152 है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया ए० ल्धियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वो क्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ल्यार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) मेसमं श्रोसवात अगितिंग श्रोर वं विंग मिल्ज लिमिटेड लुधियाना द्वारा श्रे. धर्मपाल श्रोसवाल पुत्र श्री लक्ष्मन दास श्रोसवाल लुधियाना डायरेक्टर श्रीर चेयरमेंन मेमसं श्रोसवाल स्पिनिंग श्रीर वं विंग मिल्ज लिमिटेड लुधियाना । (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो कृष्ना वंती पत्नी श्री णिवा दित्ता मल निवासी—1170 तिलक नगर, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सू भी

1/4 हिस्सा फैक्ट्रो बिल्डिंग नं० 152 हाउस टैक्स नं० बें: XXIII-53 इंडस्ट्रियल एरिया ए० लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रो कर्त्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 416 माह अप्रैल के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् गक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (गिरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-12-1984

प्ररूप आई: टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

ंकार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

मिदेश सं० लुधि०/77-ए/84-85--अतः मुझे, जोशिन्द्र

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर फ़िसकी सं० हिस्सा फैक्ट्री बिल्डिंग नं० 152 है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया ए० लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1984,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बासाबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान —

(1) मेन्सं स्रोसवाल प्रापिनिंग सौर वोविंग मिल्ज लुधियाना द्वारा उनका डायरेक्टर स्रोर वेयरमेन श्रो धर्मपाल स्रोसवाल पुत्र श्रा लक्ष्मन दास स्रोसवाल । (अन्तरक)

The same to pass promittees to the probability of the probability of the same to th

(2) श्रो शिवा दित्ता मल पुत्र श्रो टोपन दास पुत श्री सुखदयाल निवास:——1170 निलक नगर लुधियाना । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षण करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य च्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनस्थी

हिस्स जायदाद नं० 152 इंडस्ट्रियल एरिया ए० हाउस टैक्स न० वो XXIII—53 लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जे कि रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 1140 माह मई 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निर.क्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-12-1984

त्रातेष्ठ •

# प्रकृष् अहर् न्दी . एम . एस . ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्त भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार बायुक्त (निरीक्षण)

. अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 विसम्बर 1984 निदेश सं० खन्ना/2ऐ०/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका मं० हिस्या जायदाद नं० 222 है तथा जो बार्ड नं० 11 खन्ना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण- म्प में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रवित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियन के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सम्बंध के लिए;

क्तः कव, उन्त वाँधनियम काँ भारा 269-ग के जनगरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत क्र- (1) श्री रामलाल पुष्ट संरेदारी लाल मकान नं० 222 बार्ड न० 11 खन्ना कलां जिला---लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रामतो कमला देवो पत्नी श्रोम प्रकाश श्रोमतो कमलेश पन्नि सुरिन्द्र कुमार निवासो मकाननं० 240 वार्ड नं० 12 खन्ना कला जिला---लुधियाना ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये का सकींगे।

स्यष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुजा हैं।

# धन्सूची

जायदाद नं० 222 वार्ड नं० 11 खन्ना कली (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्सी अधिकारी खन्ना के विलेख संख्या 71 नं अर्गं ने 1984 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-12-1984

मोहर 🛭

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस . -----

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, सुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० खन्ना/2/84-85— ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परन्थत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रूट. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं हिस्सा जायदाद नं 222 है तथा जो वार्ड नं 11 खन्ना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खन्ना में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचीन, विनांक श्रीज, 1984,

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्षके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्क जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर∕वा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियः को चिन्ह भारतीय नामकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा धा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के जिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं उभत अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्

(1) श्री राम लाल पुत्र श्री सरदारी लाल वार्ड नं० 11 मकान नं० 222 खन्ना कलां जिला——लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी परिन श्री श्रोम प्रकाश श्रीमती कमलेश रानी परिन सुरिन्ध कुभार निवासी—मकान नं० 240 वार्ड नं० 12 खन्ना कलां जिला—लुधियाना ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मस्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संजंध में कोई भी बाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पळ्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही कर्य होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

# मन्सूची

जायदाद नं० 22 वार्ड नं० 11 खन्ना कलां (प्रयति यह जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्त्ता प्रधिकारी, खन्ना के विलेख संख्या 93 माह प्रप्रेल 1984 के तहत दर्ज है) ।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

धिनांक: 12-12-1984

मोहरू ध

# प्रकार बार्च 😅 टी., एन., एस.,

नायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के संधीत सुचना

#### शास्त सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं ० खन्ना | 4 | 84 - 85 - अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000 / रा. से विधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 3 कताल 6 मरला साथ दो सम्पूर्ण कमरे तथा जो खत्ना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वांणत है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय खन्ना में राजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रगैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित दृश्यक्ष वे अच्च अन्तरण किविच में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विशिक्ष के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व के कमी करने वा उक्के अवने के सुविधा के विश्व अदि/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अन्य अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया बाना चाहिए वा, ज्याने में स्टिंगा के सिए;

नतः म्ब, उक्त विभिनियम, की धारा 269-न के ननुसरक् मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रफीक मुहम्मद पुत्र श्री रहमत प्रली निवासी—गांव इकोल्ला तहसील खन्ना जिला—लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो सुनील कुमार पुत्र श्री मोहन लाल निवासी——वार्ड नं० 12 मकान नं० 104 खन्ना ग्रव मार्फत मेसर्स पंजाब क्लाय हाउस मेन बाजार खन्ना जिला——लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मेससे कैपिटल स्टील ग्रीर ग्रलायड इन्डस्ट्रीज खन्ना (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना चारों करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त बुम्परित् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासोद:--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अवधिया तत्मवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि वो भी ज्यान की तामील से 30 दिन की अवधि वो भी ज्यान कार्य को से समस्य के सीतर पूर्वों का स्थान कार्य में समस्य की स्थान व्यक्तियों में से किसी स्थान व्यक्तिया;
- (व) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के वास सिसिद में किए वा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:—हसमें प्रयूक्त भव्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# जन्त्वी

जमीन 3 कनाल 6 मरला साथ दो सम्पूर्ण कमरे खन्ता में स्थित हैं। (ग्रथीन् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खन्ता के विलेख संख्या नं० 126 माह ग्रप्रैल 1984 के तहत दर्जें हैं।)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-12-1984

मोह्य 🛭

शक्ष बाइ. टी. इन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्क्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 12 विसम्बर 1984 . निदेश सं० नालागढ़/1/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जिसकी सं जिसकी 29 कनाल 15 मरला है तथा गांव मुस्सीवाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यास्य, में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अत्रैस, 1984,

को पूर्वांकत सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्यमान अनिक्ष के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विक्वास करने हा हारण है कि वयापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य उसके वृद्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृद्यमान प्रतिकृत का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और बण्तरक (अण्तरकों) और बण्तरिती (अल्पितियों) के बीच ऐसे बण्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, बिष्नतिवित होइय से उच्त बन्तरण निश्चित में वास्तवित एए के चित नहां किया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुई किसी वाय की वायतः, अवस्य मिनियम के अभीत कर दीने में अन्तरक छे दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसं किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल कि कि किया, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए; और/या

(1) श्रो मनसा सिंह पुत्र श्रो दुरगू निवासी—गांव मुस्सेवाल तहसील नाला गढ़ जिला सोलन द्वारा जनरल पावर श्राफ श्राटानीं श्रीमती कुलदीप कौर बराड़ परिन सरदार परमजीत सिंह बराड़ निवासी—कोठो नं० 2565 सैंक्टर 35—सो, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसस ग्रराधना पेपर प्राईवेट लिमिटेड एस० सी० श्रो० 83-84 दूसरी मंजिल सैक्टर 16-डी चण्डोगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी.
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षेत्रा जो उस अध्याय में दिया नेमा हैं।

#### प्राप्ताः

जमीन 29 कनाल 15 मरला गांव मुस्सीवाल तहसील नालागढ़ जिला सोलन (ग्रर्थात् वह जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी नालागढ़ के विलेख संख्या नं 187 माह ग्रप्रैल 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिनद्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना

्र मृतः मनं, उन्तः विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण भी, मी, उन्त विभिनियमं भी भारा 269-मः की उपभारा (1) भी मुधीनः, निक्नसिवित व्यक्ति में, तथात् पुरू

दिनांक: 12-12-1984

मोहर 💠

प्ररूप बाईं. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-2, नई दिःली
नई बेंदल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984
निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/ऐक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/
4-84/4--ग्रतः मुझे ग्रार० पीं० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रापैय से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 4931 है तथा जो कुला उस्ताद डग, चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ट्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंड्डिं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निग्ध और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राणंजरार्थ शंतियों द्वार प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के पधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गजिन्दर सिंह, सुपुत्र श्री स्व० उजैल सिंह, 4831, कुचा उस्ताद डग, 'चान्दनी 'चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं० पन्ना सिहः सिस्कः मिल्स प्रा० लि०, 392, कालका देवी रोड बम्बंई ।

(अन्तरिती)

को यह . सूचना जारी करके पूर्वीवत संस्थिति के अर्जन के कायवाहियां शरू करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनिक्स के अध्याय 20 के में परिस्तिषत हैं, वहीं अर्थ होगा. औं उस्त अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

प्रो० नं० 4931, कुचा उस्ताद डग, मान्दनी चौक, दिल्ली तादादी 700 वर्गगज, एरिया एक हाल दो रूम एक चिकन एक डब्ल्यु० सी० ग्रीर एक बाथ तथा खुला कोटेंगाडें पहली मंजिल ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज∽2़ दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

# प्रकृष आहू . बी . एन . एस . ------

भारकार अधिकियस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत संरकार

शायां लय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/2/एस० श्रार-1/ 4-84/5--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

25,000/- रु. सं अधिक हैं

शौर जिसकी सं० 4951 है तथा जो कुचा उस्ताद डग,
चान्द्रनी चौक दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीं श्र श्रशैल 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके राध्यान शिल्का से, एने दल्यकान जीकत बाजार
मृत्य, उसके राध्यान शिल्का से, एने दल्यकान जीकत बाजार
मृत्य, उसके राध्यान शिल्का से, एने दल्यकान जीकत वा
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में
भास्तीयक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- श्रीक) अन्तरक से हुन्दै किसी आम की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ट; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:
- श्तः, शव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-च के बनुसरक् वा, मा, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष-

1) मनजीत सिंह सुपुत्र स्वं० श्री उजैल सिंह निवासी-4931 कुचा उस्ताद डग चान्दनी चौक बिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० धन्ता सिंह सिल्क मिल्स प्रा० लि० 392 कालबा देवी रोड़ , बम्बई ।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्स संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंग-बव्ध किसी अन्व व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### नम्सूजी

एक हाल, दो रूम. एक किचन, एक डब्स्यु०सी०, श्रीर एक बाथ रूम के साथ खुला गोर्टयार्ड पहली मंजिल, भकान नं० 4951; कुचा उस्ताद उग, चान्दनी सौक, दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंजः – 2, दिल्ली

विनांक : 17-12-1984

# प्ररूप मार्डं, टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याशय, सहायक शायकर शायकत (तिर्द्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई फिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/ए/1एस० प्रार-1/ 4-84/6--श्रत: मुझे ग्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4831 है तथा जो कुंचा उस्ताद डग चान्दनी चौक, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्र्रील, 1984 को पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफस में लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य स कम के पत्त्र सम्पत्ति के विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते दश्यमान प्रतिफल से पत्त्र है और अन्तरक (अंतरकों) शौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच परें अन्तरक (अंतरकों) शौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच परें अन्तरक के निए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देषम से उक्त अन्तरण निचित् व वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/भा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन, जिल्लाचिक्त व्यक्तियों, अर्थातः भ्रमा (1) श्री ग्रमरजीत सिंह सुपुत स्व० श्री उजैन सिंह, निवासी-4931, कुचा उस्ताद डग, चान्दनी चौक दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० धन्ना सिंह सिल्क मिल्स प्रा० लि० 392 कालवा देवी रोड़ बस्वई ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत् सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना-की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उतत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनुसूची

4कमरे एक पुजा रूम के साथ बाथ रूम-कम लेट्रीन दूसरी मंजिल मैजनीन पलोर मकान नं० 4931 कुचा उस्ताद डग चान्दनी चौक, दिल्ली तादादी 750 वर्गगज।

> ग्रार० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी <sub>सं</sub>हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

**मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० भ्रार०-1/ 4-84--/७--भ्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ए-28 है तथा जो इन्द्रा नगर, मई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1984

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उपित बाजार मुल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से एोमे रहियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

- (1) श्री ्म्रमर सिंह निवासी, —जी, —23, ए० म्राई० ग्राई० एम० एस०, श्रंसारी नगर नई विल्ली ।
  - (म्रन्तरक)
- (2) श्रि विमल बन्ना भ्रौर नरेन्द्र बन्ना ए-28 इन्द्रा नगर

(प्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### अपूज्यी

प्रो० नं० ए-28 इन्द्रा नगर विरूपी तादावी 83 वर्गगज ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली

शतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के जधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ६—

दिनांक: 17-12-1984

मोहार 🖫

# प्रकृष् वार्षः हो .युव् . एक् :------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षक) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-1/ 4-84/8-प्रतः मुझे भार० पी० राजेश बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से **अधिक हैं** श्रीर जिसकी सं० 6/3055 (ओल्ड) है तथा जो न्यु 6247 गली बताशावाली, खारी बागली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रेस, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान र्पप्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण चंहुर किसी नान की बाबतः, उक्त विधायनम के वधीन कर वेजे के बस्तरक को वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वीकिए; बॉर/वा
- (ण) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधीनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा जी निए;

(1) श्रीमती रुकमणी देवी, पत्नी श्री साधु राम, निवासी-6147-गली बलांशावाली, खारी वाबली, दिल्ली।

्(ग्रन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार सुपुत्र श्री श्रशोक कुमार निवासी--6246 गली बतांशावालीं, खारी बागली, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी। स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खें भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया। ही।

25 भाग वसय प्रोपर्टी 146 भाग, ग्रविभाजित मकान नं० 6/3055 (ग्रोल्ड) 6147 (न्यु) कुचा नवाब मिरजा शिव मन्दिर गली बतांशावाली खारी बावली, दिल्ली, तादावी 43 वर्गगज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज~2़ दिल्ली

दिनांक : 17 -12-1984

मोह्य :

# प्रकार कार्य . ही . एव . वृक्त .-----

मामकर विभिन्तिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के सभीन स्वना

#### बार ह सरकार

कार्याजव, तहायक काधकर भागुक्त (निरीक्तक) श्रजन रेंज-2. दिल्ली नई

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० श्रार-1/ 4-84/9--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विभिक्त हैं

श्रीर जिसकी सं० 2797 है तथा जो नार्थ सदर बाजार, तेलीवारा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख श्रील, 1984

को पृषींक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का सन्द्र प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क निम्निजित उद्देश्य से उक्त कन्तरण जिल्ला के धास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी अब या अन्य आस्तियों आही, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म का उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राम कुमार जैन , सुपुत्न श्री उगर सेन जैन, निवासी—88प्, कमला नगर दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती पूनम जैन पत्नी श्री बलबीर सिंह जैन निवासी—88ए कमला नगर विल्ली नगर दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप 🏣

- (क) इस ज्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविथ, जांभी जनिश वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकंत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
  - (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के शस जिल्लात में किए जा मर्कोंगे।

स्पब्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क रे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### अनुसूची

हुकान नं० 2797 तादावी 95 वर्गगज नार्थ सदर बाजार तेलीवारा बार्ड नं० 13, दिल्ली ।

> ग्रार० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

प्रक्रम बाह्र . टी. एन. एस . -----

मायकर विजिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा। 269-म(1) के मधीन धुचना

भारत सरकार

कार्यात्त्र, सङ्घयक वायकर वायक्त (निरीक्ष्ण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० ग्रांई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० ग्रार०-1/ 4-84/10--- श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

बावकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारि का यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य \$5,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 26/16ए हैं तथा जो नजफ गढ़ रोड़. इंडस्ट्रियल योजना दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रशेंल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के सिए; की हुं/बा
- (थ) श्रेती किसी नाय था किसी धन या अन्य वास्तिवाँ कते, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बता था या किया वाना वाहिए था, क्यिनों में ब्विशा के जिए;

कल: अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भ्रार० सीः० गोईन्का
सुपुत्र श्री चिरनुई लाल गोईन्का
निवासीः-16 बालकेश्वर रोड़
गोईन्का हाउस बम्बई,
जीः० ए० मे० नेणनल केमिकल इंडस्ट्रीज लि०
26-नजफ गढ़ रोड़,
नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धरम बीर जैन, सुपुत श्री देसराज जैन निवासी--मकान नं० 60 विर नगर, (जैन कालोनी), दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप ः--

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन को अविश्व, यो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकड़ क्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य स्थावन स्थार अधाहरूवाकरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चुना है।

### **प्रनुसूची**

प्रो० नं० 26/16 ए, तादादी 55.90 वर्ग, जो पो० नं 26 का भाग है 4 स्थापित---नजफगढ़ रौड़, इन्डस्ट्रियल स्कीम, दिल्ली, नई दिल्ली ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

विनांक : 17-12-1984

प्ररूप भाइ .टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० भार-1/4-84/13--आतः मुझे आर० पी० राजेश शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो बारा हिन्दु राव विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची

कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अप्रेल 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधेकारी के

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मोहम्मद ग्रली. सुपुत श्री शिवगत उलाह, निवासी-8050, गली ताइर वाली, बारा हिन्दु राव, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बाल किशन दास गुप्ता सुपुत श्री मातु राम, निवासी--14-सी, पाकेट 'ए' एम० श्राई० जी० फ्लैंट, ग्रशोक विहार, विल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षण :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितकक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुसूची**

दो सोप के साथ दो काती तादादी-97 वर्गगज, प्रो॰ नं॰ 3613, 3614 बारा हिन्दु राव, दिल्ली ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2 नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

### प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निरेण मं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर-1/4-84/22—अतः मुझे आर० पी० राजेश आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० 3/66ए है तथा जो न्यु रोड्तक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अचिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और, अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीव-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सोम नाथ खुराना, सुप्त श्री इवेली राम खुराना,
  - (2) श्रोमतो आज्ञावन्ती पत्नी श्री सोम नाथ खुराना,
  - (3) श्री सुनिल कुमार खुराना, सुपुत्र श्री सोम नाथ खुराना,
  - (4) श्री गिरिश खुराना, सुपुत्र श्री सोम नाथ खुराना, सभी निवासी-11061, शिदीपुरा, करोल बाग,नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मे० रिणी पुजा बिल्डर्स प्रा० लि०, धारा इट्स डाइरेक्टर, श्रीमती पवितर सचदेया, पत्नी श्री मनमोहन सिंह सचदेवा, निवासी—8ए/15, डब्ल्यु० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, वा उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **Several**

प्रो॰ नं॰ 3, ब्लाक 66-ए, न्यू रोहनक रोड़, डब्ल्यु ई॰ए॰ करोलवाग, नई दिल्ली, तादादी 575.77 वर्गगण।

> आर० पो० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सदायक आयकर आयुकुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनोक : 17-12-1984

\_\_\_\_\_

प्ररूपः आर्घः टी. एन. एसः ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

### भारत तर्जार

कार्णासय., सहायक गायकर गायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

नई दिल्लीं, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सं।०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/ 4-84/24--अतः मुझे आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रंज से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 0 116 है तथा जो गडोडिया मार्कीन,खारी बावली दिस्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित-की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विशेष औ निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं० एल० एन० गडोडिया एन्ड सन्स लि० निवासी-1112, कुचा नाटयन, चान्दन: चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता मरोज मित्तल, पत्नि श्री सरत सिंह, निवासी-116, गडोडिया मार्केट, खारो बावला, दिल्ली ।

(अन्तरितो)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षज्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 116, नादावी 76.77 वर्ग मीटर, गडोडिया मार्केट, खारी बावली, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकार सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक जायकर जायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ष लिली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/ 4-84/25--अत: मुझे आर० पी० राजेश

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी ग० 100 है तथा जो गडोडिया मार्केट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार वृंक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसवे बचने में सुविधा के जिए; थीड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में स्विधा स्रीतिष्;

(1) मैं० एल० एन० गडोडिया एन्ड सन्स लि० 1112, कुचा नटबां, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता और सुरेश कुमार गुप्ता, सुपुत्रगण श्री बाबु राम गुप्ता, निवासी-100 गडोडियां मार्केट, खारी बाबलों, दिल्लें ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किस विजन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकाओं हैं।

#### नगुसुची

प्रो॰ न॰ 100 तादादी 100 वर्गगज, गडोडिया मार्केट, खारी बावलो, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज- 2, नई दिल्ली

जतः जप, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चे अभीन, निस्तरिक्षिक्ष व्यक्तियाँ, वर्षात् ा— 61—4160184

दिनांक : 17-12-1984

प्रकर कार्ड . टी . एत . एस . -----

भायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### धाउष चडनस

### कार्यासयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यु०/2/एस० आर०1/4-84/32—अतः मुझे आर० पी० राजेश शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुठ. में अधिक हैं तथा जो मजलिस पार्क ग्राम बरौलां, दिल्ला में स्थित है तथा जो मजलिस पार्क ग्राम बरौलां, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाश्रद्ध अनसची

श्रौर जिसको सं० सी-41 है तथा जो मजलिस पार्क ग्राम बरौला, दिल्ला में स्थित है (श्रौर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ला में र्राजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख अप्रेल, 1984

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के क्रयमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपयमान प्रोक्षणल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया जवा है है—

- (क) बन्तरम से हुए किसी बाब की बावद, अबद विधिनवस के वधीय कार्य दोने के बन्दारक के बादित में कसी करने मा उससे बचने में सुविधा के निए; वरि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1932 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो जय खुब सिंह, सुपुत्र श्री जौहरो लाल, निवास:-3008, दिवन्ड स्ट्रॉट, दिरया गंगज, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मदन मोहत शर्मा सुपुत्र श्री बृज किशोर शर्मा, निवासो-सो-578, गली नं० 9, शिवाजी स्क्वायर मजलिस पार्क, दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेय:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कित क्ष्यिस में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड तिकित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिधेंस के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

#### वन्स्थी

प्लाट नं० सी-41, तादादी 55-1/2 वर्गगज, खसरा नं० 14/2, गली नं० 6, मजलिस पार्क, ग्राम-बरौली,  $\sqrt{2}$  दिल्ली ।

आर० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक ::17-12-1984

# त्रस्य नार्द्यं, द्वी , एव . एक ,------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### मारुत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 4-84/33—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 9/83 है तथा जो पंजाबो बाग, ग्राम बसई दारापुर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्राकरी अधिकारों के कार्यालय दिल्लो में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख अप्रैल, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्टे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्व, निम्नितिक उद्वेश्य से उकत बन्तरण लिखित में बास्त विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुर किसी नान की नानत उपह स्थि-शिव्य के द्वीन कर दोने के अप्यक्तक के दावित्व के कती करने ना उद्देश स्थान के स्थित के लिये; जॉर या/
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय, की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरितौ इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अधित् ः—≺

(1) श्रो राम चन्द सुपुत श्रो सेवा राम श्रीर श्रीमती लोलावन्तो पत्ना श्री राम चन्द दोनों निवासी मोहला गांधी नगर, भवानी (इरियाणा) ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र चन्द अबरोल,
सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द अबरोल,
श्रीमती कमलेश अवरोल,
सुपुत्र श्री जगदीश राम त्रेहन ग्रौर
परनो श्री नरेन्द्र चन्द अबरोल,
निवासी—डब्ल्यु-ए/75, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिसी)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के बर्चन के निष् कामवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताकारों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो जक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित इ<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

### **अन्स्**ची

प्लाट नं० 9, रोड नं० 83, तादादी 536.11 वर्गगज पंजाबो थाग, अवादी ग्राम बसई दारापुर, दिल्ला राज्य, दिल्ली।

> आर० पा० राज*ण* सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्*क्षण*) अर्जन रेज-2, नई दिल्ला

दिनांक : 17-12-1984

# श्रुक्त नहाँ हो । एत् । एत् .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

### नारत सर्कार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लों, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०1/ 4-84/44—अत: मुझे आर० पी० राजेश

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 5148-सी है तथा जो मदर बाजार, गांधी मार्केट, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उस्यमान प्रतिफल से, एसे उस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उच्चेष्य से उच्क अंतरक सित्य में वास्तिक स्थ से अधिक नृहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वावत, अक्त निवित्यम् के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के निए; बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया चाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिलित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती जिमला बेगम,
विधवा पत्नी श्री मोहम्मद अमिल,
श्री मोहम्मद नसीम,
सुपुत्र श्रो गेख मोहम्मद अमिल,
निवासी-2684 गली मस्जिद काली खान,
कुचा चेलन, दरिया गंज, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बृज बाला,
पत्नि श्री गिरधारी लाल,
श्री विनय कुमार सुपुत्र श्री गिरधारो लाल,
निवासी—डी/20, बाली नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्द सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ हरेगर जो उस अध्याय में दिया न्या है।

### अनुसूची

एक सोप नं 5148-सी. श्रीर स्टेयर केंस नं० 5235 ग्राउन्ड फ्लोर ग्रीर पहली मंजिल तथा दूसरी मंजिल, वार्ड नं० 13, सदर बाजार, गांधी मार्केट, दिल्ली, तादादी

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रि अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

मोद्दर :

# प्रकृष वाह्र . दी , यन , यन , नन-नन-नन

# नागकार निभागम्, 1961 (1961 का 42) की भारा 269-म् (1) के स्थीन त्यूगा

#### THE STATE

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 17 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० आंई० ए० सो०/एक्यु०/2/एस० आर०1/ 4-84/45--अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 800-ए, 800/12 है तथा जो मेन बाजार, सब्जो मंडो, इलाका नं० 12, दिल्लो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाध्व अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कर्प्यालय दिल्लो में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को श्रूबंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वममान पितफरा के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभात् ह (1) भीरीलाल झुनझुनवाला चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्री विसारी लाल झुनझुनवाला, सुपुत्र श्री बगेगर दयाल, निवासो—801, मेन बाजार, सब्जी मंडी, दिल्ली, (ट्रस्टी श्रौर सचिव) द्वारा श्री मैनी राम गर्मा, सुपुत्र श्री गादी लाल गर्मा, निवासी—801, मेन बाजार, सब्जी मंडी, दिल्ली, (जनरल अटानी)।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना चौपड़ा,
पत्नी श्री अशोक कुमार चौपड़ा,
निवासी सी-104, अशोक विहार,
भाग-1, दिल्ली श्रीर,
श्रोमती बनिता चौपड़ा,
पत्नी श्री केवल कृष्ण चौपड़ा,
निवासी-912, केदार बिल्डिंग,
सक्जी मंडो, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ाः—-

- (क) इस स्वा के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उच्का अध्याय 20 का में परिभाषित हैं हैं, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याय में विसा गया है।

### वनुत्त्वी

प्रो॰ नं॰ 800ए, 800/12, मेन बाजार, सब्जी मंडी दिल्ली, दावादी 2279 वर्गफुट, एरिया 14 शेड, 3 स्टोर, (पुका) और इलाका नं॰ 12, दिल्लो ।

आर० पी० राजेंग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोक : 17-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

#### भाइत सरकार

# क्रमान्य, सहायक नायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 1/4-84 46:—अस: मुझे, आर० पी० राजेश,

नामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 685 से 687 है तथा जो वार्ड-10, चान्दनी महल, कामरा बंगस, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली; भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दर्यमान प्रतिफल के सिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य इसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिषित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन्दें फिली जान की बाबत, उक्क ऑधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिया के लिए; बीट्/या
- (क) एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के बिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) श्रीमती अलताफ जहां पत्नी स्व० हाजी मोहम्मद रफी, एलीयस—चामो, निवासी—1484, गली पहाड़ी राजन, बाजार चितली कावर, दिल्ली!

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद अली सुपुत्र मोहम्मद याकूब श्रौर
श्रीमती जामिला बेगम पत्नी मोहम्मद अली,
निवासी—2464,
गली कुआं वाली,
चितली काबर,
दिल्ली—6.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त स्थित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

# अनुसूची

मकान नं० 685 से 687, वार्ड नं० 10, तादादी 238 वर्गगज, चान्दी महल, कामरा बंगस, दिल्ली-6, डबल स्टोरी, मकान।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई किल्सी।

तारीख: 17--12--1984

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस्.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०}2/एस०-आर०-1/ 4-84/51:--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार किया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्याम करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6222 है तथा जो वार्ड नं० 13, गली महादेव, बाराहिन्दु राव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-निवस के अभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए, अकि/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के एसए;

जतः अव, उत्तर अधिनियम कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण वा, मा, उत्तर अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध⊸≂ (1) श्री सिरी चन्द सुपुत्र लाला राम भगत, निवासी—6222, गली महादेव वाली, बारा हिन्दु राव, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्दर कौर, पत्नी एस० सुरिन्दर सिंह कालरा, निवासी—6212, गली महादेव, बारा हिन्दु राब, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाह्रिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (व) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिएणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदीं का वो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वृता है।

#### अन सची

1/2 भाग अविभाजित हिस्से मकान नं० 6222, वार्ड नं० 13, गली महादेश, बारा हिन्सु राव, दिल्ली, एरीया— 70 वर्गगण।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी • सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली ।

तारीख: 17-12-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारते सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

न्हें दिल्ली दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस–आर–1/4– 84/52:—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5/7 है तथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाय अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (व) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों किही किसी भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

(1) मैं० पी० जे० पी० बिल्डर्स,
 3058-63, देश बग्धु गुप्ता रोड,
 पहाड़गंज,
 नई दिल्ली,
 द्वारा भागीदार श्री जवाहर लाल ग्रोवर।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर नाथ मिनौचा, सुपुत श्री वजीर चन्द्र मिनौचा, निवासी—1924, बिरला मिल रोड, भटिन्डा, पंजाब ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यहुं ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में सभा परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसर्वा

प्रो॰ नं॰ 5/7, तादादी 950 वर्गगज, रूप नगर, विल्ली।

आर॰ पी. राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली।

अराः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण भें, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन. मिस्निकिसिस क्यिक्सिस. अव्यक्ति ड—

तारीख: 17-12-1984

प्रक्ष भारी, दी, एन, एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभुना

#### भारत सरकारु

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज II

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० **धार्६**० ए० सी० एक्यू०/2/एस-आर-1/4-84/ 53:—अत: मुझे,अ र० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 103 है तथा जो इन्दिरा मार्केट, सब्जी मंझी विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पृवाकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापृवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से क्यायत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे वचने में सृथिशा के सिए? वाँद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के को अधी: , निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----62—416GI[84 (1) श्री जोगिन्वर सिंह, (2) सुरजीत सिंह, (3) दिदार सिंह सुपुत्रगण स्व० श्री सन्तोख सिंह, निवासी—2335, बस्ती पंजाबीयन, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवीप कुमार (2) श्री प्रदीप कुमार (3) निरन्दर पाल, (4) सुनिल कुमार सुपुत्रगण श्री इंदरजीत, निवासी—एन० के०-241-ए, चरणजीत पुरा, जलन्धर सिटी, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शवा हैं।

#### MILES.

प्रो॰ नं॰ सोप नं॰ 103, इन्दिरा मार्केट, सब्जी निमण्डी, दिल्ली, तादादी 245 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 17-12-1984

# प्रक्य आहें. टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०/1 4-84/57--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 26/14 है तथा जो नजफ गड़ रोड, नई विल्ली में स्थित है. (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय विल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंदरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जब्दे रूप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिचक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिकी कान की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धूनारा प्रकृष्ट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए।

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

(1) नेशनल के भिकल इंडस्ट्रोज लि॰ , 26, नजफ गढ़ रोड नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राणाम कुमार मधन, श्री राकेण कुमार मधन, श्री संदोप कुमार मधन, मुपुत्तगण श्री श्री० पी० मदन , निकासी-1/62, पंजाबी बाग, नई दिल्लो-26।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर गूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिक्की व्यक्तिया;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए जा सकरेंगे।

स्पाक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

प्री० नं० 26/14, नजक गढ़ रोड, नई दिल्ली-15,= तादादी 240.12 घर्गगज ।

श्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षेण) ग्रर्जेन रेंज-2, हिल्ली

दिनांक: 17-12-1984

मोहर ः

# त्रकत्र कार्यः और, यस्त्र वस्त्र ५ न - ----

# भागकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की यास 269-न (1) में संस्थित स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्वत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली बई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्पु०/2/एस० ग्रार०-1/4-84/58--अतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 26/12 है तथा जो नजफ गढ़ रोड़ नई दिल्ली-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रशैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाबार मूक्य से कम के दश्यभाग अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से पूरे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने वा उक्क क्या में स्विधा के लिए कर्रिया
- (च) एसी किसी नाव या किसी धन वा नम्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रिनाने में स्विता के सिए;

जतः जब, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मणिकित व्यक्तियों, अर्थात ः--- (1) नेशनल केमिकल इंडस्ट्रीज लि॰ 26, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली-15।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनीशा श्ररोड़ा, पत्नी श्री बुशन कुमार श्ररोड़ा, मकान नं० 9867 गली नं० 6, मुललानी धन्डा पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को महस्पना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संसंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थानता में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंचे।

स्वक्टीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हाँ।

#### नग्लुची

प्रो० नं० 26/12 नजफगढ़ सोड, नई दिल्ली-15, तावावी 99.75 वर्गनण ।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984 मोडर 8

# अक्ष बाई.टी.एन.एस.,------

# भायकर भाभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एन्यू०/2/एस० म्रार-1/ 4-84/60---मतः मुझे, म्रार० पी० राजेश

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समीता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 0 296/1 और 296/2 है तथा जो बाग कारे खान, किंगन गंज, दिन्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबढ़ भनुसूची में और पूर्ण रूप से वांगत है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख धर्मेल, 1984

- को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/वा
  - (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विभा के लिए।

भतः नव, उक्त निधनियन की भारा 269-ग के जन्सरण कें, में, उक्त निधनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के नभीग, निम्नलिखित व्यक्तिगों, जर्भति :--- (1) श्री बाजान सिंह सुपुत्र श्री किशम लाल, निवासी 296/1 बाग कारे खान, किशन गंज, नई दिल्ली, जी० ए० श्रीमती मूर्ति देवी, पत्नी स्व० श्री बुध राम तथा भ्रन्य, निवासी--5093, रई मंडी, दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री राज रूप सुपुात श्री दया चन्य, निवासी-ग्राम भालसुआ, जहांगीरपुर, दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवों का, वो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अग्युकी

प्रो॰ नं॰ 296/1 श्रौर 296/2, श्राधा भाग प्लाट नं० 4, 5 श्रौर 6 तादादी 250 वर्गगज, बाग कारे खान, किथन गंज, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (मिरीक्षण) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 17-12-1984

# प्रकल आहोत् टीत् एत्त् एस्.---------

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन स्मना

#### भारत संदुकार

# कार्यालयः, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशम)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रोई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० श्रार०-1/4-84/62---ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं० 1654 से 1656 है तथा जो हिमत गढ़ दिल्ली, वार्ड नं० 8 में स्थित है (प्रीर इसमे उपावत प्रमुत्ती में है और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रप्रैंल 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकित में बालाईक कप से कियत नहीं किया गया है ।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बामित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय था किया वर्ग या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, स्थात ह—

- (1) श्री सोह्न लाल सुपुत्र श्री मेला राम, निवासी-नं० 4 मोहल्ला राजपूतान पानीपत, जिला करनाल,
  - (2) मोहनलाल, सत्य पाल, सुपुत्रगण श्री मेला राम, निवासी ई-193, नारायण, विहार, नई दिल्ली-28 श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री दीवान चन्द
  - (5) श्री प्रनिल कुमार सुपुत्र श्री दीवान चन्द
  - (6) श्रोमती रेने सुपुत्री श्री दीवान चन्द . पत्नी श्री सुधाव, निवासी जे-103, कालकाजी, नई दिल्ली (श्रन्तरक
- (2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री हिर देव; प्रबोण कुमार, महेन्द्र कुमार (माइनर); सुपुन्न श्री हरी देव, निवासी--1654 से 1656 मोहरूला नमदे वालन हिम्मत गढ़, दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन् के सिष् कार्यमाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मनु**सूची

श्राधा हिस्सा मकान बिला बंटा हुश्रामिन जुमले सिलमा मकान तीन मंजिला, जिसकी ग्राउन्ड फ्लोर में 4 दुकानात बनी हुई हैं बमय सहत श्रराजी लगभग 186.5 वर्गगज था जिस कदर भी भूमि कम व श्रधिक सीमाश्रों के बीच मौजूद है। श्रो० नं० 1654 से 1655, 1656, वाक्या मोहल्ला नमदे-वालान, हिम्मत गढ़ इलाका नं० 8, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, नई दिल्ली

विनांक : 17-12-1984

## प्रकृत बाह्र . टी . एन . एव . -----

बाब्कर निधितयन, 1961 (1961 का 43) का चाडा 269-च (1) के सधीन सूचना

#### हारव बुडबाड

# कार्याखय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/ 4-84/63-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, बौर/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती वृशासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अनं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रयण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों क्यांत् क्र—

- (1) श्री सोहनलाल सुपुत्र श्री मेरा राम,
  निवासी-नं० 4, मोहल्ला राजपूतान, पानीपत,
  मोहन लाल, सत्य पाल,
  सुपुत्र गण श्री मेला राम,
  निवासी-ई-192, नरायण विहार, नई दिन्ली
  श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री दीवान चन्द,
  अनिल कुमार सुपुत्र श्री दीवान चन्द,
  श्रीमती रेणु, सुपुत्री श्री टीवान चन्द,
  पत्नी श्री सुभाष,
  निवासी-जे-103, कालकाजी, नई दिल्ली।
  (अन्तरक)
- (2) श्री हरी देव सुपुत्र श्री फकीर चन्द, नरेश कुमार, सुपुत्र श्री हरी चन्द निवासी 1654 से 1656 मोहल्ला नमदे वालान, हिम्मतगढ़ दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

### उनत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी वा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजभा की तामी का से 30 दिन की अवधि, वा भी ववदि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभेक्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींचे ।

स्पर्कांकरण है—इसमें प्रयुक्त सन्यों मौर पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं नमें होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूचा

आधा हिस्सा बिना बटा हुआ मिन जूमले सालिम मकान तीन मंजिला जिसकी ग्राउन्ड फ्लोर में 4 दुकानात बनी हुई हैं । नादादी लगभग 186.5 वर्गगज प्रो० नं० 1654 में 1656, मोहल्ला नमदे वालान, हिम्मतगढ़, इलाका नं० 8 दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज.--2, नई विल्ली

दिनांक : 17-12-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

बायकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

### भाउद प्रकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेण सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 4-84/65--अतः मुन्ने, आर० पो० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विज्ञका द्वीका कचार भूका 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 824 है तथा जो शिश महल, बहादुर गृह, तेलिबारा, दिल्लो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबट अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करेरे का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्प्रति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीनयज्ञ के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (वें) एंसी किसी लाग या भन या जन्म क्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गवा या किया जाना चाहिए था, जियाने जें सविधा के स्थिए;

जतः जबः, जनत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरका में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन क्रि- (1) भी सुन्दर स्थाम छात्ररा, सुपुद्ध लाला भगवान दास, निवासो, ई-319, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) मोहम्मद इकबाल सुपुत्र मोहम्भद युनुस, निवासो-824, मोहस्ला मिश महल, तेलिवारा, बहादर गढ़, दिल्ला ।

(अन्तरितो)

को बहु बूचमा चारी करके पृथांक्य बम्मरिय के अर्थन हो सिर् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षान के संबंध में कोई भी वाक्षेप हरूर

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमों प्रयुक्त सब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20 क में परिभाषिक है, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया देवा हैं।

### अनुसूची

प्रो० म्युनिसिपल नं० 824, तादादी  $40' \times 16' - 9''$  स्थित मोहस्ला शिश महल, तेलिवारा, बहादुर गढ़, विस्ली ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज∸2, नई दिल्ली

दिक्तांक : 17<del>-</del>12--1984

माहर ध

प्ररूप बार्ड .टी .एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2 एस० आर०-1/ 4-84/67-अतः मुझे, आर० पो० राजेश

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

पौर जिसकी सं० आर-23, है तथा जो इन्द्रा मार्केट, सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्योय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधाुके लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीष, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शान्ता देवी, पत्नी स्व० श्री आज्ञा राम, निवासी-आर-23, पहली मंजिल, इन्द्रा मार्केट, सब्जो मंडो, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणि कान्त पटेल, सुरेश भाई पटेल,
सुपुद्रगण श्री छगन लाल पटेल,
महेन्द्र कुमार पटेल, सुपुत्र श्री रतीलाल पटेल,
सभी निवासी—आर—23 इन्द्रा मार्केट,
सब्जी मंडी, मैन बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचमा जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विक्त व्वारा अभोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमय गया ही।

### अनुसूष

पलेट न० आर-23, पहलो मंजिल, इन्द्रा मार्कीट, सक्जी मंडी, दिल्ली, तादादी 971 वर्गफुट, (भाग 2/3 ग्राउन्ड फ्लोर ग्रीर 1/3 पहली मंजिल)

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

दिनांक : 17-12-1984

मोहर ः

# त्रक्य बाही, टी. एत्, एस., ----

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन वृचना

### बाह्य बरकाह

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2 एस० आर-1/ 4-84/68---अतः मुझे, आर० पो० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3199, 3200 है तथा जो वार्ड नं० 13, हाथी खाना, बहादुरगढ़, रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिस्त से सिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है 3—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करी बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्तरक की बादित्व में अभी करने या उससे बमने में सुविधा से सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्स अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्रा के निष्

(1) श्री परवेण चन्द जैंन सुपुत्त श्री अशेशर नाथ, निवासी-मकान नं० 3703, नई बस्ती, पहाड़ी धोरज, दिस्ली-6।

(अन्तरक)

(2) सैनी धरमणाला सोसायटी

3815-22, मेन बाजार पहाड़ी धीरज, दिल्ली-6

द्वारा चौ० छजु सिंह और चौ० लखो राम (भागोदार)
श्री राम प्रसाद सैनी (चैयरमैन)
श्री दया नन्द भारती और
श्री नरायण सिंह सैनी (उप चैयरमैन)
श्रीर श्री ज्योती प्रसाद सैनी (सचिव)

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी स्थित स्थारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यूष किसी जन्म स्थित द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के शास शिक्त में किए वा सकेंचे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बारी अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

# जन्सू औ

फो होल्ड प्रो० नं० 3199, 3200, वार्ड नं० 13, गली जमाबार, हाथो खना, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली, तांदादी 370 वर्गगज, बना हुआ आकार 3 स्टोर का बिल्डिंग ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अंर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

बिनांक : 17-12-1984

# प्रकप बाह्यं टी । प्रमान प्रमान ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### शारत बुद्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/4-84/73—अत: मुझे, आर० पो० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,0000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० बो-2 है तथा जो मंकर आचार्या रोड आदर्ण नगर दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में रेजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने मा सत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधिन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) एस० मन्तोख सिंह सैना, सुपुत्र एस० विशन सिंह, निवासो-20-सी, बंगला रोड, आदर्श नगर, दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) बृज मोहन मित्तल, सुपुत्त श्रो बिशम्बर दयाल, निवासा-ई-38, महाराजा रणजात सिंह रोड, आदर्ण नगर, दिल्लो ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाकोप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाँती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यावतारों में के जिल्हों व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्पाना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकर्ष : -- क्समें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

प्लाट नं० 2, ब्लाह व¦ णंकर आचार्या रोड, आर्वेड्र नगर, दिल्लो, नादादी •200 वर्गगज ।

> आर० प/० राजेण सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली ।

दिनांक : 17-12-1984

### प्रकृषाद्री स्त्री . स्त्रु . एस . ......

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन स्वना

### भारत देखाँड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 17 दिसम्बर 1984 - निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर-1/4-84/74—अतः मुझे, आर० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रः से अधिक है

स्रौर जिसको सं० सो—239 है तथा जो मजलिस पार्क, दिल्ला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय दिल्लो में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रेल, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकाल से, एसे ध्रयमान प्रतिकाल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ..—

- '(क)' अन्तर्भ से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विश्वित्व के वृथीन कर को के ब्रुतर्भ क बाजित्व में कभी करने या उसके वचने में कृतिका से लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, विन्हें आयुतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्पत्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिना के विद्युः

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्रीमती दमा देवी , पत्नी श्री गोविन्द राम गुलाटी , निवासी-सी-239, मजलिस पार्क, दिल्ली-33 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दम्यत्ती शर्मा, पत्नी श्री अह्य दत्त शर्मा, निवसी-4/65, रूप नगर, दिस्ली-7

(अन्तरिती)

स्त्रे वह तूमना भारी करके पूर्वोक्त सम्महित के वर्षम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### वक्त सम्मरित के वर्षन में सम्मन्ध में सोहं भी बासोप 🕬

- (क) इस स्वान के रावप्त में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

त्वव्यक्तिरुणः --इसमें प्रयुक्त सन्यों शाँर वर्षों का, यो उक्त विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं क्षे होगा को उस वध्याय में दिया गया है।

#### नप्रभा

प्रो॰ नं॰ मकान्र्यनं॰ सी-239, एरिया 111 वर्गगज, अबादी मजलिस पार्क, दिल्ली-33।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली ।

**पिनाँ**क : 17--12--1984

### प्रकृप नाइ. टॉ. एन्: एसः, ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्चना

#### भारत संह्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 4-84/80-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/107 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिखत उद्वेषयों से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरम् से शृह्यं किसी जाव की वाज्यक्तः उत्तरः जिम्हित्यम् के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के न्तिए; बौद्ध/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्यः वास्तियाँ का शिनहें भारतीय बाय-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नृही किया गया या या किया बाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तित्यों हैं अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तित्यों हैं (1) श्रीमती जसवन्त कौर,
पत्नी एस० हरपाल सिंह,
निवासी-3/107, रमेश नगर, नई दिल्ली
द्वारा जी० ए० श्री चेतन दास,
सुपुत्र श्री टिकन राम,

(अन्तरक)

(2) श्री एस० हरभजन सिंह, सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह, निवासी--3,107, रमेश नगर, नई: विल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के एजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, वो उक्त विश्विक के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस नुष्याय में दिया नया हैं।

### अगुसूजी

प्रो० न'० म्बाटर नं० 3/107, सिंगल स्टोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली; तादादी 100 बर्गगण ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांश : 17-12-1984

# प्रकप बाद है दी प्राह्म व्यक्ति व्यक्ति

# भायकार शींभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० आर०-1/ 4-84/82--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ई-39 है तथा जो गुरू नानक रोड आदर्श नगर, दिल्ली-33, में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से पॉणत है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वेक्स संपर्तित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल सो, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निस्निसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण किवित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी माम की बाबत, उक्त जीविशयस के अधीन कुट दोने के जन्तरक के दावित्य में कभी करने या उत्तरे अपने में सुविधा के बिए; जीव/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर जिल्हें किया भारत कर जिल्हें किया गया कर जिल्हें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, भी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन के निक्रिनिकाल व्यक्तियों, अधीत व्यक्ति व्यक्तियों,

(1) श्री साधु राम शर्मा, सुपुत्र श्री सोम दत्तः शर्मा, नियासी-एफ-13, किर्ती नगर, दिल्ली-15 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश रानी, पत्नी श्री रघुबीर सिंह गर्ग, निवासी-2955, श्रीनगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविभि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी र से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **प्रमु**सूची

ण्लाट नं० 39, ब्लाक 'ई' गुरु नानक रोड आदर्श नगर, धिल्ली-33, तादादी 120 धर्गगज, ग्राम-भरौला, खसरा नं० 262/258/217/4

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) जैन रेंजं-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-12-1984

## प्रक्प बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुजना

#### भारत सरकाड

# कार्यांत्रम, सहातक जायक हु नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो० एन्यू/2/एस० आर०-1/ 4-84/87--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14/75 है तथा जो पंजाबी बाग, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है ) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम् 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख अप्रैल, 1984

को पूर्थोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) निरुष से हुई किसी नाथ की बाबत, उक्त विभिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए; बौर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया स्वीवधा के लिए;

नतः अन, उनत सिमीनयम की भारा 269-ग के ननुसरण हैं, मैं, उनत सिभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) है नभीत, निम्नसिचित व्यक्तियों, नुर्मात्वे ——

- (1) श्री स्वर्ण पाल सिंह निवासी-16 तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) (1) श्री राजेश्वर नाथ,
  - (2) श्री विनय वधवा, निवासी-99 एम० आई० जी० प्लेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकळ अपिकत्यों में से किसी क्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा- अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### वस संस्थित

प्लॉट नं॰ 14, रोड नं॰ 75, पंजाकी बाग, नई दिल्ली, ताबादी 544.45 वर्गगण ।

> आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 17-12-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर, 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०—1/ -4—84/99---अस: मुझे, आर० पी० राजेग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4084 है तथा जो वार्ड नं० 11, उर्दु बाजार, जामा मस्जिद, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख अप्रेल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिंबत उद्वर्ष से उचत अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की नावत सनत निध-नियम के नभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिये; भरर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

बतः कथ, उबस विभिनियम, की भारा 269-ग कं बनुसरुण में, मैं., उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन...निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितः :--- (1) श्रीमती फातिमा बाई,
सुपुत श्री इल्लाउद्दीन, पत्नी मोहम्मव शिक,
निवासी——1117, गली जामन वाली,
हवेली हसामुद्दान, हैदर,
बालीमारन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल कुमार सुपूत श्री दुर्गा दास, निवासी + 6ए/29, डब्ल्यू ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सै 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ड<sup>2</sup>।

### अनुसूचा

डबल स्टोरी हाल तादादी 56 क्याँगज, श्रो० नं० 4084, बार्ड नं० 11, गली नेल वाली, उर्द् बाजार, जामा मस्जिष, दिस्सी ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ल-110002

विनांक : 17-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्थना

- कार्यालय, सहायक जायकार काय्क्स (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 विसम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एश्यू०/2/एस० आर०-1/ 5-84/259--अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से बिधिक हैं

शौर जिसकी सं० 8, डो० एल० एफ० है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, विस्ती में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख मई, 1984 को पूर्व के संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वामान प्रतिफल से एसे द्वामान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की शावत सक्त अधि-विवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या सससे वचने में सुविधा के जिये; विद्र/का
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तिकों को, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना काहिए था, तिन्याने में मुनिधा से किए;

जतः जब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जीधीनवम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, किम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्रीमतो सुरिन्दर सेठी, पत्नी श्रो पूरन सिंह सेठी, निवासो-13, निजामुदोन इस्ट, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मैं० हाल मार्क टेक्सटाईल सि०, द्वारा डायरेक्टर श्रीमतो अनिता थापर, निवामो—बी—127, नरायण बिहार, नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तादी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### नन्त्र्ची

्लाट नं० ८, डी० एत० एफ० ६७स्ट्रायल ए।रया, नजफगढ़ रोड, ग्राम धसईदारापुर, विल्ली राज्य दिल्ली, तादादी ८६५ वर्गगज ।

> आर० पी० रार्जेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-12-1984

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्याला, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज⊷2, नई दिल्ली

नह बिल्ली, बिनांक 17 दिशम्बर, 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी० /एकपू०/2/एम० आर-1/ 10-84/698--अतः मुझे, आए० पे?० राजेश,

कायक र अधिवियम, 10/1 (1061 का 43) (किसे हममें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्िकारी को, यह जिल्लाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25/000/- रहा से अधिक है

स्रीर जिपकी सं० सी/2/33 है तथा भी माइन टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर हपसे उपाबद्ध अनुसूत में श्रीर पूर्ण रूप से विगित है) रिजस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रें करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारेख अप्रैल, 1984

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के निए अन्तरित की गर्ड हैं अरेर मफे यह विक्यास करने का फारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य जसक, दश्यमान प्रितिफल से, एसे इश्यमान प्रितिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पायां गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण में हाई किमी आय की बाबत जन्म अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस अचन में मृतिया के लिए, और/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

आतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भौ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के क्षीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 64--416 GI/84 (1) श्रो मोम प्रकाश ठुकराल, ग्रीर श्रो वेद प्रकाश ठुकराल, निवासः—सं:--2/33, माडल टाउन, दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रोत महाबीर प्रसाद तांतिया, श्रोमतो सरला देवा तांतिया, निवासी-422 लाजपत राय मार्कीट, चान्दनी चौक, दिल्ला-6

(अन्तरिती)

को यह संचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अपित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के गुजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य ट्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमो प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मों परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनुसूची

प्रो॰ नं॰ मो-2/33 माडल टाउन दिल्ली तादादी 468.27 वर्गगज ।

आरं० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ला-110002

दिनांक : 17-12-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 41961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'जकत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000 कि स अधिक ही

ग्रौर जिस्की सं 1264 है तथा जो फैज गंज बहादुर-गढ़ रोड़ नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन तंरीख ग्रोसेल 1984

का प्वांक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि युशापवोंक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल कर पन्तृह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हैं से किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जय भल्यान जैन सूपुत्र श्री बदरी प्रसाद वजीरपुर दिली।

यन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी जैन पत्नी श्री पवन कुमार जैन नितसी सीं० पी० 144 मौर्य इन्कलेव पीतमपुरा दिल्ली।

(अन्जिरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आक्षेप** :——

- (क) इस सचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चान को तामाल स 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वाक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधाहस्ताक्षरा के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनित्तम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

्प्री॰ नं॰ 1264, वार्ड नं॰ 13, तादादी 41.60 वर्गगज, वर्गसो, ग्राउन्ड फ्लोर, बालआन। डबल स्टोरी, फैज गंज बहु-दुर गढ़ रोड, दिल्ली।

> ग्रार० पी० सन्नत प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

बत बब उक्त मीपित्यम, की भारा 260-व के बनसरण की, का, उक्त किथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे अभीम, निस्तिविद्य स्मास्त्रियों, वर्षात् →

्र दिनोक : 17--12--1984

मोहर:

प्ररूप बार्: ही. एन. एव.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारतं तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भागे रेंज-2 नई दिल्लो नई दिल्लो, दिनांक 17 दिसम्बर 1984 निरेग सं० प्राई० ए० सी <sup>1</sup> स्मृ/2/एस० **भार-1/** 4-84/102--प्राः मुद्दे स्नार० पी० राजेग

शायकर ओधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिगायम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्न है मं० 6604'2 है तम जो नीन वाना चौक नग करान दिली में स्थित है (श्रीय इतने उनाबद्ध प्रतुमूची में श्रीर पूर्व इत से श्रीया है) रजिल्ही जो श्रीधारारी के कार्यानय दिला में रिज ट्री रिंग श्रीधानयम 1908 (1908 का 16) के श्रीक्षी गोल 1984

का प्रविक्त सम्यास के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान शितफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसक द्वयमान प्रतिफल सं, एस द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह बोत्यत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एम अन्तरण क लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उपते अन्तरण निम्नलिन उद्देश्य से उपते अन्तरण निम्नलिन व

- (क) अन्सरण संहुई किसी बाय की बायस, अक्त आधिनयम के अधीन कर दन के बन्तरक के दायित्व हो कमी करन या उसस अधने में सुविधा कै। अध् वार/मा
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों
  . का जिन्हें भारताय आय-कर आधानण्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) चनत शाह सूपुत्र श्री गुरदिक्त मल, श्री की कौजल्या रानी विनी श्री काना शाह स्रोत प्रकाश सुपुत्र श्री चानत शाह निवासी → 6604/2 नी नवाला चौक नवा करोम दिल्ला ।

(धन्तरक)

(2) श्री दिनेश सिंह जैन, सुपुत्र श्रा निरजन दास जैन निनासी नई-130 श्रणाक विहार नई विज्ला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सर्वेच से 45 दिन की अविध या तत्सकथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अवीध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्मव्दीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बाधनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषत हु, वहां अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### धन संची

एक बुकान बना हुन्ना कमरा प्रो० नं० 6604/2 मादादो 62 वर्गगत नाम बाला चौक नजी कराम दिल्ली।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहत्यक भ्रायकर आयुक्त (निराक्षण) भ्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

कत: अंध. उक्त अधिनियम करे भारा 269-ग के बनुसरण मे, में उक्त अधिनियम का धारा 269-थ की उपभारा र्र्डि के अधीन, निम्निसिस्त स्थानस्यों, अधीत् क्षे---

विनांक : 17-12-1984

मोहर :

# प्रकम नार्ष<u>ः, टी.</u> एत*ु* एत<sub>ा</sub>-----

नायकारु मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर अप्युक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,

नइ दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

मिर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक०यू/2/ 37 इई०/ 7-84/412--भातः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 है तथा जो सहगल कालोती कोर्ट रोड, सिविल लाईन, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्लों में रजिल्द्रोंकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ताराख श्रप्रैल 1984

को प्वोंक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल, से एसं रूपमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्युष्ट से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दाने के असरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा कालए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ सिए।

सत: सब, उक्त स्थिनियम की भाग १६०-त के समसरण में, मैं, उक्त स्थिनियम की भाग १६०-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्नेलिखिट व्यक्तियों, संशांत्:--- (1) श्रीनती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री श्रार० एल० शर्मा निवासी 6-इन्डस्ट्रियल रोड, सिविल लाईन विल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री राजेश भागंवा

मुपुत्र श्री जीतेन्द्र नाथ भागंवा स्रीर
श्रामती स्रमिता भागंवा,
पत्ना श्री राजेश भागंवा
निवासी-1/3 रूप नगर दिल्लो।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. के स्थावर सम्पत्ति में हित. के सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## मन्स्धी

प्रो० नं० 2 सहगल कालोनी कोर्ट रोड, सिविल लाईन, दिल्ली, तादादी 448 वर्गमीटर प्लाट ग्राउन्ड फ्लोर 4-बेडरूम सैट ग्रीर एक गैरेज पहली मंजिल बरमाती यूनिट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक : 17-12-1984

मोहर 🗈

त्रक्य नाह<sup>र</sup>. दी. एप. एत<u>.</u> ------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ष्प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 176/श्रप्रैल/84-श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क सं अधिक हैं

स्रोर जित्तकी सं० 7 भल्लर स्ट्रीट, मद्रास-1 है तथा जो मद्रास में स्थित हैं (स्रोर इसने उनाबढ़ श्रृतमूची में श्रोर पूर्ण रूप से वणित है) रिजिट्टीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास, (दस्तावेज सं० 1079/84) में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ताराख श्रील 1984

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हूँ और मुझे यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का सन्द्र प्रतिकत में बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बतरितियों) के सीच एसे बन्तरक के मिए तस पासा गया प्रति-कृत निस्तिविक तसर्वेश्य से उच्च बंतरच सिचित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- [का कलरण से हुई जिलीं जास की बावत कमत सि-नियम के अधीन कार दोने के शंतरक के बायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए कीड़/सा
- (क) वेशी किसी बाध वा किसी अभ वा वच्य बाम्सिवीं का, जिन्हों बारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनंत विभिनियम, या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयासनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गर्था था वा किया वाशा पाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विक्रः;

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जी जी कर्नानी श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)
  - (अण्यरक*)* हा
- (2) श्रीमती पी० सूरेश कुमार और अभ्य। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की जबांध था तत्सवधी स्थानतया पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावसयों में से किसी स्थावत द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दिशास्त्रिक ही, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय को दिवा गया है।

**म**न्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 7, भल्लर स्ट्रीट, मद्रास-1, (दस्तावेज सं० 1079/84) ।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 10 -- 12-1984

मोहर :

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुषीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निरीक्षण)

भार्जन रेज, भारृतसर

भ्रानुतकर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1984

निर्दोग सं० ग्रा बृत उप/84-85/124--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, भ्राई० म्रा.१० एस०

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. सं अधिक ही

श्रीर जिसक संवर्गक जयदाद है तथा जो तंगाई, श्रभृतसर में स्थित है (श्री इससे उपावड श्रास्त्रों में श्री पूर्ण रूप से विभित्त है),राजिन्द्राकर्ता श्रीवकार के कार्यालय, श्रीविसम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवान, ताराख मई 1984

- को प्रांक्त मंपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्ष्मप्रविक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य उसके द्वणमान प्रतिकार में एमि क्ल्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितया) के बाह एस अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नोलिक उपविद्य में उक्ष्म अन्तरण निश्वित में बास्तिक हमा से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त जो श्रीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी यक्तने में सुविधाः के लिए, बार/मा
  - (श्व) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रदोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः क्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**य की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रामतो राजिल कौर, विश्ववा श्रा रणजात तिह और दू परे श्राप्ततर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमतो निर्मल सिक्का, पत्ना श्रा रोगन ल ल सिक्का, 89, गोरङत एवन्यू, अनृत उर

अन्तरिती

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई हिरायेदार हो तो।

> (बह व्यक्ति जितके प्रशिभोग में सम्यक्ति है)

(4) घौर कोई।

(बह व्यक्ति जिनके बारे में भ्राप्तिक करा जानना है कि वह समीति में हितबद्ध है)

का बह स्थान कारी करके पृथांकत सम्पारत का अवन का लिए कायवाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना को तामील स 30 विन को अविधि, जा भी बादिश बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां कराया में से किसी स्पनित सूचारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर मध्यत्ति में हितबबुष किसी बन्य स्थावत द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किस् जा सक्तग ।

स्वण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, को उक्त ब्राधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थहोंगा जो उस् अध्याय में दिया क्या ही।

## वन्स्यी

एक जयशद जो तुंगाई, प्रभूतपर में है जैसा सेत डोड नं० 978/2-5-84 राजिल्लाका प्रभिक्ति है। प्रभूततर में दर्ज है।

(बी० एस० ढिल्लीं) स्राई स्राए० एस० सजम प्राधि हारो सहायक स्राय हर स्रापुत्रत (निराक्षण) स्रजीन रेंज, स्रापुत्रतर

दिनांक : 13-12-1984

मांहर 🖫

ारूप आई. टी. एन: एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहोयक बायकर बायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्र<sub>ो</sub>तसर

ग्रे तितर, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निर्देग सं अमृत्तसर/84-85/125--यतः, मुझे, बी० एस० टिल्ला श्रर्द० श्रार० एस०

- आयंकर आ मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

्रभी: जिसको सं० जयदाद है तथा जो तुंगाई, ग्रामृतसर ्यों स्थित है (श्री: इसते उताबद्ध ग्रामुता में श्री: पूर्ण रूप सो बिमत है) राजाशास्त्री ग्रिश्चिमारा के कार्यालय, ग्रामृततर में राजाशास्त्रण ग्राश्चिमम, 1908 (1908 का 16) के ग्राथान ताराख ग्रामुल, 1984

को प्रांक्त सम्पंति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ् यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य प्रस्के स्थाप्ता प्रतिफल का ग्रांच क्यामान प्रतिफल का प्रें हिए प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती सिनारितया। के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किंबत नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर क्षितिगर 1057 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रोमतो राजिन्द्र लगैरः, विधवा श्रा रणजतत्तिस्तृ, और दूसरे, श्र}तेजर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती निर्मल सिक्तमा, पत्ना श्रा रोजनलाल सिक्ना, 89, गोल्डन एवन्य, ग्रास्तर ।

(अत्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार (वड् व्यानत जिनके स्रविभोग में सम्बद्धा है)

(4) कोई और ।

(वह व्यक्ति जितके बारे में अशोहत अरा जातत है कि वह सम्बद्ध में हितबद्ध है )

**को वह सु**चना जोरी करंके विवाक्त सम्पत्ति क अजने के लिए कोयव्यक्तिया करतो हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवासः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक जयदाद जो तुंगाई, अनुतार में है जैसा सेल डीड नं० 939/30-4-84 राजिल्ड्राकर्ता, अधिकारा, अनुत्तर में दर्ज है।

> (बी० एस० ढिल्ली), म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रापुक्त (निराक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रागृतसर

दिनांक: 13-12-1984

मोहर:

## प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## शारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

धर्जन रेंज, अमृतसर

भन्तज्ञर, दिनांक 11 दिजम्बर 1984

निर्देश सं० श्रमृतसर/84-85/126--यतः मुझे, एस० डिल्लों, श्राई० श्रास्० एस०,

र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'जबस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख भीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 2~ 000 - रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं जायबाद है तथा जी कटड़ा परजां, अमृतसर में स्थित है (भीए इससे उपाबद अनुसूच: में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्द्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अभृत उर में रिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अर्जन, 1984

कां पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के मधीन कर दोने के मन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यों सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के स्नारण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित स्पितियों, अर्थात् :--- (1) श्रामतो पुष्पा विशेष पुत्रा श्रो सानन बास, कटड़ा परजा, श्रानुतार ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीश खन्ना पुत्र श्री रत्न चन्द खन्ना, 113, कटडा परजॉ, ग्रनुततर ।

(ब्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है (बहु व्यक्ति जिनके आधिमोग में सम्मांत है)

(4) भीर कोई।

(वह व्यक्ति जिन्नके बारे में स्रश्रीहर्तिकारा जानता है कि वह सम्मत्ति में हित्तबढ़ है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कायवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै . 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो., के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण :--इस्में प्रयक्त जन्दों और पत्नों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया ही ।

## श्रनुपुत्री

1/5 भाग ज'यदाद का जो गत्ती बेली राम, कटड़ा परजा; मन्दर हाथा गेट, म्रावतर में है जैसा सेल डांड नं० 259/11-4-84 राजस्ट्राकर्ता मधिकारो, मनृतसर में दर्ज है।

> बी० एस० (ढिल्लों), क्राई० क्रार० एस० सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) क्रर्जन रेंज, क्रयुतसर

दिनांक 11-12-1984

मोहर:

# प्ररूप बाह्र', दी. एन्. एस् े------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्ष)

मर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अपृतपर, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्वेषा सं० ग्रमृतसर/84~85/127—यतः, मुझे, जी० एस० ढिल्लों, ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्कास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जित्रको सं० एक जयदाद है तथा जो कटड़ा परजा श्रीत है (श्रीर इससे उपाबद श्रीसूना में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रजिल्लाको श्रीधकारा, के कायलिय श्रीतार में राजिल्लाकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीतान ताराख श्रील, 1984

का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मभी यह विष्यास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसक स्वयमान प्रतिफल सं, एस स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तियक्ष कप् संकथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत्र को अधीन कर दोने को अतरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; आर्र/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभात् क्र----65---416 GI/84 (1) श्रां सताश कुमार पुत्र श्री सावत दास, कटड़ा परजा, अन्ततर ।

(भ्रत्तरक)

(2) श्री रत्न चल्च खन्ता पुत्र श्री एच० एन० खन्ना, 114, कटड़ा परजा, श्रनृततीर ।

(म्रतिरती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में जोई किरायेदार र है। (बहु व्यक्ति जिजके म्राधिमोग में सम्रांस है)

(4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति जितके बारे में अश्रोहस्तः अरा जन्तता है कि वह सम्मत्ति में हितबढ़ है)

को यह मचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सका ।

स्पथ्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्यों करि पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/5 भाग जायदाद जो गली बेली राम, कटडा परजा, अन्दर हाथी गेट प्रवृत्ततर में है जैसा सेल डाड नं० 260/11-4-84 राजस्ट्राकर्ता प्रधिकारा, प्रवृतसर में दर्ज है।

> (बी० एस० ढिल्लो), ग्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रभृततर

दिनांक: 11-12-1984

मोहर 🗵

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधिर 269-च (1) के अधीन सुचना

## मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतमर

अमृतमर, दिनांक 1 दिवस्यर 1984

निदेश सं० अमृतसरः०/९४—85/128—यतः मुझे, की० एप० हिल्तौं, अर्द्द० आर० ए२०, नायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 75 000/- रह से अधिक है:

भीर जिपको सं० एक जायदाव है तथा जो निमक मंडो, अमनपर में स्थिन है (श्रीर इनके उगाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से बींगन है) रिजस्टी क्लां अधिकार के कार्याचय, अमृतपर में रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीब अप्रल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम राष्ट्रणमान प्रितिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बल्या, उसके राष्ट्रणमान प्रतिफल से, एसे राष्ट्रणमान प्रतिफल के क्ला प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनेरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योख्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बॉर/या
- (का) एमी किसी बाय सा किसी भून या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) श्रामत ज्योती परना श्रां यणपाल, मित नीक, भात समान पुलियो श्राहरी सरन, कटड़ा कर्म तिह, अमृततर ।

(अन्तरक)

(2) ध्री गुरदर्शन कृमार मेहता, पुत्र श्रा मुरारा लाल मेहता, गल: रंजन वालो, कटड़ा खजाना, अमृतसर ।

अन्न(रतीः)

(3) जैता अभर सं० 2 में कोई किराएदार है। (बहु व्यक्ति जितके अधिभोग में तम्म सि है)

(4) और कोई।

(बहुब्यक्ति जिनके बारे में अबोहन झरा जातता है कि वह नम्यक्ति में हिबबढ़ है)

को यह मुचना जारी करके पृवाबत सम्पत्ति क अजन क लिए कार्यवाहिया करता हो।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना को नामील स 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितस्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं कर्ष हागा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जन्त्वी

एक जायदाद जो गलो जंडवालो, निमक मडो, अमृतपर में है जैता सेन डड नं० 929/30-4-84 रजिस्ट्रक्की अधिकार, अमृततर में दर्ज है।

> (बी॰ एस॰ ढिल्लो), आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

दिनांक ; 1-12-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ष (1) क अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निर्देश सं० अमृतसर०/84-85/129--यतः, मुझे, किः एस० किल्लो, आई० आर० एस०,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्क 25,000/- रुप्त स अधिक है

भौर जिल्ली सं० भूमि है तथा जो जंदाल, पठानकोट में स्थित हैं (प्रार इ.स. उठावड़ अनुपूच में और पूण रूप से विगा है), रिनिट्टो जो अलागर के कार्यालय, पठानकोट में रिजिट्टी उरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1984

क्रूप्र प्वानित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अगिनिक का लाग अन्तारत का गई हु अन्त स्मान यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकां) कर मन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकां) कर मन्द्रा रती (अन्तिरात्या) क बाच एस अन्तरण क निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में गस्तिक क्ष्य स कथित नहां किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसस अचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

बंत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की नपथारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिक्तयों, अधीत् :---

(1) श्र∷ बेंः० एन० मक्कर पुत्र श्र∴ अमर नाम वासः/ पठानकोट ।

(अम्तरक)

(2) श्रें धरमिन्द्र तिह पुत्र श्रें चानन लिष्ट्, गांव जंडवाल, तहस.ल पटानकोट, जिला गुरवातपुर।

(अन्तरितः)

(3) जैता ऊरर सं० 2 में कोई किरमें दार हो। (वह व्यक्ति जिलके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भीर कोई।

(बह व्यक्ति जि.के बारे में अधोहस्याक्षर जानता है कि बह सम्पत्त में हितबद्ध है)

को यह स्वना कारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा क्षे 45 दिन की अविधि शांतत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील सं 30 दिन को अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकार्य।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहा अर्थ हागा, जो उस मध्याय में दिवा गवा है।

## नग्त्वी

भूमि 3 कनाल जो गांव सराए, तहसील पठानकोट में है जैजा सेल इंड नं० 510/22-5-84 र्राजस्ट्र.कर्ता अधिकार: पठानकोट, में दर्ज है।

> (बीं एस० ढिल्ली) आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 30-11-1984

मोहर 🖫

श्रुच्यू, नार्ष, टी. एन्, एत्, -----

ज्ञासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>रीक्षण)</u> अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1984

निर्वेश सं० अमृतसर/84-85/130--लतः, मुझे, बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०, बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है सथा जो तिलक नगर, अभूत तर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से बॉजत है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार। के कार्यालय, अभृत तर में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तार ख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि द्रश्यपृश्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नाल। खत उद्दर्श से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में बास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एमे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत आधानसमा, वा धन-कर अधिनियम, 1057 (1057 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहए था, छिपान से सुनवधा के निए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भा: जोशिनद्र सिंह पुत्र स्व करनैल सिंह, 1/5, लोहगढ़, अमृतसर ।

(अम्तरक)

(2) श्रामतो प्रितपाल कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह, श्रामता उपदेश कौर पुत्र सुजान सिंह, 8-ए, कैनाल कालोना, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हों (वह व्यक्ति जितके अधिभोग सम्पत्ति है)

(4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोतस्ताक्षरः जानता **है कि** वह सम्प<sup>ा</sup>ता में हितबद्ध है)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कीइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बच द्वागा, का उस क्ष्याय में दिया गया है।

## भन्सची

एक भूमि का प्लाट नं० 43-44 जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल इंड नं० 398/16-4-84 रजिस्ट्र,क्ती अधिकारा अमृतसर में दर्ज है।

> (बी॰ एस॰ डिल्लों)' आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13-12-1984

मोहर 🖟

प्ररूप नाई. टी. एन. २स. ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर अप्युक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॅज, अगृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० अमृतसः /84-85/131---अतः मुझे, बी० एस० डिल्लों, आई० आक्क एस०,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

भीर जिलकः सं० भूमि का प्लाट है तथा जो रेस कोर्स रोड, अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्ता, अधिकारी, के कार्यालय अमृततर में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नोलिकित उद्दृष्य में उच्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनयम क अभीन कर दान के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हा भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

बत: शब, उनके अभिनियम की भारा 269-ग के बनमरक बै. मे, उकन अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्रा सुरिन्द्र सिंह पुत्र का कृषेन्द्र सिंह, पत: महला सिंह, मोगा, फर दकोट । (अम्सरक)
- (2) श्री विनोद कृमार पुत्र श्री किशन चन्द, 5 रेस कोर्स रोड, अनृतसर ।

(अन्तरितीः)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हों।. (वह स्यक्ति जिलके अधिमीन में सम्पति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरं जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**वद** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कायबाहिया करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **च से**45 दिन की अविध मा तत्सबधी व्यक्तिमां पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ कि मी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 5 रेस कोर्स रोड, अमृतसर में है जीता सेल ड ड नं० 650/19-4-84 रजिस्टू कर्ता अधिकार:, अमृतसर में दर्ज है।

> (बी॰ एस॰ ढिस्लों) आई० आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निर क्रण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 13-12-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 13 दिसम्बर, 1984

निर्देश सं० अमृत उर-84-85/132---यजः, मृझैंं की० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि का लाट है तथा जो तिलक मगर, भमृतसर में स्थित है) 'ग्रीर इससे उपाबद अनुसूच में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्री उर्ता अधिकारा कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अग्रैन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एस अन्तरण का लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलाखत उद्दश्य सं उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

आतः अवन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) और धर्मपाल पुत्र और मदन लाल, अन्दर लोहगढ़ गेट, अमृततर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो मनजोत तिह, जनवोर सिंह, पुत्र श्रा ज्ञान निह शहद भगत सिंह रोड अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराबेदान हों। (वह व्यक्ति जि⊣के अधिभोग में सम्पति है)
- (4) मौर कोई **।**

् (बह व्यक्ति जि के बारे में अधोर्ट्सक्षर जानता है कि वह सम्पत्त में हिन्दद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

• स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अ**नुस्ची

एक भूमि का प्लाट नं० 39, जी तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल खाड नं० 603/19~4-84 रजिल्ट्र कर्ता अधिकार, अमृतसर में दर्ज है।

(बि:० एस० ढिल्लों) आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारो स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनोक : 13-12-1984

मोहर:

# प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. -----

जासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार-

कार्यालय, सहायक जनकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्वेण सं० सी० ए०-5 37ईई4562 84-85 971---थतः, म्क्षे, ऑन्ल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/-रा से युधिक है

श्रौर जिसकी संव आफिस नंव 303, 3री मंजिल, निर्मण व्यापार केन्द्र, प्लाट नंव 10, रेषटण-17, डीव बीव सीव वाशी है तथ जो नई बम्बई में थियत है (ग्रॉंग इससे उपाबद्ध अनस्**षी में ग्रौर** पूर्ण कर मे विणित है), रिजस्ट्रीयक्ती अधिवारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अजन रेंज में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

की पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिभित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कृषी करने या उससे क्चने में सुविधा के सिए; जरि/शा
- (ख) एमी जिसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के निए;

कनः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निमालिखिश व्यक्तियों. सभितः—— (1) निर्माण ंबल्डर्स, 40-41, विगान गापि सेन्टर, सरमञ्बर्गां, (प्रोरा-हुनी नार्ग), प्रधिरी (ईस्ट), बम्बई-68।

(अन्तरक)

(2) मे० स्टप कन्ननई तृन्प लि०,
 1004-5-7, रा बः चेम्सं,
 213 नरिमान पाइंट,
 बम्बई-21 ।

(अन्तरिती)

को यह म्चना प्रारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील स 30 चिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं कि शी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में ३क्राणन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दशरा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:—हमर्घे प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं. वहीं अर्थ हामा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

आितन नं 303, 3री मंजिन, निर्माण ध्यापार केन्द्र, प्लाट्ट नं 10, सेक्टर-17, डी० बी० सी० वाशी, नई बम्बई है।

(क्षेत्र: 495 चौ० फि०)

(नैनिक रिनम्द्री हात कः 4562/83-84 जो अप्रैल 1984 को प्रशाह आहर अप्राप्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिख, गया है)।

> अतित कृपार सत्ता गिश्वकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणे) अर्जत रेंज, पूना

दिनाक: 7-12-1984

मोहर :

'प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनोक 7 दिसम्बर 1984

निर्देग सं० सी० ए०-5/37 ईई/4567 84-85 968---यत:, मृत्रे अनिज कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी संव आफिस नंव 30 स्फ 3री मंडिल, निर्माण व्यापार केन्द्र कार नंव 10, सेंबरन 17, कि कि सि है रिथ को रई बम्बई में रिथत है (ग्रीर इससे उपाध्य अन्सूची में ग्रंर पूर्ण से बाँगत है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यात्र, सहायक आयकर आयुक्त, (निरोक्षण) अर्जनरें जमें, रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अप्रैल, 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दश्यमन प्रतिफास के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यकित सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया, प्रतिफल, निम्निटिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरज से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आंस्तियों करें जिन्ही भारतीय जायन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण जो, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जभीन, निम्नलिखित स्यितियों, सर्थात् :--- (1) निर्माण त्रितंडर्स,
40-41 विशाल शापिग सेन्टर,
सर० म० व० मन, (ब्रुबेरो-हुर्ना मार्ग),
बम्बई-69

(अन्तरक)

(2) मे० स्टप कन्सलटैन्ट्स,
 1004-5-7, रात्रेजा चैम्बर्स,
 213 नरिमान पाईट, बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

आफिस नं० 306, 3री मंजिल, निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10, हिस्सा-17, डी० बी० सी०, नई बम्बई-703 (क्षेत्र: 495 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 4567 83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा, गया है)।

> अनिल कुमार, सभम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)' अर्जन रेंज, पूर्नी

दिनांक: 7-12-1984

मोहरः;

# प्र<del>क्ष्यः,</del> नार्षः, दी<u>ः,</u> एतः, एवः, ----=

# बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

## शारत बरकार्

अजंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5 4516 84-85 978---यतः मुझे, अनिल कृमार,

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस-जै पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, सं० नं० 686 2ए 1 बिथे नाडी, पुणे हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (ग्रौर इसो उनाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूणं रूप से विणत हैं), रिजिट्टोर्स्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीधण) अर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

को प्रांचन सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के द्रश्यमान मित्रफल को लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सुख्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकत से अधिक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्त्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की वावत अक्त कि-नियम के अधीन कर दान के जन्तरक के दायित्व को कमी करन या उपसे अपने में सूर्यिक्ष के लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बत्त: बब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अनसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की स्थारा (1) को अधीन निम्निचित स्थिक्तयाँ, अधित् ह— 66—416 GI/85

- (1) विशेक सिम्नरकर एंड असी, डी-6, यगोशन, टी० पी० एस०-3, 4था मार्ग, सत्ताकृदा (इस्ट), जम्बई-55। (अन्तरक)
- (2) श्री नारायण बाबूराव भिगरे, द्वारा बैंक आफ्र इंडिया, ता० मानगांव। रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिएं कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ५---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकालन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तुल्सम्बन्धी स्थानितरों पर स्वत्रा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षद्री हैं पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरणः -- इसमें प्रयम्त सन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका ं यदा हैं।

# प्रमृत्यो

फ्लैट नं० 10, स० नं० 6(612 ए/1 बिजेबाडी, पुणे,

(जैंते कि रिजिस्ट्रीकृत कि 451683-84 जो अप्रैल 1984 को सहाप्रक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा है।

> अतित कुमार, "सत्तर गायिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण) अर्जन रॅंज, पूना

दिनांक: 7-12-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एत. ----

ज़ायकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यांतय, तहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अजंस रेंज, पूना

अवस रवा, द्वा

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देण सं० सी० ए०-5/3733/4569/84-85/969--यतः मुझे अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकार' को यह पिश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

मौर जिसकी सं० आफिस नं० 304 3री मंजिल निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10 सेक्टर-10 डी॰ बी॰ सी॰ वासी नई बम्बई है तथ जो नई बम्बई में स्थित है (ब्रौर इस ने उपायद्ध अनुसूची में बौर पूणं रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अर्पंल 1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम की दिश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एमें इश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रीतपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वव्य से उक्त अन्तरण कि बित्य गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त आफिन्यम अक्षी कर दन के अन्तरक औ दाणिल्य में कमी फरर वा उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (ग) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गो किया जाना आहिए था, खिपान में सृविधा के सिए;

कतः आक्ष, उक्त अधिनियमं की धाल 269-ग के अन्मरण वै, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-माकी उपधारा (1) के व्यक्ति, निस्तिशिवतं व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) निर्माण बर्ल्ड 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर सर० म० व० मार्ग, (ग्रंधेरी कुर्ला मार्ग), ग्रंधेरी (इस्ट), बम्बई-69।

(अन्तरक)

(2) मे० स्टप कन्सज्ञटन्टस लि०,
 1004-5-7 राहे जा चेम्बर्स,
 213 नरिमान पाइंट, बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंग व्याप्तया मास किसी व्यक्ति इतरा,
- (क) इस मुचना के रजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पान्त में हितबहभ्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

हपष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों काः, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

## अनुमूचो

आफिस नं० 304, 3री मंजिल, निर्माण व्यापार केन्द्र, प्लाट न० 10, सेक्टर-17, डी० बी० सी० वासी, नई बम्बई। (क्षेत्र: 295 चौरस फिट)

(जैते कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 4569/83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में लिखा. गया है)।

अतिन कुमार सञ्जन प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराज्ञण) क्र अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-12-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अन्युक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सो० ए०-5/3733/4515/84-85/979--अतः मुझे, प्रनिल कुमार,

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान स्मिन्न , जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिल्ला का पण में स्थित है (और इसस क्रिंग में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्त्रो मन्तर मायकर प्रायकर प्रायक्त (निरक्षण) प्रार्थन रेंज में, राज द्रो करण प्रार्थनियम, 1908 (1908 का 16 (के प्रयान दिनांक प्रार्थन 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के उर्देश के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :— (1) विवेक सिन्नरकर, डा-6, यशोधन, टो० पी० एस०-3, 4था मार्ग, सांताकुज, बम्बई-55।

(मन्तरक)

(2) म० ब० देशमुख, डो-8, शंकर छाया ग्राटमेंट, एरंडवगे, पुगे-4।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षरेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रक्राशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्मध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कू में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

पत्रैट नं० 9, बिल्डींग सं० नं० 636/27/1 बिबेबाड़ी, पुर्गे (क्षेत्र:

[नैते कि रिजिप्ट्रोकृत के॰ 4515/83-84 को प्रान्त 1984 को तह्यक प्रयत्तर प्राप्तत, (तिरक्षिण) प्रार्थन रेंज, पुणे के दफ्तर सें लिखा गया है।]

> भनिल कुमार, सञ्जम प्राधिक रो, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), भर्जन रेंज, पूना

दिनोक: 7-12-1984

माहर अ

# इस्त बाई. टी. एन. एस्.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) क मधान सुमना

#### तारव परकार

# धार्यात्व, सहायक नायकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 जी०/84-85/1212--यतः मुझे, मनिल कुमार,

बायकर आंधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे बन्धें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्बं 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० नं० 50(2), बारूद मार्ग, है तथा जो श्रहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रीसूत्रा में श्रीर पूर्ण रूप से बाणित है), र जिप्ट्रे कर्ता श्रीधकारा के कार्यालय दुग्यम निबंधक बम्बई में, राजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 . (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक श्रील 1984

को प्रांक्त सम्पत्ति क उचित नाजार मृत्य स कम के द्रश्यमाम प्रांक्रिक के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, असक द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिप्रात अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्त में नास्तिक रूप स कोणत नहीं किया गया है अन्तर

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की धावत, उक्त बिधिनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बावित्य के कभी करन वा उत्तव वचन मूँ सुविधा के प्रस्तु, बार्ट/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों का जिन्ह भारतीय बाय-कर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भन-कर बीधीनयम, या भन-कर बीधीनयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ब्रुविशा क निष्टु

अतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के वनसरक भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्मलियित व्यक्तियमों, अधीत् :—— (1) श्रामतो लक्ष्माबाई, मंगलदास पुंजानो, 63/4 चेक ई विला, रका श्रहमद किदव ई मार्ग, टुगा किंग सर्कल, बस्बई -29।

(भन्तरक)

 (2) ट्रांपधोर्ट कार्पोरेशन श्राफ इंडिया लि०, जड़ांपधोर्ट हाउस, 128/बा, पूना स्ट्रोट, वस्बई-3।

(मन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कामवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशम की तारीब से 45 दिन की सर्वीध या तत्मान्वन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तिमों में से किसी क्यूचित् द्वारा;
- (क) इस तृषमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा स्केंगे।

रुपक्किरण :— इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त भौधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बिना खेती की जगीन जो छाबटना बुदुक, ग्रहमदनगर, सं० नं० 50(2) में स्थित है।

(क्षेत्र: 62800 भौतम फिट)

[जैसे कि रांजन्द्रो कृत विलेख के 113/83 जो तारीख 17-4-84 को दुथ्यम निबंधक, बम्बई के दफ्तर में किया है।]

> मतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भायकर भायुक्त (तिराक्षण), भजैन रेंज, पूना

दिनांक: 7-12-1984

नोहर 🏻

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा भारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

#### बारत सरकार

कार्यानय, सहायक कायकर नायक्त, (नि<u>.रक्षिण)</u> श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/4568/84-85/972—स्रतः मुझे, श्रांनल कुमार,

बायकर ब्रोभिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिन्हों सं अधिक प्रकार नं 305, 3रो मंजित, निर्माण व्यापार के ज, बाजो, डो बो बो जो जो ज, प्लाट नं 10, सेक्टर-17 है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (प्रीर इससे उपाबक प्राप्तूचा में भीर पूर्ण छ। से बागत है), रिजिट्टोककी भिश्चकार के कार्यालय सहयक प्रयापत प्रमुक्त (निराक्षण) भर्न रेंज में, रिजिट्टोकरण भिश्चनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रवान, विनाक भर्मेल 1984

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिभल में, एसे दृश्यमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण वे हुई किनी जाय की बाबत, डब्स् बिधिनियन के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने मा उसके बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (च) एमी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अवः, अकत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं के के जन्मरणं के के उपधारा (1) के बधीनः, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मे० निर्माण बिल्डर्स, 40-41, विकाल शापिग सेन्टर, सर० म० व० मार्ग, (श्रंधेरा कुर्ली मार्ग), श्रंधेरा (इस्ट), बरूबई-69।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० स्टप कन्सलटन्ट्स लि०,
 1004-5-7 राहेजः चेम्बर्स,
 213 नरिमान पाईट, बम्बई-21।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष्ट कायशाहियां करता हूं

उन्त सम्पत्ति के भर्वन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप हु---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच श्रे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में त्रकावन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास व्यक्तिस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकते ।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयक्त कब्दों और वर्दों का, जो उथक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

## वग्स्यी

ग्राफिल् नं० 305, 3रो मंजिल, निर्माण स्थापार केन्द्र, वासी, डो० बो० सो० प्लाट नं० 10, हिस्सा—17नई, बस्बई (क्षेत्र: 495 चौएस फिट)

जैमे कि राजिन्द्रों कि० 4568/83-84 जो प्रशैल 1984 को सह्यक ध्रायकर ध्रायुक्त, (निराक्षण), ध्राजैन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> मतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भायकर भायुक्त (निराक्षण), धर्मन रेंज, यूना

दिनोक: 7-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाद् . टी . एन . एस . ------

मासकर अभिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मधीन सूचना

## भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सो० ए०-5/37 जो०/84-85/1211---धरः मुझे, श्रनिल कुमार,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मूल्य 25 000/- रह में अधिक है

भीर जिन्नो सं नं 27/17-17/20--24 देशन तो है स्था जो नासिक में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूचों में भीर पूर्ण रूप से बांणत है), राजिल्हाकर्ता मधिकार। के कार्यात्र दुःयम निक्धक नासिक में, राजिल्हाकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधान, दिनांक मधील 1984

भन्ने पृत्रीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल के पेंब्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बीर बतरिती (अन्तरितेतयो) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण लिखित में शस्त-

- (क) जन्तरण से हुन्दे किसी भाव की बाबत, द्वयंत जिथानियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्य में कभी केंद्रने या उत्तस ब्यूने में सूबिधा के लिए, बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरितीं देवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्विभी के लिए;

्ब्रहः अंब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिखिख व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्रे--

 श्रो व्यम्बक क० गडेक'र, गुरुका, गडेकर भवन, नातिक मार्ग, नातिक।

(प्रकारक)

(2) श्रो नेमोचंद न० चो डिया, मुस संकेत को – सार हाजी सगसी० लि०, नासिकय।

(प्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए कायनाहिया करता हूं।

उप्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी अर्वाध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. स्थना को राजपत्र मां प्रकाशन को तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर सर्पाटन मां हितवस्थ किया कर्य के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्विक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त कांधनियण के क्ष्याय 20 के ज परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# अनुसूची

सं० नं० 2/7/1ए-27/20-24, देवलाली, नासिक । (क्षेत्र :

(जैसे कि राजिम्द्रेक्टत विलेश कि 1621 जो धरील 1984 को दुथ्यम निवध ह, नात ह के दफ्तर में लिशा गया है)।

> र्मानल कुमार, सक्षम प्राधिक रो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), ग्रार्गन रेंज, पूना

दिनांक: 7-12-1984

ोहर 🖫

प्ररूप आई.ट. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश मं० सी०-5137 ई० ई० 4565/84-8**5/970--**

यतः मुझे, अिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

भ्रौर जिनको प० आफिप नं० 308, 3री मंजिल, निर्माण व्यापार केन्द्र, प्लाट नं० 10, सेक्टर—17, डी॰ बी॰ सी॰ वासी, नई बन्बई है तथ जो बन्बई है स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुम्ची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज ट्रीकर्त्ता अधिदारी के कार्यालय महायक आयकर आयोत (निरीक्षण) अर्जन रेंड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984।

किन पर्वाक्षण संपत्ति के जीवन बाजार मृत्य में कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण की दाण्टिय में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्पिकतयों, अधीत् :—— (1) मे॰ निर्माण बिहंडर्स,
40-41 विशाल शापिंग सेन्टर,
सर॰ म॰ व॰ मार्ग, मंत्रेरी हुली मार्ग,
मंधेरी (इस्ट), बस्बई-69।

(अन्तरक)

(2) मे० स्टप कर्गलटन्टस लि०,
 1004-5-7, राहेजा बिल्डर्स,
 213, नारमान पाईट,
 बस्बई।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त स्म्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकारन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध हस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ज**न्स्चीं

आफिस नं० 30%, 3री मंजित, ानताण व्यापार केन्द्र, प्लाट नं० 10, सेक्टर--17, डी० बी० सी० वासी, नई बम्बई,

(क्षेत्र: 540 चौरस फि०)

(जैन कि राजेश्ट्रीकृत का 4565/83~84 जी अप्रैल 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निराजण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिख, है)।

> अनिल कुमार, स तम प्र.धिकारी, सहायक आय हर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनकि: 7-12-1984

भाष्ट्र :

प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. ----

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के श्रीन तुमना

#### नारत तरकार

क्रायांसय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां र 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/3733/84-859/64---यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

मं र जिस् की सं ० पलैट नं० 406, 4थी मंजिल, घर नं० 2416, इस्ट स्ट्रीट है तथा, जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपात्रद्ध भा भुसूत्र में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्राकर्ता श्राधिकारों के कार्यालय सह यक श्रायकर श्रापुक्त (निराक्षणसें आर्थन रेंज में, राजस्ट्राकरण श्राधिनियम, 19८8 (1908 का 16) के श्रधान, दिनांक गरील 1984।

को प्राेक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रीतफ । के लिए अन्तरित की गई हैं और अभे यह निश्वास करने भ कारण हैं कि यकाप्वॉक्त एपिस का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसं दृष्यमान प्रतिफल का चल्लह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिंगी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाबा बया प्रतिफल न, निम्नसिक्तित उद्वेदय से उक्त बन्तरण हैं बिक्त में बास्तविक कप ने किथत नहीं किया वया हैं:—

- [क) अभ्यारण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कोर यान के अभ्यास के दायित्व में कमी कर्ड़न या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए भा कियाने में सुविधा के लिए;

बत: जब, उच्त मीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उच्त अधिनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीत जिस्तिविवत व्यक्तियां, अधीत्:--- (1) मे० म हवाना अवर्स एंड कं०.
 441, सोमवार पेठ,
 पुण-1।

(ग्रन्ट रक)

(2) श्री इब्राहिम हुसैन मोदक, 2411, इस्ट स्ट्राट, पुणे।

(मन्दरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्स में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### तपुष्य

पजैट नं० 406, 4थी मंजिन, घर नं० 2416, इस्ट स्ट्रीट पुणे।

(क्षेत्र : 1110 चौरस फि०)

्रेनेसे कि रिजिष्ट्र का ऋ० 4220 जो अभैल 1984 को सहाया आयाहर अ.ब्लित, (निराक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के बफ्तर में लिखा है ।

> म्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

**電 市 : 7-12-198**4

मोहर:

## प्रकर नार्च, दौ. एव. **१व**.,———

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, पूना

पुना, विनांक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० एँ०-5/3733/84-85/963--यतः मुझे, ग्रनिस कुमार,

वायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके "क्वान 'तकर विधिनियम' क्या गंवा ही, की धारा 260-ख के अधीन सक्षमः प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रुपये हे बिश्क है

श्रीर जिसकी सं० क्लैट नं० 405, 4थी मंजिल, घर नं० 2416, इस्ट म्ट्र टहै तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजिल्ड करा श्रीधकार के कार्य लय सहायक आयकर आयुवत (निर क्षण) श्रर्जन रेंज में, राजिल्ड करण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रध ने, दिनांक श्रील 1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के अणित याजार सल्य में कम के दश्यमान 'प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहाँ हैं और मुझे यह विदेवास करने का कारण है कि यथाप् किंत संपत्ति का उणित का मिल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफस, निम्निलिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में ास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक क दारियत्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए अदि/बा
- (का) एसी किसी बाय या किली धन या अन्त आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बार् धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा के सिए।
  - क्का, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क अनसरण उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग की उपधारा (1) निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---GI/84

(1) में ० मकवाना कदर्स एंड कं०,
 441, सोमनार पेठ,
 पुणे।

(मन्तरक)

(2) श्री एजाज हुसैन इब्राहिम मोदक, 1411, इस्ट स्ट्रोट, पुण-1।

(भन्तरिती)

की यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति हो वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप हुनन

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्दों का, भी उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूऔ

फ्लैंट नं ० 405 4थी मंजिल घर नं ० 2416 इस्ट स्ट्रीट पुणे-1।

(क्षेत्र: 1110 चौत्स फि०)

(जैसे कि रिजिन्द्र फ़ृत के० 4225/83-84 जो म्रान्ति 1984 को सहयक श्रयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायकर स्नाकयर स्नायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज-3, पूना

दिनांक: 7-12-1984

सोहर 🖟

व्रक्ष बार्ड . टी. एव. एव. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ... वारा 269-व (1) के विधीन सूचना

#### BIGG WENT

# कार्यालय, बहारक मायकर नायुक्त (निराधिक)

धार्गन, रेंज पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निर्देण सं०स १०ए०--5/37 इ०३०/4563/84-85/973--यतः मुझे भ्र<sup>ि</sup>ल कुमार

बायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25 600/- रु. में अधिक हैं

भौर जि के सं क्या पिस नं 302 3री मंजिल निर्माण व्यापार केन्द्र प्ल टनं 010 हिम्सा-17 डो बो बो की व सो नई बम्दई-703 है तथा जो नई बम्दई में स्थित है (श्रीण इसमे उपाबद्ध झ सूच में भौर पूर्ण रूप से बाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारों के कार्यालय सहायक अयकर श्रायुक्त (निर क्षण) अर्धन रेंज में रिजम्द्रीयरण आधिनियम 1908 (1908 का 16( के अधान दिनांक श्रील 1984

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्य के दश्यमाने वितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का खिल बाजार मृत्व, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिष्ठत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इस पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलियत उद्विषय से उक्त अन्तरण किसित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है :---

- (क) सम्मारण से हुई जिल्हीं बाब की बाबत, इससे प्रक्रियंत्र के बंदीत कर तेने के प्रमारण के सावित्याने कमी करने या उचने क्ष्मणे के बृद्धा के दिव्द; क्षार/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी वन वा बन्य बास्तिकों की चिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

जतः जब, जबत अधिनियम की धारा 269-त जे अन्मरण मों, मीं, उकत कीशिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) नं निर्भाग बिल्डर्स 40/41 विषाल शागि सेन्टर सर्वित विषाल शागि (अंधेरा कुर्सी मार्ग) अंधेरा (६स्ट) बम्बई-61।

(मन्तरक)

(2) मे॰ स्टप कन्सलटन्ट्स लि॰ 1004-5-7 राहेजा चेम्बर्स 213 नरिमान पाईंट बम्बई-21 ।

(भ्रन्त(रती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्थनाहियां करता हु।

जनत संपर्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति देवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याभु में दिया गया है।

## अनुसूची

भ्राफिस नं० 302 3री मंजित निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10 सेक्टर-17 डो० बो० सो० वासी नई बम्बई। (क्षेत्र: 495 की० फि०)

(जैसे कि रिजिस्ट्रेक्तिक १ 4563/83-84 जो भी प्रौत 1984 जो महायक आयक्तर अधिकत (निराक्षण) प्रार्थन रेंज पुणेके दफ्तर में लिखा गया है)।

भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (तिर क्षण) श्रर्जन रेंज-पूना

विनांक : 7-12-1984

मोद्दर :

# अकप नार्ष**्टरी, एन्. एस्.---**न्तरस्थ

# भायकर विभीतयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचनः

#### बारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्भन रेंज पूना पूना दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सो०-5/6640/84-85/974--यतः मुझे, **म्र**ील कुम∂र

बायकर बोधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **हैं** 

भी: जित्रका संघ फ्लैट नं र 16 संघतं सीव टीव एसव नंव 1533 र निक्रियाला तिलाह मार्ग सादाणिय पेठ है स्वा 🗘 🐠 में स्थित है (श्री: ६मने उपाबद्ध श्रामूचा में श्रीर पूर्ण रू से वर्णित हे). रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय सहायक श्चाय तर श्रापुत्रत (तनराक्षण) श्रानि रेज में राजिल्हाकरण श्राध-नियम 1908 (1908 का 16 (के अधीत दिनांक अलूबर

का पर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापुत्रांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफस का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतिरती (अतीरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप् ध कथित नहीं किया गया 🧗 💵

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ऑध-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व म कमी करन या उसस बचन म सुविधा के लिए; वरि∕ या
- (था) होसी किसी जाय था किसी धन या अस्य जास्तिओं को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या धन⊸कर बाभानवम, 1957 (1957 को 27) क प्रयाजनाथ अन्तरिती दशारा प्रकट नहीं किये गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीज, निर्मित्रिक्षण व्यक्तियों, स्पोत् :---

(1) घरकुल बिल्डर्स 1535 सदाशिव पेठ पुणे – 30।

(म तरक)

(2) श्री पदमानाभ जी० ठाकर 53 भों उले नगर पूर्णे – 7।

(घ तरितो)

को यह स्वनावारी करके पूर्वोंक्त् सम्पृत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता है।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी.काक्षेप:न्ः

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब बै 45 दिन की वर्षां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचनाकी तामील स 30 दिन का अवाध, का भी अर्थाध बाद ये समाप्त हाती हा, क भातर पृथा कर क्यां क्लयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र के अकाशन की हारीब बे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबबुध किसी अस्य व्यक्ति बुवारा अभाहस्ताक्षरी के पार निक्तिम किए का सका।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्या 🕻 🗓

## नन्स्पी

फ्लैट 16 सं > नं ०/सी० टी० एस० नं ० 1533 रानाडे बाडा तिल कमार्गसदाशिव पेठ परो – 30।

(क्षेत्र : 562.00 चौ ∷त्र फि०)

जैसे कि र्राजद्रेका ऋ० 6640/84—85 जो वक्तूबर 1984 को सहायक भाषार भारूक्त (शिरोक्षण) भागि रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> म्राल कुमर सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, पूना

विनांक : 3-12-1984

मोहर:

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

नायकपु निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के न्योन् सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भूजन रेंज, पूना

पूना, विनोक 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सो० ए०-5/37 जो०/721/84-85/1213---मतः मुझे, झनिल कुमार,

बायकर माधानमध्य, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारच है कि स्थावर सपरित्र जिसका अजित गाजार मृत्य 25,000/- का म जोधक है

मीर जिसको सं० मौजे लोहोप, नाः खाल पुर, नं० 5, 5 हिस्सा 1-बा तथा 2 है तथा जो रायगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक भारूसचा में भीर पूर्ण रूप से बणित है), राजग्द्राकर्सा भ धेकारा के कार्यालय, दुय्यम निबंधक, कर्जत में राजग्द्राकरण माधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रश्नोन दिनांक भ्रश्नेल, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रामान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य सृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (जन्तरितया) के सीच एसं अन्तरक के सिए नय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिसित आत्वाक सम् व को पृत्य वाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिसित आत्वाक सम् व को पृत्य वाया है भारा

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर/या
- (च) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन- अप्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अंतः अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में अन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो धर्मचंद प० श्रोसवाल तथा ग्रन्य चौक ताः खालापुर, रामगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) मे॰ म्नातंत्र नाइट्रेट्स पी॰, लि॰ ज्ञातार विला 107 बुडन हाउस मार्ग, कोलाबा, बम्बई-5।

(मःतरिती)

का यह स्थना जारी करके पृषेक्ति सम्पृत्ति के कर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रिया श्राप्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ३---

- (क) इस संघना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं<sup>क्ष</sup> 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति दक्त अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शख्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के संभ्याय २०-क म परिभागित है, वहीं सर्थ होगा को उस सभ्याय में दिया वया है।

#### अनुसूची

जानि जो लोडोर साः खालापुर, रायगढ़ में स्थित है। (क्षेत्र : 2.80 हे०)।

(जैसे कि राजिन्द्र क्वां विलेख क० 449/84 जो म्रानैल 1984 को दुय्यम निबंधक, कर्जत के दफ्तर सें लिशा है)।

> मनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर प्रापुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

тчттт . 7-12-1984

मोहर ः

प्रक्ष नाइ.टी.यून.एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के'नधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज पूना

पूना दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सो० ए०-5/37ईई/84-85/977--यतः मुझे,

अनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- का से अधिक हैं

भी: जिता हो सं० पर्नेट नं० 20 बानो आहर्यनेन्टस, सं० नं० 30 है। ये को के कह है तथा जो पुगे में स्थित है (श्रीट इससे उपावह श्रापुत्रों में श्रीट पूर्ण का से विभिन्न है) रिजिट्टा हक्ती श्रीत सामित श्रीत का का प्रतिम सहाम श्रीत श्रीत (निराक्षण) श्रीत रेंज में, रिजिट्टा हरण श्रीप्रतियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनोक श्रील 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और मफ्रे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्त-दिक रूप से किष्तु नहीं किया न्या है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्/सा
- (क) ऐसी किसी बाय वर्ग किसी भन या ब्रन्स आस्तिर्वा को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

कत कत अक अधिनियम की धारा 260-व के कमलरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स एशियन बिल्डर्स व० ल० सत्म्बे 35, विश्वणीमा की-मात हाउसिंग सोसाइटी 528 नारायण पेंठ पुण-30।

(भन्तरक)

(2) श्री प्रमोव ब लक्कण्णा लेले पा० एम० सो० कालोनी ब्लाक नं० 12 घोराडा पेठ शंकरशेट रोड़ पूर्ण-2।

(मर्सारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरि के अर्थन के लिए कामनाहिया करता हूं।

**एक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप** :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अवधि या तत्र्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की सामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि याद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवारा अभाहस्ताक्षरों के पास जिलीवत में किए जा सकेंगे।

ीकरण: — इसमें प्रयक्त कब्दों और पदों का, जो सबस अधिनियम, के अध्याय 20-कः में परिभाष्णि है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## सनस्यीं

फ्लैंट नं० 20 बाली भ्रार्थिनेंटस सं० नं० 30ए/4-की कोथरूड पुणे।

(क्षेत्र : 591 খী১ फि०)

(जैसे कि रिजाप्नोकत कि 3961/83-84 जो मिल 1984 को महायक मयहर मान्युक्त (निरोक्षण, मर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

मनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण)

दिनकि: 7-12-1984

मोहर 🏗

प्ररूप बाह्र टी. एन एस.-----

्रकायकर आभिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्भन रेंज पूना

पूना, दिनांकं 7 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सो० ए०-5/37 जो०/84-85/720/- 1214--यतः मुझे प्रतिल कुमार

्रशासकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रवाद की अभिनयम कहा गया है)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का अक्षारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25.000/-रा. से अधिक है

भीर जिल्लको सं ० 18 लोहो। ताः खाल पुर है तथा जो रायगढ़ में स्थित है (और इसने उपायह अपुन्त में और पूर्व रूप से बणित है) प्रजिट्टाकर्ती अधिक रा के कार्यालय दुय्यम निबंधक कर्जत में राजिट्टोकरण अधिनियम 1908 (1908 का. 16) के अधीन दिनांक अलि 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के क्ष्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अक्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा ग्या प्रतिफल , निम्नलिसित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अतिस्तरों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था फिपाने में मिविधा और जिए:

भतः अभ, उक्त आधानियम की धारा 269-ग के अनुसरण जीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) नके अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रेन्स (1) श्रोधर्मचद पूनमचंद श्रोसवाल तथा श्रय चालक ताः शालागुर रायगढ़।

(श्रन्तरक)

(2) मे० प्रांतश पटेल गंगा केमिनल्स पी० लि० जह गंर विला 107 वुडन ह उस मार्ग, कोल बा. बम्बई – 5।

(भ्रातः रतो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी डाक्ष्प :--

- (क) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यानतया १२ स्वतः कां तामीन स 30 विन को नवीं भ, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वावत क्यों करायों में स किसी न्यक्ति इंशारा;
- (ग) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गिरभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

## अनुसूची

जमीन जो सं० नं० 10, 15, हिस्सा नं० 9 तथा 5 ताः खालापुर लोहोर गांव, रायगढ़ में स्थित है।

(क्षेत्र : 2 हेक्टर 87)

जिसे कि राज पूष्टा त्रिनेश कि 443, जो अपील 1984 के बुश्यम निबंधक, कर्जत के दफ्तर में लिशा है।

> श्रतिल कुमार. सक्षम पाधिकारो सहायेक स्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण) सर्जन रेज– पूना

**दिनां**कः 3<del>-1</del>2-1984

• मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस,------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) क अभीन सूचना

The second secon

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 इ० इ०/84-85/976---यत: मुझे, अनिल क्मार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा में अधिक है

स्रौट जिसके मं ० फ्लैट न० 4, पर्वते गांव है तथा जो पुणे-30 में स्थि है (श्रीर इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीयक्ती अधिवार के वार्यालय सहायर आयकर आयुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न, दिनांव अप्रैल 1984।

को पर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रमूतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से वास्त निम्निलिख्त उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से वास्त निम्निलिख्त उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाब की बाबत खकर अपेश करियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कि (लहें, के 'बा
- ां एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों कर्रा के हे भारताय आया क्या अधिकाम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निकिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मे .ार्स लढ्ढा संदी,
 1482, सदाश्यव पेट,
 304, व्हाइट हाउस, पुणे- 30;

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र माकणजा बलसारा, द्वारा बलक्षारा गेरेज, 133/ब , पर्वती गांव, पूर्ण-30।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से रू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पासः लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियाः गया है,

## **ब**न्स्चीं

फ्लैट नं० 4, पर्वते गांव, पृणे-30। (क्षेत्र: 675 चौ० फि०)

जिसे कि रजिस्ट्री उत तर 4102/83-84 जो अप्रैल 1984 को महायक आयक्त आयुक्त, (निर. गण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है। ।

अनिल कृमार, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निर क्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक . 7-12-1984

मोहरः

प्रकृत बाह् , द्री. पुत्र , युत्त , स्टब्स्टर

बासकड बिधिनियन, १९६१ (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

## भारत बरकार

कार्याक्षम, सहायक बायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सः० ए०-5/37 ६० ६०/84-85/975—यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25 000/- एउ. में अधिक है

भौर जितको सं० पत्नैट न० 12, पर्वतो है तथा जो पुणे में स्थित है (भौर इससे उपाध्य अनुसूच में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्र कर्ता अधि हारा के कार्यालय सङ्ख्यक आयकर अप्रका (निराक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के सिक्; बीड/या
- (क) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए;

कतः जब, अचेत कीथीनयम की धारा 269-ग की जनसरण हो, ही, अचेत कीथीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) की क्षणीतः निम्लीवितित व्यक्तियों, वर्षात :---- मे॰ लब्का मंत्रः,
 1482, सदाशिव पेक,
 304, क्हाइट हाउस,
 पुण-30।

(अस्तरक)

(2) श्रोमतो सुशीला रानी क० गर्मा, 240, गंज पेठ,

(अन्तरिती)

को यह स्थन। बारी करके पर्वोक्त संपरित के वर्धन के बिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **ध**नुभूषी

फ्लैट नं 12, पर्वते गांव, पुणे-30 [श्रेत्र: 675 चौरत फि॰] [तैते कि रिजिस्ट्रकृत ऋ॰ 4026/83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण), अर्जन रिंज, पुणे के दिन्दर में लिखा है।]

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयंकर आयुक्त (निर क्षण), अर्जन रेंज, पूना

विनांक: 7−12−1984

मोहर 🛭

## प्रकार बाइ . ही . एव . एव . . .....

बाब्फर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीत स्वता

#### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक भायकर सायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिलांक 3 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सः० ए०-5/7034/84-85/962--यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर कांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च व अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसके सं० सं० ट ० एस० नं० 352/353 शनिवार पेठ, पुणे है तथा जो पूणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिंग्ट्रे कर्सा अधिकार के बार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (ितर क्षण) अर्जन रेंज में, रिजिस्टीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न, दिनांक अन्तूबर 1984

का पृथिकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत मपत्ति का उचित बाजार धून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दक प्रतिकत से बिधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अगरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निजित उद्योग्य में उन्तर अन्तरण निवित में बास्त्-विक रूप से किंगत नहीं किया गया हैं:—-

- (क) लमारक से हुई किमी बाध की बाबत, उनस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दामित्व में कमी करने या जबसे वसने में श्रीमधा में लिए; स्ट्रीद/वा
- (व) एती किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तिकों कां, जिन्हों भारतीय अाय-कर अधिनियंत्र, 1922 की 11) या उक्त अधिनियंत्र, या धनकर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियान से स्विका के विषे;

(1) में० नवंलखा कन्सट्रक्शन,619 सदाणिय पेठ,पुण-30।

(अन्तरक)

(2) मधुमुदन पी० नराटे, 661, सदाशिव पेठ, पूर्णे-30।

(अन्तरितो)

क्षे वह स्वना बारी करके पृत्राँक्त सम्पत्ति के वर्षन् के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## इक्त सम्मरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप 2--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांक्तयों में सं किसी क्यांक्त इवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अध्यहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसर्ची

स<sup>+</sup>० टी० एस० नं० 352/353 शनिवार पेठ, पुणे—30 । (क्षेत्र : 620 चौ० फि०)

[जैसे कि रजिस्ट्र ऋत ऋ० 7034/84-85 जो अक्तूबर 1994 को प्रहायक आयकर आयुक्त, (निराक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।]

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-12-1984

मोहर ः

प्ररूप बार्च .टी.एन.एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ४७५-५ (१) ♣ वधान व्यना

#### **जारत सरका**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सं० ए०-5/37 इ० इ०/84-85/965--यतः मुझे, अनिल कुमार,

नायकर मंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० बुकान नं० 5, ग्राउड फ्लोर, घर नं० 2416, इस्ट स्ट्र ट, है तथा जो पुणे--1 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड अनुसूच में भ्रीरपूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्र कर्त्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयुवत, (िर्ह हण) उर्जन रेंज में, रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अध न, दिनांक अभैल 1984।

को पर्शेक्त सम्मात्त के उचित बाजार मुस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया इतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दे—

- [क) जन्तरण से हाड किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर डोने जो अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधीनयम 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधीनयम, वा धन-कर बिधीनयम, वा धन-कर बिधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिपाने में चृतिथा के निष्;

कृत: जब, उक्त अधिज्यित की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 260-व की उपधारा (1) को जुधीन, निम्निजिवित व्यक्तिवीं, वर्षात क्र-ज (1) मे० मकवाना कदर्स एंड कं०, 441, सोमवार पेठ, पुणे।

(अन्सरक)

(2) मे० पेन्टर्स ५० लि०,
 होटमेक्स मेंगन,
 72, भोलाभाई देसाई मार्ग,
 यम्बई-26।

(अन्तरितः)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वृजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उपन स्थातर सापित में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखत में किए जा सकाग।

स्पष्टीकरुण:---- इसमें प्रयक्त कव्यों और पटों का. भी उच्च अभितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही: गुक्षा ही!

#### अनुसूची

दुकान नं० 5, ग्राउड फ्लोर, घर नं० 2416, इस्ट स्ट्रेंट, पुणे-1।

**(क्षेत्र: 451 ची० फि०)** 

[जैं। कि रिजिस्ट्रोफ़ित ऋ० 4236 जो अप्रैल 1932 की सहायक आयकर आयक्त, (निर.क्षण), अर्जन रेंज, पुणे के ६ तर में लिखा है।]

अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकार, सहायक आयकर आयुक्त (निर क्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनोक: 7-12-1984

मोद्वर ⊈्

प्ररूप बाई'. टी. एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/6639/84-85/967—यतः मुझें, अनिल क्मार,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, प्लाट नं० 425/35ट ० एम० वि० कालोनी, गुलटेएडी, पुणे—37 है तथा जो पुणे में िया है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्र कक्षी अधिवारी के कार्यालय सहायक आयकर आपुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल कर गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; करि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या , उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— मे० घरकुल बिल्डेंस,
 1535, सदाणिव पेट,
 पुण-30।

(अन्तरक)

(2) म० न० बसवाराजप्पा, द्वारा मद्रास फटिलाइ जसँ, 425/40, ट० एम० व∵० कालोनी, गूलटेनड , पु०-37।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## डक्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों र १ स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो का विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय मो दिया गया हो।

## **ब**न्त्ची

फ्लेट नं० 2, प्लाट नं० 425/35 टो॰ एम॰ कालोनो, गुलटे एड , पुणे-37।

(क्षेत्र: 50 चौ० फि०)

जिसे कि रजिस्ट्री हुत कर 6639/84-85 जो अक्तूबर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है)।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निर क्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-12-1984

. मोहर :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 ६० ६०/4880/484-85/ 966---यतः मझे, अनिल कुमार,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित् वाजार मूस्य 25.000/-रा. से विधिक हैं

धौर जिल्ला सं० फ्लेट नं० 2, उरो मंजिल, जमीन अपार्टमेंट कालेबा, थामे सं०ट ० एस० नं० 885 से 893 है तथा जो थाने में स्थित है (धौर इससे उपाबच अनुसूत्र में धौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्र कर्ना अधिकार के कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अप्रल 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्ममान्न्र प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मुक्ते यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिफल से अधिक हैं और बंतरक (अतरकों) और बतरिती (अतरिशियों) के बीच एमें बतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्लिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क्य) श्रीतरण संबुद्धं किसी जाय की बाबस, अवस अधिनियम के जधीन कर दोने के बतरक की बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (६) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ असीरकी द्वारा प्रकट नदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के बिए;

अतः, अधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, नैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के नभी (, निम्नतिक्ति स्थायन्तमों, अधीतः--- (1) मुमताज ह० शेख तथा अन्य, जिल्ला आपर्टमेंटस्, स्टेशन मार्ग, मान्यवा, थाने।

(अन्तरक)

(2) श्रो प्रभुदास प्रह्लाव छोटानी, फ्लंट नं० 1, भानुसदन विल्डिंग, कालवा, थाने।

(अन्तरिती)

को यह नुष्यना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी जन्य व्यक्ति कवारा अधाहुस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरेण: ----इसमें प्रयक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्यूची

पत्तेष्ट नं ।, 3रो मंजिल, जिबन आपर्टमेंट,-कालवा, थाने, मीं ट ं एस० नं ८ 885 से 893

(क्षेत्र : )

[जैने कि रजिस्टू कृत क० 4880 जो अप्रैल 1984 को पहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।]

> अनिल कृमार, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 7-12-1984

मोहर 🗈

## संब लोक संबा आयोग

#### नोंदिस

## स्पेशल क्लास रोलवे अप्रोन्टिसेज परीक्षा, 1985 नद्द विल्ली, दिनाक 19 जनवरी 1985

सं. एफ 5/2/84 पं. 1 (स)——भारत के राजपत्र विनांक 19 जनवरी, 1985 में रोल मंत्रालय (रोल बोर्ड) द्वारा प्रकाित नियमों के अनुसार यात्रिक इ जीनियरों की भारतीय रोल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रेन्टिस के पदों पर नियमित होत घयन के लिए संघ लोक सेवा आयांग द्वारा अगरतल्ला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलार, भोपाल, बम्बई, कलकता, अण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गांहाटी), हैंदराबाद, इस्फाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनज, मद्रास, नागपुर, पणजीं (रोवा), पटना, पोर्टं इलेयर, राह्मपुर, जिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपित, त्रिजेन्द्रम, उद्युप्र और विशाखापतनम में 9 जुलाई, 1985 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्यंक्त केन्द्रों तथा तारीकों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पमन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए आएगे तो भी आयोग परिस्थितिक किसी उम्मीदवार को अपने विकक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है। जिन उम्मीदवारों को इस परीक्षा में प्रवेश मिल जाता है उन्हें समय मारिणी तथा परिक्षा (सथलों) की जानकारी दोवी जाएगी। अनुबन्ध 1 पैरा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिकितयों की अनुमानित संख्या 13 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्षत रिक्तयों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातिकों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवंदन प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक मेवा आयाग, धीलप्र हाउस, नई विल्ली-110011, को आवंदन करना चाहिए। निर्धारित आवंदन-प्रपत्न तथा परीक्षा में मम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रेक्टए (रं. 2) देकर आयोग से हाक द्वारा प्राप्त किए जा सकती है। यह राशि सचिव, संघ लाक मेवा आयोग, धीलप्र हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर दोय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर देवारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करोमी नोट स्वीकार नहीं किए जाएगे। यो आवंदन-प्रपत्न आयोग को काउन्टर पर नगद भगनान दवारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रंक्टए (रं. 2/-) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की आएगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास अप्रेंटिस परीक्षा 1985 के लिए निधारित मृदित प्रपत्र में ही प्रस्तृत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेन्टिसेज परीक्षा, 1985 के लिए निधारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेकाँ सचिव, सघ लाक सवा आयाग, भौतपुर हाउस, नड्डी दिल्ली 110011 को 18 मार्च 1985 (18 मार्च, 1985 से पहल की किसी तारीख से असम्, अंचालय, अरत्णाचल प्रवांचा, मिजोरम, मणिपुर, नागाल है. जिपरा, सिक्किम, जम्मू और कदमीर राज्य के लव्याक प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिलेतथा चम्का जिलेका पागी उपमण्डल अंडमान और निकांकार वृत्तीप समृह या अक्कद्वीप **और** विदाशों में रहने वाले उम्मीदवारों को और जिनको आवंदन उप≁ र्याक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त ह/ते हैं उनकी मामले में 1 अप्रैल, (1985) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर प्राकर अमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीस के बाद होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरःणाचल प्रदोश, मणिपूर, नागालैंड, तिपूरा, सिक्किम, जम्म और क्रियीर राज्य के लव्दास प्रभाग हिमाचल प्रदोश के लाहाल और स्पीति जिल हथा चम्बा जिले का पानी उपमण्डल अंडमान और निकासार व्यीप समृह या लक्षव्यीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग प्रदि चाहें तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि (18 मार्च, 1985 से णहले की किमी नागीस से अमम, मेघालय, अरंडणाचल प्रदेश, मिजारम, मणिपूर, नागालैंड, तिपूरा, सिक्कम, अम्म और किमीर राज्य के लव्दास प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहाल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले का पानी उपमण्डल अंडमान और निकासार व्यीप समृह या सक्षव्यीप या विदेश में रह रहा था।

टिप्पणी (1) :--- जो उम्मीबवार ऐसे क्षेत्र को है जहां को रहने बाल आवंदन की प्रस्तृति होते अटिरिक्स समय को हकदार है, उन्हों आवंदन पत्र को संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्स समय को हकदार इलाकों या क्षेत्र का नाम (अथाँत असम, मेघालय, उम्म तथा कक्ष्मीर राज्य का लददाक प्रभाग) स्पष्ट रूप में निविष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हों अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (2) हि—उम्मीदबार क्रो सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को स्वयं संघ लांक सेवा आयोग को काजन्तर पर जमा कराए अधवा रिजस्टर्ड दाक दवारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

5. इस परीक्षा में प्रवेश काहने वाले उस्मीदवारों को किहर कि वे भरे हुए आबदन-पट के साथ रह. 36 00 (रह छलीस) शिनसचित जातियों तथा अन्सचित जन जातियों के उस्मीदवारों के लिए रह. 9.00 (रहपये नौं) का शास्क को सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नहाँ दिल्ली प्रधान शास्कर पर वोग रोबा किस भारतीय परिटल आर्डर, के रूप में हो, या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मस्य शासा, नहाँ विल्ली पर दोय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शासा में जारी किए गए रोबा किस बैंक ब्रांपट के रूप में हों, ब्रवस्य मेज हों।

विद्योग में रहने वाले उम्मीववारों को चाहिए कि वे अपने यहां को भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विद्याश स्थित प्रति-निधि, जैसी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शृल्क इस प्रकार जमा कर, जिससे यह ''051 लोक मेवा आयोग परीक्षा शृल्क'' के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद लंकर आयोवन-पत्र के साथ भेज दें।

जिन आवंदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम उम्मीदारों पर लागू नहीं होगा, जो निम्निलिखित पराग्राफ 6 के अन्तर्गत निर्धा-रित शुल्क से छुट चाहते हुं :—

- 6. बायांग यदि चाहोतो, उस परिस्थिति में निर्धारित शलक से छुट दो सकता ही जब वह इस बात में संत्रष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भतपूर्व पाकिस्तान (अब गंगला दोश) में भारत आया हुआ वास्तिक विस्थापित व्यक्ति ही, या वह बर्मा में शस्त-विक रूप संप्रत्यावतित मूलत भारतीय व्यक्ति ही और 1 जन, 1963 को या उसके बाद भारत आया ही, या वह अवस्वर 1964 के भारत श्रीलंका सम्भाति के अन्तर्गत श्रीलंका से वास्तिविक रूप में प्रत्यावतित मूलत: भारतीय व्यक्ति ही और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवजन कर भारत आया ही या श्रीलका से मूलत: भारतीय व्यक्ति ही जार वी संभावना ही या भृतपूर्व परिचम पाकिस्तान, से वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति ही, जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान भारत प्रवजन कर चुका था और निर्धारित शूक्क दो सकने की स्थिति में नहीं ही।
- 7 यदि किसी उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भगतान कर दिया हो किन्त उसं आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रह 21 00 (रहपये इक्कीस) जिल्ह स्चित जातियों और अनुसचित जन जातियों के मामले में कि. 5.00 (रहपये पाच) की राशि कापस कर दी जाएगी। किन्त् यदि नियम 6 के नीच लिखी टिप्पणी-11 की शर्नों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह स्चना पाप्त होने पर उस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अहं क परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्यंक्त टिप्पणी के उपबन्धों की श्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपयुक्ति और नीचे पैरा 8 में संबंधित व्यवस्था को छोडकर अन्य किसी स्थिति मे आयाग को भगतान किए गए शालक की बापसी के किसी दावे पर न ता विचार किया जायेगा और न ही शालक को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

8. यदि कोई उम्मीदवार 1984 में स्पेशन क्लास रोलवे अप्रेटिसंज परीक्षा में बेटा ही और अब वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छाक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियक्ति प्रस्ताव की प्रतिक्षा किए विना अपना आयदेन-पत्र निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तृत कर दो। यदि 1984 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्ति होत उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1985 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुशंध पर रदद कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा खेलक आपसे कर दिया जाएगा, किन्त शर्त यह है कि उम्मीदवारी रक्क आपसे कर दिया जाएगा, किन्त शर्त यह है कि उम्मीदवारी रक्क करने सथा शुल्क आपसी के बारों में उनका अनुशंध आयोग के कार्यालय में 1984 की परीक्षा के कार्यलय पहुंच जाए।

9. उम्मीदवार द्वारा अपना आवंदन-गत्र प्रस्तृत कर दोने के बाद, उम्मीदवारी वापिस लेन के सर्वंथ में किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

10. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट । में उन्निस्ति परीक्षा यांजना मा निर्मिष्ट किया गया था, सभी विषयों के प्रदन-पत्रों में वस्तुपरक प्रदन पृष्ट जायेगे। नम्ने के प्रदन महित वस्तूपरक परीक्षण सबधी ब्योर के लिए कृप्या "उम्मीववार सूचना विवरिणका" के अनुबध-।। का अवलोकन करें।

एम बालकृष्णन, उप सचिव संघ लोक सेवा आयोग

#### अन्बन्ध ।

## उम्मीदवार को अनुद्रोश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी है या नहीं। निर्धारत अर्ती में छट नहीं दी जा मकती है।

आयोदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस की पैराग्राफ । से दिए गए कोन्द्रों से से किसी एक को, जहां वह एरीक्षा दोने का इच्छ कहा, अंतिस रूप से चन लोग चाहिए।

उम्मीद्रवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्त् जब कोई उम्मीद्रवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होत अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को इस बात का परा औचित्य बताते हो। एक पत्र रिजन्टर्ड डाक से अववय भजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अनरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त् 10 अन, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही में अथवा बाल पाइन्ट पैन संही भरने चाहिए। अधुरा या गलत भरा हुआ अहोदर एत्र अस्वीकार किया जाएगा।

लम्मीदिशार यह ध्यान रहाँ कि आवेदन-पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों में केवल अंतराष्ट्रीय रूपों का ही प्रयाग करता है। चाहें माध्यमिक स्थान का इन ने प्रमाण पत्र या न्यक समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है ता भी उम्मीदिशूर यह स्निज्ञित कर लाक व आवदन-पत्र में प्रविष्ट करते समय इसको भारतीय अंकों को केवल अंतराष्ट्रीय रूप में ही लिखें। बे इस बारे में विशेष हावधानी बरतें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टिया स्पष्ट और स्पाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भामक है तो उनके निर्वचन में होने वाली भांति या संदोह के लिए उम्मीदवार जिम्मंदार होंगे।

उम्मीदबार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रायोग द्वारा आवेदन-पत्र मी उनके द्वारा की गई पिविष्टगी को बदलने के बिये कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस निए उन्हों अलेदन-पत्र सही रूप मी भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। सरकारी नौकरी में या सरकारों स्वामित्व बाल अदिशिषक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहलं से काम करने बाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई एसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पन्न अपने नियं क्ला की मार्फीत भेजता है और बह संघ लोक सेवा आयोग में दार से पहांचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जएगा, भले ही वह नियंक्ता के अंतिम तारीब में पहले प्रस्तत किया गया ही।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दौनिक दर कर्मभारी से इतर स्थायी या अस्थायी हौसियत से या कार्य पभारित कर्मभारियों की हौसियत से काम कर रहे हैं अथवा जो लोक उद्यमों के अधीन सेवारत हैं, उन्हें यह परिवचन (अंदरहोंकिंग) प्रस्ति करना होंगा कि उन्होंने निषित रूप से अपने कार्यालय 'विभाग के प्रधान को सचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/ परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीस्वार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भोजने चाहिए :--
  - (1) निर्धारित शल्क के लिए रोबा कित किए हाए भारतीय पास्त्र बार्टर का बैंक डाफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
  - (2) अग्य के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-विधि।
  - (3) दक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
  - (4) उक्कीदवार के हाल ही के पासपीट आकार (लगभग 5 की की ×7 मी भी ) के फोटी की दो एक जैसी प्रतियां इनकी में एक प्रति आवेदन-प्रपत्र पर आदि दसरी उपस्थित पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
  - (5) स्काल और कालिज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमों उसकी शैक्षिक तथा क्षेत्रकाद के सम्बद्ध स्फलताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।
  - (6) जब्रां लाग हो बहां अनमचित आर्थिन अनमचित जाति श्रिमणिन प्रमाण-पत्र की अनुप्रसणित /प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे परेग 4)।
  - (7) अक्षां हो वहां आय्/श्लिक में क्राट के दावे के सम्पर्धन में प्रमाण-पत्र की अनप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (देखिए नीचे पैरा 5 और 6)।
  - (৪) विधिनत भरा हाआ उपस्थिति पत्रक (आयोदन-पत्र के साथ संलग्न)।
  - (9) लगभग 1.1 5 में मी ×2.7 5 सें. मी. आकार के बिनाटिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर कापका पंत्रा लिखाहों।
- टिप्पणी (1) उम्मीकारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपयोक्त मद (2), (3), (6), तथा (7),

पर उल्लिक्शिक्त प्रमाण-पत्रा की केबल प्रतिया **ही** प्रस्तृत करनी हुं जां *मार*कार के किसी - राज<mark>पिक्त</mark> अधिकारी द्वारा प्रभाणित <mark>हों। अथवा स्वयं</mark> अम्मीतवार दवारा यहाँ ५ए में मत्यापित हाँ। आ जम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामा के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण होत् साक्षात्कार **के लिए** अर्हाता प्राप्त कर लेते हैं उन्हीं लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तरन्त आद उपर्यक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तृत करनी होंगी। लिस्ति परीक्षा के परिणाम सितम्बर, 1985 महीने में घोषित किए जाने की संभाखना है। उम्मीदवारो को इन भक्षण-एयों को स्थितितस्य परीक्षण के समय प्रस्तुत करने होत् तैयार रखना चाहिए । जो लाकीतवार उस समय प्रकाण-पत्रों को मल सप मी पम्तन नहीं करीगे उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जायंगी और आगे विचार के लिए उम्मीदशारों का कोई दावा नहीं हरोगा।

टिप्पणी (2) आवेदन-पत्रों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों को असपमाणित /प्रमाणित परित परित पर उपमिदवार को हस्साध्य करने होंगे और तारील भी होती होगी।

मद (1) से (5) तक उल्लिखिन प्रलेखों के विवरण नीचे विवरेण नीचे विवरेण हैं और सब (6) अरेर (7) में लिल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रखाकित हर

प्रत्यकः पास्टलः आर्डार अतिवार्यतः रोकांकितः किया जाए तथा उस पर ''सिचिट संघ लोक सेवा आयोग को नर्डे दिल्ली के प्रधान टाकबर पर दोय'' लिखा जाना चाहिए ।

किसी अन्य डाकधर पर दोय पोस्टल आर्डोर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। विक्षित या कटो फटो पोस्टल आर्डोर भी स्वीकार नहीं किए जाएगे।

सभी पोस्टल आर्डारों पर जारी करने वाले पोस्ट्रमास्टर **कें** हस्ताक्षर और जारी करने वाले झकघर की स्पष्ट मृहर होनी जाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोर कर लोग चाहिए कि जो पोस्टल आर्डोर न तो रोबा कित किए गए होंगे और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर दोय होंगे उन्हीं रोजना सरक्षित नहीं है।

(स) निर्धारित शुल्क के लिए रोशांकित बैंक शाफ्ट:

बीक डाफ्ट, स्टीट बीक आफ इंडिया की किमी
शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आगोग को स्टीट बीक आफ इंडिया की मस्य शाखा नई दिल्ली में दोय हो तथा विधिवत रोखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक मों दोय बैंक कापर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएगे। विरूपित या बटो-फटो ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जार्यंगे।

टिप्पणी :--~उम्मीदियरों को अपने आवेदर-पण प्रस्तत **करते** समय बैंक डाफ्ट की जिल्ली और सिरोपर पर अपना नाम सथा पता सिक्तस साहिता । प्रोक्तल आर्डरॉ के मामले में उम्मीदिवारों को पोस्टल **बार्डर**  कौ पिकाली आरे इस प्रयाजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखे।

(2) आयू का प्रमाण-पत्र--आयाग जन्म की वह तारीस स्वीकार करता है जा मेंटिक लोगन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेंटिक लेग के प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा मेंटिक लेग के रिजन्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समीधन प्राप्तिकारी द्वारा प्रमाणित हों, जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर च्का है, वह उच्चतर या नाध्यमिक परीक्षा या स्मकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित निमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत कर सकता है।

काय के सम्बन्ध में कोई अन्य धस्तावेज जैसे जन्मकंडली शपथ-पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त अन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अन्नविज्ञों के इस भाग में आए होए मीटिक लेशन /तस्कतर आभ्योमक परीक्षा प्रभाण-पत्र, शाक्यों से अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रभाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी-कभी मंदिक लोशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीस नहीं होनी हैं या आयं के केवल परें वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एमें मामनों में उम्मीदवारों को मेदिक लोशन / उच्चलर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अनपभाषिल / प्रमाणित प्रितिलिप को शिनियकत उस संस्था के हैं डमास्टर/पिंमिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भोजनी चाहिए सहा में नमने मेरिक लोशन / उच्चनर माध्यमिक गरीक्षा नलीण की हो। इस प्रमाण-पत्र में इस संस्था के दाम्बला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की नारीब या नम्मिक आय् सिक्ष होनी काकिए। उम्मीदवस्तें को बेत्यवनी की उच्ची है कि विदेश प्रमाण नहीं भेजा गया तो आयंदन-पत्र अस्वीकार किया का प्रमाण नहीं भेजा गया तो आयंदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिंप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयू से सम्बद्ध प्रविष्टि बाले पष्ठ की अनुपर्गणित/प्रमाणित प्रति-सिष्टि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीदनार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीदन बार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करोग जोकि आनेवन-बन्न प्रस्तृत करने की तारीख को मैट्रिक लेखन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है बीर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किमी अनुरोध पर न तो बिचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके दुवारा किसी परीक्षा में पबेठ के लिए जन्म की सारीस एक ग्रार प्रोधित कर दोने और आगोग दवारा जम्में अपने अभिलेख में दर्ज कर लोने की बाद उसमें बाद में या किसी परिक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) इंश्विक ग्रोरपाल का प्रशाण-एव:——उस्मीदवार को किसी प्रभाण-पत्र की अनुप्रभाणित /प्रशाणित प्रतिलिपि भेजनी मान्तिए हाकि इस बाल का प्रभाण मिल सके कि निगम 6 में निर्माणित सोरमताओं में से कोई एक सोरमता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य पराक्षा निकाय) का हाना चाहिए जिसन उस याग्यता त्रिक्षण प्रवान की हा। गवि गिस प्रमाण-पत्र की अन्यप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदेवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपिक्षत याग्यता स सम्बद्ध अपने दात्र क समर्थन में अपिक्षते परिवार करेगा, किन्सु बहु उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार व्यारा अपनी हाँ क्षिक योग्यताओं के समर्थम में प्रस्तत किए गए विश्वविद्यालय के हण्ड्यीडिएट या काहें अन्य अर्थक पर्याप पार्थ करने के प्रमाण पत्र में सभी उत्तीण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिंसिएल के इस आशय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तृत करनी अपिता कि उसने अर्ह के परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी और उसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 (ग) या नियम 6 (च) लागू होते हो को उसे अगती अधिक योगाताओं के प्रमाण स्वक्रप सम्बद्ध विद्यालय के रिजिस्ट्रार/कालेज के प्रिंमियल/संस्था के अध्यक्ष में नीचे दिए गए निर्धाणित कार्म में विरा गए प्रमाण-पत्र की पितिलिप अञ्चल्य प्रस्तत करनी चाहिए। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्स

्प्रमाणित किया जाता है कि श्री<sup>7</sup>श्रीस्त्री ∕क मारी\*

ा छा। ताल सूप्त्र<sup>\*</sup>/स्प्त्री श्री. जाल काल पार्च : इस विष्यत्रिद्यालय/कालेज/संस्था को/की वास्तविक कैं छात्र/छाता<sup>\*</sup> ह<sup>र्ग</sup>/थे/थी।

2 उन्होंने विवयिंग विश्वी कार्स की पश्चम कर्ष की परीक्षा/ पंचलिंग इंचिनियानी विश्वी कार्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चलन जिल्ला की राज्यीय परिस्ता की ग्रामीण सेवाबाँ में विवयिंग डिस्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो. . . . को समाप्त हाई, 'सीर्ण कर ली ही और उन्हों पश्चम वर्ष के लिए निश्वित्त विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

#### अथवा

श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

\*\*3. उनके परीक्षा विषय निम्नलिखित थे:——

1.

2 • 1

3 .

4.

5 4

रैपंचवर्णीय इंजीनियरी डिग्री क्येर्स के विद्यार्थियों पर लाग् नहीं होगा।

> (रिनक्सार 'पिंग्स्यात के हस्माधर) (बिहरविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

\*आं शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दो।

जिस उम्मादनार पर नियम 6 क नीच दिया/दा गई टिप्पणा 1 लाग हाता हो उसे जिस सम्था से उसने परीक्षा पाम की हो उसके प्रिंसिपल/होडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र का अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके कृत अंक विश्वविद्यालय/बार्ड द्वारा निधीरित प्रथम या दिवतीय श्रणी की अक सीमा के अतगत आत है।

टिप्पणी:—-यदि कोई उम्मीदवार एसी परीक्षा में बैठ एका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हा जाता है पर अभी उस परीक्षा के परिणाम का सूचना न मिली हा तो एसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवश्च पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवंदन कर सकता है। किन्तू एसे उम्मीदवारों को निम्निटिश्वित निधीरित फार्म से सम्बद्ध कालेज/सस्था के प्रिसिपल स एक प्रमाण-पत्र की अभुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि अन्य शतौं पूरी करते हो तो उनका परीक्षा में बैठन दिया जाएगा। परन्तू परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अर्जन्तम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण हाने का प्रमाण-पत्र कल्दी और हर हालत में 16 अगस्त, 1985 से पहले प्रस्तृत नहीं करते तो यह अनुमति रदद की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अन्मति प्राप्त उम्मीदवार को, बाहु वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं उपर्यक्त अविध के भीतर अहां क परीक्षा पास करन का प्रमाण-पन्न प्रस्तृत करना होगा। इस अनव श का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रव्व कर दी जाएगी और बहु अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

## उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-वत्र का कार्य

1 5

2 2

3 -1

4 -3

5 a

प्रिंसियल के हस्ताक्षर (कालंज , संस्था का नाम)

तारील स्थान \*जो शब्द लागून हों, उन्हें काट वै।

(4) फोटो की वो प्रतियां :— उम्मीदवार को अपने हाल ही को पासपोर्ट आकार (लग्भग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतिया अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिएका देनी चाहिए। और दासरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी बाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्साक्षण करने चाहिए।

69-416GI/84

विश्वष ध्यान दै:—उम्मीदवार को चेताबनी दी जाती है कि मिट काई आवेदन-पन्न उपर्यवस पैरा 3 (११), 3 (११1), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११), 3 (११),

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हान का दावा कर ता उस अपन दाव क समर्थन में उम जिल के जिसमें इसके माता-पिना (या जीविन माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उपमंख्ल अधिकारों या निम्नलिखित किसी अन्य एस अधिकारी से, जिससे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिप प्रस्तत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र जिले के अधिकारी, से लिया जाना चाहिए जहा उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आयेदन करने वाले अन्सचित जाति और अनसचित जुन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/\*कुमारी . 👉 🥫 . . . स्प्त्र/सृप्त्री\* श्री . . . . . . . . . . . . . . . . मैं के की / किसी संघ<sup>क</sup> राज्य क्षेत्र .. . . . . . जाति/\*जन**जाति** के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनसचित जाति/अनू-स्थित जन जाति" के रूप में मान्यता दी गई है :---संविधान (अनुसूचित जातिया) आदश, 1950@ संविधान (अनुसूचित जनजातियां) आदेश, 1950@ संविधानं (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेखा, 1951@ संविधान (अनुस्थित जन जातियां) (संच राज्य **मावेश, 1951** \*\* [अनुसूचित जातियां और **अनुसूचित जनजातियां** 

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूचीं (माशांधन) आव रा, 1956, बम्बहं, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूवीं क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातिया और अनुसूचित जानियां (संशोधन) अधिनियमा 1976 द्वारा यथा संशोधित । संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आवियां आवशे, 1956@

संविधान (अंडमान और निकाबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातिया आदोश, 1959@ अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातिया (संशोधन) अधिनियम, 1976@ द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दण्डरा और नागर हवेली) अनुस्चित जातियाँ आदेश,  $1962^{@}$ 

संविधान (पारिचरी) अनमचित जातियां आवेश, 1964

संविधान (अनुसूचित जनजातिया) (उत्तर प्रदश) कादश,
1967@
सींचभान (गाआ, दमन और दीय) अनुसूचित ए शया आदेश,
1968@
संविधान (गोजा, दमन अरेर दीय) अनमचित जनजातियां
बाद श 1968 ध
संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदशे,
1970@
संविधान (सिक्किम) अनसचित ताति आटोग , 1079@
(सिक्किम) अनसम्बन उनका । ত চন্দ্ৰ
% 2. अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जनजातियाँ के एसे
अविनयों के मामले में लाग् जो एक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
को प्रशासन संप्रदेजन कर चुके हैं
• ह प्रमाण-पत्र श्री/श्रीमती/कमारी®.
ग्राम/कम्बा <sup>®</sup> जिला/मंडल <sup>®</sup>
्राज्य/संग्रह्मांत्र∰ ्रा ्षी र प्रज्
णाति/जनजाति <sup>@</sup> से सम्बद्ध है जिसे
राज्य/संघ राज्य क्षत्र <sup>@</sup> में अनुसूचित जाति/अनस्चित ज
जाति के रूप में मान्यताप्राप्त है, के पिला/माता@ श्री/श्रीमती
. क्ये जारी प्रमाण-पत्र के काधार पर जारी किया जाता है।
ल भाग छ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ ७ <mark>७ ७ विश्वारा जारी।</mark> विनिष्क
%3. श्री/बीमती/कामारी* . क क क क क क क
और/या* उनका परिवार जामतौर पर से गाव/कस्वा*
: : जिला/मंडल*
ा राज्य/संघ <sup>®</sup> राज्य क्षेत्र
धिक र र व र तु . में स्तते/स्तृती हैं।
हस्ताक्षर
**पदनाम
कार्यालय की मोहर)
<b>শানে</b> ও স্প্র ও সং কর্তির
तारीच
Tran - / And trans 4-2-

## राज्य भे/संख राज्य क्षेत्र

"आ शब्द लागू न हो उसे काट दै।

किपया राष्ट्रपति का विशिष्ट आदेश निर्दिष्ट करें।

आ पैरा लागू न हो उसे काट दै।

टिप्पणी:—यहां ''आमतौर से रहते/रहती हैं'' का अर्थ कही होगा जो ''रिप्रेजेंट रोन आफ दि पीपल एक्ट, 1950'' की धारा 20 में है जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्स प्राधिकरियों की सची से।

(1) जिला अजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला अजिस्ट्रेट/कलैक्टर डिस्टी अभिन्नर/एडीजनल जिल्टी किम्मिननर/किल्टी अने प्रत्र/ प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी अजिस्ट्रेट/मिटी अजिस्ट्रेट/ सर्वा डिविजनल अजिस्ट्रेट/ताल्ल्क अजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एकस्ट्रा अस्टिस्टर्ट कमिश्नर।

प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मिजस्ट्रेट से कम आहेदें का नहीं।

- (2) बीफ प्रॅंसिडमी मिजस्ट्रेट/एडीशनल बीफ प्रॅसिडमी मिजस्ट्रेट/प्रॅंसिडमी मिजस्ट्रेट।
  - (3) रोबेन्य अफसर जिनका आहेता तहनीलदार से उस्म न हो।
- (4) उस इलाके का सबिडिबीजनल अफसर जहां उम्मीदवार , ब्रॉर/बा उसका परिवार सामतौर से एड्ता हो।

- (5) एडोमिनिस्ट्रेटर/एडोमिनिस्ट्रेटर का सिषव/डोबलपमेंट अफसर लक्षद्वीप।
- 5. (1) नियम 5 (हा) (11) अध्या 5 (हा) (111) के अन्तर्गत आय में छुट और या नॉटिस के पैरा 6 के अन्तार शुल्क से छुट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अस बंगला दक्क) में विस्थापित ब्यंक्ति का निम्निलिखित प्राधि-कारियों में से किसी एक से लिए गयं प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, यह विखलाने के लिए प्रस्तुल करनी बाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अस बंगला दोश) के वास्तविक निस्थापित ब्यंक्ति ही, और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवृजन कर भारत आया है।
  - (1) दण्डकारण्य परियोजना को ट्रांजिट कोन्द्रों अधवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों को शिविर कमार्डट।
  - (2) उन क्षेत्र का जिला मिजस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) सम्बद्ध जिले में शरणार्थी पूनवांस कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रोट।
  - (4) कपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सम्बिग्जन का सब-डिक्वीजनल अफसर।
  - (5) उप-करणाथी पुनर्वास आयुक्त पश्चिमी बंगाल/ निवंशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (2) निरम 5 (स) (4) अथवा 5 (स) (5) के अंतर्गत आय् में छुट और/या नांटिस के पैरा 6 के अनसार शल्क में कि छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले म्लत: भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गये इस आदय के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिख्लाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 को भारत श्रीलंका समर्भत के अन्तर्गत 1 नवस्त्रर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (3) नियम 5 (स) (6) अथवा 5 (स) (7) के अस्तर्गत साम में छुट और/या नांटिस के पैरा 6 के अनमार गूल्क में छट का बावा करने वाल बमां से प्रत्यावर्तित मलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दतावाम राग व्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की उन्प्रमणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने को लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाव भारत आया है, अथवा वह जिस क्षेत्र का निवामी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अनुप्रमणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया है आ गस्तिवक प्रत्यावर्तित क्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (4) नियम 5 (स) (8) अथवा 5 (स) (9) के उन्तर्गत आयु सीमा में छट बाहने वाले एसे उम्मीववार को, जो रक्षा मेवाओं में कार्य करते हुए विकला ग्रहुआ है, महानिद्धेणक, पनर्वास रक्षा मंत्रालय में नीचे निभारित फार्म पर निला गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिषि यह दिखलाने के लिए प्रमन्त करनी चाहिए कि बह रक्षा मंवाओं में कार्य करते हुए विश्लेष एत्र के साथ संखर्ष में अथवा अज्ञातिग्रम्थ क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुजा और परिणामस्बरूप निर्मुक्त हुजा।

- (5) नियम 5(ल) (10) या 5(ल) (11) के अन्तर्गत आय में छूट का वावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावितित मृलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस अंत्र का वह निवासी है, उसके जिला मिजस्ट्रट में लिये गए प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विख्लाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह वियलनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितित ध्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (6) नियम 5 (ख) (12) या 5 (ख) (13) के अन्तर्गत आय-मीमा में एट नाहने वाले की निया, जगादा सथा संघर्षन गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और अंजीबार) से आए हुए उम्मीदिवार का या जाम्बिया, मलावा, और और ही धर्याणिया में पत्याविति भारत मलक उम्मीदिवार का उस क्षेत्र के जिला मुजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा ही लिए गए केंग्रेण-पत्र की एक अनुप्रमणित/प्रमणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्यक्त देशों से आया है।
- (7) जा भूतपूर्व मीनक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5 (ह) (14) अथवा 5 (ह) (15) की शर्लों के अधीन आय सीमाओं में छ टे का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधिकारियों में निम्निलिखत निर्धारित प्रपन्न में उर पर लागू होने वाली प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए।
- - (क) उन्होंने पाच या पांच में अधिक वर्षों तक सैंनिक संग की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्य मुक्त हुए हैं।
  - (का) वं स्पेनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षभता के कारण . . . . को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राध्यकारी का नम्म तथा पदनाम मोहर

तारीच 8 टिक्छ हा छ छ स्थान: ⊥ ½ छ छ छ छ (क) सवारत/कामका पर लाग्

> सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पवनाम . . . . . मोहर . . . . . . . . . . . . . . . .

प्रमाण-पत्र जारी करने बाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलि**वित**ः हैं:---

- (क) कमीकन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीकन प्राप्त अधिकारियों /अल्पकालिक सेवा कमीकान प्राप्त किंधिकारियों सिहल) के प्राप्त प्रें :——
  थल संता—पिलिटरी सकटरी का शाका, थलसेना मुख्यालय नहीं विल्ली।
  निमेना—कार्मिक निविधालय, नौसेना मुख्यालय, नहीं विल्ली।
  वाय सेना—कार्मिक जिल्ली।
- (स) नौसेना तथा बाय सेना के ब्रियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों /अस्य रैकों तथा समकक्ष अधि-कारियों के ग्रामले में :—— थल सेना——विभिन्न रोजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों व्यारा नौसेना —— बी ए बी एस अस्यर्ड। बाय सेना——वाय सेना रिकार्ड, (एन इं आर.) इस्ल्य ) नहीं दिल्ली।
- (8) नियम 5 (का) (16) या निरुम 5 (का) (17) के अन्तर्गत अग्र में छाट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शास में छाट और/या नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शासक में प्राप्ती काहने जाने भतपर्ज पिच्यम पाकिस्तान में किस्था-पित व्यक्ति को निम्निलिखित में किसी प्रापिकारी में इस आधाय के प्रमाण-पत्र की एक अन्यमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तत करनी चाहिए कि वह भतपर्ज पिच्यम पाकिस्त्वान का बास्तिक विस्थांपित स्यक्ति है जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के वौरान भारत प्रवृजन कर चुका था:—
  - (1) विभिन्न राज्यों में द्रांजिट केन्द्रों या राहत शिवरों के विकिर कमा कट:
  - (2) उम इलाके का जिला मिजिस्ट्रोट जिसमों वह फिलहास रहेना हो:
  - (3) अपने-अपने जिलों में शरणाथीं पूनवांस के प्रभारी अनिरिक्त जिला मिजस्टेट;
  - (4) अपने प्रभाराज्यक्त सब डिवीजन के अंबर सब दिवीजनस अफसर;
  - (5) शरणाथीं पनवांस का उपायक्त।
- 6 जो उप्योदकार उत्पर पौरा 5 (1), (11), (111) झौर
   (8) में निर्विष्ट किसी भी वर्ग स्से सम्बद्ध है और नाँटिस के

पैरा 6 के अनुसार गुल्क में छुट का दाना करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या ससद सदस्य या राज्य विधान महल के सदस्य स, इस आशय का एक प्रमाण पत्र लक्टर उसकी अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तृत करनी जा। हुए कि वह निधारित श्ल्क दन का स्थित में नहीं है।

- 7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलटी सार्टीफक्ट) झावष्यक हो ता उसे अभीष्ट भात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रोल मंत्रालय (रालव बार्ड) का झावषत करना चाहिए।
- 8. उम्मीदवारों को शतावनी वी जाती है कि वे सावेदन-श्रम भरते समय काई भाूठा क्योरा न दे अथवा किसी सही सूचना को न छिपाए

उम्मीदवार को यह घेतावनी दी जाती है कि में प्रमाणक्षत्र अथवा उनक द्वारा प्रस्त्त की गई प्रति का किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक कर न उसमे परिवर्तन कर नार न उसम काई फरबदल कर और और न ही फेरबदल किए गए फाँठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करो। यदि एसे दां या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अध्विध अथवा विसंगति हो तो विसंगति को संबंध में प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया जाये।

- 9. आबंदन-पत्र देर से प्रस्तृत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्का स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवंदन-पत्र ही अमृक तारीस को भंजा गया था। आवंदन-पत्र का भंजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने बाला परीक्षा में बैठने का पत्र हो गया है।
- 10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें दोर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित हैं की पावती दी जाती हैं तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर वी खाती हैं। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवंदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारील से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती हैं तो उसे सरकाल आयोग से पावती होतू सम्पर्क करना काहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को नावेदन पंजीकरण सैच्या सूचित कर दौ गई हैं अपने आप यह अर्थ नहीं है कि जाबदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण हैं और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उप्मीदवार को उसके नावेदन वन के परिणाम की सूचना सभाशीच द'दी जाएगी। किन्तु महं नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कम सूचित किया जाएगा। परन्तु मोद परीक्षा के गुरू हानं की तारीच से एक महान के पहल तक उम्मीदवार को अपने आयदन-पत्र के परिणाम की जानकारी न मिल तां उसे आयाग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया ता यह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से विचार हो जाएगा।
- 12. संच लोक सेवा बायोग ने ''संघ लोक सेवा बायोग की क्स्तूपरक परीक्षाओं हत् उम्मीदवार विवरणिका'' शीवक से एक समूल्य पुस्तिका छापी हैं। इसका डिजाइन एसा है जिससे सं. लो. सं. बायाग की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीद-वारी को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीक्षाओं की निष्मावली तथा पारम्य रक प्रकार के प्रश्न-पत्रों का उल्लंख करन शल पैम्फेलटों की प्रतिय प्रकाशन नियंत्रक, सिविल, लाइन्स, दहली-110054 के पां विकी के लिए सुलभ हैं बार इन्हें उनसे सीधे मेल आडर्ड द्वारा या नकद भूगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भूगतान पर (1) किताब महल, रिवाली सिनमा क सामने, एम्पारिया बिल्डिंग, ''सी'' ब्लाक बाबा कुश्रीसंग मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उद्याग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखा का बिका काउन्टर और (3) गवनमंट आफ इन्डिया बुक डिपा, 8-क. एस. राय गुड, केलकरता-1 स भी लिया जा सकता है। मन्अल/पम्फलट भारत सरकार प्रकाशन के विभिन्न मुफासल शहरों में स्थित एजंटों से भी उपलब्ध है।

- 13. आयदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र \_ व्यवहार—आवदन-पत्र से सबद्ध सभा पत्र आदि साचव, सच लाक सवा आयाग, धलिपूर हाउस, नद्दं विल्ली-110011 का भेजें जायें तथा उसमें नीचें लिखा ब्योरा आनवायं रूप सावया जाए :
  - 1. परीक्षाका नाम
  - 2. पराक्षा का महीना और वर्ष
  - 3. बाबदन पंजीकरण सं./ राल नम्बर, अथवा उम्मीद-बार की जन्म तिथि यदि आवदन पजीकरण सं./ राल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
  - 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़ अक्षरी में)\_
- 5. अावदन-पत्र मे दिया गया पत्र व्यवहार का पता।

   विशेष थ्यान (।।)
   यदि किसी उम्मीदनार से कार्ष पत्र/संप्रेषण

   उन पर थ्यान नष्टी विया जाएगा।

विशेष भ्यान (।।) : यदि किसी उम्मीदनार सं काई पत्र/संप्रवेण पराक्षा हो चुकन के बाद प्राप्त हाता है तथा उसमा उसका पूरा नाम व अनुक्रमाक नहीं है तो इस पर भ्यान न देते हुए काई कारवाई नहीं की आएगी।

14. पते में परिवर्तन :— उम्मीद्रवार का इस बात की ब्य-बस्था कर लगी चाहिए कि उसक आवदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भज गए पत्र आहि आवश्यक हान पर, उसका बदल हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन हान पर आयाग का उसकी सूचना उपयुक्त परा 12 में उल्लिखत ब्यार के साथ यथाशांचू दो आनी चाहिए। बामाग एस परिवर्तनी पर भ्यान दन का पूरा-पूरा प्रयस्न करता है। किस्तु इस विषय में बह काई जिम्मदारा स्वाकार नहीं कर सकता।

## उम्मीदनार का सूचनाथ विवरणिका

#### (क) अस्तूपरक पराक्षण :

काप जिस पराक्षा में बैठने वार्स है वह ''वस्सुपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार का पराक्षा (पराक्षण) में आपका उत्सर लिखने हागा। प्रत्यक प्रका (जिसका जाग प्रकाश कहा जायगा कि के लिए कहें सुकाए गए उत्तर (जिसका आग प्रत्यत्तर कहा जाएगा) दिए जात है। उनमें से प्रत्यक प्रकाश के लिए आपका एक उत्तर चुन लेगा है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप में परिचित न हाने के कारण आपको काई हानि न हो।

## (स) परीक्षण कास्यरूप 🚁

प्रका-पत्र 'प्रका पुस्तिका'' के रूप में होंगे इस पुस्तिका में क्या साध्या 1, 2, 3 जादि के कम संप्रकाश होंग। हर प्रकाश के नीचे ्, दें, सी, डी चिन्ह के साथ स्काए गए प्रत्यूत्तर सिस्तें होंगे। आपुका काम एक सही मा

चित आपको एक से अधिक प्रत्यूस्तर सही लगे सो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना हुगा। (अंत में दिए गए ममूने के प्रदनांश क्षेत्र लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रदनांश के लिए आपको एक सही प्रत्यूत्तर का चुनाव करना हुगा। याद आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्यूत्तर गलत माना आएगा।

## (ग) उत्तर दोने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया आएगा। जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रयंश प्रमाण-पत्र के साथ भंज दी जाएगी। आपको अपने प्रत्यत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। प्रश्न प्रितका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखें गए उत्तर नहीं जाचे आएगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संस्थाएं 1 से 160 तक चार संडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने, ए, बी, सी, डी, चिन्ह वाले वृत्ताकार स्थान छप होते हैं। प्रश्न प्रितका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौनसा प्रत्यृत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्यृत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

V.EEED	دين		cob
<sup>1</sup> CØ3	<u> </u>	ca	cdo
3.	(pr)	c	د. <b>ط</b> ے
4000	נצט	Sea	යත්

## यह जरूरी है कि :---

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच की. पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गसत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाए।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एसी असायधानी न हो जिसमें वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट आवि पड़ जाए या वह बराव हो जाए।

## 🕶) कुछ महत्वपूर्ण विनियमः

- आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- प्रीक्षण श्रूक होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाव 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की बनुमित नहीं मिलंगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, प्रश्न प्रितका और उत्तर पत्रक निरीक्षक (पर्यवेक्षक को साँप वें। आपको प्रश्न प्रश्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमित नहीं हैं। इस नियम का उल्लंबन करने पर कड़ा दण्ड दिया आएगा।

- 5. आपको उत्तर पत्रक पर क्ष्म विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कृटबब्ध भी करन हाग। इसक बार में आपके नाम अनुवक्ष प्रवेश प्रमाण~ पत्र के साथ भेजे आएग।
- 6. प्रका-प्रितिका में दिए गए सभी अनुष्के आपको साक-धानी सं पढ़ने हैं। इन अन्दर्शों का सावधानी से पालन न करने स आपके नवर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर काइ प्रविष्टि संदिग्ध हैं, तो उस प्रकांश के प्रत्युत्तर के लिए आपकों काई नवर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुबन्धों का पालन करें। जब पर्यवक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुबन्धों का तत्काल पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपका अपने साथ एक एचं. बी. पंसल, एक रवड़, एक पेंसिस शापनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपका सलाह दी जाती है कि आप अपनं साथ एक क्लिप ब.डे या हाई बांडे या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हों। आपका परीक्षा भवन में काई खाली कागज या कागज का टूकड़ा या पैमाना या आरखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी अरूरत नहीं हेंगी। मांगर्न पर कच्चे काम के लिए आपका एक असग कागज विया जाएगा। आप कच्चा काम शूरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना राल नंबर और परीक्षण की तारीख लिखे और परीक्षण समाप्त हांने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यविक्षक को वापस कर दै।

## (ङ) विशेष अनुदक्ष अ

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक जापकी उत्तर पत्रक देगे। उत्तर पत्रक पर अपिक्षत सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको प्रक्त पूरितका वेगे। प्रक्त पूरितका मिलने पर आप यह अवक्य देख लें कि उस पर पूरितका की संख्या लिखा हुई हैं अन्यथा, उसं बदलवा लें। प्रक्त पूरितका की संख्या लिखा हुई हैं अन्यथा, उसं बदलवा लें। प्रक्त पूरितका को खोलने से पहले उसके प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमाक लिख दें। आपको प्रक्त प्रितका तब तक खालन की अनुमित नहीं हैं जब तक पर्यवेक्षक एसा करने के लिए न कहां।

## (च) कुछ उपयोगी सुझाव 🖫

यद्यपि इस परोक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेका शद्धता का जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दो काम कर सकते हैं कर पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ उन पर समय व्यार्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की और बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रकारों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर वै। आपके ब्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे आएगे।

## (छ) परीक्षण का समापन 🖫 \_

असे ही पर्यवंक्षक आपको लिखना बंद करने को कहे आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठ रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं से जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परी-क्षण प्रितका और उसर पत्रक तथा कन्चे कार्य का कागज परीका भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

## नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट--\*सही/सर्वोत्तम उत्तर--विकल्प को निर्विष्ट करता है)

### 1. सामान्य अध्ययन

बहुत उर्जवाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्न-सिवित में से किस कारण से रक्त स्त्राव होता है?

- (क) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से कम होता है।'
- 🔭 (च) रक्षत कादाब बायुमंडल केदाब से अधिक होता है।
- (ग) रक्त वाहिकाओं की अं**दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर** दाब समान हाता है।
- (घ) रक्त दाब वायमंडल के दाब के अनुरूप चृटता-बढ़सा है।

#### 2. (English

(Vocabulary—Synonyms)
There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

## 3. (कृषि)

अरहर में, फुलों का अड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- \*(क) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
  - (स) दूर-दूर पाँधे लगाना
- (ग) सही ऋतु में पीधे लगाना
- (घ) थोड़-थोड़ फासले पर पाँधे लगाना।

## 4. (रसायन विज्ञान)

H3 VO4 का एन दाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>

### 5. (अर्थशास्त्र)

क्षम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- \*(क) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
  - (स) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनौ बराबर
  - (ग) मजदारी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (भ) मजदारी सीमान्त भौतिक उत्पादक के बरावर हो।

## (वैद्युत इंजीनियरीं)

एक समाक्ष र खा को आपक्षिक परावैद्युताक 9 के परावैद्युत से सम्परित किया गया है। यदि 'सी' मक्त अंतराल में संचरण वेग वर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- . (a) 3c
- \_ (b) ¢
- \*(o) o/3
- (d) c/9

## 7. (भू-विज्ञान)

बंसाल्ट में प्लेजिज क्लेस क्या होता है?

- (क) आलिगोक्लेज
- \*(स) लैव्होराइ
  - (ग) एल्बाइट
  - (घ) एनाथाइट

## 8 (गणिस) :

शृस बिम्बू से गुजरने बःला और 
$$\frac{d^2y}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0$$

समीकरण की संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निविष्ट है ?

- (₹) y=ax+b
- (Ty y-ax
- $(\pi) y = ae^x + be^{-x}$
- •(**▼**) y=acx—a

## 9. (चीवकी)

द्व भारवं सम्मार्थन 400° K और 300° K और नायकन के मस्य कार्य करता है। इसकी क्षमता विम्नामिक में से नया दानी 🗓

- (甲) 3/4
- P(可) (4-3)/4
- $(\pi) \frac{4}{(3+4)}$
- $(\pi) 3/(3+4)$

## 10. (सॉ**व्यकी**)

वर्षि ।इयः, विचार का माध्य इ है तो इसका वशारक निम्नसिक्ति में वे क्या होया है

- (TI 42
- **■(च 3**
- [(η) œ
- **(**♥) **>**5

## 11. (भूगोल)

बर्माके दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृतिध का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (क) यहां पर खनिज साधनों का विप्ल भंडार है।
- \*(स) बर्माकी अधिकांश निषयों का डेल्टाई भाग है।
  - (ग) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (घ) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

## 12. भारतीय इतिहास

बृाष्ट्रमणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं

- (क) बीव्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्मणवाद के अन्-यायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
- (स) बाह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण अर्मथा।
- \*(ग) बाह्मणवाद के अभ्यदय के साथ, बलि संबंधी बज्ञ कर्मका महत्त्व कम हो गया।
  - (घ) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

## 13 (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन-समृह कान-सा है?

- (क) बाँद्ध, न्याय, चार्जाक, मीमासी
- (स) न्याय, वैद्योपिक, जीन और बाँद्र्ध, चार्वाक
- (ग) अव्वेत, बेदान्त, सांस्य, चार्वाक, योग
- 🔭 (घ) बाँद्ध, सांख्य, मीमांसां, चार्वाक

## 14. (राजनीति विज्ञान)

'बृत्तिगत प्रतिनिधान' का अर्थ निम्निलिखित में से क्या है? \*\*(क) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियाँ

- का निर्वाचन।
- (ख) किसी समूह था किसी व्यावसायिक समृदाय के पक्ष का समर्थन।
- (ग) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधित्य का चनाय।
- (च) श्रीमकों संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

## 15. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निदाँशित करती है?

- (क) लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में वृद्धि
- \*(स) भावात्मक अवस्था में न्यूनता
- (ग) व्यावहारिक अधिगम
- (व) पक्षतापूर्ण अधिगम

## 16. (समाज शास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है?

- \*(क) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गी को आर्थिपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- .(स) खुआखुत कम हुई है।
- (गं) वंचित वर्गों के लांगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (भ) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:—- उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि उपर्यक्त नम्ने के प्रकाश (प्रका) केवल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह अरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

### New Delhi, the 26th November 1984

No. P/1693-Admn.II.—The resignation tendered by Shri Virendra Yagnik, permanent LDC of CSCS, regular Technical Assistant (Hindi) of the Central Sectt. Official Language Service and presently working as Junior Research (fficer (Hindi) on transfer on deputation in the office of Union Public Service Commission is hereby accepted with effect from the afternoon of 26-11-1984 to enable him to join as Official Language Officer in the Oriental Bank of Commerce, Regional Office, Bombay.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
for Secy.
Union Public Service Commission

## New Delhi-110 011, the 15th November 1984

No. A-19014/9/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Kum. Sobha Ramanand, an officer of In ian Ordnance Factory Service as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 12th November, 1984, until further orders.

#### The 17th November 1984

No. A. 12025/1/84(i)-Admn.I.—Consequent upon his nomination by the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms for appointment as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the cadre of Union Publ'c Service Commission vide their Office Memorandum No. 7/1/84-CS. Il dated the 11th October, 1984

on the basis of Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1983 for appointment to Grade 'B' of the Central Secreta iat Stenographers' Service, the Presid n is pleased to appoint Shri R. P. Dang (Rank No. 48), who has been officiating as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) on ad-hoc basis from time to time in the CSSS cadre of Union Public Service Commission, in a temporary capacity to Grade 'B' of CSSS cadre of Union Public fervice Commission with effect from 11th October, 1984 until further orders. His appointment will, however, be subject to decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court, Hakim Singh & others Vs. Union of India.

No. A. 12025/1/84(ii)-Admn.J.—Consequent upon his nomination by the Ministry of Home Affairs. Department of Personnel & Administrative Reforms for appointment as Senior Personal Assistant (Grade 'B' of CSSS) in the cadre of Union Public Service Commission vide their Office Memorandum No. 7/1/84-CS-II dated the 11th October, 1984 on the basis of Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1983 for appointment to Grade 'B' of the Central Secretariat Stenographers' Service, the President is pleased to appoint Shri Balral Kumar (Rank No. 60), a permanent Grade 'C' Stenographer of the CSSS cadre of the Department of Agriculture and Cooperation as a temporary Stenographer Grade 'B' in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 31st October, 1984 until further orders. His appointment will, however, he subject to decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court, Hakim Singh & others Vs. Union of India.

M. P. JAIN Under Secv. (Admn.) Union Public Service Commission

## Now Delhi, the 11th Docemina 1984

No. A. 32014/1/84 A mm. III—The Prosident is pleased to appoint the following Assistants to the C.S.S. cadre of the Union Public Service (2) on 13(1) 10 1 11 115 13 300001 Oddors on ad hoc basis for the period indicated against each or until futuer orders whichever is earlier:—

SI. No.	Name					~			Period of ad hoc appointment.
<b></b>			·	. سيد جي محد جيد	<del></del>				مين الإسب المست السب المسب المسب المسب المسب المساء
1.	Shri S.L.Kum ir								28.8.84 to 11.10.84
2.	S'i i Philip John			•	•	•	•	•	28.8.84 to 11.10.84
3.	Sari A.S.J.t			•	•	•	•	•	28.8.84 to 11.10.84
4.	Sha C.L.Bhat		-	•	•	•	•	•	28·8·84 to 11·10·84
5.	Ohri K.L.S.11		•	•	•	•	•	•	21.8.84 to 5.10.84
6.	Kim. Biicati Nira	eimba		•		•	•		17-8-84 to 31-8-84

S.BAN ERJEE
Under Secrettry (Admn.)
Union Public Service Commission.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 20th December 1984

No. O. II-1999/84-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. K. Saxena, an IPS Officer Madhya Pradesh Cadre as DIGP in the CRPF.

2. Shri Saxena took over charge in the Directorate General, CRPF of the post of DIG/DD for Auxiliary Bns on the afternoon of 18th December, 1984.

### The 26th December 1984

No. O. II-252/69-Estt.—Shri Y. C. Sharma, Second-In-Command expired on 2-12-84. He is accordingly struck off the strength of the force from 3-12-84 (FN).

### The 27th December 1984

No. O. II-1291/76-Estt.—The President is pleased to all Shri P. K. Rohilla, Dy. S. P. 19 Bn, CRPF to retire voluntarily from service under Rule 43 (d) of CRPF Rules, w.e.f. 07-11-1984 (FN).

No. O. II-1900/84-Estt.—The President is pleased to relieve Shri Sivendra Kumar, Dy. S. P. of ISA. CRPF w.e.f. 04-12-84 (AN) on expiry of one month's notice under rule 5(i) of CCS (TS) Rules, 1965.

No. O. II-1973/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. D. Bora as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 10th December, 1984 for a period of three months or till

2085

recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

> ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

upto 26-3-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General/CISF

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th December 1984

No. E-32015(4)/161/84-Pers I.—On appointment on deputation Shri K. R. Speake, assumed charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit TIF Naini with effect from the forenoon of 13th September 1984.

#### The 14th December 1984

No. E-32015(4)/62/84-Pers I.—President is pleased to revert Shri P. S. Nair, Assistant Commandant (Ad-hoc), CISF Unit DIOM, Donimalai to his substantive rank of Inspector Executive with effect from the afternoon of 4th September 1984.

No. E-32015(4)/152/84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri B. M. Tiwari, on promotion as Assistant Commandant 1st Reserve Battalion CISF Barwaha with effect from the forenoon of 8th November 1984 on purely ad-hoc basis and temporary upto 24th March 1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 18th December 1984

No. E-16013(2)/14/82-Pers I.—Consequent upon his repatriation to State Cadre. Shri U. K. Bansal, IPS (UP. 74) relinquished charge of the post of Commandant Coeff Unit Dap Dargapur with effect from the afternoon of 30th Novem-Der 1984.

#### The 22nd December 1984

No. E-32015(2)/24/84-Pers I.—President is pleased to appoint Shri P. K. R. Nair, as Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 12th Documber 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period

## INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 27th December 1984

No. Admn.I/O.O. No. 311.—The Director of Audit, Central Revenues, is pleased to appoint Shri Brij Bhushan kaul, Section Officer as Assistant Atlant Officer (G oup B Gazetred) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 30-5-1984 until further order.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A/CS) BIHAR

Ranchi, the 18th December 1984

No. Admn-Promo-2327.—The Accountant General (A/cs) I B har Ranchi has been pleased to promote Shri Sai'endra Mohan Chanda a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 12-11-84

No. Admn-Promo-2335.—The Accountant General (A/cs) 1 Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Kanai I al Dutta a substantive Section Cfficer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26-11-84 (FN).

No. Admn-Promo-7443 — The Accountant General (A/cs) I Bihar Ranchi has been pleased to promote Shri Tara Das Mukherjee a substantive S. c. ion Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26-11-84 (FN).

> R. BASHYAM Sr. Dy. Accountant General (Admn).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) GUJARAT

Ahme1abad-380 001, the 18th December 1984

No. Est. (A) GO/3 (39)/2197 - The Account and General (A tit), Gijarat, Ahme labad is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Assit. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders :-

1. Shi V. M. Gunatra .

. 16-10-84 AN Rejkot.

2. Shri S.K. Vurma

. 17-10-84 FN Ahnelibad. . 29-10-84 FN Ahmed b id

. . . . . 3. Shri C. Vijayakumaran .

The above is provisional and subject to the outcome in the Speical Civil Application No. 383 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

#### The 27th December 1984

Estt. (A) GO/3(39)/2276.—The Accountant General (Audit), Gujarat. Ahmed ba 1 is pleased to apoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders.

## Shri V. A. R. Menon-12-3-1984 F.N. Ahmedabad.

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

(Sd.) ILI EGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.) Office of the Accountant General (Audit)

Gujarat, Ahmedabad-380 001.

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT,

#### KERALA

#### Trivandrum, the 27th December 1984

No. Entt. & Cash/1/10-3/84-85/133.—Shri K. R. Balan, Audit Officer, and Shri K. Gopinathan Nair, Assistant Audit Officer Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from service on superannuation on 30-11-1984 AN.

> V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

70-416GI/84

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

#### (ACCOUNTS)

#### Gwalior, the 10th December 1984

No. Admn-I/PF.GGD/226.—Shri G. G. Dandekar, (01/132) a permanent Accounts Officer of the office of the Accountant General (A&E) Madhya Prdeash. Gwalior will retire from Central Govt. service on 31st March, 1985 Afternoon on his attaining the age of superannuation.

(\$d. ILLEG'BLE)
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 22nd December 1984

No. 4487/A-Admn/130 83-84.—On attaining the age of superannuation Shri B. Ra agg palan, Substantive Audit Officer, retired from service, with effect from 31st October 1984 (A.N.).

No. 4488/A-Admn/130/84.—On a taining the age of superannuation Shri K. I a shmi Naravanan and M. N. Mukheriee, Assistant Audit Officers, retired from service, with effect from 31-7-84 & 31-8-84, respectively.

No. 4489/A-Admn/130/82-83.—The Di ector of Andit, Defence Services, s pleased to appoint Shri R. C. Gupta, Assistant Aud't Officer to officiate as Aud't Officer in the Office of the Joint Director of Andit, Defence Services, Dehra Dun, with effect from 27-9-84 (F.N.), until further orders.

No. 4499/A-Adm 1/139/82-84 - The Director of Audit, Defence Services, New Delhi, is pleased to appoint the under mentioned Section Officers (And t), as Assistant Audit Officers in the Scale of Rs. 550-30-740-35-830 EB-40-1040, from the date noted against each: —

SI. No.	N uma							Designation	Office in which appointed	Date from which appointed
-,	S/Shri		,					<u>، ن</u> واحده المحده المحدد والمحدد	والمنافق والمحافظ المنافعة المهولوقة المهار ومهدم المنهود المرافق المنافق والمنافقة المنافقة المنافقة المنافقة	
1.	Hag Shaukr .	•	٠	٠	•	•	•	Section Officer (Audit)	Joint Director of Audit Defence Services DEHRA DUN	3-8-1984
2.	Good Sinha .	•	•	•	•	٠		Do.	Joint Director of Audit Defence Services PATNA.	1-8-84
3.	J. S. Bisht		•	٠		•	•	Do.	Deputy Director of Audit Defence Services JAMMU.	31-8-84
4	Chander Shekhar							Do.	Do.	31-8-84
5.	Ram Singh (II)	•		•	•		•	Do.	Joint Director of Andit Defence Services MEERUT.	25-8-84
6.	D. R. Yaday .	•	•	•	•	•	٠	Do.	D'vity Direcor of Audit Defence Services ALLAHABAD	4-9-81
7.	S. P. Nair .	•	•	•	•	•	•	Do.	Joint Director of Audit Defence Services Southern Command PUNE.	15-10-84
8.	Gaj <del>ö</del> hdra Sin <b>g</b> h	•	•	•	•	•	•	Do.	Joint Director of Audit (Or hance Factories) JABALPUR	15-10-84

B. S. TYLE
Joint Diector of Audit
Defence Services

## MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

#### DGOF/H.Qrs. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 15th December 1984

No. 29/84/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Nalini Kanta Chakraborty, ASO (ad-noc) as effg. Assistant Staff Officer w.e.f. 6-12-84 against an existing vacancy without effect on sentority until further orders.

2. The above promotion shall abide by the results of the appeal filed in the Honble High Court at Calcutta.

3. Shri Chakravorty will be on probation for two years

w.e.f. 6-12-84.

R. K. CHALEM
Member/rer
For Director General, Ordnance Factories

committees and the committees of the committees

# MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 17th December 1984

No. A-12025(iii)/3/83-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from the 12-12-1984 and until turther orders and Gordon observan as Assistant Director Grade-II (Non-Fechnical) in the National Handloom Design Centre and National Handloom Museum (Weavers Service Centre), Delhi.

V. K. AGNIHOTRI Addl. Development Commissioner for Handlooms

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 27th December 1984

No. 12(510)/65-Admn.(G) Vol.III.—Consequent on his selection as Mechanical Engineer in Bangladesh under UNIDO Snri I. R. Sengal relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech.) in the office of the DC(Sol), New Delhi on the afternoon of 2-6-1984.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION—6)

No. A-6/247(617)/70.—Shri R. F. Kewalramani, a permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) in in cince of Director of Inspection, bomody reflect from Government Service on the attennoon of 30th November, 1984 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Auministration)

#### New Delhi-110001, the 21st December 1984

No. A-6/247(281)60.—Shri A. Chakravarty, a permanent Assistant inspecting Officer (Engg) and officiating inspecting Officer (Engg) (Grade III of indian inspection dervice, Group A, Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Calcula retired from Government Service on the accomposition of 31st October, 1984 on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR

Deputy Director (Auministration) for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delni-110001, the 20th December 1984

No. A-1/1(1157).—Shri M. D. Kulasekaram, Permanent Superintendent and oinciating Assistant Director (Admn.) (Gr. 11), in the oince of Director of Inspection, Madras, retired from Oovernment service with effect from the alternoon of 31st October, 1984, on attaining the age of superannuation.

RAJBIR SINGH

Deputy Director Administration) for Director General of Supplies & Dispussis

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 20th December 1984

No. 8531B/A-19012/Lib/ARC/19A.—Shri A. R. Chakraborty, Librarian, Geological Survey of India has been released from the service in the Geological Survey of India with effect from the atternoon of 31st July, 1984 for joining the post of Chief Librarian in the Jadavpur University, Calcutta on hen for a period of 2 years.

A. KUSHARI Director (Personnel) Geological Survey of India

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th December 1984

No. A. 19012(204)/84-Estt.A. Vol. I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. R. Chawak Pmt. Senior Technical Assistant (Mining), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 29th September, 1984, until further orders.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

#### New Delhi the 20th December 1984

No. 17/7/34 S-IV - The Director General, All Infin Rido, heavy appoints the following Senior Engineering Assistant Engineering Assistant Engineering (in the pay of R., 55)-33-740-35-310-33-830-40-1000-E8-40-1200), consequent upon their promotion on ad hoc basis, with effect from the lates shown against their names untill further orders.

		 			 	 			<del></del>
Sl.	No. N.me							St tion	Date of Joining
(1)	(2)							(3)	(4)
1.	Sari C. E. B. Topno	•	-	•	 •	•		DDK, Ranchi	30-7-84 (FN)
2.	Shri S.L. Kandara					•	•	AIR, Shimla	24-9-84 (FN)

1	2							,			3	4
3.	Smt. Swaran Lata Sehgal		•		•		•	•	•	•	HPT, AIR, Kingsway,	29-9-84 (FN)
											Dolhi.	
4.	Shri Rakesh Kamar	•									DDK, New Delhi	29-9-84 (FN)
5.	Saci Sim ir Pal Singh						,	•			HPI, AIR. Kaumpur,	29-9-84 (FN)
											D ihi.	•
6.	Shi J. L. Sigir			,							D ) ζ, Liokiow	29-9-84 (AN)
7.	Sari Bangut Rum .		,		,			•			HPF, AlR, Kaimpar,	1-10-84 (FN)
											D lhi.	
8.	Śhri S.A. Muhujan 🗼			,		•					LPI TV Julguon	1-10-84 (FN)
9.	Sari Salan anda Basak		•					•			AIR Guhati	29-10-84 (FN)
10.	Sari S. Reaguram unajam										AIR, Imaail	12-11-84 (FN)
11.	Saci C.K. Veerashankar				,						LPT Doordarshan	3-10-84 (FN)
											Jalna	
12.	Shri R.V. Kher				,						AIR, Niggar	5-10-84 (FN)
13.	S ri R. S. B di .										DOK, Strigge	9-10-84 (FN)
14.	Sari Saktiaath Sarma										AIR, Guhti 🔻	8-10-84 (FN)
15.	Sari D. M. Kala .										AIR, A.nb.k mur	15-10-84 (FN)
16.	Sir Aju Kinir Siha										AIR, Kaima	17-10-84 (FN)
7.	Sari V. S. N gur							•			LPI, IV, Jaunsi	29-10-84 (FN)
18.	Suikiba Chulm Dis .	,									Alk, D brig ith	15-10-84 (FN)
19.	Sudanosa Judisa .				,•						C∃ (∃Z) Cılcutta	8-10-84 (FN)

J. D. BHATIA
Deputy Director of Alministration (E)
For Director General

#### CIVIL CONSTRUCTION WING

New Delhi, the 26th December 1984

No. A-19012/16/84-CW-I-3130—The Director General, All India Radio. New Delhi is pleased to appoint the following persons on promotions as Artt. Engineer (Civil in an officiating expectly in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/ at place and with effect from the dates shown against each:—

Sl No.	Name	Place of Posting	Date from which appointed
1.	Sh. Dharam Singh	EA to SE(C), CCW, AIR, New Delhi,	5/7/34 (F.N.)
2.	Sh. V.N. Vishnu	AE(O), CCW, AIR,	10/7/84 (F.N.)
3.	Sh. M.S. Mukherjee	EA 10 SE(C), CCW, AIR, Calcutta	13/7/84 (F.N.)
4.	Sh. A. Vijya Kumar	A to SE (C), CCW, AIR, Madras.	20/9/84 (F.N.)

<sup>2.</sup> Facin 1999 natural is governed by the terms contained in the order of promotion bearing No. A-32014/1/84-CW-I, dated 4-7-84 and No. A-32014/1/83- CW-I, dt. 12-12-83.

S. K. MOHINDRA
E.O. to Chief Engineer (Civil)

For Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-400 026, the 18th December 1984

No. 1/2/64-Est. I.—Consequent on attaining the age of superannuation Shri Nishith Banerjee, relinquished charge of the post of Deputy Chief Producer, Eastern Regional Production Centre, Films Division, Calcutta on the atternoon of 30th November, 1984.

The 21st December, 1984

No. A-20012/14/75-Est I.—Shri S. P. Laulkar, Permanent Asstt. Maintenance Engineer in Films Division, Bombay nas

been appointed to officiate as Maintenance Engineer on ad-hoc basis on a pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-33-800-40-1000-EB-43-1200 with effect from the forenoon of 28th November, 1984.

V. R. PESWANI Asstt. Administrative Officer for Director of Administration

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 22nd December 1984

No .A-12026/3/84-Est.—The Director of Advertising and Visua ability hereby appoints Shri A. N. Adhikari, Distribution Assistant to officiate as Assistant Distribution Officer

on ad-hoc basis in this Directorate at New Delhi wef the forenoon of 1/10 December, 1/04 vice shri A. Madhavaswamy Assistant Distribution Officer granted long leave.

G. P. BHATTI Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 17th December 1984

No. A. 19012/7/84-S. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the cusnil Rumar Malnotia to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Mediater and Depot, Karnal with effect from the forenoon of 14th August, 1984 on an ad-noc basis and until further olders.

R. C. GULATI
Dy. Assistant Director (stores)

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 26th December 1984

No. M/Estt. II/5777.—Shri Arun Kumar Dattatrava Mokasni reimquished charge of the post of Asstt. Personnel Officer on 3-12-1984 FN consequent on Voluntary Retirement.

K, VENKALAKRISHINAN Dy. Establishment Officer

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 26th December 1984

No. DPS/41/3/83-Adm./33799.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Admic appoints Shri Shripad Gangadhar Panchabhai a permanent Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-50—740—35—880—ED—40—900 from 12-11-84 (FN) to 15-12-84 (AN) in the same Directorate vice Shri D. K. Roy, Assistant Accounts Officer granted scave,

Ref. No. DPS/41/9/83-Adm./33826.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Shaima, a permanent Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the state of pay of Ks. 650-30-/40-35-810-ED-35-660-70 (AN) or until further orders whichever is earlier in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR CENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delni, the 18th December 1984

No. A. 32013/1/82-FS—The President is pleased to continue the adnoc promotion of the following officers to the grade of Deputy Director, Controller of Accordance for a period of six modes, what effect from the date members against each or till the posts are fined on reality passed, whichever is earlier on usual terms and conditions:—

1. Sar. M.S. 10run.m · · · . . . From 16-10-84 to 15-4-85

2. San K. Prada kor Rao. . . . . . . . . . . . . From 11-11-84 to 10-5-85

3. Shei Kahasa Nafam . . . . . From 7-11-84 to 0-3-85

B. BHAUMIK

Assistant Director of Aumaistration.

#### New Delhi, the 21st December 1984

No. A. 32013/4/83-E1.—The President is pleased to appoint in 1. P. daws in the post of deputy director (Research & evelopment) in the Research & development directorate of e Civi Aviation department on regular basis w.e.f. 18th ecember, 1984 and that further orders.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Auministration

# DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th December 1984

> A. C. SALDANHA Director General of Inspection

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th December 1984

No. 27-EE, R(13)/70-EC II.—It is notified for general mormation that Shri A. Rajagopal, Executive Engineer E working as Surveyor of Wolks (Elect.) in the office of the superintending Engineer, Madras, Central Electrical Circle, PWD, Madras expired on 12th August, 1984 (12-8-1984).

LACHMAN DASS Dv. Director of Administration For Director General (Works)

## MINISTRY OF INDUSTRIES & COMPANY AFFAIRS

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s inaia Tracing (1101uings) Limited

Shillong, the 26th December 1984

No. Tech/R/560(3)/1257/4234.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1950 that at the experience of three monhis from the date nereof, the name of M/s India Trading (reduned) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck out the Register and the said Company will be dissolved.

Registrar of Companies
Assam, Mgchalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh and Mizoram, Shihong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Marble Finance Private Limited

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 1119/PS/CP/4458.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Marble Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s The Dewas Senior Transport Services Private Limited.

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 753/PS/CP/4459.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 500 of the Companies Act, 1950 that the name of M/s The Dewas Senior Transport Services Private Limited has this day been surek on the Register and the same Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Geentanjali Invesiments Private L.m t.d

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 1564/PS/CP/4460.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (2) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Geentanjali Investments Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Compan'es Act, 1956 and of M/s. Divya Industries Private Limucd.

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 1563/PS/CP/4461.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s D'vya Industries Pr'vate L'mited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Pam Machinery Private Limited.

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 1729/PS/CP/4462.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Pam Machinery Private Limited has this day been struck-off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.-Sir J. P. Srivastava and Sons (Biopal) Pvt. Ltd.

Gwalior-474009, the 26th December 1984

No. 567/Ps/CP/4464.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sir J. P. Srivastava & ons (Bhopal) Pvt., Ltd., has this day been struck-off the Register and the said company is dissolved.

S. KARMAKAR Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwahor

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 28th December 1984

No. F. 48-Ad (AT)/1984.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as a ssistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Banches, Bombay for a period of 3 months from 1-6-1984 vide this office Notification No. F. 48-Ad (AT)/1984, dated 27th Ju'y, 1984 is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period from 1-9-1984 to 25-10-1984.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Na ayanan a claim to regular appointment in the grade and the service rende ed by him on ad-noc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA.
President

(1) Mrs. Hameda Haji Hassan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhudevi Deshbandhu Hinger.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4548/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mate valle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1, The Vile Parle Beacon Co. Op. Society Ltd. Plot

No. 509 Azad Road, V le Parle East, Bo nbay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Induster with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the waid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dare of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the savi Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, The vile Parle Beacon Co.ob. Hsg. Soc. Ltd.. Plot No. 509, Azad Road, Vile Parle (E). Bombay-400055, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4548/83-84 on 2-4-1984.

> LAXMAN DAS Compet n Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-7I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-12-1984

Seal:

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4552/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 7, Kamal Kuni, Vile Parle (Fast), Subhash Road. Opp. United Ink Factory, Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schodule annexed hereto) has been transferred and the agreement is reg stered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. S. J. Construction.

(Transferor)

(2) Shri Avadh Narayan Shriram Pandey.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Kamal Kuni, Vile Parle (East), Subhash Road Opp. United Ink Factory. Bombay-400 057.

The agreement has been regittered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4552/83-84 on 3-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4576/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, 3rd floor, 'Minoo Apartment' Nanda Patkar Rd... Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for in apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

71-416GI/84

(1) M/s, Minoo Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Radhye Mohan Bhotand and Mr. Man Mohan Bhoot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor 'Minoo Apartment' Nanda Patkar Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4576/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 3-12-1984

(1) M/s. Sunil Trading Corpon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Press Parts & Compounents combined.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4605/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (herematter r f rred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Ind. Unit No. 96 at Ratnajoyot Ind. Estate Irla Lane, Irla, Vile

Parle, West, Bombay-400 056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the agreement a regular distribution office of Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12 4 1984

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXX of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 96 at Ratnajyot Ind. Estate, Irla Lane Irla. Vile Parle, West. Bombay-400 056,

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4605/83-84 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Panage 1. Bombay

Date: 10-12-1984

(1) Mr. Daulatram Lilaram Mahtani.

(Transferor)

(2) Mrs. Ravinderkaur Gurdayal Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4619/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the 'competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable acceptance of the said Act of the said Act of the reason to believe that the immovable acceptance of the said Act property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 80, 3rd floor, Ratna Jyot Industrial Estate Irla Lane, Vile Parle, Bombay-400 056 (and more runy decembed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is regulared under Section 269AB of the Income-(ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 80. 3rd floor. Ratna Jyot Industrial Estate. Irla Lane, Vile Parle, Bombay-56. Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4619/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

Seal:

FORM TINS-

(1) M/s. Savani Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF\_1961)

(2) Shri Ashokkumar Kanyalal Sharma.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4620/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (becemafter referred to as the said Act ), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 8 in building known as Shirin Sohrab Palace at Plot No. 225 Nariman Road, Vile Parle (Eas.), Bombay-400 057 (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and (or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8 in Building known as Shirin Sobrab Palace at Plot No. 2.25 Nariman Road, vile Pane (E), Bmobay-57. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4620/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-12-1984

(1) M/s. Savani Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra G. Kanakia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4621/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Shop No. 5 in building known as Shirin Sohrab Palace at Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057 (and more tully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competen Authority at Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid propercy, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said **▲**.-half have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any gnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 5 in building known as Shirin Sohrab Place, at plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registtred by the Competent Author ty, Bombay under No. AR.II/37EE/4621/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Par-Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :--

Date: 3-12-1984

Seal:

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4624/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 5, Ground floor, Naval Palace, Parle (East). Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-persons, Lamely:—

(1) M/s. Nemchand Kasurchand Builders.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Valayathur Sabjan Amirjan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Naval Palace, Parie (East). Bombay.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4624,83-84 on 13-4-1984.

LAXMAN DAS
Commetent Au hority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Aspee Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Mattevs Peter Fernandes.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4645/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 202, Nand-Deep, 2nd floor, Chakala, Tarun Bharat Co.op. Housing Society Road, Vile, Parle (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1984

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be a transfer as agreed to between the parties has not be a transfer with the object of of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any means to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1937) (27 of 1957); 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Nand-Deep, 2nd floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co.op. Housing Society Road, Vile-Parle (East). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4645/83-84 on 16-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dăte: 10-12-1984

Seal :

(1) Shri Manilal Devchand Chauhan.

(Transferor)

(2) Shri Govind Karsan Soni.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4660/83-84.—Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 21, Shainath Shopping Centre Dashrathial Joshi Rd. Vile-Parle (East), Bombay-400 036 (and more tune described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Au.hority at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 21, Shainath Shopping Centre, Dashrathial Joshi Rd. Vile Parle, West, Bombay-56.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4660/83-84 on 1-4-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 10-12-1984

Seal ;

PART TILL—SEC. 1]

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-. SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/4671/84-85.--Whereas, I.

Ref. No. AR.II/37EE/4671/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as it: said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing Flat No. 2, 4th floor, "Joshiwadi" Junction of M.G. Hanuman Road, Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement in reciptored under

has been transferred and the agreement is registered under Sect on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transter; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

72--416GI/84

(1) Mr. Rajmal Poonamchand Shah.

(Transferor)

2101

(2) 1. Smt. Shakuntala Mukundlal Shah. 2. Mr. Mukundlal Narayandas Shah.

(Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

.THE SCHEDULE

"Flat No. 2, 4th floor of "Joshiwadi", Junction of M. G. Hanuman Road, Vile Parle (East), Bombay-57.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/4671/85-84 on 21-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Inco. 1 x
> Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

## (1) M/s. Pragati Corporation.

(Transferor)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. H. D. Nariman & Sons.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref No AP 11/37EE/4720/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being a spetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and braring

Unit No. 62-63, 2nd floor, Ratna Jyot Industrial Estate, Irla Gauthan, Vde Parle, West, Bombay-400 056 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-4-1984 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Unit No. 62-63, 2nd floor Bldg. No. Ratnajyot Ind. Estate C.T.S. No. 744, 'Part'. Irla Gauthan, Vile Parle, West Bombay-4000 56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/4720/83-84 on 27-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renne-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date: 6-12-1984

Seal !

(1) M/s. Manish Vijay Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Chetanial L Bhakat & Shri Dalavati C. Bhagat.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;

Bombay, the 6th December 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/5175/83-84.-Whereas, I,

EXPLANATION: --- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said AcL shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. D/506 Manish Park. Rajmata Jijabai Road, Pump

House, Andheri (East), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 3-4-1384

LAXMAN DAS,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair\_market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D/506, Manish Park, Rajamata Jijabai Road, Pump

House, Andheri (East), Bombay-400069.

The agreement has been register d by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/5175/83-84 on 3-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 6-12-1984

Seal:

FORM ITNS ---

(1) M/s. Noble Metal Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs. Ashvin Plastic Corporation.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11606/83-84.---Whereas, I. LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. B/6, Hind Saurashtra Indl. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri East, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269As of the Licome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. B/6 Hind Saurashtra Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11606/83-84 2-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11604/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

'Millatnagar' Alarafat, 5th floor, Flat No. 3, Oshiw a, Andheri (Wast). Bornhay 58

(West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent, Authority at

Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

(2) Shri Syed Muzaffershah Kadri.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Millatnagar' Al Arafat, 5th floor, Flat No. 3 Oshiwara. Andheri (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11604,83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Rombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-12-1984

30-4-1984.

#### FORM 1TNS-

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

'Ref. No. AR.II/37EE/11610/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Fiat No. 2 ground floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 14 in Bnawani Nagar situated at Marol Maroshi Roau, Andheri (East), Bombay-59

(and more july de c ibed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section, 265A, on the intermediax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1984

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nfieen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Antony Joseph Fernandes; and Shri Gloria Carmine Fernandes.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this nonce
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor of building No. 3 on plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Computer Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11610/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings to the course of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1984

Seal:

FORM TINS

(1) M/s. Deepaa Banders r'vi. Lad.
(2) Shri Anil Suryakant Deshmukh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOLE-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11611/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saul Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing: Flat No. 11 on 3rd floor of building No. 4 on plot 12 in Rhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059, (and-mora failly described to the Cold of the Cold of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subjection, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 3rd floor of building No. 4 on plot No. 12 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/11611/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Popular
Bombay

Date 12-12-1984

(1) M/s, Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri M. Prabhakaran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11612/83-84.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. II on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 16 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Rd. Andheri (East),

Bombay-400 059.

tand more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bonibay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be weep the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any mecone arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 16 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Rd. Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11612/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 12-12-1984

2041

# FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Chitranjan Prasad Agarwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR-11/37FE/11613/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 5 on 1st floor of building No. 5 on Plot No. 13 in Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2.4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

73-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor of building No. 5 on Plot No. 13 in Bhawari Nagar at Marol Maroshi Rond, Andheri (East). Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/11613/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-cax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 12-12-1984

Soul ;

FORM ITNS----

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri T. P. Radhakri Shnan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11616/83-84.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

and braving. Flat No. 14 on 3rd floor of Building No. 13 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-

400 059,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reg stered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the sons deration to such opparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act up record of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette of a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 3rd floor of Bldg. No. 6 on Plot No. 13 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11616/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1984

Scal:

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Revathi & Mr. A. Rajagopulan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX

> ACQUISITION RANGE-II **B**UMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11618.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable to the competence of the competenc property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Flat No 102 1st floor of building No. 1 on Plot No. 18 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Rd. Andheri (East),

Bombay-400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in ne utice of

and /or;

the Competent Authority
at Bombay on 2-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otheral Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same comming as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor of Bldg. No. A on Plot No. 18 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Commercial Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11618/83-84 on 2-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

Date: 12-12-1984

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferot)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11646/83-84.--Whereas i, LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 703,

7th floor Bldg. No. 11 Village Oshhivara,

Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mr. Shaikh Arif Ahmed Mohd. Siddique,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wanchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nonce in the Official Causatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 703 on 7th floor of Building No. 11 forming part of Survey No. 41 of village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/11646/83-84 on 3-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11650/83-84.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit No. 17 Ground floor, Madhuban Ind. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093

(und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, as respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Balakrishna R. Gupta, & Shri Sitaram R. Gupta.

(Transferor)

(2) M/s. Perfect containers.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 17, Ground floor, adm. 799sft. Madhuban Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11650/83-84 on 5-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the selbewing persons, namely:

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

R°f. No. AR.II|37EE|11670|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 5, ground floor, Saroj Apartment, At Vill. Mulgaon, Mahakali Caves Road, Andheri, Bombay-099 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Ms. Sahakar Builders.

(Transferor)

(2) Shri Shivmurthi Rajaram Mahar.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act while here the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor, Building Sarol Apartment, at @7 CTS No. 13|37|2 at Village Mulgaon Mahakali Caves Raod, Andheri East, Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11670|83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS
Compare t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomertar
Acquisition Pange-II
Bombay

Date: 7-12-1984.

(1) Shri Sia Uddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Mr. Bashir Mahitab Sayyad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR II|37EE|1652|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 704, Bldg. No. 11 Al-Arafat S. No. 41 (Part) Osh wara Behind Bahram Baug, Oshiwara Jogeshwari (W)

Bombay-400058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Computer: Authority at Bombay on 6-4-1984 Bombay on 6|4|1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 704, building 11, A-1 Arafat, Survey No. 41 (Part) village. Oshlwara Behind Bahram Baug, Oshlwara Jogeshwari (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11652|83-84 on 6-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assi: ant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11663|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Unit No. 142, 1st floor, Damji Shamji Ind. Cemplex Mahal Ind. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri, East, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Damji Shamji & Sons.

(Transferor)

(2) Smt. Shantabai Chandrasen & Smt. Rashmi Mukesh Karia.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the used. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 142, on first floor in Damji Shamji Industriat Complex, Plot No. 28. Mahal Industries Estate, Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EF|11663|83-84 on 6-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pane-II
Bombay

Date : 7-12-1984.

FURM ITNS-

(1) Mr. Ziauddin Bukharl,

(Transferor)

(2) Mr. Gulam Mohiuddin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II[37EE|11667|83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Flat No. 203, Bldg. 11, 'Alarfai' S. No. 41 (Part) Village, Oshiwara, behind Bheram Baug, Jogeshwari (West) Rombay 400.058

Bombay-400 058, (and more funy, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more 'han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: 40d /45
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following semons namely :-74-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor of building No. 11 'Alarfal' Survey No. 4 (part) at village Oshiwara, behind B-heram Baug, Oshiwara, Jogeshwari (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11667|83-84 on 2-4-1984.

> LAYMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ux Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-12-1984.

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Umer Mohammed Kapadia.

may be made in writing to the underugned :---

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/1167/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25 000/- and bearing No.

No. Flat No. 302 on 3rd floor of Bldg. No. 11 forming part of 3. No. 41 of village Och ware behind Behram Baug, Jage-hwari (West), Bombay-400 058,

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-(ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this fictice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said introovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor of building No. 11 forming part of survey No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11677|83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-12-1984. Seni :

FURM ITNS-(1) Shri Ziauddin Bukhari.

(Trausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Syed Shahid All.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11678|83-84.---Whereas, I. LAXMAN DAS

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 602, 6th floor, Bldg. No. 11, Type 'A' Vil'age Oshivara, Hamara Ghar Co-op. Soc. Ltd. Jogeshwari (West)

Bombay-400 058, tand more unit described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-.ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) acilitating the concealment of any income or any noneys of other assets which have not occur of which ought to be disclosed by the transferee of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze, to.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Building No. 11-A, Village Oshiwara, Hamara Char Co-op. Society Ltd., Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Autho ity, Bombay under No. AR.II|37EE|11678|83-84 on 7-4-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
> Acquisition Page-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-12-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11680|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Flat No. 5 at Vinceta 'B' Bldg. at Chakala, Dr. Charat

Sing Colony Road, Andheri (East), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shashi Properties & Industries Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Abraham Clamant Lobo.

(Transferee)

(3) Transferor.

Transferee.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thm notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 on Ground floor at Vinceta-B. Building at Charal Dr. Charat Singh Colony Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.JI/37EE/11680/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-12-1984.

Scar :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(2) Mr. Abdul Hamid Suleman Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11686|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 701, 7th floor of building No. 12 (A-12-701) Forming part of Survey No. 41 (Part) of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Bombay on 7-4-1984

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 42 respect of any income arming from the transferi und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 701, on 7th floor of building No. 12 (A-12-701) forming part of survey No. 41 (Part) of village O-h'wa-a, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 958.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11686|83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pane-II
Bombay

Date: 7-12-1984.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Vindo Waman Vaidya & Varsha Vinod Vaidya. (Transferce)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11734|83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 0) 1901) (hereinatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the ammovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor of Building No. 1 on plot No. 6 in Bhawani Nagar s tuate at Marol Marochi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

(and moletum discussed in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 3rd floor of building No. 1 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11734|83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commiss Acquisition Range-U Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 12-12-1984.

Scal:

(1) Babu Laxman Naik.

(Transferor)

(2) Vikas Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No Ak.11137EE(11750/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Completed Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Land with structures bearing S. No. 480 and 48011 to 8 at Village Gundard's at Telly Gally Cross Lane, Andheri (East), Bombay-400 058,

bed in the Schedule annexed hereto), (and may has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at

Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the a oresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with structure bearing C. S. No. 480 and 180 1 to 8 a: Village Gundavali at Telly Gally Cross Lane, Andheri (East), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11750|83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pance-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-12-1984,

FURM IINS-

(1) Smt. P. A. Mallapur.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay P. Adkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11769|83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Incommittae Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value vexceeding

25,000|- and bearing
No. Flat No. 6 on 1st floor building No. 4 Plot 7, Bhawani
Naco Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay400 059.

(any more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom -tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforese'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds, the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-uax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followme persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 on 1st floor Bldg. No. 4 Plct No. 7 Bhawani Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under No. AR.II|37EE|11769|83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-12-84

FORM HINS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Mohd, Munir Khan.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'S OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY** 

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II[37EE]11771|83-84.--Whereas, I.

LAXMAN DAS

b (Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Pable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|- and b-aring No. Bldg. No. 12-A, Flat No. 304 Miltat Nagar, 3rd floor, S. No. 41 (P) Oshiwara Village, Jogeshwari (West)

Bombay-400 058, (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which we be nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

75-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4° d o in different upublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building No. 12-A, Flat No. 304, Millat Nagar, 3rd floor, Oshiwara Village, Jogeshwari (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11771|83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Panne-II Bombay

Date: 12-12-1984.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ansari Siral Ahmed Mohd. Amin.
(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Otherai Gazette or a period of 30 days tross the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

# ACQUISITION RANGE-II,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 7th December 1984

EXPLANATION: .... The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives

in that Chapter.

Ref. No. AR III/37EE/11772/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing No. Bldg. No. 11-A, Flat No. 103 Millat Nagar. 1st floor, Survey No. 41 (Part) Oshiwara Village, Jogeshwari (West), Bombay

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter ro-

ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the

and 'he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 9-4-1984

parsons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

Aoresald property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

THE SCHEDULE

Bldg. No. 11-A, Flat No. 103 Millat Nagar, 1st floor. Survey No. 41, Oshiwara village, Jogeshwari (West) Bombay.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11772|83-84 on 9-4-1984.

ate : 7-1

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission Competent
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-12-1984,

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Syed Mumtaz Ali.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUILITION RANGE-II, **BOMBAY** 

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11784|83-84.-Whereas, I. LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 502, 5th floor Bldg. No. 11 S. No. 41 of village Oshivara, Behind Beheram Baug. Jogeshwari,

(W), Bombay-400 058,

creating accepted in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 12-4-1984

bollowy of 12-1-13-15 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the alo said p operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

·low therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

# THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor Building No. 11 forming Part of Survey No. 14 of village Oshivara, Behind Baheram Baug, Joge-hwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 11784 83-84 on

12-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-12-1984.

(1) Mr. Sia Uddin' Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Alimiyan Ismail Kasu

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11785/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 004 on our moor of Bldg No. 11, forming part of
S. No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeahwari Bombay-400 058,
(and more Jully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-4-1934.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this is tice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor of building No. 11, forming part of survey No. 41 of village oshiwara behind behram Baug, Jogeshwari, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11785/83-84 on 12-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal -

(1) Mr. Zia Uddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Sabir Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. AR.II/37EE/11786/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 202, 2nd floor Bldg No. 11 Oshiwara Behram Baug, Incompany of the Competence of

Jogeshwari (West) Bombay-400 058,

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent

Authority, at Bomoay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202, 2nd floor building No. 11, Oshiwara Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11786/83-84 on

2-4-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-12-1984

# (1) Mr. Ziauddin Bhukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Abdul Quder Mohiuddin Mulla

be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11787/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immosphe property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 503, 5th floor of Bldg. No. 11, Alarfat, village Oshiwara, behind Benram Baug, Oshiwara, Jogeshwari (West) Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority

at Bombay on 12-4-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a that the fair market value of the property as aforesaid seeds the apparent consideration therefor by more than 15th in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor of Building No. 11, 'Alarfat' Oshiwara, Behind Behram Baug, Oshiwara, Jogeshwari (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11787/83-84-01-12-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Incom^-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I be reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

(1) Mr. Zlauddin Bhukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ibrahim Mahmed Barday

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-1AX,

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11791/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 201 on and moor of Bldg No. 11 S. No. 41 of village oshiwa a behind Behram Baug, Jogeshwari (West),

Bontoay-400 058.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Hombay on 12-4-1984

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapte NNA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the lineflity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax &c. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, on 2nd floor of building No. 11 forming part of survey No. 41 of village Oshiwara behind Behram Baug Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11791/83-84 on 124 1084

12-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date ; 7-12-1984

Scal:

(1) Miss Ratni Naraindas Khemlani

(Transferor)

(2) M/s. Pusho Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11797/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing

Unit No. B/102, 1st fl. Hind Saurashtra Ind. Estate, Andheri East, Bombay 400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-18x Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property They be made in writing so the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. B/102, 1st floor, Hind Saurashtra Ind. Estate.

Andheri Kurla Road An neri East. Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11797/83-84 on 12-4-04.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Incom-tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) Sterfil Laboratories

(Transferor)

(2) Popular Plastic Industries.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11804/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 25,000 - and bearing

Unit No. 8 at Adarsh Industrial Estate, Chakala Road, Andheri East, Bombay-400 093.

at Bombay on 13-4-1984
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
Bombay on 13-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) and Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-76-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable pi p ity, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act source the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 8 at Adarsh Industrial Etate, Chakala Road, Andheri East, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11804/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11805/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

thing the Competent Authority under Section 289B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Shop No. 6, Mubarak Manzil Saifee Park, Marol Bombay-

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fi'teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Nitin Kumar Gunvantalal Shah
- (Transferor) (2) Mulla Fakurddin Kederbhai Gheewala.
- (Transferec) (3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6. Mubarak Manzil, Saifee Park, Marol, Bombay-400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11805/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Chemicals & Aromatics

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) M/s. Shasmin Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11813/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Industrial Ont. No. 18, Mistry Industrial Complex Premises Co-op. Society Ltd. Village Mulgaon, 7eh. Andheri

(and more turly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

& BOHIOAY OH 13-4-1704

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than niteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 18, Mistry Industrial Complex Premises Co-operative Society Ltd; Village Mulgaon, Tehsil Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11813/83-84 on 13-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(1) Smt. Minakshi J. Shah & Shri Jayant M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Nasima Usman Surti

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

# ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11818/83-84.—Whereas, 1, 1.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 44 & 45, 'F' Building, 2nd Floor, Nanddham I. E a e, Ma o is a osai koad, Ori Kurla—Andheri Rd. Andheri (E), Bombay-59

(and more runy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12 4 1004

Bombay on 13-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 44 & 45, 'F' Building, 2nd 'Floor, Nanddham Industrial Estate, Marci Marcahi Road, Off Kurla Andheri Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11818/83-84 on 13-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Parte : 10-12-1984

Book 5

### FORM IINS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shahtaj Saifce Zadhe

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION PANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11824/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 703 on 7th floor of Bldg. No. 3, Oshivara, Bonna Bonnam Bang, rogeshwart (West) Bombay-50 (and more fully described in the Schedule and xon pereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 703, 7th floor of Bldg. No. 3 forming part of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug. Jogeshwari West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11824/83-84 on

13-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1984

(1) Mr. Zauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Farah Saifeezadehe

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11826/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Compétent Authority under Section 269B of the Income (ax 2001, 1901 (45 of 1901) (hereinaiter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable proper flaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 704, Bldg. No. 3, Village Oshivara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58 (and more runy observed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Second 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bomouy on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 195/):

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter  $\lambda\lambda A$  of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, Bu'ldign No. 3, Forming part of S. No. 41 behind Bahram Baug, Viliage Oshivara, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay undre No. AR.II/37EE/11826/83-84 on 13-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Ilyas Parvez

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11827/83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 301. 3-d floor Bldg. No 5. Forming Part of Survey No. 41 of Village Chiung Bahind Baham Part

Survey No. 41 of Village Oshivra, Behind Behram Baug,

Jogenhwari West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets' which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor Bldg. No. 5, Forming Part of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Behram Baug,

Jogeshwari West. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11827/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitino Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

Seal ;

#### FORM TINS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Abdul Razzaque Ibrahim Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11843/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 702 7th floor of Bldg. No. 12 Survey No. 41 of Village Oshiwra behind Behram Baug, Jogeshwari, (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-4-1984

Bombay on 15-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the provider them to be the consideration the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by anv of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said A.t. in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 702 7th floor of Bldg. No. 12 Survey No. 41 of Village Oshiwra behind Bthram Baug. Jogeshwari (West), Bompay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/11843/83-84 on 15-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitino Rang-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 7-12-1984

#### (1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdulhami Ismail Shaikh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11850/83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.0001- and braring No Flat No. 662, 6th floor of Bldg. No. 12, Village Oshiwara, B n n B n am Baug, Jogeshwari West, Bombay-400 058. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-4-1984

Bombay on 15-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 77-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor of Bldg. No. 12, Survey No. 41 of Village Ohiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11850/83-84 on 15-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitino Rang-II, Bombay

Date , 7-12-1984

Scal :

(1) M/s Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Balkrishna Hargovind Acharya

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 3rd Decmeber 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11853/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. 201, 2nd floor, Vidyadani Co-operative Housing Society. Sahar Vil'age, Andheri (East), Bombay-400 069.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to our tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough, to be disclosed by the transferee for the nurposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd 'floor, Vidyadani Co-operative Housing Society, Sahar Vihage, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11853/83-84 on 16-4-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-12-1984

Scal :

(1) M/s S. A. Contractor & Co...

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR.11/37EE/11854/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that 'he iminovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 3, ground floor, Snehdhara Bldg. Jivan Vikas Kentan, Kona, Ananon Last, Bombay-400 069.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. on 209AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as inforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; TO\DOS

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(2) Mrs. Banu Shabbir Sanchawala.

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offic al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Snehdhara Bldg, situated at Jivan Vikus Kendra, Road, Andheri East, Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11854/83-84 on 16-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-12-1984

FORM I.T.N.S. -

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Surinderpal Kadarbans.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11855/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematical relegical to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Fig. 180, 210, 2nd 16.01, Vidyadani Co.op. Housing Society Sahar Village, Andheri (East) Bombay-400 069, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1941. In the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1984 for an apparent consideration which is less han the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incompetax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 210, 2nd floor Vidyadani Co.op. Housing Society, Sahar Village, Andheri (East) Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.Ji/37EE/11855/83-84 on 16-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1984

Scal:

(1) M/s. Indico Construction Co.

(2) Mr. Valerian Anthony D'Souza,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACI, 1961 (43 ÚF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11856/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat No. 405, 4th floor, Vidyadani Co-op, Housing Society, Sauar Vullage, Andueri (Eust), Bounday-09, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometex Act, 1961, 11 the office of the Competent Authori'y at Bombay on 10-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957); (Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fita No. 405, 4th floor, at Vidyadani Co-op Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11856/83-84 on 10-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1984

FURM LINS-

(1) M/s. Indico Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. I. P. Chhbria & Mr. S. M. Patel.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37FE/11857/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-

and bearing
Flat No. 407, 4th floor, Vidyadani Co-op. Housing Society,

Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by 285 H2 at the nati section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette-or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, · whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor, Vidvadani Co-operative Houving Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11851/83-84 on-16-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-12-1984

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. G. Sekar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No AR.II/37EE/11862/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Au, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Rajendra, Plot No. 57, Tarun Bharat Society Road, Sahar Road, Chakala Andheri (East), Bombay-400 069

(and more tully described in the Schedule annexed hereto)
has been found and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Compani Audienty at Bombay on 11-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere of the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Rajendra, Opp. Plot No. 57, Tarun Bharat Society Road, Sabar Road, Chakala, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11862/83-84 on 11-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely .--

Date: 10-12-1984

(1) Shri Charaniit Singh G. Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Krishanchand Dhingra.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th December 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE/11871/83-84.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Unit No. 1, Gr. Floor. 'B' Block. Nand Jyot Indl. Estate, Kurla, Andheri Road, Bombay-400 072

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thin afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; mod/or

Unit No. 1, Ground Floor, B-Block, Nand Jyot Industrial Estate, Kurla Andheri Road, Bombay-400 072.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11871/83-84 on 16-4-1984.

Act, 1957 (27 of 1957):

with the object of :---

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

Scal:

- (1) M/s. Omex Builders & Contractors.
- (Transferor)
- (2) Mr. N. Pinchumani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11872/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing
Flat No. 103, 1st floor, Rajendra Co.op. Housing Society
Ltd., Chakala, Andheri (East) Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the office of the Competent Authority at Bombay on 16-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---78-416GI/84

Date: 3-12-1984

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Rajendra Co.operative Housing Society, Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11872/83-84 on 16-2-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

(1) M/s Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Santamma Karunakaran.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11874/83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing Flat No. 104, 1st floor, Rajendra Co. operative Housing

Rajelitia Co. Operative Housing
Society at Chakala,
Andheri (East),
(and more turn described in the Schedule annexed hereto),
has been tran ferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein n are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Flat No. 104, 1st floor, Rajend'a Cooperative Housing Society at Chakala, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Anti- Bombay under No. AR. II/37EE/11874,83-84 on Competent 16-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-12-1984

Scal :

(1) M/s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Mr. M. M. Cherian.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

## Ref. No. AR.II/37EE/11875/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and

bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, Rajendia Co. operative Housing Society at Chakaia, Andneri (Last)

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which pught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used berein as are defined in Chapte XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 201, 2nd floor, Rajendra Co-overative Housing Society, Chakala, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11875/83-84 on 16-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-12-1984

Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons namely:-

(1) M/s Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Mr. Harish R. Desai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR,II/37EE/11879/83-84,--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. Flat No. 412, 4th floor, Vidyadani Co.op. Housing Society, Sahar village, Andheri (East), Bombay-400 069, [and more tuny described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bombay, on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than hiveen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee that the purposes of the Indian income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act to be a very the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

"Flat No. 412 on 4th floor, Vidyadani Co.operative Housing Society, Sahar Village, Andheri (East), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competents Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11879/83-84 on 16-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3 12-1984 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Salman Khiil Mulla.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11886/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 103 on 1st floor of Building No. 5, S. No. 41 of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 50 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- "(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accountion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor of Building No. 5, forming part of Survey No 41 of Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11886/83-84 on 17-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11888/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 604, Building No. 6 Village Oshiwara, Behram Baug

Village Osniwara, Henram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058, (and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be duclowed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice , under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) Qureshi Abdul Gaffar A.S.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

"Flat No. 604, 6th floor of building No. 6. Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARall/37EE/11888/83-84 on 17-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of I Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-12-1984

(1) Sushil K. Marwah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Universal Luggage Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Bombay, the 7th December 1984

publication of this notice in the Official Gezette.

Ref. No. AR.II/37EE/11915/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000 '- and bearing Unit No. 12 Marwah's Ind. House, Marwah Estate. Saki Vihar Rd. Powai, Bombay-400 072.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Comp-tent Authority at Bombay on 19-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i--

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay this under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 12, Marwah's Industry House, Marwah Estate, Saki, Vihar Road, Powai, Bombay-400 072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11915/83-84 on 19-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Lecome-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Dato: 7-12-1984

Soal:

(1) M/s. Sahakar Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madanlal Sohanlalji Singhvi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No.AR, II | 37EE | 11920 | 83-84. - Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Shop No. 2, gr. floor, in Bldg. Apartment, at property braning CTS 13|37|2 at vill. Mulgaon, M. Caves Rd. Andheri
East, Bombay-400 099

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 21st April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to say tax under the in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) with aid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, in Bldg. Saroj Apartment, at Property bearing CTS No. 13/37/2, at Village Mulgaon, Manakali Caves Rd. Andheri (Ea t), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/11920/83-84 on 21-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No.AR.II|37EE|11922|83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the un-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 302, 31d floor of Bldg. No. 4 forming part of survey No. 41 of Oshiwara village, behind Behraum bang, Jogeshwari (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21st April 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said see in respect of any income arising from the transfer; and / Or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons paraely '----

79-416GI/84

(1) Mr. Ziauddin Bukkhari

(Transferor) (2) Mrs. Zubalda Wlo Abdul Razak Munshi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor of building No. 4 forming part of survey No. 41 of Osbiwara village, behind Behraum baug Jogeshwari (West), Bomboy-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11922|83-84 on 21-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bounbay

Date: 7-12-1984

٠ لرمينې

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transfeor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Fakih Abus Sattar Hajtay

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No.AR.II|37EE|11923|83-84.—Whereas, 1 LAXMAN DAS,

being the Compe ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Flat No. 303 on 3rd floor Block No. 4, S. No. 41 of O hiwara village behilned Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21st April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 3rd floor, Block No. 4, Survey No. 41 of Oshiwara village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb y under No. AR.II|37EE|11923|83-84 on 21-4-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II
Bombay

Date: 7-12-1984

Sen!

#### FORM I.T.N.S.-

## (1) Mr. Zieuddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shoeb Ahmed Najmuddin Kazi

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/11926/83-84,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 4961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 104, 1st noon of bldg. No. 4 forming part of S. No. 41 of Oshiwara village, behind Behram baug. Jogeshwari (West) Bombay 400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21st April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor of building No. 4 forming part of Survey No. 41 of Osluwara village, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11926|83-84 on 21-4 1984.

LAXMAN DA9
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Dare: 7-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

#### (1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Shri Khanjar Mohd. Anwer

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No.AR.II[37EE]11927[83-84.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 403, Bldg. No. 11, Survey No. 41 of Village Oshibehind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 Ó58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19th April 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the p was has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given In that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor of Bldg No. 11 forming part of Survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bomoay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|11927|83-84 on the Competent 19-4-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of section 2000 of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

(1) M|s. Damji Shamji & Sons.

(Transferor)

(2) Simran Kulmer Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IJ, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II|37EE|11928|83-84,--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. Unit No. 143, 1st fl. Damji Shamji Ind Estate, Complex, Fig. 100, 28, Wanal Ind. Estate, Manakali Caves Rd. Andheri

East, Bombay.

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19th April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1. Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 days 11000. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Unit No. 143, first floor, Damji Shamji Industrial Com-

plex Plot No. 28, Maha! Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II 37EE 11928 83-84 on 19-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bognbay

Date: 7-12-1984

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mr. Irahad Ali Raza Ali Saiyed

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11942/83-84.—Whereas. I, LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act ) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 504 on 5th floor of Bldg. No. 6 forming part of
S. No. 41 of Villag: Oshiwara Benind Dehram Baug, Jogeshwari (East), Bombay-40.0.8.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19th April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer BENEFOR
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by, any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same forwaing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 504 on 5th floor of Bldg. No. 6, Village Oshivara Behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Comp tent Authori'y, Bombay under No. AR.II/37EE/11942/83-84 on 19-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax A.quisition Range-II Bombay.

Date: 7-12-1984

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Rosario D'Zouza & Mrs. Erizabeth - Louza.

(Transferor)

(2) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 3rd December 1984

Ref No. AR.II/37EE/11944/83-84.--Whereas. I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Fat No. 4, 1st floor of Bldg., No. 2 on plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b's facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresard property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following ersons namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor of Bidg., No. 2 on Plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059. -

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE 11944/83-84 on 19-4-1984.

> LAYMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 3-12-1984. Seal:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swaran Kaur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11947/83-84.--Whoreas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsifter referred to as the said Act.), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 14 on 3.d floor of Bldg No. 4 on plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East,

Bombay-400 059.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Broody n 2.3.4 .8.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 3rd floor of Bldg No. 4 on plot No. 12 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has ben registered by the Cmpeten Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/11947/83-84 on 20-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1984 Seal:

## FORM ITNS----

(1) Shri R. Ananthakrishnan.

(Transferor)

(2) Hasmukh Rajmal Sanghyi, NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11958/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|and bearing

Flat No. 4 Building No. 2. Laxmi Estate Co. op. Housing Society, L'd., Verma Nagar, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the stad insurument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said and, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--80-416GI/84

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 Building No. 2. Laxmi Estate Co. op. Housing Society, Ld. Vilma Nagar, Old Nagardas Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has ben registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11958/83-84 on 21-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date : 10-12-1984 Seal ;

## FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11983/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income Lax Act, 1961 (43 of 1961) there natter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 25.000/- and bearing No.

Indl. Gala No. 31, Sarvodaya Indl. E-tate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay 400 093.

transfer with the object of :-

tand more fully escribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed a between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection ( ) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

(1) Maharashtra Plastic Processing Industries. (Transferor)

(2) K. Ashok Rai (for and 'o half of Shratron Electronics Pvt, Ltd; Prop.)

(Transferee)

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Gala No. 31. Sarvodava Indl. Estate, Mahakali Cavet Road, Andheri (East), Bombay 400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, B mibay under No. AR.II/37EE/11983/83-84 on 21-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang -II Bombay.

Da'e :10-12-1984

Scal:

(1) Mr. Sia Uddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Shaikh Abdul Rehman Allahbaksh.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.11/37EE/12033/83 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fiat No. 702. 7th floor of B.dg. No. 11, S. No. 41 of village,

Oshivara, Bosind Belram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1984

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alorsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arming from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax -Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Fat No. 702. 7th floor of Bidg. No. 11, S. No. 41 of village, Oshi ara, Bonind Belram Baug, Jogeshwari (W.s.), Bombay-

The agreement has bon registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12053/83-84 on 26-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang -II Bombay.

Date :7-12-1984.

Scal:

(1) Shri Sia Uddin Bukhari

(Transferor)

(2) Shri Farid Jumma Shaikh

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONS RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37II/12050/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DASS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the referred immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Fiat No. 603, bidg No. 11-A, 'Al-Arafat' Survey No. 41 (Part) Oshivra Village, Millat Nagar, Jogeshwari (West),

Bombay 400 058

(and more fully described in the Schedule anexed here o) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603, building No. 11-A, 'Al-Arafat', Survey No. 41 (Part) Oshivra Village, Millat Nagar, Jogeshwari (West) Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. AR.II/37EE/12050/83-84 on 26-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 7-12 1984

FURM 1.1.N.S.----

(1) Shri Zauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ansari Abdul Ahmed.

(Transforce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONS RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12051/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 303, Bldg. No. 5, Village Oshiwara, Behind Belram Baug, Jogeshwari West, Bombis/ 400 058,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombar on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian also me-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imasseable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chaptes.

## THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor of Bldg No. 5 forming part of Survey No. 41 of Village Oshivara, Behind Beiram Baug Jogeshwari (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/12051/83-84 on 26-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incominate
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) omi ziandom Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ahmed Jumma Shaikh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONS RANGE-II, BUMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12052/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Flat No. 101, Bldg. No. 12-A, 'Al-arafat', S. No. 41 (Part) Oshivra village, Millat Nagar, Jogeshwari (West) Bombay 400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and matthe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ieability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Building No. 12-A, 'Al-Arafat', Survey No. 41 (Part) Oshiwara Village, Milat Nagar, Jogeswari (West) Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Au harity, Bombay under No. AR.II/37EE/12052/83-84 on 26-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atwested property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Soal:

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Mr. Mohd. Iqbal Ahmed Niyan Elaskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONS RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/12082/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 502, Building No. 4, S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Benram Baug, Jogeshwari West, Bombay 400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any miscoss or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2697 of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sha'l have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor of building No. 4, forming part of survey No. 41 of Village Oshiwara, behind Behram Baug Jogeshwari West, Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12082/83-84 on 27-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Gobind K. Daryanani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Enbee Corporation.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/12094/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 106, 1st floor, Block 'B' Hind Saurashtra Ind. Estate, Andheri Kuria Road, Andheri (E) Bombay 400 059 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay-400 059.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes or the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectio 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made m writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning we given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 306, 1st floor, Block B' Hind Saurashtra Industrial ristate. Andheri-Kurla Road, Bombay-Andhri East-Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12094/83-84 on 27-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) Shri Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Shri Shamshad Ibrahim Tungeker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 7th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/12095/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the In-ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to b lieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 401, 4th floor, Bldg., No. 6, Survey No. 41, village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (West).

Bombay 400 058

formbay 400 038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property are aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind'an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from 'the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floot of building No. 6, forming part of survey No. 41 of village Osh wora, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay 400-058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12095/83-84 on

27-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

81-416GI/94

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Dr. Jaiprakash Khusaldas Sawlani

(Transferor)

(2) Shri Madanlal Laduram Bagaria

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR II/37EE/12152/83-84,-Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000/- and bearing
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 3 on 4th Floor in Bldg. No. 2 Manish Darshan,
Sahar, Andheri (East), Bombay-400 059
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

office of the Competent Authority at Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer me agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Not respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th Floor in Building No. 2 Manish Darshan on Plot No. S. No. 27, Hissa No. 4 & S. No. 29 H. No. 1, 7 and 5(Pt.) of Sahar, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. II/37EE/12152/83-84 on 13-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Ronge-II Bombay

Date: 10-12-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :---

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari
- (Transferor)
- (2) Mr. Shaikh Shafique

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-(AX,

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/12153/83-84.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor of Bu'lding No. 12 Survey No. 41,

Oshiwara, behind Behram Boug, Jakesnwari (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(h' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underagned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons. whichever period experes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are denued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 on 4th floor of Building No. 12 Survey No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/12153/83-84 on 15-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-12-1984

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

(2) Haji Niyaz Mord Ansari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY** 

Bombay, the 7th December 1984

AR. II/37EE/12166/83-84.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

be no one Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as one said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 604 on 6th floor of Bldg. No. 5 forming part of survey No. 41 Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari

(West), Bombay-58 (west), combay-sold (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trausfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 604 on 6th floor of building No. 5 forming part of survey No. 41 of village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (West) Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12166/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

7-12-1984 Date

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12167/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Fiat No. 4 on 1st floor of Bldg. No. 5 on Plot No. 15 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30-4-1>84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. as respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. Shamim Yacoob Rahee & Yacoob Rahee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor of building No. 5 on Plot No. 15 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (Fast), Bombay-400 059.

Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12167/83-84 on 30-4-1284.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-12-1984

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Shafiqali Hanifali Shaikh

(Transferor) (Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/12168/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing
Flat No. 14, 3rd floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 15 in
Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East),
Bombay 400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the east Act. in respect of any income arming from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 15 in Bhhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12168/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition P no II Bombay

Date: 12-12-1984

Scal:

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) John Pohn Baptist Sequeida.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bornbay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II]/37EE/12170/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1, on ground floor of Building No. 4 on Plot No. 18, in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road. Andheri (East). Bombuy-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between me parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, on ground floor of Building No. 4 on Plot No. 18, in Bhawani Nagar, at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59

The agreement has been registered by the Anthority, Bombay under No. AR. II/37EE/12170/83-84 on 30-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date: 12-12-1984

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Robert S. Martis.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12171/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 16 on 4th floor of Bldg. No. 1 on plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16 on 4th floor of Building No. 1 on Plot No. 14 in Bhawa i Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37RE/12171/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date :12-12-1984.

FORM I.I.N.S.--

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh B. Kotenkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

AR. II/37EE/12176/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

property having a tair market value exceeding Rs. 25 (M) and bearing No. Flat No. 9 on 2nd floor of Bldg. No. 4 on Plot No. 6 Bnawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059

(and more fully described in the scheme annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforepaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 2nd floor of Building No. 4 plot No. 4 plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East),

Bombay-400 059,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12176/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--82-416GI/84

Date: 12-12-1984 Scal:

- (1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mohammed Rivaz Siddiqui.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12177/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2nd floor of Building No. 2 on plot No 6 in Bhawani Naea- at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aron its as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in a spect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 2nd floor of Building No. 2 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar situate at Marol Maroshi Road, Andheri East Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12177/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Complete it Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :12-12-1984.

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

\_\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) Baij H. Tandle.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONL'R
OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR II/37EE/12178/83-84.—Whereas, I. LAAMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8 on 2nd floor of Bldg, No. 2 on plot No. 6 in binawan a dean detect at Marol Marosni Road, Andheri East, Bombay-400 059

(and more 14 by described in the Schedule annexed h reto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more therefifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on 2nd floor of Building No. 2 on plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andneri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Auth - v. Bombay under No. AR.II/37EE/12178/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competen, Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombav

Date :12-12-1984.

Scal:

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Charles Cutinho.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12179/83-84.—Whereas, I. LAAMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 11 on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 6 in Buawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East). Bombay-400 059

(and more any described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Action at Bombay on 30-4-1984

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; analor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11 on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheii East. Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12179/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date :12-12-1984. Seal :

#### FORM IINS----

- (1) Mr. Ziauddin Bukhari.
- (Transferor)
- (2) Mr. Ali Gafoor Khan Sargurom,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12180/83-84.--Whoreas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25(000/- and bearing

Flat No. 304 on 31d floor of Bldg. No. 2, Village Oshiwara, Jogeshwari (West), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent.

at Bombay on 30-4-1984

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor of Building No. 2(Al-Safa) Forming part of survey No. 41 of Village Oshiwara behind Behram Baug, Jogeshwari (West). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12180/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Date: 7-12-1984

Seal t

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Norbert Pereira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12181/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being me Competen. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Fiat No. 9 on 2nd floor of building No. 5 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andneri East, Bombay-400 059

(and more truly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par ies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any meome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with n 45 days to a the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 2nd floor of Building No. 5 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/12181/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

Date :12-12-1984.

OCAL

(1) Shri Ziquddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zubaida Moosa Bagdadi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12182/83-84.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Flat No. 503, 5th floor of Bldg. No. 2(Al-Safa) Village Oshiwara, Jogeshwari (West) Bombay-400 0.8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office 'of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor of Building No. 2 (Al-Safa) forming part of Survey No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram baug, Jegeshwari (W st., 11 mb. y 4.0 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12182/83-84 on 30-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 7-12-1984

\_\_\_\_\_\_

(1) M/s. Dcepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. K. M. Cyriac.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12183/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Flat No. 4 on 1st floor of Building No. 4 on Plot No. 14 in Bhaweni Magar at Marol Maroshi Road, Andheri (East). Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other wasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor of Building No. 4 on Plot No. 14 in Bhawani Novar at Marol Marohsi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under ...o. AR.II/37EE/12183/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date :12-12-1984.

(1) M/s. Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Sriniyasan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.JI/37EE/12184/83-84.--Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 13 & 14 on 3rd floor of Building No. 3 on Plot No. 6 in Bhawani Nagar, situated at Marol Maroshi Road,
Andheri (East), Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:-83---416G1/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13 and 14 on 3rd floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 6 in Bhawani Nacar Str. at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay noder No. AR.II/37EE/12184/83-84 on at Bombay on 30-4-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Date :12-12-1984.

FURM ITNS----

(1) M/s, Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. D'Souza Alex Francis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12185/83-84.—Whereas. I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 1 on ground floor of Bldg. No. 3 on Plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East. Bombay-400 059

(and more fully described in the schedule annexed hercia), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor of Biulding No. 3 on plot No. 14 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12185/83-84 on 30-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent uthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Prote: 3-12-1984

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Muhammad Hayat Ibrahim Shaikh.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/12188/83-84.—Whereas, I. LAAMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Fiat INO. 301, Didg. INO. 11-A, 'Al-arafat' Oshivara Village, Millat Nagar, Jogeshwari (West), Bombay-400 058 and more and the body of the second control of the control of

has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the fucome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-4-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as altocesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same maening as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 301, Bidg. No. 11-A, 'Alarafat' S. No. 41 (Part) Oshivra Village, Millatnagar, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Computent Authority Bombay under No. AR. II/37EE/12188/83-84 on 30-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Date: 12-12-1984.

(1) M/s Sahakar Builders.

(3) Transferce.

(Transferor)

- (2) Shri Deljitsingh Ikbal Singh Gulati & Snri Jaggit Singh labal Singh Guiati.
  - (Transferce)

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. 11/37EE/12189/83-84.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immivable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 8, gr. fl. Saroj Apartment Mulgaon Mahakali

Caves Road, Andheri (East), Bombay-400 099 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer: I and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

THE SCHEDULE

Shop No. 8, on gr. fl. in Bldg. Saroj Apartment, at Aproperty bearing CTS No. 13/37/2, at village Mulgaon, Mahakali Caves Rd. Andheri (East), Bombay 400 099. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/12189/83-84 on 30-4-1984

LAXMAN DAS Competin An hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date.; 7-12-1284

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR-II/37-EE/12190/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 10, gr. fl., Saroj Apartment, At village Mulgaon, Mahakali Caves Road, A ndheri (East), Bombay 400099 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Consideration Authority at Bombay on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sahakar Builders.

(Transferor)

(2) Shr. Jaswantsingh Sardarsingh Gulati Shri Birleoingh Sardarsingh G.

(Transferes)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 10, gr. fl., Saroj Apertment, CTS No. 13-37-2, at Village Mulgaon, Mahakali Caves Rd. Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/12190/83-84 on 30-4-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date.: 7-12-1984

Scal:

(1) Mrs. Annu J. Bhavanani

(Transferor)

(2) Shri Satyendra Verma

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. II37EE/11594/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 6 Ground floor Plot No. CS 1281 Versova, Andheri (West), Bombay-67

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fuellitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grante.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Jewel Mahal Plot No. 1, S. No. 82, and C.S. No. 1281 at Versova on Jai Prakash Narayan Road, Andheri (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Aurhority, Bombay under No. AR.II/37-EE/11594/83-84 on 1-4-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Miss. Durga L. Dipchandani

(Transferor)

(2) Dr. Ashutosh Damodar Rao & Miss. Arrona Suresh Southekal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37-EE/11597/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Flat No. 4 Manish Garden Co. Operative Housing Society Ltd. J. P Road, Four Bunglows, Andheri (West). Bombay 400058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 Manish Garden Co. operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Fourt Bunglows, Andheri (West), Bombay 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Aurhority, Bombay under No. AR.II/37/11597/83-84 on 1-4-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. 11/37-EE/11620/83-84.—Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter reteried to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 1006, 10th floor, Everest, Jayprakash Road, Versova, Andheri (W), Bombay 400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sankalchand Premenand

(2) Shri Hamid I. Wagle and Smt Mamida H. wagle (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explanations there. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1006, 10th Floor, Everest, Payprakash Road, Versova, An heri (West), Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Autority, Bombay under No. AR.II/37-EE/11620/83-84 on Payprakash Road, 2-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

#### (1) Shrl Chimanlal T. Jain

(Transferor)

(2) Shri Phiroz Amir Shah Mrs. Nascem P. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.Y '37-FE/11621/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. (01, 6th floor in everest Builing at Jay Prakash Narayan Road, Versova Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor in 'Everst' Building at Jay Prakash Naryan Road, Versova, Andheri (West) Bombay 400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37-EE/11621/83-84 on 2-4-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

84-416GI/84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.11/37EE/11632/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. 305, 3rd floor, Sea Green, Versova Sea Green
Premises Co operative Society Ltd., J.P. Road, Seven Bunglows, Versova Andheri (W), Bombay-51
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 260/ B of the Income-tax Act, 1961, in the office Section 269/B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suresh Kumar Jain.

(Transferor)

(2) Dr. Sharad Digambar Shinde.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Sea Green, Versova Sea Green Premises Co-operative Society Itd., Plot No. 26. Off J.P. Road, 7 binglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400061. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11632/83-84 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-12-194

(1) Meera Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Ghanshyam Ramanand Seth.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37FE/11649/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Shop No. 4, Meera Apartments, Versova, Near Seven Bunglows, Andheri West, Rombay 400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the cold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Shop No. 4, Meera Apartments, Survey No. 142, CTS No. 311, Versova, Near Seven Bunglow, Andheri West, Bom-1311, Verso bay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11649/83-84 on 5-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 7-12-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.---

(1) Laxmichand Damji Sonl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Omprakash Bhimsain Chugh and Sunilkumar Omprakash Chugh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. 1737EE/11662/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25.0001- and hearing

able property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000|- and bearing Flat No. B-43, Roopdarshal 'B', Sapt Tarang Co-operative Housing Society, 207-A & C, Juhu Lane, Andheri (W),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-43, Roop Darshan 'B', Sapt Tarang Co-operative Housing Society, 207-A & C, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11662/83-84 on 6-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11672/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Fiat No. 21, Ground floor, Vishal Nagar Co.op. Housing Seciety, 7 Bunglow, Andheri, Bombay-400 058, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the apparent than the continuous that the continuous than the continuous that the continuous than the continuous that the continuous that the continuous than the continuous that the continuous between the aprties has not been truly stated in the said between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Flory D'Souza.

(Transferor)

(2) Hasan Hussain Habib Samiji.

(Transferee)

(3) Transferor.

( Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in ·hat Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, Ground floor, Vishal Nagar Co-operative Housing Society, 7 Bunglow, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/11672/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11673/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 4-E, Evershine-2 Co-operative Housing Society, J.P. Versova, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Ramesh Shyamrao Wadake
 Girish Shyamrao Wadake.

(2) Smt. Kishora Hotisam Vazirani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4-E Evershine-2, Co-operative Housing Society, J.P. Road, Versova, Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11673/83-84 on.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

Seal:

7-4-1984.

#### FORM ITNS ----

(1) M/s. Sanjeev Blders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steels.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, on 4th December 1984

Ref. No. AR.II/37Ex /11700/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat No. T-31, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competer Authority at

Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-31 Sanjeev Towers Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/II700/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-12-1984

FORM I.T.N.S .-

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 4th December 1984 Ref. No. AR.II/37EE/11702/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. T-144, Sanjeev Builders Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village Andheri Versova,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-144, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11702/83-84 on 74 1004.

7-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-12-1984

(1) Mrs. Bindu V. Madhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Joseph Coutinho

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

AR. II/37EE/11703/84-85.—Whereas, I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 306, Everest Building, Ganga Bhavan, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

(Lid more full described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, un respectof of any income arising from the transfer; and /or

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid.
Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Flat No. 306, Everest building, Ganga Bhavan, Versova, Andheri (West), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11703/83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following metrics. 85-416GI/84

Date: 10-12-1984

(1) Sanjoev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTON PANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11705.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. Tl, 34, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any or the afforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab'e property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-1, 34 Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11750/83-84 on 7-4-1984.

> LAXM IN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissi ner of Income-tax Acquisition Range-JI, Bombay

Data: 4-12-1984

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Ms. Tina Steels.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11706/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding kes 2, that's and hearing

ks 22 050/- and bearing
Flat No. T/1.41, Behram Baug, Oshiwara village
Versova, Bombay.

Andheri

cano more this described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the incomparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T/1-41, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshi-wara Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/11706/83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-12-1984

Scal:

#### (1) Mr. Hansraj Sohanlal Gulati

(Transferor)

(2) Mr. Jyet Samtoop Harichand Bassi Mrs. Renu J. Basi.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11707/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 44, Manish suppling centre, Manish Nagar 4, Bunglows J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 44, Manish Shopping Centre, Manish Nagar 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Aut to ity, Bombay under No. AR.II/37EE/11707/83-84 on 7-4-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely:—

Date: 10-12-1984

PART III-Sec. 1]

FORM I.T.N.S.—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steels.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11709.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. First No. 7-1.33 Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andberi Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ted/ort
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-1, 33, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwar

Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11709/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-12-1984

Scal:

(1) Sanjeev Bunders Dombay.

(Transferor)

(2) Mis. Tina Steels, Bombay.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR. 11/37EE/11710.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|- and bearing No.

Falt No T-1 42, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regitered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcea'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the potice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-1,42 Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara village, Andheri Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/11710/83-84 on 7-4-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-12-1984

FURM LINS

(1) M./s. Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1984

Ref. No. AR. II/37EE/11711.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

Flat No. T-1, 32, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Viliage, Andheii Versova, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from an date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the resuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

Flat No. T-1, 32, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village, Andheri Versova Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/11711/83-84 on 7-4-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Icco e-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1984

(1) Shri Gurvinder Singh Sethi

(Transferor)

(2) Shri Jai D. Advani Mrs. Kamal D. Advani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned : ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th December 1984

cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. II|37EE|11729|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said. Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Flat No. A-20, 6 h floor, 'Kanwal' in Kanwal Co.op, Housing Soc. Ltd. Four Bunglow, Versova, Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af around exceeds the apparent consideration therefor by

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transfer, and|or

Flat No. A-20, 6th floor, 'Kanwal' in Kanwal Co. op. Housing Society Ltd., Four Bunglows, Versova, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|11719|83-84 on 9-4-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

Seal

#### (1) S. Shankaran

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Ashok Sanam Gorakhpuri

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### TFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. II|37EE|11733|83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. B-5 in Bldg. 'B' of J. M. Apartments, Co-operative Society Ltd., Andheri (Wes) Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice unor, ubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регеопч. пятеТу:---

86--416GI/84

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-5 in building 'B' of J. M. Apartments Cooperative Society Ltd., 'Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|11733|83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) M/s. Zakaria Aghadi Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Zulfikarali Yasinali Shaikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1984

Ref. No. AR. II 37EE 11745 83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Zakaria Aghadi Nugar, Bidg. 'E' Flat No. 3, 1st floor Yard Road, Versova, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und rescribed in the office of the Competent Au hority at Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be, disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days in the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 4.5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building 'E', Flat No. 3, 1st floor, Yari Road, Versova,

The agreement has been registered by the Competents Authority, Bombay under No. AR. II|37EE|11745|83-84 on 9-4-1984. by the Competent-

> LAYMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-12-1984

Sent:

(1) Shri Arvinder Singh Sethi

(Transferor)

(2) Master Lalit D. Advani Mrs. Chandri S. Kamlani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. II|37EE|11749|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and b. aring No Flat No. A-21, 6th floor, 'Kanwal' in Kanwal Co-op. Hsg. Soc. Ltd., rou. Bungsow, Versova, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been trans erred

and the agreement's registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason obelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or a Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Flat No. A-21, 6th floor, 'Kanwal' in Kanwal Co-op. Housing Society Ltd., Four Bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Autho ity, Bombay under No. AR. II 37EE 11749 83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) Sh. Sundrarajan Vewkataraman.

(Transferor)

(2) Capt, Yoginder Paul Kapoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAA MCI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11758/83-84.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 24 in 4th floor of

Bldg. 'B' of Sun-N-Sea Co.op. Hsg. Society Ltd., 25 J.P. Rd.

Andhei (West), Bombay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u der Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresatt property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; REG / Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Plat No. 24 in 4th floor of Bldg 'B' Sun-N-Sea Co.op. Housing Society Ltd. 25 J.P. Road, Andheri (West) Bombay 400 061,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11758/83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-12-84

Scal:

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) M/s. Sunder Constn. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Julian Lobo & Mr. George Lobo.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11792/84-85.—Whereas, I, LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000)-and bearing

Fai No. 103 on 1st floor in 'D' building in Sunder Park, at Ont. Veera Desai Road,

Andheri (West), Bombay-400 058,

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto),

has been transfe red

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1901, in the office of the Competent Authority at nombay on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 103 on 1st floor in 'D' building, in Sunder Park, at Off. Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11792/83-84 on 12-4-1984.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR II/37EE/11795/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000iand bearing

Flat No. 13-A. Gautam Apa tment, 3rd floor of Varsova Gau'am Co-op. Hsg. Society, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. Pravin Chandra Manilal Mody.

(Transferor)

(2) Smt. Sitarani S. Kapoor,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

emperature in the contract of the contract of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

# THE SCHEDULE

"Flat No. 13-A, Gautam Apartment, 3rd floor of Varsova Gautam Co-op. Hsg. Society, J.P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR.II, 37EE/11795/83-84 on 12/4/1984.

LAXMAN DAS,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11802/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

ks. 25,000/- and bearing No. Fiat No. A-19, 6th floor, KANWAL, Kanwal Co op. Hsg. Soc. Ltd., 4, Bungalow, Versova, Bombay (and the critis) described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income- ax Act. 1961, in the office of the Competent Authorit at Bombay on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more -than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesalo property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

(1) Sh. Balbirsingh Sethi.

(Transferor)

(2) Master Lalit D. Advani D.J. Advani (HUF).

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. A-19, 6th floor, Kanwal, in Kanwal Co-operative Housing Society Ltd., Four Bungalows, Andheri (West), Versova, Bombay."

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11802/83-84 on 9-4-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissi ner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-12-84

NOTICE UNDER 'ECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11803/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No. Flat No. 104, first floor, Sholey

Building, Sholay Premises Co-op. Housing Society Ltd., J.P. Road, Andheri (W), Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-ax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ot transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Navinchandra Hariram Somaiya (Partner Somaiya Brothers).

(Transferor)

(2) Mr. Edmund John Rodrigues and Mrs. Caroline Jenny Rodrigues.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Perosa in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actics in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. 104, first floor, Sholay Building, Sholay Premises Co-c perative Society Ltd., Off-I.P. Road, Seven Bung.ows, Versova, Andheri (W), Bombay-400061.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11803/83-84 on 13/4/1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 7-12-1984

(1) Sajeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferet)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bmobay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/11701/83-84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. T-1,43, Sanjeev Builders Pvt. Ltd.
Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshivara Village, Andheri Versova Bombay (and more full described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

87-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period (f 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

"Flat No. T-1,43, Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshivara Village, Andheri Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/11701/83-84 on 7-4-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-12-84

- (1) M/s. Shoth Enterprises

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Simi John Baptist Vaz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-HI

**BOMBAY** Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6805/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Flat No. 302, Chotalal Vila, 3rd floor, Plot G. Auzutnager,

Ghatkopar, Bombay-86.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to be the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, Chotalal Vila, 3rd floor, Plot G. Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6805/83-84 dated 1-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistiion Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date .7-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6872/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 7 2nd fl. Pooja Apartments Plot No. 17, Survey No. 100(P) and 112(P) L.B.S. Marg. Vikhroli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bomloay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act. to vao following persons, namely :-

(1) Partner of M/s. Polyshoor Plastics

may be made in writing to the undersigned-

(2) Chemical Industrial & Pharmaceutical Laboratories

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 7, 2nd fl. Pooja Apartments Plot No. 17, Survey No. 100(P) and 112(P) L.B.S. Marg, Vikhroli, (W), Bombay-79.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6872/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquistiion Range-III Bombay.

Date .7-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LIT BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6800/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Gala at C-211; Ghatkopar Indl, Estate, L.B.S. Marg, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Neena M. Punjwani

(Transferor)

(2) M/s. Mubina Paints & Plastics Company
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ex\$LANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala at C-211, Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S., Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6800/83-84 dated 1-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-III
Bombay.

Date .7-12-1984 Seal :

(1) M/s. Neelam Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. R. Parameshwaran.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III

#### **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6929/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing 201, 2nd floor, 'C' Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'C' Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkapor (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6929/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date .7-12-1984 Seal :

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(2) Kulsum S. Kazi.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6959/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 105, 1st floor Bldg. No. 16, Kapadia Nagar CST Road, Kurla West, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 105, 1st floor Bldg. No. 16, Kapadia Nagar CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/337EE/6959/83-84 dated 2-4-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistiion Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date .7-12-1984

Scal:

# FORM ITNS----

(1) Shri, V. N. Shah.

(2) M/s. Parul Enterprise.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6890/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 3, 5th floor Bldg, No. 3-A, Damodar Park, L.B.S.

Marg, Chatkopar (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957-);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under mussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein w are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 5th floor Bldg. No. 3-A, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6890/83 84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Acuisition Range-III Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistiion Range-III Bombay.

Dated 2-4-1984, Scal:

(1) Deepak Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Sitara Begam.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6835/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Plat No. 102, 1st fl. Bldg. No. 8, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flut No. 102, 1st fl. Bldg. No. 8, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide seril No. ARIII/37EE/6835/83-84

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 7-12-1984

Boal :

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Shri Abeda-Bi-Abdul-Bashir.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6868/84-85.—Whereas I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 7, Swastic Chambers, Ground fl. Pipe Rd. Kurla (W), Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Swastic Chambers, Ground Fl. Pipe Rd. Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6868/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 259D of the said Act, to the following persons namely:—

88-416GI/84

Date: 7-12-1984

Seal;

FURM IINS-

(1) Sint. Narmadahen V. Bhansauli,

(2) Shri B. L. Goda.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6801/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

be ng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 502A Doshiwadi, Agara Rd. LBS Co-op. Hsg. Sct. Ltd.

Ghatkowar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1st Ap. 11. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) on the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, 'herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby init are processings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days f om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

502-A. L.B.S. C.H.S. Ltd. Doshiwadi, Agara Rd. L.B.S. Mag, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6801/83-84 dated 1st April, 1984.

> A. PRASAD Competent Ant Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. M. H. Raheja,

(Transferor)

(2) Mrs. Veena A. Trivedi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6825/84,85.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 38, Satya Laxmi Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Opp. Glass Factory, Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), han been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (a1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice 'on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explication:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 38, Opp. Glass Factory, 2nd land, Satya Laxmi Co-op. Housing Society Ltd., Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered with the Competent Autho itv. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6825/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissi ner of Income-ax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Soul:

# FORM ITNS-

(1) Shri Suresh Kumar B. Jampal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Gulraj Chhabria & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7114/84-85.-Whereas I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), nave reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]

and bearing No. Fint No. 203, Rajeev Nivas, Plot No. 62, Laxmi Colony,

Chembur, Bombay 74 (and more two rescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- Flat No. 203, Raicev Nivas, Plot No. 62, Laxmi Colony, Chembur, Bombay-74.
  The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7114/83-84 dated 2-4-1984.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Lalit Kumar K. Mehta & Ors.

(1) Sart Kamesa Kumar H. Knanted.

(Transferce)

MOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th December 1984

Explanation:—The terms and expressions used herein as

Ref. No. AR.III/37EE/6994/83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Jai Shree Dhan Co-op, Hsg. Sct. Ltd. 2nd fl. Block No.

R/7-11 Bangur Nagar, Goregaon(W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gaves in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Jai Shree Dhan C. H. S. Ltd. 2nd fl. Block No. R/7-11, Bangur Nagar, Goregaon(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority Rembay vide serial No. AR.III/37EE/6994/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

cal:

FORM ITNS-

(1) Mrs. Rajalaxmi Rajamanev.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena H. Rabeja

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 10th December 1984

BOMAAY

Ref. No. AR.II/37EE/6887/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to use the said Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat on 3rd fl. Opp. Glass Factory, Pestom Sagar, Satyalaxm, CH.S.D.A. inside 2 land, Chembur, Bombay (and more tuny described in the Schedule annexed hereto)

has been transcerred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oru
- (b) facil'tating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on 3rd fl. Opp. Glass Factory, Pestom Sagar, inside 2nd lane, Chembur, Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authori v. Bombay vide serial No. AR.II/37EE, 6881, 83-84. on 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

(1) Shri P. P. Keshwan & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sohan Singh Magan Singh Sadua & Others. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett;

Bombay, the 12th December 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given

Ref. No. AR.II/37 EE/7433A/84-85.—Whereas, I,

in that Chapter.

A. PRASAD,

property

gaon (E), Bombay-63.

of transfer with the object of :-

and/or

has been transferred

# THE SCHEDULE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Shop No. 35, Gyenshwari Bldg. Peru Baug, Aarey Rd. Gore-

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto),

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

Shon No 35. Gwenshwari Budg. Peru Baug, Aurey Road Goregaon(E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent v, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/83-84 on 2-4-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby diffiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 264D of the said Act, to the following

Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range-III Bombay

Date: 10-12-1984

(1) M/s. Nanar Associates

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Kirtikumar & Subhaschandra

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III/37EE/7096/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 502 5th fl. Pooja Mahul Rd. Chembur Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have coason to believe that the fair market value of the property as a name acceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable perperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been OΓ which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th fl. "Pooja" Mahul Road, Chembur. Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7096/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-tag Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

#### FORM LT.N.S.-

(1) Mrs. Indira Jagannathan

(Transferor)

(2) Shri P. V. Vishwanathan,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 26°D(1) OF THE INCOME\_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAŸ

Bombay the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE./7098/84-85.—Where28, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing flat Miles Vide Exceeding Rs. 25,000 and bearing Flat No. 4C/10 3rd fl. Vipay Vihar Co-op. Hsg Soc. Ltd. Sion Trombay Rd. Chembur, Bomby-71 (and more fully described in the Sch dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tions: as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; 10\bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4C/10, 3rd fl. Vijay Vihar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Sion Trombay Rs. Chembur Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide seried No. AR.III/37.EE/7098/83-84

on 2-4-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-Hi Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under upsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

89---416GI/84

Date: 10-12-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) shri Bulchand Assandas Manik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vinod L. Man'k.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/6818/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

Rs. 25,000/- and Flat No. D-04. Bldg. No. 8, 3rd fl. Basant Park R.C. Marg Chembur Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the age on is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. D-04, Bldg No. 8, 3rd fl. Basant Park R.C. Marg Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6818/83-24 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 10-13-1984

(1) Mrs. Padman Vishwanathan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subramaniam Srinivasan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7099/84-85.-Whereas, I.

A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and branne no

Flat No. 34, Ashiana Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Chhadanagar,

Carmour, Bombay 400 089 (and more fully described in the Sheedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective Dersons, whichever period experts later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter YXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34, Ashiana Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Cheddanagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been recistered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7099/83-84 on 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Ponce-II Bombay

Dafed: 10-12-84

FURM IINS--

(1) Ramesh Hariram Sharma.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmi Narayan Durgadas Gupta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range-III, Bombay

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7058/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 206, 2nd floor "Pools" Bldg, Mahul Road, Chambur,

Bombay-74

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been " which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (seasons)

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor "Pooja" Bldg. Mahul Road. Chembur Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7056/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date :10-12-1984

(1) Mrs. Sheela Gopalkrishnan.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Saralabai G. Deshpande.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range-III, Bombay

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7107/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bealing No.

Flat No. 9-A, Shanker Vilas C.H.S. Ltd. 13th Road, Chembur.

Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mutrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same mouning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; BD4 /01
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 9-A, Shanker Vilas Co-op. Sec. 13th Road, Chambur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7107/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-12-1984

(1) M/s. Oswal Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Ambre Tara Harishchandra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-III, Bombay

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7283/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 4, Ground floor Plot No. 1, Survey No. 34. Hissa No. 1, to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 and 6 of Village Malavani, Malad (W). Bombay

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid. Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground Floor Plot No. 1 Survey No 34, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 or Village Malvant Malad West, Bombay.

The agreement has been registered with the Connectent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7283/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date :6-12-1984

Scal:

FORM ITNS (1) M/s. Oswal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ambre Tara Harishchandra

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-III. Bombay

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/7285/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refe red to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 2, Gr Floor Plot No. 1 Survey No. 84, Hissa No.

to 5 S. No. 85, Hissa No. 1 to 4 & 6 Village Malvani Malad

Malad (W), Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Guzette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

> Shop No. 2, Gr. Floor Plot No. 1 S. No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85, Hissa No. 1 to 4 & 6 Village Malvani Malad West, Bombay.

> The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide secial No. AR.III/37EE/7285,83-84 dated 2-4-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said rket. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the proresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date :10-12-1984

(1) M/s, Oswal Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Ambre Tara Harishchandra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range-III, Bombay

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7282/83-84,---Whereas, J. A. PRASAD,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 3, Gr. Floor Plot No. 1 Survey No. 84, Hissa No. 1, to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 Village Malvan, Malad (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to setween the parties has not been truly stated in the asid matrimment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising faces the transfer; and or

(b) fastitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter AXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground Floor Plot No. 1, Survey No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6, Village Malavani Malad (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7282/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incominate Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :6-12-1984

peni

(1) Krishnakurup S. Unnithan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manjula Chandulal Shah.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-III, Bombay

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6986/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nad beating No

Flat No. 9, 2nd floor Amar Apartment, Machubhai Road, Near COD Gate Malad (East), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tramfer;

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---90-416GI/84

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor Amar Apartment, Manchubhai Road. Near C.O.D. Gate, Malad (East), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR,III/37EE/6986/83-84 dated 2-4-1984.

Date :6-12-1984

(1) M/s, U, K, Builders,

(2) Mr. Samrao M. Bawankar.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7322/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

at Bombay on 2-4-1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 25 000 (4 and hearing No.

able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Peter Apartments, CTS No. 497 and 499, Off. Valnai, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reas. n to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any managery or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following terrors, manney:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning an given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Peter Apartment, CTS No. 497 and 499, Off. Valnai, Marve Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7322/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date :6-12-1984

Scal:

(1) M/s. U. K. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Delphone Rosy Lobe.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7323/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/ and bearing No.

Flat No. 40, 4th floor, Peter Apartment,

Valna-I, Mulad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Peter Apartment, CTS. No. 497 & 499, Valna-I, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7323/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1984

(1) Mrs. Pushpa Gehimal Jethani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Badri Prasad Luxharuka.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7400|84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. M/7, 3rd floor, Haridwar-I, Plot No. 18-19-20A Valnai Village, Off Marve Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexxed hereto),

has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as arrest to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. M/7, 3rd floor Bldg, Haridwar-L, plot No. 18-19-20A Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7400/83-84, dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

nombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7318/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 206, Second Floor, Adarsh Apartment. Opp. Ice Factory, Adarsh Society Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the egreemen is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Inventors Industrial & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. S. P. Salot & Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 206, Second floor, Adarsh Apartment, Off; Ice Factory Adarsh Society Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7318/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 6-12-1984

Scal :

#### FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Abharani Gulati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivaji Kashinath Tipnis.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7324/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. A-53, 5th floor, Nalanda 2, Near Mith Chowkie, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the property of the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-53, 5th floor, Nalanda-2, Near Mith Chowki, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7324/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-12-1984

(1) M/s. Vinay Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anjali Products.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7365/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Gala No. 4, Gr. floor, Vinay Heavy Indl. Estate, Derukhaar Wadi Chich Bunder Road, Malad (W), S. No. 428. H. No. 1, Malad (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyn or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Gala No. 4, Gr. floor Vinay Heavy Industrial Estate, Derukhaar Wadi, Chich Bunder Road Malad (W), S. No. 428, H. No. 1, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE,7365/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby letitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1984

Seal ;

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.(2) Miss Ratna Narayan Rao.

(Transferor)

\_

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7347/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 201, Second floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, second floor Ajit Park-B, Somwar Bazar Rond, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7347/83\_84, dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 6-12-1984

(1) Ramchandra Shah.

(Transferor)

(2) Minaxi Kirit Phuta & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT "(MMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7014/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Shop No. 44, plot CTS No. 348, F. P. No. 5A Laxminarayan shopping Centre, Podar Rd. Malad(E), Bombay-97. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 44, plot CTS No. 348, F.P. No. 5-A, Laxminarayan shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-97. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7014/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

91---**4**16Gf/84

Date . 6-12-1984

(1) Mrs. Nirmale Mohan Hiranandani & Ors.
(Transferor)

(2) Mr. John Fernnandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7378/84-85.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. M-3, First fl. Bldg. Haridwar-I, Village Valnai Plot No. 18-19-20-A Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the!

Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. M-3, first fl. Bldg. Haridwar-I Village Valnai, Plot No. 18-19-20-A Off Marve Rd. (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7378/84-85 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely —

Date 6-12-1984

Seal ;

(1) M/s. Evershine Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harish Ambalal Prajapati.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7363/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Ground Fl. Haridwar-I, Plot No. 18-19-20-A, Village Valnai, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Fl. Haridwar-I, Plot No. 18-19-20-A Village Valnai, Off Marve Road, Malad (W), Bombayof 64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7363/84-85 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date . 6-12-1984

#### FORM I.T.N.S.--

(1) Span Builders & H. S. Rohela

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nathu Pita Khamji & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7298/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

> EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A. PRASAD, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 7, Subhlaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction  $o_{\Gamma}$  evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and|or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 7, Subhlaxmi Shopping Centre, Quarry Rd. Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7298/84-85 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Date : 10-12-1984 Seal :

(1) M/s. Oswal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lalmanising Bhagwati Singh,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-UI. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7286/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Shop No. 7, Gr. Fl. plot No. 1, Survey No. 84, Hissa No. 1, to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6 Village Malavani, Malad (W).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 7 Ground fl. Plot No. 1, Survey No. 84, Hissa No. 1 to 5 S. No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6, Village Malvani Malad (W), Bombay.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-12-1984 Seal :

(1) Span Builders & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Avinash B. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7299/84-85.--Wheeras, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sabhalaxmi Shopping Centre Stall No. 3, Quarry Road,

Malad (E).

situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets 'which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Subhalaxmi Shopping Centre, Stall No. 3, Quarry Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7299/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

#### FORM ITNS...

(1) M/s. Sainath Plastic Industries

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri H. C. Shah (HUF)

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7095/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 336, Poor Class Indl. Area, Malad Ramchandra Extn. Lane, Malad (W), situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

CTS No. 336, Sonal Heavy Ind. Estate, Ramchandra Extn. Lane, Mlad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.HI/37EE/7095/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date ; 10-12-1984

(1) Mr. Amarjeet Tappia & Mr. Inderjeet Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neelam S. Chopra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7369/84-85—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. A/63, 6th fl. Bldg. Nalanda, Plot No. 32 & 33 Off Marve Rd. Malad (W),

situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

## THE SCHEDULE

Flat No .A/63, 6th fl. 'Nalanda' I plot No. 32 and 33, of Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/7369/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ess Bee Investments

(Transferor)

(2) Mr. Dharamchand Jivanchand Dalal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7327/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 1/7, 2nd fl. Taridwar'-I, plot No. 18, 19, 20-A, Off Marve Road, Malad (W),

situated at Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) taclitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) cf Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

92-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have a period or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1/1, 2nd fl. in Building known as 'Haridwar'-I plot No. 18, 19, 20-A. Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7327/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. M. Srimankar,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-111, **BOMBAY** 

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7373/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 403, 4th fl. B. Wing Atlanta Plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Ast, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameter account. lowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immozable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 4th fl. 'B' Wing Atlanta Plot No. 38, Valnai Village, Marve Rd. Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7373/83-84 dated 2-4-1584.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

Seal

#### (1) Mrs. Neelam Chopra

(Transferor)

(2) Shri Ishwarbhai S. Patel

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7297/84-85.—Whereas, I A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flor No. 5-A Pushnachandra Apartments. SV. Rd.

No. Flut No. 5-A, Pushpachandra Apartments, S.V. Rd, Plot No. 1 Malad (W), Bombay-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income mising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, Pushpachandra Apartments, S. V. Rd. Plot No. 1 Malad (W), Bombay-64.

The togreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7297/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

Scal:

(1) Shri Shanker R. Moily & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Dean,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7291/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. l'at No. G-2, Gr Fl. Evergreen Appt. E, Village Valbai, Marve Rd. Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. G-2, Gr. Fl. Evergreen Apartment E Village Valbai, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.III/37-EE/7291/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 10-12-1984.

### FORM ITNS ---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Madathil Puthanveetil Pradeep

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7354A/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating

and beating
Flat No. 36, Hemal Apartment, Plot No. 19.41 S. No.
85/5 91/1 Mauje Malwani, Dt. Borivali, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factifitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 36, Hemal Apartment Plot No. 19.41, S. No. 85/591/1 Mauje Malwani, Dt. Borivali Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7354-A/84-85 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-12-1984

(1) Shri D. B. Gupta

(Transferor)

(2) Shri R. P. Jainarayan Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.111/37-FE/7089/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

sing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shap at R.C. Marg Shop No. 154, Zopadpatti, Anik Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-t ix Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

or an apparent consideration which is less than the fair harker value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the larties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 154, at R.C. Marg, Zopadpatti, Ani, Chembur,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7080/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

#### FORM ITNS ---

(1) Smt. Hemabai B. Ramnani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lali L. Bhatija & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7279/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Art') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000), and bearing

No. Flat No. 303, Vaikunth C.O.H.S. Ltd. Sindhi Society,

Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nemely:—

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 30?, Vaikunth C H.S.L. S'ndhi Society, Chembur, Bombay.

The ugreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/3-7E/7279/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Tulsidas V. Patel Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. M. Y. Sawant.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7004/83-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/-and bearing

No. Indl. Gala No. 22, Bldg. No. 3, Ground Fl., Sion Chambur Rd. S. No. 267, Hissa No. 1 (P) and S. No. 87 Hissa No. 1 (P) Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Indl. Gala No. 22, Bldg. No. 3, Gr. Fl. Sion Chembur Rd. S. No. 267, Hissa No. 1 (P), S. No. 287, Hissa No. 1 (P) Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7104/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Seal .

(1) Shri Surendra Ravchand Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (?) Shri S. Venkanteswaran
- (3) Do.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ret. No. AR.III/37EE/6925/84-85.—Whereus, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Fiat No. B-1, Ground Fl. Rameshwar, plot of land at Chembur, CTS No. 366(part), Survey No. 1/A, Chembur,

Bombay

93-416GI/84

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B1-, Ground Fl. Rameshwar, Plot of land CTS No. 366(part), Survey No. 1/A, Chembur, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide social No. AR.III/37EE/6925/64-85 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-12-1984

#### FORM I.T.N.S.

(1) Smt. Neenaben M. Thakkar

(2) Mr. Vijay Vaswani

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION PANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6926/83-84.—Whereas, L. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000l- and bearing Flat No. B-3, Gr. Fl. Bldg Rameshwar. Plot and lend at Chembur, CTS No. 366(P), Survey No. 1/A, Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Anthority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-3, Gr. Fl. "Rameshwar" City Survey No. 366 (P), Sheeva Niwas Co-op. Housing Society Ltd., Swastik Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6926/84-83dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner f Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-12-1984 Soal 1

- (1) Mrs. Bhagwant P. Thakur
- (Transferor)
- (2) Shri Hariram J. Babeja & Ors.

be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6888/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 15, plot No. 29, Satyalaxmi Co-op. Hsg. Sct.

Chembur, Bombay-89

(and more tun, accorded in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection, if any, to the acquisition of the said property may

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. man have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Plot No. 29, Satyalaxmi Co-op. Hsg. Soc. Chembur, Bombay-89.

The agreem nt has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6888/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incoming Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(1) 5mt Jaishri Anil Khandwala

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lahtaben Chunnilal Walambhia & Ors. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> 'ACQUISITION RANGE-IU, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6996/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 25,000- and bearing market value exceeding

Fiat No. 202, Malad Salini C. H. S. Ltd. Liberty Garden Rd. No. 2, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa d property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Aut, or the Wealth far Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the prolication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Malad Salini C. H. S. Ltd. Liberty Garden Rd. No. 2, Ma'ad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6996/84-85 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-12-1984

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7348/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 303, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Tom + 500 (19)

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there'or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Ramchandra Ghate.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective -persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovmable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the castiff Act, shall have the same meaning accurrent in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Id. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with, the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7348/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 6-12-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Oswal Builders

(2) Mrs. Barde Aruna Arvind

- (Transferor)
- (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE-III, BUMBAY

Bombay, the 6.h December 1984

Ref. No. AR. III/37EE/7307/84-85.—Whereas, I, A. PKASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Snop No. 6, Ground floor, Plot No. 1, S. No. 84, Hissa No. 1

to 5, Maiwani Village, Maiad (W), bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here in transferred

ha ocen transferred

and the agreemen, is registered under Section 269AB of the ln.o.me-t.x Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration theretor by since than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground floor, Plot No. 1, Bearing S. No. 84 Hissa No. 1 to 5, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37EE/7307/83-84 daetd 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-12-84

## FORM LT.N.S.-

M/s. Oswal Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ambre T. Harishchandra

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR. III/37EE/7308/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 26yB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the momovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1, Ground floor, S. No. 84, Hissa No. 1 to 5 Village

Malwan, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfer ed

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 2697 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcoo.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Plot No. 1, S. No. 84, Hissa No. 1 to 5, Village Malwani, Malad (W), Bombay-64, The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37EE/7308/83-84 dated 2-4-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-12-84 Scal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Premchand H. Chhabria

(Transferor)

(2) Shri Shekhar Iyer

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR. III/37EE/7027/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25 000% and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No.

Plat No. B/102, 1st fl. Bidg. La-Chappelle, plot No. 51,

Valnai Village Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X A of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B/102, 1st fl. Bldg. La-Chapelle, plot No. 51, Valnai Village Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37EE/7027/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 6-12-84 Scal :

(1) M/s. Evershine Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailendrakumar Chaturvedi

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF, INDIA

OFFICE OF THE INSPECIING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

Bombay, the 6th December 1984

BOMBAY

Ref. No. AR.HI/37EE/7392/84-85.—Whereas ,I, A. PRASAD, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. C/13, Gokul Plot No. 47, Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent unsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any iscome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ;--- 94-416GI/84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C/13, 4th floor, Gokul, Plot No. 47 Off. Marve

Riat No. C/13. 4tn noor, Gokul, Plot No. 47 Off. Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/3792/83-84 dated 2-4-84.

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1'

Date: 6-12-84

(1) Surject Sing & Ors.

(Transferor)

(2) Bharat Overseas Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7340/84-85.—Whereas, I, TRASAD,

A: FRANCE.

A: FRA

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred in the schedule annexed heretoy, has been transferred. The agreement is registered under Section 269AB of the stne lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property ay he made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/12th undivided share in vacant land Kedarmal Rd. Revenue Village of Malad, Taluka Borivali, Malad(E). Bombay.

agreement has been registered with the Competent Authority, Bembay vide serial No. AR.III/37.EE/7340/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby tritiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-84

Scal:

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Harish D. Malhotra & Other

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Vasantben I. Vora

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR,III/37,EE/7382/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and Searing
Room No. 332, Malad Natraj Market, 3rd floor S.V. Road,
Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of thirty notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garotta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial business premises Room No. 332 Malad Nature Market, 3rd floor, S. V. Road, Malad (W), Bombay 44.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.RE./7382/83-84 dated 2-4-84.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o Section 269D o the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

(1) Shri Jagdish S, Dingwani.

(Transferor)

# MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Harish C. Dhir

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7379/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat No. 702, 'C' Wing La-Chapelle CH9, Near Evershine Nagar, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64

(W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sala Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 702, 'C' Wing La-Chapelle CHS Near Evershine Nagar, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7379/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-12-84

(1) M/s. R. J. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Valerian Furtado

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7374/84-85.--Whereas. I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable action in the context of the property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Flat No. 203, 2nd floor, B-Wing ,'Atlanta', Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Autho-

Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, B-Wing, Atlanta, Plot No. 8, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7374/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-84

PORM: ITNS-

(1) M/s Shreeram Buildors Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kamlabai G. Pandurangi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR-I/37/7316/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 8/4, 3rd floor Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Muni-

cipal Colony, Marve Road, Malad (W). Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under Section 629AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. F/4, 3rd floor, Shriram Bhawan, Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide perial No. AR III/37EE/7316/83-84 dt: 2-4-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Date : 6-12-84

Scal:

(1) M/s. Parckh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahendrakumar J. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, theh 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7303/84-85.--Whereas, 1, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 4, ground floor, Brindavan, Off S.V. Road, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent -consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument o transfer with the object 01:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires lesser;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE.

Flat No. 4, ground floor, Varindavan, Off S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/7303/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 6-12-1984

(1) Shri Haresh T. Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gangadhar B. Som & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

Bombay, the 6th Decemeber 1984

Ref. No. AR.1II/37EE/7326/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Shop No. 4, Ground Floor. Santosh Nagar Coop. Hsg. Soc. Narsing Lane, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Santosh CHS, Narsingh Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7326/83-84, dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 6-12-1984

THE WEST OF THE PERSON NAMED IN

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Khairunnissa M. Mirza.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7345/84-85.—Whereas. I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2694R of the Income tax Act 1361 in the office has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

and/or

(a) Sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd., Malad (W), Pombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7345/83-84, dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rarge-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-95-416GI/84

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Parekh Bros.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Divyalata M. Shah & others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7346/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mot CTS No. 569, 569/1, 569/2, Off S. V. Road, Malad (W). Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot CTS No. 569, 569-1 569/2 Off S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7346/83-84, dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date | 6-12-1984 Stant :

(1) Vilas Vinayak Lotlikar & Ors.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shripad V. Lotlikar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7343/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1 1st floor Trimurti Apartments Kurar,

Malad (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for the Competent Anthority at Boinday on 2-4-1964 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 1, 1st floor, Trimurti Apartments Kurar CTS No. 385, Kurarm Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/7343/83-84, dated 2-4-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Agt, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

Soal:

(1) Shree Ram Consts. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

(2) Mr. Charles Rodriques.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7338/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

Flat No. B-13, 1st floor, Shriram Towers Tank, Lane Near Orlem Church, Marve Road, Maiad (W), Lon.bay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been only stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income fax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-103, 1st floor. Shriram Towers" Tank Lane, Near Orlem Church, Murve Road, Ma'ad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37EE/73384 83-84, dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

(1) M/s. Oswal Builders.

(Transferor)

(2) Dr. Kulkarni Prakash Balaknath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7011/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs 25.000/-Shop No. 9, Gr. Floor Plot No. 1 Village Malvani, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 9, Gr. floor Plot No. 1, Survey No. 84 Hissa No. 1 to 5 Survey No. 85 Hissa No. 1 to 4 & 6, Village Malvani, Malad (W), Bombay,

The agreement has been registered with Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7011/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date :6-12-1984, Scal:

\_\_\_\_\_

### FORM I.T.N.S.-

M/s. Manali Coron.

(Transferor)

(2) Mr. Yusuf Mohmed Niwaz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE-INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref No. AR.III/37EE/7355/84-85.—Whereas, I,

ben.g. (t. Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable preventy, having a fair market value exceeding.

Rs. 25,030% and bearing.

Shop No. 11, Gr. Floor Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 263AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 11, Gr. Floor Manali Bldg. No. 1 plot Nos. 48 49 & 50 Valnai Village Malad (W), Bombay-64.

Authority Bombay vide serial No. AR III/37EE/7355/83-34, dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely :--

Date :6-12-1984.

(1) M/s. Rahul Trading Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radhashyam Bhimsaria.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. ARJII/37EE/6981/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act ), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

Shop No. 9, Ground floor Dhiraj Building CTS No. 347, Malad (E), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used he ein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 9, Ground floor "Dhiraj Building" CTS No. 347, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6981/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PFASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 16-12-1984. Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Balmukund Sarjuprasad Tiwari.

(Transferor)

(2) Smt. G. K. Dube.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7356/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 2, Malad Ambika C.H.S. Ltd. Govind Nagar, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as aforesaid the fair market value of the property as afor said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Ownershop shop No. 2, Malad Ambika C.H.S. Ltd. Govind

Nagar, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authori y Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7356/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date :6-12-1984, Seal:

(1) M/s. Dhaval Trust & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Parvatiben B. Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7332/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961' (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovableproperty having a fair market value exceeding Rs. 25,900|and bearing

No. 3-D Pushpa Chandra, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more tudy discussed in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/in
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3-D, Pushpa Chandra, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR\_III/37EE/7332/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date :6-12-1984.

Scal:

(1) Shri Ashok Kumar Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Vimala Omprakash Jain.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.II/37EE/7335/84-85.—Whereas, I. A: PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 402, 4th floor, Mansarovar Junition S. V. Road
Govind Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay 64,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any much ye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402/-4th floor Mansarovar Junction of S V. Road, Govind Nagar, Chincholi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7535/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the scid Act, to the following persons, namely:—

Date (6-12-1984, Seal )

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferee)

(2) Mr. Parimal Guha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7339/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aud bearing

Flat No. 26, Hemal Apartment Plot No. 19.41 S. No. 85/5

91/1 Mauje Malwani, District Borivali, Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair aurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning en in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flat No. 26, Hemal Apartments plot No. 19.41 S. No. 85-5 91/1 Mauje Malwani, District Borivali Malad. Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7339/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Act, 1957 (27 of 1957);

Date :6-12-1984.

(1) M/s. M. S. Brothers.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. B. Mistry.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7350/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing No.

Piece or parcel of land CTS No. 515 A 128 Municipal Asstt. Malad Turel Pakhadi, Malad, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece or parcel of land CTS No. 515 A 128 Municipal Assit. No. P-3925-52, Turel Pakhadi House, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with Competent the Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7350/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date :6-12-1984.

Scal:

- (1) M/s. Parekh Brothers
- (Transferor)
- (2) Shri Jitendra R. Parekh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR. III/37EE/7359/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

and bearing No. Flat No. 17, 2nd fl. plot CTS No. 569, 569/1, 569/2, 'Vrindhavan' Bldg. SV Rd. B, Malad, Bombay-64.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority in Rombay on 2-4-1984

petent Authority in Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, 2nd fl. plot CTS. No. 569, 569/1, 569/2, Vrindavan Bldg. S. V. Rd. Muland, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. III/37EE/7359/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, he 6th December 1984

Ref. No. AR. III/37EE/7391/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. A, Malad Sunita Coop. Soc., Flat No. 406, S. V.

Rd., Malad (W), Bombay-64

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rujendraprasad Agarwal

(Transferor)

(2) Shri Umashankar Murarka

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. A, Malad Sunita Coop. Society Plot No. 406, 4th floor, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR. III/37EE|7391/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

Date: 6-12-84

(1) M/s. Parekh Bros.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh G. Patel.

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR III/37EE/7304/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. 3 situated at ground floor Bldg., Brindavan, Off S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Brindavan, Off S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/7304/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date : 6-12-84 Seal :

(1) M/s, Glendale Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Zacarias Fernandes & Others.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7389/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 9, 16/A, Village Valnai J.B. Colony, Orlem, Maled (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor, Plot No. 16/A, Village Valani, J.B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7389/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-84 Scal : FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Amin Noor Mohd. Dhiyan.
(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER (1) M·s. D·opak Builders Pvt, Ltd.

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6957/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (September referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 002, Gr. Fl. Pldr. No. 5, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla,

transfer with the object of :-

Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla, situated at Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (1) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay fax under the said Act, in 1, p at of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—97—416GI/84

may be made in writing to the undersigned :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 002, Ground fl. Bldg. No. 5, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla (West), Bombay 70.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.II/37EE/6957/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-1984

Seaf:

# FORM ITNS...

(1) Deepak Bldg. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Badruddin.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6958/84-85.—Whereas, I, L. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No. Flat No. 302, 3rd fl. fildg. No. 8, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule property having a feature of the schedule property having the schedule property having

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd fl. Bldg. No. 8, Kapadia Nagar, CST Rd. Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6958/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following seriesons namely:—

Date: 7-12-84

Scal:

# PORM ITNS --

(1) M/s. Switchon Control Gears.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Om Enterprises.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6922/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No. Indl. Unit No. 20 Gr. Fl. Suyog Indl. Estate

Vikhroli West, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westit-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 20, Ground fl. Suyog Indl. Estate, Vikhrok (W), Bombay.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6922/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 7-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. III/37EE/6920/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Unit No. 5, 6 and 1 unit No. 7, Oasis Indl. Premises Co-op. Sct. Ltd. Vakola, Santacruz (E),

Bombay-55.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schodule innexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Abdul Husein Daudali Mullick.

(Transferor)

(2) Sh. Ashit Jayant Kumar Mehta.

(Transferce)-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Units No. 5, 6 and ½ unit No. 7, Oasis Indl. Premises HSL. Vakola, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/6920/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-84

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayant V. Khombodia.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7029/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 202, 2nd fl. C. Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E),

Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULR

Flat No. 202, 2nd fl. 'C' Wing, Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide strial No. AR.III/37EE/7029/83-84 dated 2nd Apr. 1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-84 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Desrai Abrol.

(2) Mr. S. V. Khadilkar & Ors.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7037/84-85,--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Fla. No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3 E Damoder Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, (W), Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 11th fl. Bldg. No. 3E Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7037/83-84

dated 2-4-84.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-84

(1) Smt. Shantaben Nanji Dedhia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Gopalji Peraj Bhanushali.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7060/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18, 3rd fl. Gagan Vihar Plots No. 13 & 20 Rifle Range, Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offict of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd fl. Gagan Vihar, Plots No. 13 to 20, Rifle Range, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the competent Authority vide serial No. AR.III/37EF4/7060/83-84 dated 2-4-84.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-1984

(1) Sh. M. S. Narang.

(Transferor)

(2) Kantilal V. Thakkar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7091/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Building at Plot No. 189 of T.P.S. III, Ghatkopar, Bombay. situated at Bombay

(and more furly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offict of the Compatent Authority,

at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (-11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building standing at plot No. 189 of T.P.S. III. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III37EE/7091/83-84 dated 2-4-1984.

A, PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1984

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs Martinha Fernandes.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7046/83-84.—Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. C/3, 2nd fl. CTS No. 860, 919 Santacruz Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competen Authority at

Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—98—416GI/84

# THE SCHEDULE

Flat No. C/3. Gold Coin Apt. 2nd fl. CTS No. 860 to 919, Village Kole Kalyan, Vakola, Santacruz(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7046/83-84 Dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) Smt. S. S. Parikh.

(Transferor)

(2) Smt. K. K. Parikh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7207/84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Flat No. 5-A. Moon Surat Dharshan, Navrozi Lane, Chatkopar(E), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andjor

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, Moonsurat Dharshan, Navrozi Lane, Ghatkopar(E), Bombay-86:

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7207 83-84 Dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Compe ent Athority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

Scal

(1) Shri Laxmichand H. Karani.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchalben Lalji Shah. State Bank of Hyderabad.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/6876/84-85.—Whereas I. A. PKASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat Nos. 1, 10, 11 & 12, Lil Niwas, Derasar Lan, Tilak Road, Chatkopar. Bo nbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and ne agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offict of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe tha the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which mave him bed which ought to be disclosed by the transferee for the law law and law 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nector in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorproperty within 45 days from the date of the able publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A... shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat Nos. 1, 10, 11 & 12, Lil Niwas Derasar Lan, Tilak Road, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/6876 83-84 Dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) Smt. Lakshmi Subramanian.

(Transferor) (Transferee)

(2) Shri N. J. Morzaria & Ors.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III.

### ROMBAY

Bombay, the 7th December 1984

AR.III '37.EE/7198/84-85.—Whereas I, Ref. No. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1, Gr. Fl. Shri Krishan Jyoti Bldg. Plot No. 105, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule ann xed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the said of the control of the co Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground fl. Shree Krishna Jyot Bldg. Plot No. 105, Garodia Naga,r Ghatkopar (E), Bombay-77,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7198/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padma Keshwan.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7189/84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Flat No. 101, 1st fl. Chhotalal Villa, Plot G., L. B. S.

Marg, Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st fl. Chhotalal Villa, Plot G, Amrutnagar, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7189/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition in the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said according to the sai section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri John Dimelo & Ors.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7190/84-85.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 305, 3rd fl. Chhotalal Villa, Plot G., Amrutnagar,

Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; Red /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd fl. Chhotalal Villa, Plot G., Amrutnatar Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7190/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) M/s Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lecla Nanu.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7195/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 201 2nd fl. Chhotalal Villa, Amrutnagar, Ghatkopar-Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd fl Chhotalal Villa, Amrtunagar L.B.S. Marg. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Pombay vide Serial No. AR. III/37-EE/7195/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

T-12-1984

Boal :

(1) Mr. P. N. Sridharan

AND THE RESERVE AND ADDRESS OF THE PARTY OF

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. L. Subramanian.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7197/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

R. 25,000/- and bearing Flat No. 103, Prabha first fl. 84, Garodia Nagar, Ghatkoper East, Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under Section 269. B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linksity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arraing from the transfer: and /ef
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax . Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this norice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snull have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, Prabha, first fl. 84, Garodia Nagar, Ghatkopar-East, Bombay-77.

· The agreement has been registered with the Competent Pombay vide serial No. AR.III/37EE/7197/83-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range-III Bombay

Date: 7-12-1984

# FORM ITNS...

(1) M/c. Suyog Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh T. Shah.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7183/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 1, unyog Indl. Estate, L.B.S. Marg Vikhroli,

Bombay-83

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269. B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-84 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—99—416GI/84 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, it any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as arc defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Unit No. 1, Suyog Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7183/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 7-12-1984

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Kruti Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Haridasan Mathilakath,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7199/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market va exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 203, 2nd fl. B-Wing Hitesh Apartment Asalphe Village, Ghotkopar, West, Bombay-84. value

(and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd fl. B-Wing Hitesh Apartments, Asalphe Village, Near Home Guards Pavilion Ghatkopar (W), Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37-EE/7199/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby iritiate proceedings for the acquisition of the aforesaid scoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 7-12-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Sheth Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Stella Castelino & Ora.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7278/84-85,-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

flet No. 202, Chatolal Villa, 2nd fl. Plot 'G' Amrut Nagar

Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd fl. Chhotalal Villa, Amrut Nagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7278/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Devibhai Ga Satta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. R. Baghu.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7230/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Asha Sadan Co-op Hsg. Scty, flat No. 6 2nd fl. Plot No. 131, Gardoiya Nagar Ghatkopar Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Asha Sadan C.H.S. Ltd. Flat No. 6 2nd fl. plot No. 131, Garodiya Nagar Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7230/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

# FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Chandra R. Khatri & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Sarban Singh, Bhagwan Singh.

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7236/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-4, Swami Lilashah C.H.S. L. Garden Lane, Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the schedule anneted hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Competent Authority, at Bombay on 2nd April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: ned/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-4, Swami Lilahah Co-op. Hag. Socty. Ltd. L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7228/83-84 dated 2nd April 1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1984

- (1) Shri B. C. More
- (Transferor) (2) Smt. Thankamma Raghaavn

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7236/84-85.—Whereas, 1 A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000]and bearing

No. Flat No. 9, Ciba C.H.S.L. Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2nd April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st fl. Ciba Co-op. Heg. Sct. Ltd. Amrutnagar, Ghatkopar West, Bombay-86

The agreemnt has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARJII/37-EE/7236/83-84 dated 2nd April 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-12-1984

(1) M/s: Sheth Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Dilip Vasant Shinde.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7234/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 301, 3rd fl. Chhotalal Villa, 3rd fl. Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2nd April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such parent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other reson interested in the said immovable propert, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Chhotalal, Villa. plot G, Amrtunagar, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority vide serial No. AR-III/37EE/7234/83-84 dated 2nd April 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Şeal:

# (1) M/s. B. H. Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lasrence Walter Menezes.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7229/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Flat No. 301, 2nd fl. Plot CST No. 2072 to 2075 Santacruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the furties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Plot bearing CTS No. 2072 to 2075, near St. Charles Convent School, Vakila, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority vide serial No. AR:HI/37-EE/7229/63-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

### (1) Dr. H. B. Hoskar

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr Harish P. Katira

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7219/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]an bearing

No. Flat No. 1, Gr. Fl. Bldg. Samita Plot No. 72, TPS No. 3, R.B. Mehta Rd. Chatko, ar (E), Bombay. (and more fulv described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties las not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or 'he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. F. Bldg. Smita Plot No. 72, T.P.S. No. 3, R.B. Mehta Rd. Ghatkopar (E), Bombay.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority Bembay vide serial No. AR.III/37-EE/7219/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incommissioner Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Scal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the i-sue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persuant number: 100-416 GI/84

(1) Mr. Hemant Vasanji Chheda

(Transferor)

(2) Mr. R. V. Suramanibran.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7224/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Flat No. 3. Gr. Fl. Neelkanth Kutir, Garodia Nagar,

Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, Gr. Fl. Neelkanth Kutir Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreemnt has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7224/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) Parul Enterprise

- (Transferor)
- (2) Mrs. Rosy D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7203/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 7, Gr. floor Bldg. No. 4-B, Damodar Park, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flat dity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, **EDUJOE**
- moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-true Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Shop No. 7, Gr. floor Bldg. No. 4-B, Damodar Park, L.B.S. Marg. Chatkopar (W), Bombay-400086.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7203/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang -III Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1984

(1) Smt. Durgadevi Sharma, Charitable Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Omega Associates.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Rof. No. AR.III/37EE/7233/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immo able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Pieces & rarcels of lands at village Tirndas, Powai, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agretment is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a veriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the drite of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Pieces and parcels of lands at village Tirandaz & Powai, Old Survey Nos. 34(P) and 46(P) and 42(P) new survey Nos. 10(P), 9(P) & 7(P) 34(P) 35(P) and 3(P), Powai. Rombay

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7233/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 7-12-1984 Seal:

OCRI

# (1) Parul Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rosy D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7204/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Suop No. 8, Gr. Floor B-Wing, Bldg. No. 4, Damodar Park,

L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reg steled under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Compatent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the period of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any theome arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Gr. Floor B-Wing, Bldg. No. 4, Damodar Park. L.B.S. Marg, Gha kopar (W), Bombuy-86.

The agreement has been registered with the Competent Authori y Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7204/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date :7-12-1984

FORM IINS

til raim billeibilse

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Perreira

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7212/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (bereitatter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

First No. 4, 8th floor Wing (E) Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Charkopar (W), bombay-86. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Sect on 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (ii) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-test Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, 8th floor Wing (E) ,Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Anthority Bombay vide serial No AR-III/37EE/7202/83-84 dated 2-4-1984.

A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Rang -III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Devka Chemical Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jaswanti R. Dubal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR-III/37EE/7237/84-85.—Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Gala No. 315, Hill View Indl. Estate, Bldg., 'E' village Ghatkopar Turf, L.B.S. Marg, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 2694B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer) and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act 922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective parasets, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazette.

Explanation:—The terms and expressions used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 315, Hill View Indl. Estate. Bldg., 'E' village Ghatkopar Turf off, L.B.S. Marg, Ghatkopar West, Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7237/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date :7-12-1984 Seal :

(1) M/s. Akshay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. P. Ramchandran.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7127/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 14, 4th floor Akshay Apartments, Gavanpada Mulund (East), Bombay-81.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factifiating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor Akshay Apartments, Gavanpad Mulund. (East), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7127 83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984.

(1) M|s. Akshay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. P. S. Narvekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No.AR.III|37EE|7169|83-84.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 188, 5th floor Akshay Apartment Gavanpada Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2nd A-ril 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

8. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

101-416 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 18, 5th fl. Akshay Apartment, Gavanpada, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|7169 83-84 dt. 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang - III
Bombay

Date: 6-12-1984

(1) M|s. Ajay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Srinivasan.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX, ACQUISITION RANGE-III

#### BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6827/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred .o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 9, 2nd fl. Rusnabh Darslan Plot S. No. 74, CTS No. 564 D. P. Rd. Mulund East, Bombay-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 2nd April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee with the purposes of the Indian Income-tax Act. 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd fl. Rushabb Darshan P'ot S. No. 74, CTS No. 564, D.P. Road, Mulund (East), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6827/83-84 dt. 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang III
Bombay

Date: 6-12-1984

### (1) Mis. Vastu Vikas Mandal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit V. Kulkarni & Jay V. Kulkarni.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCUME-IAX,

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAŸ

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No.AR.III|37FE|6882|83-84.—Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fiat No. 1, Or. ii. 130. S. No. 96, (P) CTS No. 1070 at

Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81

(and more fully described in the Senedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at bomony on zna April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- which ought to be disclosed by the transferee for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|6882 85-84 dt. 2-4-1984.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground fl. plot S. No. 96 (P) CTS No. 10.0 Mithanagar Road Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission r of Income-ton Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:-

(1) M|s. Star Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Atul S. Jhaveri.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX.

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7153/83-84.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Shop No. 17, 18, 21 & 22, Bidg. No. B-1, Shyam Nagar, Buandup (E), Bombay.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on and April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop Nos. 17, 18, 21 & 22, Bldg. No. B-1, Shyam Nagar, Survey No. 275 (p), CTS No. 657-B, Bhandup (E). Bombay. The agreem n has been uglisered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7153/83-84 dt. 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang.-III
Bombay

Date: 6-12-1984

# FORM ITNS...

(1) Mis. Shri Anant Cotton Trdg. Co.

(Transferor)

(2) M/s. Dhanji Bhawanji & Co.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7150/83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Indi. Unit No. 216, 2nd d. Ramgopal Indi. Estate, Opp.
Jawahar Talkies, Mulund (W), Bombay-80.
(and more ully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 2nd A<sub>e</sub>ril 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more rthan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale A hall the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 216, 2nd floor Ramsonal Indl. Estate. Opp. Jawahar Talkies, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-III/37EE/7150/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984

#### PORM ITNS

(1) Shri Sant Prakash Singh Vohra

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. T. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY** 

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7175/83-84.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

229, Ramgopal Ind. Estate, Dr. B. P. Road, Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2nd A, ril 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mostus arising trum the manuer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. mamely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

229. Ramgopal Indl. Estate, Dr. B. P. Road, Mulund (W),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7175 83-84 dt. 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Bombay

Date: 6-12-1984

# (1) Shri Himatlal Gulabchand Gandhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Smita K. Doshi & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No AR.III/37-EE/7075/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000l- and bearing No.

Shop No. B-2, Shanti 'B'dg. Mulund Hill View C.H.S. Ltd.

Dr. R.P. Rd. Mulund (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tEXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Shop No. B-2, "Shanti" Bldg: Mulund Hill View Co-op Housing Society Ltd. Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7075 83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-12-1984

FORM LI.N.S.

(1) Jayshree Narayan Kenjar Naik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shantilal Gada

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Elombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7041/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. B-28 Harsha Apartment, Pawani Nagar, Rr. R.P. Rd. Mulund(W), Bombay-80

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-28. Harsha Apartment, Pawani Nagar, Dr. Rajendra Prasad Rd. Mulund(W) Bombay-80

The agreement has been registered with the Competent Authorit — bay vide serial No. AR.III/37-EE/7041/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

(1) M/s. Mantri Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Leela Shivram.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6932/84-85.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing
Flat No. 1, Abhilasha Apartment, Plot (CTS No. 1466, Off.
J. N. Rd. Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Abhilasha Apartment, Plot bearing CTS No. 1466 Off. J.N. Rd. Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/6932/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 7-12-1984

Scal:

102-416 GI/84

# FORM I.T.N.S .--

(1) M/s Ajay Builders

(Transferor)

(2) Shri Prashant G. Patil.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6826/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 9, 2nd fl. Rushabh Ashish, Plot S. No. 74, CTS No.
584, D.P. Rd. Bombay-81
(and more fully described in the Schedule annexed bereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-Table property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

# THE SCHEDULE

Flat No. 9 second fl. Rushabh Ashish Plot S. No. 74 CTS No. 584, D.P. Rd. Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARJII/37-EE/6826/83-84 doted 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date ; 7-12-1984

(1) M/s. Vastu Vikas Mandal

(Transferor)

(2) Shri Sharad K. Prabhu.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6881/84-85,—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and begring

Flat No. 14, 3rd fl. Plot S. No. 96(P) CTS No. 1070 (P) Mithagar Road, Mulund(E) Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd fl. plot S. No. 96 (p) CTS No. 1070(p)

Mithagar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6881/83-84 dred 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursutnee of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

Social:

### (1) M/s Shree Sai Industries

(2) Maru Family Trust.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7178/84-85.-Whereus, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 102 First fl. Ramgopal Indl. Estate, Dr. R. P. Rd.

Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority.

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration sideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 102, first fl. Ramgopal Industrial Estate, Dr. R. P. Road, Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR, III/37-EE/8178/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range-III.

Date: 6-12-1984

# FORM I.T.N.S .-

# (1) M/s Noble Industries

(Transferor)

(2) Shri Govind Singh Titolia

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6930/84-85,---Whereas, I, A. PARSAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 15, Ground Fl. Ashok Indl. Estate, L.B.S.

Marg, Mulund, Bombay-80.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of:of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Unit No. 15, Ground Marg, Mulund, Bombay-80. Ground Fl. Ashok Indl. Estate, L.B.S.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/6930/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

Seal '.

FORM I.T.N.S.-

(1) Keshavalal N. Shah.

(Transferor)

(2) R.A. Deb.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/7141/83-84.--Whereas, I. A. PARSAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Gala No. 42, Nav Nandan Indl. Estate, Opp. Ralli Wolf compound, Mulund, Bombay-80

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 42, Nav Nandan Indl. Estate, opp. Ralliwolf compound, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7141/83-84 dt. 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 6-12-1984

# FORM TINS-

# (1) M/s. Ashapura Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Dinesh L. Thakker

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

# Ref. No. AR-III/37-EE/7125/84-85.—Whereas, I, A. PARSAD,

being the Competent Authority under Section'

269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 24, Arihant Krupajun, of V.P. Rd. and G.G.

# Road, Mulund (W), Bombay

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

### at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Plat No. 24, Aribant Krupa at junction of V.P. Rd. and G.G. Rd. Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7125 83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984

(1) Shri Narendra R. Thakkar

(Transferor)

(2) M/s Jaypack Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

AR-III/37-EE/6880/84-85.--Whereas, I, Ref. No. A. PARSAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Unit No. 117, Ramgopal Indl. Estate, ist fl. opp. Jawahar Talkies, Mulund (W), Bombay-80

cituated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the more and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit bearing No. 117, Ramgopal Indl. Estate, 1st fl. opp. Jawahar Talikes, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombal vide serial No. AR-III/37-EE/6880/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984

FORM LT.N.S.-

(1) Ajay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

961) (2) Mr. V. H. Kharat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Rof. No. AR-UI/37-EE/6919/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the incurvable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 10, 3rd fl. Rushabh, Aashish, Plot S. No. 74

CTS No. 564, Mulnd East, Bombay-81

and more fully described the schedule annexued hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fisbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

103-416 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10, 3rd fl. Rushabh Aashish, Plot S. No. 74, CTS No. 564, Mulund East, Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6919/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 7-12-1984

FORM ITNS

(1) Mrs. N. A. Bapat.

(Transferor)

(2) Mr. H. Raman.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### **ACQUISITION RANGE-III** BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/7064/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2698 of the frecome Tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter externed to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat Maha Vigneswara C.H.S. Ltd. No. 21, Sangeeta,

Dr. R. P. RD. Mulund (W), Bombay-80 and more fully described the schedule annexued hereto) has been transferred and the exceement is registered under Sec. 269AB of the In cma-tax Act, 1341, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by were than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the phical of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of may become or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1912 (11 of 1922) or the said act, or the Washth-two Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLAMATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Maha Vigneshwara Co.op. Hsg. Sct. Ltd. Flat No. 21, Sangeeta, Dr. R. P. Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7064/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 7-12-1984

# (1) Shri Bhavanji Velji Lodaya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. B. Jethwa.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/6810/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000 and bearing
No. Flat No. 3, Mathuresh Nagar C.H.S.L. Bawa Pradamsing
Cross. Road, Mulund (W), Bombay-80

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under. Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

ing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, Mathuresh Nagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Bawa Pradamsing Cross Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered withh the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/6810/83-84 dated 1-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 7-12-1984

(1) Shri P. N. Kothari

(Transferor)

(2) M/s. Thermopads.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37, EE/7159/84-85, Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Unit No. 214, P. N. Kothari Estate, Survey No. 200 CTS No.
288, situated at Agr Rad. Bhandup (W), Bombay-73,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been the which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 214 P. N. Kotharl Estate, Survey No. 280 (P) CTS No. 288, Agra Rd. Bhandup (W). Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7159/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 6-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/ss Veena N. Gsadhi

(Transferor)

(2) Shabbir G. Bagasarawala & Ors. -

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7166/84-85, Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Bhandup Vishal Industrial Premises Co-op Soct. Ltd. Vill. Rd. Bhandup West, Bombay. Unit No. 57 first fl.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from respective persons, the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 57, first fl. Bhandup Vishal Indls. Premises Co-op. Society Ltd. Village Rd. Bhandup West, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7166/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombav

Date: 6-12-1984

#### FORM ITNS----

### (1) S. N. Builders

(Transferor)

(2) P. Balakrishnan

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7042/84-85, Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Saurabh Apartments, B/201, Second fl. Nahar Village

Mulund (W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Saurabh Apartments, B/201, second fl. Nahar Village Mulund (W), Bombay-80.

Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7042/83-84 dated 2-4-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1984

# FORM I.T.N.S.-

(1) Sent. Ranjanlaxmi L. Shothia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nalin M. Shah.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/7131/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 10 item Ashish Bldg 2nd Floor Kasturba Rd. Mulund(W), Bombay-80

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10, Hem Ashish Bldg. 2nd fl. Kasturba Road. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37. EE/7131 83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 6-12-1984

### (1) Shri J. D. Domadia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Parul Enterprise

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6892/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 44th floor, B Wing Bldg. 4 Damodar Park L.B.S.

Marg, Ghatkopar (W) Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

# THE SCHEDULE

Flat No. 44th floor, B Wing Bldg, 4 Damodar Park L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competen Authority, Bombay vide serial No. ARJII/37-EE/6892/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date:10-12-1984

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37.EE/6808/84-85.—Whereas, I, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Piece or parcel of land village Kanur S. No. 689, Plot No. 11, Kanjur C.H.S. Ltd. Kanjur Marg, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

104 -484 (1), 274

(1) Smt. Sindhu aghunath Ranale

(Transferor)

(2) M/s. Raj Rajeshwari Enterprise

(Transferce,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece or parcel of land village Kanur S. No. 689, Plot No. 11, of Kanjur Coop. Hsg. Soct. Ltd. Kanjur Marg, Bombay The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serail No. AR.III/37.EE/6808/83-84 dated 1-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

FORM ITNS----

(1) Satish R. Ranade

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxmichand Dovji Shah & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6809/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Piece or parcel Village Kanjur, Kanjur Co-op, Hag. Sct.

Ltd. Kanjur Marg. Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Copetent Authority at Bombay on 1-4-1984.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aderesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Piece or parcel of land Kanjur Village, S. No. 690 Plot No. 65 of Kanjur Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Kanjur Marg, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6809/83-84 dated 1-4-1984.

> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Date :7-12-1984 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6845/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 1, ground floor Sai Apartment, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mahesh Builders.

(2) Shri Mallana Possana

(Transferor

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground fl. Sai Apartment, L.B.S Ghatkopar, ot Bombay 2-4-84. .Mare.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7053/83-84 84 dated 1-4-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Mahos Builders

(Transferor)

(2) Mrs. Harsbita V. Bhatt

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7184/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 402 4th floor, Sai Apartment, L.B.S. Marg. Ghatkopar (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Compentent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Sai Apartment, L. B. S. Marg., Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR.III/37EE/7184/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-12-1984

# FORM I.T.N.S.—

# (1) Chandrabhan Bhurmal Sharma

(Transferor)

(2) M/s. Alpnch Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7053/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Pieces or parcels of land at powai Village, survey No. 1(p) S. No. 3 & 4, Powai Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of at Bombay on 2-4-1984

the Compentent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922 ) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereix are defined in Chapter XXA of the zaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Pieces or parcels of lands at Village Tirandaz, survey No. 1 (p) survey No. 3 & 4 CTS No. (18,25,26 part) 28,29,30 and 31 (part), Powai, Abutting Adi Shankaracharya Rd. Powai Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/7053, 83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date :7-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7054/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Pieces or parcels of lands village Powai, old Survey No. 3, 4, 5(P), Powat Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Compentent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Chandrabhan B. Sharma
- (2) Crescendo Associates

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Pieces or parcels of lands at village Powai, bearing old survey Nos. 34(pt)35(part) new survey Nos. 11 & 12(p), Powai, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7054/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-12-1984

(1) Harishchandra C. Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Classique Associates

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7055/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Pieces & Parcels of lands at Powai Village, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered und-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of at Bombay on 2-4-1984 the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Pieces & Parcels of lands at Powai, bearing old survey Nos. 45(p), 44(p), 39(p), 38(p) and New survey Nos. 11(p). Dist. and Sub-Dist. of Bombay city, Powai Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7055/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay,

Date :7-12-1984

#### FORM ITNS....

(1) Shri S. G. Jeswani

(Transferor)

(2) Mrs. K. S. Kataria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 7th December 1984

Ref. No. AR, III/37-EE/7602/83-84, Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 401, S. V. Rd. Lilya Nagar, Buld. No. 1, Goregaon

(W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay 2-4-84 at Bombay 2-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, Buldg. No. 1, S. V. Road, Lilya Nagar, Goreghon (West), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7602/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Date :7-12-1984

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Precision Engg. Ind.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7598/83-84, Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Service Indl. Gala No. 28,. Gr. fl. Kiran Indl. Estate. M. G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

(and more the control of the screening annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the control of the Compenient Authority at Bombay 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, uncrefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following servors, namely:—

105-416 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used bovels as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Gala No. 28, Grd. fl. Kirana Indl. Estate, M., G. Rd. Goregaon(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Author bay vide serial No. AR.III/37EE/7598/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

#### FORM TINS-

(1) Mr. Rajan Kapoor

(Transferor)

(2) Mr. Naresh Ohri & Orp.

They be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 7th December 1984

Ref. No. AR..III/37-EE/7616/83-84, Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gala No. 108. C B'dg 1st floor Shrevas Indl. Estate, Off.,

Wostern Express High Way, Goregaon(E), Bombay-63.

(and more rully described - o the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of he i come-tax Act, 1961, in the office of the Compentent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belowe that the fair market value of the proper y as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the someideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **nadjer**
- (h) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been di which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Jug persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No., 108. 'C' Bide, 1st fl. Shreyas Ind. Estate, 70ff Western Express Highway, Goregaon (E). Bombay-63. The agreement has been registered with the Competent mbay vide serial No. AR.III/37LE/7616/83-84 dated 1-4-1984.

> A. PRASAD Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984 Scal:

#### (1) Mr. Gobind K. Darvanani

(Transferor)

(2) M/s M. J. Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AA ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7617/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding

ks. 25,000/- and bearing
Unit No. 208, 2nd fl. Guru Gobindsingh Indl. Estate.
Western Express, Highway, Coregaon (E), Bolinday-65

(and more tuny described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said institument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been st which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection \$1\$) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 208, 2nd fl. Guru Gobindsingh Indl. Estate. Western Express, Highway, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37LE/7617/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dato :7-12-1984

Seal

\_ : =:=:=:=:=:===

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Mr. M. V. Desai & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX,

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7618/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and beating

Gala No. 47, 1st floor Kiran Indl. Estate, M. G. Road. Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betteve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act share now the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 47, 1st floor Kiran Indl. Estate, M. G. Road. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7618/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Seal

(1) Shri Sivram Khemchand Kukreja.

(Transferor)

(2) Mr. Beharilal Tarachand Bajaj.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.HI/37EE/7105/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd floor Bldg. No. 11, Shivpuri Colony, Chem-

Flat No. 9, 2nd floor Bldg. No. 11, Shivpuri Colony, Chembur Naka, Bombay-71

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 29AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd floor Bldg. No. 11, Shivpuri Colony. Chambur Naka, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Autho iv a bay vide serial No. AR.III/37EE/7105/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-12-1984

# (1) Shri Omprakash Tolaram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Roxanne Daniel

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7086/83-84, Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. 602, Vaikunth, 357, Little Malbar Hills, Sindhi, Seeisty Romboy-71

Society, Bombay-71

(and more runty described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-4-1984

for an apparem consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Otheral

Explanation:—The terms and expressions used  $h_{0i}$ ein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 602, Vaikunth, 357, Little Malbar Hill, Sindhi Society, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Pombay vide serial No. AR.III/37EE/7086/83484 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

#### (1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Joraram V. Devasi

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7163/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62 (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been OI which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the: Chapter.

# THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 43, first fl. Kiran Indl. Estate. M. G. Road, Goregaon (West), Bombay-62,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7613 83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) M/s. Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. R. Patel

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7620/83-84.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Service Indl. Gala No. 48, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G.

Rd. Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the listollity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter \(\lambda \gamma \gamma \gamma \text{of} \) the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Service Indi, Gala No. 48, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7620/83-84 dt. 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Scal:

#### (1) M/s. Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Asha Industries.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR-III/37-EE/7619/83-84,--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -

Service Indl. Gala No. 32, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G.

Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

persons, namely :---106-416GI/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, inerefore, in oursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the aforesaid proceedings for the acquisition of the acquisition of the said Act, to the following THE SCHEDULE

Service Indl. Gala No. 32, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the

Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7619/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-12-1984 Scal :

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajkumar C. Tolani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/6977/84-85.--Whereas, J. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-12, 1st fl. Nalanda Bldg. No. 2, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-12, 1st fl. Nalanda Bldg. No. 2, Valnai Village, Plot No. 32, & 33, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/6077/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-12-1984

Seal -

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kewalkrishan Gupta & Ors.

(Transferes)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. JII/37-EE/6978/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-61, 6th fl. Nalanda Bldg. No. 1, R, Malad, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B-61, 6th fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot Nos. 32 & 33, Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/6978/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

Seel :

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. A. Shenoy & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR. III/37-EE/6978A/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Flat No. B-14, 1st fl. Nalanda Bldg. No. 2, Valnai Village.
Marve Rd. Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. B-14, 1st fl. Nalanda Bldg, No. 2, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/6978A/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date ; 7-12-1984

(1) M/s. Ravi Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Govindji R. Bheda & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR, III/37-EE/6989/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A/101, Ravirai Apartments, ClS 316, Cross Road No. 3, Mamlatdarwadi, Mailad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

A/101, Raviraj Apartments, CTS No. 816, Cross Rd. No. 3, Mamlatdarwadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/6989/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

Scal 4

(1) Ravi Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Satish S. Savla

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/6990/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A/202, Raviraj Apartments, CST 816, Cross Rd. No. 3, Mamlatdar Wadi, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rombay on 2.4,1984

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

tive persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

A/202, Raviraj Apartments, CST 816, Cross Rd. No. 3, Mamlatdar Wadi, Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/6990/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 7-12-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

\_\_\_\_\_\_ (1) Shri T. A. P. Krishnamachari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sinehlata P. Lakhotia

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. JII/37-EE/7607/83-84.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. E-3/13, Jal Nidha C.H.S. Ltd. Bangur Nagar, M. G. Rd. Coregnon, Bombay

Goregaon, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

No. E/3/13, Jal Nidha C.H.S. Ltd. Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7607/83-84 dated 2-4-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Bhagwan Saroop Agarwal & Co.

(2) M/s. Ranu Knitwear

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)...

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY** 

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7593/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gula No. 31, first fl. Jai Bharat Indl. Estate, Dindoshi

Village, Goregaon (E), Bombay-63
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilating the concealment

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, -whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 31, first fl. Jai Bharat Indl. Estate, Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7593/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 7-12-1984

(1) Shri N. P. Pooiary

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi S. Dugoor.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7606/83-84.--Wherens, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.00th and bearing No.

Flat No. L 4/12, Laxmi Ramana Co-op. Hsg. Soct., Bangur

Nagar, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombav (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid eroperty and the varieties of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of the

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. L 4/12, Laxmi Ramana C.H.S. Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR.III/37-EE/7606/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

flow, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said 

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Neeraj Gupta & Others.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7013/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-72, 7th fl. Nalanda Bldg. No. 2, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marve Rd. Malad West, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mooms arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferor for the surpress of the Indian income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269Ps of the said Act, to the following porsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whathever served expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the caid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. B-72, 7th fl. & 1 closed garage at Nalanda Bldg. No. 2, plots No. 32 & 33, of Valnai Village Marve Rd. Malad (West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Pombay vide serial No. AR. III/37-EE/7013/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-12-1984

Seul ;

(1) M/s. Ravi Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961) (2) Gangii Pasco Dedhia

(Transferre)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/6991/83-84,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A/201, Raviraj Apartments, C.S.T. 816, Cross Rd. No. 3, Mamlatdarwadi, Manad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the sent-due annexed here o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficient per cent of such apparent consideration and that the some deration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

No A/201, Raviraj Apartments, C.S.T., 816, Cross Rd. No. 3, Mamlatdarwadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/6991/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

#### FORM ITNS ...

(1) M/s. Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Reji Mathew Jacob & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7843/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Gala No. 45, Ground Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Gore-

gaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 2-4-1984

at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mort than fifteen per cent of such apparent exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act on respect of any income arising from the transferee; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the eald Ast I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Sect on 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 45, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7853/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD<sup>‡</sup> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Daet: 10-12-1984

(1) M/s. Gundecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhimiibhai C. Patel

(Transferos)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7844/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gala No. 46 1st fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62

(w), Bollowy-02 (and more tuily described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sand Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 46, 1st fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregnos. (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-7844/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Daet : 10-12-1984

FORM ITNS ---

(1) M/s. Gondecha Builders

(Transferor)

(2) Smt. Kankubai L. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7843/83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Indl. Gala No. 49, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Road, Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any zaoneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experts later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 49, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/7843/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Daet: 10-12-1984

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mafabhai M. Patel & Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7854/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 45 the said Act'), have reason to occueve that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gala No. 50, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W). Rosphar 62

(W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Au hority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely':---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Gala No. 50. 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7854/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-III, Bombay

Dact: 10-12-1984

Scal 1

#### FORM ITNS....

(1) M/s. Press Parts & Components Combined.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Creation Aromatics

(Transferoe)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7855/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4 30: 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
and bearing No.
Unit No. 18-A, Virwani Indl.. Estate, Western Express High
Way, Goregaon (E), Bombay-83
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of transafar with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; had/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 18-A, Virwani Indl. Estate, Western Express High Way, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Atuohrity. Rombay vide serial No. AR. III/37-BE/7855/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the fineesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sorross, namely :---

Date: 10-12-1984

Seal ;

(1) M/s. Gondecha Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chelabhai M. Patel & Ors.

(Transference)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR. III/37-EE/7852/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Gala No. 57, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon

(W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections: if say, to the acculation of the said property may be made to wrising to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Gala No. 57, 2nd fl. Kiran Indl. Estate, M.G. Rd. Goregaon
(W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/7852/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

108-416GI/\$4

Date: 10-12-1984.

FORM ITNS----

(1) Shri S. N. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1.AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J. H. Doshi

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7293/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 210 Malad Shopping Centre, S.V. Roud Malad

Bombay-64

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 210, Malad Shopping Centre C.V. Rd. Malad Bombay-64.

agreement has been registered with the Competent Aothority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7293/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

# FORM I.T.N.S.—

# (1) Shri S. S. Salvi

(Tradeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subas S. Shakatkar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7115/84-85.--Whereas, I, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and beading

Flat No. 4044 4th fl. Blug. No. 119, Phalko Niketan C,H,S, Ltd. Chembdr, Bombay-89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4044, Bldg. No. 119 Phalko Niketan C.H.S. Ltd. Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.111/37-EE/7115/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bembuy

Date: 10-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, memely :---

(1) Shree Shantikunj Co-op Hsg. Soct.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surinder Singh Pal.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-IJI BOMBAY

Hombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6828/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred - to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

The terrace flat, plot No. 19, Shanti Kunj Laxmi colony, R.C.

Marg Chembur, Bombay-74
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein use are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The terrace flat plot No. 19 Shanti Kunj Laxmi colony R.C. Marg, Chembur, Bombay-74.

agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/6828/83\*84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-12-1984

Scal:

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Ulhas Anant Schasrabudhe

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7295/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000, and hearing No.

Rs. 25.000, and bearing No. Flat No. 35, 2nd fl. Hemal Apartment plot CS. No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, At village Malwani, Malad (W),

Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957: (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 35, 2nd fl. Hemal Apartment plot CS. No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7295/83-84 red 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-12-1984

Scal:

# FORM ITNS----

(1) Shri Amarnath Adam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. C. Chothani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-JII BÚMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR III/37-EE/7217/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 15, 3rd Fl. Sundram Bldg. Estate of Jai Mangal Co-op Hig. Sci. Lt. Ghatkopar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 15, 3rd fl. Sundaram Bldg. Estate of Jai Mangal

Co-op Hsg. Soct. Ltd. Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7217/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) Shri Jairam D. Shetty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/6883/83-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 2 Plot No. 93, Anubhav Bldg. Garodia Nagar Ghat-kopar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unaster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ravi S. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd 'mmoveble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same incaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 93 Anubhav Bldg, Carodia Nagar Ghatkopar, Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR.III/37-EF/83-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bondbay.

Date: 10-12-1984

ilated 2-4-1984.

·(1) Miss S. Bhagwansingh

(Transferor)

(2) Shri K. P. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7227/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Block No. 29-C Shanti Niketan, Ghatkopar, Bombay-86

Block No. 29-C Shanti Niketan, Ghatkopar, Bombay-86 (and more fully a scribed in the Schelule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-4-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 29-C, Shanti Niketen, Ghatkopar, Bombay-864.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7227/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-12-1984

Scal t

# FORM ITNS----

(1) Jamnadas Iwadhva,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Lata Gul, Fabiyani

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7210/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 343, Akash Darshan Co-op. Hsg. Soct. Ltd. Flat No. 124, 12th Fl. Vakola Masjid, Santacruz (E),

Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:-109-416GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a per ou of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 124, 12th fl. Plot No. 343, Akash Darshan Co-op. Hsg. Sot. I.td. Vakola Masjid, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. ARIII/37EE/7210/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-12-1984

FORM ITMS----

(1) M/s Riaz Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th December 1984

Ref. No. AR.III/37 EE/6817/84-85.-- Whereas, I. A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing
Flat No. 301, 3rd fl. Lawrence Apartment, C.S.T. Road

Kalina, Bombay-98.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Mr. Laxman D. Govekar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service ot notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Lawlence Apartment, CST Rd. Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III '37-EE/6817/83-84 dated 2-4-1986.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bomb**ar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1984

#### (1) Mr. P. S. Ganapathy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hamlaben V. Thakkar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.111/37-EE/7036/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 14, 3rd floor, Chandra Vihar, Plot No. 196-B, Kasturba Road, Mulund (West), Bombay-80. situated at Mulund (W)

situated at Mulund (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Chandra Vihar, Plot No. 196-B, Kasturba Road Mulund (West), Bombay-80.

agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7036/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-12-1984

(1) City Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Thimmappa Gowda

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 11th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7171/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred 13 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Anubhav Apartment, 6B 5th fil. Konkan Nagar, Bhandup

Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extractly the apparent consideration therefore her more

said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Anubhav Apartment, 6B, 5th fl. Konkan Nagar, Bhandup Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide social No. AR.III/37EE/7171/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by theh issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-12-1984

(1) M/s Cast Masters

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Rolex Industries.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th December 1984

Ref. No. AR.III/37-EE/7079/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Unit No. 14, Ground Fl. Unique Indl. Estate P.P. road, Mulund(W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at
Bombay on 2-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 14. Ground Fl. Unique Indl. Estate R. P. Road Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/7079/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Vishanji Korji Thakker.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. P. V. Shethia.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6966/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat No. 15, 4th fl. Ambe Maiya Apartment Dr. R. P. Road, Mulund (W), near L.B.S. Marg, Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 15, 4th fl. Ambo Maiya Apartment, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Near L.B.S. Marg., Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6966/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 11-12-1984

# FORM TINS-----

(1) Smt. Hansa S, Seth & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Jivraj Tejashi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/7167/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 3, 1st fl. Vimal Darshan, Ram Ratan, Trivedi Road, Mulund (West), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st fl. Vimal Darshan, Ram Ratan, Trivedi Rd. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/7167/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

\*\*\*\*\* \*\*\*\*\*\* 1.\*\*\*\*\*\* \*\*\* \*\*\* \*\*\* \*\*\*

FORM ITNS-

(1) M/s. D. Kitaney & Co.

(Transferor)

(2) M/s, Pravin Industries.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6843/83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 31, Rear Wing, Gr. Fl. K. K. Gupta Indl. Estate, Dr. R. P. Rd. Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent

Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
  - (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- , (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 31, Rear Wing Ground Fl. K. K. Gupta Indl. Estate, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Pombay-80.

The agreement has been registered with the competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6843/83-84 dated 2-4-1984.

A. PRASAD.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6903/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 8, 3rd Floor, Mani Apartment, T.P.S. III, Ghatkoper (E), Bombay-77

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more, than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice undtr subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

110-416GI/84

(1) M/s. K. K. Patel & Sons.

(2) Sh. Hiren Satyendra Thakker and Ors.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, in Mani Apartment, situated at Survey No. 233, Plot No. 220 CTS No. 5779, T.P.S. III, Ghatkoper (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6905/83-84 dated 2-4-1984.

> A, PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 12-12-1984

# (1) M/s. K. K. Patel & Sons.

(Transferor)

(2) Sh. Satyendra Vithalbhai Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1984

Ref. No. AR.III/37EE/6904/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 7, 3rd Floor, At Mani Apartment, T.P.S. III, Ghatkoper (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd Floor, Mani Apartment, situated at survey No. 233, Plot No. 220, C.T.S. No. 5779, T.P.S. No. III, Ghatkoper (E), Bombay-400 077.

The agreement has been registered with the competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/6904/83-84 dated 2-4-1984.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-UI, Bombay.

Date: 12-12-84,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43307/84-85/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. RS. 95-5, TS No. 1584-3,

situated at Kadri village, M'lore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

M'lore City on 17-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Shri Emelda Farias, repd. by Mr. Norbert Joseph Philip Vas. No. 43, Wellington Street, Richmond Town, Blore-25.
- (Transferor) (2) Shri M. Sanjeeva, Students Lane,

Near Alvares Road, Kadri, M'lore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 230/84-85 dated 17-5-84)

Property bearing No. R. S. No. 95-5, T.S. No. 1584-3, situated at Kadri Village, Mangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-12-84.

(1) Mrs. Krishna Kumari Narain, No. 329, Palace Orchards, B'lore-80,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Stephen Oswald Carnelio, repd. by Mr. 9. Vijaya Kumar, Blore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bangalore-560 001, the 10th December 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C.R. No. 62/43527/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 789 (Western Portion) (789/1)
situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 946/84-85 dated 29-6-84)

Western portion of the site bearing No. 789, remembered as 789/1, in HAL II stage, Indiranagar, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-taxxx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

Shri C. Munireddy, Kodihalli Village, Varthur Hobli, B'lore South Tq. (1)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Esbee Investments Pvt. Ltd. No. 4, Bride Street, Langford Town, B'lore-25.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, .

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43341/84-85/ACQ/B.—Whereas, L, BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Khata No. 769.

situated at Kodihalli village, Varthir Hobits, B'lore South

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Blore South Taluk on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of ree liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1599/84-85 dated June 1984)

Property bearing No. Khata 769, situated at Kodihalli, village, Varthin Hobli, Bangalore South Taluk.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43518/84<sup>1</sup>85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. 599, situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering

officer at Shivajinagar on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Venkoba Rao Manay, No. 1, Rose Lane, Richmond Town, B'lore-25.

(Transferor)

(2) Shri K. Kaveri Genapathy, Arevad Village, & P.O., (Via) Siddapur, Kodangu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 832/84-85 dated 21-6-1984)

Site bearing No. 599, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-12-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Krishna Kumari Narajan, No. 329, Palace Orchard, B'lore-80.

(Transferor)

(2) Shri John Baptist Carnelio, repd. by Mr. A. Vijaya Kumar, B'lore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43526/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 789 (Eastern Portion), situated at HAL II Stage, Indiranagar, B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

with the competent authority under Section 269AB, in his Office

at Shivajinagar on 29-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 Act; 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 945/84-85 dated 29-6-1984)

Eastern Portion of the site bearing No. 789 in AHL II Stage, Indiranagar, Bnagalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43368/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 3, situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, B'ore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

ACQUISITION RANGE, BANGALORE under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at with the competent authority under Section 269AB, in his

at Shivajiaagnr on 6-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) T. K. Ramau, No. 3 (IFloor)
Binnamangala Extn., I Stage, Indiranagar,
Blore-38.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Lakshminarayanan, No. 360, I Stage, Indiranagar, B'lore-38. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 679/84-85 dated 6-6-84)

Premises No. 3, situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43408/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

110, situated at Block II, Koramangala Extn., B'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B7ore South Tq. on 26-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and [ have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 

Shri J. Madhava Sharma, No. 36, V Main road, V Block, Jayanagar, B'lore-11.

(Transferor)

(2) David Vernou Witteubaker & (2) Mrs. Lorna Witteubaker. C/o Gr. Capt. J. Makeurie, White Witteubaker, C/o Gr. Capt. J. Maker Wings Farm, Bauasvadi P.O., Blore-43.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1972/84-85 dated 26-6-84) Vaiant Site No. 110, situated at Block-II, Koramangala Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 14th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/44994/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

property situated at Lakshmipura Village,

Periapatna Taluk, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Mysore on 7-4-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Indian Rayon Corpn. Ltd., Junagadh, Veraval Road, Veraval, Gujarat.

(Transferor)

(2) Kallanna Shivakumar No. 400, 17th Main, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4191/84-85 Dated 7-4-1984)
Property situated at Lakshmipura Village, Periapatna
Taluk, Mysore,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 14th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/44214/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1 R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing

No. 31/1, situated at Govindappa Road, Basevanagudi, Blore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office at Basavanagudi on 23-4-84

with the competent authority under Section 269AB, in his Office

at Btsavanagudi on 23-4-84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri G. Rama Rao, "Poornima", 1476, Krishnamurthypuram, Mysore-4.

(Transferor)

(2) Mr. G. Vasudeva Ruo, No. 9, Plot No. 295— "Fair View" V Road, Chembur, Bombay-71, G. Gurudath, No. 21/31, Govindappa road, B'lore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

(Registered document No. 673/84-85 dated 23-4-1984)
Property bearing No. 31/1, situated at Govindappa road,
Basavanagudi, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-12-84

Soal :

#### PORM ITNS

(1) Shri S. Razuck, No. 35, Benson Road, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri E. V. Subbaiah, No. 38, 29th Cross, VIII Block, Jayanagar, B'lore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 14th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43195/84-85/ACQ/B,--Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a 'fair market value exceeding No. 850 (213).

(and more fully described in the Schedule ansexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of shis actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(Registered document No. 165/84-85 dated 30-4-84)

Property bearing No. 850 (213), situated at "Jayalaxmi Buildings", O.T.C. Road, Nagarathpet, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, '957 (27 of 1957);

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shahed Ahmed, No. 87, Infantry Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Peter Barnes, No. 31, 'Flowers Nest'. Shirley Rajan Road, Bandra, Bombay-50.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 11th May 1984

Ref. No. C. R. No. 62/43252/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 334,

stuated at Koramangala, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'Lore South Taluk on 11-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the parties have not been truly stated in the SMI between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) friellitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/et

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 862/84-85 Dated 11-5-1984) Property bearing No. 334, situated at Koramangala, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43220/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 76, situated at Badagabettu Village, Uudupi Tq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

with the competent authority under Section 269AB, in his Office

at Udupi on 7-5-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abraham Karkada, 2. Lyril Sabostian Karkada, No. 76, Kukkikatte, Badagabettu Villagt, Post Udupi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Salins, repd. by Gilbert Salins, No. 76, Kukkikatte, Badagabettu Village, Poat Udupi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

((Registered Document No. 144/84-85 dated 7-5-1984).
All that property bearing No. 76, situated at Bhadagabettu

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-12-1984

Village, Udupi Taluk.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th December 1984

C. R. No. 62/43297/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/18,

No. 1/18, situated at VIsoor Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer with the Competent Authority under Section 269AB in this office at Shivajinagar on May 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Lakshminarayana Pai
 Smt. K. Rana Bai Pai,
 No. M-63, Chopping Centre,
 Greater Kailash-II,
 New Delhi-48.

(Transferor)

(2) 1. A. N. Subbaraju, 2. A. N. Jagadish, 3. A. N. Ramesh, No. 226, VII cross, Rangaswamy Temple Street, B'lore-53.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 541/84-85 Dated May, 84). Premises No. 1/18, situated at Visoor Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th December 1984

C. R. No. 62/43309/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. 644-2, TS No. 18-2, situated at Central Ward, Casba Barna Village, M'lore City has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oeffic of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at M'lore on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which engit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Pravinchandra Vanawalidas, Aravinda Kumar | Vanawalidas, Harish chandra Jayantilal, Old Kent Road, M'lore.

(Transferor)

(2) Mrs. Nascema, Jasmine Apartments-B, Flat No. 406, Dockyard Road, Maragaon, Bombay-10.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 271/84-85 Dated 25-5-84). Property bearing No. RS. 644—2, TS No. 18—2, situated at Central Ward. casba Barrar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri A. Vijayakumar, No. 197, Indiranagar, II stage, B'lore.

(Transferor)

(2) Mrs. Radha Mohan, No. 15, 10th Avenue, Marington Road, Madras-30.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th December 1984

C. R. No. 62/43675/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. 69.

situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, B'lore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ocsile of the Registering Oslicer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shivajinagar on 30-7-1984

art Shivajinagar on 30-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1272/84-85 Dated 30-7-84). Property bearing No. 69, situated at Binnamangala I stage, Indiranagar, B'lore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—112—416GI/84

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th December 1984

C. R. No. 62/43370/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B ot the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 1 (old No. 11)

situated at II Cross, Shanthaveerigh Lane, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has, been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oafile of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Gandhinagar on 5-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following garsons, namely '---

(1) 1. Shri M. C. Prabhu Prakash,

2. C. P. Manoj & 3. C. P. Deepak.

101/1, Surveyor Street No. II Cross, Basavanagudi, B'lore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sohanlal, Ashok Kumar &
 Smt. Tara Devi, No. 15, Rajanna Lane, Ganigarapet, B'lore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pu cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sak Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(logistered Document No. 932/84-85 Dated 5-6-841.) Property bearing No. 1 (old No. 11), situated at 11 cross, Shanthaveeriah Lane, Bangalore,

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalote

Date: 11-12-1984

 Shri F. A. Hassanabba, Ranipet, Madikeri Town, Kodangu.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Shri T. K. Yousuff Haji,
 Smt. Ambalath Kanda Zainaba,
 Cheriath House, Praakal, Mahe,
 Pondicherry State,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th December 1984

C. R. No. 62/43262/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. 104, 105,

situated at Ward No. 5, Madkeri Town, Kodagu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oeffic of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Mercara on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 348/84-85 Dated 31-5-84); Property bearing Sy. No. 104, 105, situated at Ward 5, Madkeri Town, Kodagu.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bangalore, the 7th December 1984

C. R. No. 62/843/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 3787/47 ± 48A/2 situated at Gadag Gram, Taluka Gadag, at Gadag on 22-5-1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) R. BHARDWAJ,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oessie of the Registering Otsicer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shree Gagadguru Tontadswamy Sausthanmath,

(Transferor)

Smt. Hannava daughter of Manashappa Dhavale
 Sri Vashanth Manashappa Dhavale,
 Sri Declip Maburao Dhavale,
 alias James, Macanic,
 all R/o Infront of Krishna Talkies,
 Kumandik road, Gadag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 449 Dated 22-5-1984). Open land measuring 36-2/9 square yard and 427.2/9; Square yard under C. S. No. 3787 situated at Gadag.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

C. R. No. 62/844/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 112/26, situated at Ward No. Ill, Bijapur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bijapur under document No. 1271 on 24-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

- (1) 1. Shri Shidramappa Bhimappa Biradar
  - 2. Bhimanagouda Biradar, 3. Shankargouda Biradar, all R/o Kesaratti Village, Tal: Sindagi, Bijapur District.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand S/o Hiraji Gadda alias Shah, Indi Road, In front of Market, Yard, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1271 Dated 24-9-1984).

Building measuring 749' Squre feet and open site measuring 391 square feet situated at Ward No. III, under CTS No. 112/26, Bijapur.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

C.R. No. 845/84-85.-- Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fairmarket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1018 situated at Anagol, Belgaum

(and more fully described in the Echedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Balgaum

under document No. 720/84-85 on 22-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usus of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Savitribai Ramachandra Ekbote,

  - Gonal Ramachandra Ekoote,
     Michar Ramchandra Ekbote,
     Shidhar Ramachandra Ekbote, all r/o H. No. 249, Uppar Galli, Khasbag, Belgaum.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Mahaveer Dharmaji Anagolakar
  - Smt. Malathi Mahavcer Anagolakar
     Gunadhar Angolakar all r/o Hindwadi House No. 36,

Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 720 Dated 22-5-1984]

Open plot situated at Anagol extension Belgaum measuring 112-6" x 80 under survey No. 61/2/2 plot No. 1018.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-12-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

C.R. No. 846/84-85,—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-uble property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Site No. 90 situated at Basavanagudi extension, Shimoga City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Shimoga

under document No. 474/84-85 on 26-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in menact of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri S. H. Krishnappa slo Hucharayappa, r/o Channappa I ay-out Extension, Shimoga City.

(Transferor)

(2) Shri R. B. Chandrashekarappa s/o Basappa, Medical Officer, Health Department, Savalang village, Honnali Taluka, District: Shimoga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 474 Dated 26-5-1984]

The property situated under site No. 90 at Basavangudi extension, Shimoga city measuring 2400 sq. feet, out of which one cemented building measuring 57.87 sq. metres and 18.40 mangalore tiles building.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

No. 847/84-85.--Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C. S. No. 3450/B situated at Unakal village, Hubli Taluka, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Hubli under document No. 582 on 23-5-1984

Under document No. 582 on 23-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mahabaleshwar Ramakrishna Ginnu, Koppikar Road, Hubli.

(Transferor)

(2) 1. Mallikarjun Danappa Manvi,
 2. Prakash Mallikarjun Manvi
 3. Ravi Mallikarjun Manvi

4. Amar Mallikarjun Manvi

all resident of Nelajin Road, Hubli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 582 Dated 23-5-1984]

Open plot measuring 1163 sq. yards under survey No. 345b/B situated at Unkal taluka Hubli comes within the Hubli Dharwad Municipal area.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) C. A. Hafeez Khan soo Late Mr. C. Khizer Khan, Coffee Planter, M. G. Road, Chickamagalur. (Transferor)

(2) C. Sanaulla Khan so Mr. C. A. Latheet Khan, Coffee Planter, M. G. Road, Chickmagalur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th December 1984

CR No. 848/84-85.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 228/3, 153/1, 154/P, 153/2 situated at Dattatrayapesta village Jagare Hobli Chickmagalur, Bisagnimutt village, Jagare Hobli

Chickmagaiur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chickmagalur under document No. 552 on 29-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or thet Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 552 Dated 29-5-1984] Coffee land situated at Dattatryapesta and Bisagnimutt villages of Jagare Hobli of Chickmagalur measuring as under:-

Survey Nos.	Acres.
228/3	10-00
153/1	11-38
154/P	10-00
153 / Drying yard	0-06
153/2 Kanamane	0-05

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-12-1984

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

113-416GI/84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th December 1984

C.R. No. 62/849/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 797/857/206/(4242) situated at Gandhinagar IV Divn. Shimoga Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Shimoga in April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian become tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Jayaram @ D.T. Yariyappa, Merchant, Garden Area, Shimoga.

(Transferor) urian @ Unman George,

(2) G. Kurian @ Unman George, Merchant, Gandbinagar Extn. Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 184/84-85 dated April , 1984].

Property bearing No. 797/857/206 (4242), at Gundhinagar IV Division, Shimoga Nagar.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant of Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 11-12-1984

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAINGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 825/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in spect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

M/s. Mathru Engineers & Builders
 (P) Ltd., 3-5-873,
 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farzana Baqui, W/o.Dr. Md. Abdui Baqui, 22-1-692, Noorkhan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401 in B. Block at Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 895 aft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 284/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Soal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC No. 826/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22 paise share in House Bashcerbagh, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri G. K. Ranam, 77, Rajmahal vilas Extentions, Sadasivanagar Bangalore.

(Transferor)

 M/s. Progressive Constructions Pvt., Ltd., 3-6-309, Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

22 paise share in double storeyed building and its appurtenant land bearing No. 3-4-812, Basheerbagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 336/84

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

FORM ITNS-

(1) Sri P. Sudarshan Murthy, 2-2-1137/5/B, New Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. B. Pushpa, W/o B. Sudhakar Reddy, Palakonda, Palakonda Tq., Srikakulam Dt., (Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC No. 827/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

per deed registered under the Indian Registration Act,

as per deed registered tinder the indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1-2-606/80/100 at LIC Colony, Opp. Indira Park, Lower Tank Bund Road, Hyderabad admeasuring 930 sft., plinth area 168 sq yds., of land area registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 289/84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Soal:

#### FORM ITN9-

Sant. Quamer Jehan Begum, d/o Sultan Huseain, 5-9-161, Chapel Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Paramount Agencies Pvt. Ltd.. Rep. by Sri M. Sadatullah, 1-10-76, Fairfield, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. 828/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Chappal Rd., Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1984

at Hyderabad on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Chapel Road, Hyderabad admeasuring 255.99 sq. yds. of land area and 2830 sft., plinth area registered by the S.R. O., Hyderabad vide document No. 2283, 2297, 2357/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. K. Sitha, 6-3-887/2, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Rafat Hussain, 1-9-818, Adikmet, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC No. 829/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

House situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1984 Bombay on 21/4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-6-188/1, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 278 sq. yds., of land area and 300 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2339/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 10-12-1984

#### FORM LT.N.S.-

(1) Sri Rajesh Sanghavi, 136/33, P. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Bai, W/o Babulal, 81, Subrahmanya Chetty Street, Cusaloor, Tamilnadu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 830/84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. House situated at Lower Tank band situated at Hudara

No. House situated at Lower Tank Bund situated at Hydera-

had

Chikkadpally in April 1984

Agra under registration No. 13857, dated 2-5-1984 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer the parties has not been trained in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immon-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House in LIC Colony, Bhimnagar. Lower Tank Bund Road, Hyderabad admeasuring 1257 sft., registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 356/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (4) OF 1961;

 Sri Ashok Kumar Munot and Others, R/o Sagar Apartments, 3rd floor Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kasturi Bai and Others, All residents of 21-1-311, Rikaogunj,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC No. 831/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 25,000,- and bearing

No. House situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 21-1-878 to 883 at Deodi Mama Jameela, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2131/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 832/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land situated at Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chikkadpally in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. B. Sabitha Reddy, 3-6-223, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

 M/s United Constrution Co., 3-6-150, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 409 sq. yds. at 3-6-223, Himayathnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 288/84 and 297/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 833/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat situated at J. N. Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the property are cent of such apparent consideration and that the monsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Beena Builders, 4-1-826, Victoria Chambers, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Hyderabad & Secunderabad Electric Tradera Association, 4-1-314, Troop Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 113 in first floor of Victoria Chambers, J. N. Road, Hyderabad admeasuring 1365 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2189/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 834/84-85.—Whereas I., M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land situated at R. R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. Dt., in April 1984 abad village, Rajendernagar, R. R. Dt., registered by the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Ajay Raj Nandu and others, 1-8-702/89/1, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Satya Sai Co-op, Housing Society Ltd., Rep. by Sri N. Laxmana Rao, 6-3-841/1, Amecipet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e1 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 acres 39 guntas situated at Hydernagar village, Rajendernagar, R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 2414/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 835/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ERs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Narsapur Medak Dt., No. Land situated at Narsapur Medak DL, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

(1) Smt. Suchitha w/o M. L. N. Reddy, Type V Plot No. 3, BHEL, Ramachandra Puram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Raasi Synthetics & Chemicals Ltd. 6-3-1089/G/10, 1st floor, Flat-B, Gulmoher Avenue, Rajbhavan Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land dameasuring 14-39 acres situated at Narsapur, Medak Dt., registered by the S.R.O., Nrasapur vide document No 1213 & 1214/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Acquisition Range, Hyderabad (A.P.) Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-12-1984

(1) M/s Kakateeya Constructions (P) Ltd. Director Sri G. Anjaiah, 4-5-943, Badi Chowdi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Forward Surgical Co. Partner Sri H. K. Madan, Adarshnagar, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Rel .No. RAC. No. 836/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderatad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 5-4-435/9 and 9A, at Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1358 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2345/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely):-

Date: 10-12-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 837/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing
No. Land situated at Nizamabad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :--

(1) Smt. P. Balamma, w/o P. Mallappa, Kumargalli, Nizamabad.

(Transferor)

(2) M/s Anandnagar Constructions. 8-2-624/A, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on theh respective respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 9-38 acres situated at Hyderabad Road, Nizamabad registered by the S.R.O. Nizamabad vide document No. 1503 & 1504/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 838/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Hayathnagar Tq. R. R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyd-ast on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri V. Yadgiri Rao and others, 2-1-322, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Krishna Reddy, 2-1-302, Nallakunta, Hyderabad. Sri P. Chandra Reddy, 2-1-294, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 14-06 acres at Hayathnagar Tq. R. R. Dt., registered by the S. R. O., Hyd-East vide document No. 3201/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 839. 84-85.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Hyderguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

115--416GI/84

(1) Sri P. Thyaganti S. o P. Bapaah, 3-6-291/1, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Indersingh S'o H. Singh, 6-3-629, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ci 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3-6-291/1, Hyderguda, Hyderbaad registered by the SR.O., Hyderabad vide document No. 2032/84;

> M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

FURNI ITNIS----

A STATE OF THE PROPERTY AND ASSESSMENT OF THE PROPERTY OF THE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 840/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Hyderguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

is facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

, (b) facilitating the concealment of any income of any noneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 28th of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sti P. Bapaiah of Veeralah Chowdary, 3-6-291 1, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Hardeep Kaur. w/o H. Singh, 21-3-291, Petla Burj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Fortion of M. No. 3-6-291/1, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 601 sq. yds. of land area and 1500 sft., plinth area tegistated by the S.R.O. Hyderabad vide document

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

(1) Bhagaynagar Constructions Pvt. Ltd. Putlibowli, Hyderabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Sri Omar Farooq Balasharaf Ali Halki, Shop No. 53, in 5-1-908 at Putlibowli, Hyderabad.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 841/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

M. JEGAN MORAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. shop, situated at Putilbowli. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 53 in 5-1-908 at Putlibowli, Hyderabad admeasuring 232 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2346/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1984

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 842/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 No. House situated at Goshamahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Authority

Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any memory or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Sri Ram Kishen Mor and Others. Patel Market, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Sankaraiah and Others, 5-3-203/204, Hindi Nagar, Goshamahal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing so the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing No. 15-2-744 to 746 and 755 Osman Gunj, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2066/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 843/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/and bearing

No. Land situated at Revulu Mella Cheruvu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4-1984 Kodad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri V. Chinna Venkata Reddy & Others, Revuru Village, Kodad Tq., Nalgonda dt.

(Transferor)

(2) M's Surya Cements Pvt, Ltd... 1-1-475/2, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Revuru, Mella Cheruvu, Kodad regiotered by the S.R.O., Kodad vide document Nos. 1150, 1151 3340, 3339, 3462, 3463/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assir ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

Ref. No. RAC. No. 844, 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sri G. Seetharamaiah & Others. Kodad.
- (2) Sri Vishnu Cement Ltd., 1-10-1/15, Ashoknagar, Hyderabad-28.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 758 acres situated at Revuru, Rampuram and Dondapadu villages, Kodad Tq., registered by the S.R.O., Kodad vide document Nos. 1165, 1191, 1193, 1226, 1204, 1203, 1225, 1234, 1249, 1246, 1245, 1240, 1239, 1238, 1237, 1236, 2401, 2411, 2366, 2369, 2380, 2384, 2391, 2397, 2398, 2337, 2338, 2339, 2329, 2305, 2341, 2344, 2345, 2356, 2357, 2358, 1550, 1547, 1459, 1511, 1450, 1412, 1413, 1420, 1421, 1428, 1442, 1444, 1411, 1388, 1389, 1394, 1395, 1253, 1252, 1299, 1294, 1290, 1307, 1313, 1310, 1314, 1315/ 1253, 1252, 1299, 1294, 1290, 1307, 1313, 1310, 1314, 1315/

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Mate: 10-12-1984

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri K. Venkata Rao and others, Penugonda, Tanuku Tq., W.G. Dt.

(Transferor)

 Sri Bhupati Raju Narasimha Raju, Pydava. Gummuluru Post, Poduru Tq., W.G. Dt.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT: COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 297/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Land situated at Pangidigudem W. G. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Bhimadole on 4/84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a reed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer und/er

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land situated at Pangidigudem village, Bhimadole Tq., W.G. Dt., admeasuring 20 acres registered by the S.R.O., Bhimadole vide document No. 981/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 5-12-1984

(1) Sri P. Satyanarayana and others. 11th Ward, Tanuku.

(Transferor)

(2) Sri V. Venkata Subha Rao, 6th Wadr, Tanuku, W.G. Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 298/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001 and heaving. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Tanuku W.G. Dt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 4/84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followieg persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immev-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2-70 acres situated at Tanuku, W.G. Dt., registered by the S.R.O., Tanuku vide document Nos. 1663/84, 1658/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 299/84-85,—Whereas, f. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land, situated at Waltiar Ward, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen ver cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

116-416GI/84

(1) Sri R. Prakasa Rao, Karapa, Kakinada, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Smt. P. Lakshminarayanamma and Others, Madhavadhara, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1251 sq. yds. situated at Waltair Ward, Visakhapatnam registered by the S.R.O., Vizag vide document Nos. 4394/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 300/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land situated at Waltair Ward, Vizag

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to become the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri R. Prakasa Rao, Karapa, Kakinada. E.G. Dt.

(Transferor)

 Smt. S. Lakshmi, w/o Sri Srihari, 57-6-7/1, Kancharapalem, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1040 sq. yds. situated at Waltair Ward, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document No. 4833/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri A. Narayana Murthy and Others, Pithapuram, E.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri T. Gopalakrishna, Dharmavaram, Pithapuram Tq., E.G. Dt.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 301/84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situated at Kakinada admeasuring 614 sq. yds. of land and 2554 sft., plinth area registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 3264/84,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscition (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 5-12-1984

Seel:

 Dr. P. Jagannadha Rao, Kakinada, E.G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sti Frra Murali Mohan, Auditor, c/o M/s Brahmayya & Co., C.As., Kakinada.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 302/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 686 sq. yds. situated at Kakinada Ward. No. 2 registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 3460/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sri M. Krishna Murthy, c/o Krishna Crusible Works, Mangalavarapupeta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) M/s Ratna Ceramics & Refractories, Rep. by Sri N. Ramakrishna, 47-1-400, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, (A.P.), the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 303/84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Rajmundry

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajamundry on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **44**4/6~
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 80 cents situated at Rajahmudnry Rural area registered by the S.R.O., Rajahmundry vide document No. 2690/84.

> M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1984

Boal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

RAC. No. 304/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as nated to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

(1) Sri P. Prabhakara Rao, D. No. 15-7-1, Venkataratnapuram, Kakinada,

(Transferor)

(2) Sri Balantrapu Ghaskara Ramamurthy, D. No. 11-2-14, Seshasai Veedhi, Remaraopeta Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 20 acres situated at Pangidigudem, Bhimadole Taluk, W.G. Dt., registered by the S.R.O. Kakinada vide document No. 981/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

RAC. No. 305/84-85.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. Land situated at Seethammadhara Vizag,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Vizag on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the opnsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. M. Suryakumari, 31-33A-15, Dabagardens, Vijag.
  2. C. Annamalimudaliar and Others,
  50-1-23, Opp. T.O.L. Seethammadhara, Vizag.
  (Trans
- (2) M/s, Pallavi Constructions Pvt., Ltd., by Sri U. Raju, 43, Kirlampuri Layout, Vızakhupatnam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-nective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2540 sq. yds, situated at Seethammadhara, Vizag registered by the S.R.O., Vizag vide document Nos. 4956 to 4959/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

Seal

#### FORM I.T.N.S.-

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

RAC. No. 306/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing

No. House situated at Lawyerpet Ongole,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ongole on 4/84,

ال الحي والرحال الأحري والأسيورة

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax ander the said Act, is respect of any income arising from the transfert and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said and or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Chenchulu S/o Sri Subbaiah Ameerpet, Hyderabad.

(2) Smt. Chennareddy Indira W/o Sri Bhaskara Rao, D. No. 58-6-18(1), Nehru Veedhi, Santhapet, Ongole,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcacid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property D. No. 8/220, Lawyerpet, Ongole, (New Extension) admeasuring 389 sq. yds. of land area and 864 sft., plinth area registered by the S.R.O., Ongole vide document No. 1143/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid/Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 5th December 1984

RAC. No. 307/84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Janualagudda Narasraopeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri K, Hanumantha Rao, Jonnalagadda, Narasaraopete Ty. Guntur Dt.,
- (2) Sri N. Sivarama Chandra Sekhara Rao, Managing partner Sri Venkateswara Ginning Mill, Jonnalagadda, Narasaraopeta Tq., Guntur Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

registered by the S.R.O., Narasaraopeta vide document No. 1826/84. Land admeasuring 1 acre 50 cents situated at Jonnalagadda

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-117-416GI/84

Date: 5-12-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 308/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'aud Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; mad or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Yelisamma W/o Sri Ananthayya, Srinivasaraothota, Guntur,

(Transferor)

(2) Sri V. Seetharamayya and Others, Sivaramnagar, R. Agraharam, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land admeasuring 915 sq. yds. situated at R. Agraharam, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4321/84.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 309/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Brodipet Guntur, (and riore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registr: tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registe ing Officer at Guntur on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tal under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or sny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri V, Satyavathamma, Brodipet, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri S. Samba Murthy S/o Srl Laxmanamurthy. Brodipet, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Brodipet, Guntur admeasuring 96 sq. yds. of land area and 1200 sft., plinth area registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 4388/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

 Sri P. Lakmikanthamma W/o Sri Satyanarayana.
 Sri Panchumarthi Appa Rao, Thakkellapadu, Guntur, Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri K. Venkateswarlu C/o The A.P.S.R.H.C., SC Employees Co-Op. House Building Society Ltd., Guntur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 310/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing
No. Land situsted at Thakkollapadu Guntur Distt.

No. Land situsted at Thakkollapadu Guntur Distt. (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 4/84,

Guntur on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 4 acres situated in Thakkellapadu village near Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 3284/84.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 311/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Land situated at Doddavarajpadu Frakasam Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. Venkateswarlu S/o Sri Sreeramulu, Doddavarappadu, Prakasam Dt.

(Transferor)

(2) Sri B. Punna Reddy, Maruthi Cotton Cinning Co., Managing partner, Doddavarappadu, Prakasam Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Doddavarappadu, Prakasam Dt., registered by the S.R.O., Ongole registered vide document No. 1215/84, 1234, 1299, 1230/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons namely:—

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 312/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Udugundlapadu Prakassm Dt., (and structed in the Schodule exceeding hereto)

No. Land situated at Udugundlapadu Prakassm Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on 4/84,

ongote on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Seshagiri Rao S/o Sri Narasimham, Santhapeta, Ongole,

(Transferor)

(2) Sudha Cotton Ginning Mill, Yedugundlapadu, Managing partner Sri M. Ramesh Baby, Santhapeta, Ongole.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land situated at Edugundlapadu, Prakasam Dt., admeasuring 1-56 acres registered by the S.R.O., Ongole vide document No. 1179/84.

M. JEGAN MÖHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

R.A.C. No. 845/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Osmanpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Subha Devi & Company Rep. by Smt. Subha Devi, H. No. 21-7-343, Shakerkotha, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Rasheed & Others, D. No. 22-1-514, Sultanpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 16-7-436 at Osmanpura, Hyderabad, admeasuring 1671 sq. yds. total area and 3764 sq. ft. plinth area, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2385/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

#### FORM LT.N.S.-

(1) Sri R. S. Gopalan, D. No. 12-2-458/7, Mehdipatnam, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION. 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Zakia Sultana & (2) Md. Ibrahim Khan, 10-4-32, Humayunnagar, Hyderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 846/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Mehdipatnam, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incume-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### THE SCHEDULE

House situated at Amba Theatre, Mehdipatnam, Hyderabad, admeasuring 435.5 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad, vide document No. 2430/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 19-12-1984

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT(, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 847/84-85.—Whtreas, J., M. JEGAN MOHAN,

being the Conpetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have teason to believe that the infinovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing
No. House situated at Asifnagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

118-416GI/84

- Smt. Fatima W/o Sri Ali Hasan, Rep. By C.P.A., Sri Mchdi Hasan, R/o 20-3-627, Moosa Bowli, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) Fatima Waliulla and two others, D/o Sri Waliulla. H. No. 12-2-837/3, Asifnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House at Asifnagar admeasuring 813 sq. yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 836/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

### FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 848/84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at V. N. Colony, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affice a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or everion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Dr. Asgar Hussain, 10-2-317/20, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Shabbir Ahmed Abdulla Bhai, 10-2-317/20/1, Vijayanagar Colony, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storeyed building in a plot admeasuring 194 sq. yda. registered by the S.R.O., Khairtabad vide document No. 941/84, and the property situated at Vijayanagar Colony, bearing No. 10-2-317/20.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. vamely :-

Date: 10-12-1984

(1) Shaik Silar S/o Shaik Abdullah, 12-1-331 /98. Dattatreyanagar, Asifnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Gunnersingh and others, 12-1-331/98. Dattatreyanagar, Asifnagar, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 849/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing
No. House situated at Asifnagar Hyderabad,
Khairatabad on 4/84,

(and more ully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Double storeyed house with compound wall altuated in Dattatreyanagar, Asifnagar, Hyderabad registered by the E.R.O. Khairatabad, vide document No. 1007/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomes Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC, No. 850/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 26,000/- and bearing

No. plot situated at A. C. Guards Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri M. A. Kabir S/o M. A. Nazeer & Another, 10-1-851/1, A. C. Guards, Hyderabad.
- (2) Dr. (Mrs.) Haleem Sultana, W/o Dr. Md. Ghousuddin, 5-3-1020, Nizamshahi, Hyderabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open plot of land situated in A. C. Guards, Hyderabad admeasuring 261 sq. yds. registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 878/84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 296/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Land situated at Kanuru Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Y. Mallikarjuna Rao and Other Vuyyuru.

(Transferor)

(2) 1. Sri T. Prasada Rao S/o Sri Sitaramayya, 2. Smt. T. Sujatha, Aep. by Agent Sri P. Basavayya, Vijayawada.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- ,(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5495 sq. yds. of land situated at Kanuru, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2153/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

(1) Sri K. Papaiah S/o Srinivasa Rao, Dasunagar, Vijayawada-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sardar Kuldeep Singh Kandhari, Kandhari House, Labbipet, Vijayawada-10. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 313/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. House situated at Mogalrajpuram, VJA,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering. Officer at Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and house bearing D. No. 32-9-1 at Mogalrajpuram, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide dogument No. 2318/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-12-1984

(1) Sri N. Gopalakrishnalah, Pandurangapet, Tenali.

(Transferor)

NOTICE: UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri V. Sudhakara Reddy. and Other, Gummanampadu, Epuru Tq.,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 314/84-85.—Whereas, I,

M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bealing

No. Land situated at Sivapuram Vinukonda Tq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vinukonda on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said humovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazate.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andjor

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land situated at Sivapuram village, Vinukonda Tq., Guntur Dt., registered by the S.R.O., Vinukonda vide document No. 912, 913, and 914/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following

persons namely:--

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 315/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and besring

No. Land situated at Guntur Dt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfurred as per deed reg stered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair register the property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri B. Guravayya and Others, Venigandla, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) Sri G. Lakshminarayana, The Guntur Co-Op. House Construction Society Ltd., Srfnivasanagar, /Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 13 cents, 4 acres 90 cent sand 14 cents situated at Venigandia, Pedakakani and registered by the S.R.O., Guntu vide document Nos. 4128, 3874, 4131, 3184, 4353, 3482, 3483, 3781/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, THydershad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri G. China Rojavathi W/o Ramarao, GPA D. Suryanarayana, Vidyanagar, Guntur.

(Transferor)

(2) T. Krishna Murthy S/o Venkatramaiah, Tenali To .. Krapa village Ravikampadu Sivaru, Krishna Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 316/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land situated st Krapa (v) Guntur Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-119—416 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that 100 mi ....

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 6 acres 40 cents situated at Krapa village, Guntur Dt., registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 3339, 9067, 9066/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabsd (A.P.)

Date: 10-12-1984

Soal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) 1. Smt. A. Bharathi W/o Basavapunnayya, 2. and Sons, Old Guntur, Guntur, '

(2) G. Radhakrishna Murthy, Doorparpanja Street, Guntur.

(Transferee)

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONIA OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 317/84-85.—Whereas, ], M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Land situated at Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 4/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1-85 acres situated at Zillaparishad area Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 3661, 3662, 3663/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Ameena Bibi W/o Shaikh Mohd, John Saheb, Nagarampalem, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Mohd S/o Mohd. Ibrahim, Nagarampalem, Guntur.

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 318/84-85.—Wherfeas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and besting

No. House situated at Nagarampalem Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guntur on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to halter value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and house situated at Nagarampalem, Guntur registered by the S.R.O., Guntur vide document No. 3338/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-12-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 319/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority un being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mbarket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jawahar Autonagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objetc of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey :--

(1) Smt. P. Charumathi Devi W/o Late Chandrayya, M/s. Kanaka Durga Auto Works, Vijayawada,

('Transferor)

(2) Sri P. Surendru, Jawahar Autonagar, Viiavawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Jawahar Autonagar, Vijayawada admeasuring 1000 sq. yds. of land and 2000 sft., plinth area registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3408. 3424/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 10-12-1984 Seal :

(1) Sri Y. Satyanarayana and 5 Others, Vempodu, Gannavaram Tq., Krishna Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Balakrishna Prasad and Satya Rajendra Prasad, Veldipodu, Gannavaram Tq., Krishna Dt.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC, No. 320/84-85.—Whereas I.

M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands situated st Krishna Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gannavaram on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land situated atV eldipadu and Kandrika villages admeasuring 10 acres 89 cents registered by the S.R.O., Gannavaram vide document No. 1154, 1156, 1111, 1108, 1155, 1109/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri B. Emanuel and Other, Prajasakthinagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri P. Spurgear Raju, President: Mannapul Gas Pull Ministry's Head Quarters, Amalapuram. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderahad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 321/84-85,—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Land situated at Krishne Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gannavaram on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acre 61.5 cents situated at Gannavaram, Krishna Dt., registered by the S.R.O., Gannavaram vide document No. 1128/84.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-12-1984

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 322/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Mogalrajpuram, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Vijayawada on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri A. Venkata Subrahmanyam, Mogalrajpuram, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri U. Scetharama Rao, Ramagundam, Karimnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing No. 32-20-2A at Mogalrajpuram interior, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2531/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Pate: 10-12-1984

(1) Sri B. Prabhakara Rao, Hanumanpet, Vijayawada,

(Transferor)

(2) Sti A. Balajiram and Other, Hanumanpet, Vijayawada,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 323/84-85.—Whereas I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House situated at Hanumanpet, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Hanumanpet, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 1981, 1982/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(Transferor)

(Transferee)

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 324/84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Nuzvid, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Nuzvid on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Sri Neelakurthi Kalaiah S/o Chenchaiah,

(2) Sri Madineni Malakondaiah S/o Lakshmalah, Vattigudipadu, Nuzvid Tq., Krishna Dist

Suggalavari thota, Khammam.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with tiled house situated in Nuzvid Village admeasuring 19-06 Acres of land and building 2613 sq. ft. registered by the S.R.O., Nuzvid vide document No. 925/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :---

120-416 GI/84

Date: 10-12-1984

Soul :

### FORM No. I.T.N.S .--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th December 1984

RAC. No. 325/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. House situated at Vijayawada,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-persons, namely:—

- (1) Sri Veeramachineni Radhakrishna Rao, S/o Late Venkata Subbaiah, Seshadri Sastry St., Governorpet, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri Maddeti Sankar S/o Mallayya, 4-3-843, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building situated in Seshadri Street, Vijayawada admeasuring 330 sq. yds. site area and 1060 sq. ft. plinth area registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2475/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 326/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated at Kesari Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration A.t. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanchikacherla on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri Kotapati Srihari Das, S/o Narasimhan, Gandepalli Post, Kanchakacherla Tq., Krishina Dist

(Transferor)

(2) Sri Velaga Venkateswara Rao, Managing Agent, Mls. Ravi Cotton Trading Company, (H.O.) Mogulur, Kanchakacherla Tq. Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 4 acres and 01 cents situated on the National highway road in Kesara Village registered by the S.R.O. Kanchikancherla vide document No. 542/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follows: persons, namely:-

Date: 10.12.84.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 327/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. land situated at Nunna Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 5/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shaik Masthan, S/o Khasim Saheb, M/s. Masthan & Co., Vijayawada-I.

(Transferor)

(2) M/s, Hindusthon Bolts & Nuts, Munna, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land with go-downs situated at Nunna Village on the Vijayawada Nuzvid Road admeasuring 3144 Sq. Yds. registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 3417/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RA.C. No. 328/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Site situated at Yedlapalli Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Tenali on 5/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Karumanchi Umamaheswara Rao, Slo Sambasiva Rao, Sambasivapet, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Guijipalli Rama Rao, S/o Basavaiah, Sri: Lakshmi Srinivasa Oils & Fats Pvt. Ltd. 12-3-4, Yerravari Street, Morrispet, Tenali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land situated in Yedlapalli Village admeasuring 4-52-1/2 acres registered by the S.R.O. Tenali vide document No. 2111 & 2116/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 439/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing land situated at Krsara Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been a fitted and the egisement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Kanchasecharla on 4/84. Kanchisticharla on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Tella Kosamma, W/o Nagi Reddy, Gandepalli Post, Kanchakacharla Taluk, Krishna Distt.

(Transferor)

(2) Sri Koganti Channayya, S/o Veerayya, Sri Vijaya Cotton & Ginning Mill, Chevitikallu Post, Kanchakacherla Tq. Krishna Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2.32 acres situated on the national highway road in Kesara Village, registered by SR.O. Kanchikacherla, vide document No. 636/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Karnati Mallikharjuna Rao, S/o. Seethaiah, 1-16-18/1, Khammam.

(Transferor)

(2) Sri Bodepudi Madhusudana Rao, So Radhakrishna, Station Road, Khammam,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 330/84-85. Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

lsnd situated at Khammam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Khammam on 4/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the hid mmovable property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 750 Sq. Yds. situated on the Station Road, Khammam, registered by the S.R.O. Khammam, vide document No. 863/84.

M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby init ate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10.12.84

Seal ·

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 331/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

House situated at Khammam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khammam on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Uddaraju Kusuma Kumari, W/o Satyanarayana Raju, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Md. Balug Ahmed Khan, S/o Yaseen Khan, H. No. 3-2-39, Rayapura Street, Khammam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 11-4-75 situated at Nehrunagar colony admeasuring 413,33 Sq. Yds. registered by the S.R.O. Khammam, vide document No. 1207/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 333/84-85.—Wherfeas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House situated at Vijayawada,

House situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 5/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Venigalla Poornachandra Rao, St. Ve Satiralnan Chekhan,

(Transferor)

(2) Smt. K. i glitha, W/o K. V. S. Guptha, D. No. 33-9-15, Suryaraopet, Viiavawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two storeyed building situated in satyanaraysnapuram, Vijayawada admeasuring 216 Sq. ft. registered by the S.R.O. Vijayawada, vide document No. 3332/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 121—416 GI/84

Date: 10.12.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 334/84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House situated at Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at Vijayawada on 4/84,

vijayawata on 4/04, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Vallabhaneni Madhava Rao S/o Pundarikskehudu, Ramnagar, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Goganti Mani, W/o Saradhi, D. No. 24-1-67, Ramnagar, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

414 Sq. Yds. of site with thatched house bearing the 24-1-67, situated in Ramnagar, Vijayawada registered by the S.R.O. Vijayawada vide document No. 2172/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10.12.84.

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No 335/84-85,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the referred immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

House situated at Patamata,

Vijayawada, (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties have per transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (B) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Badiga Ramayamma, By Agent, Thota Satyanarayana, S/o Nagabhushanam, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Pentapati Satyavathi, W/o Satyanarayana, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give: in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House and vacant site admeasuring 1306 Sq. Yus, situated on the Ring Road at Patamata, Vijayawada registered by the S.R.O. Vijayawkada, vide document No. 1954/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84.

(1) Sri Makan Chand, S/o Manik Chand, R. Agraharam, Guntur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Vutukuri Vavathri Devi, W/o Venkata Visweswara Rao, Chowtra, Guntur (D. No. 20-4-14.)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 336/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

Guntur on 4/84.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0004- and bearing

House situated at Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 294 Sq. Yds. and house 2500 Sq. ftfl. situated in R. 9graharam, Guntur, registered by the S.R.O. Guntur, vide document No. 3429/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10,12,84,

Soul:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 337/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

site situated at Waltair

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian accometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chiguluri Vijayalakshmi, W/o Chandra Sekhara Rao, D. No 22-40-10, Beach Road, Vizag,

(Transferor)

(2) Mrs. Zulekhabai Toorabhai,
 W/o Toorabhai,
 D. No. 10/1/35|1, Travellers Bungalow Road,
 Near Sampat Vinayak Temple,
 Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 610 SCq. Yds. situated at Waltair Yard, registered by the S.R.O. Vizsg, vide document No. 51193/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date : 10.12.84.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 338/84-85,---Whereus, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov. 10 property having a fair market value exceeding Re. 25,000 and bearing No.

House situated at Tanuku.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per dead registered under the Indian Registration Ac., 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 4/84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore all property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Kallakuri Naga Satyanarayana, S/o Satyanarayana & Another, Tanuku.

(2) Sri Gramini Venkateswarlu, S/o Subba Rao. Tanuku.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House at Old Town. Tanuku admeasuring 772 Sq. Yds. registered by the S|R O. Tanuku, vide document No. 1100/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10.12.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 339/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Tiles Factory situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Venkatalakshmi Padmavathi Tiles, Rep. by Partner Sri K. Narayana Murthy, Jaggampeta, Peodapuram Dt.,

(Transferor).

(2) Sri Jayyana Venkata Rao, Sri Appalaraju Tiles Foctory, Ramavaram, Jaggampeta, Peddapuram Tq. E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Tiles factory and land situated at Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada registered by the S.R.O., Kakinada vide Jocument No. 2733/84.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10.12.84.

THE THE CONTROL CONTROL OF THE PARTY OF THE

### FORM ITNS \_\_\_\_

(1) Sri K. Pardha Saradha Rao, Garapativari Vecdhi, Amalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Y. Subbaraidu, Rice Mill, Near kokapalli, Amalapuram, E.G. Dt.,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 340/84-85.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

land & shed s'tuated at Amalapuram,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land and shed situated at Amalapuram admeasuring 28 guntas of land area and 4000 sft., plinth area registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 3526/84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersuals, namely :--

Date: 10.12.84,

### FORM ITNS----

(1) Smt. K. Lsxmi Bai, and Others 4, Machavaram, Vijayavada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Raghavaiam and Other, D. No. 31-10-11 A. Jagir Machavaram, Vijayawada. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hvderabad, the 10th December 1984

RAC No. 341/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jag'r Machavaram, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Vijayawada on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House property situated at Jagir Machavaram, Vijayavada admerating 259 sq. yds. of land area and 1000 and 800 sft., plinth area registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 2432/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
122—416 GI/84

Date: 10.12.84.

(1) Sri G. Narasimha Rao, Kavali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt B. Gangadharamma, d/o Shri Ayalayya, D. No. 9-1-14, Peddapavani Road, 9th Ward, bit-II, Kavali.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 342/84-85.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Land s tuated at Kavali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kavali on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which hught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and shed situated at Kavali Bit-II on the Pedda Pavani Road registered by the S.R.O., Kavali vide document No. 435/83,436/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 343/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House situated at Ramachandrarao St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 4/84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. D. Surya Kumari, W/o Suryanarayana Raju, Gunadala, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri V. Lslitha Maheswara Rao, D. No. 25/97, 29-661, Suryanaraopeta, Ramachandrarao Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Ramachandrarao Road, Vijayawada admeasuring 338 sq. yds. of land area and 1000 and 400 sft. plinth area registered by the S.R.O., Vijayawada vide document No. 3397/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984.

(1) Smt. K. Jayamma, W/o Shri Jacob Clowpet, Ongole.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. Lakshmi Prasad, S/o Shri Vcera Swamy Clowpet, Nellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 344/84-85.—Whereas, I.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property situated at Clowpet, Nellore admeasuring 368 sq. yds. of land area and 576 sft. plinth area registered by the SRO, Ongole vide document No. 1264/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Seal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 345/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House situated at Gunadala, Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 4/84

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- -(th) facilitating the concealment of any income or end moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri T. Pattabhirama. Lalithanagaram, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Kum G. Supriya, D/o Shri Satyanarayana, Prajasakhthinagar, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Ring Road, Patamata, Vilyawada admeasuring 495 sq. yds. of land area and 823 sft., plinth area registered by the SRO, Vijayawada vide document No. 2442/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

> > $\Gamma_{\eta} = \mathcal{O} = \sum_{i=1}^{N} \frac{1}{i} \sum_{j=1}^{N} \mathcal{O}_{ij}$

Date: 10-12-1984

#### FORM I.T.N.S. -

(1) Smt. P. Seetharamamma, W/o Shri Seetharamayya, Vidyanagar, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ch. Vani, W/o Shri Narayana Rao, D. No. 4-5-32/10, Vidyanagar, Guntur,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 346/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House situated at Vidyanagar, Guntur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Vidyanagar, Guntur admeasuring 456 sq. yds. of land area and 1529 sft., plinth area registered by the SRO, Guntur vide document No. 4489/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 347/84-81.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Land situated at Cheruvu P.O. Jammulapalem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trait ferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Narasaraopet on 4/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Ch. Jayasree, W/o Shri Jaiwant Babu, Doctor, Narasaraopeta.

(Transferor)

(2) S. Swapna,
D/o Shri Krishna Rao,
Minor Guardian Ahalya Kumari,
Jammulapalem, Cheruvu post
Narasaraopet Tq., Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres 3 cents situated at Jammulapalem Cheruvu (P.O.) registered by the SRO., Narasaraoppet vide document No. 1883, 1884/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

(1) Sri P. Narsaiah, Thimmapuram, Chilakaluripet Tq., Guntur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Priyadarsini Jinning Mills Ltd., Thimmapuram, Chilakaluripet Tq. Guntur Dt.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 349/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

and bearing
Lond situa ed a' Thimmapuram (v) Chilakaluripet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Chilakaluripet 4/84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nok, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres 5 cents situated at Thimmapuram village near Chilakaluripet, Guntur dt., registered by the SRO, Chilakaluripet vide document No. 1128/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 348/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Land situated at Thirmapuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Chilakaluripet on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely — 123—416 GI/84

 Sri Pullagura Paramanandam, S/o Shri Satyanandam, Thimmapuram.

(Transferor)

(2) Sri M. Kishore Kumar, S/o Butcheswara Rao, Thimmapuram, Narasaraopet Tk., Guntur Dt.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Thimmapuram registered by the SRO. Chilakaluripet, vide document No. 1386, 1387, 1394, 1395/84.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Sri B. Raja Kumar and Others, Rajahmundry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

SRA. No. 350 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MCHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Brodipet, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(2) The Rajahmundry Whole Sale Cloth Market, Committee, Rep. by its President Sri V. Veeraragaavulu, Rajahmundry.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 4573 sq. yds. situated at Brodipeta, Rajahmundry registered by the SRO, Rajahmundry vide document No. 2913 [84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

(1) Sri P. Jayaram Dena Bendu and Othera, Tanuku

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sappa Simhachalam, D. No. 32/113/1, Main Road, Tanuku.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC No. 351/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House situated at Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanuku on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor

House property bearing D. No. 32-113/1 at Ranuku admeasuring 264 sq. yds of land area and 720 eft., plinth area registered by the SRO, Tanuku vide document No. 1388, 1387, 1386, 1385/84 (4 documents).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoiner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-1984

### NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RRC No. 352/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Sabbavaram Tq., Vizag Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sabbavaram on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Appala Naidu and Others, Talarivanipalem, Sabbayaram Tq., Vizag Dt.,

(Transferor)

(2) Sri M. Ganapthi Raju, Sri V. L. Co-op. House Building Society Ltd., Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- '(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5-30 acres situated at Talarivanipalem, Sabbavaram Tq., Visakhapatnam Dt., registered by the SRO, Sabbavaram vide document No. 1505, 1606, 1607, 1552/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

RAC. No. 353/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to abelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(F: facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

(1) Sri R. V. Satyanarayana and Others H. No. 46-10-14, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Dr. Kolluri Ramalingeswara Rao, W/o Satyanurayana Murthy, Jayakrishnapuram, Rajahmundry or 46-10-14, Danavaipeta, Rajahmundry,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property admeasuring 415 sq. yds. of land area and 1350 sft., ground floor, 320 sft., first floor, 300 sft. A.C. sheet plinth area registered by the SRO, Rajahmundry vide document No. 3102, 3100, 3101, 3099, 3103, 3104, 3105/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1984

Ref. No. A. P. No./5733.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Scheduled situated at Basti Sheikh, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mohinder Singh S/O Gujjar Singh self and attorney of Arjan Singh, Kartar Singh, Ajit Singh, Sucha Singh Ss/O Gujjar Singh r/o Basti Sheikh Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdeep Singh S/O Ujjagar Singh r/o V. Turna Surrinder Singh s/o Ujjagar Singh and Inder Mohan Singh s/o Chambel Singh s/o Chambel Singh s/o Chambel Singh r/o 48B-Model House, Jalandhar & Sukhmohan Singh, Gurmohan Singh Ss/o Chambail Singh 4C-Model House, Jalandhar. (Transferce)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 178 of April, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-12-84. Seal:

2515

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1984

Ref. No. A.P. No./5734.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair malket value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Lidhran

as per schedule situated at Liunfah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Daljit Kaur W/O Sardara Singh r/o Kapurthala Road, Jalandhar through Attorney Sham Kumar Bhardwaj C/O Pandit Satpal & Co. Milap Chowk, Jalandhar,
- (2) Shrimati Paramjit Kaur w/o Mohinder Singh r/o V. Kahlwan Teh. Jalandhar.
  - (Transferce)
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immacvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazere

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property plot 1 Kl 13 Mls. situated in V. Lidhran and persons as mentioned in the registered sale deed No. 327 of April, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GUVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1984

Ref. No. A.P. No./5735.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

as per schedule situated at Lidaranwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properry by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Swaran Kaur W/O Mehanga Singh R/O Kapurthala Road, Jalandhar through Attorney Sham Kumar Bhardwaj C/O Pt. Satpal & Co. Mliap Chowk, Jalandhar (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh S/O Mangal Singh r/o Kahlwan Tehsil Kartarpur Distt. Jalandhar.
  (Transferec)
- (3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land area 1 Kl-13 Mls. situated in village Litran Teh. Jalandhar and persons as mentioned in the registered Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-12-84, Scal:

(1) Edith Elizabeth Arraton & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Apecjay Chemical Ind. (P) Ltd.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1984

Ref. No. TR-146/84-85/Sl. 957 I.A.C./Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

3, situated at Sarojini Naidu Sarani (Rowdon Street) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at office of the Competent Authority

S.R.A., Calcutta on 11-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
124—416 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that 26 Cottahs of land together with a one storied C.I. shed structure thereon at 3, Sarojini Naidu Sarani (Rowdon Street) Calcutta, Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-4281 dt. 11-4-84.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 7-12-84.

(1) Sri Sujit Kumar Sen & 32 Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Santosh Kumar Saraf & 9 Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th December 1984

Ref. No. TR-148/84-85/Sl. 959 I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

34 & 122A, situated at Ram Kamal Sen Lane, & Chittaranjan Avenue, Calcutta respectively (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more rully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 30-4-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

may be made in writing to the undersigned :—

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that premises No. 34 Ram Kamal Sen Lane, Calcutta, Area 3 Cottahs 6 Chittacks 33 Sq. ft. & all that premises No. 122A, Chittaranjan Avenue, Calcutta, area 4 Cottahs 11 Chittacks 12 Sq. ft. Registered before the Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4843 dt. 30-4-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 7-12-84. Seal:

ing persons, namely:

#### (1) Prabha & Associates (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. G. K. Saraf & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th December 1984

Ref. No. C.A. 129/84-85/Sl. 961 I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immortant hours of fair market value exceeding Ps. 35,000/ property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal on 12-4-84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as according to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restained of the period of the restained white leaves and the period of the restained white leaves are restained to the period of the pe pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that office space measuring about 3803 Sq. ft. of Block 2D on 2nd floor and 3 car parking spaces at 119, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, LAC Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 129 dated  $12 - \overline{4} - 84$ 

> S. K. BANERJEE Competent Authority ing Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-12-84.

#### (1) Parekh Properties.

(Transferor)

(2) Shaikh Yusuf Shaikh Abdeally & Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### **ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA**

Calcutta, the 15th December 1984

Ref. No. C.A. 140/84-85/Sl. 960 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

3, situated at Upper Wood Street, Calcutta (and more fully described in the Schemuse amendal hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration (Act, 1908) (Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal on 19-4-84

Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal on 19-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax (set. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The office space measuring 2000 Sq. ft. more or less being Unit No. G-1, on the Western side (along with one car parking space on the Eastern side) of the Ground Floor of the by thing on the portion of a gain set No. 3. I peer Wood Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority. I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 140 dated 19-4-84.

S. K. BANÉRJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-12-84.

Î I

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1984

Ref. No. C.A. 155/84-85/Sl. 962 I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, 1, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 25A, situated at Camac Street, Office No. 302 on 3rd floor,

Cal-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cifice of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 28-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (2) Shree Vardaan Improvements (P) Ltd.
- (Transferor) (2) Smt. Hemlata Jain, Smt. Vinita Jain & Smt. Bimala Devi Jain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Office space No. 302 on the third floor of premises No. 25A, Camac Street, Calcutta-16, area 836 Sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 155 dt. 28-4-84.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 7-12-84.

#### FORM IINS ---

(1) Unity Paints & Chemicals Co.

(Transferor)

(2) Crossroad Holding Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1984

Ref. No. C.A. 159/84-85/1. 963 IAC./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

75C, situated at Park Street, Calcutta-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Competent Authority I.A.C., Acq. R-I Cal on 30-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that office room No. 2 measuring 1700 Sq. ft. on the 4th floor at premises No. 75C, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. No. C.A. 159 dated 30-4 \$4.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 14-12-84.

#### (1) Delite Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Kesoram Industries & Cotton Mills Limited. (Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th December 1984

Ref. No. C.A. 76/84-85/ 964 I.A.C./Acq. R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing No.

and bearing No.

8, situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 6-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid.

Competent Authority, I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 6-4-84 for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

All that the Unit measuring 7974 sq. ft. now in course of construction at premises No. 8, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Şerial No. C.A. 76 dated 6-4-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-12-84.

#### FORM ITNS ....

(1) Sh. Harjinder Singh s/o Sh. Karnail Singh through his General Attorncy Sh. Karnail Singh s/0·S. Sunder Singh, r/o H. No. 3254, Sector 15-D Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1984

Ref. No. CHD/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. SCO No. 91 situated at Sector 35-C Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Chandigarh in April 84

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating-the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Art. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Sh. Sukhminder Singh Bhattal through their General Attorney.

(Transferee)
(3) Smt. Mohinder Kaur Bhattal w/o Sh. Sukhminder Singh Bhattal, r/o H. No. 89, Sector 11-A, Chandigarh through Sh. Nav Preet Singh Bhattal \$\(\delta\) o Sh. Sukhminder Singh Bhattal.

(Person in court)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCO No. 91 Sector 35-C Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. > 1 of April 84 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 10-12-1984

Scal:

(1) Shri Kuldip Chander Bhatia s/o Sh. D. N. Bhatia, 22-B, Saket, New Delhi.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hardam Singh S/o Sh. Puran Singh, House No. 569, Sector 36B, Chandigarh. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th December 1984

Ref. No. CHD/2784-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1147, situated at Sector 36C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1147, Sector 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2 of April 84 of the Registering Authority, Chandigain)

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 10-12-1984

Scal:

persons namely:-125-416GI/84

Competent Authori's Inspecting Assistant Commissioner of Income-fry Acquisition Ragne Ludhiana

JOGINDER SINC

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. CHD/3/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Half share of land and Building No. 19, Indl. Area, Chandi-

garh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed Le eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (\_6 of in the office of the Rogistering officer at Chandigarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the tear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the kasalt, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income (c) (any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transic en 104 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Gauri Shanker s/o Shri Chuni Lal, Smt. Ved Wati d/o Shri Chuni Lai Both resident of 40-41, Anaj Mandi, Simla.
- (Transferor (2) Shri Naresh Chand, Shri Vijay Kumar Ss/o Shri Raghbir Singh, resident of 178, Grain Market, Chandigarh. (Transferse)
- (3) (i) M/s Ramesh Chand Har Narain (ii) M/s Prem Store (iii) M/s Rama Box Factory

(iv) M/s Raghbir Rcie Mills

many be made in ariting to the underrighted :--

All residents of 19, Indl. Area, Chandigarh. (Person in occupation of the property))

Objections, it any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of indication of this notice in the Official Claustic of a police of 30 days from the service of mater on the reservice. sective persons, whichever period and the
- (b) by any other person into courd in he said in morable property, within 45 days from the date of the publication of this course in the Wildelman size the

Explanation:—The term and expressions used herein as are defined in Chancer XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Half plot No. 19 with building Industrial Area, Chanligarh. The second of the control of the 7 of April of the 500 Pepisara, Charles the

> JOGINDER SINCH Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 12-10-1984

MOTION INCIME SECTION 269D(1) OF THE FIGURE-THE ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th December 1984

Ref. No. CHD/8/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, France the Computer: Authority under flection 2698 of the Incomposition Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') having a fair market value exceeding Ro 25(000)- and bearing

House No. 1657 situated at Sector 33-D Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registretion Act. 1908 (16 of 1906) in the maintain at the Registering Officer at

Chandigarh in April 1984
for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to have that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evactor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeszid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) S. Uttam Singh & Smt. Amar Kaur r/o 1627 Sector 7-C, Balraj Singh r/o 332 Sector 9-D, Chandigarb and Balhar Singh Grewal, r/o 79 Sector 16, Chandigarh.

(2) Sh. Jagroop Singh Dhillon, R/o 44 Sector 28-A Chandigarh. (Transferent

Objections, if any, to the sequisition of the said property he made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1657 Sector 33-D Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 45 of April 84 with thhe Sub Registrar, Chandigarh

JOGINDER SING!
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Pance, Undhiana

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 5th December 1984

Ref. No. CHD/12/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

SCF No. 45 situated at Motor Market & Commercial Complex Manimajra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the RegisteringOfficer at Chandigarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—'

 Sh. Sita Ram s/o Sh. Narain Dass r/o H. No. 15/230, Baldev Nagar, Ambala City, Harvana.

(Transferor)

(2) Sh. Gian Singh Chawala 8/0 Sh. Harjee Singh Chawala r/o Sawarn Bindu Building, Near Railway Station, Simla (H.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCF No. 45 Motor Market & Commercial Complex Manimajra U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 61 of April 84 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhian:

Date: 5-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Re. No. KHR/3/84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. C-8, Phase I, Mohali situated at Mohali

flot No. C-8, Phase 1, Monail situated at Monail (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act. in the following persons, namely:—

(1) Shei B. S. Malik s/o Sh. Sarup Singh Malik, https://doi.org/10.100/10.100/j. Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh s/o Shri Jagat Singh, Resident of House No. 141, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 8C, Phase I, Mohali. (Property as mentioned in the sale deed No. 185 of April, 1984 with the Sub. Registrar, Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhian

Date: 12-12-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. KHR/6/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 393C, Phase III-B/1, SAS Nagar, Mohali situated at Mohali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lakhpat Rai s/o Shri Hazari Lal, Resident of H. No. 393-C, Phase 3-B/1, SAS Nagar, Mohali, Teh. Kharar (Ropar). (Transferor)
- (2) Sh. Karnail Singh s/o Mohan Singh Resident of Sheikhpura, Teh. Nawan Shahar, Distt. Jalandhar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

H. No. 393C, Phase III/B/1, S.A.S. Nagar, Mohali. (Property as mentioned in the Regn. Deed No. 259 of April, 84 with the Sub-Registrar, Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Rcf. No. PTA/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing H. No. 118 situated at Bharpur Garden, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1>08 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Krishan Kumar s/o Shri Kulwant Rai Resident of 118, Bharpur Garden, Patiala. (Transferor)
- (2) Sari Krishan Kumar Chopra s/o Sh. Hukam Chand Chopra, Resident of H. No. 118, Bharpur Garden. Opp: Ayurvedic College, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall baye the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 118, Bharpur Garden, Patiala.

(Property as mentioned in the Sale deed No. 53 of April, 1984 with the Sub-Registrar, Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

Seal

(1) Sh. Jarnail Singh Brar s/o Sh. Kartar Singh Brar, 320, Green Lanes, London N-4 through Mohan Lal Bindal Dera Bassi.

(Transferor)

(2) Baba Rangi Ram Pvt. Ltd. 27/Sector 5, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. DBS/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Anthonity under Section 250B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereissafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 11 Bighas 6 Biswas at Madhopu; vituated at Madhopur (and muse fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the onice of the Registering Officer at Dera Bassi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratio, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wall instrument of transfer with the object of the :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ed/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 11 Bigha 6 Biswas at Madhopur.

(Property as mentioned in sale deed No. 372 of April 1984) registered with Sub Registrar, Dera Bassi.

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUIDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. PNTAS/1/84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Land measuring 10 bighas 16 biswas situated at V. Surappur Teh. Paonta Sahib

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pnonta Sahib in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
126-416GI/84

(1) Shri Karma S/o Sh. Toti R/o V. Surajpur, Teh. Paonta Sahib. Distt. Sirmaur (H.P.)

(Transferor)

(2) M/s Paonta Sahib Cement Works (P) Limited, V. Surajpur (Nahan Paonta Sahib Road) Tehsil Paonta Sahib, Distt. Sirmur (HP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas 16 biswas at V. Surajpur, Telisil Paonta Sahib, Distt, Sirmaur (HP).

(The property as mentioned in the sale deed No. 120 of 4/84 of Sub Registration Paonta Sahib).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

(1) Sh. Surinder Mohan Bhardwai Sio Sh. CurParkash rjo K-3|4 Textile Colony Ludhiana Now at B-XXIII-658|5 Indl. Area A Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Faqir Chand Radhe Kishan r/o 5027, Rooi Mandi Sadar Bazar, Delhi. Now at H. No. B-XXIII-666 3A Textile Colony,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1984

Ref. No. 1 DH4/84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. B-XXIII-666|3A situated at Textile Colony Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasio nof the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H No. B-XXIII/666/3A Textile Colony Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 105 of April 84 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date :11-12-1984

Scal :

(1) Sh. Surinder Mohan Bhardwai Slo Sh. GurParkash 110 K-314 Textile Colony Ludhiana Now at B-XXIII-658|5 Indl. Area A Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**GOVERNMENT OF INDIA** 

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1984

Ref. No. LDH/4A/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. B-XXIII-666|3A situated at Textile Colony Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

Endmana in April 64
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act, 1922 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (2) M/s. Faqir Chand Radhe Kishan r/o 5027, Rooi Mandi Sadar Bazar, Delhi. Now at H. No. B-XXIII-666[3A Textile Colony,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used neron as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No B-XXIII-666 A Textile Colony Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 70 of April 84 of the Registering Authority Ludhiana.)

TOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1984

Ref. No. LDH/29/84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Factory Bldg. No. B-XXIII.658|5 situa\*ed at Indl. Area-A, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ant. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s National Electronics, 341 Indl. Area-A Ludhiana, through Sh. Joginder Pal Gupta Ro 979/11 Gah No. 7, Deep Nagar Ludhiana.
  - (Transferor)
- (2) M/s Prakash Indl. Corporation, K-3/4 Textile Colony Ludhiana Now at B-XXIII/658/5 Indl. Area Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Factory Bldg. No. B-XXIII-658 5 Indl. Area, A. Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 473 of April, 84 of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1984

Ref. No. 1 DH/132/84-85.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Portion of Factory Bldg. No. B-XXIII-658|5 situated at Indl. Area-A, Ludhiana. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprites has not been truly stated in the said between the aprites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s National Electronics, 341 Indl. Area-A Ludhiana through Sh. Joginder Pal Gupta r|o 979|11 Gali No. 7, Deep Nagar Ludhiana.

(Trunsferor)

(2) M/s Prakash Indl. Corporation, K-3/4
Textile Colony Ludhiana Now at B-XXIII-638/5
Indl Area Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Factory Bldg. No. B-XXIII-658|5 Indl. Area, A, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 2966 of June 84 of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :11-12-1984

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th December 1984

Ref. No. LDH/20/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. H. No. B-27-4

situated at Atam Nagar Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiuna in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as garred to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Frage States

(1) Smt. Surjit Kaur wd/o S. Bachan Singh r/o 510 Model Town Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur Wo S. Avtar Singh Smt. Kutdeep Kaur Do Sh. Gurcharan Singh rc Vill. Bagga Kalan Teh. Ludhiana Now at 4 Atam Nagar Ludhiana.

(Transferee)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> \_riod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H. No. B. 27-4, Atam Nagui, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 335 of April 84 of the Registering Authority Ludbiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date :11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/47/84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

share in shop No. B-IX/1740/1 at Haban Bazar, Ludhiana situated at Ludiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating theh reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Varinder Kumar S/o Shri Kishori Lal Resident of Jain Mohalla, Raikot Teh: Jagraon, Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Lok Raj S/o Shri Hari Ram R/o B-X/527, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(Transferce)

(3) M[s] Chanan Ram Hari Ram, Ludhiana Shop No. B-IX-1740[1, Saban Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in shop No. B-IX-1740|1, Saban Bazar, Ludhiana. (Property as mentioned in sale deed No. 781 of April, 1984 registered with Sub-Registrar, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

Scal:

(Transferee)

#### FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/49/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-ta) Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. share in shop No. B-IX|1740|1 at Saban Bazar, Ludhiana situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84 for an annarent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Varinder Kumar Jain soo Shri Kishorl Lal, Jain R/o Jain Mohalla, Raikot Teh: Jagraon, Distt, Ludhiana.

(Transferor) (2) Smt. Poonam W/o Bal Bahadar Pal. R/o B-X/527, Iqbal Ganj, Ludhiana.

(3) M[s Chanan Ram Hari Ram, Shop No. B-IX-1740]1, Saban Bazar, Ludhiana.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in shop No. B-IX-1740/1, at Saban Bazar, Ludhiana (Property as mentioned in Registering deed No. 827 of April, 1984 registered with the Sub-Registrar, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1984

Soal:

### FORM ITN9----

# NOTICE UNBER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Rcf. No. LDH/56/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000 to and heaving

exceeding Ps. 25,000/- and bearing No. Building No. 152, Indl. Area 'A', Ludhiana, situated at Judhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more three fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ow
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

127-416 GI/84

- (1) M/s Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd., Ludhiana through Shri Dharam Paul S/o Shri Lachhman Dass Oswal-Chairman & Director M/s Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd., Ludhiana.

  (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Shiv Ditta Mal, Resident of 1177, Tilak Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of Factory Building No. 152, House Tax No. B-XXIII-53 (Property as mentioned in the sale deed No.919 of April, 1984) registered with the Sub-Registrar, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date :12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/83-A/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000|- and bearing No.

Share in factory Building No. 152, 1AA, Ludhiana situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd., Ludhiana through its Chairman and Director Shri Dharam Paul Oswal s/o Shri Lachhman Dass Oswal.

(Transferor)

(2) Smt. Krishana Wanti w/o Shri Shiva Ditta Mal. Resident of 1170, Tilak Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Share of Property No. 152, Indl. Arca 'A' Municipal Tax No. B-XXIII-53 (Property as mentioned in the Regn. deed No. 1220 with Sub-Registrar, Ludhiana on 4-5-84).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-aforesaid property by the issue of this notice under sub-ing, persons, namely:—

Date: 12-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I.UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No .LDH/58/84-85, Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. share in Building No. 152, Indl. Area 'A', Ludhiana.

situated at Luciana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd., Ludhiana through Shri Dharam Paul Oswal, 8/0 Shri Lachhman Dass Oswal-Chairman & Director of M/s Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd. Ludhlana. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Shiva Ditta Mal. Resdient of 1170, Tilak Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Share in property Building No. 152, H. Tax No. B-XXIII-53 (Property as mentioned in sale deed No. 947 of April, 1984 registered with the Sub-Registrar, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 12-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/22/84-85. Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Building No. 152, Indl. Area 'A', Ludhlana, situated at Ludiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s Oswal Spinning & Weaving Mills Ltd., Ludhiana through Shri Dharam Paul Oswal, s/o Shri Lachhman Dass Oswal-Chairman & Director of M/s Oswal Spng. & Wvng, Mills Ltd. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Shiya Ditta Mal s/o Sh. Topan Dass. Resident of 1170 Tilak Nagar, Ludhiana. (Tlansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/4th share of factory building No. 152, Indl. Area 'A,' Ludhiana (Property as mentioned in the Regn. No. 347-Sub-Registrar, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/26/84-85, Whereas, I, JJOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Building No. 152 Indl. Area 'A' Ludhians

Building No. 152, Indl. Area 'A', Ludhiana. situated et Ludiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s Oswal Spinning & Weaving Mills Ltd., Ludhiana through Shri Dharam Pal Oswal, s/o Shri Lachhman Dass Oswal, Ludhiana, Director & Chairman of M/s. Oswal Spng. & Wvng. Mills Ltd. Ludhiana.
- (2) Smt. Krishana Wanti w/o Sh. Shiva Ditta Mal. Resident of 1170, Tiltk Nagar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) Transferee (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th share of factory building No. 152, House Tax No. B 23-53, Indl. Area 'A', Ludhiana (Property as mentioned in Regn. No. 416-registe-cd with the Sub-Registrar, Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. LDH/77-A/84-85, Whereas, L JOGINDER SINGH being the Competent Authority under

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Share in Factory Building No. 152, IAA, Ludhiana,

situated at Ludiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the liegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and the apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Oswal Spinning & Weaving Mills Ltd., Ludhiana through its Director and Chairman Shri Dharam Paul Oswal s/o Shri Lachhman Dass Oswal. (Transferor)
- (2) Shri Shiv Ditta Mal s/o Shri Topan Dass s/o Shri Sukhdial, Resident of 1170. Tilth Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Share of Property No. 152, Indl. Area 'A', House Tate No. B-XXIII-53 (Property as mentioned in the Regn. No. 1140 of May, 84 with Sub-Registrar, Ludhiana). deed

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-12-1984

### FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE PUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. KHN/2A/84-85, Whereas I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 25,000/- and bearing No. Share in Property No 222. Ward No. 11, Khanna.

situated at Khanna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khanna in April, 84

has been transferred

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ram Lal s/o Sardari Lal, H. No. 222, Ward No. 11, Khanna Kalan, Distt. Ludhiana,

. (Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi w/o Om Prakash Smt. Kamlesh w/o Surinder Kumar, H. No. 240. Ward No. 12, Khanna Kalan, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late.,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 222, Ward No. 11, Khanna Kalan (Property as mentioned in sale deed No. 71 of April, 84 registered with Sub-Registrar, Khanna).

> IOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

Soal:

### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No.KHN/2/84-85, Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Share in Property No. 222, Ward No. 11, Khanna. situated at Khanna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trasferred

under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Khanna in April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Lal s/o Sardari Lal, H. No. 222, Ward No. 11, Khanna Kalan, Distt, Ludhjana.

(Transferee)

(2) Smt, Kamla Devi w/o Om Prakash Smt, Kamlesh w/o Surinder Kumar, H. No. 240, Ward No. 12, Khanna Kalan, Distt. Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 22, Ward No. 11, Khanna Kalan (Property as mentioned in sale deed No. 93 of April, 84 registered with Sub-registrar, Khanna).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. KHN/4/84-85.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

tion Range, Ludniana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 Kanals 6 Marlas with two incomplete rooms situated at Khanna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been traferred.

has been trasferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Khanna in April, 1984,

khanna in April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
128—416GI/84

(1) Shri Rafiq Mohamad S/o. Shri Rehmat Ali, R/o. Shri V. Ikolaha, Tehsil Khanna. Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar S/o. Shri Mohan Lal, R/o. Ward No. 12, House No. 104, Khanna now C/o. M/s. Punjab Cloth House, Main Bazar, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s. Capital Steel & Allowed Industries, Khanna.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 3 K 6 M with two incomplete rooms situated at Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 126 of April, 1984 of the Registering Authority, Khanna).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th December 1984

Ref. No. NI.G/1/84/85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi-

tion Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Land measuring 29 Kanals 15 marlas situated at V. Musewal,

Teh, Nalagarh.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been trasferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Nalagarh in April, 1984,

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
  - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and for
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mansha Singh S/o. Shri Durgu, R/o. V. Musewal, Teh, Nalagarh Distt. Solan through General power of attorney Smt. Kuldip Kaur Brar W/o S. Paramiit Singh Brar, Kothi No. 2565. Sec. 35C. Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s. Aradhana Papers Pvt. Ltd., SCO 83-84/2nd Floor, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reapective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 29 Kanals 15 Marlas at V. Musewal, Tehsil Nalagarh, Distt. Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 187 of April, 1984 of the Registering Authority, Nalagarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/4.--Whereas, I,

SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the framovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4931, Kucha Ustad Das situated at Chandni Chowk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been trasferred

has been trasterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid average the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gajinder Singh S/o. Late Sh. Ujjal Singh, 4931, Kucha Ustad Dag, Ch. Ch. Delhi.

(Transferor) (2) M/s. Dhanna Singh Silk Mills Pvt. Ltd., 392, Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 4931, Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi, Mg, 700 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1984

Seal 1

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/5.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 4931, Kucha Ustad Das situated at Chandni Chowk,

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Manjit Singh S/o. Late Sh. Ujjal Singh, 4931, Kucha Ustag Dag, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dhanna Singh Silk Mills Pvt. Ltd., 392, Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 4931, Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi, Mg. 700 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Amarjeet Singh S/o. Late Shri Uijal Singh, 4931, Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dhanna Singh Silk Mills Pvt. Ltd., 392, Kalbadevi Road, Bombay.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/6.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4931, Kucha Ustad Dag situated at Chandni Chowk, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 4931, Kucha Ustad Dag, Chandni Chowk, Delhi, Mg. 700 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 17-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/7.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-28 situated at Indra Nagar, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been trasferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amar Singh, G-23, AHMS, Ansari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Vimal Batra and Shri Narinder Batra, R/o. A-28, Indra Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - ) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. A-28, Indra Nagar, Delhi Mg. 83 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-1984

### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/8.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and hearing

and bearing
No. VI/3055 (Old) 6247 (new) Kucha situated at Nawab
Mirza Kucha Shiv Mandir, Gall Batasan, Khari Baoli, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Delhi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which wight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukmani Devi W/o. Shri Sidhu Ram, 6247, Gali Batashan Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar S/o. Shri Ashok Kumar, 6246, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi,

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

25 shares out of 146 shares in undivided house No. VI/3055 (old) 6247 (new) Kucha Nawab Mirza, Kucha Shiv Mandir, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi Mg. 43 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/9.—Whereas, I,

SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.
Shop No. 2797, situated at North Sadar Bezar, Teliwara, Ward No. 13, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer

at Delhi in April, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 Sh. Ram Kumar Jain S/o. Sh. Uggar Sain Jain, 88-A, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pooram Jain W/s. Sh. Balbir Singh Jain, 88-A. Kamla Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2797, North Sadar Bazar, Teliwara, Ward No. 13, Delhi. Mg. 95 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/10.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. 26/16-A situated at Najafgath Road, Industrial Scheme,

New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi in April, 1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforefifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(1) Shri R. C. Goenka Sho. Sh. Chiranji Lal Goenka, 16 Walkeshwar Road, Goenka House, Bombay general attorney of M s. National Chemical Industries Ltd., 26. Najafgarh Road. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dharmvir Jain son of Shri Des Raj Jain, House No. 60, Vir Nagar, (Jain Colony), Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improv-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

(a) facilitating the restriction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. respect of any income arising from the trace and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

garh Road, Industrial Scheme, New Delhi. Mg. 306 Sq. Ft.

Property No. 26/16-A, portion of property No. 26 Najvi-

THE SCHEDULE

R. P. RAIESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-fax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nection under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons damely: 129-416GI/84

Date: 17-12-1984

 Shri Mohd. Ali
 S/o. Sh. Shivgat Ullah,
 850 Gali Tyres Wari Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4/14-A. ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Aca II/SR-1/4-84/13.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. 3613-3614 situated at Bara Hindu Rao, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on Apr 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/est
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Bal Kishan Dass Gupta S/o. Shri Sh. Matu Ram, 14-C. Pocket-A, Min Flats, Ashok Vihar, Dalhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3613-3614m Bara Hindu Rao, Delhi Mg. 97 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dete : 17-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/22.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 3, Block No. 66-A, situated at New Rohtak Road. WEA Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby untrate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sen Nath Khurana
S.o. Late Sn. Haveli Ram Khurana,
2. Smt. Agya Wanti
W/o. Sh. Som Nath Khurana,
3. Sh. Sunil Khurana
S/o. Sh. Som Nath Khurana,
4. Sh. Girish Khurana
S/o. Sh. Som Nath Khurana,
11061, Shidipura,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M's. Rishi Puja Builders (P) Ltd., through its Director Smt Pavitor Sochdeva, W/o. Sh. Manmohan Singh Sachdeva, 8 A '15, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expuses later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein—as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 3 Block No. 66-A. New Robesk Road, WEA, Karol Bagh, New Delhi. Mg. 575.77 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competen Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi New Delhi

Date: 17-12-1984

(1) M/s. L. N. Gadodia & Son Ltd., 1112, Kucha Natwan, Chandni Chowk,

Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Mittal W/o. Sh. Surat Singh, 116 Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/24.—Whereas, 1, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 116 situated at Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Position

^ct, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Lam. Jr. 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af 12000 exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said acr in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein se as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 116, Gadodia Market, Khari Baoli. Delhi Mg. 76.77 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17 12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/25.--Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. 100 situated at Gadodia Market, Khari Baoli, Delhi. (and more fully described in the Schedule annuexed hereto), been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on Apr. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshad exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act thereos initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. L. N. Gadodia and Son Ltd., 1112, Kucha watwan, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajendra Kumar Gupta and Suresh Kumar Gupta, sons of Babu Ram Gupta, 100 Gadodia Marget, Khari Baoli, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoves ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sah Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 100 Gardodia Market, Khari Baoli, Delhi Mg. 100 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/32,—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000]- and bearing No.

No. C-41 Khasra No. 14/2 situated at Majlis Park in Gali No. 6 Vill. Barola Delhi.

taind more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Delhi in April, 1984. for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cont of such a spaced consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) flicilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Sh. Jai Khub Singh \$/o. Johri Lal, 3008, Davind Street, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Mohan Sharma S.O. Sh. Brij Kishore Sharma, C-576, Geli No. 9, Shivji Square, Majlis Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property No. C-41, Khasra No. 14/2 Mailis Park, Gali No. Vill. Barola Delhi. Mg. 55\frac{1}{2} Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commis f Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACOUISTION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/33.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing Plot No. 9, Road No. 83 situated at Punjabi Bagh, Vill.

Plot No. 9, Road No. 83 situated at Punjabi Bagh, Vill. Bassa Diarapur, Le'hi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on Apr. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer
  star? 'Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sh. Ram Chand S/o. Sh. Sewa Ram and 2. Smt. Lila Wanti W/o. on Ram Cha.d, M5halla Gandhi Nagar, Bhiwani (Haryana).

(Transferor)

(2) 1. Sh. Narinder Chand Abrol S/o. Sh. Parkash Chand Abrol and 2. Smt Kamlesh Abrol D/o. Sh. Jagdish Ram Trehan and W/o. Sh. Narinder Chand Abrol, WA/75, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCE

Property No. 9. Road No. 83, Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi. Mg. 536.11 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Comming Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

17-12-1984

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-85/45.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 5148-C, and Star Case No. 5235, Ward No. XIII, Sadar Bazar, Gandhi Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been expreserred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on Apr. 1984

for an apparent consideration which is less than reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the d Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said 'Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Zamila Begum Sm. Zamna Beguna Wd/o late Sh. Mohd. Amil & Sh. Mohd. Nassem S/o sheikh Mohd. Amil both R/o 2684, Gali Masjid Kalse Khan, Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi'.

(Transferor)

(2) Smt. Brij Bala W/o Sh. Girdhari Lal and Sh. Vinay Kumar S/o Sh. Girdhari Lal D/20, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with n 45 days f on the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shon No. 5148-C and stair case No. 5235, Ward No. XIII, Sadar Bazar, Gandhi Mkt., Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dite: 17-12-1984

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/45.—Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.00% and bearing No. 800-A, 800/12, Main Bazar Subzi Mandi Illaqa No. 12,

Delhi

(and more fully described in the scheme annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Happing of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andiot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---130-416GI/84

(1) Shri Behari Lal Jhunjunwala Charitable Trust S/o Sh. Bhashashwear Dayal, Through Sh. Behari Lal Jhunjhunwala Brough Sh. Behari Lai Jhunjunwa 801 Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi Trustee & Secretary of Trust Through Sh. Mani Ram Sharma S/o Sh. Shadi Lai Sharma, 801 Main Bazar Subzi Mandi, Delhi aa General Attorney

(Transferor)

(2) Smt. Veena Chopra W/o Sh. Ashok Kumar Chopra, C-104, Ashok Vihar Phase-I, Delhi 2. Smt. Banita Chopra, W/o Sh. Kewal Krishan Chopra, 912 Kedar Building Subzi Mandi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 800-A. 800/2. Main Bazar, Subzimandi, Delhi Illaqa No. 12 Mg. 2279 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commi-Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/46.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ct 1961) (hereinafter reterted to as the 'said Act 1, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 685 to 687, Ward No. X, situated at Chandni Mahal, Kamra Bangash, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Altaf Jahan
 W.o Late Sh. Haji Mohd. Rfl alias Chammo, 1484 Gali Pahari Rajan, Bazar Chitli Qabar, Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Ali S/o Mohd. Yaqub & Smt. Jamila Begum W/o Mohd. Ali, 2464 Gali kuanwali, Chitli Qabar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 685 to 687, Ward No. X, Chandni Mahal, Kamra Bongash, Delhi-6. Mg. 239 Sq. Yds

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commistion of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

Date , 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/51.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000 and bearing

6222 Ward No. 13 Gali

situated at Mahadev, Bara Hindu Rao, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Sh. Siri Chand S/o late Ram Bhagat. 6222 Gali Mahadev Wali, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur W/o S. Surinder Singh 6212 Gali Mahadev, Ba a Hindu Rao, Delhi.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same macning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Half undivided share of house No. 6222, Ward No. 13, Gali Mahadev Wali Bara Hindu Rao, Delhi Mg. 70 Sq. Yde.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag Acquisition Range-II, Delhi/New Delha

Date: 17-12-1984

## FURM ITNS-

(1) M/s. P. J. P. Builders, having its office at 3058-63, Desh Bandhu Gupta Road, Panar Ganj, New Delhi through its partner Shri Jawahar Lal Grover.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Inder Nath Minocha S/o of Wazir Chand Minocha, 1924 Birla Mill, Road Bhatinda Punjab.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/52.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 5/7

situated at Roop Nagar, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Aptil, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the . parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the raduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 5/7, Roop Nagar, Delhi. Mg. 950 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Paner T. Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 17-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/53,-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (neromate; referred to as the 'said Ac.'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 050/- and bearing

Shop Ni. 103,

situated at Indira Market ,Subzi Mandi Delhi

(and more fully described in the Schidule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the ton meration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. S/Sh. Joginder Singh

 Sysh. Joginder Singh
 Surjit Singh
 Didar Singh
 Sunil Kumar all
 S/o late Sh. Santokh Singh,
 Basti Punjabian, S. Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Kuldeep Kumar

Pradeep Kumar
 Narinder Pal

4. Sunil Kumar all S/o Sh. Inderjit Singh, NK-241-A, Charanjit Pura, Jullundur City Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 103, Indira Market, Subzi Mandi, Delhi Mg. 240 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay
> Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref No JAC/Acq.II/SR-1/4-84/57.—Whereas ,I, R. P. RAJESH,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

No. 26/14,

situated at Najafgarh Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a n said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in remain of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) (Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) National Chemical Industries Limited, 26, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Asham Kumar Madan, Mr. Rakesh Kumar Madan, Mr. Sandeep Kumar Madan S/o Sh. O. P. Madan. 1/62, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 26/14. Najafgarh Road, New Delhi-15, Mg. 240.12 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/58.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. 26/12

shuated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in r of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the follows ing persons namely :--

(1) National Chemical Industries Limited, 26, Najafgarh Road, 26, Najargarn Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manisha Arora Sh. Bushan Kumar Arora, House No. 9867, Gali No. 6, Multani Dhanda, Pahar Ganj, New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA or the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. 26/12, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 99.75 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date : 17-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACI, 1901 (43 OF 1901)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/60,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Compitent Authority under Section 269B of the being the Comp. tent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Property No. 296/1 and 42962/2, situated at Plot No. 4, 5, and 6 Bagh Kare Khan Kishan

Gan, New Laini

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of numbers with the object of:—

(1) Sh. Khazan Singh 5/0 Su. Misuau Lal, 250/1, Lagu Kale Khan, Kishan Ganj, Delhi as G. A. or Smt. Murti Devi W/o late Budn Ram & Others, 5093, Rui Mandi, Delni.

(2) Sh. Raj Roop S/o Sh. Daya Chand,

Vill. Bhalsuwa Jahangirpur, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad/ar

Property No. 296/1 and 296/2, plot No. 4, 5 and 6 Bagh Kare Khan, Kisuan Ganj, Delhi. Mg. 250 Sq. Yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/62.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1654, 55 and 65 Illaqa No. 8, situated at Namadwallan, Mimmatgarh, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, sad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 et 1922) on the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:-131-416GI/84

(1) 1. Sohan Lal S/o Sh. Mcla Ram, No. 8, Mohalla Rajputan, Panipat Distt. Karnal

3. Satpal S/o Sh. Mela Ram, E-193, Narain Vihar, New Delhi.

4. Smt. Bimla Devi W/o Sh. Dewan Chand 5. Smt, Renu D/o Sh. Dewan Chand

W/o Sh. Subhash, Kalkaji. J-103, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani W/o Sh. Hari Dev, Parveen Kumar Mohender Kumar, minor son of Sh. Haridev, 1654 to 1656. Mohalla Namadwallan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share in shops, Property No. 1654, 55 and 56 Illaqa No. 8 Mohalla Namadwallan, Himmatgarh, Delhi Mg. 186.5 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/63.—Whereas, I. R. P. RATESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

1654 to 1656

situated at Mohalla Namadwallan, Himmat Garh, Ward No. 8, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sohan Lal S. o Sh. Mela Ram, No. a, Mohalla Rajputan, Panipat, Mohan Lal, Satya Pal S/o Mela Ram, E-192, Narain Vihar New Delhi Smt. Virula Devi W/o Dewan Chand And Kumar S/o Sh. Dewan Chand Smt. Renu W/o S/o Dewan Chand W/o Subhash, J-103 Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hari Devi W/o Faquir Chand and Naresh Kumar S/o Hari Dev, 1654 to 1656, Mohalla Namadwallan, Himmatgarh. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 1654 to 1656 Ward No. 8, Mohalla Namadwallan, Himmatgarh, Delhi, Mg. 186.5 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1984

Scal :

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/65.—Whereas, I, R P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 824, Mohalla

situated at Sheesh Mahal, Bahadur Garh Teliwara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at New Delhi on April. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-"said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !--

(2) Sh. Sunder Shyam Chhabra S/o Lala Bhagwan Dass E-319, Greater Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohammad Iqbal S/o Sh. Mohammad Yunus, 824, Mohalla Sheesh Mahal, Teliwara, Bahadur Garh Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. Municipal No. 824, Mohalla Sheesh Mahal Bahadur Garh Teliwara, Delhi. Mg. 40', x 16', 9".

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/67.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing R-23. Indira Market,

situated at Subzi Mandi, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, it respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shanti Devi W/o Late Sh. Agya Ram, Flat No. R-23, Indira Market, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Shashi Kant Patel, Synesh Bhai Patel,
Suresh Bhai Patel
sons of late Sh. Chhagan Lal Patel
and Mahendra Kumar Patel,
S/o Sh. Rati Lal Patel,
R-23, Indira Mkt., Subzi Mandi,
Main Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proporty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chauter.

## THE SCHEDULE

Flat No. R-23, Indira Market, Subzi Mandi, Delhi. Mg. 97 Sq. Ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely -

Date : 17-12-1984 Seal :

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/68.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing 3199-3200, Ward No. XIII, situated at Gali Jamadar, Hathi Khana, Bahadurgarh Road,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at New Delhi on April, 84

fur an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Parbash Chand Jain S/o Sh. Basheshar Nath, House No. 3703, Nai Basti Pahari Dhiraj, Delbi.

(Transferce)

(2) Saini Dharamshala Society No. 3815-22, Main Bazar, Pahari Dhiraj, Delhi through Ch. Chhajoo Singh and Ch. Lakhi Ram, its patrons Sh. Ram Pershad Saini its Chairman, S/Shri Daya Nand Bharti and Narain Singh Saini, its Vice Chairman and Sh. Jyoti Pd. saini, its Secretary.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3199-3200, Ward No. XIII, Gali Jamadar, Hathi Khana, Bahadurgarh Road, Delhi. Mg. 370 Sq Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-1/4-84/73.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

2 Block B.

situated at Shanker Acharya Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

New Delhi on April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S. Santokh Singh Saini S/o S. Krishan Singh, 20-C, Banglow Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Brij Mohan Mittal S/o Sh. Bshamber Dayal, E-38 Maharaja Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property my be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 2 Block B, Shanker Acharya Road, Adarsh Nagar, Delhi. Mg. 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL 4/14-A. ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/74.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

situated at Majlis Park, Delhi-33

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely :--

(1) Smt. Daya Devi W/o Sh. Gobind Ram Gulati, C-39, Majlis Park, Delhi-33.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Sharma W/o Braham Dutt Sharma, 4/65. Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. C-239, Majlis Park, Delhi-33, Mg. 111 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 17-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/80.—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Qr. No. 3/107, Single Storey, situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at New Delhi on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) l'acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jaswant Kaur W. o S. Harpal Singh, 3/107, Ramesh Nagar, New Delhi as Gen. Attorney of Chetan Dass S/o Tika Ram.

(Transferor)

(2) Sh. Harbhajan Singh S/o Gian Singh, 3/107, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 3/107, Ramesh Nagar, New Delhi Mg. 100 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-12-1984

(1) Sh. Sachu Ram Sharma S/o Sh. Som Duti Sharma, F-13, Kirti Nagar, Delhi-15.

(Transferor)

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlesh Rani W/o Sh. Raghubir Singh, 2955 Tri Nagar, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Ang II/SR-1,484/82.—Whereas, I, HRI R. P. RAJI.5H,

ing the Competent Authority under Section 269B of Fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovole property, having a fair market value exceeding

... 25,000/- and bearing lot No. 39 Block E, sheated at Guru Nanak Road,

darsh Nagar, Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred

ider the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

the registering Officer

New Delhi in April 1984

or an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property and I have ason to believe that the fair market value of the reperty as aforesaid exceeds the apparent consideration perfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in agreed to between the parties has not been truly stated in 14 said instrument of transfer with the object of :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Plot No. 39 Block F on Guru Nanak Road, Adrash Nagar, Delhi Mg. 120 Sq. Yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons namely : 132-416GI/84

Date: 17-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

 Sh. Swaranpal Snigh, 16 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4014-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/87,—Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No. 14, situated at Punjabi Bagh Road, No. 75, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1938) in the Office

of the registering Officer

at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as surced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Rajeshwar Nath,2. Vinay Wadhawan, 99 MIG Flats,Prasad Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 14 Punjabi Bagh, Road No. 75, Delhi Mg. 544.45 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely

Date: 17-12-1984

Seed t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE

4014-A. ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/99,—Whereas, I, SHRI R P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing No.

No. 4084, Gali Nal Wali, situated at Urdu Bazar,

Jama Masjid, Ward No. XI, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/og
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Fatima Bai d/o Sh. Illauddin w/o Mohd. Shafiq r/o 1117, Gali Jaman Wali, Haveli Hassamuddin Haider, Ballimaran, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vimal Kumar S/o Sh. Durga Dass, 6A/29, WEA Karolbagh, New Delhi.

(Transferre)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bursin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 4084, Gali Nal Wall, Urdu Bazar, Jama - Masjid, Ward No. XI, Delhi Mg. 56 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi,

Date: 17-12-1984

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-84/259.-Whereas, I, SHRI R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 8 D.L.F., Industrial Area situated at
Najafgarh Road, Village Bassai Darapur, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namelý :--

(1) Smt. Surinder Sethi W/o Sh. Puran Singh Sethi 13, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transfero

(2) M/s. Hall Mark Textile Limited & Company, through its Director Mrs. Anita Thaper, B-127, Narain Vibar. New Delhi.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
  45 days, from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days far the service of notice on the respective perso whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immu-able property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the a Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 8, D.L.F., Industrial Area, Najafgarh Road, Bassai Darapur, Delhi, Mg. 865 Sq. Yds.

> R. P. RAJF Competent Autho Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Rang Delhi/New De

Date: 17-12-1984

(1) Sh. Om Parkash Thamal and Sh. Ved Parkash Thukrai both r/o C-2/33 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahabir Prasad Tautia and Smt. Saria Devi Tancia, 422. Lajpat Rai Market, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. [AC/Acq.11/SR-1/10-84/698.—Whereas, 1, SHRI R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. C-2/33, situated at Model Town, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. C-2:33, Model Town, Delhi Mg. 468.27 Sq.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/64.—Whereas, I, SHR1 R P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1264, situated at Faiyaj Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Sh. Jai Bhagwan Jain S/o Sh. Badri Prasad, A-30, Group Industrial Area, Wazirpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani Jain, W/o Sh. Pawan Kumar Jain, Maurya Enclave, Pitampura, Delhi CD-144.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1264 Faiyaj Ganj Bahadur Garh Road, Ward No. XIII, Delhi. Mg. 41.60 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th December 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-84/102.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 6604/2, situated at Neem Wala Chowk, Nabi Karim,

Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) factifitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

(1) Sh. Chanan Shah, S/o Sh. Gu:ditta Mal Smt. Khushalaya Rani W/o Sh. Chanan Shah, Om Parkash S/o Sh. Chanan Shah, 6604/2 Neemwala Chowk, Nabi Karim, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dinesh Jain s/o Sh. Niranjan Dass Jain, E-130 Ashok Vihar I, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One shop alongwith room of proerty No. 6604/2, Neem Wala Chowk, Nabi Karim, Delhi Mg. 62 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOMEDIAX,

> ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOU E 4/14 A, ASAF ALI FOLD NEW WITH

New Delhi, the alto December 1984

Ref. No. IAC/4cq II 37-EE// 84/412, -Whereas, I,

Ref. No. 1Ac / acq ii 3/-Ett / 84/412, —Whereas, I, R. P. RAJE H. sing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and beging
No. 2, S. Figal Colling Court Road
situated at Civil I had, Orbit
(and more fully described in the schedule annexed hereta) has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registration Office at New Delhi or In y, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid mapping and I have reason to relieve that the fair mortet value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of reassfer with the object of: ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act in respect of any income aiking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentraent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the fedian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1, Mss. Kishna Kumari W/o Sh. R. L. Sharma, 8-0. 6 Underall Kood, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh Bhargava See Lale Sh. Juchdra Nath Bhargava and Mrs. Anilia Bhargava W o Sh. Rajesh Bhargava, 1/3, Roop Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The forms and expressions used herein as age distinct in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property No. 2 Schgal Colony, Court Road, Civil Lines. Delhi Mg. 448 Sq. Mtrs.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II De'hi/New Delhi.

Date: 17-12-1984

- (1) Shri G. D. Karnani and others 1 Batier Street, Madras-1.
- (Transferor)
- (2) P. Sireshkumar and others 42 Strater Muthainh St. Madras-1.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MAURAS-600 016

Madras-600 006, the 10th December 1984

Ref. No. 176/April/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. situated at 7 Batter Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ben transferred has ben transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras North Doc. No. 1079/84) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by above than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said see in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and building 7 Batler Street, Madras-1, (Doc. No. 1079/84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Author v Inspecting Assistant Commission Maduas-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Agi, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—
133—416 GI/84

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1984

Ref. No. ASR/84 85/124.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property situated at Tungpai, Amritaar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Amri'sar on April 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax tinder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneus or other ameris which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in surrounce of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Rajinder Kaur wd/o Sh. Ranj.t Singh & others, Amritear.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Sikka W/o Shri Roshan Lal Sikka, 89, Golden Avenue,

(Transferee) s

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the p.ope.ty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property at Tungpai, Amritrar, as mentioned in sale deed No. 978 dt. 2-5-84 of registering Authority, Amritaar.

B. S. DHILLON IRS Comp. tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Date: 13-12-1984, Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER FURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1984

Ref. No. ASR/84-85/125.—Whereas, I, B. S. DHILLON IRS.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 'reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Property si uadd at Tungpai, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the K gistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Am. issar on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the east Act, in respect of any theorem arising from the transfer! and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 For 1922) or the said Act, or the Westle-six ACL 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rajinder Kaur wd/o Sh. Ranjit Singh & otners, Amutsar. (Transferor)

(2) Smt. Nirmal Sikka W/o Shri Roshan Lal Sikka, 89, Golden Avenue, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in ocuration of the property).

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property at Tungpai, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 939 dt. 30-4-84 of Registering Authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-12-1984.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th December 1984

Ref. No. ASR/84-85/126.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. One property situated at Katra Parja, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Amitsar on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be seve that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Pushpa Vinod, d/o Shii Savan Dasa, Katra Parja, Am. itsar.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Khanna S/o So. Rattan Chand Khanna, R/o 114, Katra Parja, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property/

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given inthat Chaoter.

# THE SCHEDULE

1 5th share of property in Gali Beli Ram, Katra Parja, Inside Hathi Gate, Amrisar as m n ioned in sale ded No. 259 dt. 11-4-84, of registering authority, Amrit.ar.

> B, S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-12-84.

Seal.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th December 1984

Ref. No. ASR/84-85/127.—Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 250001- and bearing

No. One property situated at Katra Parja, Amritsar.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the R g stration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Annion on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sent Act, or respect of any income arrang from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Satish Kumar S/o Sari Savan Dass, Katra Parja, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rattan Chand Khanna S/o Shri H. L. Khanna, 114, Katra Parja, Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
  (Person in o cupation of the property)
- (4) Any other.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/5th share of property in Gali Beli Ram, Katra Parja, Inside Hathi Gate, Amritsar, as me tioned in a e deed No. 260 dt. 11-4-84, of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Ameritan.

Date: 11-12-84.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PUAL, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st December 1984

Ref. No. ASR/84-85/128.—Whereas, I,

B. S. DHILLUN, IKS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinattre referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. One property situated at Nimak Mandi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at S. R. Amritsar on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wanster; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tay Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt. Jyoti W/o Sh. Yashpal, Miss Neeru, Miss Shaman d./o Sh. Hari Saran, k.t. Karam Singh, Am. isar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdarshan Kumar Mehta 1/0 Sari Murari Lal Mehta, Gali Ranjhan Wali, Ka ra Khazana, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if a y.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property situated at Gali Jandiwali, Nimak Mandi. Amritsar, as mention d in sale deed No. 929 dt. 30-4-84 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Amrit.ar.

Date: 1-12-1984.

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR POAD, AMRITSAR

Amrisar, the 30th November 1984

Ref. No. ASR/84-85/129.—Whereas, I, B. S. DHJLION, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No.

No. Land situated at Jandwal, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Pathankot on May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons namely:—>
92-41601 84

(1) Shri B. N. Makkar \*/o Shri Amar Nath, r/o Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Dharminder Singh s/o Shri Chanan Singh, Vill. Jandwal, Teh. Pahtankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
(4) Any other

4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac:, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals, situated at vill. Sara!, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 510, dt. 22-5-84, of registering authority, Pathankot.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3-Chander Puri, Taylor Read,
American

Date: 30-11-1984

Soul :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR POAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1984

Ref. No. ASR/84-85/130.-Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of land situated at Tilak Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreemnt is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. Amitsar on Apr., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Sn. oJg.nder Singh a/o Shii Karnau Singh 1/3 Longain, Anu .isar.

(Transferor)

(2) Smt. Pritpal Kaur w/o Shri Jog.nder Singh, Sun. Оросы каш d/o Sh. Sujan Singh. 8-A Canal Colony, Amr.tsar.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this n tice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chipter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A plot of land at 43-44 Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 398 dt. 16-4-84 of registering authority, Amritant.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3-Chander Puri, Taylor Road,

Date: 13-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR POAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1984

Ref. No. ASR/84-85/131.—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p. operty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot of land situated at Race Course Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at S. R. Amritsar on Apr., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-134-416 GI/84

(1) Sh. Surinder Singh s/o Shri Berjinder Singh, Pati Mahala Singh, Moga, Faridkot.,

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar S/o Shri Kishan Chand, 5, Race Course Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

# THE SCHEDULE

A plot of nald at 5, Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 650 dt. 19-4-84 of registering authority. Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 3-Chander Puri, Taylor Road, Amritsar

Date: 13-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHAPLOER PURI, TAYLOR POAD, AMRITSAR

Aircitsar, die 13th December 1984

Rev. No. ASR/84-85/132.—Whereas, I, B. S. DEBLON, 1RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Inc. me-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property Edwing a fair sharket value exceeding Ro. 25,000/an boaring
No doctor land situated at Tilak Nagar

tand magic stilly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering officer at S. R. Alphit at on Apr., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to concrete that the fair murket value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than illeen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sund for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Dharmapal s o Sh. Madan Lal, Inside Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Manjit Singh, Jasbir Singh, ss/o Sh. Gian Singh, Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)
Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Charter.

# THE SCHEDULE

A plot of land No. 39, measuring 500 sq. yds., situated at Tilak Nagar, as mentioned in sale deed No. 608 dt. 19-4-34 of registerign authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 3-Chander Puri, Taylor Road, Amritsar

Date: 13-12-193-1

(1) M/s Nirman Builders, 40 41 Vishai Shopping Centre, Cir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (East) £ombay-69.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

(2) M/s Stup Consultants Limited, 1004-5-7 Raheja Chambers 213 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4562[971]84-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immostate property, having a fair market value exceeding Page 3000/ property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Offile No. 303 on third floor in "Nirman Vyapar Kendra, Plot No. 10, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqu.

Range, Pune. in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

# THE SCHEDULE

Office No. 303 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area 495 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 4562/83-84 in the month of April 1984).

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 7-12-1984

#### FORM ITHS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4567/968/84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Office No. 306 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" at Plot No. 10, Sector 17, DBC, New Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any knowneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Nirman Builders, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road, Bombay-69.

(Transferor)

(2) M/s Stup Consultants, 1004-5-7, Raheja Chambers, 213 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 306 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" at Plot No. 10, Sector 17, DBC, New Bombay-703.

(Area 495 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4567/83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4516/978/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 10, S. No. 686/2A/1 Bibwewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. 'Acqn. Range, Pune on Apr 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, nemely:—

(1) Vivek Sinnarkar & Associates; D 6 Facholdma, T.P.S. III, 4th Road, Santaeruz (East), Bombay-55.

(Transferor)

(2) Sh. Narayan Baburao Bhingare, C/o Bank of India, Indapur Branch, Tal. Mangaon, Dist. Raigad.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, C. No. 686/2A/1 Bibwcwadi, Punt-3). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4515/33 84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

# FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX; ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4569/969/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Office No. 304 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at LA.C. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Nirman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (East) Bombay-69.

(Transferor)

(2) M/s Stup Consultants Ltd. 1004-5-7 Raheja Chambers, 213 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service oil notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 304 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Area 295 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 4569/83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

Seal ;

(1) Vivek Sinnarkar & Associates, D-6 "Yashodhan" T.P.S.-III, 4th Road, Santacruz (East) Bombay-55,

(Transferor)

(2) Mr. M. B. Deshmukh & Mrs. S. M. Deshmukh, D/8 "Shankar-chhaya" Apartment, Frandwana, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ΛCQ/CA-5/37EE/4515/979|84-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 9 in Building at S. No. 686/2A/1 Bibewadi, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9 in Building at S. No. 686/2A/1 Bibawewadi,

(Property as described in the agreement to sale registered to the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4515/1983-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/84-85/1212.— Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ms. 25,000/and bearing

No. Land at survey No. 50(2) Barud Rod,

situated at Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice mader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Smt. Lakshmibai Mangaldas Punjani, 63/4, Cheksi Villa, Rafi Ahmed Kidwai Road, Matunga Kings Circle, Bombay-400 019.
- (Transferor) (2) M/s. Transport Corpn, of India Ltd., Transport Houst. 128/B, Poona street, Bombay-400 009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Non-agricultural Land at Chabarana Budruk, Ahmednagar, S. No. 50(2).

(Area 62700 sq. ft).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay under document No. 113/83 dated 17-4-1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

M/s. Nirman Builders, 40-41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (East), Bombay-69.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Stup Consultants Ltd. 1004-5-7 Raheja Chambers, 213 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4568/972/84-85,---Whereas, I,

ANIL KUMAR,

ANIL ROMAR, being the Competent Authori'y under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No Office No. 305 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" at Vashi, DBC, Plot No. 10, Sector 17, New Bombay-703. situated at Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has, been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqu. Range, Pune on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 305 on third floor in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" at Vashi, DBC, Plot No. 10 Sector 17, New Bombay.

(Area: 495 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 4568/83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely the

135-416 GI/85

Date: 7-12-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/84-85/1211.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

S. No. 2A/1A/20-Deolali

altuated at Dist. Nasik (and more full described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Nasik on Apr. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any shomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Trimbak K. Gadekar, Gurukripa, Gadekar Bhavan, Nasik Road, Nasik.

(Transferor)

(2) The Chairman-Shri Nemicahd N. Chordiya, 'Shubhasanket' Co-operative Housing Society Ltd., Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given a that Chapter.

# THE SCHEDULE

Survey No. 2A/1A-1A/20+24. Deolai, Dist. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 1621 in the month of April, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons.

Date: 7-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4565/970/84-85.—Whereas, I.
ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Office No. 308 on third floor in
"NIRMAN VYPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17,
DBC Vashi, New Bombay.

DBC Vashi, New Bombay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the false.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Nírman Builders,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road, Andheri-Kurla Road,
 Andheri (East) Bombay-69.

(Transferor)

(2) M/s. Stup Consultants Ltd. 1004-5-7, Raheja Chambers, 213 Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 308 on third floor in "NIRMAN VYPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17, DBC Vashi, New Bombay. (Area 540 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4565/83-84 in the month of April 1984,

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poons.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) M/s. Makwana Bros & Co. 441, Somwar peth, Pune-411 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ibrahim Hussain Modak, 2411, East Street, Pune-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/964/84-85.—Whereas, I,

ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 406, 4th floor, H. No. 2416,

East street, situated at Pune-1

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 406, situated on 4th floor, H. No. 2416 East street, Pune-1.

(Area—1110 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4220 in the month of April, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

(1) M/s. Makwana Bros. and Co., 441, Somwar peth, Pune-411 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ijaz Hussain Ibrahim Modak, 2411, East Street, Pune-411 001.

(Transferoe)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/963/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 405, 4th floor, H. No. 2416,

East Street, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on Apr 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Chiections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACA shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, H. No. 2416, East Street, Pune-411 001.

(Area—1110 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A C. Acquisition Range, Pune under document No. 4219/83-84 in the month of April, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

#### PORM ITNS- was a series

(1) M/s. Nirman Builders, 40/41 ishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road) Andheri (East), Bombay-69.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Stup Consultants Limited, 1004-5-7 Raheja Chambers, 213 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4563/973/84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Cflice No. 302 on third floor, in "NIRMAN VYAPAR KENDRA" Plot No. 10, Sector 17, DBC, Vashi,

New Bombay-703

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

### THE SCHEDULE

Office No. 302 on third floor, in "NIRMAN VYPAPAR ENDRA" Plot No. 10, Sector 17, DBC, Vashi, New KENDRA" Bombay. (Area 495 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4563/83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) M/s. Gharkul Builders, 1535 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Padmanabh G. Thakar, 53 Bhosalo Nagar, Pune-7.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6640/979/84-85.— ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 16 at S. No. CTS No. 1593 Ranade Wada, Tilak Road, Pune-30, Sadashiv Peth situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pupe on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 4—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler

hb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as go er in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat 16 at S. No. C.T.S. No. 1533 Ranade wada, Tilak Road, Sadashiv Peth, Pune-30.
(Area 562.00 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6640/84-85 in the month of Oct., 1984.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Sh. Dharamchand Oswal and others, At Chowk, Tal. Khalapur, Dist. Raigad,

(Transferor)

 M/s. Atash Nitrates Pvt. Ltd., Jchangir Villa, 107, Wodehouse, Rd., Colaba, Bombay-400 005.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/721/1213/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouje Lohop, Tal. Khalapur, S. Nos. 5 & 5, Hissa 1-B & 2 situated at Dist, Raigad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karjat on Apr. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Lohop, Tal. Khalapur, Dist. Raigad. (Area—2.80 Hectares).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karjat under document No. 449/84 in the month of April, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followsing persons, pamely:—

Date: 7-12-1984

Foal :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/977/84-85.--

Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat No. 20, 'Bali Apartments' S. No. 30A/4B, Kothrud, situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range. Pune in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

136-416 GI 84

 M/s. Asian Builders— Partner—Mr. V. L. Tambe, 35, Vishwashobha Co-operative Housing Society, 528, Narayan Peth, Pune-30

(Transferor)

(2) Mr. Promod Balkrishna Lale, P.M.C. Colony, Building V. Block No. 12, Ghorpadi Peth, Shankarshet Road, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquinition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 20 'Bali Apartments' S. No. 30A/4B, Kothrud,

(Area—591 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3961/83-84 in the month of April, 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

.atc: 7-12-1984

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Dharamchand Poonamchand Oswal and others, Chalk. Tal. Khalapur, Dist. Raigad. (Transferor)

 M/s. Atash Patalganga Chemicals Pvt. Ltd., Jehangir Villa, 107, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-400 005,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411001, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/720/84-85-1214.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land at survey No. 18, Lohop, Tal. Khalapur situated at Dist. Raiged

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Karjat on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Thereter.

### THE SCHEDULE

Land at Survey Nos. 10, 15 Hissa No. 9 and 5 Tal. Khalk-pur, village Lohop, Dist. Raigad. (Area—2 H. 87).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karjat under document No. 448 in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1984

Scal:

(1) M/s. Laddha Mantri, 1482, Sadashiv Peth, 304, White House, Pune-30

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Narendra Makanji Balsara, C/o. Balsara Garage, 133/B, Parvati village, Pune-30.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411001, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/976.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000- and bearing

No. Flat No. 4, Parvati village,

situated at Pune-30

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC. Acqn. Range, Pune on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires dater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Parvati village, Pune-30 (Area-675 sq. ft. carnet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune document No. 4101/83-84 in the month of April, 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-12-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411001, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/975.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Flat No. 11, Parvati, village,

cituated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hyperses than than the fair

exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. and or

(1) M/s. Laddha Mantri, 1482, Sadashiv Peth, 304, White House, Pune-30.

(Transferor)

(2) Smt. Sushilarani Kasturilal Sharma,

(Transferce)

240, Gani Peth, Pune-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the in that Chapter. same meaning as given

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, Parvati village, Pune-30 (Area-675 sq. ft. carpet area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under decriment No. 4096/83-84 in the month of April, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411 001, the 3rd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7034/962/1984-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. C.T.S. No. 352/353 Shanwar Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range Pune on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offersaid preparity and I have reseen to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Navlakha Construction, 619 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Madhusudan P. Marathe, 661 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Charact XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

C.T.S. No. 352/353 Shanwar Peth, Pune (Area 620 sq. ft.) Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7034/84-85 in the month of October 1984.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Makwana Bros, & Co., 441, Somwar Peth, Pune-411 001.

(Transferor)

(2) M/s, Pantours Private Ltd., Hotmex Mansion, 72, Bhulabhai, Desai Road, Bombay-400 026.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411001, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/84-85/965.—Whertas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Shop No. 5, Ground floor, H. No. 2416, East street, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 5, situated on ground floor, H. No. 2416 East street, Pune-1, (Area-451. sq. ft.)
(Property as described the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4236 in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411 001, the 3rd December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6639/84-85/967.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing

No. Flat No. 2 at Plot No. 425/35, T.M.V. Colony, Gultekadi,

Pune-37 situated at Pune

of transfer with the object of :--

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (\*) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gharkul Builders, 1535 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

(2) Shri M. N. Basavrajappa, C/o Madras Fertilisers Limted, 425/40 T.M.V. Colony, Gultekadi, Pune-37.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 at Plot No. 425/35 T.M.V. Colony, Gultekadi, Pune-37. (Area 850 sq. ft.)

(Property as described in the agreemnt to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6639/84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Mumtaz H. Shaikh & Mr. Akhtar K. Kalokhe. Jabeen Apartments, Station Road, Kalwa, Thanc.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE

Pune-411001, the 7th December 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4880/84-85-966.--Wheeras, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. Flat No. 1 on 3rd Flor in Jabeen Apartment, Kalwa Dist. Thane CTS Nos. 885 to 893 situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908- (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer ot I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mr. Prabhudas Prahlad Chothani, Flat No. 1. Bhanusadan Building, Kalwa, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 3rd Floor in Jabeen Apartment, Kalwa Dist.

Thane. CTS Nos. 885 to 893.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4880 in the month of April 1984.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-12-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1985

New Delhi, the 19th January, 1985

No. F.5|2|84-EI(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Isdian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA. AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), 'HYDERABAD, 'IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, 'PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM, UDAIPUR AND VISHAKHAPATNAM commencing on the 9th July, 1985 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 19th January, 1985.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE. WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure 1, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 13. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, by Money Order, or by Indian Postal Irder payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi-General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the

137-416 GI/84

Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES
EXAMINATION, 1985. APPLICATIONS ON
FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY
APPRENTICES' EXAMINATON, 1985, WILL
NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Semetary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011 by post or by personal delivery at the country on or before the 18th March, 1985 (1st April, 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th March, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed dute will be considered.

A candidate' residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicober Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th March, 1985,

Note (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name, of the particular area or region entitled to additional time (e. g. Assam. Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time

Note (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rupees Thirty-six only) [Rs. 9.00 (Rupees Nine only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or Crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "0.51 Public Service Commission—Examination Free" and attach the receipt with the aplication.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJICITED. 1018 DOES NOT APPLY TO THE CANDIDELIS WHO APPLY EKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FLE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where the, are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriete of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to Indian origin from Sri Lanka and has migrated to Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 21.00 (Rupees Twenty-one only) [Rs. 5.00 (Rupees five only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will othe wise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 below mer can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 8. If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices Examination held in 1984 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 Examination, his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1984 examination in the Employment News.
- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10. The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will

consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure-II.

M. BALAKRISHNAN
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

#### ANNEXURE-1

# INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to winy he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 10th June, 1985 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own her describe in its or with ball-point pen. An application when the incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application forms correctly.

All candidates, whether already in Government Service or an Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent of temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of office Department that they have applied for he Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with the application:
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (See para 5. of Notice).
  - (ii) Attested certified copy of certificate of age.
  - (iii) Attested certified copy of certificate of Educational qualification.
  - (v) Two identical copies of recent passport sixe (5 cm. 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one copy pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
  - (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at echool and college and mentioning both his educational and sports success.
  - (vi) Attested certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
  - (vii) Attested certified copy of certificate in support of claim for age concession fee remission, where applicable. (See paras 5 and 6 below).
  - (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
  - (ix) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. ×27.5 cms.
- NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUB-MIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIFS OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED

OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1985. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (II)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6:—

 (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission of New Delhi General Post Office"

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Moster and a clear stamp of the issuing Post Office

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Scoretary. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the Strte Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also note be accepted.

Note: —Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Pestal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Regis-

of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examina-tion or an equivalent examination may submit an attested certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, records and the like will be accepted.

The expression Matriculation Higher Secondary Examina-tion pertitions in this part of the instruction includes the other pative dertificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examinasometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and ment's. In such cases, a candidate must send in addition to the attested certified copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate, an attested certified copy of a certificate from the Headmaster Principal of the Institution Corrections where he accorded the Matriculation Higher Secondary from where he passed the Matriculation Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his extract age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Cardidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED! CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT COLY
  THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
  THE MATRICULATION HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR THE MATRICULATION HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OF GRANTED. OR GRANTED.
- NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION. EXAMINATION.
  - (iii) Certificate of Educational qualification-

A candidate must submit an attested certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one

issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examina-tion submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed an attested certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case in covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University Principal of the College Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him. .

The form of certificate to be produced by the candidate.-

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* Inis is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*

son/daughter\* of Shrimati/was\* a bona-fide student of this University College Institution.\*

2. He|She\* has passed the first year examination under the three year degree course first year Examination of the five year degree course inst year examination of the nve year Engineering Degree Course first year Examination of the three year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education\* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first

Or

He|she\* has passed in...... division the first second\* year examination of the three year degree course 

- 3. @Helshe\* was examined in the following subjects:

@Not applicable to those studying for the five year degree-course in Engineering.

(Signature of the Registrar Principal)

(Name of the University|College|Institution\*/

Place.....

\*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested certified copy of a certificate from the Principal Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University Board.

Note:—A Candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested certified copy of a certificate in the form prescribed below. from the Principal of the College Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 16th August, 1985.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the cardidate:

This is to certify that Shri Shrimati	Kumari*
son d	aughter of
is expected to appear has appeared* at	الموارية والمتوارية والإنجابة والإنجابة
Ex	amination conducted by
	in the month of
19 with t	he following subjects—
••••	• •
(i)	
(-)	
•	
(ii)	
(2)	
(iii)	
(111)	
•	
(iv)	
(IV)	
(	Signature of Principal)
,	Digitation of remother)

(Signature of a management

. (Name of the College|Institution\*)

Placar...

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photographs .--

A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm.  $\times$  7 cm. approximately). photograph, one of which should be pasted on the first page of the application from and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein Fach

copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the Certificate to be produced by Scheduled Castes Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

This is to certify that Shri|Shrimati|Kumari\*
son|daughter\* of
of village|town\* in District|Division\*
of the State|Union Territory\* belongs to
the Caste|Scheduled Tribe\* which is recognised
as Scheduled Caste|Scheduled Tribe\* under:

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950@
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
Order, 1951@
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories)
Order, 1951@

Tribes lists Modification Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North-Fastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956@

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962@

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962@

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964@

the Constitution (Scheduled Iribes) Order Pradesh Order, 1967@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968@

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968@

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978@
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978@

'c2. Application in the case of Scheduled Castes|Scheduled Tribes persons who have migrated from one State|Union Ferritory Administration.

\*Please delete the words which are not applicable.

Union Territory

@Please quote specific Presidential order

% Delete the paragraph which is not applicable

Note.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950

- \*\*List of authorities empowered to issue Caste|Tribe certificates
- (i) District Magistrate Additional District Magistrate Collector Deputy Commissioner Additional Deputy Commissioner Deputy Collector Ist Class Stipendiary Magistrate

that Magistrat | Sub-Divisional Magistrate | Taluka Magistrate | Executive Magistrate | Extra Assistant Commissioner.

- (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate Magistrate.
  - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and for his family normally resides.
- (v) Administrator|Secretary to Administrator|Development Officer, Lakshadweep
- 5. (1) A displaced person from erstwhile East Pakistan now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/ecrtified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st lanuary, 1964, and 25th March 1971:---
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may tor the time being, be resident;
  - (3) Additional District Magistrates in charge of Refuged Rehabilitation in their respective district;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal Director (Rehabilitation), in Calcutta,
- (ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b) (iv) or 5(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Cevlon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (vi) or 5(b) (vii) and or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriact from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Service, claiming age concession under Rule 5(b) (vlii) or 5(b) (ix) should produce an attesttd certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with pay forcion country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the Certificate to be produced by the candidate.—	2. He is due tor release retirement w.e.f
Certified that Rank No Shri of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a distrubed area* and was released as a result of such disability.	Name and Designation of the Competent Authority  Station
Signature	Date SEAL
Designation	÷
Date	Authorities who are competent to issue certificates are as follows:—
*Strike out whichever is not applicable.	(a) In case of Commissioned Officers including ECOs SSCOs.
(v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.	Army—Military Secretary's Branch, Army Hqrs, New Delhi.  Navy—Directorate of Personnel Naval Hqrs, New
	Delhi.
(vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is repatriate of Indian origin from Lambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession	Air Force—Directorate of Personnel Officers, Air Hars, New Delhi.
under Rule 5(b) (xii) or 5(b) (xiii) should produce an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the	(b) In case of JCOs ORs and equivalent of the Navy and Air Force.
countries mentioned above.	Army—By various Regimental Record Offices.
(vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ESOs SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(b) (xiv) of 5(b) (xv) should produce an attested certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.	Navy—BABS, Bombay.  Air Force—Air Force Records, (NERW), New Delhi.
(A) Applicable for Released Retired Personnel  It is certified that No. Rank  Name whose date of birth is  bas rendered service from to  in Army Navy Air Force and he fuffits  Cold the following conditions:	(viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xvii) and or remission of the under paragraph 6 of the Notice should produce an attested certined copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.—
(a) Has rendred five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.	(1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
	(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on	(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
Name and Designation of the Competent Authority Station	(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
Date SEAL	(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
(B) Applicable for serving personnel.	(3) Deputy Refugee Renaumation Commissioner.
It is certified that No	6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(1), (ii), (iii) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also

produce an attested certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or after or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the caudilate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been incepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Fature to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Framinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharar Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1 The

Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BY ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
  - (1) NAME OF EXAMINATION.
  - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
  - (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
  - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
  - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
  - A B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED 10.
  - N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN FXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE JGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 14. Change in address.- A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRFCTED, IF NFCESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE LARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

#### ANNEXURE-II

### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

#### A. ORIECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) vou do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination

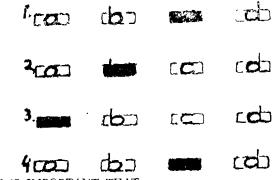
# B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TFST BOOK-1 FT. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ..... etc. Under each item will be given suggested auswers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than than one, your response will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, rectangular spaces marked, a b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the Answer Sheet.



### I'I IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you mustbring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination half twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5 You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination half. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item tesponse. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be wrinen. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

#### E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet numbers, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

#### F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

# G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheer and the sheet for rough work out of the examination Hall.

### SAMPLE ITEMS (QUESITONS)

(Note-\*denote the correct[best answer-option)

#### 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the 'olood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

### 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- \*(d) largest so far

### 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- \*(a) spraying with growth regulators.
- (b) planting wider apart.
- (c) planting in the correct season.
- (d) planting with close spacing.

# 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V2O5

# 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- \*(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

# 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

#### 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

#### 8 (Mathematics)

The family of curves assume incomes the origin and sausfying the equation

$$-\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) ymax+h
- (b) y **∞** нх

# 9. (Phycics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- +(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- \*(b) 3
- (c) x
- (d) -5

## 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) it is the deltate part of most of the rivers of Burma
  - (c) has excellent forest resources
  - (d) most of the oil resources are—found in this part of the country

# 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Blahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism,
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- \*(c) With the rise fo Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
  - (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

# PART III-SEC. 4] THE GAZETTE OF INDIA, JANUARY 19, 1985 (PAUSA 29, 190

### 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimainsa,
- (b) Nyāya, Vaisesīka, Jainism and Buddhism, Cārvākā,
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- \*(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka

# 14. (Political Science) 'Functional representation' means:

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group of a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to 1
- \*(b) reduction of the drive state,
- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning

#### 16. (Sociology)

Panchayan Raj institutions in India have brought about one of the following:

- '(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased,
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) save been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.